

॥ श्री ॥

अखिल भारतवर्षोपयोगी-वेधोपपत्तिसह

सम्बत् १९९५ शके १८६०

का

भारत विजय पञ्चांग

अर्थात्

इण्डियन-अल्मनाक

INDIAN ALMANAC

[Astronomical Ephemeris]

सम्पादक—

ज्योतिषाचार्य वि. भू. पं. दीनानाथ शास्त्री चुलैट.

अध्यक्ष पंचांग संशोधन समिती, इन्दौर.

समस्त संसार में भारतीय-वैदिक शुद्ध नाक्षत्र पद्धति की
आवश्यकता को अनेकानेक प्रमाणों से सिद्ध करनेवाला

अखिल भारतवर्षोपयोगी-वेधोपपत्तिसह

सम्बत् १९९५ शके १८६०

का

भारतविजय पंचांग

अर्थात्

इण्डियन-अल्मनाक

INDIAN-ALMANAC.

(१ ASTRONOMICAL EPHEMERIS.)

इन्दौर वैदिक वेधशाला और पंचांग संशोधन कमेटी का
(Standard-Edition)

प्रकाशक—

श्रीमंत होल्कर सरकार की परम उदारता और आज्ञा

मुद्रक—

दि. रा. एकतारे, बी. ए.—सहाकारी मुद्रणालय इंदौर.

सम्पादक—

व्योतिषाचार्य वि .भू. पं. दीनानाथ शास्त्री चुलैट

अध्यक्ष पंचांग संशोधन कमेटी इंदौर

[मूल्य २ रुपये ८ आना]

संवत् १९९५ भारत विजय पंचांग (इण्डियन अल्मनाक)

विषय सूची

विषय	पृष्ठ
भूमिका—पंचांग का पूर्वरूप और वैदिकज्योतिष, सुपर्ण-चित्ति और खगोलिक नक्षत्रों का परिचय, शुद्ध नाक्षत्र पद्धति से वैदिक और वर्तमान ज्योतिष की एक वाक्यता, ज्योतिषशास्त्र की वर्धमानता और एकता, वेदोक्त और सिद्धांत ज्योतिष के कल्प वर्धमान की एक वाक्यता, सर्व सिद्धान्तिक शुद्ध ग्रहलाघव से पंचांग निर्माण, प्राचीन सूर्यसिद्धांत से एकता सर्व सिद्धांतिक्यता के और ग्रहलाघव में बीज संस्कार के कोष्टक	१-१७
पंचांग का परिचय—वेधोपपत्तिसह पंचांग साधन का परिचय। उपपत्तिसह ग्रहों का वेध गणित परिचय, सहायकों को धन्यवाद। अंतिम निवेदन	१८-२३
संवत्सर फलम्	१
गुरु शनिचार फल	२
हिन्दी में संवत्सर फल (वर्ष भविष्य)	३
विवाह मुहूर्त। रेखा, इष्ट काल स्टैं. टा. के सहित	४
उपनयन मुहूर्त	५
मुहूर्त चिं. मार्तण्डादि मतेन आवश्यक मुहूर्ताः	६
इन्दौर नगर की सूक्ष्म लग्नसारणी तथा पट्वर्ग शुद्धांश	७
सूक्ष्म मानकी सुगम दशम भाव सारणी	८
नक्षत्रादि अवकट्टाचक्र	९
क्रांति साध्य महापात कोष्टक	१०
भारत के संपूर्ण अक्षांशों का शुक्र, गुरु, अगस्त्य का लोप दर्शन	११
भारत के संपूर्ण अक्षांशों के स्वादय, पलभा चरखंड	१२
मंगल, बुध और शनि का उदयास्त	१३
इन्दौर शहर का दैनिक चन्द्रोदयास्त	१४
दैनिक चंद्र परमलयन	१५
राशिस मास दशा देखने का चक्र	१६
सूक्ष्म मास प्रवेश सारणी	१७
सूक्ष्म वर्ष प्रवेश सारणी। खग्रास चन्द्रग्रहण	१८-२२
भारत के प्रसिद्ध २०० नगरों के अक्षांश और इन्दौर मध्यरेखा से रेखांश स्टैं. टा. आदि	२३
वर्ष प्रवेश तथा वर्षा कुंडली से फल ज्ञान, अष्टोत्तरी मतेन लाभ स्वर्च, कोष्टक	२४
विंशोत्तरी मतेन लाभ स्वर्च कोष्टक	२५
जन्मपत्रिका व वर्षफलोपयोगी कोष्टकों का उपयोग	२६
विशोपका तथा पंचांग संशोधन की पूर्ण प्रणाली	२७
भारत विजय पंचांग के चैत्रादि १२ मास तथा प्रत्येक पक्ष का व्रतादि धर्मशास्त्र निर्णय। ग्रहों की	

विषय	पृष्ठ
परस्पर युति। प्रातःकालिक दैनिक ग्रह स्पष्ट और गति। प्रत्येक मास का संक्रांति फल तथा मास फल, अवाधित ग्रह और उसकी कुंडली	२४९
मकर संक्रांति फल, और यात्रा मुहूर्तादि कोष्टक	५०
ग्रह शांति चक्र	५१
नक्षत्र संज्ञाफल और दशदोष विचार तथा अन्य मुहूर्त	५२
वर्ष फलोपयोगी कोष्टक	५३
नक्षत्र चरण गत कक्षावली तथा दिन, रातका चौपड़ीया और योग कोष्टक	५४
पट्वर्ग साधन चक्र, राशि गुणादि स्वरूप चक्र	५५
पत्रिका के उपयोगी रेखाष्टक वर्ग, महादशा, भैत्री-चक्र आदि	५६
विंशोत्तरी महादशा की अंतर्दशाएँ व राशिफल	५७
विविध विषय उपयोगी चक्र	५८
तिथि साधन समाप्ति काल	१-१४
नक्षत्र साधन	१५-२८
योग साधन	२९-४२
ग्रहों का वेध गणित (इण्डियन अल्मनाक विभाग)	
सूर्य का वेध गणित	४३-६७
चंद्र का	६८-९१
मंगल का	९२-११५
बुध का	११६-१३९
शुक्र का	१४०-१६३
शुक्र का	१६४-१८७
शनि का	१८८-२११
भारत वर्ष के प्रसिद्ध नगरों का दिनगान,	
सूर्योदयास्त और चरपल	२१२-२३५
भारत वर्ष के अक्षांश ८ से ३५ तक की लग्नसारणियाँ	२३६-२५१
१८ युगारंभ कालीन अयन, परमक्रांति स्थिति-दशक वेदोक्त ऐतिहासिक कोष्टक	२५२
अभिप्राय	
हमारे रचित प्रकाशित ग्रंथों का परिचय और उनपर प्राप्त हुए विद्वानों के अभिप्राय।	२५३-२७८
एक मुखी पंचांग के लिये अत्युपयोगी प्रकाशित होनेवाले अद्वितीय तीन ग्रंथ।	२५९

भूमिका

पंचांग का पूर्वरूप और वैदिक ज्योतिष

सविता प्रार्थयतु श्रेष्ठमाय कर्मणे । (यजु. १।१)

१ भारतवर्ष यही एक ऐसा देश है जिसने समस्त अन्त्यान्त्य देशों को मानव धर्मशास्त्र और कई प्रकार की ज्ञान विज्ञान की शिक्षा दी और पर्याय से समझाई है* । हमारे देश के वेद जो कि संसार में आदि ग्रंथ माने जाते हैं, भारतीय तो उसके एक एक अक्षर को ईश्वर के वाक्य तुल्य शिरोधार्य करते हैं । और आज भी यूरप, जर्मनी, एशिया, अमेरीका आदि देशों के तत्त्वज्ञपंडित वेद के महत्व की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हैं । यह एक गौरव की बात है । हमारे यहाँ की शिल्पकारी, संस्कृत वाङ्मय और दार्शनिक तत्त्वज्ञान तथा वेदवर्णित खगोल विज्ञान ऐसे ही कल्पसूत्र ग्रंथोक्त भूगोल, खगोल संबंधी आदि ज्ञानोपदेश की पद्धति आज भी पाश्चिमात्य विद्वानों में जो तत्त्वशोधन कार्य के पीछे पड़े हैं उन्हें हैरान कर रही है ।

२ ऊपर दिखाए गए अंगों में खगोल विषय वाला ज्योतिःशास्त्र विभाग स्वतंत्र ऐसा विशेष महत्व को धारण किये हुए है । आकाश में चमकने वाले तारागण उनके नक्षत्रपुंज, राशिपुंज, देवतापुंज, आकाशगंगा, शीरी (इक्वलिंस), देवयानी (इंडोमिडा), भरत (ओरायन) निकट के तारों के जत्थे (नेबुला नीहारिका) कि जिसके प्रकाश को यहाँ तक आने में ९ लाख वर्ष लगते हैं । इत्यादिकों के नाम, प्रांतविभाग, रंग, प्रति (प्रकाश वर्ग), आकृति, रचनाप्रकार वेद में किस तरह विशद रूप से वर्णित है । इनमें ज्योति को कौन पूर रहा है । इनके नभमंडल में ग्रहों का संचार होने से आकर्षण और प्रकाशशास्त्र द्वारा इनका परिणाम पृथ्वी के मनुष्य, वनस्पति, प्रकृति आदि पर किस तरह होता है । इसका उत्तर ज्योतिःशास्त्र ही दे सकता है । इसमें का बहुतसा भाग वेद में वर्णित है । वह ऋषियों के अध्यात्म बल पर कहा होने से युग कल्पमानादिके परिमाण, वसंतसंपात का आगे की ओर बढ़ने से पीछे की ओर हटना, परमक्रांति की चक्रगति आदि अत्यंत दीर्घ कालीन बातें आज वेद से ही उपलब्ध हो सकती हैं । इस तरह का दृष्टिपात भारतीय विद्वानों में से कै० लोकमान्य तिलक, ज्यो. वि. अविनाशचंद्र दास, शंकर बालकृष्ण दीक्षित आदि; पाश्चात्य विद्वानों में से जर्मन पंडित भद्र म्याक्समुल्लर, प्रो. याकोबी एवं ब्रैमान में खगोल वेत्ता पं. आइन्स्टाइन आदि का हुआ है । और इन्होंने जो ग्रंथ प्रकाशित किये हैं वह उल्लेखनीय एवं अत्यंत उपादेय हैं ।

३ यह देखा गया है कि भूगोल के सवाल का जवाब किसी भी विद्यार्थी को देने में सुगम और सरलता की हद को जैसे संशोभकों ने पार करी है वैसे उसके मुकाबले में खगोल का ज्ञान सर्वथैव अपेक्षित होते हुए भी इसके ऊपर ध्यान नहीं पुराया गया है । न किसी तत्त्वज्ञानी ने कसकर महिनत ही इसके प्रचार में की है ।

४ इससे बड़े ही कष्ट के साथ कहना पड़ता है कि यह खगोल ज्योतिर्विज्ञान का विषय जो कि वैदिक काल में मंत्रद्रष्टा अतीन्द्रियज्ञानवाले महर्षियों के नेत्रसंमुख हस्तामलकवत् नृत्य कर रहा था जिसके बल पर आधि से ज्यादा चारों वेदों का भाग रखा हुआ आज भी हमें उपलब्ध हो रहा है । वह वेदार्थ एवं खगोल ज्योतिर्विज्ञान हमारे प्रमाद-आलस्य और उपेक्षा के कारण नहीं के समान हो बैठा है । भारतवर्ष में आज कोई भी विद्वान् आकाश की तरफ आँख उठाकर देखने की सनिक भी परवाह नहीं करता है । आज वेदों का अस्तित्व धार्मिक भाव से संबंधित हमारे से हजारों लाखों वर्ष होने पर भी ज्यों का त्यों बना हुआ है । इससे वेदप्रणीत विज्ञान को भूल भेटे । जिम यज्ञ संस्था से वैज्ञानिक प्रयोगों के तरह विभिन्न कालों का निश्चय किया जाता था तदनुसार

* एतद्देश प्रसूतस्य सकाशादप्रजन्मनः ॥ स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्या सर्वमानवाः ॥ मनु २-२०॥

ज्योतिःशास्त्र के आधार पर यज्ञ किये जाते थे। यह यज्ञ और विज्ञान का संबंध विच्छेद हो बैठा। अयनानुसूक्त यवतिलादि हवर्गय द्रव्य, नक्षत्र देवता, और दान देने की वस्तु यह सब वैदिक यज्ञ में प्रत्यक्ष विज्ञापनकारी होती थीं ! ऐसे ही दर्श पौर्णमास, गवामयन, एवं सोमयाग की धिष्ण्य रचनानुसूक्त यज्ञशाला, एक प्रकार की प्राचीन वेधशाला होती थी। यह सब आज केवल धर्म की ओट में जाने से वेदार्थ की शालाओं का धर्मशाला रूप समझा जाने लगा है। तथापि इस ज्ञान युग में अब फिर से विद्वान लोग वेद की विज्ञानताके ऊपर ध्यान देने लगे हैं यह संसार में ज्ञानक्रांतिकारी बड़ी उपयुक्त बात है।

“प्रत्यक्षादिश्रुतयः श्रौतेषु स्मार्तेषु च पुनः कर्तृसामान्यादनुमेयाः श्रुतयः” (पारस्कर गृह्यसूत्र १।१)

यज्ञे. द्रव्यं देवतात्यागः (का. श्रौ. तथा षड्विंश ब्रा. २-४ पृ. १४)

इन ग्रंथों में खगोलिक स्थितिका अनुकरण यज्ञप्रयोग में करने से कई सिद्धांतों का निश्चय यज्ञद्वारा होता था “एकाचमेतिस्रश्चेमे०” शुक्लयजुर्वेद (वाजस संहिता १८।२४) मंत्र से वर्ग, वर्गमूल (एकोन्त्री) का पाठा चार मिनिट में तैयार होता है। इसी तरह “एकयाच दशभिश्च” शुक्ल-यजुर्वेद (वाजस संहिता २७।३३) द्वारा जहाँ लग्नग्रह का देवल काम न दे सकता हो उतनी लंबी अंक संख्या का पाठा ४ मिनिट में तैयार होता है। जिससे गुणाकार भागाकार बहुतही शीघ्रतासे होता है. इत्यादि का अर्थ समझाने के लिये हाजिर हैं.

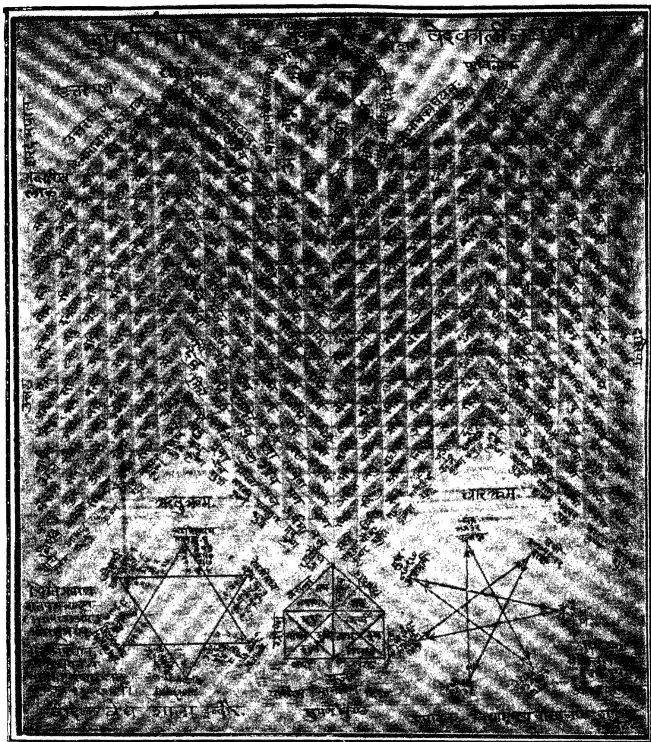
सुपर्णचित्ति (२८ हजार वर्ष पुराना वैदिक पंचांग का एक चित्र)

जिस समय अकलेखन कला का आविष्कार नहीं हुआ था उस समय कालज्ञान के लिये इष्टिकाकृति की चित्ति नामक बड़ी ऊंची इमारत द्वारा पंचांग बनाये जाते थे उनके प्रकारांतरों से (१) द्रोणचित्ति (२) रथचक्रचित्ति (३) कंकचित्ति (४) प्रउगचित्ति (५) उभयतः प्रउग (६) समुहपुरीषचित्ति (७) श्येनचित्ति नाम प्रसिद्ध हैं। हजित देश के अति उँचाई के पिरा मीड द्रोणचित्ति व कंकचित्ति के आकृति के हैं। पांच इष्टिका की श्येनचित्ति बनती है। इसके सिवा दोनों तर्फ १५ इष्टिका की दो पंखवाली और शिरपुच्छ की ६ इष्टिका युक्त २१ इष्टिका लंबी सुपर्णचित्ति होती है। हमारे युगपरिवर्तन पुस्तक के (पृष्ठ २७-६८) वैदिक पंचांग शीर्षक में सुपर्ण चित्तिका रचना प्रकार और पंचांग के मुख्य उपयोग बतलाया गया है। अतः इस पंचांग में एक इस का चित्र दे दिया है। इस के द्वारा दो तीन लाख वर्ष तक के तिथि नक्षत्र अयन दिनमान अधिक मास आदि भी आज हमें (लिखित देवता नामों के नक्षत्रोपर से) माहूम हो सकते हैं। और इसमें जो इष्टिका क्रम रखा है उसपर से यह वेदांग-ज्योतिष कालीन यानी माघ शुद्ध १ के निकटमें धनिष्ठा नक्षत्रपर वसंत संपात की स्थिति थी यानी शकपूर्व २२ हजार वर्ष के निकट की निश्चित होती है। तब से भारत वर्ष में लिखित पंचांग का प्रचार रूढ़ होने से धीरे धीरे लुप्त चित्तियां नष्ट होगईं। किंतु हजित में लिखित जंघी अभी खिष्टारंभ से शुरू होने से उसके पूर्वकालीन चित्ति जिसे पिरामीड कहेंगे हैं। उनके एक दो दृश्य आज भी उपलब्ध होते हैं। ऐसे ही भारतवर्ष में जहाँ जहाँ श्रौतयज्ञ होते हैं उस समय पूजा करने के उद्देश से चित्तियों के चित्र उपलब्ध है। इन चित्रों द्वारा काल ज्ञान होता है यह शोध हमने ही लगाया है तब इस को वेदकालीन पंचांग नाम (जिसको कि शकारंभ के बाद लोग भूल गए थे) हमने ही दिया है। इस चित्र के नीचे एक वारक्रमविमर्ष शीर्ष अलिख्य है, जिस में ७ ग्रहों के प्रदक्षिणा कालके अनुक्रम से शनि, गुरु, मंगल, राशि, शुक्र, बुध, चंद्र नामक एक एक ग्रहे की होरा ७ अहोरात्र की २४ होरा में (७×३=२१+३=२४) तीसरे तीसरे ग्रह के होरा सूर्योदय के समय होतेसे प्राचीन काल में (अर्क,

१ “वेदादि यज्ञार्थमभिप्रवृत्ताः कालानुपूर्वा विद्विताश्च यज्ञाः ॥ तस्मादिदं कालविधानशास्त्रं यो ज्योतिषं वेद स वेद यज्ञम् ॥ ” (वेदांग यजुर्वेद ज्योतिष) । २ एवं च “कर्मपरिमाणानुसंगमात्कालपरिमाणानुसंगमात् ॥

कालपरिमाणानुसंगमात्कर्मपरिमाणानुसंगमात् ” (कात्यायन श्रौतसूत्रे शतद्वित्रये उवट भाष्यं)

सुपर्ण चिति यानी तीनलाख वर्ष का वेदकालीन पंचांग ।

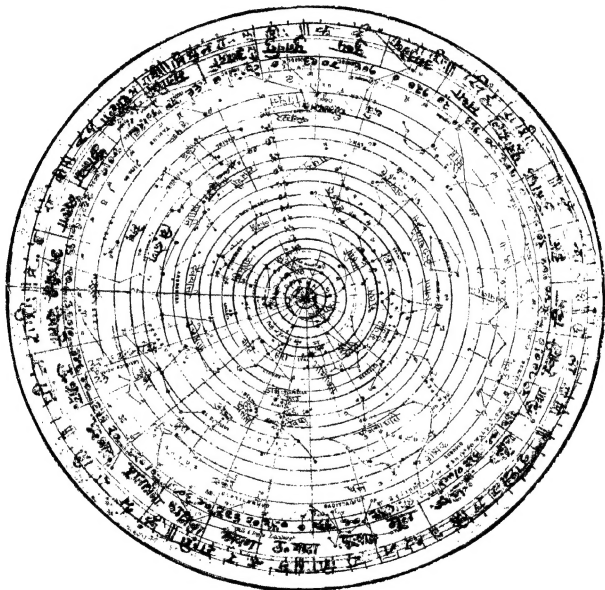


जिस समय अंकलेखनकला का प्रादुर्भाव नहीं हुआ था उस प्राचीन बौद्धिककाल में इसी तरह की इंटों (इष्टिका) की रचना द्वारा यजमानासन से सूर्य के पूर्व में उदय की स्थिति और रात्री में नक्षत्र, चन्द्र स्थिति को प्रत्यक्ष देखकर ऋषि लोग कालमापन करते थे।

तारका पुंज

नक्षत्र मंडल का उत्तरीय भाग

(क्रांति वृत्त से कर्दवाभिमुख भोगशर का भगोलिक दृश्य)



अभिर्वा आदि नक्षत्र विभाग की अंतिम रेखा के १३ अंश २० कला इय प्रकार

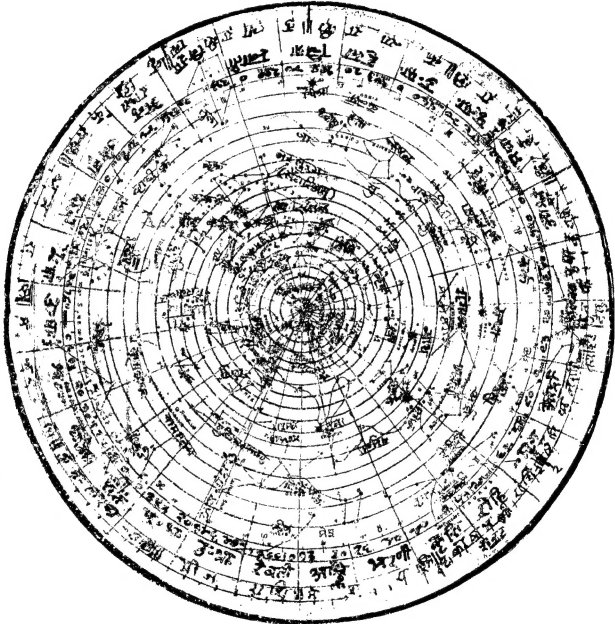
३६० अंशों में २७ नक्षत्रों के भोग विभाग लिखे हैं।

उत्तर कर्दव के चांगिदं कार्त्तव्य पुत्र

(वैदिक वृत्त - टाकी)

लेखक—बुलेंट शर्मा

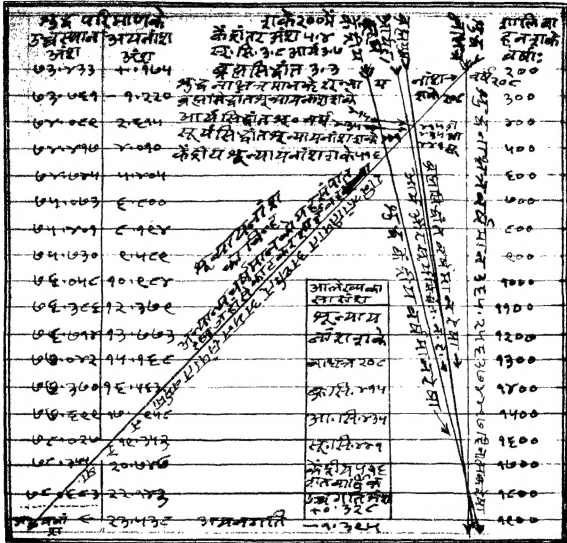
तारका पुंज
नक्षत्र मंडल का दक्षिण भाग
(क्रांति वृत्त से कर्दवाभिमुख भोगशर का भगोलिक दृश्य)



अश्विनी आदि नक्षत्र विभाग की अंतिम रेखा के १३ अंश २० कला इस प्रकार
३६० अंशों में २७ नक्षत्रों के भोग विभाग लिखे हैं।
दक्षिण कर्दव के नागिंद शिष्टि पुंज है
(गिन-विस्तार)

लेखक — चुलैट शास्त्री

सम्पूर्ण सिद्धान्तोंसे वर्तमान में अयनांशों की
एकवाक्यतादर्शक परिलेख ।



इके १८०० के करीबसे सबसिद्धांतों के अयनांश शुद्धनाक्षत्र वैदिक नक्षत्रों से [अखंड परंपरायुक्त] मिलते हैं ।
आगे शुद्ध वर्ष मान ३६५ दिन १५ घं. २२ पं. ५७ वि. और शुद्ध अयन राशि ५०२ विकला लेनेमें एक
वाक्यता सदा कायम रहती है ।

लेखक,
दीनानाथ शास्त्री बुलैट.

पलाश, खदिर, अपामार्ग, पीपल, गूलर, शमी इन) समिधाओं का निल होम करने से वास्ते समूक की पालाशभवति इत्यादि मंत्रों में समिधा के नामसे ही कहते थे । अब सांपत में बार के नामसे कहने लगे हैं ।

वैदिक खगोल विज्ञानके क्रांतिवृत्तीय नक्षत्र दो तथा विषुववृत्तीय नक्षत्र ६

क्रांतिवृत्त (सूर्यगमनमार्ग) को मध्यमें मानकर उत्तर कर्दवाभिमुखशरवाले तारकापुंज ४० तथा दक्षिण शर वाले ४६ ऐसे ८६ प्रांत में के आकृति ९६ दोनों नक्षत्रों में हैं । चंद्रादि ग्रह उत्तर दक्षिण शरोंतरमे इसी सूर्य गमनमार्गसे जाने कारण पंचांगमें लिखे भोगशर की जांच इस नक्षत्रेष्टाशरलनापुंजक हो सकती है । इतनाही नहीं तो पारदर्शक कांचपर विषुववृत्तीय रेखा चक्र के नीचे इस नक्षत्रपर से परम क्रांति के तुल्य द्वाग अयनांश ३४३।१६३ अंश कालीन आकाशकी स्थिति ज्ञात हो सकती है । इन्दौर पंचांग रिपोर्टर (भाग २) में अतवारका संपात=शतपथब्राह्मण कालीन स्कंद का स्वर्गारोहण=शकपूर्व ५४६९८ वर्ष की तथा ययाति (पश्चिम्य) का स्वर्ग में पतन=शकपूर्व ७५०९४ वर्ष की आकाश की स्थिति इन दो नक्षत्रों के मोडेल द्वारा प्रत्यक्ष बतलाई जाती है । इसी तरह वेदोक्त खगोलिक ऐतिहासिक घटना के मंत्रों का अर्थ (कौन पुत्र किस दिशामें दे इत्यादि) चतुःश्रीमा सममंडल में आनेपर तारों का पतिपतित्वादि संबंध इस के द्वारा स्पष्ट हो जाता है । साथ में परमक्रांतिकी चक्रगति सिद्ध होते हुए वैदिक काल की ऐतिहासिकता आज से ३ लाख वर्ष पूर्व की निश्चित हो जाती है । जो कुछ थोड़ा बहुत फर्क पड़ता है सो तारों की निजगति संबंध का है । उदाहरणार्थ जैसे ऋग्वेद (८।१।१६) में “ चतुष्कपदा युवतिः सुपेशः ” तथा तैत्तिरीय ब्राह्मण (१-२-१-२६ में “ अहो बुध्नियमंत्रम० ॥ ”

“ चतुःशिखंश युवतिः सुपेशः० ”

अर्थात् ऋग्वेद में जो देवयानी के जटाजूट के ऊपर अल्फेराट्ट का तारा लिखा था वही ब्राह्मण काल में उत्तग-भाद्रपदा (अहिर्बुध्न्य) का तारा देवयानी के शिखामें लिखा किंतु वही तारा चारसौ वर्ष के पूर्व काल में यानी अयनांश १९-२० के समय के विषुवाश क्रांति के नक्षत्रमें आबपर दिखलाई देता है और क्रांतिवृत्तीय प्रस्तुत नक्षत्रमंथ के स्थान में दिखलाई देता है । संभव है इन में थोड़ा फर्क होगा लेकिन वह तारा ऊपर की ओरसे नीचे की ५-६ अंशतक आगया यह स्पष्ट है और इस तारे की निजगति भी ज्ञात होगई है । तब इस तरह के १०-२० तारों के प्रमाणोंसे जो मंत्रग्रष्टा ऋषिका काल निश्चय होता है वह ऐतिहासिक होना ही चाहिये । इसी तरह हमने भरत, मृगशिर इत्यादि मकरराशि त्रिकांड बाण आदिके रूपवत्सयि द्वारा ३ लाख वर्ष के कालानुक्रम का पत्र अहमनाक भाग के अंत्यमें दिया है । इत्यादि कार्य इन नक्षत्रों से होते हैं । इसीका विस्तृत रूप विषुववृत्तीय नक्षत्र ६ में है । सो आगे दीये गये हैं ।

शुद्धनाक्षत्रपद्धति की अखंड परंपरासे वैदिक और वर्तमान ज्योतिष की एक वाक्यता

आकाश में चित्रा तारा १ प्रती का दीप्तिमान् क्रांतिवृत्त के निकट में होते हुए उनकी निजगति बहुत अल्प है । एक हजार वर्ष में विषुवदिगंश २३१ के तर्फी एक कला चलता है तो क्रांतिवृत्तीय भोगांश १ का फर्क एकट्ठाव वर्ष में पड़सकता था लेकिन शीरी (इंड्र=इर्युलिस) के जल्ये हुवाशिष्ट=उच्छिष्ट सूक्त ६ (अथर्व सं. १।१९) की ओर अपनी ग्रह माला को लिये मंदगति से घुर्ष जा रहा है इसलिये दोनों की चाल भ्रमण होकर चित्रा की क्रांतिवृत्तीय अंतर उपेक्षणीय हो जाता है । तीन लाख वर्ष का नाप जिस शुद्धता के बलपर आज हम कर रहे हैं उसका मूल आधार वैदिक ऋषियोंकी स्वीकृत चित्राकी अखंड परंपरा है । वैदिक ऋषियोंने चित्रा देवता त्वाष्टा के विभागगणना में क्रांतिवृत्त के ठीक १८० मध्य में मुख्यतः है ।

‘ त्वाष्टारूपाणामधिपतिः ॥ ’ ‘ इहत्वाष्टारमग्निं विश्वरूपमुपह्वये ॥ अस्माकमस्तु केवलः ’

(ऋक्संहिता १।१।२५)

इस तारेके बिंब का आधा भाग कन्या और आधा भाग तुला राशी में जाने के कारण कन्याको भी: तुला को लक्ष्मी उल्लिखित कर के इसके द्वारा क्रांतिवृत्त (लोक) के इच्छानुसार विभाग निश्चित करें

“ श्रीश्रुते लक्ष्मीश्च पत्न्याश्च होरात्रेपार्थे नक्षत्राणि रूप-अश्विनौ व्याप्तम् । (मुखं चारंभस्थानं इत्यर्थः) इष्ट्याश्रिवाणामुं इषाण सर्वं लोकं इषाण२ (वाजस. सं. ३१-२२) त्वष्टा सुदत्रो विद धातु रायः ।

(वा. सं. २-२४) ऐसा वेदमें लिखा है (और लेख के आरंभ में भी: लिखने की, तुला के रवि चंद्र पर लक्ष्मी पूजा करने की परंपरा सर्व साधारणमें आज भी प्रचलित है.) इस लिये चित्रा को देवहूति, यह तारा प्रकाश को फैकने वाला होने से अवद्वज्जहाणि, एकाकी होने से स्पष्टएका जिसका अपभ्रंश सैका प्रसिद्ध है ईशावशस्य या जाया सा रिमन्वर्णमा भरत् (अ. सं. ११-१०-१७) कन्याराशिका तारा सब चित्रोंका विभाग स्वरूप निश्चित करनेवाला होने से उसका चित्रा नाम पड़ा है । प्राचीन राशियोंके विषम विभागों के सम विभाग चित्रा से समान रूप करने संबंध में ऋग्वेदका एक संपूर्ण निर्विद अध्याय चित्रास्तोमरूप है । उसके प्रत्येक सूक्त के अंत्य में प्रेमां देवो देवहूतिसवतुदेव्याधिया ॥ चित्रश्चित्राभिरूतिभिः अवद्वज्जहाण्यावसागमत् ऐसा कहा है । तथा ऋग्वेद संहिता (२-३-४) में

“ आत् इत् त्वष्टाप्रारब्धन्तर्ग्यानजे ॥ अन्यानामानि कृण्वते सुतेसर्चा अन्यैरेतान्कन्यानामभिःभरत् ॥” त्वष्टाका आरुपा चित्रा का तारा (आरुपा वर्जितम्=सैका तारा) अत्र तुला में और कन्या के अंतर्गत है । जो कि अन्यान्य कन्या राशि के तारों के नामों के साथ (अथर्गु=अरुपा, ब्राह्मणाच्छेसी=पीठा, उद्गाता-उपस्थाईन इस तरह पुंलिंग के अन्यान्य नामों में) यह आया है । इसी तरह वृश्चिक पुच्छाकृत के १० तारे चित्रागणना (मूल पूर्वाषाढा उत्तराषाढा पारं धनुः) के कथन से धन राशि में (मूल नक्षत्र के तारे) जाते हैं । उस संबंधमें “अथा मुरीय (मूलनक्षत्रीय) यदि यातुधानो (निर्हति) अरिम यदि वायुस्ततप पुरुषस्य ॥ अधास वीरिदक्षभिर्विद्यया योमामोघं यातुधानेत्याह ॥”

अर्थ संहिता (८-४-१५) के संबंध अध्याय में मूल नक्षत्र को वृश्चिक से हटाकर धन राशि में परिगणित किया है तबसे—

द्वादश प्रथमश्चक्रमेकं त्रीणिनभ्यानि कउताश्चिकेत ॥ तस्मिन्त्सकांशशतानसंकवोर्पिताः पट्ठिर्चला चला सः (ऋ. सं. २-३-२७)

क्रांति वृत्त के ३६० अंश के वाग राशि के ३०।३० अंश एवं २७ नक्षत्रों के १३ अंश २० कला समान माने जाने लगे । वह भी चित्राको मध्य १८० में मानने से ऋग्वेद में चित्र

‘ देवानामुदगादनीक ’ ‘ मध्याकतौर्जिते चित्रं सजभार (१-८-७) ’ ‘ पार्श्वीबी कन्याचित्रातुः ’

श्रीभूक्त ‘हिरण्यवर्णा’ आदि १५ मंत्र कन्या के १५ तारे और पुंजाकृत वर्णन में कहे गये हैं । ऐसही तुलापार्श्वी (नापने का मूष्यय पात्र) के नाम वाजस संहिता ८-४२-४३ में तथा ब्रह्मगवि गोमुष्माकृत का लक्ष्मी नाम अथर्व संहिता (१-७-२, ७-१२०-२, १२-५-६) में कहा है । २ चित्राक आश्विन = इष्ट मास में आने के कारण इष्ट संबंधी इष्टान् । इषाण प्रयोग किया है । सविता=इस्त नक्षत्र के आगे के चित्रा को सविता देव । इसके सम्मुख की रेषामें पूर्वा-अश्विनौ (रेवती अश्विनी का आरंभ स्थान है ऐसा स्पष्ट “ देवस्य त्वा सवितुः प्रसवे धिनोर्बाहुभ्यांपूर्णोहस्ताभ्यां आददे नारिः (कन्या) असि ” (वा. सं. ३-७-१) लिखा है.

वेदोक्त तारका पुंजोका क्रांति वृत्तीय नकशा १

मिथुन में वृश्चिक राशि । भोगशर के अंशोंक
उत्तर करेव

राशि
—V



वृत्तीय करेव

गणेश—चुनेट शास्त्री, वैदिक वेदशास्त्री, इंदौर.

वेदोक्त तारका पुंजोंका क्रांति वृत्तीय नक्शा २

धन से वृषभगात्र । भोगशर क अशाक
उत्तर करव

५५

V



दक्षिण करे ।

संपादक—चुलट शास्त्री, वैदिक वेदशास्त्र, अर्वा, ५५

(४८५) तथा अर्ध संहिता (संहिता (१९-७-१-५) में

‘चित्राण्युसार्काद्विरोचनानि’ यानि नक्षत्राणि ॥ प्रकल्पयंश्चंद्रमान्येति’

क्रमशः २७ नक्षत्र और अभिजित् का उल्लेख चित्रा गणना से किया है।

‘अभिजिन्नाम नक्षत्रं उपरिष्ठा द्वाढानां। अथस्ताच्छ्रोणाय ॥ (तै. ब्रा. १.५.२.३)

‘उत्तराषाढा के ४ चरण विभाग के उपर श्रवण नक्षत्र के आरंभ तक क्रांति वृत्त में ६९ अंश उत्तर धर में स्वर मंडल पूंज का अभिजित्=तृदा का तारा राशियों की हृद के बाहर होनेसे नक्षत्र २७ के १६ अंश २० कला सम् विभाव माने गए हैं। मघादि १२ राशि अभिनी आदि २७ नक्षत्रों के मंत्र इन्दौर पंचांग रिपोट में प्रसिद्ध होनेसे प्रस्तावना में यह उद्धृत नहीं किया है।

वही वेदोक्त शुद्ध नाक्षत्र परंपरा भारत, रामायण अग्नि पुगण, एवं सिद्धांत संहिता द्वारा रूप निस्क्रष व्योतिः शास्त्र में उषा की त्वा वर्णित उपलब्ध होता है।

“मघाश्वि प्रथमा नवश्लेषः ऋक्षस्थिता राशयः ॥५॥ मरुथौ घटी नृमिथुनं सगदे सर्वाण चापीन रोश्चघनो मर्करोमृगश्वरः ॥ नैली समस्यदहन पूवगाच कन्याशेषः स्वनाममदशः खचराश्रमर्वै॥॥ क्रियता दुरि जितुमकुलीलेय पाथोतजूक कौर्प्याख्याः ॥ तौश्रिक आकांके रोहद्रांगश्रालयमचेत्यम् ॥८॥ बृहज्जातक (अ. १ शके ४२७ बराहमिहिर,) तारांख्यामें मेघ ४२।५ वृषभ २०७।२९ मिथुन ८३।१९ कर्क ८५।६ सिंह ९३।१७ कन्या ११७।१५ तुला ६६।७ वृश्चिक ६०।१७ धन ९४।१४ मकर ६४।७ कुंभ ९७।१५ मीन ११६।११ उक्त संख्याक विभाग और पुजातर्गत वेदोक्तकेतुल्य कार्यवन सांप्रत में भी है। नक्षत्रों की तारा संख्या देवताओंके नाम पंचांगमें प्रकाशित है। बराहमिहिरनेभी एकैक नक्षत्र के ८।८ विभाग कहकर ‘चित्रार्धाष्टमभागे’ चित्रा की योग तारा अपने आठ विभाग के मध्यमें १८० अक्षर है ऐसा पंचभिद्वातिका (अ. १६ श्लो. ३३ ३६) में लिखा है। तथा दैवज्ञ कामधेनु (अध्याय २ ग्रंथ की भूमिका में लंका सिंहलद्वीप निवासी अनवदाशे शके ११६३ लिखा है।) में

पूर्वार्धमुत्तरंगोलमाश्चिन्नादर्धमादिशेत् ॥ चित्रार्तार्धप्रहलैत्र वाश्चिमाधंच दक्षिणम् ॥४॥ पादोनास्ता-
रकाः सप्त (अंश ९०) पाद इत्यत्रनिश्चितः ॥ सपादं तारका द्वन्द्वं (३० अंश) राशिरित्यभि
धीयते ॥५॥ मघादतारा द्वन्द्वस्य गुणमेकं समुद्धरेत् ॥ शोधयेदपरार्धे तु योजयेत्सर बिःस्फुटः ॥६०॥”
“गोलो राशिकर्ष” शब्दकल्पद्रुम भाग १ पृष्ठ ९१. “गोलमध्ये तथा पराः संक्रान्तयः इत्युक्तवान्
ऐसा लिखा है कि “राशिकर्षके पूर्वार्ध उत्तरार्ध की मघादि १८० चित्रा तारे तक है। और चित्रा तारे से भी
प्रारंभ स्थान तक पश्चिमार्ध दक्षिणार्ध भाग १८० कहाता है ॥ ४ ॥ इस प्रकार निश्चित किये हुए चित्राभिमुख
आरंभस्थानसे घेने सात घेने सात नक्षत्र ९०×४=३६० अंश के चार पद होने हैं। इसी ही चित्राभिमुख आरंभ
स्थानसे सवा दो सवा दो नक्षत्रों की यानी ३०।३० अंश की १२ राशियां निश्चित की गई हैं ॥ ५ ॥ उदाहरण के
लिये पौर्णिमातमें चंद्रमाकी नक्षत्र स्थिति के समुल्लेख पूर्वको मानकर सवा दो नक्षत्र के गुण को साधकर; पूर्वार्ध में कय
को उत्तरार्ध में जोड़ देवे तो वह सप्त सप्त होता है ॥१०॥” उक्त श्लोको में माल शब्द का अर्थ क्रांति वृत्त राशि
चक्र होता है। इस अर्थ को एवं वेदाक्त शुद्ध नाक्षत्र पद्धति से ब्रह्मोलिक पुंजों के भाग शर एवं नक्षत्र विभाग ज्ञात
होने के लिये क्रांति वृत्त को परिधि मान कर दक्षिणांतर करेव के दो नक्षत्र चक्रके नक्षत्र प्रकाशित किये हैं।

ज्यांति शास्त्रकी वर्धमानता और एकता

वैदिक व्योतिर्निशान प्रार्थना के रूप में यज्ञ प्रयागों में कहेजाने के कारण ही उसे मानव जाति मात्र का
धर्म ग्रंथ कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है। संहिता ब्राह्मण सूत्रकाल के बाद वेदांग काल में शिक्षा, कल्प,

स्थाकरण, निरुक्त, संद और ज्योतिष यह ६ वेदांग प्रसिद्ध हुए वेदांग ज्योतिष (शकपूर्व २२०९० वर्ष) के बाद सिद्धांत काल प्रारंभ हुआ ।

सिद्धांत ज्योतिष ग्रंथों के नाम

१ ब्रह्मसिद्धांत	२ मरीचिसिद्धांत	३ नारदसिद्धांत	४ कश्यपसिद्धांत	५ सूर्यसिद्धांत
६ मनु ,,	७ अंगिरा ,,	८ बृहस्पति ,,	९ अत्रि ,,	१० सोम ,,
११ पुलस्त्य ,,	१२ वसिष्ठ ,,	१३ पराशर ,,	१४ व्यास ,,	१५ भृगु ,,
१६ जगन्नाथ ,,	१७ गरुड ,,	१८ पुलिह ,,	१९ लोमश ,,	२० यवन (रोमक) ,,

हमने से पांच सिद्धांत ग्रंथों का संग्रह शके ४२७ में बराहमिहिरने अपनी पंचसिद्धांतिका ग्रंथ में किया है । कुछ ग्रंथों के नाम व श्लोक इन्हीं ग्रंथों की प्रस्तावना में तथा श्लोकों की टीकाकारोंने उल्लेखित किये हैं । इन्हीं ग्रंथों के आधारपर शके ४२१ में प्रथम आर्यभट्ट ने आर्यसिद्धांत, मयासुर ने सूर्यसिद्धांत, शके ५०० में ब्रह्मगुप्त ने ब्रह्मसिद्धांत, व लल्लसिद्धांत ५५० में बनाया । द्वितीय आर्यभट्ट (८७५) भास्कराचार्य (१०७२) हमारे एलीजपुर नगर निवासी सिद्धांतसारंगभौम कर्ता मुनीश्वर और कमलाकर भट्टने सूर्यसिद्धांतुवारी (१५८० में) सिद्धांत तत्त्वविवेक ग्रंथ बनाया । ऐसे ही लंकामें कामधेनु ग्रंथ (११६३) प्रसिद्ध हुआ । ऐसे ही कई ग्रंथकार हुए हैं उन्होंने वीज संस्कार देकर अपने २ समय में दृग्गणितैक्यता संपादन करते हुए ज्योतिष के अंगप्रत्यंगों की वृद्धि करते गए । इन सब में ग्रहोंके भगण नक्षत्र विभागों के उल्लेख से ऐसे खीरवर्षमान को ‘ भभ्रमतो निरेका ’ भास्करोक्त रीति से ३६६ दिन १५ घटी और पलादि नाक्षत्र भ्रमण से एक दिन (चक्र ३६० अंश भोगरूप) कम करके वर्षमान के उल्लेख से समस्त ज्योतिषग्रंथकार शुद्धनाक्षत्र पद्धति की अखंडपरंपरा को कायम रखते आये हैं । सिर्फ ब्रह्मगुप्त लल्ल के समय ३४ अयनांश हो जाने पर भी सूर्य के विपुल दिन प्रवेश के सायन को ही नाक्षत्र समझ लेने से तारा युति संबंध में नक्षत्रों के भ्रुवक प्राचीन ग्रंथोक्त कर्दवाभिमुख भोगशर नहीं लिखकर बंधोप लब्ध सायन लिखे हैं । (और ब्रह्मगुप्तने कहा भी है कि “ यदि भिन्नाः सिद्धांता भास्करसंक्रांतयोपिभेदः समाः ” यदि सिद्धांत भिन्न और उनकी संक्रांति भी भिन्न हैं तो भी विपुलवर्षमान में वह सब एक कैसे मिल जाते हैं) इसलिये हमने सब सिद्धांतैक्य कोष्टक में संपूर्ण ग्रंथोक्त शुद्ध नाक्षत्र भोग शर लिखे हैं वहीं ब्रह्मगुप्त के भोगों में तीन अंश कम लिख कर सायन भोग निकाल डाला है । इससे यही मान भास्कराचार्य लल्ल गणेश देवज्ञने अपने २ ग्रंथों में लिखने के कारण समस्त सिद्धांतकारों के साथ इन के भ्रुवकों की भी एकवाक्यता हो गई है । इसी तरह आज अयनांश साधन में भी छायांक से करणागतार्कका अंतर रूप अयनांश के प्रमाण

सूर्यसिद्धांतः—“ प्राक्चक्रं चलितं हीनेछायाकार्कात्करणागते. ”

सोमसिद्धांतः—“ प्राक्चक्रं चलितं हीनाच्छायाकार्कात्करणागते. ”

वृद्ध वसिष्ठ सिद्धांतः—“ छायागणितागतयोर्मान्वोर्विचरंचलाशकास्तेवा ”

सिद्धांत शिरोमणिः—“ छायातो घ्रातो वा भानुः संक्रातिपात एवस्यात् ॥

पातोऽनः स्फुटभानुः स्फुटभानून्मवेत्यातः ॥ १ ॥ ”

इत्यादि प्रमाणों से समस्त सिद्धांतकारों एवं करणग्रंथद्वारा अयनांश शुद्ध गणितसे सच्चे एक आते हैं । इस संबंध में एक आलेख्य प्रकाशित किया है । उसका स्पष्टीकरण इस कोष्टकसे होता है । (पृ. ८ पर देखो)

श्रुति सम्मत सर्व सिद्धान्तैक्य (ब्रह्मयुग भास्कर ग्रह लाघवोक्त निरयण)

नक्षत्र योगताराओं के कदंबवृत्तीय भोग शर

द्वैज का मधेनु प्रोक्त गणितधारसे श्रुति समत नक्षत्र योगतारा के कदंब सूत्रीय ध्रुवक	सूर्य सिद्धांत प्रोक्त		सोम सिद्धान्तोक्त		ब्रह्म सिद्धांत प्रोक्त		पितामह सिद्धान्तोक्त		शुद्धवसिष्ठ सिद्धान्तोक्त		ब्रह्मगुप्त का अथ- सिद्धान्तोक्त	
प्रोक्त नाम	भोग	शर	भोग	शर	भोग	शर	भोग	शर	भोग	शर	भोग	शर
अं. क.	अं. क.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.
अ श्यामा एरेडिस	९ ४ + ६ २१	८ + १०	८ + १०	८ + १०	८ + १०	८ + १०	८ + १०	८ + १०	८ + १०	८ + १०	८ + १०	८ + १०
भ इक्षित प.	२४ ४० + ४ १०	२० + १२	२० + १२	२० + १२	२० + १२	२० + १२	२० + १२	२० + १२	२० + १२	२० + १२	२० + १२	२० + १२
क ईटाटारी	३६ ९ + ४ २	३७ ३० + ५ ३७	५ ३७ ३० + ५ ३७	५ ३७ ३० + ५ ३७	५ ३७ ३० + ५ ३७	५ ३७ ३० + ५ ३७	५ ३७ ३० + ५ ३७	५ ३७ ३० + ५ ३७	५ ३७ ३० + ५ ३७	५ ३७ ३० + ५ ३७	५ ३७ ३० + ५ ३७	५ ३७ ३० + ५ ३७
ग आलडबराज	४९ ५७ - ५ २८	४९ ३० - ५ ४९	४९ ३० - ५ ४९	४९ ३० - ५ ४९	४९ ३० - ५ ४९	४९ ३० - ५ ४९	४९ ३० - ५ ४९	४९ ३० - ५ ४९	४९ ३० - ५ ४९	४९ ३० - ५ ४९	४९ ३० - ५ ४९	४९ ३० - ५ ४९
घ कोडडा ओरायन	५९ ५२ - १३ २३	६३ ६३ - १० ६३	६३ ६३ - १० ६३	६३ ६३ - १० ६३	६३ ६३ - १० ६३	६३ ६३ - १० ६३	६३ ६३ - १० ६३	६३ ६३ - १० ६३	६३ ६३ - १० ६३	६३ ६३ - १० ६३	६३ ६३ - १० ६३	६३ ६३ - १० ६३
आ अल्फा ओरायन	६४ ५९ - १६ ३	६७ २० - ९ ७४	६७ २० - ९ ७४	६७ २० - ९ ७४	६७ २० - ९ ७४	६७ २० - ९ ७४	६७ २० - ९ ७४	६७ २० - ९ ७४	६७ २० - ९ ७४	६७ २० - ९ ७४	६७ २० - ९ ७४	६७ २० - ९ ७४
इ पोल्कस	८९ २४ + ६ ४०	९३ + ६ ९३	९३ + ६ ९३	९३ + ६ ९३	९३ + ६ ९३	९३ + ६ ९३	९३ + ६ ९३	९३ + ६ ९३	९३ + ६ ९३	९३ + ६ ९३	९३ + ६ ९३	९३ + ६ ९३
उ डेल्टा कांक्रो	१०४ ५३ + ० ५	१०६ + ० १०६	१०६ + ० १०६	१०६ + ० १०६	१०६ + ० १०६	१०६ + ० १०६	१०६ + ० १०६	१०६ + ० १०६	१०६ + ० १०६	१०६ + ० १०६	१०६ + ० १०६	१०६ + ० १०६
अ अल्फा कांक्रो	१०९ ४८ - ५ ८	१०९ - ७ १०९	१०९ - ७ १०९	१०९ - ७ १०९	१०९ - ७ १०९	१०९ - ७ १०९	१०९ - ७ १०९	१०९ - ७ १०९	१०९ - ७ १०९	१०९ - ७ १०९	१०९ - ७ १०९	१०९ - ७ १०९
म रेगुलस	१२६ ० + ० २८	१२९ + ० १२९	१२९ + ० १२९	१२९ + ० १२९	१२९ + ० १२९	१२९ + ० १२९	१२९ + ० १२९	१२९ + ० १२९	१२९ + ० १२९	१२९ + ० १२९	१२९ + ० १२९	१२९ + ० १२९
प थीटा लियो	१३९ ३४ + ९ ४२	१४४ + १२ १४४	१४४ + १२ १४४	१४४ + १२ १४४	१४४ + १२ १४४	१४४ + १२ १४४	१४४ + १२ १४४	१४४ + १२ १४४	१४४ + १२ १४४	१४४ + १२ १४४	१४४ + १२ १४४	१४४ + १२ १४४
ड डेनियोला	१४७ ४७ + १२ १७	१५५ + १३ १५५	१५५ + १३ १५५	१५५ + १३ १५५	१५५ + १३ १५५	१५५ + १३ १५५	१५५ + १३ १५५	१५५ + १३ १५५	१५५ + १३ १५५	१५५ + १३ १५५	१५५ + १३ १५५	१५५ + १३ १५५
इ डेल्टा कांक्रो	१६९ ३७ + १२ ११	१७० - ११ १७०	१७० - ११ १७०	१७० - ११ १७०	१७० - ११ १७०	१७० - ११ १७०	१७० - ११ १७०	१७० - ११ १७०	१७० - ११ १७०	१७० - ११ १७०	१७० - ११ १७०	१७० - ११ १७०
चि स्पेका	१८० ० - २ ३	१८० - २ १८०	१८० - २ १८०	१८० - २ १८०	१८० - २ १८०	१८० - २ १८०	१८० - २ १८०	१८० - २ १८०	१८० - २ १८०	१८० - २ १८०	१८० - २ १८०	१८० - २ १८०
स्वा अर्कट्यूरस	१८० २४ + ३० ४९	१९९ + ३७ १९९	१९९ + ३७ १९९	१९९ + ३७ १९९	१९९ + ३७ १९९	१९९ + ३७ १९९	१९९ + ३७ १९९	१९९ + ३७ १९९	१९९ + ३७ १९९	१९९ + ३७ १९९	१९९ + ३७ १९९	१९९ + ३७ १९९
वि अल्फा ड्रैग	२०१ ४० + ० २१	२१३ - ११ २१३	२१३ - ११ २१३	२१३ - ११ २१३	२१३ - ११ २१३	२१३ - ११ २१३	२१३ - ११ २१३	२१३ - ११ २१३	२१३ - ११ २१३	२१३ - ११ २१३	२१३ - ११ २१३	२१३ - ११ २१३
अ सिग्मा स्कॉर्पि	२२३ ५८ - ४ १	२२४ - ३ २२४	२२४ - ३ २२४	२२४ - ३ २२४	२२४ - ३ २२४	२२४ - ३ २२४	२२४ - ३ २२४	२२४ - ३ २२४	२२४ - ३ २२४	२२४ - ३ २२४	२२४ - ३ २२४	२२४ - ३ २२४
उ ग्रेटा स्कॉर्पि	२२७ ४२ - ६ ७	२२९ - ४ २२९	२२९ - ४ २२९	२२९ - ४ २२९	२२९ - ४ २२९	२२९ - ४ २२९	२२९ - ४ २२९	२२९ - ४ २२९	२२९ - ४ २२९	२२९ - ४ २२९	२२९ - ४ २२९	२२९ - ४ २२९
झ डौल्ड स्कॉर्पि	२४० ४४ - १३ ७	२४१ - ९ २४१	२४१ - ९ २४१	२४१ - ९ २४१	२४१ - ९ २४१	२४१ - ९ २४१	२४१ - ९ २४१	२४१ - ९ २४१	२४१ - ९ २४१	२४१ - ९ २४१	२४१ - ९ २४१	२४१ - ९ २४१
डौं सांजी	२५२ २८ - २ ७	२५४ - ५ २५४	२५४ - ५ २५४	२५४ - ५ २५४	२५४ - ५ २५४	२५४ - ५ २५४	२५४ - ५ २५४	२५४ - ५ २५४	२५४ - ५ २५४	२५४ - ५ २५४	२५४ - ५ २५४	२५४ - ५ २५४
उ पायसाजी	२६२ २४ + १ २	२६२ २६० + ५ २६०	२६० + ५ २६०	२६० + ५ २६०	२६० + ५ २६०	२६० + ५ २६०	२६० + ५ २६०	२६० + ५ २६०	२६० + ५ २६०	२६० + ५ २६०	२६० + ५ २६०	२६० + ५ २६०
अ हेस्टर	२७७ ५५ + २९ १८	२८० + ३२ २८०	२८० + ३२ २८०	२८० + ३२ २८०	२८० + ३२ २८०	२८० + ३२ २८०	२८० + ३२ २८०	२८० + ३२ २८०	२८० + ३२ २८०	२८० + ३२ २८०	२८० + ३२ २८०	२८० + ३२ २८०
अ आल्फा डे	२९३ ३३ + ३२ २	२९० + ३६ २९०	२९० + ३६ २९०	२९० + ३६ २९०	२९० + ३६ २९०	२९० + ३६ २९०	२९० + ३६ २९०	२९० + ३६ २९०	२९० + ३६ २९०	२९० + ३६ २९०	२९० + ३६ २९०	२९० + ३६ २९०
श डौं आर्क्वेरियस	३१७ ४४ - ० २३	३२० - १ ३२०	३२० - १ ३२०	३२० - १ ३२०	३२० - १ ३२०	३२० - १ ३२०	३२० - १ ३२०	३२० - १ ३२०	३२० - १ ३२०	३२० - १ ३२०	३२० - १ ३२०	३२० - १ ३२०
ए माकब	३३० ४२ + १९ २३	३३२ ३२ ३३२	३३२ ३२ ३३२	३३२ ३२ ३३२	३३२ ३२ ३३२	३३२ ३२ ३३२	३३२ ३२ ३३२	३३२ ३२ ३३२	३३२ ३२ ३३२	३३२ ३२ ३३२	३३२ ३२ ३३२	३३२ ३२ ३३२
अ आलजेनिय	३४५ १९ + २२ २६	३३७ + २६ ३३७	३३७ + २६ ३३७	३३७ + २६ ३३७	३३७ + २६ ३३७	३३७ + २६ ३३७	३३७ + २६ ३३७	३३७ + २६ ३३७	३३७ + २६ ३३७	३३७ + २६ ३३७	३३७ + २६ ३३७	३३७ + २६ ३३७
रे म्यू पिशियस	३५९ १७ - ३ ४	३५९ ५० + ० ३५९	३५९ ३० + ० ३५९	३५९ ५० + ० ३५९	३५९ ५० + ० ३५९	३५९ ५० + ० ३५९	३५९ ५० + ० ३५९	३५९ ५० + ० ३५९	३५९ ५० + ० ३५९	३५९ ५० + ० ३५९	३५९ ५० + ० ३५९	३५९ ५० + ० ३५९

टीप—इसमें जो तारों के भोग शर में अन्तर है सो योग ताराओं के भिन्नता के कारण हैं। स्वातो की निज गति सबसे अधिक तथा प्राचीन स्वाती भिन्न होने से है, एका की तारों में सिर्फ चित्रा ही ऐसा है कि सभी ग्रन्थ में उसके भोग शरों की एक धार्यता है।

अनेक ग्रंथ कालिक शुद्ध अयनांशों से ग्रंथोक्त मान की एकवाक्यता

संकेताक्षर		क	ख	क-ख=ग	घ	ग+घ=अ	
ग्रंथ संख्या	अयनांशों का उल्लेख करनेवाले कारण ग्रंथ	शके वर्ष	ग्रंथोक्त बीज संस्कृत उच्च	शुद्ध रघुच	कैद्रीय मान का शुद्धांतर	ग्रंथोक्त कैद्रीय अयनांश तात्कालिक शुद्ध अयनांश	
१	मुंजाल	८५४७७	४१	१४७५३४	४४	२६३०६५०	८५६३०
२	आर्यभट	८७६७७	४६	५९७९२८	५३	२६७८०	९१४६
३	राजसूनांक	९६४७७	४६	०७५५६	२४	१४९६८३९	१०२८३६
४	कमलमंड	९८०७७	३९	२१७५५९	३१	१४००९२	१०४२०
५	करणप्रकाश	१०१४७७	४६	५२७६६	१४	१४०२९९३०	१०१०२८
६	भास्वती	१०२१७७	५२	५६७६७	३७	१४०१९३१	१०१६२९
७	करणोत्तम	१०३८७७	४१	३३७६१०	५९	१३०३४१०	१०१३०३४
८	करणकुण्डल	११०५७७	२६	५१७६२४	११	२४०११२४	१०२२४४०
९	ग्रहोघ	१४४२७८	१	१७७७३०	२९	०३०४९१६३८	१७८४९
१०	तत्त्वविवेक	१५८०७७	४६	४८७७४६	२६	०२२१९४	१९४२२

इस तरह संपूर्ण ग्रंथोंद्वारा आज शुद्ध अयनांश वही आते हैं जो कि पंचांगमें लिखे गए हैं। इससे लिए हुए विपुलांश, क्रांति, लघनकाल आदि में एवं पात दार में संघ की एक वाक्यता हो जाती है।

वेदोक्त और सिद्धान्त जोतिष के कल्प वर्षमान की एक वाक्यता.

इस ज्योतिषशास्त्रकी व्याप्ति घड़ीके सेकंड के एक करोड़वें हिस्से से लेकर वर्षादि से कल्पान्तक यानि जगत् की उत्पत्ति से लयै पर्यंत है। कल्पना स्पष्टीकरण वेदमें काम (कामा वेदोनिम) अंशधतिके (भोग १५६) दार ३०२' देखो) जोकि कन्या के दरिने हातमें लाजापूर्ण कुंभके आकार का “कलश” नक्षत्रमें बतलाया गया है^१।

पूर्णः कुंभोधिकाला आहितस्तत्रैव पश्यामो बहुधानु सन्तः ॥ यद्दमाविश्याभुवनानि प्रत्येककालंतमाहुः परमेष्ठ्यामन् ॥ ३ ॥ कालः प्रजा अष्टजतकालो अम्रेप्रजापतिम् ॥ स्वयंभूः कश्यपः कालात्तपः कालादजायत ॥ १८ ॥ कालाहवः समभवन् यजुः कालादजायत ॥ कालेन मेघिनाद्वोऽथर्वाचाभिनिष्ठतः ॥ ३-४ ॥ अथर्वमेहिता (१९५३-५४) में काम सूक्त के साथही काल सूक्त ५३।५४ कहा गया है। इस पुंजका स्पष्टीकरण यमयमी संवाद जोकि यम और शिखावल (इंडम-पंडा) पुंजके तारो संबंधी कथामें बहुतही मार्मिकता के

१ “मृतः प्रत्यक्ष नैतिह्य अनुमान चतुष्टयम् । एतिसादित्यमंडलं (स्वैश्वक भोगरूपं) सर्वैरेव विधास्यते ॥ १ ॥ सूर्यो मरीचि मादले सर्वैरेवाम्नाद्वनादधि ॥ तस्याः पा. विशेषेण सूर्यं कालविशेषणम् ॥ २ ॥ अणुश्वमश्मश्मश्म काला संवत्सरं भिताः ॥ ३ ॥ स तैः सर्वैः समाविष्टः उरुः मन्त्रनिर्वर्तते ॥ अधिसंवत्सरं विद्यान् तदेव लक्षण इति ॥ ४ ॥ धूर्कतं अन्य यजनत तस्यां द्विरूपेण अद्वीती यानिवाभि ॥ विद्याहिमाया भवति स्वधानः भद्रातेपूपजिह्वरातिपु ॥ तैत्तिरीयारण्यक ११२-१-३ तथा क. म. (४८-२४), २ ‘पूनीति प्रभम कुंभगतं ’ इत्याधूतं अभिधाये नाम्, (अथर्व सं. ३-१२८)

साथ वेदोंमें कहा गया है. विवाह में लाजाहोम के समय के मंत्र और सप्तपदी प्रथासे निश्चितः भूतय (बुटिया) के शिरस्थानीय (प्रतिवर्ग ३.६३ भोग १८.०।२५ उ. शर ५.४।९) तरेपर जो चित्रासे स्वाती होती हुई उत्तर कर्दंबर रेखा जाती है उसीसे चित्रादि मासारंभका, मेघसंक्रमण का शुद्ध नाक्षत्रसंवत्सर माने जाते हुए प्राचीनदिशाके सुसौंदर्यसे अयनाशौं द्वारा ऋतु अयन आदिभी माने जाते थे^१ विश्वदेव (सर्व) के १३ तारे सर्पाकृतिये एकही रेषामें एकपर १२ शून्य परार्ध संख्यामें होने के कारण कल्पनाभी^२ प्रस्तुत कालवृत्त से ही निश्चित होता है। और यही कल्पमान ब्राह्मण अरण्यक में उपलब्ध होना है जोकि ऊपर तैत्तिरीय अरण्यक (१.२.१-३) में “अधि संवत्सर” नाम से संवत्सरका बृहद्रूप है। अर्थात् संवत्सरमान = १.०००००००००००००० } दशमलव के चिन्ह (पार्श्व) द्वारा दोनों का लघु और अधि कल्पवारिभाग = १.०००००००००००००० } भेद स्पष्ट होता है। एक रूप दोनों होने से स्थान संज्ञानुसार १ महापद्म का कल्प होने से “महापद्म” से ब्रह्मा उत्पन्न हुए पाद्म कल्प का पूर्वार्धभाग बीतगया अथ द्वितीय परार्ध का आरंभ दिन के १४ मनु में से ६ मनु व्यतीत होगए सातवें वैवस्वत मनु के २८ युग संवत् १९८१ शके १८४६ में पूर्ण हुए” ऐसा स्मृति ग्रंथ और पुराणोक्त प्रमाणों से सिद्ध किया गया है^३। पाद्म कल्प में मूल नक्षत्र के ७ तारे सप्तर्षिमाने जाते थे।

युग और कल्प परिमाण—शुद्धनाक्षत्र सौर वर्ष से

१ युग = १२००० (बृहत्संहिता प्रोक्त १२ वर्ष के युगों का दिव्यरूप)

१००० युग = १२०००,००० ब्राह्मदिनम्

१००० ,, = १२०००,००० ब्राह्मीरात्रिभिः

२००० ,, = २४०००,००० ब्रह्माका अहोरात्र

लक्ष गुणित मानवी होरा (‘ होरेत्यहोरात्रविपर्ययेतद्वाङ्मति पूर्वापरवर्णोलोपान् ’ वराहोक्त अहोरात्रोपपत्ति युक्त होती है.)

ब्राह्मवर्ष (अहोरात्र × ३६० =) ८६४००००००० शुद्धनाक्षत्र सौर वर्षाः

× ५० परार्ध वर्षाः

ब्रह्मा के पचास वर्ष = ४३२०००००००० वर्षाः

वर्षाधि मास शेष युत सृष्टि आरंभ वर्ष = ६८००००००००० ”

विष्णु का दिनार्ध (ब्राह्म आयु का परार्ध संज्ञक

अर्ध भाग) = ५००००००००००० ”

विष्णु का एक दिन (कल्प) = १०००००००००००० ब्रह्मा की पूर्ण आयु

श्वेत वाराह कल्पे द्वितीयपरार्धे वैवस्वत मन्वंतरे अष्टाविंशति युगसमाप्तौ उत्तरार्धे कल्पगताब्दाः

५४८१६०० संवत् १९८१ शके १८४६ मध्यम मेपाक समय में होते हैं। इसी दिन से प्रभाकर अहर्गण मानकर प्रस्तुत पंचांग में लिखे हैं। तथा तुलनाकरने के लिये इसदिन केतकी अहर्गण २९३२८६५ चक्र २ में अहर्गण ५०९७१३५ मिलाकर प्रस्तुत पंचांगारंभ में केतकी चक्र ३ अहर्गण १०९० लिखा है। मध्यम दिन गति प्रायः एकही

१ “ ऋतू न्यजन् अतुपतीनातिवा पुत हायनान् ॥ समाः संवत्सरान्मानभूसान्तस्य पतये यजे ” (अथर्व श. ३.१०.१) २ “येदेवाद्वादशवर्षाः ॥ संवत्सरस्यथेदंष्ट्राः स्तेनः संतु सदाशिवाः (अथर्व सं. ११.८.१९-२२)

३ हमारे युगपरिवर्तन ग्रंथ में इस विषय का शंका समाधान सहित सप्रमाण स्पष्टीकरण किया गया है।

ही होने से मध्यम मान दोनों के करीबन आते हैं आगे कुल पंचांग ज्या चापीय गणित से वेध से जांचकर क्रिया जाने में केतकी से बहुत सूक्ष्म है ।

एक वर्ष और कल्पमें पौर्वात्य पाश्चात्य ग्रह गणित की एक वाक्यता

एक कल्प और वर्ष में	सिद्धान्त प्रभाकरोक्त परिमाण
नक्षत्र भ्रम (सावनदिन)	३६६.२५६३७३९१६००
रवि भगण (शुद्ध नाक्षत्र)	१.०००००००००००००
सावन दिवस	३६५.२५६३७४३९१६००
चंद्र भगण	१३.३६८७४६९६३४००
चंद्र उच्च	०.११२९९४०३६५००
चंद्र केंद्र	१३.२५५७५२९२६९००
चंद्र पात (चक्र शुद्ध राहु)	०.०५३७६६९०१६६०
वृष (मध्यम भोग गति) भगण	४.१५२०९१०४४२००
गुरु	१.६२५५२३२७१०२८
मंगल	०.५३१६८४३०१२६४
शुक्र	०.०८४३०४४२६८६५
शनि	०.०३३९४८२०९०१०

ग्रहोंके उच्च भगण (गति)	पात भगण (गति रूप)
रवि + ०००००९१६१३७२	अयनांश = छायांक करणागताकांतर में
शुभ + ०००००४६७९४४०	- ०००००५२७७९३०
शुक्र -- ०००००११३१२३६	- ०००००१४७४९७५४
मंगल + ०००००१३०१९२६०	- ०००००१७५९११०३
गुरु + ०००००५१०३०८५	- ०००००११०८९१७६
शनि + ०००००१२३४८७१२	- ०००००१४२७४९०७

२९ वें युग के कृतयुगारंभ कालिक मध्यम ग्रह

संवत् १९८१ शके १८४६ चैत्र शुद्ध १० तारीख १४।४।१९२४ सोमवार इन्दौर रेवाया मध्यम सूर्योदयादृष्टम् घटी ५१ पल ५२.६ मध्यम मेघार्क समये द्विपार्श्वरिभात कल्पगताब्दाः ५४८१६०० अवधपोषागधिकः २।५।१२.६ तिथि शुद्धिः १०.६३६ अंशात्मका मध्यमग्रहाः चन्द्रः १२७.६२५, चंद्रोच्चं ३३.१२५ चक्र शुद्ध राहुः २३३.३३१ बुधः ९६.४४ शुक्रः १३१.८७ मंगल २३९.६९ गुरु २२२.६७ शनिः १८०.९० रवि उच्च ७८.८३ बुधोच्च २३३.५१ शुक्रोच्च ७२.३५ विलोम २८७.६९ भीमच्च १३१.९० भूमच्च १७०.३१ शनिउच्च २४८.६५। अयनांशः २२।४७।३ कक्षापाताः। बुध २४.६६ शुक्र ५३.१९ मंगल ६.१४ गुरु ७६.८९ शनि ९०.२४ इस प्रकार सिद्धांत प्रभाकरके भगणोंसे कल्पादि कल्पान्तमें शून्य पर गय ग्रह उच्च पात रहते हुए सांप्रत में वेधतुल्यमानसे मिलते हैं। इसमें मध्यम मेदकर्ण (प्रेम=च्युत) परममेद कर (परिधि) दीर्घ वस्तुलीय पाश्चात्य ग्रंथापातसे पौर्वात्य का एकी करण कर के लाते हैं। इमं (१) सब ग्रहों की कक्षा दीर्घ वस्तुलीय है और उत्कर्ष एक नाभि में सूर्य रहता है। (२) ग्रह सूर्य के चौगिरी करते हुए उनके मेद कर्ण एक साह समय में एक साह क्षेत्र पर से जाते हैं। ग्रहों के प्रदक्षिणा काल के वर्गे मध्यम-

मंदकर्ण के धन के प्रमाण में रहते हैं। यह पाश्चात्य पंडित केज़र (इ. स. १६१८) के तीन नियम और (१) गुरुत्वाकर्षण आकर्षक पदार्थके प्रकृत्यंशके सरल प्रमाण में और आकृष्ट आकर्षकांतर वर्ग के व्युत्क्रम प्रमाण में रहता है ' इस ज्यो. न्यूटन (इ. स. १६८५) के एक नियमानुसार केज़र के तीनों नियम आ जाते हैं। डि. आ. सि. मध्यमाध्याय श्लोक ३२-३४ में भी रूपांतर में वही नियम आते हैं। आकर्षण के संबंध में

“ मंदोच्चैनापकृष्टमुत्थावद्वज्रजतिभास्करः ॥ तेनाकृष्टागृहास्तावत्तेतयोपग्रहैययुः ॥ ५९ ॥ — ६३ ”

शाकश्य ब्रह्मसिद्धांत (अ. २) में जो आकर्षण का आरंभिक रूप बतलाया उसीका अभीष्ट रूप उक्त नियमों में होने से सिद्धांतिक नियम का स्वीकार करके गणित की एक वाक्यता की है। ऐसे ही यद्यपि सिद्धांतकारों के युग परिमाण भिन्न हैं, इस संबंध में पुलिशाचार्य ने रोमक को, ब्रह्मगुप्त ने आर्यभट्ट को तथा ब्रह्मसिद्धांतकार ने पुलिशाचार्य को युग भेद संबंध में दीप दिये हैं किंतु श्रुति स्मृति प्रोक्त युग व्यवस्था का सबसे अंगीकार किया है।

“ श्रुतिर्यत्रप्रमाणस्याशुक्तिः का तत्र नारद् ॥ जिज्ञासोयुत्तिरिष्टाऽस्ति यदि श्रुत्यनुसारिणी ॥ ६४ ॥ ”

इस ब्रह्म सिद्धांत (अ. २) के कथन से श्रुति के अनुकूल कल्प एवं स्मृत्युक्त युग परिमाण रूप संशोधन करने में हमें संसार के ज्योतिःशास्त्र की एक वाक्यता होती है यह कितना बड़ा लाभ है यह पाठक स्वयं समझ सकते हैं। इसीसे शुद्ध नाक्षत्र पद्धति की अखंड परंपरा कायम रह सकती है। यह तो पाश्चात्य भी मानते हैं कि एक समय ग्रह शून्य पर थे और शून्य में ही समावेंगे। बिना भगण पूर्ण के उक्त दोनों बातें नहीं हो सकती हैं। पाश्चात्य गणित से कोई ऐसा शून्य स्थान निश्चित नहीं होता और भगण भी पूर्ण नहीं होते इसलिये उन्हें श्वेपक लेने पड़ते हैं। सांपातिक औषधिक वर्धमान अपने संपात गति से न्यून उच्च गति से शुद्धचक्र भोग में न्यूनाधिक रहता है। संपात में भी कालान्तर व राहुजन्म संस्कार लगने से चलमान और भी चलित हो जाने से जितने संस्कार से वह नाक्षत्र पथ से चलित हुआ उतने विलोम संस्कार देने पर ही सायन से निरवण आ सकता है। इसीलिये भेरी पाश्चात्य विद्वानों से भी प्रार्थना है कि जबकि जिस खगोलिक ज्योतिषियों के हरएक आकृति के संबंध में हरएक तारे का संख्यायुक्त वर्णन के नक्षत्र ही पाश्चात्य देश में प्रचलित हैं। नॉटिकल आत्मनाक में जो तारों के पुंजांतरगत अस्का बीटा आदि उल्लेखित किये जाते हैं। वही सच धरोक्त हैं। दत्ता ही नहीं तो जो दंतकथा तारों के पुंजों के संबंध की कल्पित समझी जाती है वही वेद नक्षत्र विज्ञान से खगोल घटना की ऐतिहासिकता सिद्ध हो सकती है तब उसके ऊपर अवश्य ध्यान देना चाहिए और भारतीय विद्वानों से भी भेरी यही प्रार्थना है कि—

“ पुराणन्यायमीमांसा धर्मशास्त्रांगमिश्रिताः ॥ वेदाः स्थानानि विद्यानां धर्मस्य च चतुर्विंश ॥ १ ॥ ”

इस याज्ञवल्क्य स्मृति के कथनानुसार जब कि १४ विद्या एवं विज्ञान शास्त्र और धर्म शास्त्र जब कि हमारा एक है तब दृग्गणित शुद्ध सुधमगणितागत वेध सिद्ध ज्योतिःशास्त्रका अंगीकार करें तब तब राष्ट्रका एकमुखीपंचांग रूढ़ होकर यह भारतीय पंचांग विदेशमें भी प्रचलित होसके। फल ज्योतिष में प्रकाश शास्त्र और आकर्षण शास्त्रद्वारा आकाशके तारकापुंजों के वर्गीकृति के रूप सादृश्ये शुभाशुभ फल देनेवाले जो ग्रहोंके उच्चनीचस्थान और ग्रहोंकी कक्षा क्रमसे राशि स्वामिग्रह निश्चित किये गए हैं। ऐसे ही चांद्रमासके आकर्षणसे समुद्रका ज्वारभाटा स्त्रियोंका रजोधर्म जनवरी फरवरी आदि मासके अनुसार न होते हुए चांद्रमास से और बहमी भूगर्भीय मानसे होता है। तब उसी सिद्धांतानुसार बनेहुए इस पंचांगका उपयोग संपूर्ण धार्मिक और व्यावहारिक कार्यों में करेंगे ऐसी उम्मीद है।

सर्व सिद्धान्तैक्य शुद्ध ग्रहलाघवसे पंचांग निर्माण

भारत में वेदकाल तथा वेदांग काल में वैज्ञानिक दृष्टि से ज्योतिषको देखने कि प्रणाली कई दिनों कायम रही फिर सिद्धांत ग्रंथोंमें आकर्षण शास्त्रके बलपर कई ग्रंथ रचे और एक आचार्य के मुकरर किये विधानों में प्रत्यक्ष अंतर अनुभव आनेपर कालावच्छेद से दुसरे आचार्य ने संशोधन पेश करना शुरु किया। एक के पश्चात दुसरा तिसरा चौथा ऐसे अनेकों संशोधक होगये। जिनमें अन्तिम संशोधक विद्वान शके ४२१ में आर्यभट्ट शके ४२७ में वराह मिहिर शके ५५० में लल्ल शके १३०० में मकरन्द तथा अखेर अखेर में केशव दैवज्ञ और इनके पुत्र लल्ल शके १४०० में गणेश दैवज्ञ हुए। इन्होंने अपने प्रस्तुत काल में दृग् गणितैक्य याने तमाम ग्रह-अयन-वर्ष गति मध्यममान-केंद्रीयमान आदि बातें प्रत्यक्ष में नाप ले कर और कई प्रकारान्तरे से उसकी जांच करके संशोधनांक स्थिर किये हैं। और इन्हीं का संशोधित आखिरी ग्रंथ ग्रहलाघव और तिथि चिन्तामणी नाम से प्रसिद्ध है। ऐसे दो अमूल्य रत्न हमारे लिये छोड़ गये जिसका आत समस्त भारत सम्मान करता है। इसी संशोधन पथ को पूर्ण तथा अनेकानेक सिद्धांत ग्रंथों करण ग्रंथों तथा वैदिक प्रणाली का पूर्ण तथा परिशीलन और भारत में आजतक हुई सभा सम्मेलनों के अंगिकृत विषयों का गहरा अनुशीलन करके प्रत्यक्ष वेषाक्रिया लगातार पांच वर्ष की स्पष्ट देखकर जौनकर तथा उसकी सत्यता की जांच के अनेकानेक मानों का प्रत्यक्ष बार बार नापकर संशोधन तयार किया है जो भारत के गुण प्राहक सज्जनों की सेवा में समर्पण करता हूं।

मेरा संशोधित बीज संस्कार दिखाने के साथ साथ प्रथम एक महत्व की बात का परिचय देता हूं कि संशोधन विभाग का जबरदस्त अंग मेरे प्रथम गणेश दैवज्ञद्वारे ऐसा उत्तम दे रखा है जो उसकी तुलना में मेरा संशोधन बहुत ही स्वल्पान्तरे में है। यह नाचि निर्दिष्ट करे अंको से आपको जात होजायगा—

प्राचीन सूर्य सिद्धांत से एकता

वराह मिहिर (शके ४२७ इ. सन ५०५) संग्रहीत प्राचीन सूर्य सिद्धांत में लिखे ग्रहों के प्रक्षिणाकाल के दिनों में सांप्रत्यलब्ध शुद्धनाक्षत्र मान से कालान्तर (बीज) संस्कार निम्नलिखितानुसार है।

ग्रहों के भचक्र (३६० अंश) पूर्ण करने में लगने वाले सावन दिन

ग्रह	सूर्यसिद्धांतोक्त दिनों में	+	अंतर (बीज)	=	शुद्धनाक्षत्र भगण के दिन
बुध	८७.९७		०.००		८७.९७
शुक्र	२२४.७०		०.००		२२४.७०
सूर्य	३६५.२५.८७५	—	०.००.२३८		३६५.२५.६३७
मंगल	६८७.००	—	०.०२		६८६.९८
गुरु	४३३२.३२	+	०.२६		४३३२.५८
शनि	१०७६.००.६६	—	०.८४६		१०७५.९.२२०
चंद्र	२७.३२.१६७.१३	—	०.००००.११९		२७.३२.१६५.९४
चंद्रोच्च	३२३.१.९८७.७+		०.५.८८		३२३.२.५७.५०
राहु	६७९.४.५२	—	१.१३		६७९.३.३९

अर्वाचीन सिद्धांतोंक भगणोंमें ग्रहोंकी उच्चगति अल्पलेने के कारण केंद्रीय और नाक्षत्र के
छुट्ट परिमाणों में पडाहुआ अंतर १ कोष्टक में बताया है ।

ग्रहों के राशिचक्र ३६० अंश की प्रदक्षिणा करने में लगनेवाले दिन

ग्रह	शुद्ध केंद्रीय परिणाम	मयोक्त सूर्य सिद्धांत (प्राचीनके अनुसार)	प्रथमार्थ सिद्धांत (शके ४२१)	ब्रह्मगुप्त सिद्धांत (शके ४२८-५००)	शुद्धनाक्षत्र परिणाम
	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन
सूर्य	३६५.२५९७१	३६५.२५०७५	३६५.२५८६८	३६५.२५८४४	३६५.२५६३७
चंद्र	२७.५५५५५	२७.३२१६७	२७.३२१६७	२७.३२१६७	२७.३२१६६
मंगल	६८६.९९६५	६८६.९९७५	६८६.९९९७	६८६.९९७९	६८६.९७९६
बुध	८७.९६९४	८७.९६९७	८७.९६९९	८७.९६९९	८७.९६९३
शुक्र	४३३.२८५९२	४३३.२२०६	४३३.२७७२२	४३३.२२४०१	४३३.२२८८८
शनि	२२४.७००६	२२४.६९८५	२२४.६९८१	२२४.६९७८	२२४.७००८
नाक्षत्र	१०७६५.९४६२	१०७६५.७७३०	१०७६५.०६४७	१०७६५.८१५२	१०७६५.२१९८
चंद्रोद्य	चंद्रस्थानस्थान	३२३२.०९३७	३२३२.१८७१	३२३२.२४४१	३२३२.२५७५
राहु	चंद्रस्थानस्थान	६७९४.३९९८	६७९४.७४९५	६७९४.२५४०	६७९४.३९९१

केंद्रांतर नाक्षत्रांतर

केंद्रांतर नाक्षत्रांतर

केंद्रांतर नाक्षत्रांतर

केंद्रांतर नाक्षत्रांतर

केंद्रांतर नाक्षत्रांतर

केंद्रांतर नाक्षत्रांतर

दिन	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन										
०	—००३३४	+	०००९६	—००२३८	+	००१०३	—००२३१	+	००१२७	—००२०७	+	००३३४	०				
चंद्र	०	—२३२८९	+	२३२८८	—००००१	+	२३२८८	—००००१	+	२३२८८	—००००१	+	२३२८९	०			
मंगल	०	—०१६९	—	००१०	—०१७९	—	००३२	—	००२०१	—	००१४	—	०१८३	०			
बुध	०	—०००१	—	०००३	—	०००४	—	०००५	—	०००६	—	०००७	—	०००८	०		
शुक्र	०	—२७४४	+	५३८६	—	२६४२	—	५८७०	+	३१२६	—	३४४७	+	२७४४	०		
शनि	०	—०००२	+	००२१	—	००२३	—	००२५	—	००२७	—	००२८	—	००३०	०		
नाक्षत्र	०	—३०१६४	—	२८२६८	—	६५३३२	—	३०१८५	—	६५४४९	—	२८६८९	—	६५६५४	+	३०२६४	०
चंद्रोद्य	०	४८२०	५८८६	१५८४	०
राहु	०	१००८७	३५८४	१२३७१	०

सूर्योदय वय

राशि

अधनराशि

विकला	विकला	विकला	विकला	विकला				
००	+	३३९१२	+	३६०६	+	४५२३१	+	११८९५
६२.०८०२	—	५८.६८७८	५८.४१४०	५७.५५६८	५०.१८८८			

इस प्रकार तुलनात्मक पद्धति से संपूर्ण सिद्धांतोंक मूलकों में स्वल्पान्तर से ही दीर्घ कालमें अंतर पडा है।
शुक्र शनि बलवान् ग्रहोंक परस्पर आकर्षण से १२-३० वर्षोंकी अवधी में कुछ सटियोंक अंतर पडना स्वाभा-
विकही है। वक्षा केंद्रच्युति घटती जाने से परम मंदफल में शके १८६० में जितना अंतर पडा है उसको
निकालना योग्यही है इसलिये हमने ग्रहलाघव को ही चालन देकर मध्यम ग्रह उच्चपातादि के दृग्गणितिक्य
नाक्षत्र के मूलकलि में है।

		ग्रहलाघव कालीन मध्यमग्रह			बीज संस्कार		
		क	ख	ग	क-ग	क-ख	ख-ग
		ब्र; आ, स; सिद्धान्त साधित ग्रह.	ग्रहलाघव में कहे हुए क्षेपक.	शुद्ध नाक्षत्र तत्कालीन क्षेपक.	शुद्ध नाक्षत्र से सिद्धान्तीय ग्रहों में अंतर.	सिद्धान्तिक में गणेश देवशका बीज संस्कार.	ग्रह लाघव में हमारा बीज संस्कार
	ग्रह	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क. वि.	अं. क. वि.	अं. क. वि.
[ब्र] ग्रहगुप्त सिद्धान्त साधित [आ] आर्य अट सिद्धान्त साधित [स] प्रयोग सूर्य सिद्धान्त सं- क्षित	सूर्य	११ २० ५३ ३६	११ १९ ४१	० ११ १८ ५२ १	- २ १ ३५	- १ १२ ३६	- ० ४९ ६
	चंद्र	८ ८ ३४ २	८ ८ ४	० ८ १० ४ १२	+ २ ० ३	+ ० ० १८	+ २ ० १२
	शुक्र	७ २८ ९ १९	७ ७ २०	० ७ ७ ४० ४८	- २० २८ ५१	- २० १९ ३९	+ ० २० १८
	शनि	१ ४ ११ १३	० २७ २८	० ० २७ ३ १४	- ७ ७ ५९	- ६ ३६ १६	- ० ४४ ४६
	बीज संस्कृत			० २७ ४ ३६	- ७ ६ ३७		- ० ३३ २४
[स] प्रयोग सूर्य सिद्धान्त सं- क्षित	सूर्य	११ १९ ४१ ३३	११ १९ ४१	० ११ १८ ५३ ५४	- ० ४९ १९	- ० १३	- ० ४९ ६
	चंद्र	११ १९ १५ ४०	११ १९ ६	० ११ १८ १९ ५९	- ० ५५ ५१	- ० ९ ४०	- ० ४६ १
	शुक्र	७ २८ ११ ३३	७ ७ २०	० ७ ७ ४० ४८	- २० २८ ५१	- २० १९ ३९	+ ० २० १८
	शनि	१ ४ ११ १३	० २७ २८	० ० २७ ३ १४	- ७ ७ ५९	- ६ ३६ १६	- ० ४४ ४६
	बीज संस्कृत			० २७ ४ ३६	- ७ ६ ३७		- ० ३३ २४
नक्षत्र का उपकरण	चंद्रोच्च	५ १७ ४० २३	५ १७ ३३	० ५ १४ ५४ ०	- २ ४६ २३	- ० ७ २३	- २ ४९ ०
	बीज संस्कृत			५ १५ १ १९	- २ ४९ ४		- २ ३९ ४१

अन्यान्य ग्रंथोक्त बीज संस्कार और बीज संस्कृत क्षेपक ३

मध्यम ग्रहों के ग्रहलाघव कालीन क्षेपक	भास्कराचार्य योगवीज.	लल्लोक बीज	हमारा बीज संस्कार	बीज संस्कृत क्षेपक	आश्वासक क्षेपक
	अं. क. वि.	अं. क. वि.	अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क. वि.
सूर्य	- १ ९ १९	- ० ० ०	- ० ४९	६ ११ १८ ५३ ५४	३४८ ८६ ५
चंद्र	- १ ५५ ३१	- १ ४२ १२	- ० ४६	११ १९ १८ १९ ५९	३४८ ३३ ३
चंद्रोच्च	- ० ४६ १३	- ७ ४६ २	- ० ४३	१२ ५ १६ ४९ ४८	१६६ ० ८ ३
राहु	+ ० ६६ १३	- ६ ३२ २७	- ० ३४ ४६	० २७ ३ १४	२७० ५४ ४
				चक्रशुद्ध	३३२ ९ ४६
मंगल	+ ० २३ ६	+ ३ १६ १३	- ० ३१	२४ १० ५ ३६ ३६	३०५ ६ १०
शुभ	+ २० १ ७	+ २८ ३८ ५८	+ २ ० १२	८ १० ४ १२	२५० ० ७०
शुक्र	- १ ५५ ३१	- १ ४२ १२	- ० ४६	११ १९ १८ १९ ५९	३४८ ३३ ३
शुक्र	- ५ ४६ १३	- १० २५ २८	+ ० २०	४८ ७ ७ ४० ४८	२१३ ० ६ ८
शनि	+ ५ ० ०	+ १ ११ ४६	- २ १५	० ९ १३ ६	२ ८ ३ १ १०
शुभकेंद्र	+ २१ १० ४६		+ ८ २० ४२	८ २१ १२ १८	३६१ ० २ १
शुक्रकेंद्र	- ४ ३७ १६		+ १ २० ६	७ १८ ४८ ५४	२२८ ० ८ २
रविकेंद्र	- १ ९ १९		+ ० १९ २८	९ १२ २२	२७१ २ ५६
उपकरण	- ० ४६ १३	- ७ ४६ २	- २ ३९	५ १४ ५४	१६४ ० ९०
क्षेत्रफल					

यदि प्रयोग सूर्य से हमारा बीज संस्कार सूर्य
सिद्धान्त में सत्य है उसी प्रकार भास्कर लल्लोकबीज से भी सत्य है ऐसा
हमारा बीज संस्कार ग्रहलाघव से भी सत्य है ऐसा
विदित होगा.

बीज संस्कृत ध्रुवक और चक्र=गण (अहर्गण ४०१४) की शुद्ध नाक्षत्र १५
मध्यम गतिद्वारा चक्र १८६० चैत्र कृ. १४ बुधवार चक्र ३८ अहर्गण ६४ के मध्यम ग्रह ।

ब्रह्मगुप्त आर्यभट्ट सूत्र मित्रांत से सिद्धांत साधित ग्रहलाघवोक्त ग्रहलाघव मे हमारा दिया सु.नाश्रवीय अ. ग. की ग्रह लाघव कालीन ध्रुवक + बीज लिखे = ध्रुवक + बीज च. सु. = ध्रुवक मध्यम गति

	रा. अं. क. वि.	क. वि.	रा. अं. क. वि.	क. वि.	रा. अं. क. वि.	अ.
सूर्य	० १४२ ८	+० ३	० १४२ ११	-१ ३५	० १४७ ३६	३५८.२०६
चंद्र	० ३४६ १०	+० १	० ३४६ ११	-१ २९	० ३४६ ४०	३५६.२५५
शुक्र	० २४१ ११	+३ ४५	० २४१ ०	+० ११	० २४६ ११	८७.२४०
मंगल	७ २४६ ३३	+३ २७	७ २५० ०	-० ४४	७ २५० ६	१४७.१७९
बुध	१ २५ २७ १४	+४ ४६	१ २५ ३२ ०	-२ ५७	१ २५ २९	३३०.४११
शुक्र	४ ५ १७ ४२	-१ ३१	४ ५ १६ ११	-६ ११	४ ५ १०	०२४.८३३
शुक्र	० २६ १६ ५२	+१ ८	० २६ १८ ०	+० २१	० २६ १८ २१	३३३.६५४
शुक्र	१ १५ ५५ ५८	+५ १३	१ १५ ५९ ११	+० ३३	१ १५ ५० ८	३१४.१५६
शनि	७ १५ ४२ ४१	-० ४१	७ १५ ४२ ०	-४ २७	७ १५ ४७ ३३	११४.१७४
शुक्र केंद्र	४ ३ २८ ३४	१ १४	४ ३ २७ ०	-४ ३६	४ ३ २८ २४	२३६.४६२
शुक्र केंद्र	१ १३ ५६ ५०	+५ १०	१ १४ २ ०	+१ २	१ १४ ३	३३३.५४९
शनि केंद्र	० १४५ १२	+० ३४	० १४ ५६	३५८.८७१
च. सु. राहु	४ २७ १३ २७	-३ २०	४ २७ १० ०	+० ४४	४ २७ १० ४४	२४२.२८२

चंद्र सापन के उपकरण	गविकेंद्र	तिथिकेंद्र	च्युतिकेंद्र	मंद केंद्र	मध्यमचंद्र चक्र सु. राहु
म. ला. मध्यम ग्रहोंमें १५, २६०८ और ६४ दिनोका	रवि-मंद केंद्र = उप १ अ.	चंद्र-रवि = उप २ अ.	चंद्र-२ रवि + चंद्रनीच उ३ - २.३५ स्थि. अ.	चंद्र-नीच - १.३५ स्थि. गक=उप ४ अ.	मध्यमचंद्र राहु: अ. ०७.०५४ ३६० अं. में
बालन	२४९.८६५	३४८.३३	३३७.७३	-३४४.९०	-१.३५ - १ स्थि. अं. चटनेपर
	२५७.५०९	३४८.८७०	+३४४.९०	-१.३५	-१ स्थि. अं. चटनेपर
ग्रहलाघवोक्त चक्र ३८ गति ध्रुवनाक्षत्रक गति ६४ दिन की च. अ १४ बुध	१२०.३५६ २८९.४६८ २१०.२२४ ६३०.७७९ ८४९.००३	३५९.४६ २८५.८५ २८९.३१ ६००.०० ३४५.५१	२३५.५५० ६९.३६ ६४.८६ ४९.१२	= १.०८ १४.२.३९ १४३.३७ २५९.५३	= ३.९५.३३ २७७.६८ १५०.०० १२३.२७ ३२०.३७
मध्यमग्रह	रवि	मंगल	बुध	शुक्र	शुक्र
म. ला. कालिक चक्र ३८ गति ध्रुवनाक्षत्रक गति ६४ दिन की च. अ १४ बुध	३४८.८६५ २९१.८३९ ३००.७७४ ६३०.७७९ ३४३.७८३	३०५.५१ ५१.६० ३१७.२१ ३२५.५१ ३०७.५५	३५०.०७ २८२.८७ १७३.७४ २६१.९१ ७५.६५	२१०.०९ ८०.४० २९०.८७ ५०.२१ २९६.२०	२७०.७८ ५७.९३ २७०.६१ १०२.५४ १८.१५

पंचसिद्धांतिका (अ. १७ श्लो. २-३) लिखित बुधादि ४ ग्रहोंके उच्च
बाकी ग्रहलाघवोक्त उच्चपातादि परिमाण- उच्च+१८०=नीच

ग्रहलाघव मे लिखा	सूर्य	मंगल	बुध	शुक्र	शुक्र	शनि
उच्चस्थान	७८.०००	१२०.०००	२२०.०००	१६०.०००	२७०.०००	२४०.०००
सि. प्र. से १४४२ चालन वीज	०.४९१	+१०.०००	+१२.८२१	+९.५६०	०.७८१५	+ ६.८३२
शुद्ध नाक्षत्र श. १४४२	७७.५०९	१३०.०००	२३२.८२१	१६९.५६०	२८७.८१५	२४३.८६२
चालन चक्र ३८	+१.३७१	+१.९६२	+ ०.५१५	+ ०.५७१	- ०.१७४	+ १.८५४
शु. ना. शके १८६०	७८.८८०	१३१.९६२	२३३.५३६	१७०.१३१	२८७.६४१	२४८.७१६
चक्र (११ वर्ष) गति	३६०.९३२	०.५१६३९५	०.१८७९४६	०.२०२६२०	०.०४५७७३	०.४८७९८२
परम मंदफल			मंदफल	संस्कार		
कालांतर संस्कृत के. भुज १ मंदकेंद्र	+११५.१	+४४३.२	१४०६.२	३३०.४	४७.३	३८६.४
" " २ "	+ १.२	+ ३७.५	+१७८.९	+१०.०	+०.२	+ १३.३
" " ३ "	+ ०.०	+ ३.०	३१.५	+ ०.४	०.०	+ ०.७
सूर्य से ग्रहतक रेखाकार			मंदकर्ण			
अंतर-मंदकर्ण	१.०००१४	१.५३०३२	३.९५२८	५.२०८८६	७.२५३५	९.५६३७८
मंदकेंद्र भुज केंद्र को ज्या	-०.२६७७	-१.४१६५	-०.७८३३	-२.५०८३	-०.०४९५	-५.३३०२
केंद्र २ को ज्या	-०.००१४	-०.०६५९	-०.०७९५	-०.०६०६	-०.००००	-०.१४९२
पातस्थान	अयनांश	मं.	बु.	शु.	शु.	श.
ग्रहलाघवोक्त	१६.३३३	४०.०००	२०.०००	८०.०००	६०.०००	१००.०००
सि. प्र. से १४४२ तक चालन=वीज	+०.५१६	-१.१३०६	+५.०४६	-१.४९९	-४.६७२	- ७.६७५
शुद्ध नाक्षत्र १४४२	१७.१४९	२८.६९४	२५.४२६	७८.५०१	५५.३३८	९२.३२५
चालन चक्र ३८	+५.८३४	- २.६४३	- ०.७८९	-१.६७१	-२.२१६	- २.१५४
श. १८६० पातस्थान	२२.९८३	२६.०५१	२४.६३७	७६.८२०	५३.१२२	९०.१७१
चक्र (वर्ष ११) गति	+१५.३४२४	०.६९५७५	०.२७७६	-०.४४०	-०.५८३५८	-०.५६६८१
पातोन उपकरण से	मंदस्पर्ध मे	कक्षा परिणति	संस्कार			
कक्षा परिणति	सं. रविमध्य	-०.९	-१.२०७	कला	कला	कला
उपकरण	र. प. कांति	रवि	मध्य शर	-०.४	-३.०	-१.६
पातोन र. मध्यग्रह	२३ अं. २७ क	+१११.०	+४२०.२	+७८.६	+२०.६	+१४९.६
	१ गति	२ तिथि	३ च्युति	४ मंदफल	५ परिणति	चंद्र शर
उपकरण भुज्या	रविमंदकेंद्र	(चंद्र-रवि)	२ (चं-सू.)	पूर्वसंस्कार	चं. + च. रा.	चंद्र-राहु
फल विकला	-६.७५५	१.१००	- चं. मं. केंद्र	युक्त चं. मं. कें.	+ ९	
स्थिर विकला	९००.०	१.१००	१.१००	१.१००	१.१००	१.१००
पृथक् २ फल						
संस्कार						

शुद्धनाक्षत्र सौरमान से ग्रह साधन के लिये उपयोग में लाये हुए मूलोंक

सूर्य से अंतर १ मानकर मध्यम मंदकर्ण	कक्षा केंद्र स्थिति	प्रकृत्यंश (तौल) सूर्य = १ +	रविग्रह युति (अमावास्या) दिन	अंशात्मक दिन गति
बुध	०.३८७१	२०५६१	६००००००	११५.८८
शुक्र	०.७२३३	००६८१	४०८०००	५८३.९२१२६६
पृथ्वी	१.००००	०.१६७५	३३३४८२	सूर्य दिन गति ०.९८५६०९२
मंगल	१.५२३७	०.९३३१	३०९३५००	७७९.९४
शुभ	५.२०२६	०.४८३३	१०४७	३९८.८८४०८००
शनि	९.५५४७	०.५५८९	३५०२	३७८.०९
चंद्र	०.००२५	०.५४९०	२६७ लक्ष	२९.५३
				१३.१७६३५८३

उपर्युक्त बीज संस्कार में जो भी ज्यो. वि. केतकरजी के केतकी ग्रहगणित पृष्ठ ७ में लिखे प्रकार “चंद्रो-
ब्धग्रहणां बीजसंस्काराः” के गताब्द ३५८ के क्रमशः १।५०, ७।१९, १।५२ कला विक्रमात्मक अंकों में
अंतररूप बीजोंक कुछ कम होते हैं किंतु वर्तमान में वह धनर्ण होकर शून्य रूप हो जाते हैं इसलिए शेषकांकों से
उन्हें अलग लिखे हैं और राम बीज का चंद्रोच्च (१६६.८३) उपयोग में नहीं लिया है। दृग्गणितिक्य के लिये
साम्प्रतिक सूर्य सिद्धांत के बीजोपनयनाध्याय १४ में बीज देने के संबंध में कहा है कि—

‘चक्रानुपातजो मध्यो मध्यवर्त्तांशजः स्फुटः ॥ कालेन दृक्समोन्नत्यात्ततो बीजक्रियोच्यते ॥ १ ॥ राश्या-
दिरिन्दुरंकजो भक्तो नक्षत्रकक्षया ॥ शेषं नक्षत्रकक्षया स्त्यजेच्छेषकयोस्तयोः ॥ २ ॥ यदस्य तद्वत्वे-
द्भानां कक्षयातिथिनिघ्नया ॥ बीजं भागादिकं तस्मा स्कारयेत्तद्वर्त्तनं रवौ ॥ ३ ॥ बीजनिःशेषासिद्धांत
रदस्य परमं स्फुटम् ॥ यात्रापाणिग्रहादीनां कार्याणां शुभसिद्धिदम् ॥ ४—२१ ॥

कदंबामुख तारों के भोगशर से यष्टि-पट्टयंत्र से या तुरीय यंत्र से ग्रहोंका अंतर नापकर पहिले चंद्रस्थिति से
नाक्षत्र सौर मान को शुद्ध करके । सूर्य चंद्रादि के ठीक ठीक चक्रमोण ‘मभ्रमतो निरैका’ पद्धति से एवं
नाक्षत्रिक परिणमन को राश्वंशात्मक रूप दे देना कि जिस के द्वारा प्रत्यक्ष यंत्रोपदिष्ट मान से गणितागत मान की
समानता होजाय । इसी तरह मंद शीघ्र परिधि को यानी परम मंदफल और केंद्र को भी शुद्ध करके सभी परिमाणों
की अंगामी भावसे एक वाक्यता जिस प्रकार हो वही बीज योग्य है, ऐसा सूर्यसिद्धांत का सार है । तारा चंद्र
विधान युति का भूमध्य दृश्य काल आलेख्य के चंद्रबिंब के केंद्र में ठीक ठीक उपलब्ध होना ही भूगर्भीय का
एक उदाहरण है । इस तरह सेकड़ों तारों के वेधद्वारा अंतर नापकर मूलोंक पट्टक निश्चित किये गये हैं । इसीपर
से तीर्थयात्रा विवाह संस्कारादि संपूर्ण धार्मिक और व्यावहारिक कार्य करना सूर्यसिद्धांत में ही लिखा है । उन्दी
प्राचीन संपूर्ण सिद्धांतकारों संशोधकों की आज्ञा का मैने पालन करके यह संशोधन अविश्रांत परिश्रम के साथ
तयार किया है । इसीपर से यह पंचांग दृग्गणितिक्य का आपके सामने पेश करता हूं ।

इंदोर वैदिक वेधशाला)
ता. २० मार्च १९३८ ई. }

विश्वके विद्वानों का दास
दीनानाथ शास्त्री जुलेट

पंचांग का उपयोग और कोष्ठकों को देखनेका प्रकार तथा वेधोपपत्तिसह तिथ्यादि साधन और ग्रहों के वेध गणितका परिचय पत्र

पृष्ठ १ भवस्वर फल गुह चार शनि चार फल आदि के पृष्ठ १ से २४ तक हैं उसमें जो कोष्ठक दीये गये हैं उसकी देखने की पद्धति उसके साथही जोड़ी गई है ! पंचांग पृष्ठ २ से ४९ तक में आनंदादियोग तिथि आदि के घड़ी पल और आगे द्वाभ्यां लिखा है । तथा मध्यम सूर्योदय (प्रातःकालिक) ग्रह स्पष्ट दिखे हैं । यह सभी ग्रह सूक्ष्मगणितैक्य पद्धति के होने से हर एक जन्मपत्री वर्षफल प्रश्न पत्र बनाने वाले को बिना परिश्रम ग्रह स्पष्ट लिखने के उपयोगी है सूक्ष्मता चाहने वाले इष्ट कालिक ग्रहगति का ज्ञान देकर तात्कालिक कर सकते हैं । जिन के जन्मपत्री में सूर्य सिद्धांतोक्त सूर्य लिखा गया हो उस सूर्य के राशि अंशतुल्य दिन में वर्ष प्रवेष्ट । देखने के सुभति के लिये सूर्यसिद्धांतोक्त प्रातःरवि स्पष्ट सौराब्जशिषिक में लिखा गया है । नीचे अवधि के स्पष्ट ग्रह क्रिस आठ दिन के इस लिये लिखे हैं कि जिन को दैनिक ग्रह स्पष्ट समझते न हों उन को पूर्व परिचय के तुल्य कुंडली के साथ प्रातः कालिक ग्रह स्पष्ट लिखे गए हैं । शुक्र पक्ष में सूर्य संक्रांति फल और कृष्ण पक्ष में मास फल मिलकर वह उभी मास का फल समझना चाहिये ।

तिथि नक्षत्र योग साधन पृष्ठ ४९ हम लिये दीये गये हैं कि अन्य पंचांग कर्ता विद्वान् जहां तक

“ भक्ता व्यक्तं विधोर्लवायम कुम्भारिषाततिथिः स्यात्फलं । शेषं यात मिदं हराक्षपतितं भोशं विलिप्तास्तयोः ॥ भूस्वयोरंतर भाजिताश्चयटिका यातैध्वकाः स्युः क्रमान् पूर्वार्धं करणं बवाद्वाततिथि द्विध्वयाद्रि तष्टाभवेत् ॥ १ ॥ २ ॥

ग्रहलाघव (२।२५-२६) में लिखे इन दो श्लोकों की रीतिसे दैनिक रवि चंद्र द्वारा तिथि नक्षत्र योग का साधन नहीं करके मारणी ग्रंथों से साधन करने में हर एक में कई पलों का अंतर ही क्या एक दो घड़ी तक का अंतर उभी पंचांग में लिखे रवि चंद्र द्वारा उपलब्ध होता है । इस से पंचांग के पांचों (तिथि बार नक्षत्र योग करण) अंग परस्पर में छूट नहीं रह सकते हैं । क्षमा याचना करके थोड़े दुःखों के साथ लिखना पड़ता है कि समस्त भारत वर्ष में ऐसा एक भी पंचांग प्रकाशित नहीं होता कि वेध गणित के साथ जिसके रवि चंद्र मिलते हुए हों या नृरीय यंत्रादि में उसकी लिखी तिथि आदि का नाप रवि चंद्र के १।२२ अंश रूप अंतर आदि से नापी जाती हो । कई पंचांगकार ग्रह स्पष्ट ८ दिन के करते हुए भी वह प्रातः कालिक नहीं होनेसे प्रातःकालिक तिथ्यादि गणित उसके द्वारा हो नहीं सकता है । कई भाई तो चंद्र स्पष्ट ही नहीं करते हैं । कई १५।१५ दिनों में ग्रह स्पष्ट में चंद्र भी देते हैं किंतु उनके लिखे रवि चंद्र साधित विधी आदिके अंक एक नफा जा रहे हैं इसपर पंचांग में लिखे नक्षत्र से उसी चंद्रमाका मेलन नहीं हो सकता है । कई पंचांगों परालक्ष्य पंचांग से उद्धृत रवि चंद्र दोनों ही रहते हैं लेकिन उन के ही पंचांगीय घड़ी पलों में सप्तमी अष्टमी के निकट में तो १०।१५ घड़ी तकका अंतर भद्रा व्यतीपात में पड़ता है । जो भी वह अपनी कमजोरी को छिपा ने के लिये

अदृष्टफलसिद्ध्यर्थं तथाकां युक्तिः कुरु ॥ गणितयद्विदृष्टाथ तदृष्टयुद्धवतः सदा ॥१॥

इस तत्त्वविवेक प्रोक्त “ भूगर्भीयमध्यमादि अदृष्ट ग्रह सूर्य सिद्धांत में युक्ति से (बीज देकर) करें और विपुलांश क्रांति याग्योत्तर लघ्नकालादि भूपृष्ठीय ग्रह प्रत्यक्ष वेधोपलब्ध सदा लेवें ” इस कथनका धार्मिक व्यावहारिक

मनचडत अर्थे लगाकर पंचांग के ३६० दिन में उदाहरण के लिये एक दिन का पंचांग भी अंग प्रत्यंग शुद्ध वेध सिद्ध नहीं करते हैं। हां यह मैं जरूर कहूंगा कि यदि वे दिलपर धारें तो एक दिनका क्या सौ वर्ष आगे के पंचांगभी बना सकते हैं किंतु बनानेपरभी उन विद्वानों की दैनिक रवि चंद्र बनाकर उसके द्वारा पंचांग रचना में कितना परिश्रम पड़ा है उसके मूलादले में कपिया दो कपिया पंचांग बिकता हो तो यह बात नहीं है। नाटिकल आत्मनाक ५ कपिये में मिलता है। भारतीय पंचांग १- में लेनमें भी हिचकिचाते हैं यहां तो सबसे सस्ता पंचांग चाहिये। किंतु मैं समीचे प्रार्थना करता हूं कि पंचांगक सत्ताई के ऊपर नहीं जाते हुए, सत्यना के ऊपर जाना चाहिये “भयाति हस्तुत्यतां सिद्धैरतैरिह पर्व धर्म नय सत्कायोदिकं त्वादितेत् ॥ १६ ॥” (अ. २)

इस ग्रहलाघवकार गणेश देवज्ञ ही क्या समस्त ज्योतिः शास्त्र ग्रंथ जिस दृग्गणितैक्यता के ऊपर जैसे सूर्यभिज्ञान में बीजोपनयन लिखा गया हैं तथा २० सिद्धांत ग्रंथ एवं अनेकानेक करण ग्रंथ निर्माण हुए हैं उनके ऊपर ध्यान देकर शुद्ध पंचांग को ही बनाओ और जनता भी उसका यथायोग्य मूल्य देकर शुद्धता का प्रचार करे तो शीघ्र ही अंगप्रत्यंग शुद्ध दृग्गणितैक्य पंचांग का सर्वत्र प्रचार होजाय। इस हेतु से तिथ्यादि के बनाने के न्यास कोष्ठक कैसे के कैसे उभृत किये हैं। शास्त्रार्थ विभाग में कालि साम्प्र महापात तथा भद्रा की स्टैंडर्ड टाईम दी है। व्रत, उपवास, महोत्सव, चंद्रोदय आदि धर्मशास्त्रानुसूल निर्णय दिया है। इन्दौर शहर का दिनमान रवि उदयास्त की स्टैंडर्ड टाईम तारीखें चंद्र-चार, पर्जन्यनक्षत्र विवाह सुवर्त आदि स्पष्ट थिये हैं।

ग्रहों का वेधमाधन

पंचांग में कोई दो तान सौ गांवों के रेखाश (पूर्व पश्चिम पल=टाईम नापने के लिये) अक्षांश (दक्षिणोत्तर स्थल नापने के लिये) लिखे गए हैं। उसपर से आप अपने गांव के अक्षांशों को तुरीय यंत्र में ध्रुव तारि को प्रातःकाल सायंकाल में नापकर मध्य में चिन्ह करदे ताकि अक्षांश स्पष्ट होंगे हुए दिक्साधन के लिये उत्तर में २७० अंश लेकर यंत्र का दिग्गंश गोल स्थिर कर देवे। इसमें जब कोई सूर्यादि ग्रह भागिया वही उसका याम्योत्तर हूतका लंघनकाल है। अक्षांश को ९० अंश में घटाने पर लंबाई होते हैं। पंचांग में हरएक ग्रह की दैनिक कालि लिखी गई है। लंघाश में ग्रह की दक्षिण कालि घटाने पर उत्तर कालि मिलाने पर क्षितिज से उन्नतांश पर ग्रह दिखाई देता है। यानी उसके दिग्गंश होते हैं। यहां यहां बात ध्यान में रखनी चाहिये कि यदि यह जोड़ ९० के ऊपर हो जाय तो उसे १८० में कम करके उत्तर उन्नतांश लिखें क्योंकि वह ग्रह या तारा २७० दिग्गंश पर दिखाई देगा। नतांश=९०-उन्नतांश। नतांश की स्थिति रेखा तुल्य छाया रहती है। पंचांग में ग्रहों के लंघनकाल की इन्दौर की स्टैंडर्ड टाईम लिखी गई है। और इन्दौर स्थायी स्टैं. टा. ६१.२७ है। इससे अन्य नगरों में स्टैं. टा. मिनिट पूर्व पश्चिम में घटा वढ़ा कर अपने गांव के अंतर मिनिट घटा वढ़ाकर लंघनकाल का टाईम बनालें उस समय तुरीय यंत्र से उन्नतांश या शंकु द्वारा छाया नापकर वेध ले सकते हैं। बाकी का वेध गणित नतकालांश द्वारा होने से ग्रह लाघव में वेध प्रक्रिया से कर सकते हैं।

बिना यंत्र से भोग शर का निश्चय

पंचांग के स्पष्ट ग्रह शुद्ध नाक्षत्र भोग कंदबाभिमुखशर स्थिर तारों से नापे जा सकते हैं। तथा नक्षत्र चक्र के २ नकशे दिये हैं। उसमें स्थि अग्न्यान्ध पुंजताराओं के भोग शर की निकटता से या तारा ग्रह युति, चंद्र तारा पिधान युतिद्वारा स्वयंपांतर से अंकों की सत्यता निश्चित हो सकती है। भारत वर्ष में यह वेध सिद्ध गणित दर्शक पहिलाही पंचांग होने से तथा कुल ताराओंके भोग शर की पुस्तक अभी प्रकाशित नहीं होने से इस पंचांग में उदाहरण आदि नहीं देकर प्रत्यक्ष में विद्वानों की सेवा में इसके अंग

प्रत्यंगों की जांच बतलाना निश्चित किया है। जिससे नक्षत्रों द्वारा नक्षत्र पुंजों की पैठान करते हुए किस राशि नक्षत्र के किस अंश में ग्रह दिखाई दे रहा है। पंचांग में लिखे सूर्य से ग्रह की दूरी, पृथ्वी से ग्रह की दूरी बिंब आदि हर एक परिमाण कितने महत्व का और आवश्यक है यह विद्वानों की सेवा में प्रत्यक्ष बतलाया जायगा। और उसके सत्यता के अभिप्राय न्याय मंडल में एवं श्रीमन्त इन्दौर सरकार की सेवा में पेश किये जावेंगे। इस उद्देश के अनुकूल पंचांग में सभी परिमाण शुद्ध सुसम गणित के दिये गये हैं।

वेध उपपत्तिसह पंचांग साधन परिचय (पृष्ठ १२×३=३६)

तिथी साधन पृष्ठ (३-१४) तारीख के अनुक्रम से स्पष्ट सूर्य में चंद्र घटानेपर अमांतीय तिथि शेष=(अ) में १२ का भाग देकर शेषांक विलोम तिथि के अंशों में लाघ्रयमिक रिति से र. चं. गत्यंतर का भाग देकर हर एक बार को मध्यम सूर्योदय से तिथि समाप्तिकाल के घटी पल लिखे हैं नक्षत्र साधन (पृ. १७ २८) स्पष्ट चंद्र में १३ अंश २० कला=अश्विनी आदि नक्षत्र का भाग देकर शेष अंशों में अंशारमक चंद्रगति का लाघ्रयमिक भाग देकर वारानुक्रम से नक्षत्र समाप्ति के घटी पल लिखे हैं। योग साधन (पृ. ३१-४२) रविचंद्र के जोड़ को १३ अंश २० कला का विष्कंभादि योग के अंकी में घटाकर शेष अंशों में रविचंद्रगति जोड़ का लाघ्रयमिक भाग देकर वारानुक्रमसे विष्कंभादि योग समाप्तिकाल के घटी पल लिखे हैं। तिथि का अर्ध विभाग करण होने से दो तिथि के जोड़ का अर्धभाग पूर्व करण और तिथि समाप्तिकाल के तुल्यही उत्तर करण रहता है। यही घटी पल पंचांग में लिखे होने से उपपत्ति शुद्ध हैं। और यंत्र द्वारा इन परिमाणों के घटीपल नाप सकते हैं। सूर्य चंद्रांतर १.२।१२ अंश की तिथि। चंद्र की नक्षत्र स्थिति और अमात चंद्र नक्षत्र से १.८० पर सूर्य स्थिति द्वाग नक्षत्र और उनका जोड़ योग का वेध देख सकते हैं।

उपपत्तिसह ग्रहों का वेध गणितका परिचय

प्रस्तावनामें ग्रहलाघवसाधित मध्यम ग्रह मंदोच्च पात लिखे हैं एवं रविस्कम कालिक मध्यम ग्रह उच्चपात सिद्धांत प्रमाक से भी लिखे हैं उनमें अहर्गण गति मिलाकर आगे के कांष्टक बनाए गए हैं। केतकी सेमी इनकी एक वाक्यता होती है इसलिये तुलना करने को केतकी अहर्गणभी दिया है।

सूर्य का वेध गणित विभाग पृष्ठ ४४ से ६७ तक है। इसमें प्रथम तारीख बताकर तिथि बार का क्रम बताया है। आगे दैनिक प्रमाकर सिद्धांत साधित दिनगण हैं। मध्यम रवि तथा उसका मन्दकेंद्र और मन्दकल जो संस्कार दिया जाता है वह वन ऋणात्मक दिखाया है। आगे स्पष्टरवि और उसकी दिनगति दी है। और प्रतिदिन का नापने को रविविध दिया है। मन्दकर्ण अयनांश और सायन मध्यम रविमी प्रतिदिनका दिखा दिया है।

उत्तर पृष्ठमें तारीख देकर सायन स्पष्ट सूर्य दिया है और उसीके विपुर्बांश दिखाकर उसकी दिनगतिभी दी है। आगे स्पष्ट रविका विपुर्बकाल और दिनगति बताकर दैनिक क्रांति और क्रांति की दिनगति वेध साधन करने के लिये देदी है। इन्दौर में निलके सूर्यका (खरवतितक से गुजरना) याम्योत्तर लंघनकाल के घटी पल देकर उसका स्टैंडर्ड टाइम भी दिया है। इन्दौर का वेध साधन करने को चर और नतांशभी दिये हैं। प्रतिदिन के सैकड़ों बार गणित की सत्यता की जांच करनेवाली छब से मोटी बात इसके आखिर में यहभी देदी है कि सूर्य की छाया मध्याह्न काल में अर्थात् सूर्यके याम्योत्तर लंघन काल में—दशअंगुल—दस हंस—दस हात—दस गज इत्यादि दस विभागमें किसी भी विभाजित शंकु—भीत—मकान—वृक्ष—इमारत या मनुष्य अपनी रवतः की छाया को भी क्यो न दस विभागों में नापे। याम्योत्तर लंघनकाल में छाया का नाप ठीक कीक कितना होगा यह इन्हीं स्पष्ट कर दिया है। पंचांग के गणित की सच्चाई जाँचने वालों के लिये यह सबसे सहूल और कम परिश्रम से नापने

तथा ज्योतिष शास्त्र की सत्यता जाँचने का रोज का तर्का सहल कर दिया है। हमारे ज्योतिःशास्त्र के प्रेमी विद्वान तथा भारत के समस्त वर्षों का काम जानने वाले तथा तत्त इंग्लिषपर लोगोंको जाँचने के ही लिये यह छायामान दिया है। मध्यगह में ये मार्गों को तपास कर हमारे वेध शाला में अभिप्राय भेजने की कृपा करें।

चंद्र का वेध गणित पृष्ठ ६७ से ९१ तक है। इस में आरंभ में तारिख तिथिवार दिखाकर प्रमाकर दिन गण बताया है। इस में आगे मध्यम चन्द्र के स्थिरांक दिखाकर पहिले रवि केन्द्र प्रथम संस्कार और मध्यम मन्द केन्द्र से मन्दफल नामक चतुर्थ संस्कार देकर मध्यम स्पष्टचन्द्र बताया है।

उत्तर विभाग में तारिख का क्रम दिखाकर पातोन चंद्र और पंचम संस्कार बताकर स्पष्ट चन्द्र किया है। जिसकी आगे दिन गति भी देदी है। इसी तरह चन्द्रका नित्य का शर तथा सायन भोग दे दिया है। और इसी की नित्यकी दैनिक क्रांति विष-विषुवांश दिखाकर इन्दौर शहर से गुजरने वाला चंद्र का वाय्वोत्तर लंघनकाल भी देदिया है जो नित्य स्टैंडर्ड टाइम के अनुसार हर तरह से नापा जा सकता है।

इसी पंचांग के आरंभ में चन्द्रोदय चन्द्रास्त का समय दैनिक देदिया गया होने से प्रतिदिन इस के गति के सत्यता भी जाँच करते बनती है। वेध लेने वालों के लिये इसकी नित्यकी विषुवांश क्रांति दैनिक होने से चन्द्रमाका वेध जाँचने के लिये तो अत्यंत सुगम विभाग हो गया है।

इसी तरह अनेकानेक वेध क्रिया से प्रतिदिन सैकड़ों प्रकारों से ज्योतिष की सत्यता और प्रसक्त दुरधीन-तुरीय यंत्र-पञ्च यंत्र आदि से नाप ने तथा जाँचनेका-मंगलका वेध गणित पृष्ठ ९२ से ११९ तक। शुभ का पृष्ठ ११६ से १३९ तक गुरु का पृष्ठ १४० से १६३ तक एवं शुक्र का पृष्ठ १६४ से १८७ तक तथा शनि का पृष्ठ १८८ से २११ तक तमाम ग्रहों का वेध गणित क्रमशः दिया है।

भारत के प्रसिद्ध १८ शहरों का दिनमान सूर्योदय सूर्यास्त तथा चर पल पृष्ठ २१२ से २३५ तक दिये हैं। इनमें स्थलाभाव से कुछ नगरोंके चर पल इस लिये हटा दिये हैं कि समीपवर्ती दुसरे शहर और इसका चर एक ही आता है। जैसे रंगून, हैदराबाद, एलिचपुर, नागपुर, कानपुर बनारस, उदेंपुर जयपुर आदिका रच समान है।

इसके अन्य विषयोंमें प्रत्येक नगर निवासी को अपने रहते ग्राम में उपलब्ध हुयेवालक की लग कुंडली बनानी हो तो ज्योतिषियों की बहुत ही गैर सुभीता होती थी। क्योंकि प्रायः लग्नसारणी पंचांग कर्ता अपने अपने पंचांग में किसी एक विशेष नगर ही का देते हैं। इसलिये लाचारन उन्हें अपना रहता या आज बाबू जिले का गाँव छोड़ कर पर प्रात की लग्नसारणी में गुंजायश करनी होती थी। इस कठिनाई को मिटाने के लिये हमने लगभग चार पाँच सौ नगरों के उपयोग में आने वाली लग्नसारणियाँ अक्षांश ८ से लेकर ३५ तक की प्रमुख ऐसी १६ लग्न सारणियों पृष्ठ २३६ से २५१ तक दे दी हैं। इसका उपयोग अपने समीपवर्ती जिले की लग्न सारणी से टिप्पण—मुहूर्त लग्न—विवाह आदि के देने में बहुत ही सुभीता होगा। इतना ही नहीं तो वे अपने स्थानिक गाँव की लग्नसारणी से सूक्ष्म शुद्ध जन्म पत्रिकाएँ तथा वर्ष फलादि बनाकर उनसे फलित का उपयोग अचूक ऐसा आसानी से कर सकेंगे।

इस पंचांग में विवाह मुहूर्त प्रारंभिक पृष्ठ ३-४ में जो दिये हैं वे बहुत ही छान शीन के साथ दिये हैं उकेलास हत्तलेबा पाणिग्रहण का काल तो लग्न छादि के साथ साथ पंद्रहवाँ शुद्धति सुक्ष्म ऐसा स्टैंडर्ड टाइम निकाल कर स्पष्ट किया है। इसी तरह अखिल भारत वर्षोपयोगी शुभ शुक्र के उदय अस्त और स्वोदय अक्षांश विभाग से लघन होने के किन २ गाँवों में कब कब होगा उसका विशेष पन्ना स्वतंत्र ऐसा पृष्ठ ३ में दे दिया है। ऐसे ही भारतवर्ष के अन्य नगर निवासियों को अपने अपने स्थान का जिन्हें वेध लेना जरूरी हो उन्हें अपने या समीपवर्ती नगर के

अक्षांश रेखान्तर पल-पलमा-स्टैंडर्ड टाइम आदि दे दिये हैं। अतः जिन्हें स्वतः के रहते ग्राम का वेध गणित स्थानिक करना हो उनको यह पांच टेबल अधिक ही उपयोगी हैं। १३ चित्रों का परिचय-कदंब सूत्रीय राशि चक्र के गोल २ नक्षत्र चक्र के गोल २, ध्रुव सूत्रीय राशि भोग शर के राशि चक्र के नक्षत्र ६, सुपर्ण चित्रि (वैदिक पंचांग) १ अमनांश आलेख्य १ चंद्रग्रहण का चित्र १ इनका उपयोग भूमिका में लिखा है।

एकमुल्ती पंचांगकी ध्येयपूर्ति के सहायकों को धन्यवाद

मेरी प्रार्थना पर ध्यान देकर भारत वर्षमें एकमुल्ती पंचांग प्रचारकार्यों को संचालना देनेवाले श्रीमन्त महाराजाधिराज राजराजेश्वर सवाई श्री. यशवंतराव महाराज होळकर सरकार इन्दौर समय २ पर उदारता पूर्ण अनेको प्रकार से सहायता पहुँचा रहे हैं इनका मैं अत्यंत आभारी हूँ। इस वैदिक वेधशाला में छोटी मोटी दुरबीन तथा नुरीयंत्रादि की सहायता जो जो मैने मांगी आपने दी है। इन्हीं की अगाध परम उदारता और सहायताही का फल है कि आज मैं इंडियन आत्मनाक जैसे सोपपत्तिक वेधसिद्ध पंचांग निर्माण करने में सामर्थ्यवान् हुआ हूँ सबसे प्रथम आपही इस कार्य को सज्ज बनाने में धन्यवाद के योग्य है। अतः आपको हार्दिक धन्यवाद है। तथा इन्दौर पंचांग संशोधन कमेटी के सभापति के स्थानपर आज ८-९ वर्ष हुए जिन्होंने मेरी नियुक्ति की, श्रेष्ठतः पूज्य मालवीयजी के सभापतित्व में जिनकी उदारतापूर्ण सहायता मिलने से इन्दौर उद्योतिःसमेलन में अखिल भारत वर्षीय न्याय मंडल की स्थापना की गई तथा मेरे कथन को यथा योग्य श्रीमन्त महोदय के सम्मुख रखकर इन्दौर पंचांगको भारत वर्ष में सर्वमान्य कराने आदि के सहायक श्रीमन्त प्रार्थमिसिन्डर साहेब, श्रीमान् होम मिनिस्टर साहेब एवं फाइनन्स मिनिस्टर साहेब कि जिन्होंने इस पंचांग को साल लगने के पूर्व ही प्रकाशित कराने में पर्याप्त सहायता प्रदान की इस लिये श्रीमन्त इन्दौर सरकार के मंत्री मंडल की हार्दिक धन्यवाद है।

दुसरा उन सज्जनों को भी धन्यवाद दिये बिना मुझसे नहीं रहा जाता जिन्होंने मेरे काम को संचालना मिलने में पूर्ण सहयोग दिया है। उन में श्रीमन्त साहित्यप्रेमी दीवान पद्मादुर एम्. व्ही. किये साहेब, श्रीमान् आयुर्वेदमार्तंड पंडित ख्यालीरामजी द्विवेदी, एवं सरदार बांगण साहेब, श्रीमन्त रा. व. तलिवे साहेब, तथा व्याकरण. चार्य पं. शंभुनाथजी त्रिपाठी तथा श्रीयुत नरहर गणेश कोटारीजी वकील साहेब आदि सज्जन हैं।

इस पंचांग संपादन सहायक कार्यकर्ता चिरंजीव गोपीनाथ शास्त्री तुलुटे को कई अंतरंग भागों में गणित की पूर्ण तथा सहायता पहुँचानेवाले कार्यकारी मंडलने अत्यंत परिश्रम किया है उनके नाम नीचे लिखे प्रकार हैं। (१) बाबू रमेशचंद्र तुलुटे यह दुरबीनका फोकस उज्जताश दिग्देशके अनुसार मिलाने में बड़ी चतुरता रखते हैं। वेध लेने के अनेकों कार्य आकाश मंडल का पूर्ण परिचय के साथ दीघता से करने में यह कुशल हैं, (२) गजानन पंचांग कर्ता ज्यो. पं. केशव बालकृष्ण जोशी, सावरकर, वरार निवासी; आपने ग्रहसाधन में पर्याप्त सहायता दी है, (३) आंग्लविद्याविशारद ज्यो. पं. मूलचंदजी शर्मा महु निवासी प्रोग्राफर प्रमाकर उद्योतिष कार्यालय महु। आपने वेधगणित प्रक्रियाको दृग्गणितसाम्य करने के तमाम गणितका कार्य उत्तमतासे किया है, (४) आंग्लविद्या-विशारद पंचांगकार ज्यो. पं. उमादत्त कुंदनलाल शर्मा, कुराली (पंजाब) निवासी ने पंचांगगणित और ग्रह गणित में पूरी सहायता पहुँचाई है। (५) संस्कृत विद्या विशारद ज्यो. पं. हरौराम शर्मा शरमरिया जयपुर (अमरसर) निवासीने उत्साह पूर्वक बहुत ही परिश्रम के साथ प्रसिद्ध नगरों की लग साराणियां बनाने और ग्रह गणित में पूर्ण परिश्रम किया है, (६) पूने के बिहान् डाक्टर श्रीमान् माधवराजी केळकर इन्होंने तमाम गणित के करने और तपास ने में पूर्ण परिश्रम किया, उपरार्ध के पूर्ण संशोधन का कार्यभार उत्साहपूर्ण आपही ने किया है, (७) प्रस्तुत नक्षत्र बनाने में इन्दौर आर्टिक्ल के अध्यापक श्रीमान् रेधे साहेब ने पूर्ण रक्षायता की है अतः उनको हार्दिक धन्यवाद है। (८) इसके अलावा अन्य मेरे कई

मिनीं ने मेरा कार्य सुखेपत्र होने में पूरी सहायता दी उनका नाम स्थानाभाव से यद्यपि मैं उल्लेख नहीं कर सकता तो भी उनकी कृतज्ञता पर मेरा सदृढदय धन्यवाद है। साथ साथ सहकारी मुद्रणालय, तोफखाना इन्दौर के मैनेजिंग डायरेक्टर, रेक्रेटर साहेब एवं अन्य कर्मचारियों ने इतने बड़े (पुस्तकेय पृष्ठ ५०० को पेज १६८ में बैठाकर) पंचांग को शीघ्र ही प्रकाशित करने का सुझावसर दिया अतः उन्हें हार्दिक धन्यवाद है।

ध्यानपूर्वक संशोधन करते हुए भी सोपपत्तिक वेधगणित सहित अखिल भारत वयोपयोगी पंचांग (इंडियन आल्मनाक एवं एकीमेरीज) का भारतवर्ष में यह पहिला ही नमूना है। कार्याधिक्य व कार्यममत्ति की क्षीघ्रतावश लेखन प्रकाशन में कहीं कहीं अशुद्धि रह गई हो वह जिन सहायियों के दृष्टिगोचर हुई हो उनसे प्रार्थना है कि कृपया पत्र देकर हमें अविलंब सूचित करें ताकि धन्यवाद पूर्वक आगे वह संशोधन प्रकाशित किया जायगा।

अन्तिम निवेदन

उपयुक्त सजनों की कई प्रकार की आर्थिक, सलाह, और गणित की) मदद लेकर यह एक अल्प सेवा भारत माता की विद्वत् जनता के समुल्ल समर्पण कर रहा हूँ। और आशा करता हूँ कि राष्ट्र के एकमात्र गौरव रूप वेदों को धर्ममूल * एवं ऊंचा चाहने वाले तत्त्वज्ञानी लोग तथा (धर्माधर्म का) कोटीक्रम नहीं लगाने वाले पंचांग संशोधन प्रेमी सज्जन इसकी सार्वत सत्यता की जांचकर अपना अभिप्राय हमारी वैदिक वेधशाला तथा पंचांग संशोधन मंडल में भेजकर हमें कृतकृत्य करेंगे।

उत्कर्ष चाहने वालों के दास

सम्पादक—दीनानाथ शास्त्री चुलेट

उप सम्पादक—गोपीनाथ शास्त्री चुलेट

* “ वेदप्रणिहितो धर्मा ह्यधर्मस्तद्विपर्ययः ॥ वेदो नारायणः साक्षात् स्वयंभूरिति शुश्रुम ॥ १ ॥ ”
भागवत पु० ६.१.४०) “ वेदोऽखिलो धर्ममूलं ” (मनु २.६) के आधारेसे वैदिक श्रद्धा नाशत्रयवदति का पंचांग

श्री

संवत्सर फलम्

अँसत्सत् ॥ श्रीगणेशायनमः ॥ जयति जगति गूढानंघकारे पदार्थान् जनयन घृणयायै व्यञ्जयज्ञानममामिः
विमलित मनसां सद्भासनाभ्यास योगै रपिदि परम तत्वं योगिनां भानुरेकः ॥ १ ॥ स्वस्तिश्री विक्रम संवत् १९९५
विकृतिनाम संवत्सरे तथा स्वस्ति श्रीमन्पूज्य शालिवाहन शके १८६० बहुधान्यनाम संवत्सरे ॥ अस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः ॥
मंत्री बुधः ॥ मेघाधियो भौमः ॥ अग्रधान्येशोः शनिः ॥ रसेशो रविः ॥ पश्चात् धान्ययोः गुरुः ॥ अथैषां कलादि
आदौ संवत्सर फलम् फलसंस्थयुतं महीतलं सुपयो वर्षि पयोदमण्डलम् ॥ अवनीपतिमानवातेर सुविनीतिर्वहुधान्यवत्सरे
॥ १ ॥ प्रकृतिविकृतिं याति विकृतिः प्रकृति तथा ॥ तथापि सुखिनो लोकाः भृशं विकृतिं वत्सरे ॥ २ ॥ राजा शुक्रः
तत्फलम् ॥ वसुमती जलपूर्ण जलाशया धनयुता जनता रहिता भिया ॥ फल कणो पचयोऽखिलधनयः सुपयसो-
द्वपतिर्यदि मार्गवः ॥ ३ ॥ मंत्री बुधः तत्फलम् ॥ स्यात् कोप वृद्धिर्वरणीश्वराणां ॥ गावः सुदुग्धा न गदो नराणाम् ॥
गोधूमशाली क्षुयुता धरिर्षा ॥ पूर्णोदका चैच्छाशेजोऽत्र मंत्री ॥ ४ ॥ मेघाधियो भौमः तत्फलम् ॥ अनिलः
प्रबलोभि भयं प्रचुरम् ॥ धनधान्य कलादिकभल्यतरम् ॥ गदकोपवशा उज्जगदल्यवलं ॥ क्षितेज धनये सति नैव
जलम् ॥ ५ ॥ अग्रधान्येशोः शनिः तत्फलम् ॥ धान्याभावः कोषदानिर्दुष्पाणो ॥ मंदोदृष्टिः स्याज्जयस्तत्कराणाम् ॥
रोगोद्वेहं चातिपीडा जनस्य ॥ प्राक्धान्येशश्चेत्सुतो भास्करस्य ॥ ६ ॥ अथ रसेशो रवितस्तत्फलम् ॥ वायिकादिपु
जलं न नितान्तं ॥ लोकवृन्दं गुरुशीतलरुजातम् ॥ इक्षु तैल यव तूल विनाशः ॥ स्वाश्वदरसपतिर्निर्गन्धः ॥ ७ ॥
अथ धान्येशो गुरुस्तत्फलं ॥ भूयुताभिह कदापि न मय्युर्ध्वे वर्षतिजलं शतमय्युः ॥ भूमिदेव निचयोऽभि मतेव्यः
स्याद्वाता चरमपायस्य ईड्यः ॥ ८ ॥ अथ आर्द्राप्रवेशः ॥ आपाढ कृष्ण ८ मौमवासेर घटी ३१।२८ परं ९ तिथौ
उत्तराभाद्रपदा नक्षत्रे ५।१३० सौम्याय योगे ५०।४५ तारकालिके तैलकरणे श्रीवृषोदवादित्र घटी ४०।३७ समये
आर्द्राकंप्रवेशः ॥ तस्य फलम् ॥ आदौ तिथि फलम् ॥ सूर्यस्थ शिव नक्षत्रप्रवेशः नवमी यदि ॥ तर्हि सते तिजा भोति
रेष माहुर्मनीषिणः ॥ ९ ॥ अथ वारफलं ॥ मानेर्विशः पृथ्वी सुतोर्वारे वैद्रे धिष्ण्ये चेत्सपात् ॥ शस्त्रापातात्पृथ्वीशाना
निःसंदेहं मृत्युस्तर्हि ॥ १० ॥ अथ नक्षत्र फलम् ॥ चंद्रेऽहिर्बुध्न्य नक्षत्रे रौद्रे चैदकं दर्शनम् ॥ तदा सर्वाणि कार्याणि
सिद्धिं याति वृणां सदा ॥ ११ ॥ अथ योगफलम् ॥ सौम्यायनामके योगे रौद्रगंधेर्दिवाकरः ॥ सौम्याय रोगितावासि-
स्तर्हि स्वास्तवं देदिनाम् ॥ १२ ॥ अथवैला फलम् ॥ निशायां यदा रौद्रपेडकं प्रवेश स्तदातीव वृद्धिं विधत्ते सुतेराः ॥
गर्षां स्यात्सुखं खर्वसत्यं प्रभूतं महीपालबुद्धं रणे नैव सक्तम् ॥ १३ ॥ अथास्मिन् वर्षे पुषकरनामा मेघः ॥ तत्फलम् ॥
नैव कंदफल मूल विशुद्धिं जायते विविध पातकवृद्धिः ॥ रोगतो जन कृशः स मनसं पुषकरं जठरं जठरम् ॥ १४ ॥
अथास्मिन् वर्षे नंदशारी नामा नागः ॥ तत्फलम् ॥ यस्मिन् वर्षे नाग राज्ञो नेशमार्थमिवावकः ॥ तस्मिन् वर्षे वृषा वृद्धिं
कुलेने नंदते जनः ॥ १५ ॥ अथास्मिन् वर्षे वरिह घटे मेर निशतो नाम रोदिपि न जवं सं ॥ वरिहं ॥ तत्फलम्
संधि संस्थे वत्सरेच यदा वामेन जायते ॥ त्वं वृद्धस्तदा जेवा सर्वं सख्य विनाशनम् ॥ १६ ॥ नय देश विशेष
राजदि फलम् ॥ पांचाल सीरादिप्रदेशे देशेषु राज फलम् ॥ पौंड्रकडिगोमंकीकम् ॥ गुजरे यावन्धयोः सत्येश
कम् ॥ मागध देशे भवेशकम् ॥ कौकणमालवयोः रसेश फलम् ॥ विंध्यादि दक्षिण भागे आर्द्रा प्रवेश फलम् ॥
इति संवत्सरफलम् ॥

॥ अथ श्रवण फलम् ॥

तिथेश्व अभिमाप्रोति वारादाशुष्य वधेनम् ॥ नक्षत्राद्वस्ते पापं शताद्रौग निवारणम् ॥ १ ॥ करणा-
यिजेतं कार्यं पञ्चांगफलमुत्तमम् ॥ एतेषां श्रवणादिसत्यं गगानानाफलं लभेत् ॥ २ ॥ श्रावरे वत्सरे त्वं वत्सरादि तिथौ
घ्नन्म् ॥ यः श्रवणोति मरो भक्त्या स शुद्धी वत्सरे भवेत् ॥ ३ ॥

॥ गुरुवार शनिवार का फल ॥

इस वर्ष में गुरु कुंभ तथा शनि मीन राशि में रहे हैं। इससे बीन में घमसान युद्ध होगा इतनाही नहीं तो बहोतमी जगह इसकी चिनगारियाँ उठेंगी। व्यापारी लोगों को चान्दी के एका एक जव वैशाख में तेजी होगी तब लाभ संतोषजनक मिलेगा। सोने का भाव तेज भाव में सम बना रहेगा। मेहँरे चावल अलसी तिर्छी तेल निकलने वाले अन्य पदार्थ दाल दाना आदि वस्तु जो थोक पराभूत में जाते हैं उनमें कायम के मेन्त्री मंडलों की और स निबंधन ज्येष्ठ आपाठ में होने के बाद व्यापारी लोग नियमबद्ध थोड़े करदे भी क्यों न हो विशेष लाभ उठावेगे। कपड़े का भाव प्रायः मंदाही रहेगा। गरम कपड़ों का भाव भी मंदा रहेगा। यंत्रादिकोंका भाव और लोहे का भाव मात्र बढ़ता रहेगा। मशीनरी का भाव बढ़ताही रहेगा। भारत वर्ष में कई सूती पड़ी हुई फ्याबिट्रियों फायदे के स्वरूप में आरंभ होगी। अनाज के व्यवसायियों को अग्रिम वर्ष के लिये धान्य संग्रह कर लेने से अग्रे फायदा उत्तम होगा। घी के भाव की मंदी रहेगी। कागद का भाव सम रहेगा। ईश्वरी परदेसी नाणे का भाव कम होगा।



हिन्दी में संवत्सर फल ।

विक्रमादित्य संवत् १९१५ शालिवाहन शके १८६० इस वर्ष में राजाशुक्र-मेन्त्री बुध-मेघाविप मंगल और अम धान्येश शनि रंसेश रश्मि तथा पश्चात् धान्येश गुरु यह अधिकारी हुये हैं। इसमें भारत की शास्यशालिनी वसुन्धरा हरी भरी और समुन्नत अवस्था में फूले और फलेगी। न्यायालयों और कानून आदिमें गरवी दीन दुखिया आदि पुरुषों को सताये जानेवाले कतिपय नियमों को हटाकर नये नियम कानूनी रूपमें बहुत से परिवर्तित होंगे जिनसे दुखियाओंका दुःख हटेगा। प्रजामें नई विचार धारा प्रवाहित होगी जो समस्त भारत की प्रजा को सुखी बनानेमें भरसक प्रयत्न करेगी। भारत वर्ष के तमाम राजा लोग जैसे हैदराबाद, ग्वालिपर, बहोदा, नईसूर, जबपुर, जोधपुर, बीकानेर, बूंदी, इंदौर, उदयपुर, पटियाला आदि प्रमुख राजा लोग अपना हाटिकोण प्रजा के हितार्थ फैलावेगे प्रजा के हितार्थ समय समयपर अधिक सुवलंत ऐसी दी जायेंगी जिससे प्रजा का संतोष बढ़ता रहेगा। राज व्यवस्थाओं में यह विचार परिवर्तन शुक्र के अग्नि में होगा।

मेन्त्री का आसन बुधने ग्रहण किया है इससे यह बात स्पष्टही है कि विद्यालय, स्कूल, कॉलेज आदि की पढ़ाई का ढंग एकदम बहुतसी जगह बदला जायगा यह यहा तक की प्राथमिक शिक्षा प्रणाली भी परिवर्तित होगी भारत के प्रत्येक राजालोग नविन्य पूर्ण कार्य के करने में प्रतिबद्धता से अग्रसर होंगे। भारत के राजकीय कोषमें वृद्धि होगी। पृथ्वी सधन फलों का फल वृद्धि करेगी। मेन्त्री लोगों का राज निबंधन एकदम परिवर्तन रूपमें नूतन प्रजाहित प्रकारों में भरापरा होगा।

सुधार चाहता लोगों में तथा प्राचीन मत वादियोंमें मत विरोध अधिक रूप में होने से वितण्डा को बहुतसी जगह विकोप का रू होगा। संयुक्त प्रांत, बिहार, तथा पंजाब में उत्पत्तों का प्रमाण अधिक होगा। पश्चात् कम हो जायगा। मेघाविपति मंगल इस वर्ष मेघ के स्वामी हुये हैं; यह भारत के गुजरात, भड़ोच, नगर, पंढरपुर, दक्षिण महाराष्ट्र बरार का वर्षा नदी के किनारे का हिस्सा आदि को अनाश्रुति तथा अल्पवृष्टि आदि उपरव्याप होने से पाक में थोड़ी हानी पड़ुचायेंगे और पानी की प्रायः उक प्रदेशों में कीतार्ह रहेगी।

अग्रधान्येश शनि होने से प्रथम उपजनेवाले धान्य में यानी चावलतिउ मुंगरुकी आदि की फसल में बहुतसी जगह गडबडी होने से पाक में हानी होगी। पश्चात् धान्य की फसल इसका अधिारी गुरु होने से उत्तम होगी इसलिये गल्ला भरनेवालों को यह वर्ष अच्छे लाभ का है।

इस वर्ष में ग्रहण भरीणी नखत्र तथा मेघ राशि में ता. ७ नव्हेंबर १९३८ को लगा है यह राजकीय कई मामलों में रद बदली करता है पराण्ट्र में लड़ाउ आरमार बढ़ाने की जिद खड़ी होगी अपना अपना सैनिक

बल सब राष्ट्रवाले बढ़ावेगे चीन और जापान के युद्ध की चिनभाषियां अन्य राष्ट्रों पर बहुवली जगह बुरा असर करेगी। युद्ध के मैदान में जहां चीन और जापान का चला है वहां अन्य संवित्र राष्ट्रवाले भी कुछ पड़ेगे और अंत में नडे बडे राष्ट्र बीच में शिरकर इनका समझौता आपस में कर देवेगे।

विश्व में शांती स्थापन होने के लिये जगे जगे भारमक प्रयत्न होंगे। हम में कुछ राष्ट्र जो शांति नहीं चाहते वे भिन्न रहने में हमके प्रयत्न में पूरी सफलता नहीं मिलेगी इधर भारा में पैदा होने वाला कच्चा माल जो विलायत बगैरे फॉरेन में जाता है उसपर कर्षिम के त्रिये नियंत्रण हांगा। व्यापारी वार्तों की एक बडी टोल काम करने वाली सोसायटी कायम होगी। भारत वर्ष में एक मुख्य रीसर्च (तात्विक खानकीन) का काम करने वाली सोसायटी कायम होगी त्रिममे राष्ट्रीय नेतामण भी मम्मिजिन होंगे देश को हानी पहुंचानेवाली अनेकों वार्तें हटाई जाने का पूरा प्रयत्न किया जायगा उनके परिणाम स्वरूप उत्तम फल भी प्राप्त होंगे।

राजा प्रजा में प्रेम बढ़ता रहेगा। धार्मिक कार्य जगह जगह अधिक होंगे। इसी पंचांग में प्रतिभास का फल जो संक्षिप्त रूप से बनाया है वह व्यापारी लोगों के उपयोगी वार्तों सहित प्रतिभास में आपको पढ़ने को मिलेगा।

भवदीय,

तारीख १०/३/२८ ई.

पं. गोपीनाथ शास्त्री बुलैट.

अध्यक्ष फलित विभाग.

संवत् १९९५ के विवाह सुहृत् (रेखा, इष्ट, स्टैंडर्ड टाईम, बर्हम शुद्धीसह)

वैशाख कृष्ण

- १ शुक्ले स्वायां लग्न ९ और १० रेखा ७॥॥॥अभि॥॥ शुद्धम्। इष्ट ४९/४१ सूर्य ०१२ लग्न ९/१४ पर पाणिग्रहण-हत्तेला-परस्पर समीक्षण विधि करने का खास समय रात्री स्टैं. २ बजकर १९ मि. है। इस समय पङ्कगं शुद्धि होकर विश्वा २१ अष्ट है।
- ५ भौमे मूले लग्न गोधूली १० तथा ११ रे. ८॥॥॥॥॥ शुद्धम्। इष्ट ५०/१२ सूर्य ०५ लग्न ९/१४ पाणिग्रहण (हत्तेला) और परस्पर समीक्षण का खास समय रात्री में स्टैं. २ बजकर १३ मि. का अष्ट है।
- ५ सुषे मूल गोधूली लग्न रे. ८॥॥॥॥॥ शुक्लम्।
- ६ गुगी उ. पा. वां. लग्न १० रे. ७॥॥॥॥ गे॥॥ शुद्धम्। इष्ट ५०/१३ सूर्य ०७ लग्न ९/१४ स्टैं. टा. २ बजकर १० मिनीट पर पाणिग्रहण सुहृत् अष्ट है।
- ७ शुक्ले उषाया लग्न ९ रे. ८॥॥॥॥॥ शुद्धम्। इष्ट ४४/३१ सूर्य ०८ लग्न ८/१७ स्टैं. टा. रातकी १२ बजकर १५ मि. पर पाणिग्रहण (हत्तेला) परस्पर समीक्षण का खास समय है।

वैशाख शुद्ध

- ३ सोमे रोहिण्या भौमा कान्तवाद् अशुद्धम् उषरी मुगे ल. १०/११ रे. ७॥॥॥॥॥ शुद्धम्। इष्ट

४७/३३ सूर्य ०१८ लग्न ९/१४ स्टैं. टा. १ घ. २८ मि. पर पाणिग्रहण सुहृत् अष्ट।

- ८ शनी मघायां लग्न गोधूली ११ रे. ८॥॥॥॥॥ शुद्धम्। इष्ट ५२/३३ सूर्य ०२ रे. लग्न १०/२६ स्टैं. टा. रात्री ३/२८ पर पाणिग्रहण सुहृत् अष्ट। इष्ट ग्रह ४ गु. शु. बु. र. विश्वा १४॥ शुभ।

- १० सोमे उ. पा. वां. लग्न गो. रे. ७॥॥॥॥॥ शुद्धम्।
- ११ भौमे हस्ते लग्न १० रे. ८॥॥॥॥॥ इष्ट ४६/२३ सूर्य ०२ रे. लग्न ९/१४ स्टैं. टा. रात्री १२/१ का समय खास पाणिग्रहण का है। विश्वा १७॥ इष्ट ग्रह ६ पङ्कगं शुद्धि उत्तम है।

ज्येष्ठ कृष्ण

- २ सोमे मूले लग्न ११ रे. ७॥॥॥॥॥अभि॥॥ शुद्धम्। इष्ट ५१/१२ सूर्य १/२ लग्न १०/२६ स्टैं. टा. रात्री २ घं ५६ मि. पर पाणिग्रहण सुहृत् अष्ट है। इष्ट ग्रह ७ विश्वा १५॥ शुभः
- ३ भौमे मूले लग्न ११ रे. ८॥॥॥॥॥ शुद्धम्। इष्ट ५१/१६ सूर्य १/३ लग्न १०/२६ स्टैं. टा. रात्री २ घं ५८ मि. पर पाणिग्रहण सु. अष्ट इष्ट ग्रह ६ विश्वा १७॥ शुभ।
- ५ सुषे उषायां लग्न कुंभ, मघ रे. ९॥॥॥॥॥ शुद्धम्। इष्ट ५०/४५ सूर्य १/५ लग्न १०/२६ स्टैं. टा. रात्री २/४५ मि. पर पाणिग्रहण सुहृत् अष्ट। विश्वा १९॥ अष्ट

उपेष्ट शुक्र

- १ सोमे मृगे लग्न गोरज ११ रेखा ८॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।
शुद्धम् इष्ट ४९।९ सूर्य १।१९ लग्न १०।२६
स्टै. टा. रात्रौ २।७ पर पाणिग्रहण मुहूर्त अष्ट । इष्ट
मह ४ विधा १७॥ शुभ ।
- ७ शनी मघायां लग्न गोधूली रेखा ९॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।
८ रवौ उ. भा. यां. लग्न ११ रेखा ९॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।
इष्ट ४८।९ सूर्य १।२१ लग्न १०।२६ स्टै. टा.
रात्रौ १ बजकर ४३ मि. पर पाणिग्रहण मुहूर्त अष्ट ।
- १४ शनी डनुराधायां ल. ११ रेखा ९॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।
इष्ट ४७।१७ सूर्य १।२६ लग्न १०।२६ स्टै. टा.
रात्रौ १ बं. २२ मि. पर पाणिग्रहण मुहूर्त अष्ट ।

आषाढ कृष्ण

- १ सोमे मूले लग्न गोधूली रेखा ८॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।
८ भौमे उ. भा. यां. लग्न गोधूली रेखा ८॥॥॥॥॥॥ शुद्धम्
अथवा रात्रौ लग्न १ अथावहा के.
- ९ बुधे रेवत्यां लग्न गोधूली रेखा ७॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।

आषाढ शुक्ल

- ४ शुके मघायां लग्न गोधूली रेखा ८॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।
९ बुधौ स्व त्यां लग्न रेखा ८॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् लग्न
गोधूली के वा १ लग्न अष्टः ।
- सागरीये शुक्र
- १० शुके उ. भा. यां. लग्न गोधूली और ३ रेखा
९॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् इष्ट ३२।२० सूर्य ७।१६ लग्न
२।१७ स्टै. टा. सायं ७ बं. २३ मि. पर
पाणिग्रहण मुहूर्त अष्ट ।

- १५ बुधे रोहिण्यां लग्न ३ रेखा ८॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।
इष्ट ३१।२३ सूर्य ७।२१ लग्न २।१७ स्टै. टा. सायंकाल
७।० पर पाणि ग्रहण मुहूर्त अष्ट है ।

पौष कृष्ण

- ६ सोमे मघायां लग्न गोधूली रे. ७॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।
साध कृष्ण
- १२ भौमे मूले लग्न गोधूली रे. ८॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।

साध शुक्र

- ५ बुधे उ. भा. यां. लग्न गोधूली तथा १ रेखा ८॥॥॥॥॥॥ शुद्धम्
इष्ट ५६।४ सूर्य ९।११ लग्न ८।१७ स्टै. टा. रात्रौ
४।५ बजे पाणिग्रहण मुहूर्त अष्ट । इष्टमहा रा. शु.
गु. मं. चं बु. विधा १५॥ शुभा पङ्क्तयं शुक्रः ।
- ६ गुरौ रेवत्यां लग्न गोधूली अथवा ल. ९ रे. ८॥॥॥॥॥॥ शुद्धम्
अष्ट । इष्ट ५५।४ सूर्य ९।१२ लग्न ८।१७ रात्रौ
स्टै. टा. ४ बं. ४५ मि. पर पाणिग्रहण मुहूर्त अष्ट ।
श. चं. यु. दिवा.
- १५ शनी मघायां लग्न घन रेखा ९॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् इष्ट
५४।३४ सूर्य ९।२१ लग्न ८।१७ स्टै. टा. रात्रौ
४।१७ बजे पाणिग्रहण मुहूर्त अष्ट ।

फाल्गुन कृष्ण

- ४ भौमे उकायां ल. गोधूली अथवा ५ रे. ८॥॥॥॥॥॥ शुद्धम्
इष्टम् हस्ते इष्ट ३२।१२ सूर्य ९।२४ ल. ४।१८
स्टै. टा. सायंकाल ७ बजकर २० मि. पर पाणि-
ग्रहण मुहूर्त अष्ट । इष्टमह ६ विधा १९॥ अष्ट.
- ११ भौमे मूले लग्न गोधूली रेखा ७॥॥॥॥॥॥ शुद्धम् ।

उपनयन (व्रतबंध) मुहूर्तः

चैत्र शुक्र

- ११ रविवार स्टै. प्रातः १०।१३
१२ सोमवार स्टै. प्रातः १०।३

वैशाख शुक्र

- ३ सोमवार प्रातः सूर्योदये
५ बुधवार प्रातः सूर्योदये
१० सोमवार पुकायां लग्न मेष प्रातः
१२ बुधे हस्त मे लग्न मेष, मिथुन

उपेष्ट कृष्ण

- ५ गुरौ उवायां लग्न मिथुन

ज्येष्ठ शुक्र

- ५ गुरौ पुष्य मे लग्न २ प्रातः
११ बुधवार चित्रा मे सूर्योदये
१२ शुक्रवार स्वाति मे लग्न सिंह

आषाढ शुक्ल

- ३ गुरौ पुष्य लग्न ४
७ सोमे पूर्वायां लग्न कन्या

पौष शुक्र

- २ शुक्रवार पूर्वा मे लग्न कन्या
५ सोमवार धनिष्ठा मे लग्न ९

साध शुक्र

- ३ सोमवार शतमिया मे लग्न १०
५ बुधवार पूषा मे लग्न ११
११ सोमवार रोहिणी मे लग्न ११

फाल्गुन कृष्ण १

- ५ बुधवार हस्त मे लग्न ११

॥ इति विवाहोपनयन मुहूर्तः ॥

सुहृत्चिंतामणि मार्तण्ड गणपत्यादि मतेन आवश्यक सुहृताः

५

सुहृत्चिंतामणि	विधयाः	वाराः	मन्त्राधिकं
रजोदर्शनम्	१२, ५, ७, १० ११, १३, १५	शुभः	अश्वि. रो. मृ. पुष्य. ह. वि. स्वा. अनु. श्र. ध. श. उत्तरा ३ रे. मानि। शुभमन्त्राः-वैशा. ज्ये. आ. आ. आश्वि. मार्ग. माघ. फाल्गुन।
मृत्युमतीस्नानम्	"	"	अश्वि. रो. मृ. ह. स्वा. अनु. ज्ये. उत्तरा ३ व. रे. सद्धानि।
पुंसवनसंमन्त्रौ	"	र. मं. गु.	मृ. पुन. पुष्य. ह. मृ. अ. सद्धानि। रे मानि पुंसवनम्। ६, ८ मासि समन्तः। गुरुशुक्रास्तदोषा नास्ति।
जातकर्म नामकर्म	सत्	च. बु. गु. श.	अश्वि. रो. मृ. पु. पु. उत्तरा ३ ह. वि. स्वा. अनु. श्र. ध. श. रे. सद्धानि। जन्मादिनात् ११, १२ दिन।
सूतीस्नान	"	र. मं. गु.	अश्वि. रो. मृ. उत्तरा ३ ह. स्वा. अनु. रे. सद्धानि।
जलपूजा	"	च. बु. गु.	मृ. पुन. पुष्य. अनु. मृ. श्र. ह. सद्धानि। एते वर्षाः (गुरुशुक्रास्ते, चैत्रपौषीः अधिमासः)
अन्नपाशनं	२, ३, ५, ७, १०, १३, १५	च. बु. गु. शु	वायाना पण्डादिसमाप्तेषु; कन्याना पञ्चादि विषममाप्तेषु। अश्वि. रो. मृ. पु. पु. उत्तरा ३ ह. वि. स्वा. अनु. श्र. ध. श. रे. सद्धानि।
कर्णवेधः	४, ९, १४, ३० वारिताः	"	अश्वि. मृ. पु. पु. ह. वि. अनु. अमि. अ. ध. रे. सद्धानि जन्मादिनात् १२ वा १६ दिन, वा ६-७-८ मासेषु वा विषमवर्षे वर्षाः (चैत्रपौषी हरिश्चयनम्, जन्ममासत्वाज्य)
चौलकर्म	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३	"	१५ वर्षे। चैत्रहीनोत्तरायणे। अश्वि. मृ. पु. पु. ह. वि. स्वा. ज्ये. अमि. श्र. ध. श. रे. सद्धानि।
विशारम्भः	२, ३, ५, ६, १०, ११, १२	च. बु. गु. शु	अश्वि. मृ. आर्द्रा. पु. पु. उत्तरा ३ ह. वि. स्वा. मृ. अ. ध. श. सद्धानि।
विषयी (गुक्रान)	सत्	च. बु. गु. शु	अश्वि. रो. मृ. पुष्य. ह. वि. अनु. उत्तरा ३ अमि. रे.
मृदापारणं	"	र. बु. गु. शु	अश्वि. ह. वि. स्वा. वि. अनु. ध. रे.
हलवाहनम्	सत्	शुभः	अश्वि. रो. मृ. पु. पु. म. उत्तरा ३ ह. वि. स्वा. वि. अनु. मृ. धमि. श्र. ध. श. रे. सद्धानि। सूर्यमात् ३ अ. ८ शु. ९ अ. ८ शु.
बीजातिः (बीज धोना)	"	र. च. बु. गु. शु. श.	अश्वि. रो. मृ. पु. उ. ३ ह. वि. स्वा. म. अ. मृ. च. रे. सद्धानि राहुमात् (८ ने ३ अ. १ ने ३ अ. १ ने ३ अ. १ ने ३ अ. ४ ने.) असम्भत्।
रोगमुक्तस्नानम्	४, ९, १४, गु. श.	र. मं. बु. गु. श.	अश्वि. म. कु. मृ. आर्द्रा. पू. ३ ह. वि. वि. अनु. ज्ये. मृ. अ. ध. एतानि मानि चन्द्रे ४, ८, १२, स्थिते सति शुभः चरलक्ष्णे।
सुलोक्यम्	सत्	सत्	अश्वि. रो. आर्द्रा. पुष्य. पूर्वा ३ उत्तरा ३ एतानि नक्षत्राणि
वधूपवेशः	"	च. बु. गु. श.	अश्वि. रो. मृ. पुष्य. म. उ. ३ ह. वि. स्वा. अनु. मृ. अमि. श्र. ध. रे. सद्धानि। विवाहादिनात् २४-५-६ ७ ८-९-१०-१२-१४ दिनेषु, तर्गे विषमवर्षे।
द्विरासनम्	"	च. पु. गु. शु.	अश्वि. ह. रे पु. र उत्तरा ३ रो. २ अ. ३ मृ. अनु. रे. सद्धानि। विषममासे विषमवर्षे वा। मेघदृष्टिः कुम्भस्थं सूर्यशुभः
वापीकृतडागारमः	"	"	रो. मृ. पुष्य. म. उत्तरा ३ ह. अनु. पूर्वाया. ध. श. रे.
द्रव्यपयोगः	"	च. बु. गु. शु. श.	अश्वि. मृ. पु. पु. वि. स्वा. अनु. वि. श्र. ध. श.
धान्यमग्नहः	"	सत्	अश्वि. रो. पु. पु. उत्तरा ३ ह. ३ अनु. मृ. अ. ३ रे. सद्धानि
धर्मक्रिया	"	र. च. बु. गु. शु.	अश्वि. रो. मृ. पु. पु. उत्तरा ३ ह. वि. स्वा. अनु. श्र. ध. श. रे. मानि।
गृहारम्भं सुहृत्	३ से ७, १० से १३, १५	च. बु. गु. शु. श.	रो. मृ. पुष्य. उत्तरा ३ अनु. ध. श. रे.

सूक्ष्म मानकी दशम भाव सारणी ।

७

अंशः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९
राशयः	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८
० मेघ	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२
१ वृषभ	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८
२ मिथुन	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८
३ कर्क	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२
४ सिंह	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८
५ कन्या	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८
६ तुल	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२
७ वृश्चिक	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८
८ धन	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८
९ मकर	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२
१० कुंभ	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८
११ मीन	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८

इन्दौरका स्वदशांशयः—मेघ २५११ वृषभ २९२६ मि. ३३३० कर्क ३२९७ सि. ३२९५ क. ३२६२

उ. ३२५३ वृ. ३३९९ ध. ३३३२ स. २७०६ कुं २२५१ मीन २५०८ ।

नक्षत्र	योनि	वैरयो	गण	नाडी	शुभा	देव	मुख	नेत्र	नाम	स्वरूप	सं	अवकहडा
अश्विनी	अश्व	महिष	देव	आद्य	शुभ	अ. कु.	ति. मु.	मं. लो.	ल. शि.	अश्वमु.	३	सु चे चो ला
भरणी	गज	सिंह	मनुष्य	मध्य.	नाश	रम	अ. मु.	मं. लो.	उ. कूर	यो. रु.	३	ली लु ले लो
कृत्तिका	मेघ	वानर	राक्षस	अत्य.	कार्य	अग्नि	अ. मु.	सु. लो.	मि. सा	वरु.	६	अ इ उ ए
रोहिणी	सर्प	नकुल	मनुष्य	अत्य.	मि. डि	ब्रह्मा	क. मु.	अं. लो.	धु. शि.	शकट	५	ओ वा बी बु
मृगशिर	सर्प	नकुल	देव	मध्य.	शुभ	चंद्र	ति. मु.	मं. लो.	सु. मेत्र	मुगा.	३	वे वो का की
आर्द्रा	श्वान	मृग	मनुष्य	आद्य.	शुभ	शिव	क. मु.	मं. लो.	ती. दा	नाग	१	कु प ङ छ
पुनर्वसु	मांजरि	मूषक	देव	आद्य.	मध्यम	देवमा	ति. मु.	सु. लो.	चरच	रुहा.	४	के को हा ही
पुष्य	मेघ	वानर	देव	मध्य.	शुभ	गुरु	क. मु.	अं. लो.	ल. शि.	मरा.	३	हु हे हो हा
अश्लेषा	मांजरि	मूषक	राक्षस	अत्य.	शोक	सर्प	अ. मु.	मं. लो.	ती. दा	चक्रा.	५	डी डु ड डो
मघा	मूषक	मांजरि	राक्षस	अत्य.	नाश	पितर	अ. मु.	मं. लो.	उ. कूर	मांजा.	५	मा मि मु मे
पूर्वाषाढा	मूषक	मांजरि	मनुष्य	मध्य.	मृ. शुभ	भग	अ. मु.	सु. लो.	उ. कूर	शय्या.	२	मो टा टी टू
उत्तराषाढा	गौ	व्याघ्र	मनुष्य	आद्य.	विद्या	अर्धपा	क. मु.	अं. लो.	ध्रुव	पर्यका	२	ट टो पा पी
हस्त	महिष	अश्व	देव	आद्य.	लक्ष्मी	रवि	ति. मु.	मं. लो.	लघु	हस्ता.	५	पू प ण ठ
चित्रा	व्याघ्र	गौ	राक्षस	मध्य.	शुभ	त्वष्टा	ति. मु.	मं. लो.	सु. मेत्र	मौक्त.	१	पे पो रा री
स्वाती	महिष	अश्व	देव	अत्य.	अशु.	वायु	ति. मु.	सु. लो.	चरच	प्रवाल्	१	र रे रो रा
विशाखा	व्याघ्र	गौ	राक्षस	अत्य.	अशु.	इंद्र	अ. मु.	अं. लो.	मि. सा	तारण.	४	ति तू ते तो
अनुराधा	मृग	श्वान	देव	मध्य.	सर्वेश	निज	ति. मु.	मं. लो.	सु. मेत्र	वरु.	४	ना नी नु ने
ज्येष्ठा	मृग	श्वान	राक्षस	आद्य.	क्षय	इंद्र	ति. मु.	मं. लो.	ती. दा	कुंड	३	नो या बी यू
मूल	श्वान	मृग	राक्षस	आद्य.	हानि	राक्षस	अ. मु.	सु. लो.	ती. दा	वाह्य.	११	ये यो मा मी
पूर्वाषाढा	वानर	देव	मनुष्य	मध्य.	हानि	उदक	अ. मु.	अं. लो.	उ. कूर	शय्या.	४	भू भा फा डा
उत्तराषाढा	नकुल	सर्प	मनुष्य	अत्य.	बुद्धि	विश्वदे	क. मु.	मं. लो.	धु. शि.	हस्ति.	३	भे भो जा जी
अभिजित्	नकुल	सर्प	मनुष्य	अत्य.	बुद्धि	ब्रह्मा	०	मं. लो.	लघु	त्रिको.	३	उ जे जो या
श्रवण	कपि	भय	देव	अत्य.	शुभ	विष्णु	क. मु.	सु. लो.	चरच	व्यका	३	क्षी लु ले खा
धनिष्ठा	सिंह	गज	राक्षस	मध्य.	मुख	वसु	क. मु.	अं. लो.	चरच	वामन	४	गा गी गू गे
शततारक	अश्व	महिष	राक्षस	आद्य.	कल्या	वरुण	क. मु.	मं. लो.	चरच	मृदंगा	१००	गो सा सी सु
१. भा.	सिंह	गज	मनुष्य	आद्य.	मृ. शुभ	अजैक	अ. मु.	मं. लो.	उ. कूर	बर्तुडा	२	से सो दा दो
२. भा.	गौ	व्याघ्र	मनुष्य	मध्य.	लक्ष्मी	अहिर्	क. मु.	सु. लो.	ध्रुव	यमजा	२	दू य झ ज
रेवती	गज	सिंह	देव	अत्य.	काम	सूर्य	ति. मु.	अं. लो.	सु. मे.	पर्यका	३२	दे दो चा ची

रविचंद्र बिंबैक्यार्थ क्रांति साम्य का कोष्ठक.

9

[illegible]

प्रथम व्यक्तिगत पंक्तिमें लिखे हुए घटी पल के नीचे के घंटा मिनिट इन्दौर के हैं ऐसे और पातों के भी समझें।

अंशोत्तर	भारतवर्ष के प्रसिद्ध नगरों के नाम	शुक्रास्त	शुक्रोदयः	गुरोरास्तः	गुरुोदयः	अगस्त्यस्तः		अगस्त्योदयः	
		पश्चिम	पूर्व	पश्चिम	पूर्व	पश्चिम	पूर्व	पश्चिम	पूर्व
		मिति घटि पल	मिति घटि पल	मिति घटि पल	मिति घटि पल	मास मिति	मास मिति	मास मिति	मास मिति
८	लंका, कोलंबो, सिंहलद्विप, सेतुबंध रामेश्वर	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
१३	तंजावर, महिशूर, श्रीरंगपट्टण, मद्रास, मृगेश्वरी.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
१४	चित्रकलदुर्ग, कडवी, हरिहर, सुमात्राबेट	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
१५	सावनूर, गोकर्ण, लक्ष्मेश्वर, बंगलूर, धारवाड, गोवे.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
१६	करनूल, बेळगांव, रामदुर्ग, सावंत-वाडी, संकेश्वर, मुण्डाळ.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
१७	हचलकरंजी, कोल्हापूर, मिरज, सांगली, रत्नागिरी, हंद्दराबाद, रंगून.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
१८	पंढरपुर, सोलापूर, सातारा, भोर, बांदी, जंजोरा, पुणे.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
१९	अलीबाग, बंबई, अहमदनगर, ठाणे कल्याण.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
२०	जगन्नाथपुरी, अवरगाबाद, जह्दार, नाशिक, कटक दोलताबाद.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
२१	छत्रे, उमरावती, अकोला, एलिचपुर, नागपुर, सुरत, बड़ानपुर, वधो, हिंगण्ण, गोदावरी.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
२२	हार्निका, हरदा, बडोदा.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
२३	कलकत्ता, हुन्दीर, मांडवी, अहमदाबाद, उज्जयिनी, जयलपुर, बरहान, भोपाल.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
२४	शका, सागर, सिरोन.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
२५	रीबा, उदेपुर, गया, भागलपुर, काशी, सिध, प्रयाग, बूढ़ा, कांटा.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
२६	पटना, झांसी, ग्वालियर, जोधपुर, अजमेर, कानपुर, दरभंगा	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
२७	साकर, रामगढ़, धौलपुर, गोरखपुर, अयोध्या, लखनौ, जयपुर, आगरा, भरतपुर, मथुरा.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
२८	अलीगढ़, बिकानेर, पुनाक (सुतान)	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
२९	दिल्ली, बरेली, मुरादाबाद, धवलगिरी.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
३०	हरिद्वार, मुलतान, पटियाला, कुरुक्षेत्र, राववाल, मुजफ्फरपुर.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
३१	सिमला, सपाढ़, श्रीवर्द्धनाथ, चमन.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
३२	लाहौर, अमृतसर.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
३३	जम्मु, कंदाहार, चांदा, डानली.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
३४	श्रीनगर, काश्मीर, पेशावर, रावलपिंडी लद्दाक.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
३५	काबुल, दौरा.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	
३६	चित्रल.	२४ ४०	४५ २०	२२ २८	० २०	ज्ये. शु.	५	श्रावण कृ. (द. आषाढ) १	

अक्षांशः	पलभा		चरखंडानि			लम्बसाधने उदयाः					
	अगुल	व्यंगुल	पल.	पलानि	प.	मेघ, मीन वृषभ, कुम्भ	मि, म.	कर्क, धन	मिह, वृ.	कन्या, तुल	
०	०	०	०	०	०	२७९	२९९	३२२	३२२	२९९	२७९
८	१	४१	१७	१४	६	२६२	२८५	३१६	३२८	३१३	२९६
१३	२	४६	२८	२२	९	२५१	२७७	३१३	३३१	३२१	३०७
१४	३	०	३०	२४	१०	२४९	२७५	३११	३३२	३२३	३०९
१५	३	२	३२	२६	११	२४७	२७३	३११	३३३	३२५	३११
१६	३	२६	३४	२८	११	२४५	२७१	३११	३३३	३२७	३१२
१७	३	४०	३७	२९	१२	२४२	२७०	३१०	३३४	३२८	३१६
१८	३	५४	३९	३१	१३	२४०	२६८	३०९	३३५	३३०	३१८
१९	४	८	४१	३३	१४	२३८	२६६	३०८	३३६	३३२	३२०
२०	४	२२	४४	३५	१५	२३५	२६४	३०७	३३७	३३४	३२३
२१	४	३७	४६	३७	१५	२३३	२६२	३०७	३३७	३३६	३२५
२२	४	५१	४८	३९	१६	२३१	२६०	३०६	३३८	३३८	३२७
२३	५	३	५१	४१	१७	२२८	२५८	३०५	३३९	३३०	३३०
२४	५	२०	५३	४३	१८	२२६	२५६	३०४	३४०	३४२	३३२
२५	५	३६	५६	४५	१९	२२४	२५४	३०३	३४४	३४४	३३५
२६	५	५१	५८	४७	१९	२२१	२५२	३०३	३४१	३४६	३३७
२७	६	७	६१	४९	२०	२१८	२५०	३०२	३४२	३४८	३४०
२८	६	२३	६४	५१	२१	२१५	२४८	३०१	३४३	३५०	३४३
२९	६	३९	६६	५३	२२	२१३	२४६	३००	३४४	३५२	३४५
३०	६	५६	६९	५५	२३	२१०	२४४	२९९	३४५	३५४	३४८
३१	७	१३	७२	५७	२४	२०७	२४२	२९८	३४६	३५६	३५१
३२	७	३०	७५	५०	२५	२०२	२३९	२९७	३४७	३५९	३५४
३३	७	४७	७८	६२	२६	२०१	२३७	२९६	३४८	३६१	३५७
३४	८	८१	८१	६५	२७	१९८	२३४	१९५	३४९	३६५	३६०
३५	८	२४	८४	६७	२८	१९५	२३२	२९४	३५०	३६६	३६३
३६	८	४३	८७	७०	२९	१९२	२२९	२९३	३५१	३६९	३६६

मंगल बुध और शनि का उदय और अस्त.

चैत्र शुक्ल १३ मंगलवारि बुधास्तः पश्चिम । वैशाखकृष्ण ४ सोमवारि शनि उदयः पूर्व । वैशाख शुक्ल १ रविवारि बुधोदयः पूर्व । ज्येष्ठ शुक्ल ७ शनिवारि भोमास्तः पश्चिम । आपाढ कृष्ण १ सोमवारि बुधास्तः पूर्व । आपाढ शुक्ल ६ रविवारि बुधोदयः पश्चिम । भाद्रपद कृष्ण ९ शनिवारि बुधास्तः पश्चिम । भाद्रपद शुक्ल १२ भौमि बुधोदयः पूर्व । आश्विन कृष्ण १२ बुधवारि भौमोदयः पूर्व । आश्विन कृष्ण १३ शुक्रवारि बुधास्तः पूर्व । कार्तिक शुक्ल १० बुधवारि बुधोदयः पश्चिम । पौष कृष्ण २ शुक्रवारि बुधास्तः पश्चिम । पौष कृष्ण १४ मंगलवारि बुधोदयः पूर्व । माघ शुक्ल ९ सोमि बुधास्तः पूर्व । चैत्र कृष्ण ३ बुधवारि बुधोदयः पश्चिम ।

हन्दीर में चंद्रोदय और अस्त की स्टैंडर्ड टा.। ६ घं. २७ मि. से वार प्रवृत्ति दिन लिखे है

तिथि	चैत्र		वैशाख		ज्येष्ठ		आषाढ		श्रावण		भाद्रपद	
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
३० शुक्र	६ २० १८	२६ ...	१९ १३	६ १९	१ ६	० १८	४६ ...	१९ १३	...	१८ ३६		
१	...	१९ २४	६ ३४ २०	१८ ...	२० ४	...	१९ ४५	क्ष य	ति थि	६ ४५ १९	२१	
२	७ ४ २०	२६ क्ष य	ति थि	७ २० २१	२ ७	१ २०	३७ ७	० २०	३	७ ४४ २०	३	
३	५ २ २१	२७ ७ ३१ २१	२० ८	२४ २२	१ ८	१ ५ २१	२७ १	१ २०	४७	८ ४४ २०	४५	
४	८ ४ २२	२९ ८ ३१ २२	२१ क्ष य	ति थि	९ १८ २२	१३ ९	२ २१	२० ९	४ २२ २१	२६		
५	९ ३९ २३	२९ ९ ३३ २३	२६ ९	२९ २२	५ ० १०	२ २२	५ १०	२ २२	११	३८ २२	१०	
६	१० ३९ ०	२८ १० ३७ ०	८ १०	३१ २३	३५ ११	१ ७ २३	३४ १०	५ ९ २२	५ ११	३३ २२	५५	
७	११ ४० १	२० ११ ३७ ०	५ ४ ११	३० ०	१ ७ १२	१३ ०	१ ३ ११	५ ४ २३	३२ १२	२६ २३	४२	
८	१२ २९	२ १३ २२	३८ १ २६ १२	२७ ०	५ ७ १३	८ ०	५ ३ १२	४ ८ ०	१ ६ १३	१ ७ ०	३०	
९	क्ष य	ति थि	१३ ३८ २	१ ७ १३ २३	१ ३ ५ १४	२ १ ३ ४ १३	४ १ १ १ १४	५ १ १ १ १४	५ १ १ १ १४	५ १ १ १ १४	२०	
१०	१३ ४४	२ ५ ५ १४	३२ २ ५ ५ १४	१७ २ ५ ५ १४	५ ४ २ १७ १४	५ ४ २ १७ १४	५ ४ २ १७ १४	५ ४ २ १७ १४	५ ४ २ १७ १४	५ ४ २ १७ १४	१०	
११	१४ ४३	३ ५ ५ १५	२८ ३ ५ ५ १५	११ २ ५ २ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	३ ५	
१२	१५ ४४	४ १ ७ १५	२२ ४ १ ७ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	४ ३ ५ १५	
१३	१६ ३७	५ १ ७ १५	१५ ४ ५ ३ १६	५ ७ ४ १८ १७	४ १८ १७	४ ३ ५ १६	४ ३ ५ १६	४ ३ ५ १६	४ ३ ५ १६	४ ३ ५ १६	४ ३ ५ १६	
१४	१७ ३२	५ ३ ३ १८	९ ५ ३ ५ १८	४ ५ ३ ५ १८	५ ३ १८	५ ३ १८	५ ३ १८	५ ३ १८	५ ३ १८	५ ३ १८	५ ३ १८	
१५	१८ २८	६ १ ४ १९	२ ६ २ ४ १८	३ ९ ५ २ ४ १८	५ २ ४ १८	५ २ ४ १८	५ २ ४ १८	५ २ ४ १८	५ २ ४ १८	५ २ ४ १८	५ २ ४ १८	
कृष्ण												
१	१९ २३	...	१९ ५ ३	...	१० ६	४ ४ १०	३७ ...	१९ २९	५ ५ १८	४ ६ २७		
२	२० १८	६ ५ ७	४ २ ७ ८	५ ६ ७	५ ६ ७	५ ६ ७	५ ६ ७	५ ६ ७	५ ६ ७	५ ६ ७	५ ६ ७	
३	२१ १४	७ ५ ७ ११	३६ ७ ५ ७ ११	६ ८	५ ६ २०	५ ६ ८	५ ६ २०	५ ६ ८	५ ६ २०	५ ६ ८	५ ६ २०	
४	२२ १०	८ ५ ७ १२	३६ ८ ५ ७ १२	१५ ०	१५ २१	२९ ८	१५ २१	२० १५ २१	२० १५ २१	२० १५ २१	२० १५ २१	
५	२३ ३६	९ ५ ७ १२	५८ ९ ३ ८ २२	५ १ १०	४ २२	९ ५ ४ २२	९ ५ ४ २२	९ ५ ४ २२	९ ५ ४ २२	९ ५ ४ २२	९ ५ ४ २२	
६	२४ ३६	१० ५ ७ १३	५८ १० २ ९ २३	२६ १०	५ ७ २२	४ ० ३५ २२	४ ५ ११	४ ५ २२	४ ५ ११	४ ५ २२	४ ५ ११	
७	१ ० १ ११	४ ० ५ ७ १३	२१ ० ३ ११	३ ११	४ ७ २३	१ ९ ११	२ ९ २३	३ ४ १२	१ ४ २३	१ ७ १२	८	
८	१ ३९ १२	४ ० ५ ७ १३	१ ० ४ १ १२	४ ०	० १ १२	२ ४ ०	२ ४ १२	२ ४ ०	२ ४ १२	२ ४ ०	१ ५ १३	
९	२ १७ १३	४ ० ५ ७ १३	५ १ २ १३	४ ७	० ४ १३	२ ४ ०	२ ४ १३	२ ४ ०	२ ४ १३	२ ४ ०	१ ७ १४	
१०	२ ५ १ १४	४ ० ५ ७ १४	५ २ ३ १४	४ ९	१ १ १४	३ ५ १	३ ५ १४	२ ५ १ १४	२ ५ १ १४	२ ५ १ १४	५ ४	
११	३ ३ १ १५	४ १ क्ष य	ति थि	२ ५ ० १५	२ ३ ० १५	२ ४ १	२ ४ १	२ ४ १	२ ४ १	२ ४ १	२ ४ १	
१२	४ १ ३ १६	४ १ ३ ७ १५	५ १ ३ ४ १६	३ ३ ४ १६	३ ३ ४ १६	३ ७ ३ ३ ४ १६	३ ७ ३ ३ ४ १६	३ ७ ३ ३ ४ १६	३ ७ ३ ३ ४ १६	३ ७ ३ ३ ४ १६	३ ७ ३ ३ ४ १६	
१३	४ ५ १ १७	४ १ ४ १५	५ २ ४ ५ १७	४ ४ ५ १७	४ ४ ५ १७	४ ४ ५ १७	४ ४ ५ १७	४ ४ ५ १७	४ ४ ५ १७	४ ४ ५ १७	४ ४ ५ १७	
१४	५ ४ २ १८	५ ५ ७ १७	५ ३ क्ष य	ति थि	५ ४ ९ १८	२ २ ५ ४ ९ १८	२ २ ५ ४ ९ १८	५ ४ ९ १८	५ ४ ९ १८	५ ४ ९ १८	५ ४ ९ १८	
३०	...	१९ १३	६ १ १९	१ ६ ० १८	४ ६ ...	१९ १३	...	१८ ३६	...	१७ ५५		

हन्दौर में चन्द्रोदय और अस्त की स्ट. टा.। द. घं. २७ मि से वारप्रवृत्ति दिन लिखे हैं

विधी	आश्विन		कार्तिक		मार्गशीर्ष		पौष		माघ		फाल्गुन	
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
३० शक	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
१	१७ ५५	...	१७ ५७	...	१७ २१	...	१७ ४१	६	१८ १८	७	१८ १८	२५
२	१७ ५५	७	१८ ४०	१	१७ २१	७	१८ ४१	३२	१८ १८	५७	७ ७ १९	२५
३	१८ २०	२	१८ २०	१४	१७ २०	३७	१८ १९	१८	१८ २०	३६	८ २० २१	५
४	१८ २०	४६	१८ २१	३१	१८ २०	१८	१८ २१	५२	१८ २१	२६	८ ५७ २१	५६
५	१८ २१	३३	१८ २१	५३	१८ २१	१९	१८ २२	४२	१८ २२	१७	९ ३७ २२	५०
६	१८ २२	२२	१८ २२	४४	१८ २२	१९	१८ २३	३१	१८ २३	३३	१० २२ २३	४७
७	१८ २२	० २३	१८ २२	३५	१८ २३	५६	१८ २३	० २३	१८ २३	० ५४	११ ७ ० ४३	
८	१८ २३	० ५४	१८ २३	२५	१८ २३	३४	१८ २३	१०	१८ २३	२७	११ ११ ५९	१ ४१
९	१८ २३	१ ४३	१८ २३	१६	१८ २३	१२	१८ २३	२	१८ २३	१८	११ ५५	२ ३८
१०	१८ २३	२ ३५	१८ २३	० २	१८ २३	५०	१८ २३	३६	१८ २३	३६	११ ५५	३ ३५
११	१८ २३	३ २७	१८ २३	३३	१८ २३	३०	१८ २३	३४	१८ २३	३३	११ ५७	४ २७
१२	१८ २३	४ २१	१८ २३	५२	१८ २३	१३	१८ २३	५९	१८ २३	४८	११ ५७	५ १९
१३	१८ २३	५ १३	१८ २३	५४	१८ २३	५८	१८ २३	६	१८ २३	५७	११ ५७	६ १३
१४	१८ २३	६ ७	१८ २३	५५	१८ २३	५०	१८ २३	० ०	१८ २३	५७	११ ५७	७ १३
१५	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
कुण्ड	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
१	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
२	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
३	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
४	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
५	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
६	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
७	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
८	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
९	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
१०	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
११	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
१२	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
१३	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
१४	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३
१५	१८ २३	० ०	१८ २३	५६	१८ २३	५०	१८ २३	५७	१८ २३	५७	११ ५७	८ १३

चंद्र परमलंबन संवत् १९९५ शके १८६०

तिथि	चैत्र	वैशाख	ज्येष्ठ	आषाढ	श्रावण	भाद्रपद	आश्विन	कार्तिक	मार्गशीर्ष	पौष	माघ	फाल्गुन
	कला	क.	क.	क.	क.	क.	क.	क.	क.	क.	क.	क.
१	५८-७	६०-५	६१-५	६१-८	क्षय	६०-०	५८-७	५६-७	५५-५	५४-५	५४-४	५४-८
२	५८-९	क्षय	६१-३	६१-५	६१-७	५९-०	५७-९	५५-९	५४-८	५४-४	५४-४	५५-०
३	५९-२	६०-५	६०-९	६०-९	६०-२	५८-१	५७-०	५५-४	५४-४	५४-३	५४-६	५५-२
४	५९-४	६०-४	क्षय	६०-०	५९-२	५७-२	५६-३	५४-८	५४-४	५४-४	५४-८	५५-९
५	५९-६	६०-५	६०-४	५८-९	५८-१	५६-३	५५-६	५४-६	५४-४	५४-६	५५-०	५६-३
६	५९-६	५९-०	५९-४	५७-९	५७-०	५५-६	५४-८	५४-४	५४-४	५५-०	५५-५	५६-८
७	५९-४	५९-०	५८-७	५६-८	५६-१	५५-०	५४-६	५४-२	५४-६	५५-६	५६-८	५७-६
८	५९-२	५८-५	५७-६	५६-७	५५-४	५४-४	५४-४	५४-४	५५-०	५६-३	५७-८	५८-५
९	क्षय	५७-७	५७-०	५५-४	५४-८	५४-२	५४-२	५४-६	५५-७	५७-२	५८-९	५९-४
१०	५८-०	५७-४	५६-३	५४-८	५४-२	५४-२	५४-६	५५-२	५६-५	५८-१	क्षय	६०-४
११	५८-७	५६-८	५५-७	५४-४	५४-२	५४-४	५५-२	५५-७	५७-४	५९-२	५९-८	६०-९
१२	५८-३	५६-३	५४-३	५४-२	५४-६	५४-६	५५-७	५७-३	५८-३	६०-९	६१-३	६१-७
१३	५७-८	५५-९	५४-८	५४-२	५४-६	५५-०	५६-५	५८-१	५९-२	६१-१	६१-५	क्षय
१४	५७-२	५५-४	५४-६	५४-३	५४-६	५५-४	५६-८	क्षय	६०-०	क्षय	६२-०	६१-८
१५	५६-७	५५-०	५४-४	५४-३	५५-०	५५-०	५७-६	५८-९	६०-७	६१-६	६१-८	६१-३
१	५६-१	५४-६	५४-३	५४-४	५५-४	५६-३	५८-१	५९-४	६१-३	६१-३	६१-३	६०-७
२	५५-६	५४-४	५४-२	५४-६	५५-७	५६-७	५८-७	५९-८	६१-३	६१-६	क्षय	६०-०
३	५५-०	५४-२	५४-४	५४-८	५६-७	५७-०	५८-०	६०-२	क्षय	६१-१	६०-७	५८-७
४	५४-४	५४-२	५४-६	५५-२	५६-५	५७-६	५९-०	६०-४	६०-४	६१-३	५७-९	५७-९
५	५४-४	५४-२	५५-०	५५-६	५६-८	५७-९	५९-२	६०-२	६०-४	५९-२	५८-७	५६-८
६	५४-४	५४-६	५५-४	५६-१	५७-४	५८-३	क्षय	५९-८	५९-८	५८-३	५७-६	५५-९
७	५४-६	५५-०	५६-१	५६-७	५८-१	५८-९	५९-३	५९-०	५८-०	५७-२	५६-७	५५-४
८	५५-२	५५-४	५७-८	५७-४	५८-९	५९-२	५९-४	५९-०	५८-१	५६-५	५५-७	५४-८
९	५५-७	५७-२	५७-८	५८-३	५९-६	५९-०	५९-४	५८-३	५७-४	५५-९	५५-२	५५-४
१०	५६-५	५८-०	५८-७	५९-२	६०-२	६०-०	५९-३	क्षय	५६-७	५५-४	५४-६	५४-३
११	५७-४	क्षय	५९-८	५९-८	क्षय	६०-२	५९-२	५७-८	५६-१	५४-८	५४-४	५४-२
१२	५८-१	५९-०	६०-५	६०-७	६०-१	६०-४	५८-७	५७-४	५५-७	५४-६	५४-४	५४-४
१३	५८-९	६०-०	६१-५	६१-५	६१-३	५९-८	५८-३	५६-८	५५-४	५४-४	५४-४	५४-६
१४	५९-४	६०-५	क्षय	६१-८	६१-१	क्षय	५७-८	५६-५	५५-०	५४-४	५४-६	५५-०
१५	६०-२	६१-१	६१-६	६१-६	६०-९	५९-२	५७-२	५६-१	५४-८	५४-४	५४-६	५५-३

[illegible]

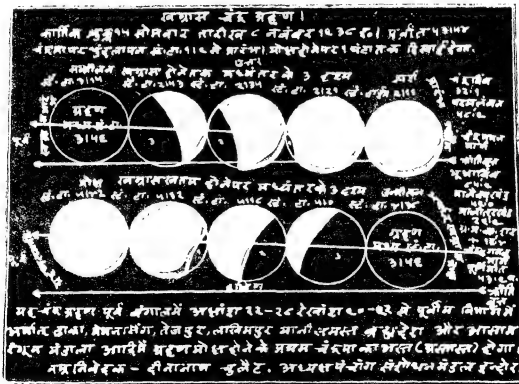
[illegible]

प्रभाकर सिद्धान्तानुसारेण सूक्ष्म वर्ष प्रवेश सारणी ।

فَصَحَّفَ

[illegible]

संवत् १९९५ कार्तिक शुद्ध १५ का खग्रास चन्द्रग्रहण



१८ नगरों के अक्षांश और इन्दौर मध्य रेखा से पूर्व+ पश्चिम- रेखांश, स्टै. टा.

भारत वर्षीय प्रसिद्ध नगरों के नाम	इन्दौर से रेखांतर			दिनांक रेखांश पूर्व अंश	स्टैंडर्ड टाइम			उत्तर अक्षांश	पलमा अंगुल व्यंगुल	बारखंड					
	पल	मिनिट			घंटा	मिनिट				१	२	३			
अकलकोट	...	+	५	+	७६-२	...	२५-२	२७	३३	३	४८	३८	३०	११	
अकोला	...	+	१३	+	५	७७-०	...	२२-०	२०	४२	४	३२	४५	३६	१५
अजमेर	...	-	११	-	४	७४-५	...	३१-६	२६	२८	५	५८	५९	४७	२५
अधोमल (ब्रॉस)	...	-	५२०	-	२३	२३-७	...	५५-२	३७	५९	९	२२	९३	७४	३१
अदुबानी	...	+	१६	+	६	७७-३	...	२०-८	१५	३७	३	२२	३३	२६	११
अहमदाबाद	...	-	३२	-	१३	७२-५	...	४०-०	२३	२	५	५	५१	४१	१४
अष्टोत्तरी	...	-	९	-	४	७४-८	...	३०-८	२१	३७	७	२३	७३	५८	२४
अयोध्या	...	+	६४	+	२६	८२-१	...	१-६	२६	४८	६	४	६०	४८	२०
अकौट	...	+	३८	+	१५	७९-५	...	१२-०	२७	५८	२	४६	७३	२१	९
अलीगढ़	...	+	१२	+	१२	७८-६	...	१५-६	२७	५३	६	२१	६३	५०	२१
अलाबाग	...	-	२९	-	१२	७२-८	...	३८-८	१८	३८	४	३	४०	३२	१३
अलमग्राहिया	...	-	४५७	-	३३	३०-०	...	९	३०-०	३१	३२	७	७२	५७	२४
अमरागबाद	...	-	४०	-	२	७५-३	...	२८-८	१९	५२	४	२०	४३	३४	१५
अहमदनगर	...	-	१०	-	४	७४-७	...	३१-२	२९	२०	६	१०	४१	३३	१०
आगरा	...	+	२२	+	१५	७७-९	...	१८-४	२७	१८	६	१०	६१	४९	२०
हजलकरंजी	...	-	७	-	५	७४-४	...	३२-४	१६	३९	३	२५	३६	२९	१२
हनुमान	७	...	३	७५-०	...	३०-०	१८	७९	३	५६	३९	३१	१३
हन्डौर	०	...	०	०	...	२७-०	२२	४१	५	३	५०	४०	१३
उज्जैन	०	...	०	०	...	२७-०	२३	९	५	७	५१	४१	१७
उटकमंड	...	+	१०	+	४	७६-७	...	२३-२	११	२७	२	२७	८४	१९	१५
उदपी	...	-	९	-	५	७४-८	...	३०-८	१३	२०	२	५०	२८	२२	९
उद्रेपुर	...	-	२०	-	८	७३-७	...	३५-५	२४	३७	५	३०	५५	४४	१८
उमरावती	...	+	२०	+	८	७७-७	...	१९-२	२०	५५	४	३५	४५	३६	१५
एलिचपुर	...	+	१७	+	७	७७-४	...	२०-४	२१	१३	४	४०	४६	३७	१५
एकिरेखर (मोघला)	...	+	४	+	१६	७६-१	...	२५-६	२१	१३	४	४४	५१	३९	१६
कटक	...	+	१०२	+	४१	८५-९	...	५४-६	२०	२८	४	२९	५५	३६	१५
कडवा	...	+	३५	+	१४	७९-२	...	१३-५	२८	२८	३	६	३१	२५	१०
कन्नूर	...	+	२४	+	१०	७८-१	...	१७-६	१५	४९	३	२४	३४	२७	११
कन्नड़	...	-	१६	-	६	७४-१	...	३३-६	१७	१७	३	४४	७७	२९	१२
कलकत्ता	...	+	१२८	+	५१	८८-२५	...	२६-०	२२	३४	४	४९	४८	३८	१६
कलबुर्गा	...	+	११	+	४	७६-८	...	२२-८	१९	२३	३	५५	३७	२९	१२
कल्याण	...	-	२५	-	१०	७३-२	...	३७-२	१९	१३	४	११	४३	३३	१४
कागाक	...	-	१४	-	६	७४-२	...	३२-८	१६	३४	३	३५	३५	२८	१२
काठमाण्डू	...	+	१५	+	३८	८५-२	...	४५-२	२७	४३	६	१८	६३	५०	२१
कानपुर	...	+	४६	+	१६	८०-३	...	८-८	२६	२८	५	५८	५९	४७	२०
कास्टीनोपल	...	-	४६७	-	३७	२९-०	...	१३-०	४१	०	१०	२७	१०४	८३	३५
काबूल	...	-	६६	-	२६	६९-१	...	५३-६	३४	३४	८	३	८०	६४	२७
काकोट	...	+	१	+	०	७५-८	...	२६-८	११	१४	२	२५	१४	१९	८
कांची	...	+	५	+	२	७६-२	...	२५-२	१५	२६	२	६	२१	१७	७
काण्डी	...	+	५१	+	२०	८०-८	...	६-८	७	२०	१	३२	१५	१२	५
काशी [बनारस]	...	+	७२	+	२९	८२-९	...	५५-४	२५	२०	५	४०	५६	४५	१९
किचूर	...	-	९	-	४	७४-८	...	३०-८	१५	३५	३	२१	३३	२६	११

नगरों के अक्षांश और इन्दौर मध्य रेखा से पूर्व पश्चिम रेखांश स्टैं. टा.

१०

भारत वर्षीय प्रसिद्ध नगरों के नाम	इन्दौर से रेखांतर		मिनीच रेखांश पूर्व अंश	स्टैंडर्ड टाइम घंटा मिनिट	उत्तर अक्षांश	पलभा अंगुल इंचगुल	सूर्यसंख		
	पक्ष	मिनिट					१	२	३
कुमारी	+	१८	+	७	७७.५	६	२०.०	८	१
कुम्भकोन	+	२८	+	१५	७९.५	६	१२.०	१०	५७
कुलुवाइ	...	११	+	४	७७.६	६	३१.६	४१	३
कोइमनूर	...	१८	+	७	७७.५	६	२०.०	१०	५८
कोलवडे	...	२४	...	१०	७३.३	६	३६.८	१७	५
कोण्पल	...	५	+	२	७६.२	६	२५.२	१५	२०
कोरहापुर	...	१५	...	६	७४.२	६	३३.२	१६	४३
खंडवा	...	६	+	२४	७६.३	६	२४.८	२१	५०
गडवाळ	...	२२	+	९	७७.९	६	१८.४	१६	१४
गंदूर	...	५०	+	२०	८०.७	६	७.२	१६	१५
गया	...	११	+	३६	८४.८	५	१०.८	१६	५३
गाझीपुर	...	७८	+	३१	८३.५	५	५.६	२५	३५
गवाखियर	...	२४	+	१०	७८.१	६	१७.६	१६	५१
मिनिचीच	...	७७	...	००	...	११	२०.०	५१	२९
गोकर्णी	...	१४	...	६	७४.३	६	३२.८	१६	३२
गोकाक	...	८	...	३	७४.९	६	३०.४	१६	१०
गोवे	...	१९	...	८	७३.८	६	३४.८	१५	२७
गोरखपुर	...	७७	+	३१	८३.४	५	५.६	२५	३५
विश्वकलधुर्गी	...	५	+	३	७६.५	६	२४.०	१४	१३
विपक्षन	...	२२	...	९	७६.५	६	३६.०	१७	३१
वृक (सारवाइ)	...	१०१	+	४०	८५.८	५	४६.८	१९	४६
जगन्नाथपुरी	...	१०१	+	४०	८५.८	५	४६.८	१९	४६
जजिरा	...	२७	...	११	७३.०	६	३८.८	१७	३५
जत	...	४	...	२	७५.३	६	२८.८	१७	३५
जम्बू (नगर)	...	७	...	३	७५.०	६	३०.०	१७	३४
जबलपुर	...	४४	+	१८	८०.१	६	१०.६	२३	९
जमखंडी	...	४	...	२	७५.३	६	२८.८	१७	३५
जयपुर	...	५	+	०	७५.८	६	२६.८	१६	५६
जहदर	...	२४	...	१०	७३.३	६	३६.८	१९	५७
जुलागड	...	५३	...	२१	७०.४	६	४८.८	२१	२९
जुझर	...	१८	...	७	७३.९	६	३४.४	१९	१६
जोधपुर	...	२२	...	१३	७३.५	६	४०.०	२०	५
झोषी	...	२९	+	१२	७८.६	६	१५.६	२५	३७
डोंक	...	७	...	३	७५.०	६	३०.०	१७	३४
डाली	...	२८	...	११	७२.९	६	३८.४	१९	१३
डाका (डाका)	...	१४७	+	५९	१०.४	५	२८.४	२३	५१
दजावर	...	३	+	१४	७९.१	६	१३.६	१०	४५
दाइपत्री	...	२४	+	१०	७८.१	६	१७.६	१४	५६
दासगांव	...	११	...	४	७४.६	६	३१.१	१७	२३
दिवखापल्ली	...	३१	+	१२	७८.८	६	१४.८	१०	५४
द्विपरी	...	२९	+	१२	७८.६	६	१५.६	२३	०
दिवेन्द्र	...	१२	+	५	७६.९	६	२२.४	८	३०

भारत वर्षाण प्रसिद्ध नगरों के नाम	इन्दौर से रेखांतर		मिनिट पूर्ण अंश	स्टैंडर्ड टाइम		उत्तर अक्षांश	पक्षभा अंगुल ध्वंगुल	चरखंड							
	पक्ष	मिनिट		वटा	मिनिट			१	२	३					
दिल्ली	...	+	१४	+	६	७७.१	६	२१.६	२८	३७	६	३०	६५	५२	२२
हजारका	...	-	७१	-	२८	६८.६	६	५५.६	२२	१५	४	५५	४०	३९	१६
दौलताबाद	...	-	५	-	२	७५.२	६	२९.२	१९	५७	४	२१	४३	३६	१४
धार	...	-	५	-	२	७५.२	६	२९.२	२२	३६	५	०	५०	४०	१७
धारवाड़	...	-	७	-	२	७५.०	६	३०.०	१५	२६	३	१९	३३	२६	११
धुळे	...	-	२०	-	४	७४.७	६	३१.२	२०	५३	४	३५	४५	३६	१५
धोलपर	...	+	२२	+	९	७७.०	६	१८.४	२६	४०	६	२	६०	४८	२०
मंदुरवार	...	+	१५	+	६	७४.३	६	३२.८	२१	३४	४	११	४६	३७	१५
नागपुर	...	+	३३	+	१३	७९.०	६	१४.०	२१	८	६	३९	४३	३७	१५
नाशिक	...	-	२०	-	८	७३.७	६	३५.२	२०	०	४	२२	४३	३६	१५
निवाणी	...	-	११	-	४	७४.६	६	३१.६	१६	२०	३	३२	४५	२८	१२
पंढरपुर	...	-	४	-	२	७५.१	६	२८.८	१७	३९	३	४९	३८	३०	१३
पटियाळा	...	+	७	+	३	७६.६	६	२४.६	३०	१५	७	०	७०	५६	२३
पनवेल	...	-	२६	-	२०	७३.१	६	३७.६	१८	५	५	७	४१	३३	१३
परभुराग	...	-	२२	-	७	७३.५	६	३६.०	१७	३०	२	४८	३८	३०	१३
प्रयाग	...	+	४४	+	२४	८१.८	६	२८.८	२७	३५	५	४१	५६	४५	१९
पाटणा	...	+	९५	+	३८	८५.२	५	४९.२	२५	३३	५	४८	५७	४५	१९
प्यारिस (फ्रांस)	...	-	७३४	-	५३	२३.९	११	२०.८	१८	५०	१३	३३	१३	३०	१५
पुढुकोट	...	+	३२	+	१३	७८.९	६	१४.४	१०	२०	०	११	२१	१७	७
पुण	...	-	१९	-	८	७३.८	६	३४.८	१८	२९	४	०	४०	३२	१३
पुरनिया	...	+	११८	+	४७	८७.५	५	४०.०	२५	४६	५	८८	५८	४६	१५
पाकि (चीन)	...	+	४०८	+	३३	१३.५	३	४४.०	४०	०	१०	४२	१०	५५	३५
पेण	...	-	२७	-	११	७३.०	६	३८.०	१८	४३	४	५	४०	३२	१३
पेठण	...	-	४	-	२	७५.३	६	२८.८	१९	३१	४	१५	४२	३२	१४
फरकावाड	...	+	४९	+	२०	८०.६	६	७.६	२७	२३	६	१३	६२	४९	१५
बगदाद	...	३०७	-	३	४५.०	८	३०.०	३३	२४	७	५५	७८	६२	२६	
बडाडा	...	-	२५	-	१०	७३.२	६	३७.२	२२	२४	४	५५	४९	३९	१५
बहामी	...	०	०	०	७५.७	६	२७.२	१५	५६	३	२७	३६	२७	१७	
बहाना	...	+	६२	+	२५	८१.९	६	२४.४	२३	३३	०	१	५१	४१	१७
बर्लिन (जर्मनी)	...	६२३	-	५	१३.४	१०	३६.४	१२	३०	१५	३८	१५	१५	१५	५२
बहारी	...	+	७३	+	३	७७.०	६	२२.०	१५	१५	३	१५	३२	२५	१५
बहाणपुर	...	+	७३	+	३	७६.४	६	२४.४	२१	१८	४	४१	३६	३७	१५
बागलकोट	...	-	०	-	०	७५.७	६	२७.२	१५	१२	३	१५	३६	२७	१५
बिन्नाऊ (भारवाड़)	...	+	१	+	०	७५.८	६	२६.८	१६	१३	३	१७	३९	३१	१३
बिकानेर	...	-	२४	-	१०	७३.३	६	३६.८	२८	१३	६	२३	६३	५०	२१
बीड	...	+	१	+	०	७५.८	६	२६.८	१८	५८	४	७	४१	३३	१४
बूंदी	...	+	१	+	०	७५.८	६	२७.६	२५	२६	५	४२	५६	४५	१९
बगलूर	...	+	१९	+	८	७७.६	६	१९.६	१२	५८	२	४६	२७	२१	९
बेदर	...	+	१८	+	७	७७.५	६	२०.०	१७	५५	३	५३	३८	३०	१३
बेलगांव	...	-	१२	-	६	७४.५	६	३२.०	१५	५०	३	२३	३४	२७	१३
भंडावा	...	-	२७	-	११	७३.०	६	३८.०	२१	४१	४	४६	४७	३७	१६
भरतपुर	...	+	२५	+	६	७७.२	६	२१.२	२७	२०	६	१२	६१	४९	२०

नगरों के अक्षांश और इन्दौर मध्य रेखा से पूर्व पश्चिम रेखांश स्टैं, टा.

22

भारत वर्षीय प्रसिद्ध नगरों के नाम	इन्दौर से खोतावर		प्रिमांच खोतास	स्टैंडर्ड टाइम	उत्तर	पलभा	वरखंड		
	पल	मिनिट	पूर्व अंश	घंटा मिनिट	अक्षांश	अंगुल द्व्यंगुल	१ पल	२ पल	३ पल
भागलपुर	...	+ ११३	+ ४५	८७.०	५.४२.०	२५	१३	५.३०	५६ ४५ १९
भोपाल	...	+ १६	+	६ ७७.२	६.२०.८	२३	१४	५.०	५९ ४१ १७
भोरे	...	१६	०	७३.९	६.३०.४	१८	७	५.६	५९ ३१ १७
भंगलवेड़े	...	३	०	७५.४	६.२०.४	१७	३१	५.४७	५९ ३९ १२
भंगलूर	...	९	५	७४.८	६.३०.८	१२	५२	२.४५	५९ ३७ १२
भक्षा (अवस्थान)	...	१५	०	७०.२	८.४०.२	१२	५२	४.३२	५७ ३७ १६
भच्छली पट्टन	...	+ ५५	+ ५५	७०.०	६.५.२	१२	३५	२.५	५७ ३७ १६
भक्षुरा	...	+ २५	+	७७.७	६.७७.७	१७	२८	६.१४	५७ ४० १५
भक्षुरा	...	+ २५	+ १०	७८.२	६.१७.२	९	५३	२.५	५० १६ ७
भद्राम	...	+ ४५	+ १८	८०.२	६.१०.२	१३	४	२.४७	५० २१ ९
भद्राङ्ग	...	२७	०	७३.४	६.३३.४	१३	३	५.५४	५० ३० १३
भद्रीशूर (भद्रीशूर)	...	+ ९	+	४ ७६.६	६.२३.६	१२	१८	२.३७	५० ३७ १३
भाण्डवी	...	६३	२५	६९.४	६.५२.४	२२	५४	५.६	५० ४० १७
भालीगोव	...	१२	०	७७.५	६.३२.०	०	३१	४.३०	४५ ३६ १५
भिरज	...	१०	४	७७.७	६.३१.७	१६	४९	४.३७	४६ ३७ १५
भुदगल	...	+ ८	+	७७.५	६.३१.५	१६	१	३.२७	४६ ३७ १५
भुषोळ	...	४	२	७५.३	६.२८.८	१६	२०	३.३१	४६ २८ १२
भुई	...	२९	१२	७२.८	६.८.८	१८	५७	४.७	४९ ३३ १३
भुलतान	...	४३	०	७७.४	६.४०.४	३०	३०	६.५	४९ ५६ २३
भुङ्कर	...	+ ११८	+ ४७	८७.५	५.४०.०	१७	२५	५.४१	५६ ५५ १०
भुलतान	...	२४	०	७३.६	६.३६.६	१७	०	३.०	४६ २९ १२
भुलतान (भुलतान)	...	+ २००	+ ३	९५.७	५.७२.७	१६	४८	३.७	४६ २९ १२
भुलतान	...	४८	१७	७०.९	६.४०.९	१२	१६	५.५	४६ ३० १६
भुलतान	...	+ ४१	+ २६	८१.८	६.२८.८	१७	०	३.४०	४६ ३० १६
भुलतान	...	२२	९	७३.५	६.३६.५	१६	३०	३.५	४६ २९ १२
भुलतान	...	३	०	७५.४	६.२८.४	१५	५७	३.६	४६ २७ ११
भुलतान	...	+ ३५	+ १४	७३.२	६.३१.२	९	१५	१.५७	४० १५ १५
भुलतान	...	+ १७	+ ७	७७.४	६.२०.४	१६	१७	३.३०	४६ २९ १२
भुलतान	...	+ ६०	+ ५४	८१.७	६.३२.७	२१	३३	४.४०	४७ ३७ १६
भुलतान	...	+ ५६	+ २२	८१.३	६.३८.३	३२	५	२.९	५४ ४३ १५
भुलतान	...	६३	१५	१२.५	१०.६०.०	४१	५६	१०.४७	१० ६५ १५
भुलतान	...	+ ५२	+ २३	८०.९	६.५.४	१७	१०	४.५	४६ ४८ २०
भुलतान	...	२	०	७५.५	६.२८.५	१५	७	३.१४	४६ २५ ११
भुलतान	...	५	२	७५.२	६.२९.२	११	७	२.२	४६ २५ ११
भुलतान	...	३०	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भुलतान	...	३५	१२	७३.७	६.				
भ									

भारत वर्षीय प्रसिद्ध	हृद्दीर से रेखांतर	मिनीच रेखांश	स्टैंडर्ड टाइम	उत्तर	पकमा	चरखंड		
नगरों के नाम	पक	मिनिट	पूर्व अंश	घंटा	मिनिट	अक्षांश	अंगुल अंगुल	पक पक पक
भुनेरी	...	४	२	७५.३	६ २८.८	१३	२७	२ ५२ २८ २२ ९
औनगर (काश्मीर)	...	८	३	७४.९	६ ३०.४	१४	७	५४ ७९ ६३ २९ १३
औरंगाबाद	...	९	४	७६.६	६ २३.६	१२	२३	२ ३८ २६ २१ ९
औरंगाबाद	...	२७	११	७३.०	६ ३८.०	१८	२	३ ५४ ३९ ३१ १३
संगमनेर	...	१३	५	७४.४	६ २२.४	१९	३४	४ ६६ ४२ ३३ १४
सागर	...	३०	१२	७८.७	६ १५.२	२३	५१	५ ३८ ५६ ४५ १९
सांगली	...	१२	५	७४.५	६ ३२.०	१७	५२	३ ३८ ३६ २९ १२
सातारा	...	१७	७	७४.४	६ ३४.०	१७	५१	३ ५० ३८ २९ १३
सावनूर	...	३	१	७५.४	६ २८.४	१४	५८	३ १३ ३२ २५ ११
सावन्तवाडी	...	१९	८	७३.८	६ ३४.८	१५	५८	३ २५ ३४ २७ ११
सिंहपुर (मलायाद्विप)	...	२८	१	१०४.०	४ ३४.०	१	२०	० १७ ३ २ १
सीहोली (आस्ट्रेलिया)	...	७५	५	१५१.२	१ २५.२	३३	५८	८ ३८ ४० ३९ २७
सूरत	...	३२	१३	७२.५	६ ४०.०	११	१०	१ ३९ ४६ ३७ १५
सुरपुर	...	११	४	७६.८	६ २२.८	१६	११	३ ३३ ३५ २८ १८
सुलम	...	२६	१०	७८.३	६ १६.८	१७	४०	२ २९ २४ १९ ८
सोलापुर	...	१	०	७५.८	६ २६.८	१७	५९	३ ४९ ३८ २८ १८
संकेतार	...	१२	५	७४.५	६ ३२.०	१६	१६	३ ३० ३५ २८ १२
हम्प्री	...	८	३	७६.५	६ २४.०	१५	२०	३ १७ ३३ २६ ११
हरदा	...	१३	५	७७.०	६ ३२.४	२२	१८	४ ५५ ४९ ३९ १६
हडिहार	...	२४	१०	७८.१	६ १७.६	२९	५५	६ ५४ ६९ ५५ २३
हरिद्वार	...	२	१	७५.९	६ २६.४	१४	३०	३ ७ ३१ २५ १०
हुबली	...	६	२	७५.१	६ २९.६	१५	१९	३ १७ ३२ २५ ११
होदराबाद (विजाम)	...	२८	११	७८.५	६ १६.०	१७	१८	३ ४४ ३७ २९ १२
होदराबाद (सिंध)	...	७४	३०	६८.३	६ ५६.८	२५	५४	५ ४१ ५६ ४५ १९
होसपेट	...	७	३	७६.४	६ २४.४	१५	१०	३ १५ ३२ २५ ११

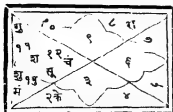
चित्र कृष्ण २० गुराविष्ट ४४।२१
सूर्य ११।१७ लम ८।१

चित्र शुक्र १४ बुधेष्ट ३२।२०
सूर्य ०।० लमम् ६।६

लाम सूर्य कोष्टक
(अष्टोत्तरमिसेम)

फलदेश

वर्ष प्रवेश कुंडली



मेर्पाक वर्षेश कुंडली



राशि:	लाम	सूर्य
मेघ	२	८
वृषभ	११	१४
मिथुन	१४	११
कर्क	८	११
सिंह	११	११
कन्या	१४	११
तुल	११	१४
शुक्रिक	२	८
धन	५	१४
मकर	८	८
कुम्भ	८	८
मीन	५	१४

जन्म राशि और
जन्म लग्न को उक्त
दोनों कुंडली में युथा
के स्थान में रक्तकर
शुभाशुभ फल का
निश्चय कर लेना.
सर्वसाधारण रीती से
यह वर्ष उत्तम, शुक्ल,
दाह, आनंदकारी
चितेगा.

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	शुद्धिक	धन	मकर	कुंभ	मिथुन
लाभ	११	५	११	५	८	११	५	११	८	२	२	८
खर्च	५	१४	११	८	५	११	१४	५	११	१४	१४	११

जन्मपत्रिका और वर्षफल बनाने के लिये कोष्टकों का उपयोग

इष्ट साधनः—जिस समय की स्टैडवर्ड टाइम के द्वारा इष्ट साधन करना हो उस समय जिस अक्षांश के प्रदेश में का सूर्योदय की स्टै. टाइम पंचांग से देख लेंगे, इस पंचांग में इन्दौर सहित १९ नगरों की स्टै. टाइम लिखी है सो अपने २ नगर के निकट के प्रसिद्ध नगर की टाइम से अपने नगर की टाइम निश्चित करे। लिखत १८ नगरों के पूर्व पश्चिम में गांव हो तो १६ माईल में १ मिनिट पूर्व में कम और पश्चिम में मिलने तो सूर्योदय स्पष्ट होती है। इष्ट की टाइम में सूर्योदय टाइम घटाकर २॥ गुना करलेपर इष्ट घटी पल आते हैं।

सूर्यस्पर्शः—पंचांग में लिखे दैनिक सूर्यस्पर्श में इष्ट घटी पल कला मिनिट में जोड़ दे तो तात्कालिक सूर्य होता है।

ग्रहस्पर्शः—इष्टकाल को ग्रह गति से गुणकर ६० का भाग देकर प्रातःकालिक ग्रह में जोड़ देने पर ग्रह स्पष्ट हो जाता है सिर्फ वकीमह और राहु के अंक घटावे।

लग्नसाधनः—अपने गांव के नाम के अक्षांश की लग्न सारणी पंचांग में देख कर सूर्य के राशि अंश समान कोष्टक के (विपुवांक) लिखे हैं उस में इष्ट के घटी पल जोड़ दे, बाद में सारणी में देखने से जहांपर उस लग्नसारणी में “अंक” उपलब्ध हों वह राशि अंश लग्न के होंगे शेष घटी पल को ६ गुणा कर के नीचे लिखे तो कला विकला होगी।

सूक्ष्मता लेनी हो तो शेष घटी पल को साठ गुणा कर अंतर अंक का भाग देवे तो सूक्ष्म कला विकला होगी।

दशमसाधनः—जिन “अंकोंसे” लग्न साधन किया है उन्हीं अंकोंसे भावसारणी में दशम लग्न स्पष्ट होता है (यानी इस में नत बगैरे का कुछ काम नहीं है)

द्वादशभावसाधनः—दशम में ६ राशि कम करने पर चतुर्थ भाव होता है चतुर्थ भाव में लग्न घटा कर जो अंशादि शेष रहे उस में ६ का भाग देकर वह पद्यांश लग्न के अंशादि में जोड़ने पर चतुर्थ भावतक जोड़े आगे वही अंशादि लिख कर राशि बढ़ाता जावे तो पञ्च संघितक भाव १२ बनते हैं आगे क्रमशः इनमें ६:६ राशि जोड़ने पर छठी भाव से १२ पंक्ति बन जाती है। इस तरह द्वादशभाव संबंधित बनते हैं.

वर्षफल साधनः—जन्म के संवत् को वर्ष के संवत् में घटाने से गत वर्ष होते हैं। पंचांग में लिखी वर्ष सारणी में गत वर्ष अंक के नीचे के वार घटी पल के अंक में जन्म के रविवारादि के अंक तथा इष्ट के घटी पल को जोड़ देवे तो जन्म के सूर्य के राशि अंश के समान जिस दिन पंचांग में सूर्य हों उस दिन का वार आदि मिल जायगा तो समझना वर्ष प्रवेश के वागदि वरावर है। आगे सूर्य एवं इष्ट से लग्न साधन करके पंचांग में दैनिक ग्रहों के अनुसार वर्ष कुंडली और दैनिक ग्रह स्पष्ट लिख देवे तो वर्षफल तयार होजायगा.

मास प्रवेशः—साधन पंचांग में लिखी माससारणी में वर्ष के सूर्य के राशि अंक के समान कोष्टक में लिखे वागदि को क्रमशः एक एक राशि बढ़ाता हुआ बाराराशि थारादि को पेंसिल के अंकी द्वारा लिख लेंगे बारबी पंक्ति के आगे नये वर्ष के वागदि लिखकर उपर से नीचे की ओर तक १३ पंक्ति द्वितीय तृतीय मास की इस तरह की पंक्ति में वर्ष के वार घटी पल जोड़ता जाय तो बारा महिने के मास प्रवेश के वार घटी पल एकसाह स्पष्ट होते जायेंगे। यदि दूसरे वर्ष के वारादि में कुछ पलों का अंतर पड़े तो उसे १२ का भाग देकर लग्नको उन में कम उपादा कर के दूसरे वर्ष के घटी पलों के तुल्य हो जायेंगे।

मास प्रवेश का सूर्य और लग्नसाधनः—वर्ष के सूर्य में एक एक राशि मिलाने पर बाकी पूर्वोक्त

अशादि तुल्य सूर्य स्पष्ट होता है । इस सूर्य के अंशतुल्य लग्नसारणी के उर्वी अंश के नीचे की राशियों के विपुन घटी पल में क्रमशः भास प्रवेश इष्ट के घटी पञ्च जो कि ऊपर क्रमशः लिखे गए हैं उनमें जोड़ देवे और उस के द्वारा उस २ मास के लग्न के राशि अंश लिखता जाय तो प्रत्येक मास का लग्न स्पष्ट होजाता है । इसके द्वारा १२ मास कुंडली में लग्न लिख कर दैनिक यह लिखित राशि में लिख देंगे तो वारहों मास की १२ कुंडली तयार होजावेगी । होरा द्रष्टाकाण आदि षड्वर्ग साधनः—लग्न और ग्रहों के राशि अंशोद्वारा बनाने के कोष्टक पंचांग में दिये हैं उसके द्वारा सरलता से बन सकते हैं. रेखाष्टकवर्ग साधनः—जन्म कुंडली के सूर्यादि ७ ग्रह और लग्न मिलकर ८ वर्ग कहते हैं इस के कोष्टक की रेखा १२ खींचकर वहाँ २ सूर्य चंद्रादि की क्रमशः रेखाविट्ट लिखता जावे नेचि रेखा के अंक शुभ और विपु के अंक अशुभ ऐसा जोड़ लिखकर शुभाशुभ फल कहे तो अष्टक वर्गतुल्य राशि के ग्रह चार में अष्टक वर्गोंक शुभःशुभाक तुल्य कथ होता है, और प्रायः बापर फलित मिलता है ।

॥ अथ विंशोपकाः १०५ ॥ वृष्टिः ७ धान्यं १३ तुणम् ७ शीतम् १३ ऊष्णम् १३ वायुः ७ वृद्धिः १५ विनाशः १५ विप्रदः ११ शुभा १३ तुण्या १३ निद्रा ५ आलस्यं ११ उथम १ शान्तिः १ कौषः १ दंभः १ भद्रः ७ मैत्री ५ रसनिष्पत्तिः ७ कलनिष्पत्तिः ११ उत्साहः १ शयनः १५ श्रुकाः १५ मृपकाः ७ अतिवृष्टिः १७ अनावृष्टिः ५ स्वचक्रम् १५ परचक्रम् १९ परचक्रनाशः ९ रत्नम् ५ वस्त्रम् ९ जूतम् १९ तैलम् ११ वृक्षम् ७ ऊर्णावस्त्रम् १५ क्षौमाणि ७ बलकलम् १९ भूजपत्रम् ५ सुवर्णम् १५ ताम्रम् ३ वामम् १९ रौप्यम् १७ लोहम् ११ खर्पसूत्रम् १९ पित्तलम् ९ लोहकम् १३ काश्यम् १७ उग्रप्रकृतिः ९ सौम्यप्रकृतिः ९ पापप्रकृतिः १७ पुण्यप्रकृतिः ३ द्वाधिः ५ भवत्यम् ११ आचारः ७ अनाचारः १३ मरणम् १५ जननम् १५ देशोपद्रवः १५ देशस्वास्थ्यं १७ चौरागम्यं ५ चौरनाशः १५ अग्निमय १५ अग्निनाशः ५ विपमयम ३ विपनाशः ११ सेवकत्वम् १३ स्वामित्वम् ९ निजधनम् १७ परधनम् ३ जूतम् १९ पुंस्त्रीकर्म १५ जारणम् ७ जारणनाशः १३ मारणम् १७ मारणनाशः १९ स्तेभनम् १९ स्तेभननाशः १७ मोहनम् १३ मोहननाशः ७ उच्चाटनम् १७ उच्चाटननाशः ९ वर्शाकरणम् १७ वशीकरण नाशः ७ वात प्रकृतिः १३ पित्त प्रकृतिः १९ कफ प्रकृतिः ७ द्रवज ११ सन्निपातः १५ यशः १९ अवयशः ५ गर्वः ७ उन्नता ९ प्रपचः ११ भूतबाधा १५ ग्रहदोषः १७ ग्रहदोष शान्तिः १९ अन्नजम् ९ जरायुजम् ५ स्वदेजम् ८ उद्विजम् ११ पुण्यम् ११५८ पापम् १८१२ सर्वे निष्पत्तिः ६ ॥ इति विंशोपकाः १०५ ॥

गणेश दैवज्ञ प्रोक्त पंचांग संशोधनकी पूर्व प्रणाली ।

ब्रह्माचार्य वसिष्ठ कश्यप मुनिवैतसेटकमोदितम् । नक्षत्रालजमेवतन्वयगथ तद्भूगणेशभूतलक्ष्यम् ॥ प्रापातोय मयासुरःकुनयुगान्तैर्कस्फुटं तोपिताः । सञ्चालितस्म कर्त्ता तु साम्तर मथा भूचात्र पाराशरम् ॥१॥ तथशास्त्राऽऽश्रयतः खिलं बहुतिथे कलिकेशास्त्रस्फुटम् । तत्त्वस्तं किल दुर्गाभिहमिहिरावै स्तत्रिवधं स्फुटम् ॥ तच्चामुच्छिधिलं तु जिण्णुतनयेनाकारिवैवास्फुटं । ब्रह्मोक्त्याऽऽश्रितमेतदप्यथ वही कालऽमवसानम् ॥ २ ॥ श्रीकेशवः स्फुटतरे कृतवाग्निह सौरायांसज म तदपि पश्चिमिहे गतान्दे ॥ हृष्टत्वाकथं किमपि तत्तनयो गणेशः स्पष्टं यथा स्फुटं दग्गाणितैकमवत ॥३॥ कथमपि यदिदं चेत् भूरिकाले कथं म्यामुदुप परिहस्यन्नुपद्राहश योगात् ॥ मद्रमल गुरुतुल्य प्राप्त बोधः प्रकाशैः काथित सत्पुपत्ता युद्धिकेन्द्रेप्रचाल्ये ॥४॥

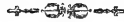


॥ श्री. ॥

— अखिल भारत वर्षोपयोगी —

सर्व सिद्धान्तैक्यसर्वाज-संस्कृतग्रहलाघवीय

भारत विजय पंचांग



संवत् १९९५ शके १८६०

इसवी सन १९३८-३९ — फसली सन १९५७-५८



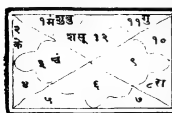
चैत्र शुक्ल पक्षः

आमन्ददि योगः	सं. १९९५ श. १८६० चैत्र शुक्ल पक्षः						पूर्ण करण		उत्तर करण		वाहर हन्दार का		तारीख		चन्द्रः					
	तिथि	वार	घटे	पल	नक्षत्र	घटे	पल	योग	घटे	पल	करण	घटे	पल	हिन्दू रिमान		हिन्दू र. उदय र. अस्त	समय मिनि	वार	हमसा	
मिहिर	१ शु.	४०	८	२०	३९	५६	५	३२	४	कि	१२	१४	४	३०	६	६	१९	२८	१	३९ मेष
मिजामा	२ श.	३५	५७	७	३६	८	६	२५	५२	बा	८	३	३	३५	५७	४०	३०	२९	२	३९ मेष
गणगौर	३ र.	३०	३१	५	३२	४४	५	१८	५०	ते	३	१४	५	३०	३१	४०	२९	२९	३	३९ मेष
सिधरः	४ म.	२५	२	५	२९	५	५	११	३४	वि	२५	३	३	५२	५३	४१	२९	२९	४	३९ मेष
मालंग	५ म.	१९	२६	२	२५	२३	५	५	१९	२६	का	४	४	५६	१९	४१	२९	२९	५	३९ मेष
अम्मुन	६ सु.	१४	४५	२	२१	३६	५	४७	२८	ते	१४	५	३	३५	३५	३९	२९	२९	६	३९ मेष
काणः	७ गु.	८	२१	२	१८	६	५	४२	२९	अ	४२	२९	३	३५	३५	३९	२९	२९	७	३९ मेष
क्षयः	८ शु.	३	१६	२	१४	५	५	३५	३५	ब	८	२९	३	३५	३५	३९	२९	२९	८	३९ मेष
मिहिर	९ रा.	५३	५७	२	११	५	५	२९	३४	ते	२५	३	३	५२	५३	४१	२९	२९	९	३९ मेष
ए. ब्र.	१० रा.	५३	५७	२	११	५	५	२९	३४	ते	२५	३	३	५२	५३	४१	२९	२९	१०	३९ मेष
ए. ब्र.	११ रा.	५३	५७	२	११	५	५	२९	३४	ते	२५	३	३	५२	५३	४१	२९	२९	११	३९ मेष
प्र. ब्र.	१२ रा.	५३	५७	२	११	५	५	२९	३४	ते	२५	३	३	५२	५३	४१	२९	२९	१२	३९ मेष
प्रथम	१३ सु.	४३	४४	२	८	३	५	२२	२१	का	१५	५	३	५२	५३	४१	२९	२९	१३	३९ मेष
पार्णिमा	१४ गु.	४३	४०	२	५	३	५	१५	१४	ब	१४	५	३	५२	५३	४१	२९	२९	१४	३९ मेष

के. अहर्गण	तिथि	वार	भूय	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति
१०९२	१ शुक्र.	११	१३	४०	१९	५९	११	४९
१०९३	२ शनी.	११	१८	३९	३०	५९	११	४९
१०९४	३ रवी.	११	१९	३८	३९	५९	११	४९
१०९५	४ सोम.	११	२०	३७	३६	५९	११	४९
१०९६	५ मंगल.	११	२१	३६	५९	५९	११	४९
१०९७	६ बुध.	११	२२	३५	५९	५९	११	४९
१०९८	७ शुक्र.	११	२३	३४	५९	५९	११	४९
१०९९	८ शुक्र.	११	२४	३३	५९	५९	११	४९
११००	९ शनी.	११	२५	३२	५९	५९	११	४९
११०१	१० रवी.	११	२६	३१	५९	५९	११	४९
११०२	११ सोम.	११	२७	३०	३९	५९	११	४९
११०३	१२ मंगल.	११	२८	२९	३०	५९	११	४९
११०४	१३ बुध.	११	२९	२८	१९	५९	११	४९
११०५	१४ शुक्र.	११	३०	२७	५९	५९	११	४९

अ. १ चैत्र शु. ८ शुके । प्र. अहर्गणा ५११६ अयनांशः २२१५९१०

मेष सक्रमणम्



र	क	सु	म	बु	शु	क्र	श
२४	२०	०	१०	०	११	७	७
२४	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९
२४	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९
२४	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९
२४	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९
२४	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९
२४	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९
२४	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९

चैत्र शुक्ल १४ बुधः मेषकः प्रविष्टः वरात् ३
 नक्षत्रात् ४ वार नाम मंदाकिनी राज सुखी ।
 नक्षत्र द्वांशी वैश्य सुखी । अपराह व्यापिनी ।
 वैश्यान् दृष्टि दक्षिण गमनं नैश्वर्या दृष्टिः ।
 वाणिज्य करणे प्रविष्टा, फले मध्यमं, वाहनं,
 माहिषः उप वाहनमुष्टः क्लेश कारकः इयाम

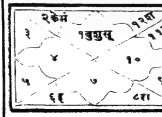
तिथि	सौर स्वष्ट रविः	परील १९३८ इ. । उत्तरायणे वसंत ऋतुः ।
१	१९१११११	अप्रैल ४ नवरात्रारंभः । ध्वजारोपणं । कल्पादि संवत्सरारंभः श. चं. यु. परम्परापन ।
२	१९१११११	चन्द्रदर्शनम् अभिन्यां २ शुक्रः ३०।२४ मत्स्यजयंती । शु. चं. यु. । बु. चं. यु.
३	१९१११११	गणपती । भद्रा प्रा. स्टै. ५।३४ मं. चं यु. । सफर २ सु.
४	१९१११११	विनायकी ४ । भद्रा स. स्टै. १६।३२ भरण्यां ४ मौमः १।४६ । आवाहन
५	१९१११११	
६	१९१११११	
७	१९१११११	
८	१९१११११	भद्रा प्रा. स्टै. १।४८ भद्रा स. स्टै. २०।४६ Xप्रा. । बु. शु. यु. । दुर्गा ८
९	१९१११११	श्रीराम ९ जन्मः कृतिका १ मौमः ५२।५१ अन्नपूर्णा परिक्रमा । अशोककालिका X
१०	१९१११११	+दोलोत्सव । व्यतीपात महापात स्वरी १३।५२ मोक्ष १८।५८
११	१९१११११	भद्रा प्रा. स्टै. १५।१६ भद्रा स. स्टै. रात्रौ २।३६ कामदा ११ रस्मात् भरण्यां शुक्रः ३५।४० +
१२	१९१११११	कामदा ११ भगवत वकी बुधः रेवत्यां १ शनिः ४।५०
१३	१९१११११	भीम प्रदोष । महावीरजयंती जैन
१४	१९१११११	भद्रा प्रा. स्टै. २३।५७ अश्विनी मयकः ३२।२० । सु. ३० कृतिकार वृषमे मौमः ३८।३४
१५	१९१११११	भद्रा स. स्टै. ११।५६ हनुमजयंती । वैशाखस्नानारंभः ।

तिथि	बुध	शनि	शुक्र	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	शुक्र	गति
१	० ६ ३४	१ ७	१० ० १४	२२	० १ २७	१ १५	११ १५ १४	८	७ ६ २६ ५६	३ ११
२	० ७ ४१	१ १	१० ० २६	२२	० २ ४२	१ १५	११ १५ २२	८	७ ६ २३ ४५	३ ११
३	० ८ ४२	० ५ ४	१० ० ३८	२२	० ३ ५७	१ १५	११ १५ ३०	८	७ ६ २० ३४	३ १०
४	० ९ ३६	० ५ ८	१० ० ५०	२१	० ५ १२	१ १४	११ १५ ३८	८	७ ६ १७ २४	३ ११
५	० १० २४	० ४ १	१० १ १	२१	० ६ २६	१ १४	११ १५ ४६	८	७ ६ १४ १३	३ ११
६	० ११ १८	० ३ ३	१० १ १२	२१	० ७ ४०	१ १४	११ १५ ५४	८	७ ६ ११ २	३ ११
७	० १२ १८	० २ ३	१० १ २३	२१	० ८ ५४	१ १४	११ १६ २	८	७ ६ ७ ५१	३ ११
८	० १२ ५	० १ ३	१० १ ३४	२१	० १० ८	१ १४	११ १६ १०	८	७ ६ ४ ४०	३ १०
९	० १२ २४	० १ २	१० १ ४५	२१	० ११ २२	१ १४	११ १६ १८	८	७ ६ १ ३०	३ ११
१०	० १२ ३६	० १ ७	१० १ ५६	२१	० १२ ३६	१ १४	११ १६ २६	८	७ ५ ५८ १९	३ ११
११	० १२ ४६	० १ १	१० २ ७	२१	० १३ ५०	१ १४	११ १७ ३४	८	७ ५ ५५ ८	३ १०
१२	० १२ ४२	० ७	१० २ ८	२१	० १५ ४	१ १४	११ १६ ४२	७	७ ५ ५१ ४२	३ ११
१३	० १२ ३५	० ३	१० २ २९	२१	० १६ १८	१ १४	११ १६ ४९	७	७ ५ ४८ ४६	३ १०
१४	० १२ २२	० १८	१० २ ४०	२१	० १७ ३२	१ १४	११ १६ ५६	७	७ ५ ४५ ३६	३ ११

संक्रांति फलम् ।

अ. २ चैत्र शु. १५ सुगे प्र अहर्गंगा ५९२२ अयनांशः २२°५९.१"

वस्त्रं । तोमारयुधं, खप्पर पात्रं दधिभक्षणं, आरक्त लेपनं । मृगजातिः । अर्क पुष्पं, मणि भूषणं, पांडु कंबुकी, प्रगल्भावस्था (बैठी) ग्रहृताः १० मृग्य उदयं पश्चिमे । वत्सश्च । मूलं पाताले । वि. स्तं. निकृतिगणे



सु	च	म	बु	शु	श	रा
०	५	१	०	१०	०	११
०	२	१	०	२२	२	१७
२	७	५	१	२२	४	२५
६	७	५	१	२२	४	२५
१८	७	५	१	२२	४	२५
४५	१०	४	०	३२	११	३७

वैशाख कृष्ण पक्षः

आनेवादि योग	सं. १९९५ सा. १८६० वैशाख कृष्ण पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		शहर हस्तौर		तारीख		चन्द्रः				
	दिनि	वार	घटि	पल	नक्षत्र	घटि	पल	योग	घटि	पल	काण	घटि	पल	काण	घटि	पल	विमिन	र उदय		र अस्त	विमिन	पारसो	इमसो
विशुद्धः	१	शु	४४	३०	चि	१२	४४	ह	०२	४५	वा	१४	४४	कौ	३३	३३	३	१३	१३	१५	तुल		
विशुद्धः	२	श	४४	४०	रु	१३	४४	व	१२	४५	नै	१६	४४	ग	४०	३२	४	१४	१३	१५	तुल		
उपगत	३	र	४५	५०	वि	१४	४४	सि	११	४५	वा	१७	४३	वि	४१	३१	५	१५	१३	१५	तुल		
च. व.	४	सो	४५	००	जु	१५	४४	म्य	१०	४५	वा	१८	४३	वा	४२	३०	६	१६	१५	१५	तुल		
सुदगर	५	म	४६	००	उज्य	१६	४४	व	१०	४५	कौ	१९	४३	नै	४३	२९	७	१७	१५	१५	तुल		
भवज	६	बु	४६	१०	सू	१७	४४	प	१०	४५	नै	२०	४३	ग	४३	२८	८	१८	१५	१५	तुल		
धाता	७	शु	४६	२०	पू	१८	४४	शि	१०	४५	वा	२१	४३	वि	४४	२७	९	१९	१५	१५	तुल		
सुख	८	श	४६	३०	उ	१९	४४	सि	१०	४५	वा	२२	४३	वा	४५	२६	१०	२०	१५	१५	तुल		
विधर	९	र	४६	४०	श्र	२०	४४	सा	१०	४५	कौ	२३	४३	नै	४६	२५	११	२०	१५	१५	तुल		
मानांगः	१०	सो	४६	५०	ध	२१	४४	शु	१०	४५	वा	२४	४३	वा	४७	२४	१२	२०	१५	१५	तुल		
असुन	११	सो	४६	००	ध	२२	४४	श्र	१०	४५	वा	२५	४३	वा	४८	२३	१३	२०	१५	१५	तुल		
ए. व.	१२	सो	४६	१०	ध	२३	४४	श्र	१०	४५	वा	२६	४३	वा	४९	२२	१४	२०	१५	१५	तुल		
प्र. व.	१३	बु	४६	२०	पू	२४	४४	श्र	१०	४५	वा	२७	४३	वा	५०	२१	१५	२०	१५	१५	तुल		
छत्र	१४	शु	४६	३०	उ	२५	४४	श्र	१०	४५	वा	२८	४३	वा	५१	२०	१६	२०	१५	१५	तुल		
श्रवण	१५	शु	४६	४०	उ	२६	४४	श्र	१०	४५	वा	२९	४३	वा	५२	१९	१७	२०	१५	१५	तुल		
अमा	१६	श	४६	५०	म	२७	४४	आ	१०	४५	वा	३०	४३	वा	५३	१८	१८	२०	१५	१५	तुल		

नं. अहर्गण	दिनि	वार	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगळ	गति
११०६	१	शुक्र	० १ २५ ५१	५८ ४३	६ ४ ४१ १७	१२ ३६ ९	१ ० ५७	४२
११०७	२	शनि.	० २ २६ २४	५८ ४१	६ १७ २९ २६	१२ २३ १४	१ १ ३९	४२
११०८	३	रवि.	० ३ २७ १५	५८ ३९	६ २९ ४२ ४०	१२ ८ ४५	१ २ २१	४२
११०९	४	गोम.	० ४ २८ ५४	५८ ३७	७ १२ ५९ २५	११ ५९ १३	१ ३ ३	४२
१११०	५	मंगल.	० ५ २० ३१	५८ ३५	७ २३ ५० ३६	११ ५१ ५३	१ ४ ४५	४२
११११	६	बुध	० ६ १९ ६	५८ ३३	८ ५ ४२ ३६	११ ४८ २५	१ ५ २७	४२
१११२	७	गुरु.	० ७ १७ ३९	५८ ३१	८ १७ ३१ १	११ ४१ २२	१ ६ ४९	४२
१११३	८	शुक्र.	० ८ १६ १०	५८ २९	८ २९ २२ २३	११ ३४ ३३	१ ७ ५१	४२
१११४	९	शनि.	० ९ १४ ३९	५८ २७	९ ११ २० ५६	११ २७ २६	१ ८ ३३	४२
१११५	१०	रवि.	० १० १३ ६	५८ २५	९ २३ ३० २२	११ २० ५७	१ ९ १५	४२
१११६	११	गोम.	० ११ ११ ३२	५८ २४	१० ५ ४८ १९	११ १४ ३०	१ १० ४२	४२
१११७	१२	मंगल	० १२ ९ ५६	५८ २२	१० १८ ४५ २९	११ ७ ३७	१ ११ ३९	४२
१११८	१३	बुध	० १३ ८ १८	५८ २०	११ १ ५६ ६	११ ३३ ३४	१ १२ २१	४२
१११९	१४	गुरु.	० १४ ६ ४८	५८ १८	११ १५ ३० ४०	११ २५ ४१	१ १३ ३	४१
११२०	१५	शुक्र	० १५ ५ ५६	५८ १६	११ २९ २५ १	११ १४ १३	१ १४ ४१	४१
११२१	१६	शनि	० १६ ३ ३३	५८ १५	० ३ ३९ १४	११ ७ १०	१ १५ २५	४१

अ. ३ वैशाख कृ. ८ शनि प्र अहर्गण ५१३९ अवर्गानां: २२१५१३

मास फलम्



र	ब	म	बु	शु	शु	श	रा
०	९	१	०	१०	०	११	७
१	११	१	७	४	१०	१३	५
२	१२	३	२	११	११	१५	१६
३	१५	१	०	१२	२०	११	१८
४	१८	४	१	१०	३३	७	३
५	२७	२६	१०	१६	२०	११	११

इस मास में उण्णता मान का प्रकोप
अधिक प्रमाण से होगा। रूई तथा चांदी का
भाव सम रहेगा धान्य का भाव तेज रहेगा।
मास के मध्य में बिहार तथा आसाम प्रान्त में

वैशाख शुक्ल पक्षः

आनेदि योगः	सं. १९९५ श. १८६० वैशाख शुक्ल पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		अहर हस्तैर का		तारीख		चन्द्रः
	तिथि	वार	घटे	पक्ष	नक्षत्र	योग	घटे	पक्ष	करण	घटे	पक्ष	करण	घटे	पक्ष	दिनांक		सुमेलि	इन्द्रा	
															र. उत्तर	र. अस्त			
शय	१	र	३	५३	क	४०	३५	सौ	३१	२४	३	३३	३३	१५	२९	२०	१	वृषभ	
अशय	२	सो	४	५४	रौ	४१	३६	शौ	२१	२४	३	३४	३४	१५	२९	२०	२	वृषभ	
अभारक	३	म	५	५५	मृ	४२	३७	अ	१३	२५	३	३५	३५	१५	२९	२०	३	मिथुन	
सुगल	४	बु	६	५६	आ	४३	३८	सु	१३	२५	३	३६	३६	१५	२९	२०	४	मिथुन	
मिदि	५	गु	७	५७	पु	४४	३९	श	१३	२५	३	३७	३७	१५	२९	२०	५	कर्क	
उत्पात	६	शु	८	५८	पु	४५	४०	ग	१३	२५	३	३८	३८	१५	२९	२०	६	कर्क	
मानस	७	श	९	५९	आ	४६	४१	बु	१३	२५	३	३९	३९	१५	२९	२०	७	सिंह	
सुदगर	८	र	१०	६०	म	४७	४२	भु	१३	२५	३	४०	४०	१५	२९	२०	८	सिंह	
ध्वज	९	सो	११	६१	पू	४८	४३	व्या	१३	२५	३	४१	४१	१५	२९	२०	९	कुम्भा	
अ. त्र.	१०	म	१२	६२	उ	४९	४४	इ	१३	२५	३	४२	४२	१५	२९	२०	१०	कुम्भा	
प्र. व.	११	बु	१३	६३	उ	५०	४५	न	१३	२५	३	४३	४३	१५	२९	२०	११	तुल	
रुमिह	१२	गु	१४	६४	चि	५१	४६	सि	१३	२५	३	४४	४४	१५	२९	२०	१२	तुल	
गद	१३	शु	१५	६५	स्वा	५२	४७	व्य	१३	२५	३	४५	४५	१५	२९	२०	१३	तुल	
व. पू.	१४	श	१६	६६	वि	५३	४८	व	१३	२५	३	४६	४६	१५	२९	२०	१४	वृश्च	

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति
११२२	१	रवि.	० १७ १२८	५८ १३	० २८ १२४	१४ ३८ १०	१ १२ ६	४१
११२३	२	सोम.	० १७ ५९ ४१	५८ १३	१ १२ ४६ ३१	१४ ३८ १३	१ १२ ४३	४१
११२४	३	मंगल.	० १८ १० ५२	५८ १३	१ १२ २४ ४७	१४ ३८ १६	१ १२ ४०	४१
११२५	४	बुध.	० १९ ५६ २	५८ १३	२ १२ २५ ५८	१४ ३८ १९	१ १२ ४०	४१
११२६	५	शुक्र.	० २० ५४ १०	५८ १३	२ १२ २६ ४२ ४४	१४ ३८ २२	१ १२ ४०	४१
११२७	६	शुक्र.	० २१ ५२ १६	५८ १३	३ १० ४५ ४२	१४ ३८ २५	१ १२ ३९	४१
११२८	७	शनि.	० २२ ५० २०	५८ १३	३ १० ४५ ४५	१४ ३८ २८	१ १२ ३९	४१
११२९	८	रवि.	० २३ ४८ २३	५८ १३	३ १० ४५ ४८	१४ ३८ ३१	१ १२ ३९	४१
११३०	९	सोम.	० २४ ४६ २४	५८ १३	४ १० ४५ ५१	१४ ३८ ३४	१ १२ ३९	४१
११३१	१०	मंगल.	० २५ ४४ २६	५८ १३	५ १० ४५ ५४	१४ ३८ ३७	१ १२ ३९	४१
११३२	११	बुध.	० २६ ४२ २९	५८ १३	५ १० ४५ ५७	१४ ३८ ४०	१ १२ ३९	४१
११३३	१२	शुक्र.	० २७ ४० ३१	५८ १३	६ १० ४५ ६०	१४ ३८ ४३	१ १२ ३९	४१
११३४	१३	शुक्र.	० २८ ३८ ३२	५८ १३	६ १० ४५ ६३	१४ ३८ ४६	१ १२ ३९	४१
११३५	१४	शनि.	० २९ ३६ ३५	५८ १३	६ १० ४५ ६६	१४ ३८ ४९	१ १२ ३९	४१

अ. ५ वैशाख शु. ८ शनी घ. अहर्गण ५९४५ अयनांशः २२० ५५ ५५

वृषभ संक्रमणम्



र	व	म	ज	ग	श	रा
०	३	०	१०	१११	७	
२२	२४	१६	२	११५	१९	
१०	४०	१२	१४	१३९	३४	
१०	१७	२९	१०	१४३	४९	
१८	८४	४१	१०	८७३	६३	
३४	२०	३४	१२	९	१११	

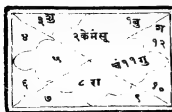
वैशाख शुक्ल १५ शनी वृषभेकः प्रवेशः
वा. ४. न. ४ वा. ना. राक्षसी। चांडाल सुखी,
नक्षत्र नाम मिश्रा पशु सोम्यदा, अपराह्ण वरा.
वैश्यानां दुःखदा दक्षिणे गमनं। नैऋत्यां दहिः
बालव करने प्रविश, बैठी मध्यम फलं। बाहन

आनंददादि योगः	सं. १९९५ सा. १८६० उपेक्ष कृष्ण पक्षः						पूर्व कारण उत्तर कारण				बाह्य हस्तैव का		तारीख				पक्षः					
	तिथि	वार	घटि	पर	नक्षत्र	योग	घटि	पर	रक्षण	घटि	पर	रक्षण	घटि	पर	दिनांक	र. उदय		क. अस्त	हिंदी	उपलम्बि	पूरुषि	इंद्रजी
सुषु	१	र	२५	६२	उजु	४२	३२	२१	३१	कौ	१	२५	३	२५	३१	३१	५	२	१४	१२	२५	कुलिक
सं. व	२	सो	२६	५७	उमे	४३	२१	२३	३५	गौ	२	२६	४	२६	३२	३२	५	३	१४	१३	२६	४६ धन
श्रीवत्स	३	म	२७	५०	सू	५६	५८	२५	३४	ब	३	२७	५	२७	५६	३८	५	४	१५	१४	२७	४६ धन
गौधम	४	बु	२८	४१	पू	६०	०	२७	३४	ब	४	२८	६	२८	५६	४१	५	५	१५	१५	२८	४६ धन
आनंद	५	शु	२९	३४	उ	६३	३३	२८	३५	कौ	५	२९	७	२९	५७	३३	५	६	१६	१६	२९	२३ मकर
विंहर	६	शु	३०	२७	उ	६५	५५	२९	३६	गौ	६	३०	८	३०	५७	३४	५	७	१६	१७	३०	२३ मकर
मातंग	७	श	३१	२०	श्र	७०	४७	३०	३७	वि	७	३१	९	३१	५७	३५	५	८	१७	१८	३१	२३ कुंभ
असुत	८	र	३२	१३	श	७३	३५	३१	३८	वि	८	३२	१०	३२	५७	३६	५	९	१७	१९	३२	२३ कुंभ
काण	९	सो	३३	६	ध	७६	२५	३२	३९	वा	९	३३	११	३३	५७	३७	५	१०	१८	२०	३३	२३ कुंभ
ए. प्र.	१०	मं	३४	५६	पू	८०	३५	३३	४०	ग	१०	३४	१२	३४	५७	३८	५	११	१९	२१	३४	३४ मीन
ए. प्र.	११	बु	३५	४९	र	८३	२५	३४	४१	वि	११	३५	१३	३५	५७	३९	५	१२	१९	२२	३५	३४ मीन
प्र. प्र	१२	शु	३६	४०	र	८६	१६	३५	४२	वा	१२	३६	१४	३६	५७	४०	५	१३	२०	२३	३६	३५ मेष
प्र. प्र	१३	शु	३७	३३	अ	८९	२७	३६	४३	ब	१३	३७	१५	३७	५७	४१	५	१४	२०	२४	३७	३५ मेष
प्र. प्र	१४	श	३८	२६	अ	९२	३८	३७	४४	वि	१४	३८	१६	३८	५७	४२	५	१५	२१	२५	३८	३५ मेष
अमं	१५	र	३९	१९	क	९५	४९	३८	४५	वा	१५	३९	१७	३९	५७	४३	५	१६	२१	२६	३९	३५ मेष

क्र. अङ्कगण	तिथि	वार	स्थ	गति	चन्द्र	गति	संग्रह	गति	
११३६	१	रवि.	१	० ३३ ५७	५७ ५१	७ ८ ८ ५६	१२ ० ५८	० २१ ३०	४१
११३७	२	मंगल.	१	१ १३ ४८	५८ ४०	७ ० १ ५१	११ ५० २२	० २२ ११	४१
११३८	३	बुध.	१	२ २१ ३०	५७ २१	८ २ १ ४०	११ ५० ३३	० २२ ५२	४१
११३९	४	शुक्र.	१	३ २२ ४४	५६ ४६	८ ३ २ ३०	११ ४० ५०	० २३ ३३	४१
११४०	५	शुक्र.	१	४ २२ १०	५६ २५	८ ५ ३ ४६	११ ४० १०	० २४ ४१	४१
११४१	६	शुक्र.	१	५ २२ ५५	५५ ४३	९ ० ४ ३६	११ ३० ३३	० २५ ५५	४१
११४२	७	शनि.	१	६ २२ २०	५५ ४२	९ १ ५ २७	११ ३० ४६	० २६ ३६	४१
११४३	८	रवि.	१	७ २३ २०	५५ ४०	९ ० १ ४४	११ २० २५	० २६ १७	४१
११४४	९	मंगल.	१	८ २३ ११	५५ ३९	९ ० ३ ४०	११ २० ४६	० २६ ५८	४१
११४५	१०	बुध.	१	९ २३ ४०	५५ ३८	९ ० ५ ३६	११ २० ४६	० २७ ३९	४१
११४६	११	शुक्र.	१	१० २४ ४८	५५ ३७	९ १ ७ ३२	११ २० ३३	० २८ २०	४१
११४७	१२	शुक्र.	१	११ २५ ४८	५५ ३६	९ १ ९ २७	११ २० ३३	० २९ ११	४०
११४८	१३	शुक्र.	१	१२ २६ ३१	५५ ३५	९ ० ७ २२	११ २० ३३	० २९ ४१	४०
११४९	१४	शनि.	१	१३ २६ ३५	५५ ३४	९ ० ९ १८	११ २० ३३	० २९ ४१	४०
११५०	१५	रवि.	१	१४ २६ ३५	५५ ३२	९ १ ११ १७	११ २० ३३	१ ० १	४०

अ. ७ उपेष्ट क. ८ रवौ । प्र. अहर्गण ५१६० अयनांशः २२°५९'१७"

मास फलम्



सू	खं	मं	उ	गु	शु	श	रा
११०	१	०	१०	२	११	७	
७	१	१६	११	७	१२	३	
१८	४४	१७	११	१५	१५	४	४४
२०	३५	११	१०	१३	२०	१	४५
१७	७७	४१	१७	८	७३	३	३
४१	२५	१०	११	१०	१४	०	११

इस महिने में हवा का वेग बहुत ही प्रचण्ड रहेगा। धान्य की मन्दी होकर यांत्रिक सामान की एका एकी तेजी होगी। राजा लोगों का परस्पर में गहरा विचार विनिमय होगा।

ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः

आनन्दादि योगः	सं १९९५ सा. १८६० उषेष्ठ शुक्ल पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			बाहर दृष्टि का		सांख्य			चन्द्रः	
	तिथि	वार	चौटे	पल	नक्षत्र	चौटे	पल	योग	चौटे	पल	करण	चौटे	पल	करण	चौटे	पल	दिनांक	र. अक्ष	रिन्दि	योगमि	पारमि		इश्वरि
																	र. अक्ष	रिन्दि	योगमि	पारमि	इश्वरि		
प्रवर्ध	१	सो.	२३	१३	रो	७	११	घृ	३८	२	ब	२३	१३	वा	४८	४७	२३	१५	१७	३०	३५	३५	मिथुन
राक्षस	२	मं.	१४	२१	सु	१७	२३	श	२८	२	को	१४	११	ते	३९	३९	२४	१६	२८	३१	३५	३५	मिथुन
गन्ध	३	बु.	१८	२७	पु	४७	२७	ग	१८	१८	ग	५२	२१	व	७५	७५	२४	१६	२८	३१	३५	३५	मिथुन
सुभ	४	गु.	१०	१०	पु	५२	१४	घ	५२	१४	ब	२४	१८	वा	५०	३०	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन
घृ	५	शु.	४४	४०	आ	३८	१३	भ	५३	१३	को	१७	१३	ते	४४	४०	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन
पय	६	श.	४०	१५	म	३५	३३	ह	४६	५३	ग	१२	७७	श	४०	१५	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन
छत्र	७	र.	३७	३५	प	३४	३१	व	४१	४१	वि	८	५५	व	३५	३५	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन
श्रीराम	८	सो.	३७	४३	उ	३५	१७	सि	३५	५४	वा	६३	५३	को	४३	४३	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन
सोम्य	९	मं.	३७	४४	ह	३७	१५	द्व	३६	५७	नै	६३	५३	ग	३७	४३	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन
ए. प्र.	१०	बु.	३५	४५	चि	४३	१३	व	३७	४७	वा	४२	५३	ते	३५	४३	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन
प्रिथर	११	शु.	४६	२१	वि	१५	५१	शि	३७	५९	को	१४	५३	नै	३५	४३	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन
प्र. प्र.	१२	श.	११	६१	सु	६०	०	सि	३८	६०	ग	११	६१	व	३५	४३	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन
अमृत	१३	श.	११	६१	सु	६०	०	सि	३८	६०	ग	११	६१	व	३५	४३	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन
जीर्णमा	१५	र.	१४	५४	सु	११३	०	सा	४१	३९	वि	२३	१७	व	५५	४३	२५	१४	२८	३१	३५	३५	मिथुन

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य		चात		चन्द्र		गति		मन्त्र		गति
			ग. अ. क. वि.	क. वि.	ग. अ. क. वि.	क. वि.	ग. अ. क. वि.	क. वि.	अ. क. वि.	अ. क. वि.	रा. अ. क. वि.	क. वि.	
११५१	१	सोम.	११४	५९	११	५७	३१	१२१	३२	२	१५	२५	४०
११५२	२	मङ्गल.	११५	५६	४२	५७	३०	२	३४	५९	१५	२२	४०
११५३	३	बुध.	११६	५४	४२	५७	२९	२	२१	३७	१५	२२	४०
११५४	४	गुरु.	११७	५१	४१	५७	२८	३	६	२६	१५	२२	४०
११५५	५	शुक्र.	११८	४९	९	५७	२७	३	५८	२२	१५	२२	४०
११५६	६	शनि.	११९	४६	३६	५७	२६	४	८	४६	१५	२२	४०
११५७	७	रवि.	१२०	४४	२	५७	२५	४	१८	४७	१५	२२	४०
११५८	८	सोम.	१२१	४१	२७	५७	२४	५	२९	४४	१५	२२	४०
११५९	९	मङ्गल.	१२२	३८	५१	५७	२४	५	२२	३०	१५	२२	४०
११६०	१०	बुध.	१२३	३६	१५	५७	२३	५	२८	६	१५	२२	४०
११६१	११	गुरु.	१२४	३३	३८	५७	२२	५	१९	३३	१५	२२	४०
११६२	१२	शुक्र.	१२५	३१	०	५७	२१	५	२२	४४	१५	२२	४०
११६३	१३	शनि.	१२६	२८	२१	५७	२०	७	४८	१६	१५	२२	४०
११६४	१४	रवि.	१२७	२५	४१	५७	२०	७	१६	५७	१५	२२	४०

अ. ९ उषेष्ठ शुक्ल ८ रवी प्रभाकर अहर्गण ५१७३ अथवा तिथि: ३२/५२/९

मास कलम्ब



र	अ	ब	स	उ	गु	शु	क्र	रा
२०	४	२	१०	६	११	७	७	७
२०	१८	५	१८	२०	२२	३	३	३
२०	४७	४१	३९	५९	४८	२८	२८	२८
२०	४७	४१	३९	५९	४८	२८	२८	२८
२०	४७	४०	१००	४८	२८	५	५	५
२०	४७	२०	१०	२०	३६	११	११	११

इस मास के आरंभ में उत्तर हिन्दुस्थान के ओर उत्पात ज्यादा प्रमाण से होंगे। (कॉला) महामारी का उपद्रव हरिद्वार तथा कुल्लू के ओर अधिक होगा। बरार तथा बम्बई प्रान्त

आषाढ कृष्ण पक्षः

आनेदादि योगाः	सं. १९९५ वा. १८६० आषाढ कृष्ण पक्षः									पूर्व करण		उत्तर करण		वाहर हस्तार का		तारीख		चन्द्रः
	तिथि	वार	छा/उ	पक्ष	नक्षत्र	छा/उ	योग	छा/उ	पक्ष	करण	छा/उ	पक्ष	करण	छा/उ	पक्ष	दिनांक	र. अक्षर	र. अक्षर
परा	१ सो	६०	०	उये	५ ३६	शु	४३ ५२	२७ २७	का	६०	०	३३	५५	११ ११	१३	११ ११	१३	३० धन
छत्र	१ म	३६	०	मू	१५ ५९	शु	४६ २३	३६ ३६	कौ	३६	३६	३६	४४	११ १२	१४	११ १२	१४	३० धन
श्रीवदन	२ बु	१७	०	पू	२० ३३	ब्र	४८ ५२	१७ १७	वा	१७	१७	४२	४४	११ १३	१५	११ १३	१५	३० मकर
च. ब्र.	३ गु	१५	१५	उ	२७ ५४	ब्र	५१ ९	१५ १६	बि	१५ १६	४८	४३	४४	११ १३	१७	११ १३	१७	३० मकर
धूल	४ शु	२०	१३	अ	३४ ५४	वै	५४ २	२० २०	का	५३ २१	२१	४३	४४	११ १३	१८	११ १३	१८	३० मकर
प्रवध	५ श	२५	१५	घ	४१ ७	वि	५४ ११	२५ २५	रा	५४ १५	२५	४३	४४	११ १३	१९	११ १३	१९	३० कुंभ
राक्षस	६ र	२९	४१	श	४६ १९	प्री	५४ ३२	२९ २९	ख	५४ ३६	३६	४३	४४	११ १३	२०	११ १३	२०	३० कुंभ
सुनल	७ सो	३३	०	पू	५४ ४७	आ	५३ २३	३३ ३३	वि	५३ ३३	३३	४३	४४	११ १३	२१	११ १३	२१	३० मीन
प्रादि	८ म	३८	२८	उ	५३ ३०	सौ	५० ४५	३८ ३८	का	५३ ३८	३८	४३	४४	११ १३	२२	११ १३	२२	३० मीन
उत्पात	९ गु	३९	३९	रे	५१ २५	शो	४६ ४४	३९ ३९	वा	५१ २५	३९	४३	४४	११ १३	२३	११ १३	२३	३० मेष
मानस	१० शु	२६	३	अ	४९ ३४	अ	४९ १९	२६ २६	बि	४९ २६	२६	४३	४४	११ १३	२४	११ १३	२४	३० मेष
ए. ब्र.	११ श	२३	५	भ	४५ ५४	सु	३४ ६१	२३ २३	वा	४५ ५४	२३	४३	४४	११ १३	२५	११ १३	२५	३० बुधम
प्रदीप	१२ रा	१६	३०	क	३४ ३५	धु	२५ ५०	१६ १६	नै	३४ ३५	३५	४३	४४	११ १३	२६	११ १३	२६	३० बुधम
प्रजापति	१३ र	५९	३०	रु	३४ १०	शु	१६ ४१	१३ १३	ख	३४ १०	३५	४३	४४	११ १३	२७	११ १३	२७	३० मिथुन
सम्प	१४ सो	५०	१७	सु	२७ ७	ग	५६ ३०	१४ १४	न	५६ ३०	३०	४३	४४	११ १३	२८	११ १३	२८	३० मिथुन

के. अहर्गण	तिथि	वार	रा. अ. क. वि.	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति
			रा. अ. क. वि.	क. वि.	रा. अ. क. वि.	अ. क. वि.	रा. अ. क.	क.
११६५	१	सोम.	१८२ २३	१५ ७ १९	७२८ ५३ ३५	११५ ३३ १३	२ ११	२ ४०
११६६	१	मङ्गल.	२०९ २०	१५ ७ १८	८१० ४६ ४८	११५ ४९ ३५	२ ११	४ ४०
११६७	२	बुध.	२०९ ७ ३८	१५ ७ १७	८२२ ३६ २२	११५ ५१ २२	२ १२	४ ४०
११६८	३	गुरु.	२१४ ५५	१५ ७ १७	९ ४२ ७ ४४	११५ ५४ २४	२ १३	३ १९
११६९	४	शुक्र.	२२१ १२	१५ ७ १६	९ १६ २२ ८	११५ ५८ ३५	२ १३	४ ४०
११७०	५	शनि.	२३१ ९ २९	१५ ७ १६	९ २८ २० ४२	११५ ६४ २४	२ १४	४ ४०
११७१	६	रवि.	२४१ ६ ४५	१५ ७ १५	१० १० २९ २८	११५ ६९ १०	२ १५	३ १९
११७२	७	सोम.	२५१ ४ ०	१५ ७ १५	१० २२ ४३ ३२	११५ ७१ १०	२ १५	४ ३९
११७३	८	मङ्गल.	२६१ १ १५	१५ ७ १५	११ ५ २९ ४२	११५ ७० ५८	२ १६	३ १९
११७४	९	बुध.	२७१ ५८ ३०	१५ ७ १४	११ १८ ३० ४०	११५ ७४ २२	२ १६	५ ८
११७५	१०	गुरु.	२८१ ५५ ४४	१५ ७ १४	१२ ५५ २	११५ ७९ ११	२ १७	३ ७
११७६	११	शुक्र.	२९१ ५२ ५८	१५ ७ १३	० १५ ४४ २	११५ ८९ ३५	२ १८	३ ७
११७७	१२	शनि.	३०१ ५० ११	१५ ७ १३	० ३३ ३६	११५ ९१ ४६	२ १८	५ १९
११७८	१३	रवि.	३१० ४७ २४	१५ ७ १३	१ १४ ४५ २२	११५ ९३ ५७	२ १९	३ ७
११७९	१४	सोम.	३२१ ४४ ३७	१५ ७ १३	१ २९ ४९ १९	११५ १० ३७	२ २०	३ ७

अ ११ आषाढ कृ. ६ भौमे । प्रयाकर अहर्गण ५१९० अयमाशाः २२०५५१११ मिथुन संकति फलम्



र	व	च	मं	उ	गु	शु	श	रा
२११	२	२	२	२	२	२	२	२
६	६	६	६	६	६	६	६	६
१२१	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
१८१	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८
२४१	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४
३०१	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०
३६१	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३६

आषाढ कृष्णा १ भौमे मिथुनेऽक प्र.
वा. ४ न. ५ वार नाम महोदरी चौर सुखी ।
नक्षत्र नाम चारा छद्म सुखी राश्यां द्वितीय
याम व्या. १ वैश्यान्वृति । पूर्वे गमनम् । अश्विनां
दृष्टि । गर करण प्रविष्टा । मध्यम फलं । बाह्यं

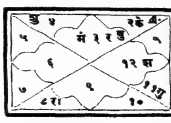
तिथि	सौर स्वष्ट रविः	जून १९३८ इ.	उत्तरायणे ग्रीष्म ऋतुः
------	-----------------	-------------	------------------------

१	१० ११ १२	पारसी जरथोस्तोदीसो ।	
२	१० ११ १२	मिथुनेर्कः ४११११ युः ३०	= चन्द्रोदय स्ट. ११३६
३	१० ११ १२	भद्रा प्रा. स्ट. २११२२ पुष्ये शुक्रः ३०० रेवत्या ३ मनिः ३००	
४	१० ११ १२	भद्रा स. स्ट. १२३४ आर्द्रा ३ मीमः २७४१ मृगे बुधः १२११ संकष्ट ४ =	
५	१० ११ १२	× उभायां ल. १ गोधूलि रे. ८॥॥॥॥॥ ग्रीष्मे सायन कर्क भातुः ४४३४	
६	१० ११ १२	भद्रा प्रा. स्ट. १८१२० मिथुने बुधः १७५०	
७	१० ११ १२	भद्रा स. स्ट. ६४७७ काला ८	
८	१० ११ १२	आर्द्रायां रविः ४०३७ वा. मण्डूक ज्ञी. पु. चं. स. आर्द्रा ४ मीमः ३२१९×	
९	१० ११ १२	भद्रा प्रा. स्ट. ६११८ रात्रौ आर्द्रायां बुधः २०१२७ रेवत्या ल. गोधूलि रे. ७ ॥॥॥॥॥	
१०	१० ११ १२	भद्रा स. स्ट. १७४० वकी गुरुः	
११	१० ११ १२	योगिनी ११ सर्वेषां	
१२	१० ११ १२	शनि प्रदायः ।	• शुक्रः ४३५७ शिवरात्रिप्रतम्
१३	१० ११ १२	भद्रा प्रा. स्ट. ९५५ भद्रा स. स्ट. ६११९ रात्रौ पुनर्वसु १ मीमः ४०० आश्लेषा •	
१४	१० ११ १२	सोमवति पुण्यं । दश ३० अन्वाधानं ।	

तिथि	पुष्य		गातं		गुरु		गति		शुक्र		गति		शनि		गति		राहु		गति						
	रा.	अं. क.	अं. क.	क.	रा.	अं. क.	क.	क.	रा.	अं. क.	अं. क.	क.	रा.	अं. क.	अं. क.	क.	रा.	अं. क.	अं. क.	क.					
१	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	२०	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	१०
२	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	२२	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
३	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	२४	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
४	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	२६	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
५	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	२८	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	१०
६	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	३०	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
७	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	३२	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
८	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	३४	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
९	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	३६	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
१०	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	३८	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
११	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	४०	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
१२	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	४२	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
१३	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	४४	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११
१४	११	१२	१३	२	४	१०	११	१२	१	३	०	४६	१	१२	१	१२	८	५	७	२	३	४	५	३	११

सकलफलम् अ. १२ आपाङ्क क. ३० संमि प्रभाकर अहर्गण ५९९६ अयनांशः २२०५२११३"

इस्ती । उपवादनं खर । लक्ष्मीकारक । लाल वस्त्रं
घनुषापुत्र । लोह पात्रं । पय मधुगं । गोरचन
लेपनं । पशु जाति । बिल्व पुष्प । मुकट मुषणं ।
सित कंचुकी । प्रीदावस्त्रा । (वैरी) मुहूर्तः ३०
शुक्रोदयः पश्चिमे । वस उत्तरे । राहुः पश्चिमे ।
मूल स्वर्गं । विवाहस्तोत्रमग्नि कौण ।



र	च	म	सु	शु	क्र	रा
२	२	२	२	२	२	७
११	२९	२०	१६	११	६	१
४४	१९	१३	१४	१०	५	५०
७७	१९	१३	१४	१०	५	१६
५७	१९	१३	१४	१०	५	३
२३	२१	१०	०	०	३	११

श्रावण कृष्ण पक्षः

अव्यय/योगः	सं. १९५५ श. १८६० आवण कृष्ण पक्षः						पूर्व करण		उत्तर करण		शहर बुन्दौर का		तारीख		चम्पूः							
	तिथि	वार	घटि	पक्ष	नक्षत्र	घटि	पक्ष	योग	घटि	पक्ष	करण	घटि	पक्ष	दिनमान		र. उदय	र. अस्त	हिन्दी	ग्रेगोर्न	बि.सी		
वज्र	१	बु	४०	५६	उ	४२	२६	वै	६	४४	वा	८	३१	५०	५६	३३	३७	२९	१४	११	१३	मकर
ध्वज	२	शु	४६	५२	अ	४९	२०	वि	१०	३८	ते	८	३१	५०	५६	३३	३७	३०	१५	१२	१४	मकर
धाता	३	सु	५०	४४	ब	५५	१८	मि	१०	३८	ब	१८	२५	५०	५६	३३	३७	३१	१६	१३	१४	कुंभ
च. व्र.	४	शु	४६	४६	श	६०	२८	आ	११	३८	ब	१८	२५	५०	५६	३३	३७	३१	१६	१३	१४	कुंभ
नाग प.	५	र	५०	४०	श	५९	२८	सो	१२	३८	की	२६	३६	५०	५६	३३	३७	३२	१८	१५	१३	कुंभ
मयः	६	सो	५४	३४	प	५९	३०	जो	१०	३८	व	१८	२५	५०	५६	३३	३७	३२	१९	१६	१४	मीन
सिद्धः	७	म	५४	३४	उ	५९	३०	जो	१०	३८	वि	१८	२५	५०	५६	३३	३७	३२	१९	१६	१४	मीन
स्युधु	८	बु	५०	३२	र	५९	३०	सु	१०	३८	वा	१८	२५	५०	५६	३३	३७	३२	१९	१६	१४	मेघ
पद्म	९	शु	५४	३४	अ	५९	३०	म	१०	३८	ते	१८	२५	५०	५६	३३	३७	३२	१९	१६	१४	मेघ
उन्न	१०	शु	५४	३६	म	५९	३०	घ	११	३८	ग	२६	३६	५०	५६	३३	३७	३२	१९	१६	१४	पुष्य
च. व्र.	११	र	५४	३६	क	६०	३०	व	१२	३८	व	१८	२५	५०	५६	३३	३७	३२	१९	१६	१४	पुष्य
प्र. व्र.	१२	र	५४	३६	भ	६०	३०	ध	१३	३८	का	२६	३६	५०	५६	३३	३७	३२	१९	१६	१४	श्रवण
काल	१३	सो	५८	३२	रो	६०	३०	ध	१४	३८	का	२६	३६	५०	५६	३३	३७	३२	१९	१६	१४	श्रवण
शिवर	१४	म	५८	३२	पु	६०	३०	व	१५	३८	श	१८	२५	५०	५६	३३	३७	३२	१९	१६	१४	श्रवण
अमा	१५	बु	५८	३२	पु	६०	३०	व	१६	३८	ना	१८	२५	५०	५६	३३	३७	३२	१९	१६	१४	कृत्त

क. अहरण	तिथि	वार	सूय	गति	चन्द्र	गति	मङ्गल	गति
			रा. अं. क. वि.	क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क. वि.	रा. अं. क.	क.
११९५	१	बुध.	१० २६ ५९	५७ १३	१० ३० ५०	११ ५६ ५०	३० १३ ७	३९
११९६	२	शुक्र.	१० २७ ७५	५७ १३	१० २८ ४०	११ ० २१	३० ११ ६	३९
११९७	३	गुरु.	१० २८ ४१	५७ १४	१० २५ २०	११ २ ५१	३० ९ ३	३९
११९८	४	शनि.	१० २९ १३	५७ १४	१० ७ ३५ ५९	११ १४ ४५	३० ७ ३	३९
११९९	५	रवि.	३० ४८ ४६	५७ १५	१० १९ ४९	११ १६ ५८	३० ५ ३	३९
१२००	६	सोम.	३० १६ ११	५७ १५	११ २ १४ ४६	११ ३९ १०	३० ३ २	३९
१२०१	७	मङ्गल.	२० २४ १६	५७ १६	११ १५ ५४	११ १६ १०	३० १ १	३९
१२०२	८	बुध.	२० ३० ३०	५७ १६	११ २७ ५० २०	११ १६ २०	३० ५ ०	३९
१२०३	९	शुक्र.	२० ३७ ४७	५७ १७	० १४ ६ २२	११ ३४ १९	३० ३ ९	३९
१२०४	१०	गुरु.	५ १५ ३१	५७ १७	० १४ ३७ ३७	११ ४३ ४९	३० १ ८	३९
१२०५	११	शनि.	६ २२ २०	५७ १८	१ ८ ३३ ७	११ २२ ४९	३० ७ ७	३९
१२०६	१२	रवि.	७ २९ २०	५७ १८	१ १७ ३७	११ ३४ ४९	३० ७ ७	३९
१२०७	१३	सोम.	८ २६ १६	५७ १९	१ १४ ५२	११ ६ २९	३० ८ ५	३९
१२०८	१४	मङ्गल.	९ २४ १६	५७ १९	१ २० १३	११ १८ २९	३० ६ ४	३९
१२०९	१५	बुध.	१० २१ ३५	५७ २०	१ ३३ ११	११ ८ ५९	३० ५ ३	३९

अ. १५ भावण कृ. ८ बुधे प्रभाकर अहर्गण ५२१९ अयनांशः २२°५९'१५"

कर्म संक्रांतिकलम्



र	खं	मं	ड	गु	श	रा
११	३	१०	४	११	७	
२७	५	२८	८	२४	०	
५०	१०	६	७	५६	५०	३७
३१	२०	१३	२२	२७	३६	११
५७	७५	३५	८३	५६	१	३
१६	२	११	३३	६	०	१३

भावण कुण्णे ४ शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा.
५ न. ५ वा. ना. राश्वरी न. ना. महोदरी
चौर सुखी चांडाल सुखी अपराह व्या. वैश्या-
नृति दक्षिणेगमनम्. नैर्ऋत्यादृष्टि, वव करणे प्र.
मध्यम फलं. सिंह वाहनं गज उपवाहनं. भीति

द. आषाढ कृष्ण पक्षः

१७

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	जुलाई १९३८ इ.।	उत्तरायणे ग्रीष्म-वर्षा ऋतुः।
१	२३	२३	मद्रा प्रा. स्टैं. १३।४९ मद्रा स. स्टैं. २।४५
२	२४	२४	संकष्ट ४ चं. उ. स्टैं. २१।२९ कर्कटके: ८।५३ सु. १५ गु. चं. यु.
३	२५	२५	नाग ५ देशाचारे। पुष्ये १ भौमः १०।४७
४	२६	२६	मद्रा प्रा. स्टैं. ६।१७ रात्री।
५	२७	२७	मद्रा स. स्टैं. १८।६ पुष्ये रविः ३८।३० बा. जम्बुक स्त्री. पू. चं. चं. पू. का. शुक्रः २७।२५
६	२८	२८	काला ८ श. चं. यु.
७	२९	२९	मया सिंहें बुधः २२।४१
८	३०	३०	मद्रा प्रा. स्टैं. १६।४६ मद्रा स. स्टैं. २।२२ रात्री। पुष्ये २ भौमः १८।२७
९	३१	३१	कामिका ११ सर्वेपां। व्यतिपात महापात मोंक्ष स्टैं. २०।४१ वर्षा सायन +
१०	३२	३२	प्रद्योप + सिंहें मानुः २९।४७
११	३३	३३	मद्रा प्रा. स्टैं. १७।० मद्रा स. स्टैं. २।१ शिवरात्रिव्रतम्। भौ. र. युतिः ५।२।३
१२	३४	३४	
१३	३५	३५	
१४	३६	३६	
१५	३७	३७	
१६	३८	३८	
१७	३९	३९	
१८	४०	४०	
१९	४१	४१	
२०	४२	४२	

तिथि	बुध	शुक्र	मंगल	शनि	रवि	शुक्र	मंगल	शनि	रवि	शुक्र	मंगल	शनि	रवि
रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.
१	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५
२	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६
३	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७
४	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८
५	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९
६	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
७	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१
८	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२
९	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३
१०	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४
११	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५
१२	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६
१३	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७
१४	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८
१५	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९

संक्रान्ति फलम्

अ. १६ श्रावण कृष्ण ३० बुधे। प्रभाकर अहिराण ५२२६ अवनांशाः २२°५१'१६"

फलं खेत वनं भूखंडी आयुषं सुवर्ण पात्रं अज
मक्षणं करतुरी लपनं। देवजाति। पुत्रागपुत्र।
पिरोजा भूषणं विचित्र कंचुकी। बासपावसा।
(नैडी) सुहृताः १५ शुक्रोदय पश्चिमे। वस
उत्तरे। राहु पश्चिमे। मूल भूमी।



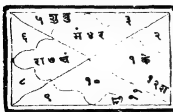
र	च	मं	शु	गु	शु	का	ग
३	३	३	४	१	३	३	३
१०	१	१	३	३	३	३	३
२१	३	३	३	३	३	३	३
३१	३	३	३	३	३	३	३
४१	३	३	३	३	३	३	३
५१	३	३	३	३	३	३	३
६१	३	३	३	३	३	३	३
७१	३	३	३	३	३	३	३
८१	३	३	३	३	३	३	३
९१	३	३	३	३	३	३	३

आवृत्ति योगः	सं. १९९५ सा. १८६० श्रावण शुक्ल पक्षः										पूर्व कारण		उत्तर कारण		शुद्धीकरणः		तारीख		चन्द्रः					
	दि	वार	घटि	पल	नक्षत्र	घटि	पल	योग	घटि	पल	कर्म	घटि	पल	कर्म	घटि	पल	दिनम	र		अस्त	हान्द	पुनर्दि	वृत्ति	म
																	दिनम	र		अस्त	हान्द	पुनर्दि	वृत्ति	म
मिजरा	१	ग	४९	४८	आ	२३	४५	व्य	४४	३	वा	२५	५९	का	५९	४६	१	३	२९	२८	२३	१५		
तीज	२	शु	४८	३६	म	१९	२७	व	३५	५५	त	१६	१८	मा	५२	५८	२	३	२९	२८	२४	१६		
मिज	३	श	३६	५०	पु	१४	५४	प	२७	४९	व	९	४५	नि	३६	५९	३	३	२९	२८	२५	१६		
मिज	४	र	३२	५९	उ	१२	१३	वि	२९	३९	व	४	५५	वा	३२	५९	४	३	२९	२८	२६	१६		
वज्र	५	सा	३१	११	ह	११	५	म	१३	१४	श	३	५५	न	३१	५९	५	३	२९	२८	२७	१६		
ध्याल	६	म	३१	२९	नि	१०	५७	सा	१४	३५	श	१	२७	व	३१	५९	६	३	२९	२८	२८	१६		
बुधपु	७	बु	३३	११	या	१६	३९	शु	१३	२७	वि	३	४०	व	३१	५९	७	३	२९	२८	२९	१६		
प्रवध	८	गु	३७	५८	वि	२०	१२	शु	१३	५५	श	५	५१	का	३०	५९	८	३	२९	२८	३०	१६		
राधप	९	शु	४०	३२	शु	२८	७	व	१५	५७	नै	१०	४५	श	३०	५९	९	३	२९	२८	३१	१६		
ए. म.	१०	श	४५	५४	जे	३५	५४	म	१७	५७	व	१६	३८	वि	५९	५९	१०	३	२९	२८	३२	१६		
ए. म.	११	र	५५	५५	भ	३३	५५	वि	३५	५७	व	१७	५५	वि	५९	५९	११	३	२९	२८	३३	१६		
प्रदाप	१२	सा	५०	७	पु	५१	६	वि	३३	५५	का	३५	५५	न	६०	५९	१२	३	२९	२८	३४	१६		
मिजि	१३	म	२३	३	उ	४८	५	मि	२५	५७	न	३७	५५	उ	५९	५९	१३	३	२९	२८	३५	१६		
उष	१४	बु	३७	७	अ	५७	७	अ	२७	५७	वि	३७	५५	उ	५९	५९	१४	३	२९	२८	३६	१६		
सावभा	१५	गु	१२	१५	अ	४७	५	अ	२८	५५	व	३८	५५	उ	५९	५९	१५	३	२९	२८	३७	१६		

के. अहमण	मि	वार	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मङ्ग	गति
के. अहमण	मि	वार	रा. अ. क. वि.	क. वि.	रा. अ. क. वि.	क. वि.	रा. अ. क. वि.	क. वि.
१२१०	२	शु	३१ १८ १५	५७ २१	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२११	३	शु	३१ १८ १५	५७ २२	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२१२	४	शु	३१ १८ १५	५७ २३	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२१३	५	शु	३१ १८ १५	५७ २४	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२१४	६	शु	३१ १८ १५	५७ २५	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२१५	७	शु	३१ १८ १५	५७ २६	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२१६	८	शु	३१ १८ १५	५७ २७	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२१७	९	शु	३१ १८ १५	५७ २८	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२१८	१०	शु	३१ १८ १५	५७ २९	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२१९	११	शु	३१ १८ १५	५७ ३०	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२२०	१२	शु	३१ १८ १५	५७ ३१	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२२१	१३	शु	३१ १८ १५	५७ ३२	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२२२	१४	शु	३१ १८ १५	५७ ३३	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९
१२२३	१५	शु	३१ १८ १५	५७ ३४	३२ ३४ २०	१४ ५४ ५८	३१ ० २२	३९

अ. १७ श्रावण शु. ८ बुध पञ्चाङ्ग अहमण ५२३३ अयनांशः २२०.५९/१६"

साय कलम्



र	च	मं	उ	गु	श	रा
३	६	३	१०	४	११	६
१७	१८	१४	१४	६	२९	२९
३३	३६	१०	१४	४	५७	५७
१४	१७	१३	१०	४	२८	२८
१७	५९	१९	४९	७	८०	८०
२६	३७	१०	१४	७	०	११

वृष्टि के अधिक होने से सिन्ध तथा
यू. पी. प्रान्त में और यमुना किनारे के बाहरी
में अधिक हाजि होगी। प्रजा और राजा के
बीच प्रजा को सौतेल पहुंचाने योग्य व्यवहार

भाद्रपद कृष्ण पक्षः

आमंदादि योगाः	सं १९९५ श. १८६० भाद्रपद कृष्ण पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		शहर हन्तर का		तारीख				चन्द्रः		
	तिथि	वार	घंटे	पल	नक्षत्र	घंटे	पल	योग	घंटे	पल	करण	घंटे	पल	करण	घंटे	पल	दिनमान	र. उदय	र. अस्त	हिन्दी		मुसलिम	पारसी
विजि	१	शु	१६	१३	ध	१०	३	शो	२८	१९	को	६	१३	ने	४७	३४	७२	६	२८	१५	११	१२	कुंभ
आनंद	२	श.	१९	१५	दा	१६	४२	अ	२८	३९	ग	१९	१५	वि	५०	१४	१७	५	२९	१६	१२	१३	कुंभ
व. म.	३	र	२५	१३	पू	१८	४४	सु	२७	५१	वि	२९	१३	ब	५४	१६	५	१९	३०	१७	१३	१४	मीन
गदः	४	सो.	२२	४	उ	२१	४७	धृ	२६	२३	वा	२२	३५	को	५२	५८	१४	५	१८	१८	१४	१५	मीन
शुभ	५	मं.	२३	७	र	२३	४७	श	२४	१३	नै	२३	३	ग	५२	२१	६	५८	३२	१९	१५	१६	मीन
सुख	६	बु.	२४	१७	अ	२४	३१	ग	२१	१७	वि	५१	१८	वि	५१	१८	६	५७	१२	१८	१६	१७	मीन
पद्म	७	गु.	२०	१९	भ	२४	१७	वृ	१६	४३	ब	२०	१९	वा	४८	१८	५	५६	३२	१७	१८	१७	मीन
जन्माष्टमी	८	शु.	१६	५७	कृ	२२	१०	प्र	११	२९	को	१७	१७	ते	४४	१५	२	५८	३२	१८	१८	१९	मीन
श्रीवत्स	९	श	१२	१३	रो	१९	३९	व्या	५	५३	ग	१०	१३	ब	३९	३०	३	५७	३२	१९	१८	२०	मीन
क्षय	१०	र	१४	५७	सु	१५	२७	व	४९	२०	वि	६	१४	ब	५७	३०	५	५६	३२	१९	१८	२०	मीन
ए. म.	१२	ता.	११	११	आ	११	१८	मि	४०	१६	को	२३	११	ते	५१	११	६	५३	३२	१९	१८	२०	मीन
प्र. म.	१३	मं	१३	०	पु	१८	५८	व्य	३०	८८	ग	१७	५	ब	४३	०	५	५२	३२	१९	१८	२०	मीन
शमन	१४	बु.	२६	३७	आ	११	३६	व	२१	११	वि	८	४८	वि	३४	३४	८	५१	३२	१९	१८	२०	मीन
अमा	२०	गु	२६	२८	म	१४	३६	प	११	३९	ज	२८	२८	र	५२	४६	९	५०	३२	१९	१८	२०	मीन

क. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा. अ. क. वि.	गात क. वि	चन्द्र रा. अ. क. वि.	गति अ. क. वि.	मं. अ. रा. अ. क.	गति क.
१२२५	१	शुक्र.	३२५ ४० ४५	५७ ३६	१० ४ ३६ १८	१२२० १३	३ २० ३	३८
१२०६	२	शनि.	३२६ ३८ २१	५७ ३७	१० १६ ५३ ३१	१२२० १०	३ २० ४ १	३८
१२२७	३	रवि.	३२७ ३५ ५८	५७ ३८	१० २९ २५ ४१	१२३० ३३	३ २१ १ ९	३८
१२२८	४	मंग.	३२८ ३३ ३६	५७ ४०	११ १३ १३ १४	१२४० ३६	३ २१ ५ ७	३८
१२२९	५	मङ्गल	३२९ ३१ १६	५७ ४१	११ २४ ५१ ४०	१३ ३२ १	३ २२ ३ ५	३८
१२३०	६	बुध.	० २८ ५७	५७ ४२	० ७ ५५ १	१३ १५ २२	३ २३ १ ३	३८
१२३१	७	शुक्र	४ १२ ६ ९	५७ ४३	० २१ १० २३	१३ ३३ ३३	३ २३ ५ १	३८
१२३२	८	शुक्र	४ २२ ४ २२	५७ ४४	१ ४ ४४ ५६	१३ ५७ ४५	३ २४ २ ९	३८
१२३३	९	मं.	४ २२ ६	५७ ४६	१ १८ १९ २२	१४ १७ ९	३ २४ ७	३८
१२३४	१०	रवि	४ ४१ ५ ५२	५७ ४७	२ २ ५६ ३१	१४ ३० ५८	३ २५ ४ ५	३८
१२३५	११	मंग.	४ ५१ ७ ४०	५७ ४९	२ १० २७ २९	१४ ४४ २५	३ २५ ९ ३	३८
१२३६	१२	मङ्गल	४ ६ १२ ५१	५७ ५०	३ १४ १ ५४	१४ ५४ २२	३ २७ १	३८
१२३७	१३	बुध.	४ ७ १३ १९	५७ ५२	३ १७ १० १६	१४ ५४ ५७	३ २८ १	३८
१२३८	१४	शुक्र	४ ८ १३ ११	५७ ५३	४ २ ५ १३	१४ ५४ ५७	३ २८ १७	३८

अ. ५९ भाद्रपद कृष्ण ८ शुक्र प्रभाकर अहर्गण ५२७९ अयनांशः २२°५९'१५"

विंश भूकानि फलम्



र	ब	म	बु	गु	शु	ज	रा
४	१	३	४	१०	५	११	६
४	४	२	४	१८	४	१७	२९
२४	४	२	९	३४	४	३१	४२
२२	५	६	१०	९	७	३	१४
५७	८	३	१८	२८	८	६	२३
४४	३	६	०	४	५	७	०

भाद्रपद कृष्ण ५ भोगे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४
न. ५ वा. ना. महोदरी, चौर सुखी, न. ना.
प्राची वैश्यामुखरा पूर्वाङ्गव्यापिनी पिशाचाच्च
हन्ति, पश्चिमे गमनम्, वायव्यां दष्टिः, गर
करणे प्र. मध्यम फलं. हस्तीवाहनं. उपवाहनं

द. श्रावण कृष्ण पक्ष: १६.२६७ २१/२३१

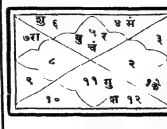
तिथि	सौर स्वर्ग रवि:	अगस्त १९३८ इ.	उत्तरायणे वर्षा ऋतु: उत्सुकालख
१	२३	हस्ते शुक्र: १२।५५ गु. चं. यु.	
२	२३	भद्रा प्रा. स्ट. रात्री ३।२१	
३	२३	भद्रा स. स्ट. १६।३२ सकष्ट ४ चं. उ. स्ट. २०।४३ वकी वृषा:	
४	२३		
५	२३	मघा सिंहक: २९।५३ सु. ३० वा. अश्व. ली. पू. चं. च. व्यतीपात म. स्पर्श स्ट. ४।१८	
६	२३	भद्रा प्रा. स्ट. १५।२२ भद्रा स. स्ट. रात्री २।५८ आले ३ भौम: ११।३३ महापात मोक्ष ११।०	
७	२३	कृष्णजन्म ८ स्मार्त। काला ८	
८	२३	कृष्णजन्म ८ भागवत	
९	२३	भद्रा प्रा. स्ट. डा. २२।७ गोगा नवमी	
१०	२३	भद्रा स. स्ट. ८।५५ अजा ११ स्मार्त	
११	२३	अजा ११ भागवत। गोवत्स पूजन। आले ४ भौम: २६।५१	
१२	२३	भद्रा प्रा. स्ट. २३।३९ भौम प्रदोष। सायन कन्यायां भानु: ४६।५२	
१३	२३	भद्रा स. स्ट. १।५८ चित्रायां शुक्र: २०।५७ श्री अहल्यात्सव:। मं. चं. यु.	
१४	२३	कुस ग्रहणम्। सती पूजनम्। लोहागल यात्रा। बु. चं. यु.	

तिथि	रा. अं. क.	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.
१	४.११.२२	०.१२	१०.५३.८	व. ७	५.१५.६	१.५	११.२४.५१	व. १	६.२९.२४	३.११
२	४.११.२४	०.५	१०.५३.१	८	५.१०.५१	१.५	११.२४.५०	१	६.२९.२०।५२	३.१०
३	४.११.२५	व. ०	१०.५३.२	८	५.११.५६	१.५	११.२४.४९	१	६.२९.१७.४२	३.११
४	४.११.२६	०.६	१०.५३.५	८	५.१३.१	१.५	११.२४.४८	१	६.२९.१४.३१	३.११
५	४.११.२७	०.१२	१०.५३.७	८	५.१४.६	१.४	११.२४.४७	१	६.२९.११.२०	३.११
६	४.११.२८	०.१८	१०.५३.९	८	५.१५.१०	१.४	११.२४.४६	१	६.२९.८.११	३.११
७	४.११.३०	०.२६	१०.५३.१	८	५.१६.१४	१.४	११.२४.४४	२	६.२९.४.५८	३.१०
८	४.१८.३४	०.२५	१०.५३.३	८	५.१७.१८	१.४	११.२४.४२	२	६.२९.१.४८	३.११
९	४.१८.३८	०.३५	१०.५३.५	८	५.१८.२२	१.४	११.२४.४०	३	६.२८.५८.३७	३.११
१०	४.१८.३२	०.३९	१०.५३.७	८	५.१९.३६	१.४	११.२४.३७	३	६.२८.५५.२६	३.११
११	४.१८.३६	०.४७	१०.५३.९	८	५.२०.३०	१.४	११.२४.३५	३	६.२८.५२.१५	३.१०
१२	४.१८.४०	०.४६	१०.५३.१	८	५.२१.३४	१.४	११.२४.३३	३	६.२८.४९.५	३.११
१३	४.१८.४०	०.५५	१०.५३.३	८	५.२२.३८	१.३	११.२४.३८	३	६.२८.४६.४६	३.११
१४	४.१८.४१	व. ०	१०.५३.५	८	५.२३.४१	१.३	११.२४.३५	व. ३	६.२८.४३.३६	३.११

संक्रांति फलम्

ख. २० भाद्रपद कृ. ३० गुरी प्रभाकर अहर्गण ५२५५ अवनोशा: २२.०.५५.१३.२

खर: लक्ष्मी कारक: रक्त वल्लं धनुषायुधं. लोह पात्रे. पय भक्षणं गोरोचन लेपनं पशु जाति विलंब पुष्पं मुकुट भूषणं सित कलुषी प्रौढावस्था (वैडी) मु. ३० वत्स: पूर्वे, राहु उत्तरे, गुरु स्वर्गे, शुक्रोदय पश्चिमे।

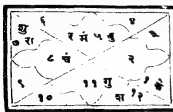


र	च	म	ग	बु	शु	श	रा
४	४	३	४	१०	५	११	६
८	२	८	४	३	२	२	२
११	५	१७	२	५	५	१	५
११	१	३	९	५	४	६	४
५	१७	८	३	५	८	६	३
५	३	४	१०	१	७	०	१

अर्चनार्थी योगः	सं. १९९५ सा. १८६० भाद्रपद शुक्ल पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		वाहर हस्तार का		तारीख		चन्द्रः
	तिथि	वार	घटित	पल	नक्षत्र	घटित	पल	योग	घटित	पल	का	घटित	पल	का	घटित	पल	दिनांक	सुगम	
सिद्धि	१ शु	१९	३	५	३५	३३	शि	३५	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कन्या
उत्थान	२ रा	१९	५	७	३७	५२	रा	३७	५२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कन्या
हस्ता	३ म	१९	७	९	३९	५३	शु	३९	५३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कन्या
सुभ्रः	४ रा	१९	९	११	४१	५४	शु	४१	५४	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
स्वजः	५ म	१९	११	१३	४३	५५	शु	४३	५५	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
धारा	६ शु	१९	१३	१५	४५	५६	म	४५	५६	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
अनन्द	७ गु	१९	१५	१७	४७	५७	म	४७	५७	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
चर	८ शु	१९	१७	१९	४९	५८	म	४९	५८	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
सिद्धि	९ श	१९	१९	२१	५१	५९	म	५१	५९	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
रवि द	१० म	१९	२१	२३	५३	६०	म	५३	६०	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
ए. न.	११ रा	१९	२३	२५	५५	६१	म	५५	६१	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
मानसा	१२ म	१९	२५	२७	५७	६२	म	५७	६२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
प्रदाप	१३ शु	१९	२७	२९	५९	६३	म	५९	६३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
अनत	१४ गु	१९	२९	३१	६१	६४	म	६१	६४	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
पौर्णिमा	१५ श	१९	३१	३३	६३	६५	म	६३	६५	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	कुल
के. अर्चन	तिथि	वार	रा.	अं.	क. वि.	क. वि.	रा.	अं.	क. वि.	क. वि.	रा.	अं.	क. वि.	क. वि.	रा.	अं.	क. वि.	क. वि.	मंगल
१२३९	१ शुक्र.	४	९	४	५३५५	५३५५	४	९	४	५३५५	५३५५	४	९	४	५३५५	५३५५	४	९	४
१२४०	२ शनि.	४	१०	६	५३५६	५३५६	४	१०	६	५३५६	५३५६	४	१०	६	५३५६	५३५६	४	१०	६
१२४१	३ रवि.	४	११	७	५३५७	५३५७	४	११	७	५३५७	५३५७	४	११	७	५३५७	५३५७	४	११	७
१२४२	४ मंगल.	४	१२	८	५३५८	५३५८	४	१२	८	५३५८	५३५८	४	१२	८	५३५८	५३५८	४	१२	८
१२४३	५ बुध.	४	१३	९	५३५९	५३५९	४	१३	९	५३५९	५३५९	४	१३	९	५३५९	५३५९	४	१३	९
१२४४	६ शक्र.	४	१४	१०	५३६०	५३६०	४	१४	१०	५३६०	५३६०	४	१४	१०	५३६०	५३६०	४	१४	१०
१२४५	७ शनि.	४	१५	११	५३६१	५३६१	४	१५	११	५३६१	५३६१	४	१५	११	५३६१	५३६१	४	१५	११
१२४६	८ रवि.	४	१६	१२	५३६२	५३६२	४	१६	१२	५३६२	५३६२	४	१६	१२	५३६२	५३६२	४	१६	१२
१२४७	९ मंगल.	४	१७	१३	५३६३	५३६३	४	१७	१३	५३६३	५३६३	४	१७	१३	५३६३	५३६३	४	१७	१३
१२४८	१० बुध.	४	१८	१४	५३६४	५३६४	४	१८	१४	५३६४	५३६४	४	१८	१४	५३६४	५३६४	४	१८	१४
१२४९	११ शक्र.	४	१९	१५	५३६५	५३६५	४	१९	१५	५३६५	५३६५	४	१९	१५	५३६५	५३६५	४	१९	१५
१२५०	१२ शनि.	४	२०	१६	५३६६	५३६६	४	२०	१६	५३६६	५३६६	४	२०	१६	५३६६	५३६६	४	२०	१६
१२५१	१३ रवि.	४	२१	१७	५३६७	५३६७	४	२१	१७	५३६७	५३६७	४	२१	१७	५३६७	५३६७	४	२१	१७
१२५२	१४ मंगल.	४	२२	१८	५३६८	५३६८	४	२२	१८	५३६८	५३६८	४	२२	१८	५३६८	५३६८	४	२२	१८
१२५३	१५ बुध.	४	२३	१९	५३६९	५३६९	४	२३	१९	५३६९	५३६९	४	२३	१९	५३६९	५३६९	४	२३	१९
१२५४	१६ शक्र.	४	२४	२०	५३७०	५३७०	४	२४	२०	५३७०	५३७०	४	२४	२०	५३७०	५३७०	४	२४	२०

अ. २१ भाद्रपद सा. ८ दृष्टिः प्रभाकर अर्चन ५२६३ अयनशिशः ००१५ १००

११ म फलसू



सु	च	म	उ	गु	श	रा
४	७	४	१०	६	११	६
५	११	३	७	२	१२	७
६	२५	२०	३५	२	१३	८
७	२८	१०	९	६	१४	९
८	३०	२३	८	२	१५	१०
९	३२	१	६	३	१६	११

यह मान खानदेश तथा निजामदेवादा
और नगर जिले में पानी की खेच अधिक
प्रमाण से कराया। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर
आदि में वर्षा उत्तम होकर फसल की पैदाईस

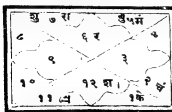
आश्विन कृष्ण पक्षः

आश्विनदि योगः	सं. १९९५ श. १८६० आश्विन कृष्ण पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		शहर हस्तोर का		तारीख		चन्द्रः
	तिथि	वार	चटि पल	नक्षत्र	चटि पल	योग	चटि पल	करण	चटि पल	करण	चटि पल	विमान र. उदय	र. अस्त	विमान र. उदय	र. अस्त	सुवासि	पारसि	इम्वी	
																सुवासि	पारसि	इम्वी	
कालदण्ड	१ श.	५९ १०	पू	३४ १४	शू	४४ ५२	वा	२२ २७	कौ	५९ १०	३०	६	३५ १५	१०	२०	मीन			
स्थिर	२ रा.	५४ १०	उ	३६ १८	मे	४२ २७	नै	२६ ४०	ग	५४ १०	५०	१४	३४ ३६	१६	११	मीन			
मानस	३ सो.	४८ ३४	के	३७ ३३	वृ	३९ २४	व	२९ २२	वि	४८ ३४	१५	३३	२७ १७	७ २२	३०	मेष			
न. म.	४ म.	४० १०	अ	३८ ११	ध्रु	३५ ४३	ब	३७ १५	वा	४० १०	४३ १५	३२	२८ १८	८ २३	३१	मेष			
काण	५ शु.	३६ १६	भ	३७ ३६	व्या	३१ १९	की	३६ ४३	नै	४६ १६	४० १६	३१	२९ १५	९ २४	३२	वृषभ			
लुबक	६ गु.	३१ ४२	कु	३६ २०	ह	२६ १५	ग	३३ ५९	व	४१ ४२	३७ १६	३०	२८ १०	१० २५	३३	वृषभ			
मित्र	७ शु.	३७ ३९	रा	३४ १४	व	२० २९	वि	४४ ४०	य	३७ ३५	३१ १६	२९	२९ ११	११ २६	३४	वृषभ			
वज्र	८ श.	३२ ५२	सु	३१ १९	सि	१५ २१	वा	५ ११	कौ	३२ ५२	४० १६	२९	२९ ११	१२ २७	३५	मिथुन			
धृति	९ रा.	२७ १९	आ	२७ ४१	व्य	१० ३७	नै	३७ १५	व	४० १०	४३ १५	३०	२८ १०	१३ २८	३६	मिथुन			
धूमः	१० सो.	२१ १६	पु	२८ ३४	प	५१ २१	नि	३१ ६	व	४० १०	४३ १५	२७	२८ १०	१४ २९	३७	कर्क			
ए. म.	११ मं	१४ ३६	पु	२८ ४६	शि	४२ ४२	वा	१४ ३६	कौ	३२ ५२	४० १६	२९	२९ ११	१५ ३०	३८	कर्क			
प्रदोष	१२ बु.	७ ५९	आ	१३ ५०	सि	३८ ३०	नै	३८ ३०	ग	३६ ४०	३० १८ २५	५ २६ १६	२९	१६ ३१	३९	सिंह			
शय	१३ गु.	५९ ३३	म	९ १६	सा	२७ ४५	व	३१ ११	वा	४० १०	४३ १५	२७	२८ १०	१७ ३२	४०	सिंह			
अमा.	१४ शु.	४९ ४१	पू	७ १०	शु	१९ १३	च	२१ १	ना	४९ ४१	१३ १८ २३	७ २८ १८	१६	१८ ४०	४१	कन्या			

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	महल	गति
			रा. अं. क. वि.	क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	क. वि.
१२५४	१	शनि.	४२३४०३९	५८२०	१०२६ २५	१२४५ १८	४ ८२४	३८
१२५५	२	रवि.	४२४३८५९	५८२२	११ ८४८५४	१२५८ ३७	४ ९ २	३८
१२५६	३	गोम.	४२५३७२१	५८२४	११२४७३१	१३ ६ ५८	४ १० ३८	३८
१२५७	४	मङ्गल.	४२६३५४५	५८२६	० ४५४२९	१३ ३ १९	४ १० १८	३८
१२५८	५	बुध.	४२७३४११	५८२८	० १४१२१८	१३ ३० २२	४ १० ५६	३८
१२५९	६	गुरु.	४२८३२३९	५८२९	१ १४२४०	१३ ४१ ९	४ ११ ३६	३८
१२६०	७	शुक्र.	४२९३१८	५८३१	१ १५२३४०	१३ ५५ ५	४ १२ १२	३८
१२६१	८	शनि.	५ ०२९३९	५८३३	१ २९१८५०	१४ १० ४०	४ १२ ५०	३८
१२६२	९	रवि.	५ १२८१२२	५८३५	२ १४२४५	१४ २४ १०	४ १३ २८	३८
१२६३	१०	गोम.	५ २२६४७	५८३७	२ २७४२२५	१४ ३८ ५४	४ १४ ६	३८
१२६४	११	मङ्गल.	५ ३२५२४	५८३९	३ २२ ७५९	१४ ५२ ४५	४ १४ ४४	३८
१२६५	१२	बुध.	५ ४२४३	५८४१	३ २६३७४३	१४ ६६ १४	४ १५ २२	३८
१२६६	१३	गुरु.	५ ५२२४८	५८४३	४ ११ ६ ५८	१४ ८१ २२	४ १६ ०	३८
१२६७	१४	शुक्र.	५ ६२१२७	५८४५	४ २५२८१९	१४ ९६ ३४	४ १६ ३८	३८

अ. २३ आश्विन कु ८ शनी प्रभाकर अहर्गण ५२७८ अथर्गणः २२१५९१२२

कन्या सफरालफलम्



र	व	म	जु	गु	श	रा
५	१	४	१०	६	११	६
०	२९	१२	१३	११	१६	२३
२१	१८	०	१०	२४	११	२९
३९	५	०	१३	९	४	२४
५८	३०	३	८	११	६ ५४	३
३३	१०	१	४	३	१२	११

आश्विन कृष्ण ७ वृषो कन्याक प्र. वा. ४
 न. ४ वा. ना. मित्रा पञ्च सुखदा न. ना. नंदा
 गणक सुखी। मध्यरात्री व्यापिनी। राक्षसान्
 हन्ति। उत्तरे गमनं। ई. दृष्टिः। वव करणे प्र.
 मध्यम् फलं। सिंह वाहनं। उपवाहन गज।

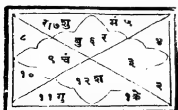
आश्विन शुक्ल पक्षः

आश्विन शुक्ल पक्षः	सं. १९९५ सा. १८६० आश्विन शुक्ल पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		शहर हस्तार का		तारीख		चन्द्रः	
	दि	वार	चौट	पल	नक्षत्र	चौट	पल	योग	चौट	पल	करण	चौट	पल	करण	चौट	पल	दिनांक	रा. अक्ष		तारीख
व. प्र.	१	श	१५	३१	उ	५९	३१	शु	१२	१५	३१	३	१५	३१	३	१५	१९	१९	१९	कन्या
म. न. व.	२	र	१५	३१	वि	५८	३१	म	३	१५	३१	३	१५	३१	३	१५	१९	१९	१९	कुम्भ
सु. द. ग.	३	सो	१५	३१	स्व	५९	३१	म	३	१५	३१	३	१५	३१	३	१५	१९	१९	१९	मेष
अ. ग. र.	४	म	१५	३१	वि	६०	३१	वि	५८	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	वृष
ध. ग. त.	५	बु	१५	३१	वि	५९	३१	म	५८	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	कर्क
अ. न. द.	६	गु	१५	३१	उ	५९	३१	आ	५८	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	सिंह
स. य. उ.	७	शु	१५	३१	उ	५९	३१	सो	५९	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	धन
शु. ग. ८	८	श	१५	३१	म	५९	३१	शो	६०	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	धन
शु. भ.	९	र	१५	३१	प	५९	३१	शो	६०	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	मकर
स. य. य.	१०	सो	१५	३१	उ	५९	३१	अ	६०	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	मकर
वि. न. य.	११	म	१५	३१	अ	५९	३१	सु	६०	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	कुम्भ
ए. न. य.	१२	र	१५	३१	अ	५९	३१	श	६०	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	कुम्भ
प्र. न. य.	१३	गु	१५	३१	अ	५९	३१	श	६०	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	मीन
वि. न. य.	१४	श	१५	३१	प	५९	३१	ग	६०	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	मीन
वि. न. य.	१५	श	१५	३१	उ	५९	३१	ब	६०	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	मीन
वि. न. य.	१६	र	१५	३१	उ	५९	३१	अ	६०	३१	३	१५	३१	३	१५	३१	१९	१९	१९	मीन

के. अ. ग. य.	तिथि	वार	रा. अ. क. वि.	गति	चन्द्र	रा. अ. क. वि.	गति	मंगल	गति
१२६८	१	शनि.	५ ७ २० १२	५८ ४७	५ ९ ३५ ५३	१२ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२६९	२	रवि.	५ ८ १८ ५९	५८ ४९	५ ९ ३३ ५०	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२७०	३	मंग.	५ ९ १७ ४८	५८ ५१	६ ९ ३१ ५०	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२७१	४	सोम.	५ १० १६ ३९	५८ ५३	६ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२७२	५	बुध.	५ ११ १५ ३२	५८ ५५	७ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२७३	६	गुरु.	५ १२ १४ २७	५८ ५७	७ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२७४	७	शुक्र.	५ १३ १३ २४	५८ ५९	७ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२७५	८	शनि.	५ १४ १२ २३	५९ १	८ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२७६	९	रवि.	५ १५ ११ २३	५९ ३	८ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२७७	१०	सोम.	५ १६ १० २७	५९ ५	९ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२७८	११	मंगल.	५ १७ ९ २२	५९ ७	९ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२७९	१२	बुध.	५ १८ ८ ३९	५९ ९	९ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२८०	१३	गुरु.	५ १९ ७ ४८	५९ ११	१० १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२८१	१४	शुक्र.	५ २० ६ ५९	५९ १३	१० १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२८२	१५	शनि.	५ २१ ६ १२	५९ १५	११ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	
१२८३	१६	रवि.	५ २२ ५ २८	५९ १७	११ १० ११	१३ ४८ ५७	४ १७ १६	३८	

अ. २५ आश्विन श. ८ शनि। प्रभाकर अहगाँव ५२९२ अयनांशः २२°५५'५०"

म. स. क. ल. म.



ख	च	मं	उ	गु	श	अ	रा
५	८	५	१०	६	११	६	६
१४	९	१२	८	७	१२	७	७
११	१०	१३	९	८	१३	८	८
१२	११	१४	१०	९	१४	९	९
१३	१२	१५	११	१०	१५	१०	१०
१४	१३	१६	१२	११	१६	११	११

हस मणि मे नागपूर तथा मालवा
प्रान्त म मलोरिया उषर की सिकायत अधिक
प्रमाण मे होगी। कई चांदी तथा सोने का
भाव मदा रहेगा। मास के मध्य मे कहीं र
मध्यप्रान्त के बीच वृष्टि अधिक होने से हाति

कार्तिक कृष्ण पक्षः

आनंदादि योगः	सं. १९२५ श. १८६० कार्तिक कृष्ण पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		शहर इन्द्राकर का		हारीख		चन्द्रः
	तिथि	वार	घटि	पल	नक्षत्र		योग		करण घटि	पल	करण घटि	पल	दिनांक र. उत्तर र. अक्षर	हिन्दी	संस्कृत	प्राची	इस्वी		
राक्षस	१	सो.	१९	४१	अ	५४	३०	ह	५२	०	कौ	१२	४१	तै	४७	५७	२५	१०	मेघ
सुपल	२	मं.	१६	१३	भ	५२	४५	व	४६	१४	ग	१६	१३	व	४४	२५	१४	११	मेघ
व. व.	३	बु.	१२	३८	कु	५०	१६	सि	४०	०	बि	१२	३८	व	४०	२६	११	२४	वृषभ
उत्पात	४	शु.	८	१४	रो	४७	२४	द्व	३४	२५	वा	८	१४	कौ	३७	५२	४	२५	वृषभ
मानस	५	शु.	५३	५३	सु	४४	१७	व	२६	३८	तै	३०	०	ग	३५	५२	४	२५	मिथुन
सुदुमर	६	श.	५३	२३	आ	४१	०	प	१९	४०	बि	२६	३८	ब	५३	२३	२५	२६	मिथुन
ध्रुव	७	र.	४७	५५	पु	३७	२४	शि	१२	३५	वा	२०	१४	कौ	४७	५५	१५	२६	कृक
प्रजापति	८	सो.	४२	४६	पु	३५	४	सि	५	१०	तै	१५	२२	ग	४२	४६	५५	२६	कृक
आनंद	९	मं.	३९	२५	आ	३०	३३	शु	५०	५८	व	१०	६	वि	२७	५१	२७	२७	सिंह
प. प्र.	१०	बु.	३२	२५	म	२७	१७	शु	४४	४	व	५	६	वा	२२	२७	२७	२७	सिंह
प्र. प्र.	११	शु.	२४	२५	प	२४	३२	शु	३७	४३	कौ	२०	१४	ग	५६	५६	५६	५६	कर्म
रूप	१३	शु.	२४	१७	उ	२२	३४	घं	३२	२	व	२४	१७	वि	५२	४२	५२	५२	कर्म
महालक्ष्मी	१४	श.	२१	२८	ह	२१	३२	ब	२७	३	श	२१	२८	च	३७	२५	२५	२५	उल
अमा	२०	र.	१९	४७	बि	२१	२४	वि	२२	५०	ना	१९	४७	कि	५	११	३६	२५	उल

कै. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा. अं. क. वि.	गति क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	गति अं. क. वि.	मङ्गल रा. अं. क.	गति क.
१२८४	१	सोम.	५२३ ४४५	५९ १९	० ५६ २४	१३ ३६ २२	४ २७ २४	३८
१२८५	२	मङ्गल.	५२४ ४ ४	५९ २२	० ५४ ३२ ४६	१३ ४७ १३	४ २८ २	३८
१२८६	३	बुध.	५२५ ४ २६	५९ २४	० २८ १९ ५९	१३ ५५ ३६	४ २८ ४०	३८
१२८७	४	गुरु.	५२६ २५०	५९ २५	१ २२ १५ ३२	१४ २ २४	४ २९ १८	३८
१२८८	५	शुक्र.	५२७ २१५	५९ २८	१ २६ १६ ३४	१४ ४ ३३	४ २९ ५६	३८
१२८९	६	शनि.	५२८ १ ४३	५९ ३०	२ ० २९ ७	१४ ७ ११	५ ० ३५	३८
१२९०	७	रवि.	५२९ १ १३	५९ ३२	२ ४ २८ ८	१४ ९ २२	५ १ २२	३८
१२९१	८	सोम.	५३० ० ४५	५९ ३४	२ ८ ३७ ३	१४ ११ ३६	५ १ ५०	३८
१२९२	९	मङ्गल.	५३१ ० १९	५९ ३६	३ २२ ४३ २८	१४ १३ ५२	५ २ २८	३८
१२९३	१०	बुध.	५३२ १९ ५५	५९ ३७	४ ६ ५६ ५३	१४ २ ४५	५ ३ ६	३८
१२९४	११	गुरु.	५३३ २९ ३२	५९ ३९	४ २० ५९ १८	१४ ५ २४	५ ४ ४४	३८
१२९५	१२	शुक्र.	५३४ ३९ ११	५९ ४२	५ ४ ५२ १२	१४ ८ १३	५ ४ २२	३८
१२९६	१३	शनि.	५३५ ४८ ३३	५९ ४४	५ १८ ३० ३५	१४ १० ४६	५ ५ ०	३८
१२९७	१४	रवि.	५३६ ५८ ३७	५९ ४६	६ १६ ४१ १	१४ १३ ५५	५ ५ ३८	३८

अ. २७ कार्तिक कृष्ण ८ रवौ प्रभाकर अहर्गण ५३०७ अयनांशः २२°५९'२६"

तुला संक्रांति फलम्



र	चं	म	उ	गु	शु	श	रा
५२	५	६	९	७	११	६	६
१९२४	१	२२९	८	२०	२५		
१२८	१२	५६	३४	१८	५३	५७	
१२८	११	३४	६	९	२२	१२	
५९	३५	१८	९९	०	२९	४	३
३२	२२	९	६	२२	१०	९	११

कार्तिक कृष्ण ८ रवौ तुलायामर्कः प्र.
 वा. ३ न. ५ वा. ना. घोर। शुद्ध सुखी।
 न. ना. प्लाथी। मध्याह्न व्यापिनी। द्विजान्
 हन्ति। पश्चिमे गमनं। वायव्यां दृष्टिः। तैल
 करणे प्र.। नेष्ट फलं। रासम बाहनं। मीढा

सौर स्वष्ट रविः	अक्टूबर १९३८ इ. ।	दक्षिणायने शरदृतुः
१	चित्रायां रविः १५।२६ चित्रायां बुधः १९।४९ बु. र. यु.	
२	मद्रा प्रा. स्ट. ०।१३	
३	मद्रा स. स्ट. ११।३० संकष्ट ४ चन्द्रोदय स्ट. २०।११.	
४	तुलायां बुधः ५७।०	
५	मद्रा प्रा. स्ट. ६।२४	
६	मद्रा स. स्ट. १७।६ कन्यायां मौमः ४१।३	
७	तुलकेः ५९।१५ सु. ३०	
८	ॐ व्यतिपात महापात स्पर्श स्ट. १०।५० मोक्ष स्ट. १९।२	
९	मद्रा प्रा. स्ट. १०।२९ मद्रा स. स्ट. ११।२६ स्वात्यां बुधः १६।२२ । सु. अलाविदा ॐ	
१०	रमा ११ गोवत्स उ. फा. ३ मौमः २२।६	
११	प्रदोष । मार्गी शुक्रः । धन १३	
१२	मद्रा प्रा. स्ट. १६।१० मद्रा स. स्ट. ३।३६ राशौ शिवरात्रिव्रत । मं. चं. यु.	
१३	नरक १४ लक्ष्मीपूजनम्	
१४	गोवर्धनपूजा अन्नकूट बलिदानम् । स्वात्यां रविः ४१।३२ । जैन महावीर निर्वाण ।	

क्रि.वि.	सुष		गति		शुक्र		गति		शनि		गति		राहु		गति	
	रा. अं. क.	अं. क.	रा. अं. क.	क.	रा. अं. क.	अं. क.	रा. अं. क.	क.	रा. अं. क.	क.	रा. अं. क.	क. वि.	क. वि.			
१	२२४	१४३	१२४	२	७५	०	३६	११२११७	४	६२६	१२४	३११				
२	२२४	१४३	१२४	२	७५	१३६	०	११२११३	४	६२६	१२१	३११				
३	२२४	१४३	१२४	२	७५	६११	०	११२११३	४	६२६	१०५	३११				
४	२२४	१४३	१२४	१	७५	६५८	०	११२११५	४	६२६	६५४	३१०				
५	२२४	१४३	१२४	१	७५	७१७	०	११२११३	४	६२६	१४३	३१०				
७	२२४	१४३	१२४	०	७५	७५४	०	११२१०५	४	६२६	०३२	३११				
८	२२४	१४३	१२४	०	७५	८१९	०	११२१०५	४	६२६	१७२	३१०				
९	२२४	१४३	१२४	०	७५	८७७	०	११२१०५	४	६२६	४१०	३१०				
१०	२२४	१४३	१२४	०	७५	९१२	०	११२१०४	४	६२६	५०१	३११				
११	२२४	१४३	१२४	०	७५	९३८	०	११२१०४	४	६२६	५७९	३११				
१२	२२४	१४३	१२४	मा	७५	९५८	०	११२१०३	४	६२६	५४४	३११				
१३	२२४	१४३	१२४	०	७५	९८५	०	११२१०३	४	६२६	१२७	३११				
१४	२२४	१४३	१२४	०	७५	१०४१	०	११२१०३	४	६२६	११७	३११				
३०	२२४	१४३	१२४	०	७५	१०५९	०	११२१०३	४	६२६	३५५	३११				

संक्रांति फलम् अ. २६ कार्तिक कृष्ण ३० रवौ । प्रभाकर अष्टमंश ५३१४ अयनांशः २२°५२'२७"

उपवाहनं । शुभ फलं । श्वेत वस्त्रं । दंडायुधं ।
काश्य पात्रं । पक्कान्न भक्षणं । मृत्तिका लेपनं ।
पक्षी जाति । केवडा पुष्पं । प्रवाल भूषणं ।
युवावस्था । (वर्त्ता) मु. ३० वत्सः पूर्वे । राहुः
उत्तरे । मूलं भूमौ ।



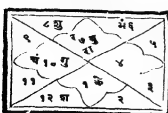
२	खं	मं	वु	गु	कु	श	रा
६	६	५	६	९	७	११	६
५	१	५	१४	२९	१०	२०	२५
५८	५६	३८	१८	३४	५९	२१	३५
३७	११	३४	९	१२	०	१०	६
५९	७५	३८	३३	०	१८	५	३
४६	४५	३०	९	१२	०	१०	११

कार्तिक योगः	सं. १९९५ वा. १८९० कार्तिक शुद्ध पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		बाह्य हस्तोत्तर का		तारीख		कम्पः		
	तिथि	वार	चरितं	पक्ष	नक्षत्र	चरितं	पक्ष	योग	चरितं	पक्ष	काण	चरितं	पक्ष	दिनमान	र. उत्तर	र. अस्त	हिन्दी	संस्कृत		वर्षा	शुभ
छत्र	१	मं	१९	१६	मृग	२०	३३	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
श्रीवत्स	२	मं	२०	१७	वि	२१	४	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
सोम्य	३	बु	२१	१८	मृ	२२	१५	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
काल षष्ठ	४	बु	२२	१९	मृ	२३	३४	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
सोम्य	५	शु	२३	२०	मृ	२४	५३	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
मत्तय	६	शु	२४	२१	मृ	२५	१२	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
रवि स.	७	बु	२५	२२	मृ	२६	३१	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
सिद्धि	८	मं	२६	२३	मृ	२७	४०	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
उत्पल	९	मं	२७	२४	मृ	२८	४९	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
मित्र	१०	बु	२८	२५	मृ	२९	५८	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
ए. व.	११	शु	२९	२६	मृ	३०	६७	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
ए. व.	१२	शु	३०	२७	मृ	३१	७६	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
प्रभाष	१३	शु	३१	२८	मृ	३२	८५	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
प्रवर्ध	१४	शु	३२	२९	मृ	३३	९४	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९
क. यौ.	१५	मं	३३	३०	मृ	३४	१०३	मृ	१९	२४	व	१९	१६	वा	४	२९	२९	२९	२९	२९	२९

क. अहर्गण	तिथि	वार	ग. अ. क. वि.	गति	चन्द्र	ग. अ. क. वि.	गति	ग. अ. क. वि.	गति	ग. अ. क. वि.	गति
१२९८	१	मं	६	५८२३	५९४३	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१२९९	२	मृग	६	५८८१०	५९४३	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३००	३	बुध	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३०१	४	शुक्र	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३०२	५	शुक्र	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३०३	६	शनि	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३०४	७	रवि	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३०५	८	सोम	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३०६	९	मृग	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३०७	१०	बुध	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३०८	११	शुक्र	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३०९	१२	शुक्र	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३१०	१३	शनि	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३११	१४	रवि	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८
१३१२	१५	सोम	६	५९५९९	५९५९९	६८८५	१२५४२२	५	६	६	२८

अ. २९ कार्तिक शु. ८ सोम पञ्चाङ्ग अहर्गण ५३७२ अयनांशः २२°५९'२८"

मास फलम्



१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
६	९	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६
२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८
३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०

कई तथा चान्दा जिनके पास पोते है
उन लोगों को विशेष फायदा इस महिने में
 रहेगा। चान्दा भाव तेज रहेगा। दिल्ली तथा
लाहोर प्रान्त में फसल बिगड़ जाने से धान्य का

तिथि	सौर स्वतः रविः	अक्षर-नक्षत्र १९३८ ई.	वक्षिणायने शरद्वतुः
१	६	चन्द्रवर्षेणम् उ. का. ४ भोगः ३७५४ व. चं. यु.। सु. इदुलफितर। सायन X	
२	६	रमजान १ सु. यम २ भाव १	X वृषिके भातुः २।१०
३	६	भद्रा प्रा. स्ट. ४।१९ रात्री। विवाहायां नुषः ३।१९ शु. चं. यु.	
४	६	भद्रा स. स्ट. १७।५ विनायकी ४	
५	६	वक्रगत्या रेवत्यां १ शनिः	
६	६	इस्ते १ भोगः ५३।४१	
७	६	भद्रा प्रा. स्ट. २४।०	६ मोक्ष स्ट. २।१२ रात्री
८	६	भद्रा स. स्ट. १३।१ गोपाष्टमी वक्की शुक्रः दुर्गा ८ न्यातिपात महापात स्प. स्ट. ७।५ ६	
९	६	नवम्बर ११ कुम्भाण्ड नवमी गु. चं. यु.	+ गुरु ४०।०
१०	६	वृषिके शुषः १०।४० इस्ते २ भोगः ९।२८ अनु. नुषः २५।१४ घनि ३ कुम्भे +	
११	६	भद्रा प्रा. स्ट. १८।१४ प्रबोधिनी ११ स्वाते भीष्मपंचक ब्र. आ.। तुलसी विवाह *	
१२	६	भद्रा स. स्ट. ६।२८ चातुर्मास्य समाप्तिः। प्रबोधिनी ११ भागवत	
१३	६	शनिप्रदोषः वा. चं. यु. खोदीन् पारमी	= गुरुनानक जन्मदिन
१४	६	भद्रा प्रा. स्ट. ६।२४ रात्री वैकुण्ठ १४ विवाहायां रविः २।१४	
१५	६	भद्रा स. स्ट. १७।० त्रिपुरोत्सव। कार्तिकेयान समाप्तिः। स्वप्नत चंद्रमहणम्। =	

तिथि	शुभ रा. अ. क.	शक्ति अ. क.	शुक्र रा. अ. क.	शक्ति क.	शुक्र रा. अ. क.	शक्ति अ. क.	शनि रा. अ. क.	शक्ति अ. क.	शनि रा. अ. क.	शक्ति अ. क.	शनि रा. अ. क.	शक्ति अ. क.
१	६।१५।५	१।३५	९।२९।५	१	७।११।३	०।१४	१।१०।३	७	४	६।२५।३	३।११	३।११
२	६।१७।५	१।३४	९।२९।३	१	७।११।२	०।१२	१।१०।३	४	४	६।२५।२	३।११	३।११
३	६।१९।०	१।३३	९।२९।७	१	७।११।३	०।१०	१।१०।५	४	४	६।२५।३	३।११	३।११
४	६।२०।३	१।३३	९।२९।८	२	७।११।४	०।०९	१।१०।५	४	४	६।२५।२	३।११	३।११
५	६।२२।६	१।३३	९।२९।०	२	७।११।५	०।०४	१।१०।१	४	४	६।२५।१	३।११	३।११
६	६।२३।९	१।३२	९।२९।२	२	७।११।६	०।०२	१।१०।५	४	४	६।२५।१	३।११	३।११
७	६।२५।१	१।३१	९।२९।४	२	७।१२।०	०।०२	१।१०।५	४	४	६।२५।१	३।११	३।११
८	६।२६।२	१।३१	९।२९।६	३	७।१२।२	०।०२	१।१०।५	४	४	६।२५।१	३।११	३।११
९	६।२८।५	१।३१	९।२९।९	३	७।१२।०	०।०५	१।१०।५	४	४	६।२५।१	३।११	३।११
१०	६।२९।४	१।३०	९।२९।२	३	७।११।५	०।०९	१।१०।५	४	४	६।२५।१	३।११	३।११
११	७।१।४	१।२९	९।२९।५	३	७।११।६	०।०९	१।१०।५	४	४	६।२५।१	३।११	३।११
१२	७।२।२	१।२९	९।२९।८	३	७।११।७	०।१३	१।१०।५	४	४	६।२५।१	३।११	३।११
१३	७।३।२	१।२९	९।२९।०	३	७।११।८	०।१५	१।१०।५	४	४	६।२५।१	३।११	३।११
१४	७।४।२	१।२९	९।२९।२	४	७।११।९	०।१४	१।१०।५	४	४	६।२५।१	३।११	३।११
१५	७।५।२	१।२९	९।२९।४	४	७।११।०	०।१५	१।१०।५	४	४	६।२५।१	३।११	३।११

मास फलम् अ. ३० कार्तिक शु. १५ सोमे प्रभाकर जन्मोः ५३५९ अमर्त्याः २३५५/१९९

भाव तेजी के स्वरूप में स्थिर बना रहेगा।
धातु धितल तांबा आदि का भाव भद्रा होगा।
मिश्रण तथा धन राशि वालों को उत्तम द्रव्य
लाभ का देने वाला है।



र	चं	मं	गु	शु	श	रा
१	०	५	७	७	११	६
२	०	१५	७	०	१०	११
३	०	२५	७	०	१५	२३
४	०	३५	७	०	२३	३३
५	०	४५	७	०	३३	४३
६	०	५५	७	०	४३	५३
७	०	६५	७	०	५३	६३
८	०	७५	७	०	६३	७३
९	०	८५	७	०	७३	८३
१०	०	९५	७	०	८३	९३
११	०	१०५	७	०	९३	१०३
१२	०	११५	७	०	१०३	११३
१३	०	१२५	७	०	११३	१२३
१४	०	१३५	७	०	१२३	१३३
१५	०	१४५	७	०	१३३	१४३

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः

श्रावणदि योगः	सं. १९९५ वा. १८६० मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		शहर हमदौर का		तारीख			चन्द्रः				
	तिथि	वार	छांटे	पक्ष	नक्षत्र	छांटे	पक्ष	योग	छांटे	पक्ष	करण	छांटे	पक्ष	करण	छांटे	पक्ष	विमान	र. उत्तर	र. अस्त		हिन्दी	सुविम	पुसो	इमो
																	विमान	र. उत्तर	र. अस्त			सुविम	पुसो	इमो
अमृत	१ मं.	४८	४२	भ	१४	१९	व्य	५५	३३	वा	२१	१८	कौ	४८	४२	२३	१५	४८	२८	२५	४	२८	४५	वृषभ
सिद्धि	२ बु.	४८	४३	कृ	१०	३६	प	५०	१७	१५	४२	४८	ग	४२	४३	२४	१६	५०	२९	१६	५	२९	४६	वृषभ
उत्पत्ति	३ शु.	४६	१८	रो	६	१२	शि	४२	१	१३	४३	वि	२६	१८	४४	२४	१७	६०	३३	१७	६	३०	४३	मिथुन
सिद्धि	४ शु.	२९	३८	सु	५६	३३	सि	३३	३५	२३	५८	कौ	१८	४१	२९	२६	१८	७१	३३	१८	७	३१	४१	मिथुन
अमृत	५ श.	२२	५८	सु	५१	४६	सा	२५	१०	२२	५८	ते	४८	२९	४०	४३	२७	८२	३४	१९	८	३२	४८	कर्क
श्रावण	६ र.	१६	३८	पु	४४	३६	शु	१६	५७	१६	३८	वि	४३	१७	४०	४२	२८	९३	३५	२०	९	३३	४९	कर्क
मोक्ष	७ सो.	१०	५६	आ	४४	१७	शु	९	२४	२३	५८	वा	२८	२४	४१	४३	२९	१०	३४	११	१०	३४	५०	सिंह
मोक्ष	८ मं.	५५	५२	म	४१	१०	घ	५५	३६	२३	५८	ते	५८	२३	४१	४३	३०	११	३५	१२	११	३५	५१	सिंह
स्विर	९ शु.	५५	३३	पू	३९	१४	वै	५०	३	२३	५८	वा	२८	२४	४१	४३	३१	१२	३६	१२	१२	३६	५१	कन्या
ए. व्र.	१० शु.	५६	९	उ	३८	२२	वि	५५	१४	२४	५८	वा	१६	२४	४३	४३	३२	१३	३७	१३	१३	३७	५१	कन्या
ए. व्र.	११ शु.	५४	५५	ह	३७	३०	प्री	४१	११	२५	५८	ते	५४	१६	२४	४३	३३	१४	३८	१४	१४	३८	५१	कन्या
प्रदोष	१२ श.	५४	५५	वि	३७	३०	प्री	३७	१४	२५	५८	वा	१६	२४	४३	४३	३४	१५	३९	१५	१५	३९	५१	तुल
लुगक	१३ र.	५५	५८	सा	४१	३५	शो	३५	२७	२५	५८	श	१५	४२	२०	४४	४०	१६	४०	१६	१६	४०	५२	तुल
मंगलवती	१४ सो.	५७	३६	वि	४४	४५	शो	३३	४८	२६	३९	ना	५७	३६	१८	४५	४०	१७	४१	२१	१७	४१	५३	श्रृङ्ग

क. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य	गात	चन्द्र	गात	मङ्गल	गति
क. अ. क. वि.	क. वि.	क. अ. क. वि.	क. अ. क. वि.	क. अ. क. वि.	क. अ. क. वि.	क. अ. क. वि.	क. अ. क. वि.	क. अ. क. वि.
१३१३	१	मङ्गल.	६२१ ५८ ३७	६० १६	० २३ १७ ३५	४१ ०२ ३४	५ १५ ४६	३८
१३१४	२	बुध.	६२२ ५८ ५३	६० १८	१ ७ २७ ४०	४१ ०२ ३४	५ १६ २४	३८
१३१५	३	गुरु.	६२३ ५९ ११	६० २०	१ २१ १० ०१	४१ ०२ ३४	५ १७ २४	३८
१३१६	४	शुक्र.	६२४ ५९ ३१	६० २१	२ ६ १८ ५०	४१ ०२ ३४	५ १८ २४	३८
१३१७	५	शनि.	६२५ ५९ ५२	६० २३	२ २० ५० २४	४१ ०२ ३४	५ १९ १८	३८
१३१८	६	रवि.	६२७ ०१ ५	६० २४	३ ५ १९ १	४१ ०२ ३४	५ २० २४	३८
१३१९	७	सोम.	६२८ ०२ ९	६० २६	३ १९ ३७ २३	४१ ०२ ३४	५ २१ ३४	३८
१३२०	८	मङ्गल.	६२९ १ ५	६० २७	४ ३ ४३ ५६	४१ ०२ ३४	५ २२ २४	३८
१३२१	९	बुध.	७० १ २२	६० २९	४ १७ ४२ ५८	४१ ०२ ३४	५ २३ ५०	३८
१३२२	१०	गुरु.	७१ २ १	६० ३१	५ १ २४ ७	४१ ०२ ३४	५ २४ २४	३८
१३२३	११	शुक्र.	७२ २ २२	६० ३२	५ १४ ५० ५३	४१ ०२ ३४	५ २५ २४	३८
१३२४	१२	शनि.	७३ ३ ४	६० ३४	५ २८ ५ ६	४१ ०२ ३४	५ २६ २४	३८
१३२५	१३	रवि.	७४ ४ ३८	६० ३५	६ ११ ६ ४०	४१ ०२ ३४	५ २७ २४	३८
१३२६	१४	सोम.	७५ ४ ४३	६० ३७	६ २३ ५५ ५१	४१ ०२ ३४	५ २४ ०	३८

अ. ३१ मार्गशीर्ष कृ ८ सोम प्रभाकर अहर्गण ५३३७ अयनांशः २२°५५'३०"

वृद्धि का सकारितफलम्



र	ख	म	उ	गु	शु	श	रा
६	४	७	०	७	११	६	
२९	३०	१८	०	६	१८	२५	
१४	३२	३४	४३	४१	५५	२१	
५६	१९	६	५	५	१२	५७	
६०	८३	३८	२	५	३२	३३	
२७	२४	११	०	७	१०	११	

मार्गशीर्ष कृष्ण ८ सोम वृद्धिकेऽंकः

म. वा. ३ न. ४ वा. ना. महोदरी। चौर सुखी।

न. ना. घोरा। शुद्ध सुखी। अपराद्ध व्यापिनी।

दक्षिणे गमनं। नैऋत्या दक्षिः। गर करणे प्र.।

मध्यम फले। हस्ती वाहनं। उपवाहनं खरः।

तिथि	सौर स्वच्छ रविः	नवम्बर १९३८ इ.।	दक्षिणायने शरदृतुः
१	६	बु. शु. यु. हस्ते रे भौमः २५।१६	
२	६	भद्रा प्रा. स्ट. १०।१५ भद्रा स. स्ट. २०।५८ संकष्ट ४ चन्द्रोदय स्ट. २०।१.	
३	६		
४	६	वैधृति महापात स्पर्श स्ट. १०।७ मोक्ष स्ट. १८।५९	
५	६	भद्रा प्रा. स्ट. १३।६ भद्रा स. स्ट. २३।४६ ज्येष्ठायां तुषः ३७।५१	
६	६	हस्ते ४ भौमः ४१।३	
७	६	काला ८ कालभैरव जयंती । वृश्चिके रविः ५८।२७ सु ३०	
८	६	भद्रा प्रा. स्ट. १८।१४ भद्रा स. स्ट. ५।४८ राशौ शुक्रास्तः पश्चिमे ३५।२४	
९	६	उत्पत्ति ११ स्मार्त	
१०	७	उत्पत्ति ११ भागवत । मं. चं. यु. ६६ चित्रा १ भौमः २५।१६	
११	७	भद्रा प्रा. स्ट. ४।२१ राशौ शनि प्रदोष । अनुराधायां रविः १६।४७ ६६	
१२	७	भद्रा स. स्ट. १६।३२ शिवरात्रिप्रातः । वक्री विशाखायां शुक्रः २८।३० शु. सु. यु. १३।३०	
१३	७	सोमवती पुष्यम् ।	

तिथि	तुष	गति	शुक्र	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.
१	७ ८ ३८	१२७	१० ० १२	४	७ १० ३६	व ० १९	११ २९ १७	व ४	६ २४ ४४ १२	३ ११
२	७ १० ५	१२६	१० ० १६	४	७ १० १७	० २३	११ २९ १३	३	६ २४ ४१ १	३ १०
३	७ १२ ३९	१२७	१० ० २०	४	७ १५ ४	० २७	११ २९ १०	३	६ २४ ३७ ५९	३ १०
४	७ १२ ५८	१२५	१० ० २४	४	७ १२ ७	० २९	११ २९ ७	३	६ २४ ३४ ४०	३ १०
५	७ १४ २३	१२४	१० ० २८	५	७ ८ ५८	० ३०	११ २९ ४	३	६ २४ ३१ ३१	३ ११
६	७ १५ ४७	१२४	१० ० ३३	५	७ ८ २८	० ३२	११ २९ १	३	६ २४ २८ ११	३ ११
७	७ १७ ११	१२३	१० ० ३८	५	७ ७ ५६	० ३४	११ २८ ५८	३	६ २४ २५ ७	३ १०
८	७ १८ ३४	१२२	१० ० ४३	५	७ ७ २२	० ३५	११ २८ ५५	३	६ २४ २२ ५७	३ ११
९	७ १९ ५६	१२१	१० ० ४८	६	७ ६ ४८	० ३५	११ २८ ५२	३	६ २४ १८ ४६	३ ११
१०	७ २१ १७	१२०	१० ० ५४	६	७ ६ १२	० ३६	११ २८ ४९	३	६ २४ १५ ३५	३ ११
११	७ २२ ३६	११८	१० १ ०	६	७ ५ ३६	० ३६	११ २८ ४६	३	६ २४ १२ २४	३ ११
१२	७ २३ ५४	११६	१० १ ६	६	७ ५ ०	० ३६	११ २८ ४३	३	६ २४ ९ १३	३ १०
१३	७ २५ १०	११४	१० १ १२	६	७ ४ २४	० ३६	११ २८ ४०	३	६ २४ ६ ३	३ ११
१४	७ २६ २४	११३	१० १ १८	६	७ ३ ४८	व ० ३६	११ २८ ३७	व ३	६ २४ ३ ५२	३ ११

संक्रांति फलश्च

अ. ३२ मार्ग कृष्ण ३० सोम । प्रभाकर अष्टमौ पक्षश्च अवनतिः २२।५९।३१

लक्ष्मीकारक । रक्त वस्त्र । धनुष्पाशुष । लोह पात्र । पय मक्षण । गोरोचन लेपन । पद्म जातिः । बित्तव पुष्प । मुकुट भूषण । सित कलुकी । प्रोढावस्था । वस्तः दक्षिणे । पूर्व राहुः । मूत्र पाताले । (बैठी) मुहूर्ताः २०।



र	ध	मे	बु	शु	मा	रा
७	६	५	७	७	११	६
५	२३	२४	२६	१	३	१८ २४
४	५	०	१५	६	१३	२
१३	१	२२	२३	६	९	१३ ५२
६	०	७	३८	३४	०	३
३७	३७	१०	२	०	४	११

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः

आवर्तदि योगः	सं. १९९५ सा. १८६ - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		साहर हस्तार का		सारीख		चन्द्रः	
	तिथि	वार	चौट	पल	नक्षत्र		योग		चौट	पल	करण		करण		हस्तमान र. कदय		र. कदय			
					चौट	पल	चौट	पल			चौट	पल	चौट	पल	हस्तमान र. कदय	र. कदय	हस्तमान र. कदय	र. कदय		
अमृत	१ म	६०	०	०	अश्लेष	४०	०	अ	३३	१	किं	२८	४८	ब	६०	०	२९	१८	२२	शुक्ल
प्रातः	२ बु	०	४८	०	मृग	५४	१७	ब	३३	५	ब	०	४८	बा	५५	१४	३०	१९	२३	धन
धन	३ सु	५	५	५	५	०	५	सु	३३	१७	की	५	५	तै	३७	१२	३७	२०	२४	धन
प्रवर्ष	४ शु	१०	२०	०	३१	०	३१	श	३५	३०	ग	१०	२०	ख	४३	११	४८	२०	२५	धन
सिद्धि	५ श	१६	२९	७	७	७	७	ग	३७	२७	वि	१६	२२	ब	४९	२९	४८	२०	२६	मकर
अमृत	६ र	२२	३७	४	१४	५६	१४	बु	३९	३२	वा	२२	३७	की	४५	४	४९	२०	२७	मकर
सिद्धि	७ सो	२८	५१	४	२२	१७	२२	भु	४१	३१	नै	२८	५१	ग	६०	०	५५	२०	२८	कुंभ
उत्पात	८ म	३४	६३	४	२९	१४	२९	इया	४९	६	बा	१	४५	ख	३६	२७	५५	२०	२९	कुंभ
बुधार्द्रा	९ बु	३९	२२	४	३५	१४	३५	ह	४२	५१	वि	७	४५	र	५५	२२	५५	२०	३०	कुंभ
अमृत	१० सु	४२	३०	५	३९	१५	४२	घ	४३	२०	वा	१०	५६	की	४५	०	६१	२०	३१	मीन
धन	११ श	४३	४८	७	४२	१५	४३	लि	४३	२५	नै	१३	५	ग	४५	१७	६०	२०	३२	मीन
ए. न.	१२ रा	४३	५३	९	४३	१७	४३	व्य	४८	३३	ख	१३	३३	वि	४३	१७	६०	२०	३३	मीन
आनन्द	१३ क	४०	४४	४	४३	३३	४३	घ	४३	३३	ब	१३	४३	वा	४५	५५	५५	२०	३४	मीन
प्र. त्र	१४ सो	३६	४६	४	४३	५१	४३	घ	४६	५५	की	१३	४६	तै	२६	५५	५५	२०	३५	हृष्यम
यदः	१५ म	३०	३७	७	४५	५१	४५	शो	४६	५५	की	१३	४६	तै	२६	५५	५५	२०	३६	हृष्यम
पौर्णिमा	१५ बु	२३	४५	१०	३०	२५	३०	सि	१०	५५	ख	२३	४५	ना	४५	५५	५५	२०	३७	मिथुन

क. अहर्गण	तिथि	वार	रा. अ. क. वि.	गति	चन्द्र	रा. अ. क. वि.	गति	मंगल	शुक्र	बुध
१३२७	१	मङ्गल	७ ४५९	६०३८	७ ४६२	६८	१२२३	४६	५२५	३७
१३२८	२	बुध	७ ५२८	६०३९	७ ५६२	७८	१२२३	४६	५२५	३७
१३२९	३	शुक्र	७ ५९८	६०४०	८ ५६२	८८	१२२३	४६	५२५	३७
१३३०	४	शनि	७ ६६९	६०४१	८ ६६२	९८	१२२३	४६	५२५	३७
१३३१	५	रवि	७ ७४०	६०४२	९ ७६२	१०८	१२२३	४६	५२५	३७
१३३२	६	सोम	७ ८१०	६०४३	९ ८६२	११८	१२२३	४६	५२५	३७
१३३३	७	मङ्गल	७ ८८१	६०४४	१० ९६२	१२८	१२२३	४६	५२५	३७
१३३४	८	बुध	७ ९५२	६०४५	१० १०६२	१३८	१२२३	४६	५२५	३७
१३३५	९	शुक्र	७ १०२३	६०४६	१० ११६२	१४८	१२२३	४६	५२५	३७
१३३६	१०	शनि	७ १०९४	६०४७	११ १२६२	१५८	१२२३	४६	५२५	३७
१३३७	११	रवि	७ ११६५	६०४८	११ १३६२	१६८	१२२३	४६	५२५	३७
१३३८	१२	सोम	७ १२३६	६०४९	११ १४६२	१७८	१२२३	४६	५२५	३७
१३३९	१३	मङ्गल	७ १३०७	६०५०	११ १५६२	१८८	१२२३	४६	५२५	३७
१३४०	१४	बुध	७ १३७८	६०५१	११ १६६२	१९८	१२२३	४६	५२५	३७

अ. ३३ मार्गशीर्ष सा. ८ शुक्ल । प्रभात अहर्गण ५३५४ अयनांशः २३०५५१३२

मास कलम्ब



ख	सं	मं	उ	गु	ग	रा
७	१०	५	८	१०	६	११
१४	१२	२९	५	२८	१८	२३
१०	४९	३३	१६	४५	१९	३४
३३	०	२१	२४	७	१३	४
६७	३३	३७	३४	८	२४	२
४९	५८	१०	७	०	१३	४

इस सहिने में अनाज का भाव तेज रहेगा । घृत (पी) गुड, तथः शक्कर आदिका भाव भी तेज रहेगा । अन्य देशों में तथा युरोप खंड के राजा लोगों में मत विरोध प्रबल

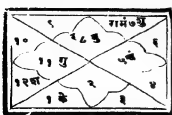
पौष कृष्ण पक्षः

आवृत्ति योगाः	सं. १९९५ श. १८६० पौष कृष्ण पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		शहर हस्तोर का		तारीख			चन्द्रः				
	तिथि	वार	चोदि	पक्ष	नक्षत्र	चोदि	पक्ष	योग	चोदि	पक्ष	करण	चोदि	पक्ष	करण	चोदि	पक्ष	दिनांक	र. उदय	र. अस्त		हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इमली
सुख पद्म	१ गु.	१५	५३	सु	२४	२०	सा	१	३	को	१५	५३	ते	४१	४४	३६	५३	३३	१५	८	विशुन			
ब. ब.	२ गु.	१६	५३	आ	१७	५२	शु	४१	५३	ग	३	५३	व	५३	५३	५३	५३	२४	१६	९	५३	कक		
धोवर	३ श.	१७	१२	पु	११	३०	म	३५	५३	ब	२३	५३	वा	११	५३	५३	५३	१७	६	१०	५३	कक		
सोम्य	४ र.	१४	१२	पु	२३	०	को	१	३	ग	११	५३	व	५३	५३	५३	५३	१७	७	११	५३	कक		
काल	५ सो.	१७	५२	आ	१७	५२	शु	४१	५३	ग	३	५३	व	५३	५३	५३	५३	१७	८	१२	५३	सिंह		
निर	६ म.	३३	०	प	५३	०	वि	६	५३	वि	५३	५३	व	५३	५३	५३	५३	२०	९	१३	५३	सिंह		
शालम	७ बु.	२९	१५	उ	५३	३	मी	५३	३	वा	३	३०	ने	५३	५३	५३	५३	२१	१०	१४	५३	कन्या		
अमृत	८ शु.	२०	१५	ह	५३	२१	सी	५३	६	ग	२३	३५	व	५३	५३	५३	५३	२१	११	१५	५३	कुल		
ए. ब.	९ शु.	२०	११	वि	५३	५३	मी	५३	६	ग	२३	३५	व	५३	५३	५३	५३	२१	१२	१६	५३	कुल		
लुक्क	१० श.	२०	११	वि	५३	५३	मी	५३	६	ग	२३	३५	व	५३	५३	५३	५३	२१	१३	१७	५३	कुल		
प्रदोष	११ र.	२०	२७	वि	५३	५३	मी	५३	६	ग	२३	३५	व	५३	५३	५३	५३	२१	१४	१८	५३	कुल		
वज्र	१२ सो.	३३	५३	वि	५३	५३	मी	५३	६	ग	२३	३५	व	५३	५३	५३	५३	२१	१५	१९	५३	कुल		
अमा	१३ म.	३०	५३	उ	५३	५३	मी	५३	६	ग	२३	३५	व	५३	५३	५३	५३	२१	१६	२०	५३	कुल		
	१४ बु.	५२	५३	ज्ये	११	५३	मी	५३	६	ग	२३	३५	व	५३	५३	५३	५३	२१	१७	२१	५३	कुल		

अ. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य		गति	चन्द्र		गति	मङ्गल		गति							
			रा. अं. क. वि.	क. वि.		रा. अं. क. वि.	क. वि.		रा. अं. क. वि.	क. वि.								
१३४३	१	गुरु.	७	२२	१७	३३	६०	५७	२	०	३६	२२	१४	५५	५	४	३२	३८
१३४४	२	शुक्र.	७	२३	१८	३०	६०	५८	२	१५	३३	७	१४	५३	१०	५	१०	३८
१३४५	३	शनि.	७	२४	१९	२८	६०	५९	३	०	२९	१७	१४	५१	१५	५	१८	३८
१३४६	४	रवि.	७	२५	२०	२७	६१	०	३	१५	२०	४२	१४	५१	१०	६	२६	३८
१३४७	५	सोम.	७	२६	२१	२७	६१	१	३	२९	५५	५२	१४	५१	१५	७	३४	३८
१३४८	६	मङ्गल.	७	२७	२२	२८	६१	२	४	१५	५२	५२	१४	५१	१०	८	४२	३८
१३४९	७	बुध.	७	२८	२३	३०	६१	३	५	२८	१२	५०	१४	५१	१०	८	२०	३८
१३५०	८	गुरु.	७	२९	२४	३३	६१	४	५	११	४८	०	१४	५१	१०	८	५८	३८
१३५१	९	शुक्र.	८	०	२५	३६	६१	५	५	११	४८	०	१४	५१	१०	९	३६	३८
१३५२	१०	शनि.	८	१	२६	४०	६१	६	६	७	५८	३	१४	५१	१०	९	४४	३८
१३५३	११	रवि.	८	२	२७	४४	६१	७	६	०	३८	३०	१४	५१	१०	९	५२	३८
१३५४	१२	सोम.	८	३	२८	४८	६१	८	७	३	९	२२	१४	५१	१०	९	१०	३८
१३५५	१३	मङ्गल.	८	४	२९	५५	६१	९	७	१५	२७	७	१४	५१	१०	९	२८	३८
१३५६	१४	बुध.	८	५	३०	५९	६१	१०	७	२७	३७	५	१४	५१	१०	९	४५	३८

अ. १५ पौष कृ ८ बुधे प्रमाकर अहर्गण ५३६६ अयनोत्तराः २२°५९'३५"

बुधिक संक्रांतिकण



र	ब	म	उ	गु	श	रा
७	४	७	७	२०	११	६
२८	२८	८	२१	४	२८	१८
२३	१२	२०	१९	२२	०	७
३०	५	२३	३२	१३	९	४
३१	८	३८	४८	१०	१३	०
३१	१०	१९	२	०	१०	०

पौष कृष्ण १ गुरुवारे वनपर्वक प्र. वा. ३
 नक्षत्र ३ वार ना. नन्द । गणक सुधी ।
 न. ना. ध्यायी । वैद्यमान्धी । दिनांक इति ।
 पश्चिमे गमनं । वायव्यो दृष्टिः । वाणिज्य करणे प्र.
 मध्यम फलं । मङ्गिणी वाहनं । उ. ना. कंठ । ज्ञेय

द. मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः

३७

तिथि	सौर स्वष्ट राशिः	दिसंबर १९३८ इ.	दाक्षिणायने हेमन्त ऋतुः
१	७	२२	
२	७	२३	
३	७	२४	
४	७	२५	
५	७	२६	
६	७	२७	
७	७	२८	
८	७	२९	
९	७	३०	
१०	८	३१	
११	८	१	
१२	८	२	
१३	८	३	
१४	८	४	
१५	८	५	

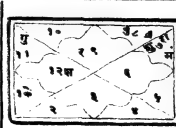
मद्रा प्रा. स्टैं. १९।१३ मद्रा स. स्टैं. ४।५७ रात्रौ
 संकष्ट ४ चन्द्रोदय स्टैं. २०।५९ मार्गी शुक्रः
 स्वात्या १ भौमः २२।६
 मद्रा प्रा. स्टैं. २।११ सधायां ल. गोधूलि रे. ७।५।।५।।
 मद्रा स. स्टैं. ८।१९ चण्डा ४ वृश्चिके बुधः ३०।४४
 काला ८। मार्गी शनिः । उ. र. यु.
 मद्रा प्रा. स्टैं. ५।२४ रात्रौ । मूल धनुष्यर्कः ३४।४९ शु. ३०
 मद्रा स. स्टैं. १७।१९ स्वात्या २ भौमः ३७।५४
 सफला ११ सर्वेषां । मं. चं. यु.
 शु. चं. युतिः
 मद्रा प्रा. स्टैं. १९।५६ सोमप्ररोध । शिवरात्रिमतम्
 मद्रा स. स्टैं. ८।४८ बु. चं. यु.
 स्वात्या ३ भौमः ५३।४६

तिथि	शुभ रा. अं. क.	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क.	गति अं. क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं. क.	शनि रा. अं. क.	गति अं. क.	राहु रा. अं. क.	गति अं. क.
१	८	५४	१०	३२	९	६२	११	८	६	११
२	८	५४	१०	३३	९	६२	११	८	६	११
४	८	५४	१०	३४	९	६२	११	८	६	११
५	८	५४	१०	३५	९	६२	११	८	६	११
६	८	५४	१०	३६	९	६२	११	८	६	११
७	८	५४	१०	३७	९	६२	११	८	६	११
८	८	५४	१०	३८	९	६२	११	८	६	११
९	८	५४	१०	३९	९	६२	११	८	६	११
१०	८	५४	१०	४०	९	६२	११	८	६	११
११	८	५४	१०	४१	९	६२	११	८	६	११
१२	८	५४	१०	४२	९	६२	११	८	६	११
१३	८	५४	१०	४३	९	६२	११	८	६	११
१४	८	५४	१०	४४	९	६२	११	८	६	११
१५	८	५४	१०	४५	९	६२	११	८	६	११
१६	८	५४	१०	४६	९	६२	११	८	६	११
१७	८	५४	१०	४७	९	६२	११	८	६	११
१८	८	५४	१०	४८	९	६२	११	८	६	११
१९	८	५४	१०	४९	९	६२	११	८	६	११
२०	८	५४	१०	५०	९	६२	११	८	६	११
२१	८	५४	१०	५१	९	६२	११	८	६	११
२२	८	५४	१०	५२	९	६२	११	८	६	११
२३	८	५४	१०	५३	९	६२	११	८	६	११
२४	८	५४	१०	५४	९	६२	११	८	६	११
२५	८	५४	१०	५५	९	६२	११	८	६	११
२६	८	५४	१०	५६	९	६२	११	८	६	११
२७	८	५४	१०	५७	९	६२	११	८	६	११
२८	८	५४	१०	५८	९	६२	११	८	६	११
२९	८	५४	१०	५९	९	६२	११	८	६	११
३०	८	५४	१०	६०	९	६२	११	८	६	११
३१	८	५४	१०	६१	९	६२	११	८	६	११

संक्रांति कवचम्

अ. ३६ पीष क. ३० बुधे प्रभाकर अहर्गण ५२७३ अयमांसाः २२।५९।३५

कारक । इयाम वक्रं । तोमरायुषं । लघ्वर पात्रं ।
 दधि मक्षणं । अलतो के । मृग जातिः ।
 अर्क युधं । मणि भूषणं । पांडु कंबुत्री । प्रगल्भा-
 वस्था । दक्षिणे बलः । राहु पूर्वं । मूलं भूमी ।
 (वैठी) मूर्तताः ३० ।



र	च	मं	शु	क्र	सा	रा
८	७	६	५	४	३	२
५	४	३	२	१	०	९
३	२	१	०	९	८	७
१	०	९	८	७	६	५
९	८	७	६	५	४	३
७	६	५	४	३	२	१
५	४	३	२	१	०	९
३	२	१	०	९	८	७
१	०	९	८	७	६	५
९	८	७	६	५	४	३
७	६	५	४	३	२	१
५	४	३	२	१	०	९

आविर्भाव योगः	सं. १९९५ सं. १८६० पौष शुक्ल पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		चाहूर हृदीर का		तारीख			चन्द्रः		
	तिथि	वार	चौटि	पल	नक्षत्र	चौटि	पल	योग	चौटि	पल	करण	चौटि	पल	करण	चौटि	पल	दिनांक	र. उदय	र. अस्त		हिन्दी	सुलसिम
पूष	१	गु	४८	२१	मृ	१८	११	वृ	४८	१५	कि	१५	३५	ब	४८	२१	१५	१५	२९	१८	२२	घन
प्रवर्ध	२	शु	४८	३१	प	२५	८	कु	४९	५०	वा	२५	२६	कौ	५४	२१	१५	१५	३०	१९	२०	मकर
राक्षस	३	श	६०	०	उ	३२	२६	म्या	५२	२३	नि	२५	२५	ग	६०	१५	६	१६	१०	१२	२५	मकर
गदः	४	र	०	४६	ध	३९	५२	ह	५४	१०	ग	०	४६	ब	२३	१८	१५	१५	३०	२५	२५	मकर
शुभः	५	सो	५	१०	च	४५	१२	व	५६	०	वि	५	१०	ब	४०	१३	१५	१४	३२	२६	२६	कुंभ
पूष्य	६	मं	१३	१७	श	५९	८	लि	५७	४५	वा	१३	१०	कौ	४६	१४	७	१४	३३	२७	२७	कुंभ
परा	७	बु	१८	२४	प	६०	०	व्य	५८	३०	नि	१८	४४	ग	५०	१८	४२	१५	३४	२८	२८	मीन
उग्र	८	शु	२२	२९	५	११६	८	ब	५८	१	ब	२५	५२	लि	५४	२४	२४	१५	३५	२९	२९	मीन
श्रीवरा	९	शु	२५	१२	उ	४१८	८	प	५६	१	ब	२५	५२	वा	५५	२४	२४	१५	३५	३०	३०	मीन
सौम्य	१०	श	२५	१२	रे	४४३	८	शि	५२	३०	कौ	२५	५२	तै	५४	२४	२४	१५	३५	३१	३१	मेघ
रवि द.	११	र	२४	१३	ध	४४३	८	लि	४७	४६	ग	२५	५२	ब	४८	१५	१५	१५	३५	३२	३२	मेघ
ए. म.	१२	सो	२०	४४	भ	६	५	सा	४९	१०	वि	२५	४४	ब	४८	१५	१५	१५	३५	३३	३३	वृषभ
मदीय	१३	मं	१५	२०	कु	५५	५५	शु	३३	१०	वा	२५	४४	कौ	४५	१५	१५	१५	३५	३४	३४	वृषभ
अस्त	१४	बु	८	२५	मृ	५५	५५	शु	२४	३१	नि	८	२५	ग	४४	१५	१५	१५	३५	३५	३५	मिथुन
राय	१५	शु	१८	२९	आ	८८	३४	प्र	५४	५	ब	५५	१३	ब	५५	१४	१४	१४	३५	३६	३६	मिथुन

के. अहमण	तिथि	वार	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मङ्गल	गति
			रा. अं. क. वि.	क. वि	रा. अं. क. वि.	क. वि	रा. अं. क.	क
१३५७	१	गु	८६३२	८	६१७	८	१४२१	८
१३५८	२	शु	८७३१	८	६१७	८	१४४०	८
१३५९	३	शनि	८८३४	८	६१७	८	१४५९	८
१३६०	४	रवि	८९३६	८	६१८	८	१४७८	८
१३६१	५	सोम	९०३७	८	६१८	८	१४९७	८
१३६२	६	मङ्गल	९१३५	८	६१९	८	१५१६	८
१३६३	७	बुध	९२३४	८	६१९	८	१५३५	८
१३६४	८	शुक्र	९३४०	८	६१९	८	१५५४	८
१३६५	९	शनि	९४४२	८	६१९	८	१५७३	८
१३६६	१०	रवि	९५४३	८	६१९	८	१५९२	८
१३६७	११	सोम	९६४४	८	६१९	८	१६११	८
१३६८	१२	मङ्गल	९७४५	८	६१९	८	१६३०	८
१३६९	१३	बुध	९८४६	८	६१९	८	१६४९	८
१३७०	१४	शुक्र	९९४७	८	६१९	८	१६६८	८

सं. ३७ पौष शु. ८ शुक्ल प्रभाकर अहमण ५३८२ अयनांशः २२°५९'३६"

मास फलम्



र	अं	मं	बु	शु	क्र	रा
८	१५	६	७	७	७	६
४	१५	१८	२२	७	३८	२३
४	१५	१८	२८	१०	१३	१८
४	१५	१८	२८	१०	१३	१८
४	१५	१८	२८	१०	१३	१८
४	१५	१८	२८	१०	१३	१८
४	१५	१८	२८	१०	१३	१८

दशमी तक वरु का भाव दिनेदिन
उत्तरता रहेगा। और सोने का भाव तेज
भाव में सम बना रहेगा। गह्वर का भाव
तेज रहेगा। कागहर तथा नेपाल की ओर

तिथि	तीर स्थल रविः	दिसम्बर-जनवरी १९३८-३९ इ. वाक्षिणायने हेमन्त ऋतुः
------	---------------	--

१	७ ७ २४	सावन मकरे भातु २७।१६ उत्तर जपमारंभः
२	७ ७ २४	चन्द्रदर्शनम् । शुद्धिके शुक्रः १।४१
३	७ ७ २४	जिल्काद ११ शु. । मागी युधः । फिस्टमस ।
४	७ ७ २४	भद्रा मा. स्ट. २०।२ विनायकी ४
५	७ ७ २४	भद्रा स. स्ट. १।१९
६	७ ७ २४	स्वात्या ४ भौमः २१।४ शततारका १ शुधः १६।२२ शु. चं. शु.
७	७ ७ २४	पू. पा.चां रविः ४०।२०
८	७ ७ २४	भद्रा मा. स्ट. १५।३६ भद्रा स. स्ट. ४।४ अनु. शुक्रः ६।३९ शुध गोविंदसिंह जन्म दिन ।
९	७ ७ २४	दुर्गा ८ । स. चं. शु. ।
१०	७ ७ २४	भद्रा मा. स्ट. ३।२६ रावी । जनवरी १९३९ विद्यासायां १ भौमः ४५।२४ न्यूईजर्सडे
११	७ ७ २४	भद्रा स. स्ट. १४।४५ पुत्रदा ११ सर्वथा
१२	७ ७ २४	भौम प्रदोषः
१३	७ ७ २४	अमरदाद पारली ।
१४	७ ७ २४	भद्रा मा. स्ट. ६।३७ भद्रा स. स्ट. १६।४६ शांभरी । भायक्षानारंभः

तिथि	शुध रा. भं. क.	गति भं. क.	शुध रा. भं. क.	गति भं. क.	शुध रा. भं. क.	गति भं. क.	शुध रा. भं. क.	गति भं. क.	शुध रा. भं. क.	गति भं. क.	शुध रा. भं. क.	गति भं. क.
१	७ २० ५०	० २१ १०	५ ४२	११	६ २९ ११	० २५	११ १८ १२	१ ६ २२ २५	१ ६ २२ २५	१ ६ २२ २५	१ ६ २२ २५	१ ६ २२ २५
२	७ २० २९	० १ १०	५ ५३	११	६ २९ ३६	० २६	११ १८ १३	१ ६ २२ २९	१ ६ २२ २९	१ ६ २२ २९	१ ६ २२ २९	१ ६ २२ २९
३	७ २० २०	मा ० १० १०	६ ४	११	७ ० २०	० २८	११ १८ १४	१ ६ २२ ३५	१ ६ २२ ३५	१ ६ २२ ३५	१ ६ २२ ३५	१ ६ २२ ३५
४	७ २० २०	० ११ १०	६ १५	११	७ ० ३०	० ३०	११ १८ १५	१ ६ २२ ४०	१ ६ २२ ४०	१ ६ २२ ४०	१ ६ २२ ४०	१ ६ २२ ४०
५	७ २० ३०	० ११ १०	६ २६	११	७ १ ०	० ३२	११ १८ १६	१ ६ २२ ४५	१ ६ २२ ४५	१ ६ २२ ४५	१ ६ २२ ४५	१ ६ २२ ४५
६	७ २० ४९	० २६ १०	६ ३७	११	७ १ ३९	० ३२	११ १८ १७	१ ६ २२ ५०	१ ६ २२ ५०	१ ६ २२ ५०	१ ६ २२ ५०	१ ६ २२ ५०
७	७ २१ १५	० ३६ १०	६ ४८	११	७ २ ३६	० ३४	११ १८ १८	१ ६ २२ ५५	१ ६ २२ ५५	१ ६ २२ ५५	१ ६ २२ ५५	१ ६ २२ ५५
८	७ २१ २८	० ४६ १०	७ १०	१२	७ ३ १०	० ३५	११ १८ २०	१ ६ २२ ५८	१ ६ २२ ५८	१ ६ २२ ५८	१ ६ २२ ५८	१ ६ २२ ५८
९	७ २२ १३	० ५२ १०	७ २२	१२	७ ३ ५५	० ३७	११ १८ २२	१ ६ २२ ५५	१ ६ २२ ५५	१ ६ २२ ५५	१ ६ २२ ५५	१ ६ २२ ५५
१०	७ २३ ५	० ५६ १०	७ ३४	१२	७ ४ २२	० ३८	११ १८ २४	१ ६ २२ ५८	१ ६ २२ ५८	१ ६ २२ ५८	१ ६ २२ ५८	१ ६ २२ ५८
११	७ २३ १९	० ५८ १०	७ ४६	१२	७ ५ ०	० ४०	११ १८ २६	१ ६ २२ ५९	१ ६ २२ ५९	१ ६ २२ ५९	१ ६ २२ ५९	१ ६ २२ ५९
१२	७ २५ ५	१ ० ०	७ ५८	१२	७ ५ ४०	० ४१	११ १८ २८	१ ६ २२ ६०	१ ६ २२ ६०	१ ६ २२ ६०	१ ६ २२ ६०	१ ६ २२ ६०
१३	७ २६ ५८	१ ६ १०	८ ०	१२	७ ६ २१	० ४२	११ १८ ३०	१ ६ २२ ६३	१ ६ २२ ६३	१ ६ २२ ६३	१ ६ २२ ६३	१ ६ २२ ६३
१४	७ २८ ४	१ ७ १०	८ २२	१२	७ ७ ३	० ४३	११ १८ ३२	१ ६ २२ ६५	१ ६ २२ ६५	१ ६ २२ ६५	१ ६ २२ ६५	१ ६ २२ ६५

साम फलम्

अ. ३८ पौष शु. १४ गरी प्रभाकर अहमण ५३८८ अयनशः २२५५९१३७

अकाल वृष्टि तथा ओला की वर्षा से भयंकर हानी होगी । धन तथा भेष राक्षिवाली की यह मास फलप्रद है ।



र	च	म	शु	शु	न	रा
८	८	७	८	७	८	८
२०	८	२८	८	८	२८	८
४८	४८	०	४	२८	४८	४८
१०	२८	२८	५	७	२८	५०
६१	१०	२८	७	२८	४८	३
१२२	१०	२४	०	९	११	११

माघ कृष्ण पक्षः

आनेवादि योगः	सं १९९५ श. १८६० माघ कृष्ण पक्षः										पूर्व करण				उत्तर करण				वाहर हन्दार का		तारीख			चन्द्रः						
	तिथि		वार		पक्ष		नक्षत्र		योग		पक्ष		वार		पक्ष		दिनांक		र. अक्ष		हिन्दी		रोमलिम		पारसी					
	रा.	अ. क. वि.	गति	चन्द्र	रा.	अ. क. वि.	गति	चन्द्र	रा.	अ. क. वि.	गति	चन्द्र	रा.	अ. क. वि.	गति	चन्द्र	रा.	अ. क. वि.	गति	चन्द्र	रा.	अ. क. वि.	गति		चन्द्र	रा.	अ. क. वि.	गति	चन्द्र	
वि.दि	१	शु.	४१	४३	पु	३७	१५	मं	३७	१५	वा	१६	२८	क	४१	४३	१३	१४	१५	२३	१४	३	६	२५	क	३५	क	३५		
मित्र	२	श.	४२	४४	पु	२९	३३	वि	४२	४४	वा	१७	२९	क	४२	४४	१४	१५	१६	२४	१५	४	७	२६	क	३६	क	३६		
वा. व.	३	र.	४३	४५	आ	२२	४१	प्री	४३	४५	वि	२३	३०	ब	४३	४५	१५	१६	१७	२५	१६	५	८	२७	ब	३७	ब	३७		
ध्वज	४	सो.	१५	५८	आ	१६	४५	आ	२२	४५	वा	१५	५८	क	४०	५२	१६	१७	१८	२६	१७	६	९	२८	क	३८	क	३८		
धूम	५	मं.	९	२२	पू	११	५८	सौ	१४	२२	ते	९	२२	ग	३६	५३	१७	१८	१९	२७	१८	७	१०	२९	ग	३९	ग	३९		
प्रवर्ष	६	बु.	४	३३	उ	८	५८	सो	७	३३	वि	३३	३	ग	५२	५८	१८	१९	२०	२७	१९	८	११	३०	वि	४०	वि	४०		
राक्षस	७	शु.	१	३८	ह	७	५९	अ	३	३८	वा	३३	३	ग	५२	५८	१९	२०	२१	२८	२०	९	१२	३१	अ	४१	अ	४१		
सुमल	८	शु.	०	४६	वि	८	६२	पु	१५	४६	को	४	४६	ते	३१	५९	२०	२१	२२	२८	२१	१०	१३	३२	पु	४२	पु	४२		
मिथि	९	श.	१	५५	वि	११	५७	श	१५	५५	ग	१	५५	व	३३	६०	२१	२२	२३	२८	२२	११	१४	३३	वि	४३	वि	४३		
उपवि	१०	र.	४	२०	वि	१५	२२	गं	१४	२०	वि	३३	३	व	३६	६०	२२	२३	२४	२८	२३	१२	१५	३४	वि	४४	वि	४४		
प. व.	११	सो.	८	२०	उ	२०	४६	बु	१५	२०	वा	८	२०	को	४०	५०	२३	२४	२५	२८	२४	१३	१६	३५	वि	४५	वि	४५		
प्र. व.	१२	मं.	१३	२१	ज्ये	२७	४७	धु	१५	२१	ते	३३	३	ग	४७	५१	२४	२५	२६	२८	२५	१४	१७	३६	वि	४६	वि	४६		
ध्वज	१३	शु.	२१	२१	मू	३३	५१	इया	१८	२१	व	३३	३	ग	४७	५१	२५	२६	२७	२८	२६	१५	१८	३७	वि	४७	वि	४७		
अमृत	१४	शु.	२५	५	ह	४१	७	ह	६०	५	श	२५	५	ज	५८	५२	२६	२७	२८	२८	२७	१६	१९	३८	वि	४८	वि	४८		
अमा	१५	शु.	३१	२०	उ	४८	२५	ह	७०	२०	ना	३१	२०	कि	६०	५०	२७	२८	२९	२८	२८	१७	२०	३९	वि	४९	वि	४९		
के. अहरण	तिथि	वार	पूर्व				गति				चन्द्र				गति				मज्जल				गति							
			रा.	अ. क. वि.	क.	वि	रा	अ. क. वि.	क.	वि	रा	अ. क. वि.	क.	वि	रा	अ. क. वि.	क.	वि	रा	अ. क. वि.	क.	वि	रा	अ. क. वि.	क.	वि	रा	अ. क. वि.	क.	वि
१३७२	१	शु.क.	८	२१	४९	१९	६१	९	२२	३६	२४	१५	२२	२५	६	२३	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३७३	२	श.वि.	८	२२	५०	२८	६१	९	३०	११	४९	१५	२३	२६	६	२३	३४	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३७४	३	र.वि.	८	२३	५१	३७	६१	९	३०	२४	२१	४७	१५	२४	६	२३	३१	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३७५	४	मो.म.	८	२४	५२	४६	६१	९	४	१६	४४	१५	२४	२४	६	२४	२८	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३७६	५	मज्जल.	८	२५	५३	५५	६१	९	४	२३	२१	१८	१५	२४	६	२५	५	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३७७	६	बुध.	८	२६	५४	४	६१	८	५	७	५४	४०	१५	२४	६	२५	४	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३७८	७	शु.क.	८	२७	५६	१२	६१	८	५	२३	३६	२९	१५	२४	६	२६	१९	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३७९	८	शु.क.	८	२८	५७	२०	६१	७	६	४८	१४	१५	२४	१५	२४	६	२६	१६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३८०	९	श.वि.	८	२९	५८	२७	६१	७	६	७७	८	२४	१५	२४	६	२७	३३	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३८१	१०	र.वि.	९	०	५९	३४	६१	७	७	०	११	३३	१५	२४	६	२८	१०	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३८२	११	मो.म.	९	०	६०	४१	६१	६	७	१२	२०	२३	१५	२४	६	२८	४७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३८३	१२	मज्जल.	९	१	६१	४७	६१	६	७	२३	२५	२०	१५	२४	६	२९	२४	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३८४	१३	बुध.	९	१	६२	५३	६१	५	८	३३	२५	२०	१५	२४	६	३०	२४	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३८५	१४	शु.क.	९	१	६३	५८	६१	५	८	३३	२६	२०	१५	२४	६	३०	२८	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७
१३८६	१५	शु.क.	९	१	६४	२	६१	४	९	०	२४	२१	१५	२४	६	३१	१५	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३७

अ. ३९ माघ कृष्ण ८ शुके प्रमाकर अहरण ५३९९ अवर्नाशाः ३२ १५९ ३८

मकर संक्रान्ति फलम्



र	च	मं	शु	शु	शु	वा	श
८	६	८	१०	७	११	६	६
२८	४	२६	०	९	१३	१८	२१
५७	४	५६	५८	५९	१७	५६	१४
६१	४	२२	३४	५	७	१३	२४
६१	७	३०	३७	८	१३	४९	३६
७	१०	४	०	२	६	०	११

माघ कृष्ण ९ शनिवारे मकरऽर्कः प्र.
वा. इ. न. इ. वा. ना. राक्षस। चांडाल सुखी।
महोदश। चौर सुखी। दक्षिणे गमनं। नैऋत्या
हस्तिः। फल मय्यम। वा. हस्ती। उ. वा. खर।

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	जनवरी-फरवरी १९३९ इ.।	दक्षिणायने शिशिर ऋतुः।
------	-----------------	----------------------	------------------------

१	१० ७ ६	चन्द्रदर्शनं।	शुभः १४२२ शततारका ३ गुरुः २७४४
२	१० ७ ६	शुभः १४२२ शततारका ३ गुरुः २७४४	मिल्लेज १२ गु.। अवर्णे रविः ५०१२८ अनुः। १ भौमः २२४२२। गु. चं. यु.।
३	१० ७ ६	मद्रा प्रा. स्ट. १५१२५ मद्रा स. स्ट. ४१३२ रात्री। विनायकी ४	
४	१० ७ ६	वसन्त पंचमी उमायां ल. ५ गोधूलि रे ८ ॥॥॥॥॥॥॥॥	
५	१० ७ ६	उमायां बुधः ३११७ श. चं. यु. रेवत्यां ल. ९ गोधूलि रे. ९ ॥॥॥॥॥॥॥॥	
६	१० ७ ६	मद्रा प्रा. स्ट. ८११७ मद्रा स. स्ट. २०१४४ रव ७ भीष्मा ८ दुर्गा ८। अनुः। २	
७	१० ७ ६	रेवत्यां २ शनिः १२१० वैधृति महापात स्पशः स्ट. २२४४	
८	१० ७ ६	मूले धने शुक्रः ४११० महापात मोक्ष स्ट. ६४४५	
९	१० ७ ६	मद्रा प्रा. स्ट. १६३१ मद्रा स. स्ट. ३११८ जया ११ सर्वेयां।	
१०	१० ७ ६	फरवरी २ भीष्म १२ प्रदोष। अभिजित् बुधः ३०१९ वकरी द. (एदल जुहा)	
११	१० ७ ६		
१२	१० ७ ६		
१३	१० ७ ६		
१४	१० ७ ६		
१५	१० ७ ६		

तिथि	बुध रा. अं. क.	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क.	गति अं. क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं. क.	शनि रा. अं. क.	गति अं. क.	राहु रा. अं. क.	गति अं. क.
१	८१९ १०	१२८ १० ११ ४३	१३	७२० ३३	० ५५	११ १९ २३	४	६२० ४८ ५७	३११	
२	८२० ३६	१२८ १० ११ ५६	१३	७२१ २८	० ५७	११ १९ २७	४	६२० ४८ ५६	३११	
३	८२२ ३६	१२९ १० १२ ९	१३	७२२ २५	० ५७	११ १९ ३१	४	६२० ४८ ५५	३१०	
४	८२३ ३६	१२९ १० १२ २२	१३	७२३ २२	० ५९	११ १९ ३५	४	६२० ४९ २५	३११	
५	८२४ ५६	१३० १० १२ ३५	१३	७२४ २१	० ५९	११ १९ ३९	५	६२० ४९ १४	३११	
६	८२५ ५६	१३१ १० १२ ४८	१३	७२५ २०	० ५९	११ १९ ४४	५	६२० ४९ ३३	३११	
७	८२६ ५६	१३२ १० १३ १	१३	७२६ १९	१ ०	११ १९ ४९	५	६२० ४९ ५२	३११	
८	८२७ ५६	१३३ १० १३ १४	१३	७२७ १९	१ ०	११ १९ ५४	५	६२० ४९ ५४	३११	
९	८२८ ५६	१३३ १० १३ २७	१३	७२८ १९	१ ०	११ १९ ५९	५	६२० ४९ ५९	३११	
१०	८२९ ५६	१३४ १० १३ ४०	१३	७२९ १९	१ १	११ २० ०	५	६२० ४९ ५९	३१०	
११	८३० ५६	१३५ १० १३ ५३	१३	८ ० २०	१ २	११ २० ०	५	६२० ४९ ५९	३११	
१२	८३१ ५६	१३५ १० १४ ६	१३	८ १ २२	१ २	११ २० १४	५	६२० ४९ ५८	३११	
१३	८३२ ५६	१३६ १० १४ १९	१३	८ २ २४	१ २	११ २० १९	५	६२० ४९ ५८	३११	
१४	८३३ ५६	१३७ १० १४ ३२	१३	८ ३ २५	१ २	११ २० २४	५	६२० ४९ ५८	३१०	
१५	८३४ ५६	१३७ १० १४ ४५	१३	८ ४ २७	१ ३	११ २० २९	५	६२० ४९ ५८	३११	

मास फलम्

अ. ४२ साध शु. १५ शनी प्रसाकर अद्वैत ५४१८ अयनांशः २०१५९५१

माघ मंदा होमा। ललनो तथा कानपुर के तरफ उपद्रव और हुल्लड अधिक प्रमाण में होंगे। मेघ तथा मिथुन राशिवालों को यह महीना अधिक लाभका है।



र	च	म	भ	शु	बु	शु	स	रा
१	२	३	४	५	६	७	८	९
१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७
२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६

क्रान्तियादि योगः	सं. १९९५ भा. १८६० फाल्गुन कृष्ण पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		शहर इन्द्रोदर का		तारीख			चन्द्रः				
	तिथि	वार	चोटे	पल	नक्षत्र	चोटे	पल	योग	चोटे	पल	कण	चोटे	पल	कण	चोटे	पल	विमान	र. उदय	र. अस्त		हिन्दी	मुस्लिम	फार्सी	इस्वी
																	दिन	मि	स		मि	मि	मि	
शुभ	१	र.	५४	५४	म	४२	५५	शो	४३	५५	को	४३	५५	ग	४३	५५	१	२३	१४	३	५	सिंह	५५	सिंह
पुनर्व	२	सा.	५५	५५	प	३६	३७	अ	३४	५२	व	२२	५३	वि	५५	२४	१६	२४	१५	४	६	कन्या	५५	कन्या
च. प्र.	३	मं	५६	५६	उ	३१	४७	सु	२५	३७	ब	१७	५८	वा	४४	५३	१६	२५	१६	५	७	कन्या	५६	कन्या
आनंद	४	बु.	५७	५७	ह	२८	४३	पू	१८	२८	को	१३	४५	त्रे	४०	४८	५७	२६	१७	६	८	तुल	५७	तुल
चर	५	शु	५८	५८	वि	२७	४५	श	१२	५४	ग	९	४६	व	३८	५८	६	२७	१८	७	९	तुल	५८	तुल
गदः	६	शु	५९	५९	स्वा	२८	४६	मं	८	५८	वि	८	५४	वा	३८	५८	६	२८	१९	८	१०	तुल	५९	तुल
श्रुभः	७	श.	६०	६०	वि	२९	४५	बु	६	५५	वा	९	५५	को	३८	५५	५	२९	२०	९	११	शुक्र	६०	शुक्र
संयु	८	र.	६१	६१	ज्य	२९	४५	पू	५	५५	ग	११	५६	व	४३	५८	५	३०	२१	१०	१२	शुक्र	६१	शुक्र
परा	९	मं.	६२	६२	मं	२९	४५	दया	६	५५	व	१६	५६	त्रि	४८	५९	५	३१	२२	११	१३	घन	६२	घन
ए. प्र.	१०	मं.	६३	६३	मं	२९	४५	ह	७	५५	व	२१	५६	वा	४८	५९	५	३२	२३	१२	१४	घन	६३	घन
ए. प्र.	११	बु.	६४	६४	प	२९	४५	व	८	५५	को	२७	५६	तै	६०	६०	५	३३	२४	१३	१५	घन	६४	घन
प्र. न.	१२	शु.	६५	६५	उ	३०	०	सि	११	५४	तै	०	२७	ग	३३	५९	५	३४	२५	१४	१६	मकर	६५	मकर
शिवरात्री	१३	शु.	६६	६६	अ	४	४	दय	१३	५५	व	१६	५६	वि	४८	६०	५	३५	२६	१५	१७	मकर	६६	मकर
सिद्धि	१४	श.	६७	६७	उ	११	२२	व	१४	५२	श	३	५६	व	४६	६०	५	३६	२७	१६	१८	कुंभ	६७	कुंभ
अमा	१५	र.	६८	६८	घ	१८	५५	प	१७	५५	ना	११	५६	र	५५	६०	५	३७	२८	१७	१९	कुंभ	६८	कुंभ

के. अहर्गण	तिथि	वार	पूर्व		गति		चन्द्र		शति		मङ्गल		गति			
			रा. अं. क. वि.	क. वि.	रा. अं. क. वि.	क. वि.	रा. अं. क. वि.	क. वि.	रा. अं. क. वि.	क. वि.						
१४०२	१	रवि.	९२२	२०२४	६०	४९	४	२३३	४०	१५	५	९	७	१०	५९	३६
१४०३	३	सोम.	९२३	२११३	६०	४८	४	३३३	४९	१४	३६	३६	७	११	३५	३६
१४०४	४	मङ्गल.	९२४	२२१	६०	४७	५	२५	२६	१४	३८	३२	७	१२	३४	३६
१४०५	५	बुध.	९२५	२२४८	६०	४५	५	१६	४८	१३	४७	३६	७	१३	४०	३६
१४०६	६	गुरु.	९२६	२३३३	६०	४३	६	०	३१	१३	५६	३३	७	१४	२९	३६
१४०७	७	शुक्र.	९२७	२४१६	६०	४२	६	१३	५१	७	२२	४९	७	१५	२८	३६
१४०८	८	शनि.	९२८	२४५८	६०	४१	६	२६	४४	५६	२३	३२	७	१६	३५	३६
१४०९	९	रवि.	९२९	२५३९	६०	४०	७	११	३६	२४	४४	३०	७	१७	३४	३६
१४१०	१०	सोम.	९३०	२६१९	६०	३९	७	२१	३१	१६	२२	४९	७	१८	४७	३६
१४११	११	मङ्गल.	९३१	२६५८	६०	३७	८	३३	३४	५	१५	४५	७	१९	२३	३६
१४१२	१२	बुध.	९३२	२७३५	६०	३६	८	१५	२८	५०	१४	४३	७	२०	५९	३५
१४१३	१३	गुरु.	९३३	२८११	६०	३४	८	७	२१	४	१३	४५	७	२१	३४	३७
१४१४	१४	शुक्र.	९३४	२८५५	६०	३३	९	११	४९	५	११	४९	७	२२	३३	३६
१४१५	१५	शनि.	९३५	२९१८	६०	३१	९	२१	४	२३	११	५६	७	२३	४७	३६
१४१६	१६	रवि.	९३६	२९५९	६०	२९	१०	३०	३२	१२	०	५६	७	२४	४६	३६

अ. ४३ पीछे कृ. ८ शानो प्रभाकर अहर्गण ५४२५ अग्रमंशिका: २२°५९'४३"

कुम्भ सक्रीणकम्



र	अं	मं	बु	गु	शु	सा	रा
९	६	७	९	१०	८	११	६
२८	२६	१४	२२	१६	११	२१	१९
२४	४४	३५	१८	२७	५३	४४	२
५८	५६	३३	२२	१०	४	३१	०
६१	७५	३६	१४	३४	६५	५	३
४१	१०	०	०	०	०	११	३

फाल्गुन कृष्ण ९ रविवारे कुम्भऽर्कः प्र.
 वा. २ न. ३ वार नाम पोरा। शुद्ध सुखी। न.
 ना. मंदाकिनी। राजा सुधी। प्र. व्यापिनी।
 पिशाचाश्च हन्ति। दक्षिणे गमनं। नैऋत्यां दृष्टिः।
 मध्यम फलं। हस्ति वाहनं। खर उपवाहनं।

काल्युन शुक्र पक्षः

मानवादि योगाः	सं. १९९५ सा. १८९० काल्युन शुक्र पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		वाहर हस्तार का		वारोक्ष		चन्द्रः
	तिथि		वार		पक्ष		नक्षत्र		घटी		योग		करण		विनिर्माण		वारोक्ष		
	तिथि	वार	पक्ष	नक्षत्र	घटी	योग	घटी	करण	घटी	पक्ष	करण	घटी	पक्ष	विनिर्माण	वारोक्ष	विनिर्माण	वारोक्ष		
असुन	१ सो	२४	८	वा	२४	४५	शि	१९	०	व	२४	४५	वा	१९	०	२९	१८	२०	कुंभ
कुलेरा	२ म	२५	४	पू	३०	३९	सि	१९	५५	को	२४	४५	तै	६०	०	१	१९	२१	१० मीन
काण	३ बु	२६	६	उ	३६	०	सा	२०	२२	ने	१	५	ग	२३	६	२४	२०	२२	मीन
मित्र	४ शु	२७	८	रे	४०	१२	शु	२०	१०	व	२	१०	वि	२६	१४	२५	११	२३	१० मिथुन
वज्र	५ श	२८	३०	अ	४३	१५	शु	१८	५२	ब	६	४३	वा	२०	१५	२५	१२	२४	१५ मिथुन
प्रांश	६ श	२८	२०	भ	४५	१२	म	१६	४०	क	१	२५	तै	२८	२०	२६	१३	२४	१५ मिथुन
रवि, स.	७ उ	३०	३६	क	४८	२३	र	१३	३१	ग	६	३३	व	३३	३५	२५	१४	२५	१५ मिथुन
प्रवर्ध	८ सो	३१	५१	रो	४४	१	वै	८	५९	वि	६	५९	व	३६	५१	५३	१५	२६	१५ मिथुन
राक्षस	९ म	२९	५६	सु	४१	१	वि	५	५४	वा	२	५४	तै	५६	५८	५३	१६	२७	१५ मिथुन
सुमल	१० बु	२८	५८	आ	३६	३	वा	४	२५	व	३	५८	व	५०	२१	२७	१७	२८	१५ मिथुन
ए. व.	११ शु	३१	५९	पु	३९	३	सौ	३	३	वि	१६	४५	व	४५	५१	२८	१८	२९	१५ मिथुन
प्र. व.	१२ श	३०	६३	पु	३४	३	शो	२८	२६	वा	८	४३	कौ	३५	५५	३०	१९	३०	१५ मिथुन
शेव	१३ श	५०	६४	आ	१०	३	अ	१८	१०	नै	१६	४५	व	५०	५१	३१	२०	३१	१५ मिथुन
हाली	१४ र	५०	१६	म	१०	२५	सु	५३	४७	वि	१६	३३	व	४०	१	३२	२१	३१	१५ मिथुन

के. अहर्गण	तिथि	वार	रव्य		गति		चन्द्र		गति		मंगल		गति
			रा. अं. क. वि.	क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क. वि.					
१४१७	१	सोम.	१० ७ ३० १८	६० २८	१० १५ ० ५८	१२ ५ ९	७ १९ ५ ९	३६					
१४२८	२	मङ्गल.	१० ८ ३० ४६	६० २७	१० २७ ६ ७	१२ १२ २२	७ २० ३५	३६					
१४१९	३	बुध.	१० ९ ३१ १३	६० २५	११ १ १८ ९	१२ १६ १	७ २१ ११ १	३६					
१४२०	४	गुरु.	१० १० ३१ ३८	६० २३	११ २१ ३४ ३०	१२ ३४ ३४	७ २१ ४७	३६					
१४२१	५	शुक्र.	१० ११ ३२ १	६० २१	० ४ १ ४	१२ ३४ ३७	७ २२ २३	३६					
१४२२	६	शनि.	१० १२ ३२ २२	६० २०	० १६ ५२ ४१	१२ ५५ ४५	७ २२ ५९	३६					
१४२३	७	रवि.	१० १३ ३२ ४२	६० १८	० २९ ५२ २६	१३ २२ ५८	७ २३ ३५	३६					
१४२४	८	सोम.	१० १४ ३३ ०	६० १६	१ ३३ ४४ २५	१३ ४५ २५	७ २४ ११	३६					
१४२५	९	मङ्गल.	१० १५ ३३ १६	६० १४	१ २६ ५९ ४९	१४ ८ ४६	७ २५ ४७	३६					
१४२६	१०	बुध.	१० १६ ३३ ३०	६० १३	२ ११ ८ ३५	१४ ३३ १३	७ २५ ३३	३६					
१४२७	११	गुरु.	१० १७ ३३ ४३	६० ११	२ २५ ४१ ५६	१४ ५० १४	७ २५ ५८	३५					
१४२८	१२	शुक्र.	१० १८ ३३ ५४	६० ९	३ १० ३२ १०	१४ ५७ ५७	७ २६ ३३	३५					
१४२९	१३	शनि.	१० १९ ३४ ३	६० ७	३ २५ ३० ७	१५ १४ १३	७ २७ ८	३५					
१४३०	१४	रवि.	१० २० ३४ १०	६० ५	४ १० ४४ २०	१५ ५७ २२	७ २७ ४३	३५					

नं. ४५ काल्युन शु. ८ सोम। प्रभाकर अहर्गण ५४५१ अयनशांशः २२°५९'४४"

मास फलम्



र	व	मं	जु	गु	शु	स	रा
१४	१३	२४	२१	२०	२९	२२	१८
३३	१४	१४	२६	१७	३२	१८	५१
०	२४	१४	१७	६	२	१३	१७
६०	२५	३६	१४	१५	६८	७	३१
१६	२५	२२	१०	३	४	११	

अकाली वर्षा से मध्यप्रदेश तथा बरार में
हानी अधिक होगी लाल मिर्च तथा तांबेका
भाव एकाएक तेज होगा। पित्तका भाव
तेज होगा। रुई के खेती बिक्री में तेजीकी
टोन में विशेष लाभ होगा। मालवा प्रदेश में

तिथि	सौर स्वप्न रविः	फरवरी-मार्च १९३२ इ.	दक्षिणायेन शिशिर ऋतुः
१	१०:००	चन्द्रदर्शनम् । गु. चं. यु.	
२	१०:००	मोहरम हि. स. १३५८	
३	१०:००	= ३४१५२ गुरु अस्त पश्चिमे वैधृति महापात स्पष्टे स्ट. १६।३३ मोक्ष २२।४२	
४	१०:००	भद्रा प्रा. स्ट. ८।२७ भद्रा स. स्ट. २१।१२ विनायकी ४ श चं. यु. उ. पा. शुक्रः =	
५	१०:००		
६	१०:००	व्येष्टा ३ भौमः ३५।० पू. भा. १ शुक्रः २३।५	
७	१०:००	भद्रा प्रा. स्ट. २१।१६ पू. भा. बुधः १४।४४ गु. गु. यु.	
८	१०:००	भद्रा स. स्ट. १।१४ दुर्गा ८। मकर शुक्रः २४।४२	
९	१०:००		
१०	१०:००	भद्रा प्रा. स्ट. २।३५ रात्री । मार्च ३	
११	१०:००	भद्रा स. स्ट. १३।९ अमलकी ११ सर्वेथां । ताजिया यु. ।	
१२	१०:००	प्रदोष व्येष्टा ४ भौमः १२।० मीने बुधः ३१।४६	
१३	१०:००	भद्रा प्रा. स्ट. २।४७ पू. भा. रविः २५।५४ यु. तीजा ।	
१४	१०:००	भद्रा स. स्ट. १३।४ होलिका दीपनम् उ. भा. बुधः १९।५ अभिजिते शुक्रः १६।४५ +	
१५	१०:००	+ रेवत्या ३ क्षान्तिः आर्द्रविहस्त ।	

तिथि	शुभ		गति		शुक्र		गति		शुक्र		गति		शनि		गति		राहु		गति	
	रा.	अं. क.	अं. क.	रा.	अं. क.	क.	रा.	अं. क.	अं. क.	रा.	अं. क.	अं. क.	रा.	अं. क.	क.	रा.	अं. क.	क. वि.	क. वि.	
१	१०	८	१५	१०	१८	२३	१४	८	२१	४३	१६	११	२१	५५	६	६	१९	१३	३३	३१०
२	१०	१०	१५	१०	१८	४७	१५	८	२२	४९	१६	११	२२	१	६	६	१९	१०	२३	३११
३	१०	१२	१५	१०	१९	२	१५	८	२३	५५	१६	११	२२	७	६	६	१९	७	१२	३११
४	१०	१३	१५	१०	१९	१७	१५	८	२४	१	१७	११	२२	१३	६	६	१९	४	१	३११
५	१०	१५	१५	१०	१९	३२	१५	८	२६	८	१८	११	२२	१९	६	६	१९	०	५५	३११
६	१०	१६	१५	१०	१९	४७	१५	८	२७	१६	१८	११	२२	२५	६	६	१८	५७	३११	
७	१०	१७	१५	१०	१९	०	२	८	२८	२४	१८	११	२२	३१	७	६	१८	५४	२८	३११
८	१०	१९	१५	१०	१९	१७	१५	८	२९	३२	१८	११	२२	३८	७	६	१८	५१	१७	३११
९	१०	२०	१५	१०	१९	३२	१५	०	३०	०	१८	११	२२	४५	८	६	१८	४८	३११	
१०	१०	२१	१५	१०	१९	४७	१५	१	३४	८	१८	११	२२	५२	७	६	१८	४४	५५	३११
११	१०	२२	१५	१०	२१	२	१५	१	३५	६	१८	११	२२	५९	७	६	१८	४१	४४	३१०
१२	१०	२३	१५	१०	२१	१७	१५	१	४	४	१८	११	२३	६	७	६	१८	३८	३६	३११
१३	१०	२४	१५	१०	२१	३२	१५	१	५	१२	१८	११	२३	१३	७	६	१८	३५	२३	३११
१४	१०	२५	१५	१०	२१	४७	१५	१	६	२१	१८	११	२३	१९	७	६	१८	३२	१२	३११

मान्य फलम्

अ. ३८ पौष

शु. १४ गुरी प्रभाकर अहमौग ५३८८ अयनांशः २२५।५५।३७

उत्तर धान्य की फसल कहीं कहीं बिगड़ने हुए भी अच्छी लादाव में होगी। गल्ले का भाव मदा होगा। दिल्ली तथा आगरा की ओर उपद्रव अधिक होगा। वृषभ तथा सिंह राशि-वालोंका यह मास उत्तम लाभ प्रद जावेगा।



र	च	म	शु	गु	श	रा
१०	१०	७	११	१०	११	६
२०	१०	२७	२२	११	६	१८
३४	४४	४३	४५	४७	२१	३२
१०	०	४	१३	१२	६	२२
६	०	८	३५	१०	१५	८
५	२२	२२	४	३१	११	

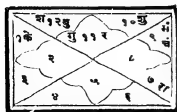
चैत्र कृष्ण पक्षः

आतन्द्रि योगः	सं १९५५ श. १८१० चैत्र कृष्ण पक्षः										पूर्व करण		उत्तर करण		शहर हस्तार का		तारीख		चन्द्रः		
	तिथि	वार	घटि	पल	नक्षत्र	घटि	पल	योग	घटि	पल	करण	घटि	पल	करण	घटि	पल	दिनमान	र. उदय		र. अस्त	सुप्रतिम
ध्वज	१	सो.	३४	३५	पू	५३	३६	शु	४८	२९	वा	८९	१०	२२	३५	२३	१४	२	३८	कन्या	
धाता	२	मं.	२६	१५	चि	५३	१०	ग	४०	१७	तै	१०	१६	२०	४८	३५	१५	३	३८	कन्या	
व. ब्र.	३	बु.	२२	१२	चि	५१	१७	व	३३	२२	वि	२२	१२	२०	४८	३५	१५	४	३८	कन्या	
अमृत	४	गु.	१८	४५	स्वा	५०	२०	भु	२७	५५	वा	८८	४४	२०	४८	३५	१५	५	३८	कन्या	
मातेम	५	शु	१७	१०	वि	५१	४०	व्या	२४	४	ते	१७	१०	२०	४८	३५	१५	६	३८	कन्या	
शुभ	६	श.	१७	४४	ज्य	५४	४०	ह	२१	२५	य	१७	४४	२०	४८	३५	१५	७	३८	कन्या	
अमृत	७	र.	२०	१६	ज्य	५९	४५	व	२१	७	बा	२०	१६	२०	४८	३५	१५	८	३८	कन्या	
सातला	८	सो.	२२	२९	मू	६०	०	सि	२१	४०	की	२२	२९	२०	४८	३५	१५	९	३८	कन्या	
छत्र	९	मं.	२९	५६	मू	६०	०	व्य	२३	११	ग	२९	५६	२०	४८	३५	१५	१०	३८	कन्या	
श्रवत्स	१०	बु.	३६	०	पू	१३	११	व	२५	१२	व	२५	०	२०	४८	३५	१५	११	३८	कन्या	
व. ब्र.	११	गु.	४२	२७	उ	२०	५०	प	२७	७	वा	२७	०	२०	४८	३५	१५	१२	३८	कन्या	
अमृत	१२	शु.	४८	२३	अ	२८	०	वि	२९	३७	ति	४८	२३	२०	४८	३५	१५	१३	३८	कन्या	
राक्षस	१३	श.	५३	५०	ध	३४	०	सि	३१	१९	ग	२९	५६	२०	४८	३५	१५	१४	३८	कन्या	
प्र. व.	१४	र.	५८	३०	श	४१	९	सा	३२	३०	वि	२६	१०	२०	४८	३५	१५	१५	३८	कन्या	
मोमवर्ता	१५	सो.	६०	०	पू	३३	०	शु	३३	०	ना	२९	५६	२०	४८	३५	१५	१६	३८	कन्या	
अमा	१६	मं.	२२	२१	उ	५१	२	शु	३३	०	ना	२९	५६	२०	४८	३५	१५	१७	३८	कन्या	

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य		गति		चन्द्र		गति		मङ्गल		गति	
			रा. अ. क. वि.	क. वि.	रा. अ. क. वि.	क. वि.	रा. अ. क. वि.	क. वि.	रा. अ. क. वि.	क. वि.	रा. अ. क. वि.	क. वि.	रा. अ. क. वि.	क. वि.
१४३१	१	मोम.	१०	२१	३४	१५	६०	४	४२	५४	१२	१४	४५	२५
१४३२	२	मङ्गल.	१०	२२	३४	१९	६०	२	५१	०	२७	१४	४५	२२
१४३३	३	बुध.	१०	२३	३४	२१	५९	५९	५९	४८	२९	१३	५२	३३
१४३४	४	शुक्र.	१०	२४	३४	२०	५९	५८	६	८	४१	२	१३	७२
१४३५	५	शुक्र.	१०	२५	३४	१८	५९	५६	६	२२	८	३८	१३	४५
१४३६	६	शनि.	१०	२६	३४	१४	५९	५४	७	५२	०	१३	१२	४८
१४३७	७	रवि.	१०	२७	३४	८	५९	५२	७	१७	५४	११	१८	२५
१४३८	८	सोम.	१०	२८	३४	०	५९	५०	८	०	३३	६	२७	१५
१४३९	९	मङ्गल.	१०	२९	३३	५०	५९	४८	८	१२	६	५८	२१	५५
१४४०	१०	बुध.	१०	३०	३३	४८	५९	४६	८	२४	२	३१	१९	३३
१४४१	११	शुक्र.	११	१	३३	२४	५९	४४	९	५	४	२२	१९	३३
१४४२	१२	शुक्र.	११	२	३३	८	५९	४२	९	१७	५४	२२	१९	३३
१४४३	१३	शनि.	११	३	३२	५०	५९	४०	९	२९	३१	४०	१९	३३
१४४४	१४	रवि.	११	४	३२	३०	५९	३९	१०	११	४०	३७	१९	३३
१४४५	१५	सोम.	११	५	३२	९	५९	३६	१०	२३	४८	३७	१९	३३
१४४६	१६	मङ्गल.	११	६	३१	४५	५९	३४	११	६	४८	३२	२६	३४

अ. ४७ चैत्र कृष्ण ८ सोमि प्रभाकर अहर्गण ५४५५ अवधियाः २२१५०१४५

सोमि सङ्क्रान्ति फलम्



र	च	म	बु	गु	शु	वा	श
१०	८	११	१०	९	११	१८	६
२०	०	२	१६	२३	१५	२४	१८
३४	३	१९	९	४७	३६	१६	६
४९	३	६	२	७	४१	४६	४
५९	७	३	३४	८२	१६	७०	७
६०	२२	१२	५	१२	४	११	११

चैत्र कृष्ण ९ सोमि मीनेऽर्कः प्र. वा. १, न. ४। वार ना. महोदरी। चौर सुखी। नक्षत्र नाम घोरा। शुद्ध सुखी। पूर्वाह्न व्यापिनी। गजान् हन्ति। पूर्वे गमनं। आशिया दृष्टिः। मध्यम

[illegible][illegible]

अथ गंधर्वविवाहः—चंद्रकादिदलेरा आश्रयवृणत्तथा ॥ आश्विनी वसुदेव्यं पट्टकलं शुभं
स्मृतः ॥१॥ वेष्या आद्रीं पुनर्वसुं अश्लेषा
हस्तिका शशीपिमा आश्विनी पानिधा । दानेन नवग्रहं शुभं ह्ये गुरु शुक असोदय दोषि नर्ही ।

अथ तिथिवारतन्त्रादिषु त्रयोदशयोगकेष्टम्
लिख्यते ॥

योग.	रावि.	चंद्र.	मंगल.	बुध.	शुक्र.	शनि.	वार.
चर.	पूमा.	मंणी	आर्द्रा.	मघा.	चित्रा.	ज्येष्ठा.	अभि.
क्रकच.	१२ ति.	११	१०	९	८	७	६
दाघ.	१२ ति.	११	५	३	६	८	९
मृगश्र	१	२	१	३	४	२	५
	६	७	६	८	९	७	१०
	११	१२	११	१३	१४	१२	१५
सिद्धि.	०	०	८	२	५	१	४
			१३	७	१०	६	९
				१२	१५	११	१४
उत्पत्त.	विद्या.	पू. पा.	घनि.	रेव.	रोहि.	पुष्य.	उ. पा.
मूल.	उत्त.	उ. पा.	घत.	अभि.	मृग.	उल्ले.	हस्त.
काण.	घने.	उमि.	पू. मा.	मरणा.	आर्द्रा.	म.	चित्रा.
किद्धि.	मूल.	अव.	उ. मा.	कृति.	पुन.	पू. का.	स्वाती
मघांष्ट.	मघा.	मूल.	कृति.	पू. पा.	उत्तरा.	रोहि.	अव.
यमघंष्ट.	मघ.	विद्या.	आर्द्रा.	मूळ.	कृति.	रोहि.	हस्त.
मुक्क.	अभि.	पू. मा.	भर.	आर्द्रा.	मघा.	चित्रा.	ज्येष्ठा.
ज. वि.	हस्त.	मृग.	अभि.	उत्त.	पुष्य.	रेव.	रोहि.

दिनका चौविडिया.

र	च	म	व	शु	शु	श
उ	अ	रो	ला	अ	च	का
व	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	च	का	उ	अ	रो
अ	रो	ला	शु	च	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	च
शु	च	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	च	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	च	का

रात्रीका चौविडिया.

र	च	म	व	शु	शु	श
शु	च	का	उ	अ	रो	ला
अ	रो	ला	शु	च	का	उ
च	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	च	का	उ	अ
का	उ	अ	रो	ला	शु	च
ला	शु	च	का	उ	अ	रो
उ	अ	रो	ला	शु	च	का
शु	च	का	उ	अ	रो	ला

अधिन्यासितक्षत्राणां चरणागतकष्टार्थं दानं
कष्टावलीयेत्रम् ॥

अभि.	९१०	७	७ मोति.	स्वाती. १२२१	२२२२ घृत.
मरणा.	५	७१५	५ अक्ष.	विद्या. १५१४	१५ शुद्ध.
कृत्तिका	१५	०१५	५ घृत.	उत्तरा. १०१११२१५	मेहं.
राहिणी	१७१८२६	२० मनु.	ज्येष्ठा. १	५१११८	रातो.
मृग.	१५१७२१	८ कावे.	मूळ. १६१५१८	८ मोटो.	
आर्द्रा.	०२	७२ दूष.	पू. पा. ०	९०३०	अक्ष.
पुन.	७१२२०	८ गीत.	उ. पा. ७१११०	० रातो.	
पुष्य.	७१११०	० रातो.	उमि.	७	८ ५१५ भूमि.
उल्लेखा	७	०००	ऊरो.	अवगा. १११८१७	९ मूळ.
मघा.	२११५१७	७ गाय.	भानिष्ठा. १०११५	७ तैल.	
पूर्वा.	१५	५ ९	मेहं.	श. ता. १६	२२० ९ दूषण.
उत्तरा.	७१४	८ तैल.	पू. मा. ०	७ ८	अक्ष.
हस्त.	१७	८२०२०	अत.	उ. मा. ७१११०	० कावे.
चित्रा	११२११	२१ मूळ.	रेवती.	९०७	० रेम.

स्वयं हिगुण कृदा परवर्गेण योजयेत् ।
अष्टाभिश्च हरद्वयं यधिकः सकृन्नि भवेत् ॥

अथ-आने वरंका दुगनाकर दूतरेका तर्ग
जोडना कीर ८ का भाग देना । कीर दूतरेका वरं
दुगना करेके आनात वरं जोडके ८ का भाग देना
जिहा भाग शेषाङ्क अधिक बचे वोही कम
बचनेवालेका श्रुती जानना—

अथ स्वातन्त्र्यक्रम

विवाह	दवालय	गृहारी	जलाशय	दिशा
२३४	१२१२	५६७	१०१११२	क्षेत्राखी
२३४	१२१२	५६७	१०१११२	क्षेत्राखी
२३४	१२१२	५६७	१०१११२	क्षेत्राखी
२३४	१२१२	५६७	१०१११२	क्षेत्राखी

सूर्यदशा वर्ष ६ मध्ये स्वातंत्र्याणि	राहु दशा वर्ष १८ मध्ये स्वातंत्र्याणि	बुध वर्ष १७ मध्ये स्वातंत्र्याणि
मह वर्ष मास दिन	मह वर्ष मास दिन	मह वर्ष मास दिन
०० ०० ३ १०	२२ २२ ६ १०	२० २० ११ १०
०० ०० ३ १०	२२ २२ ६ १०	२० २० ११ १०
०० ०० ३ १०	२२ २२ ६ १०	२० २० ११ १०

चंद्र दशा वर्ष १० मध्ये स्वातंत्र्याणि	शनि दशा वर्ष १९ मध्ये स्वातंत्र्याणि	शुक्र वर्ष २० मध्ये स्वातंत्र्याणि
मह वर्ष मास दिन	मह वर्ष मास दिन	मह वर्ष मास दिन
०० ०० ३ १०	२२ २२ ६ १०	२० २० ११ १०
०० ०० ३ १०	२२ २२ ६ १०	२० २० ११ १०
०० ०० ३ १०	२२ २२ ६ १०	२० २० ११ १०

राशिसे ग्रामशुभ दलना

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुल	वृश्चिक	धन	मकर	कुंभ	मीन
राशि	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुल	वृश्चिक	धन	मकर	कुंभ	मीन	
वर्ष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुल	वृश्चिक	धन	मकर	कुंभ	मीन	
मास	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुल	वृश्चिक	धन	मकर	कुंभ	मीन	
दिन	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुल	वृश्चिक	धन	मकर	कुंभ	मीन	

विशेषतरीये मुदा दशाक्रमः

गतवर्षे मं जन्म नक्षत्र की संख्या
जोडकर २ घटाके और ९ का भाग देने
पर जो शेष बचे उस संख्यादिनी की मुदा
दशा समझें ।

मं	सं	नक्ष	की	सं	सं	सं	सं	सं	सं	सं	सं	सं
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३

॥ अथ विविधविषयसम्पन्न सर्वोपयोगी चक्रम् ॥

रवि	चंद्र	मंगल	बुध	शुक्र	शनि	राहु	केतु	ग्रह
आफ	माहात	मिरीख	उताख	मुहरी	साहार	साहल	रास	जिनच
सन्	मून	मास	मकर	जुपिट	वेनस	सैटन	इगोन्स	इगोन्स
३१०	३१०	३१०	३१०	३१०	३१०	३१०	३१०	३१०
५१९	५१९	५१९	५१९	५१९	५१९	५१९	५१९	५१९
४८	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४८
७	७	४१७	७	७	७	३१७	७	७
२२	२४	२८	३२	३६	२५	३६	४२	४२
हरिमंग	त्रिपुर	रुद्रीज	कांस्य	अमाव	गोरक्षा	मृत्पुत्र	भुजंग	पञ्ज
श्रवण	जय	जय	दान	दान	दान	दान	दान	दान
मास	दिन	मास	मास	मास	मास	मास	मास	मास
१	२१	११	१	१३	१	३०	१८	१८
माणक	भोती	प्रवाल	पञ्चा	पुरुषार्थ	हांग	नीलम	पिरोजी	लक्ष्मण
मेघ	हृषम	मकर	कन्या	कन्या	मोन	तुला	मिथुन	धन
१०	३	२८	१५	५	१५	२०	१५	१५
तुल	वृश्चिक	कर्क	मीन	मकर	कन्या	मेघ	धन	मिथुन
१०	२८	१५	५	२७	२०	१५	१५	१५
सिंह	कर्क	मे. वृ.	मि. क.	ध. मी.	वृष. तु.	म. कुं.	कन्या	मीन
सिंह	वृष	मेघ	कन्या	धन	तुला	कुंभ	कर्क	मकर
क्षत्री	वैश्व	क्षत्री	शुद्ध	विप्र	विप्र	शुद्ध	निखाद	निखाद
पुरु	स्त्री	पुरु	स्त्री	पु.	स्त्री	स्त्री	पुरुष	पुरु
चतुरम्ब	न. स्थूल	चतुष्का	वृत्त	वृत्त	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ	पुच्छ
मध्य	अपराह	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह	अपराह	अपराह	अपराह
पूर्व	वायव्य	दक्षि	उत्तर	इशान्य	आग्नेय	पश्चिम	नैऋत्य	नैऋत्य
सुवर्ण	रौप्य	सुवर्ण	कांस्य	शिरसुव	शैव्य	लोह	लोह	लोह
चतुष्प	वहुपद	चतुष्प	द्विपद	द्विपद	द्विपद	भुजंग	अपद	अपद
उग्र	सौम्य	उग्र	शुभ	शुभ	शुभ	पाप	पाप	पाप
सत्य	सत्य	तम	रज	मत्स्य	रज	तम	तम	तम
स्थिर	चर	चर	द्विचर	स्थिर	चर	पक्षी	चर	पक्षी
नित्य	क्षार	कटु	सर्वरस	मधुर	अम्ल	कषाय	कषाय	कषाय
पशु	जलभू	दग्ध	स्मशान	वार्णा	जलभू	उत्कर	उपर	उपर
प्राय				सुरालय				
पित्त	श्लेष्म	पित्त	सम	धातु	कफ	वायु	वायु	वायु
वृद्ध	युवा	युवा	युवा	वृद्ध	युवा	अतिवृद्ध	वृद्ध	वृद्ध
पाटल	गौरश्च	रक्त	नील	पीत	श्वेत	नील	धूम्र	धूम्र
मूल	जीव	धातु	जीव	जीव	मूल	मूल	धातु	धातु
वन	जल	वन	ग्राम	ग्राम	ग्राम	संधि	विवर	विवर
								स्थान

विवाहे रविचन्द्रगुरुशुक्रचक्रम्

चोरी में गई वस्तु मिले, न मिले, कितने दिनमें मिले

अश्वलोचन	रो.	पु.	उ.हा.	वि.	पू.या.	च.	रे.	शोभा मिले.	पूर्व दिशा.
मन्दलोचन	४.	आ.	उ.हा.	उ.हा.	वा.	आ.	३ दिनमें मिले.	दक्षिण दिशा.	
मधलोचन	आ.	म.	वि.	उ.मि.	पू.मा.	म.	६४ दिनमें मिले.	पश्चिम दिशा.	
अश्वलोचन	रो.	पु.	उ.हा.	वि.	पू.या.	च.	रे.	शोभा मिले.	पूर्व दिशा.
मन्दलोचन	४.	आ.	उ.हा.	उ.हा.	वा.	आ.	३ दिनमें मिले.	दक्षिण दिशा.	
मधलोचन	आ.	म.	वि.	उ.मि.	पू.मा.	म.	६४ दिनमें मिले.	पश्चिम दिशा.	

अश्वलोचन	रो.	पु.	उ.हा.	वि.	पू.या.	च.	रे.	शोभा मिले.	पूर्व दिशा.
मन्दलोचन	४.	आ.	उ.हा.	उ.हा.	वा.	आ.	३ दिनमें मिले.	दक्षिण दिशा.	
मधलोचन	आ.	म.	वि.	उ.मि.	पू.मा.	म.	६४ दिनमें मिले.	पश्चिम दिशा.	

संवत् १९९५ शके १८६० का

तिथि साधन

अर्थात्

भूमध्य स्पष्ट सूर्य और स्पष्ट चन्द्र के प्रत्यक्षांतर से
सिद्ध किया हुआ उदाहरण सहित

तिथि समाप्ति काल ।

शके १५८० तत्त्वविवेकोक्त) राशिचक्र का नकशा १ उत्तर ध्रुव (विशुवांश कालि के अं



अवनांश. १९।४

संपादक—बुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशाला, इन्दौर,

अथ १५८० तत्त्वविवेकोक्त) राशिचक्र का नक्शा २ दक्षिण ध्रुव (विपुवांश क्रान्ति के अंश



अयनांश. १९।४

संपादक—चुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशाळा, इंदौर.

चैत्र

३

सन १९३८ इ.

शुक्र और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारासं	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमार्तीय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्त	रवि चंद्र संयंतर	गत्यंतर लघुरिक्त	मा.ग.विधि आ-वा	तिथि वार	भांगलाक्ष तिथि समाप्ति काल
मास	३१		अ	आ	ब	वा			घटि-पल
गुणाल	३४६६८५	३३७३१३	९३७२	०९७१८३	१२६८०	१११०३१२	१८६८७१	३० गु	४४२१
१	३४७६७२	३५००९८०	३५६६९२	०९३६१२	१२८७०	११०९५८	१८२९५४	१ शु	४०८
२	३४८६५८	४८३६	३६३८२२	०८१३३२	१३१२१	१११७१७	१७७५३५	२ सा	३५५७
३	३४९६४४	१८९४३	३०३७०१	०८२६१४	१३१८१	१११९५५	१७०६१९	३ र	३०३१
४	३५०६२९	३३१०९	३१७५२०	०७४१९४	१३२३३	११२१९३	१६२०३५	४ चं	२५१२
५	३५१६१४	४०३२५	३०४२८९	०६३२३६	१३२०३	११२१९९	१५१३०३	५ मं	१९१६
६	३५२५९८	६१५५२	३९०४६	०४८३३३	१३२२२	११२१३०	१३३२३३	६ शु	१४४९
७	३५३५८२	७५७५८	२७७८२३	०३६१५०	१३२१३	१११९५९	११४१८०	७ ग	८१२१
८	३५४५६५	८९८५४	२६६७११	०२८१८७	१३०६३	१११८०४	७७३१८३	८ शु	३११३
९	३५५५४८	१०३९००	२५६४८	०१६२५	१२९५४	१११६४०	११८१४	९ ग	५९२२
१०	३५६५३०	११७८३६	२३८६९४	००२९४४	१२८०६	११०७४१	११२१७३	१० सा	५३५७
११	३५७५११	१३१६३२	२२५८८८	००९५११	१२६१५	११००८९	१०९४२२	११ र	५०६
१२	३५८४९२	१४५२१९	२१३२७३	००६७२२	१२४०९	११०३३६	१०८३५९	१२ चं	४७१२
१३	३५९४७२	१५८६०५	२००८६७	००५७५८	१२१६७	११०८५८	१०६२६०	१३ मं	४४५१
१४	०४५२	१७१७५२	१८८७००	००३९५२	११९५७	११०७७२	१०६११०	१४ शु	३१४४
१५	१४३१	१८४६८८	१७५७४३	००१६६६	११६५८	११०६६२	१०७५०४	१ शु	४४१२
१६	२४०९	१९७३२४	१६३०८५	००१५८३	११४०९	११०५२५	१०९१०७	२ सा	४७४७
१७	३३८७	२०९७३१	१५३६७६	००१५००	१११६४	११०४९७	१०९३७३	३ र	५१५९
१८	४३६५	२२१८५७	१४२५०८	००१४०१	११०१०	११०४७९	१०९३७९	४ चं	५७१०
१९	५३३२	२३३८४४	१३३४५८	००१३०६	१०८९०	११०३३०	१०८३५९	५ मं	६०१०
२०	६३१८	२४५७१०	१२०६५८	००१२३९	१०८३१	११०३६७	१०७५२८	६ शु	६१२२
२१	७२९४	२५७७५७	१०९७७७	००११६९	१०८८१	११०३६७	१०६६३२	७ ग	९१४८
२२	८२६९	२६९३७३	१०८८९६	००१०८०	११००१	११०४४३	१०५२३७	८ शु	९१४८
२३	९२४४	२८१३५५	१०७९५५	००१००५	१११८१	११०४५६	१०४१९५	९ सा	८०१४
२४	१०२१८	२९३५०६	१०७०१२	०००९३२	१११५२	११०६५०	१०३२२९	१० र	७०१३
२५	११११२	३०५९७२	१०६०२२	०००८५७	११११३	११०३३६	१०२५५३	११ चं	६०१३
२६	१२१६५	३१८७०७	१०५०७७	०००७२९	११०२४	११०८६५	१०१६४६	१२ मं	५०१३
२७	१३१३८	३३१९३५	१०४२०३	०००६२५	११००४	११०१९५	१००७७३	१३ शु	४०१६
२८	१४१११	३४५५११	१०३५९९	०००५२६	११०१३४	११०१७३	१०००७३	१४ ग	३०१०
२९	१५०८२	३५९४१७	१०२६६५	०००४०७	११०२६५	११०२२७	१०००७३	१५ शु	२०१३
३०	१६०५४	३७३६५६	१०१७००	०००३२९	११०३५५	११०२८२	१०००७३	१६ सा	१०१३

सन १९३८ ई.

शुक्र और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

सारांश	स्पष्टसूच्य	स्पष्टचंद्र	भामांतीय तिथिशेष	द्वादश तण्ड तिथिशेष लघुरिक्त	रवि चंद्र गत्यंतर	गार्ग्यंतर लघुरिक्त	भागलब्ध आ-बा	तिथि वार	भागलब्ध तिथि नमासि काल
३० मे	१६०५४	१३६५४	२४००	०३८०२१	१३५१५	१३३०८२	१२४९३९	३० श	घट्टे-पल १० ३९
१	१७०२५	२८१४०	३४८८५	११४६९४	१३६६६	१३३५६४	१२४९३९	१ र	३५३
२	१७९९५	४२०७६	३३५२१९	१०४९९५	१३६६७	१३३५६७	१२४९४४	२ व	४९१५
३	१८९६५	५०४१३	३२१५५२	०९८०३९	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	४ म	४१५६
४	१९९३६	७२०४४	३०७८८५	०८९६८०	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	५ बु	३४३२
५	२०९०३	८६७१५	२९४८८८	०७९९९५	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	६ शु	२८२५
६	२१८७३	१००७६२	२८११०२	०७१५१७	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	७ अ	२३५१
७	२२८३९	११४७८८	२६८०५१	०६०७५६	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	८ श	१९११
८	२३८०६	१२८५३४	२५५५७२	०५४८११	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	९ व	१६४८
९	२४७७३	१४२०११	२४२७६२	०४४१२२	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	१० च	१३३०
१०	२५७४०	१५५२५७	२३०४८३	०३४९१८	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	११ म	१२२४
११	२६७०६	१६७२४३	२१८४६३	०३११४६	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	१२ म	१२३१
१२	२७६७३	१८१०२०	२०६६५२	०२२३५७	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	१३ बु	१३४३
१३	२८६३९	१९३५८६	१९५५५१	०१४८४४	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	१४ अ	१६४४
१४	२९६०६	२०५९४३	१८३६५९	००५६३६	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	१५ श	१९३३
१५	३०५६६	२१८११९	१७२४१७	००५६३६	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	१६ व	२५४२
१६	३१५३०	२३०१६५	१६१३५५	००७९०७	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	१७ च	२९१७
१७	३२४९४	२४२१२१	१५०३७३	००४४३४	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	१८ म	३५१०
१८	३३४५७	२५३९५८	१३९४९९	००८७००	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	१९ बु	४१५१
१९	३४४२०	२६५७७४	१२८६४६	००९३८०	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	२० अ	४७३९
२०	३५३८२	२७७६११	११७७७३	००९९४९	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	२१ व	५३१०
२१	३६३४४	२८९५९७	१०६७४७	००३१००	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	२२ श	५७४७
२२	३७३०६	३०१७७३	९५५५३३	००६६०७	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	२३ च	६०००
२३	३८२६७	३१३६१०	९४४६७७	००७३५८	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	२४ म	२५३३
२४	३९२२८	३२५८४६	९३३८२२	००८००६	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	२५ बु	११३३
२५	४०१८९	३३७९९२	९२३९७७	००८६५८	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	२६ अ	०५६६
२६	४११५०	३५०१५७	९१३१२३	००९३८५	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	२७ व	५८११
२७	४२१११	३६२३२३	९०२२७९	००९९५०	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	२८ च	५९४४
२८	४३०६८	३७४४८९	८९१४३५	००९९५०	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	२९ म	६७३३
२९	४४०२७	३८६६५५	८८०५९१	००९९५०	१३६६७	१३३५६७	१२४९४८	३० बु	७९५५

जेष्ठ

५

सन १९२८ इ. शुक्र और कृष्ण पक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांवांसीय तिथिशेष	द्वादश राट तिथिशेष लघुरिक्त	रवि चंद्र गम्यंतर	गम्यंतर लघुरिक्त	भाग्यलिपि आ-वा	तिथि वार	भाग्यलिपि सम.सि क.स
मं			अ	आ	व	वा			मं-मं-ल
२९	४४°०२७	३३°५८८	७-४३९	०-४३९५१	१३°०८७	१-१४५३२	९-३२५७९	३० र	३१/५५
३०	४४°०१८	५१°५३४	३५३-४५२	०-७३६५५	१४°०९०	१-१४८९१	९-५८७५४	१ चं	२३/१३
३१	४४°०५५	६६°५८३	३३९-३६२	०-५२६६०	१४°०७६	१-१४८४८	९-३३८१२	२ मं	१४/२१
जून									
१	४६°०३३	८१°६१७	३२५-२८६	०-१०९२४	१३°८५९	१-१४१७३	८-९५६५३	३ बु	५/२३
२	४७°०६१	९६°५३४	३११-१२७	१-००६१७	१३°५३८	१-१३३२४	९-८३३३३	५ गु	५/३०
३	४८°०१९	११०°०७०	२९७-८४९	०-९९३३९	१३°२२८	१-१२४१९	९-८३१९०	६ शु	४४/४५
४	४९°०८७	१२४°१४६	२८४-६२१	०-९३५५६	१२°८५०	१-१०८५९	९-८३६६६	७ श	४०/१५
५	५०°१३३	१३८°०६३	२७१-३७१	०-८९०४८	१२°४०९	१-०९३३४	९-७९६८४	८ र	३३/२५
६	५१°१६१	१५२°३२९	२५९-१६२	०-८६७००	१२°०८९	१-०८३३९	९-७७४६९	९ च	३५/३३
७	५२°२४८	१६५°४७५	२४७-१८३	०-८६१७१	११°७३०	१-०७०७८	९-७७०९३	१० मं	३३/४
८	५३°५००	१७८°१०२	२३५-१३	०-८७५२२	११°५१०	१-०६१४८	९-८१४१५	११ बु	३७/७
९	५४°५६१	१९०°५६८	२२३-१९३	०-९०२७१	११°३८०	१-०५६१४	९-८४६१७	१२ शु	४२/१५
१०	५५°५१७	२०२°००४	२११-६३३	०-९३५१५	११°१११	१-०४५७५	९-८८९४०	१३ श	४६/३१
११	५६°५३३	२१४°५७१	२०१-१०२	०-९७३८२	११°०३०	१-०४०५८	९-९९१२४	१४ मं	५१/११
१२	५७°५४९	२२६°५५७	१९०-१४७	१-००२०३	१०°५८१	१-०३०६४	९-९६१३९	१५ र	५४/१४
१३	५८°५६४	२३८°०९३	१७९-४९१	१-०६०३६	१०°९३२	१-०३८७०	०-०२१६६	१ चं	६/०
१४	५९°५७९	२५०°७००	१६८-५५९	१-०९८९५	१०°८७१	१-०३६२७	८-७३६१९	२ मं	३/६
१५	६०°५९४	२६२°६०६	१५७-६८८	०-१२१३७	१०°०९१	१-०३७४७	९-०८९९०	३ शु	९/१७
१६	६१°६०९	२७४°४६३	१४६-७८७	०-१४४१४	१०°०९५	१-०३९४९	९-१४०५५	४ बु	११/१६
१७	६२°६२४	२८६°३६९	१३५-८३५	०-१६३७७	१०°०२१	१-०४२११	९-१४११५	५ श	२०/१५
१८	६३°६३९	२९८°२७५	१२४-८१४	०-१८२५१	१०°११२	१-०४४८१	९-१६३६०	६ मं	२५/१४
१९	६४°६५४	३१०°१८१	११३-६२२	०-२०१८९	१०°१६१	१-०५५५३	९-१९५३६	७ र	२९/१४
२०	६५°६६७	३२२°०८९	१०२-२५८	०-२२१४४	१०°२७२	१-०५७३७	९-२३७७७	८ बु	३२/०
२१	६६°०२१	३३३°५४५	९०-५२६	०-२४१६५	१०°०६२	१-०८१४२	९-२७२२३	९ मं	३२/२८
२२	६६°५७५	३४५°५१९	७८-४६४	०-२६०५६	१०°१५२	१-०९५२०	९-३०१५३	१० शु	३१/१९
२३	६७°५२९	३५७°५१०	६६-०१२	०-२७९०२	१०°२८३	१-१०८६३	९-३३६६८	११ बु	२८/३
२४	६८°५८३	३७०°५३४	५३-१४९	०-२९१४७	१०°३७२	१-११६४७	९-५८५२७	१२ श	२३/५
२५	६९°५८३	३८३°५७०	४१-०७३	०-३०७१५	१०°४६१	१-१२९३१	९-६१९११	१३ मं	२६/३०
२६	७०°५८१	३९६°७५६	२९-०३५	०-३२०५६	१०°५१३	१-१४१६२	९-६५८९४	१४ र	८/४०
२७	७१°५८४	४०९°७५६	१७-१२२	१-०३७३५	१०°५८४	१-१५१६२	९-७१७५५	१५ बु	५९/४०
२८	७२°५८४	४२२°७५६	५-१२२	१-०७६३५	१०°५८४	१-१५१६२	९-७२२३३	१६ चं	५०/१७

सन १९३८ ई.

शुक्र और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

मार्गम्	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमर्गतीय निर्धारा	द्वादश गण निर्धाराप लघुरिक्त	रवि चंद्र गत्यंतर	गम्यंतर लघुरिक्त	भागलक्षि आ वा	तिथि वार	भागलक्षि तिथी समाप्ति काल
मृत	२७	७१.७१४	५९.७३२	अ १.०७.२२	आ १.०७.३५	ब १.४.२२४	बा १.१५.३०२	९.९.३३३	३० मं ५.०१.२७
२८	७२.६९७	७४.९९९	६१.७६९८	०.९८.६६८	१.४.३३२	१.१५.३३३	९.८.३०.३७	१ मं	४.०१.३६
२९	७३.६६५	७०.०८५	६४.३३.३६६	०.८६.७२३	१.४.१४४	१.१५.८५७	९.७.७३.६६	२ बु	३.११.१५
३०	७४.६०४	६०.५३.६२	६२.०२.२२२	०.७४.७८४	१.३.८६३	१.१४.१८६	९.५.७५.९८	३ शु	२.२१.३६
जुलाई									
१	७५.५५७	१२.०१.९८	६१.५३.६५९	०.६२.६२२	१.३.५७३	१.१२.९४६	९.३.९६.७५	४ शु	१.४१.५८
२	७६.५१९	१३.४६.२५	६०.१८.८६	०.५०.५५४	१.२.९७३	१.१३.३०४	९.१.६२.५०	५ शु	८.४३.३६
३	७७.४६६	१४.००.११	५८.८१.९१३	०.३९.०४७	१.१.५०३	१.०९.९०१	८.८.६४.६६	६ र	७.४२.४८
४	७८.४१३	१६.३०.०७	५७.५४.९००	०.२६.१८८	१.०.०४३	१.०८.०७३	८.५.३२.०५	७ चं	६.४३.३६
५	७९.३६३	१७.००.०४	५६.३०.३६७	०.१५.६६७	१.०.७२३	१.०६.९०३	८.३.५६.६६	८ मं	५.४३.३६
६	८०.३१३	१८.००.००	५५.००.०००	०.०४.०००	१.०.००३	१.०५.००३	८.०.००.००	९ बु	४.४३.३६
७	८१.२६३	१९.००.००	५४.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.०४.००३	७.९.००.००	१० शु	३.४३.३६
८	८२.२१३	२०.००.००	५३.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.०३.००३	७.८.००.००	११ शु	२.४३.३६
९	८३.१६३	२१.००.००	५२.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.०२.००३	७.७.००.००	१२ शु	१.४३.३६
१०	८४.११३	२२.००.००	५१.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.०१.००३	७.६.००.००	१३ र	०.४३.३६
११	८५.०६३	२३.००.००	५०.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.५.००.००	१४ चं	०.४३.३६
१२	८६.०१३	२४.००.००	४९.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.४.००.००	१५ मं	०.४३.३६
अगस्त									
१३	८६.९६३	२५.००.००	४८.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.३.००.००	१६ शु	०.४३.३६
१४	८७.९१३	२६.००.००	४७.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.२.००.००	१७ शु	०.४३.३६
१५	८८.८६३	२७.००.००	४६.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.१.००.००	१८ शु	०.४३.३६
१६	८९.८१३	२८.००.००	४५.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	१९ शु	०.४३.३६
१७	९०.७६३	२९.००.००	४४.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	२० शु	०.४३.३६
१८	९१.७१३	३०.००.००	४३.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	२१ शु	०.४३.३६
१९	९२.६६३	३१.००.००	४२.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	२२ शु	०.४३.३६
२०	९३.६१३	३२.००.००	४१.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	२३ शु	०.४३.३६
२१	९४.५६३	३३.००.००	४०.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	२४ शु	०.४३.३६
२२	९५.५१३	३४.००.००	३९.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	२५ शु	०.४३.३६
२३	९६.४६३	३५.००.००	३८.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	२६ शु	०.४३.३६
२४	९७.४१३	३६.००.००	३७.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	२७ र	०.४३.३६
२५	९८.३६३	३७.००.००	३६.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	२८ र	०.४३.३६
२६	९९.३१३	३८.००.००	३५.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	२९ मं	०.४३.३६
२७	१००.२६३	३९.००.००	३४.००.०००	०.००.०००	१.०.००३	१.००.००३	७.०.००.००	३० बु	०.४३.३६

श्रावण

७

सन १९३८ ई.

शुक्र और कृष्णवृक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

सारांख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आगांतीय तिथिशेष	द्वादश तार तिथिशेष लघुरिक्त	रवि चंद्र गल्यंतर	गल्यंतर लघुरिक्त	भागलक्षि षडि पल	तिथि वार	भागलक्षि तिथि वार
जुलाई	२७	१००-३५९	९८-५५३	अ १८०६	आ १-१०७४१	व १३-१९१	बा १-११२०१	९-९५५५४	३० बु
२८	१०१-३६१	११३-७००	३४७-६१५	१-०६४०२	१३-९६०	१-१४४१२	९-९१११०	२ सु	६९-१४८
२९	१०२-३६३	११८-६१६	३३३-६१५	०-१८४७५	१३-६०१	१-१३३१५	९-८६११८	३ शु	४१-१३६
३०	१०३-३६४	१२३-५७७	३२०-०५४	०-९६००१	१३-११०	१-११७००	९-८८४४१	४ श	३६-१२२
३१	१०४-३६५	१२७-५३९	३०६-९०४	०-८४६६१	१२-६३०	१-१०१४०	९-७७०२१	५ र	३२-१०९
आग									
१	१०५-३६६	१३०-५००	२९३-३१४	०-८००३०	१२-१४९	१-०८४५४	९-७३६७६	६ च	३१-१११
२	१०६-३६७	१३४-४६२	२८०-१६५	०-७०७९३	१२-७४९	१-०७०००	९-७३९९३	७ म	३०-१०९
३	१०७-३६८	१३९-४२४	२७०-४६६	०-६००२६	१२-३५०	१-०५५७६	९-७३९५०	८ व	३०-१०९
४	१०८-३६९	१४०-३८६	२५९-०४४	०-५०४७५	११-९६८	१-०४००३	९-७३९०३	९ शु	३०-१०९
५	१०९-३७०	१४२-३४८	२४७-९२८	०-४०९१६	११-५७८	१-०३०५४	९-७३८५४	१० ग	३०-१०९
६	११०-३७१	१४३-३१०	२३६-८००	०-३१५२४	११-१८५	१-०२०५१	९-७३८०५	११ श	३०-१०९
७	१११-३७२	१४४-२७२	२२६-६७२	०-२२०६२	१०-८६९	१-०१०५९	९-७३७५९	१२ र	३०-१०९
८	११२-३७३	१४५-२३४	२१६-५३४	०-१२६०४	१०-८६८	१-०००५९	९-७३७०५	१३ च	३०-१०९
९	११३-३७४	१४६-१९६	२०६-४०६	०-३३०७५	१०-७७८	१-०००५९	९-७३६५९	१४ म	३०-१०९
१०	११४-३७५	१४७-१५८	१९६-२७८	०-२३६०८	१०-६८५	१-०००५९	९-७३६०८	१५ व	३०-१०९
११	११५-३७६	१४८-१२०	१८६-१४०	०-१४१८५	१०-५९२	१-०००५९	९-७३५५९	१६ श	३०-१०९
१२	११६-३७७	१४९-८८२	१७६-००२	०-०४७८५	१०-५००	१-०००५९	९-७३५००	१७ ग	३०-१०९
१३	११७-३७८	१५०-८४४	१६६-०६४	०-०५३८५	१०-४०८	१-०००५९	९-७३४४४	१८ श	३०-१०९
१४	११८-३७९	१५१-८०६	१५६-०२६	०-०५९८५	१०-३१६	१-०००५९	९-७३३८८	१९ र	३०-१०९
१५	११९-३८०	१५२-७६८	१४६-०००	०-०६५८५	१०-२२४	१-०००५९	९-७३३३२	२० व	३०-१०९
१६	१२०-३८१	१५३-७३०	१३६-०००	०-०७१८५	१०-१३२	१-०००५९	९-७३२७६	२१ म	३०-१०९
१७	१२१-३८२	१५४-६९२	१२६-०००	०-०७७८५	१०-०४०	१-०००५९	९-७३२२०	२२ च	३०-१०९
१८	१२२-३८३	१५५-६५४	११६-०००	०-०८३८५	१०-०४८	१-०००५९	९-७३१६४	२३ श	३०-१०९
१९	१२३-३८४	१५६-६१६	१०६-०००	०-०८९८५	१०-०५६	१-०००५९	९-७३१०८	२४ ग	३०-१०९
२०	१२४-३८५	१५७-५७८	९६-०००	०-०९५८५	१०-०६४	१-०००५९	९-७३०५२	२५ व	३०-१०९
२१	१२५-३८६	१५८-५४०	८६-०००	०-१०१८५	१०-०७२	१-०००५९	९-७३०००	२६ श	३०-१०९
२२	१२६-३८७	१५९-५०२	७६-०००	०-१०७८५	१०-०८०	१-०००५९	९-७२९४४	२७ र	३०-१०९
२३	१२७-३८८	१६०-४६४	६६-०००	०-११३८५	१०-०८८	१-०००५९	९-७२८८८	२८ व	३०-१०९
२४	१२८-३८९	१६१-४२६	५६-०००	०-११९८५	१०-०९६	१-०००५९	९-७२८३२	२९ म	३०-१०९
२५	१२९-३९०	१६२-३८८	४६-०००	०-१२५८५	१०-१०४	१-०००५९	९-७२७७६	३० श	३०-१०९

भाद्रपद

सन १९३८ ई.

शुक्र और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांताथि तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुतिथय	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुतिथय	भागलक्षि घटि-पल	तिथि वार	भागलक्षि घटि-पल	तिथि वार	भागलक्षि घटि-पल
आग.	२५	१२८-१८६	१२२-०८७	६-०९९	०-७८५२६	१३-८३१	१-१४०८५	१-६४४४१	३० गु	२६१२८	२६१२८
२६	१२९-१२५	१३६-१८३	३५२-२६५	०-६३०२२	१३-१४२	१-१२८४९	१-००१७३	१ शु	१९१३	१९१३	१९१३
२७	१३०-११६	१३७-१९०	३३८-२६६	०-४५११७	१३-०८०	१-११६६३	१-३३३५६	२ श	१२१४८	१२१४८	१२१४८
२८	१३१-०८२	१३८-१९३	३२५-२६७	०-२४२०४	१२-२६१	१-१०२४७	१-१३३५७	३ रे	८११६	८११६	८११६
२९	१३२-०४८	१३८-१९६	३१३-२६८	०-०३५४३	१२-२०९	१-०८६६८	१-१४८७६	४ च	५१२०	५१२०	५१२०
३०	१३३-०१५	१३९-२०१	३००-२६९	१-१४२५०	११-१७०	१-०७३५१	१-८८०९९	५ म	४१३०	४१३०	४१३०
सं.	१३३-१८८	१३९-२०६	२८९-२७०	०-०३५८३	११-४१९	१-०५७३३	१-८९८२०	६ बु	५१५०	५१५०	५१५०
१	१३४-१५४	१४०-२१२	२७७-२६७	०-२२१९४	११-१६९	१-०४७०१	१-१७४९३	७ गु	८१५८	८१५८	८१५८
२	१३५-१२०	१४०-२१९	२६६-२६८	०-३९७५९	१०-९४८	१-०३९३३	१-१३८२३	८ शु	१३१४१	१३१४१	१३१४१
३	१३६-८८५	१४१-२२५	२५७-२७०	०-५५०२३	१०-८६७	१-०३३११	१-११४१२	९ श	१९१३६	१९१३६	१९१३६
४	१३७-८५४	१४१-२३१	२४४-२६८	०-६७०५२	१०-८४७	१-०३५३१	१-१०४२२	१० र	२५१५०	२५१५०	२५१५०
५	१३८-८२४	१४१-२३८	२३३-२६९	०-७७६१२	१०-९३६	१-०३८८६	१-०७२८५	११ च	३२११	३२११	३२११
६	१३९-७९४	१४१-२४५	२२२-२७०	०-८३८८५	११-०४६	१-०४२२१	१-०९६५१	१२ म	३७१३४	३७१३४	३७१३४
७	१४०-७६४	१४१-२५१	२११-२६४	०-८९५०९	११-२०५	१-०४९५१	१-०८५६८	१३ बु	४२१३६	४२१३६	४२१३६
८	१४१-७३५	१४१-२५८	२००-२६५	०-९३६९७	११-४०६	१-०५७१०	१-०८९८७	१४ गु	४६१३६	४६१३६	४६१३६
९	१४२-७०५	१४१-२६५	१८९-२६३	०-९६५८१	११-६१४	१-०६४९८	१-०९००३	१५ शु	४७१४५	४७१४५	४७१४५
१०	१४३-६७५	१४१-२७२	१७८-२६९	१-००५५५	११-७९४	१-०७३६६	१-१०९८८	१६ श	५१११०	५१११०	५१११०
११	१४४-६४५	१४१-२७९	१६७-२६५	१-०३४८३	११-१०४	१-०७७३३	१-११५५०	१७ र	५४११०	५४११०	५४११०
१२	१४५-६१५	१४१-२८६	१५६-२६३	१-०६३५५	११-११३	१-०८०९३	१-१२०८२	१८ च	५७१३४	५७१३४	५७१३४
१३	१४६-५८५	१४१-२९३	१४५-२६८	१-०९२२७	११-१२३	१-०८४६०	१-१२५५१	१९ म	६०१३६	६०१३६	६०१३६
१४	१४७-५५५	१४१-३००	१३४-२६५	१-१२१०३	११-१३३	१-०८८२७	१-१३०२२	२० गु	६३१३६	६३१३६	६३१३६
१५	१४८-५२५	१४१-३०७	१२३-२६३	१-१४९७९	११-१४३	१-०९१९४	१-१३४९३	२१ शु	६६१३६	६६१३६	६६१३६
१६	१४९-४९५	१४१-३१४	११२-२६०	१-१७८५५	११-१५३	१-०९५६१	१-१३९६४	२२ श	६९१३६	६९१३६	६९१३६
१७	१५०-४६५	१४१-३२१	१०१-२६०	१-२०७३१	११-१६३	१-१००२८	१-१४४३५	२३ र	७२१३६	७२१३६	७२१३६
१८	१५१-४३५	१४१-३२८	९०-२६०	१-२३६०७	११-१७३	१-१०४९५	१-१४९०६	२४ च	७५१३६	७५१३६	७५१३६
१९	१५२-४०५	१४१-३३५	८०-२६०	१-२६४८३	११-१८३	१-१०९६२	१-१५३७७	२५ म	७८१३६	७८१३६	७८१३६
२०	१५३-३७५	१४१-३४२	७०-२६०	१-२९३५९	११-१९३	१-११४२९	१-१५८४८	२६ गु	८११३६	८११३६	८११३६
२१	१५४-३४५	१४१-३४९	६०-२६०	१-३२२३५	११-२०३	१-११८९६	१-१६३१९	२७ श	८४१३६	८४१३६	८४१३६
२२	१५५-३१५	१४१-३५६	५०-२६०	१-३५१११	११-२१३	१-१२३६३	१-१६७९०	२८ र	८७१३६	८७१३६	८७१३६
२३	१५६-२८५	१४१-३६३	४०-२६०	१-३७९८७	११-२२३	१-१२८३०	१-१७२६१	२९ म	९०१३६	९०१३६	९०१३६
२४	१५७-२५५	१४१-३७०	३०-२६०	१-४०८६३	११-२३३	१-१३२९६	१-१७७३२	३० गु	९३१३६	९३१३६	९३१३६

आश्विन

९

सन १९३८ ई. शुक्र और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

सं.सं.	स्थसूर्य	स्थचंद्र	आमांसीय तिथिशेष	दादास तष्ट तिथिशेष लघुरिक्त	रवि चंद्र गर्गंतर	गर्गंतर लघुरिक्त	भागलक्षि आ-वा	तिथि वार	भागलक्ष तिथि समाप्ति काल
सं.सं.	१५६ ३५८	१४० ४७२	अ १०० ८८६	आ १०३ ३८७	ब १३० १४७	बा १०१ १८८	१०१ १८०	३० शु	घटि-पल ४९ ४१
२४	१५७ ३३७	१५० ५९८	३५ ०७३	०९ ८८५	१२० ३३७	१०० ८४३	१०८ ००८	१ श	४५ ३१
२५	१५८ ३१७	१६० ४१४	३४ ४००	०९ ४९४	१२० ५०७	१०० ८४३	१०८ ५५१	२ र	४४ ११
२६	१५९ २९७	१६९ २०१	३२ २०३	०९ ५४७	१२० ६७५	१०० ८४४	१०८ ५००	३ च	४१ ३१
२७	१६० २७७	१७८ ०९७	३० ०००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	४ मं	४१ ३१
२८	१६१ २५७	१८७ ००३	२७ ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	५ बु	४० ३१
२९	१६२ २३७	१९६ ०००	२५ २००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	६ शु	४० ३१
३०	१६३ २१७	२०५ ०००	२३ ०००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	७ शु	४० ३१
अक्टो.									
१	१६४ २००	२१४ ०००	२० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	८ श	४० ३०
२	१६५ १८०	२२३ ०००	१८ ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	९ र	४० ३०
३	१६६ १६०	२३२ ०००	१६ ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	१० च	४० ३०
४	१६७ १४०	२४१ ०००	१४ ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	११ मं	४० ३०
५	१६८ १२०	२५० ०००	१२ ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	१२ बु	४० ३०
६	१६९ १००	२५९ ०००	१० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	१३ शु	४० ३०
७	१७० ०८०	२६८ ०००	०८ ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	१४ शु	४० ३०
८	१७१ ०६०	२७७ ०००	०६ ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	१५ श	४० ३०
९	१७२ ०४०	२८६ ०००	०४ ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	१६ र	४० ३०
१०	१७३ ०२०	२९५ ०००	०२ ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	१७ च	४० ३०
११	१७४ ०००	३०४ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	१८ मं	४० ३०
१२	१७५ ०००	३१३ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	१९ बु	४० ३०
१३	१७६ ०००	३२२ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	२० शु	४० ३०
१४	१७७ ०००	३३१ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	२१ शु	४० ३०
१५	१७८ ०००	३४० ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	२२ श	४० ३०
१६	१७९ ०००	३४९ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	२३ र	४० ३०
१७	१८० ०००	३५८ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	२४ च	४० ३०
१८	१८१ ०००	३६७ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	२५ मं	४० ३०
१९	१८२ ०००	३७६ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	२६ बु	४० ३०
२०	१८३ ०००	३८५ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	२७ शु	४० ३०
२१	१८४ ०००	३९४ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	२८ श	४० ३०
२२	१८५ ०००	४०३ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	२९ र	४० ३०
२३	१८६ ०००	४१२ ०००	०० ४००	०९ ५७०	१२० ८४३	१०० ८४५	१०८ ५००	३० च	४० ३०

सन १९३८ ई.

शुक्र और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमोसीय तिथिशेष	द्वादश तथ तिथिशेष लघुरिक्त	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्त	भागलब्धि आ बा	तिथि वार	भागलब्धि तिथी समाप्ति काल	
अश्वि	२३	१८.५.१७७	१८.१.१५३	अ ४.०२४	आ ०.०६०४६६	ब १२.२००	बा १.०८६३६	१.५.१८३०	३० र	घटि-पल १९१४७
२४	१८.६.१७३	१९.५.१५१	३६.१.८२४	०.५८२५२	११.९१०	१.०७५९१	१.५.०६६१	१ चं	१९११६	
२५	१८.७.१७३	२०.०.५५५	३७.१.९१४	०.५९२६२	११.६००	१.०६४४६	१.५.१८१६	२ मं	१९१४७	
२६	१८.८.१७६	२०.०.६५२	३८.१.३१४	०.६३४८८	११.३०८	१.०५६०७	१.५.७८८१	३ बु	२२.४५	
२७	१८.९.१७६	२०.३.०२८	३९.१.१३६	०.६९३३८	११.१३८	१.०४६८१	१.५.४६५७	४ गु	२३.३६	
२८	१९.०.१७३	२०.५.१६५	४०.१.७१८	०.७६३२८	१०.९८७	१.०३४०८	१.५.२२१७	५ शु	२३.४०	
२९	१९.१.१७३	२०.८.१५१	४१.१.८११	०.८३३२१	१०.८८८	१.०२३६४	१.५.०९६७	६ सा	२३.३५	
३०	१९.२.१७३	२०.९.१३३	४२.१.९३३	०.८९९४४	१०.८५६	१.०१३६७	१.५.००७७	७ र	२३.५१	
३१	१९.३.१७३	२०.१०.८८४	४३.१.०३७	०.९५७९४	१०.८२६	१.००३९२	१.५.०१८६९	८ चं	२४.१४५	
मौस.										
१	१९.४.१७३	२०.१२.३००	४४.१.१३१	१.००५७५	११.०४६	१.०४३२१	१.५.०६२५४	९ मं	२५.३३	
२	१९.५.१७३	२०.४.८७७	४५.१.०८५	१.०४४७४	११.२८५	१.०५२५०	१.५.०९२२४	१० बु	२६.१५६	
३	१९.६.१७६	२०.७.१६३	४६.१.८००	१.०८३८८	११.५३४	१.०६१७८	१.५.१२२५०	११ शु	२६.०१०	
४	१९.७.१७६	२०.९.१९९	४७.१.२६६	१.०८३८८	११.८८५	१.०७१७८	१.५.१५२५०	१२ गु	२६.०३३	
५	१९.८.१७६	२०.१२.१८६	४८.१.३८१	१.०८४०९	११.२५३	१.०८१६६	१.५.१८२५३	१३ सा	२६.३५५	
६	१९.९.१७०	२०.१५.८१५	४९.१.०८८	१.०८४०९	११.५१३	१.०८२३५	१.५.२१२५३	१४ र	२६.५४	
७	२०.०.१७३	२०.१८.९८८	५०.१.१७५	१.०८४३२	११.८८३	१.०९२०२	१.५.२४२५०	१५ चं	२६.५४५	
८	२०.१.१७७	२०.२८.८५१	५१.१.६९२	१.०९२०५	१२.३१२	१.१०१९५	१.५.२७२५०	१६ मं	२७.४२२	
९	२०.२.१८१	२०.४७.६१२	५२.१.५२०	१.०९८६४	१२.६३७	१.११२१६	१.५.३०२५०	१७ बु	२७.४२८	
१०	२०.३.१८६	२०.६६.४५९	५३.१.३४९	१.०९९१०	१२.९६१	१.१२२३७	१.५.३३२५०	१८ शु	२७.४३६	
११	२०.४.१९२	२०.८६.३१५	५४.१.१७५	१.०८२६५	१३.२८५	१.१३०९८	१.५.३६२५०	१९ गु	२७.४३८	
१२	२०.५.१९८	२०.१०.४००	५५.१.०००	१.०८२६५	१३.६०९	१.१३९६१	१.५.३९२५०	२० सा	२७.४४८	
१३	२०.६.२०४	२०.१३.४१७	५६.१.१७७	१.०८२६५	१३.९३३	१.१४८२५	१.५.४२२५०	२१ र	२७.४५८	
१४	२०.७.२११	२०.१६.४३३	५७.१.३८८	१.०८२६५	१४.२५७	१.१५६८९	१.५.४५२५०	२२ चं	२७.४६८	
१५	२०.८.२१८	२०.१९.४५०	५८.१.६००	१.०८२६५	१४.५८१	१.१६५५३	१.५.४८२५०	२३ मं	२७.४७८	
१६	२०.९.२२५	२०.२२.४६७	५९.१.८१३	१.०८२६५	१४.९०५	१.१७४१७	१.५.५१२५०	२४ बु	२७.४८८	
१७	२०.१०.२३२	२०.२५.४८४	६०.१.०२६	१.०८२६५	१५.२२९	१.१८२८१	१.५.५४२५०	२५ शु	२७.४९८	
१८	२०.११.२३९	२०.२८.५०१	६१.१.२३९	१.०८२६५	१५.५५३	१.१९१४५	१.५.५७२५०	२६ गु	२७.५०८	
१९	२०.१२.२४६	२०.३१.५१८	६२.१.४५६	१.०८२६५	१५.८७७	१.२०००९	१.५.६०२५०	२७ सा	२७.५१८	
२०	२०.१३.२५३	२०.३४.५३५	६३.१.६७३	१.०८२६५	१६.२०१	१.२०८७३	१.५.६३२५०	२८ र	२७.५२८	
२१	२०.१४.२६०	२०.३७.५५२	६४.१.८९०	१.०८२६५	१६.५२५	१.२१७३७	१.५.६६२५०	२९ चं	२७.५३८	

मार्गशीर्ष

११

सन १९३८ ई.

शुक्र और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९२५ शके १८६०

तारीख	स्वष्टसूर्य	स्वष्टचंद्र	आमार्तिथि तिथिषोष	द्वादश तष्ट तिथिषोष लघुतिथि	रवि चंद्र गालंतर	गालंतर लघुतिथि	भागलभि आ बा	तिथि वार	भागलभि समाप्ति काल
नां.ह.	अ	आ	ब	बा	ग	घ	च	छ	ज
२१	२१.५.०७.०	२०.३.९.१७	११.१.१५.३	१.५.०३.९	११.६.१७	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२२	२१.६.०८.०	२१.६.५४.४	३५.०.५.३६	११.३.८५	११.३.८५	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२३	२१.७.०९.१	२२.८.०५.४	३५.०.५.३६	१.५.०३.९	११.३.८५	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२४	२१.८.१०.२	२४.१.१.६६	३३.६.५.३६	१.५.०३.९	११.३.८५	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२५	२१.९.११.३	२५.३.३.३३	३२.५.८.८०	०.२.७४.१६	१०.३.१४	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२६	२१.१०.१२.४	२५.६.१.५९	३१.४.५.६६	०.४.०२.१३	१०.३.१४	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२७	२१.११.१३.५	२७.७.३.४६	३०.३.०.९१	०.६.११.८३	१०.३.१४	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२८	२१.१२.१४.६	२८.८.५.१२	२९.३.२.३८	०.३.११.३३	१०.३.१४	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२९	२१.१३.१५.७	३०.०.८.१८	२८.२.४.५५	०.८.२.४३	१०.३.१४	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
३०	२१.१४.१६.८	३१.१.८.२५	२७.१.३.५९	०.८.६.३५	११.३.१५	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
१	२२.१५.१७.९	३२.२.०.४१	२६.०.१.४८	०.९.११.०५	११.३.१५	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२	२२.१६.१८.०	३३.३.०.५७	२५.८.०.४८	०.९.३६.८२	११.३.१५	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
३	२२.१७.१९.१	३४.४.०.४४	२४.६.८.०३	०.९.४४.३३	१२.३.२२.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
४	२२.१८.२०.२	३५.५.०.४४	२३.५.८.०३	०.९.४४.३३	१२.३.२२.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
५	२२.१९.२१.३	३६.६.०.४४	२२.४.८.०३	०.९.४४.३३	१२.३.२२.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
६	२२.२०.२२.४	३७.७.०.४४	२१.३.८.०३	०.९.४४.३३	१२.३.२२.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
७	२२.२१.२३.५	३८.८.०.४४	२०.२.८.०३	०.९.४४.३३	१२.३.२२.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
८	२२.२२.२४.६	३९.९.०.४४	१९.१.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
९	२२.२३.२५.७	४०.१०.०.४४	१८.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
१०	२२.२४.२६.८	४१.२.०.४४	१७.१.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
११	२२.२५.२७.९	४२.३.०.४४	१६.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
१२	२२.२६.२८.०	४३.४.०.४४	१५.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
१३	२२.२७.२९.१	४४.५.०.४४	१४.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
१४	२२.२८.३०.२	४५.६.०.४४	१३.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
१५	२२.२९.३१.३	४६.७.०.४४	१२.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
१६	२२.३०.३२.४	४७.८.०.४४	११.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
१७	२२.३१.३३.५	४८.९.०.४४	१०.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
१८	२२.३२.३४.६	४९.१०.०.४४	९.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
१९	२२.३३.३५.७	५०.२.०.४४	८.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२०	२२.३४.३६.८	५१.३.०.४४	७.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६
२१	२२.३५.३७.९	५२.४.०.४४	६.०.८.०३	०.९.४४.३३	१३.३.२३.१	१.०६.५०.९	१.५.८२.३०	३० घं	५.०३.३६

सन १९३८-३९ इ. शुक्र और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिषेप	द्वादश तथ तिथिषेप लघुरिक्थ	रवि चंद्र मयंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलक्ष आ-वा	तिथि वार	भागलक्ष तिथि समाप्ति काल
विस.	अ	आ	ब	वा	शु	सु	र	मं	मं
२१	२४.५.५१.७	५.३७.६१८	७.८९.९	०.८९.७५७	११.०६८	१.०४४०७	१.०८५२५.०	३० बु	पादि-पल ४२।४९
२२	२४.६.५३.६	२४.९.७०.५	३५.६.८३.१	०.९४.६०.१	१०.९५८	१.०३९७३	१.०९०६२८	१ शु	४८।२१
२३	२४.७.५५.४	२४.१०.६८.१	३६.४.८७.३	०.९९.४५.५	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२ शु	५४।३१
२४	२४.८.५७.३	२४.११.६८.७	३६.४.९८.६	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	३ शु	६०।०
२५	२४.९.५९.१	२४.१२.६८.४	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	४ शु	७०.४
२६	२४.१०.६१.०	२४.१३.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	५ शु	८०.४
२७	२४.११.६२.९	२४.१४.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	६ शु	९०.४
२८	२४.१२.६४.८	२४.१५.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	७ शु	१००.४
२९	२४.१३.६६.८	२४.१६.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	८ शु	११०.४
३०	२४.१४.६८.७	२४.१७.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	९ शु	१२०.४
३१	२४.१५.७०.६	२४.१८.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	१० शु	१३०.४
ज. १.									
१	२४.१६.७२.५	२४.१९.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	११ शु	१४०.४
२	२४.१७.७४.४	२४.२०.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	१२ शु	१५०.४
३	२४.१८.७६.३	२४.२१.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	१३ शु	१६०.४
४	२४.१९.७८.२	२४.२२.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	१४ शु	१७०.४
५	२४.२०.८०.१	२४.२३.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	१५ शु	१८०.४
६	२४.२१.८२.०	२४.२४.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	१६ शु	१९०.४
७	२४.२२.८४.०	२४.२५.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	१७ शु	२००.४
८	२४.२३.८६.०	२४.२६.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	१८ शु	२१०.४
९	२४.२४.८८.०	२४.२७.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	१९ शु	२२०.४
१०	२४.२५.९०.०	२४.२८.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२० शु	२३०.४
११	२४.२६.९२.०	२४.२९.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२१ शु	२४०.४
१२	२४.२७.९४.०	२४.३०.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२२ शु	२५०.४
१३	२४.२८.९६.०	२४.३१.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२३ शु	२६०.४
१४	२४.२९.९८.०	२४.३२.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२४ शु	२७०.४
१५	२४.३०.९९.०	२४.३३.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२५ शु	२८०.४
१६	२४.३१.०१.०	२४.३४.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२६ शु	२९०.४
१७	२४.३२.०३.०	२४.३५.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२७ शु	३००.४
१८	२४.३३.०५.०	२४.३६.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२८ शु	३१०.४
१९	२४.३४.०७.०	२४.३७.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	२९ शु	३२०.४
२०	२४.३५.०९.०	२४.३८.६८.०	३६.४.९८.७	१.०८.४९	१०.८८७	१.०३६११	१.०९५८३४	३० शु	३३०.४

२३

शुक्ल और कृष्ण पक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्वस्थसूच	स्वस्थचंद्र	आमासीय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुदिकथ	शुक्ल चंद्र गत्यंतर	गल्यंतर लघुदिकथ	भागलब्ध आ-बा	तिथि वार	तिथि समाप्ति काल	भागशेष
जम. र०			अ	आ	अ	आ				घट-पल
२०	२७६-०८४	२३०-४०९	५-६-७५	०-७५३९३	०-८०६८	१-०३६१५	१-७१७८२	३० शु	३१-१०	३०-१०
२१	२७७-१०२	२८०-२०५	३५-४-०७	०-८३२९६	१-०८६९	१-०३६१५	१-७३०७३	१ श	३०-१०	३०-१०
२२	२७८-११९	२९०-४०८	३५-३-१३	०-८९७३१	१-०९३८	१-०३६१५	१-७४३७३	२ श	३०-१०	३०-१०
२३	२७९-१३७	३००-०७७	३५-२-१९	०-९५७३३	१-०९३८	१-०३६१५	१-७५६७३	३ श	३०-१०	३०-१०
२४	२८०-१५५	३१०-२३४	३५-१-२०	१-००५१८	१-१००९	१-०३६१५	१-७६९७३	४ म	३०-१०	३०-१०
२५	२८१-१७३	३२०-३०३	३५-१-११	१-०५७३५	१-१०७०	१-०३६१५	१-७८२७३	५ शु	३०-१०	३०-१०
२६	२८२-१८८	३३०-४०३	३५-१-२३	१-१०७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-७९५७३	६ शु	३०-१०	३०-१०
२७	२८३-२०४	३४०-५०३	३५-१-१३	१-१५७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-८०८७३	७ शु	३०-१०	३०-१०
२८	२८४-२२०	३५०-६०३	३५-१-३	१-२०७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-८२१७३	८ श	३०-१०	३०-१०
२९	२८५-२३६	३६०-७०३	३५-१-००	१-२५७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-८३४७३	९ श	३०-१०	३०-१०
३०	२८६-२५२	३७०-८०३	३५-१-००	१-३०७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-८४७७३	१० श	३०-१०	३०-१०
३१	२८७-२६७	३८०-९०३	३५-१-००	१-३५७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-८६०७३	११ म	३०-१०	३०-१०
फर.										
१	२८८-२८३	३९०-१०३	३५-१-२८	१-४०७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-८७३७३	१२ शु	३०-१०	३०-१०
२	२८९-२९९	४००-२०३	३५-१-१८	१-४५७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-८८६७३	१३ शु	३०-१०	३०-१०
३	२९०-३१५	४१०-३०३	३५-१-९	१-५०७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-८९९७३	१४ शु	३०-१०	३०-१०
४	२९१-३३१	४२०-४०३	३५-१-०	१-५५७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-९१२७३	१५ श	३०-१०	३०-१०
५	२९२-३४७	४३०-५०३	३५-१-७	१-६०७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-९२५७३	१६ श	३०-१०	३०-१०
६	२९३-३६३	४४०-६०३	३५-१-७	१-६५७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-९३८७३	१७ श	३०-१०	३०-१०
७	२९४-३७९	४५०-७०३	३५-१-७	१-७०७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-९५१७३	१८ म	३०-१०	३०-१०
८	२९५-३९५	४६०-८०३	३५-१-७	१-७५७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-९६४७३	१९ शु	३०-१०	३०-१०
९	२९६-४११	४७०-९०३	३५-१-७	१-८०७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-९७७७३	२० शु	३०-१०	३०-१०
१०	२९७-४२७	४८०-१०३	३५-१-७	१-८५७३५	१-११३०	१-०३६१५	१-९९०७३	२१ शु	३०-१०	३०-१०

सन १९३९ ई.

शुद्ध और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारांश	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतिव तिथिशेष	द्वादश तथ तिथिशेष लघुरिक्त	रवि चंद्र गत्यंतर	गर्ग्यंतर लघुरिक्त	भागलक्षि आ-बा	तिथि वार	भागलक्ष तिथि समाप्ति काल
फरवरी	१९	३०६-४९७	३०३-००९	अ ३-४८८	आ ०-५४२५८	ब १-०५९९	बा १-०४१३९	१-५-१२३	३० र
२०	३०७-५०५	३११-०१६	३५२-०४९	०-६५२१५	११-०३८	१-०४४४६	१-६-०३६९	१ चं	२४८
२१	३०८-५१३	३१७-०२२	३४१-०६१	०-७३३२८	११-११९	१-०४८१८	१-६-०५१०	२ मं	२९१४
२२	३०९-५२०	३२३-०३०	३३०-०७२	०-७९३२३	११-२६०	१-०५१५४	१-७-१६९	३ बु	३३१६
२३	३१०-५२७	३२९-०३५	३१८-०८२	०-८४२११	११-५७०	१-०६३३३	१-७-०८७८	४ शु	३६१५४
२४	३११-५३३	३३५-०४१	३०७-०९२	०-८९३१७	११-७२१	१-०६८९६	१-८-०२२१	५ श	४०१३०
२५	३१२-५३९	३४१-०४८	२९५-०९६	०-९४२२९	११-९९०	१-०७०८८	१-८-०५४७	६ श	४३२०
२६	३१३-५४५	३४७-०५४	२८३-१०१	०-९८२५८	१२-३६९	१-०७२०५	१-७-०७३३	७ र	४६१११
२७	३१४-५५०	३५३-०६०	२७१-१०७	०-९९३९२	१२-७५१	१-०७३३३	१-७-०८३३	८ चं	४९१११
२८	३१५-५५४	३५९-०६७	२५८-११७	०-९९६७०	१३-१४२	१-०७४६६	१-६-०९०४	९ मं	५२११६
मार्च	१	३१६-५५८	३५५-१२३	०-७३३६०	१३-५५२	१-०७२००	१-६-०९६०	१० बु	५३११८
२	३१७-५६२	३६१-१२९	३४३-१२३	०-७८६९२	१३-९४४	१-०७०९५	१-४-१०१७	११ शु	५६१११
३	३१८-५६६	३६७-१३६	३३१-१२९	०-८३७२८	१३-१३६	१-०६९५१	१-४-११२२	१२ शु	८१४११
४	३१९-५६७	३७३-१४०	३१९-१३५	०-८९२९१	१४-२३६	१-०६७३६	१-४-१२३१	१३ श	८४४८
५	३२०-५६९	३७९-१४९	३०७-१४३	०-९४२५६	१४-५५४	१-०६४७०	१-४-१३४०	१४ र	४७११६
६	३२१-५७३	३८५-१५५	२९५-१४६	०-९९६११	१४-७५६	१-०६३४९	१-७-१४४८	१ चं	५३१२१
७	३२२-५७७	३९१-१६१	२८३-१५०	०-७७७७५	१४-९५७	१-०६२५१	१-६-१५००	२ मं	५६१२१
८	३२३-५८३	३९७-१६८	२७१-१५५	०-८३०८६	१४-८६७	१-०६०९८	१-५-१६०८	३ बु	५९१२१
९	३२४-५८७	४०३-१७४	२५९-१६०	०-८८१८९	१४-९५८	१-०५९४५	१-४-१७१७	४ शु	६०१६१
१०	३२५-५९३	४०९-१८१	२४७-१६३	०-९३५४२	१४-९९७	१-०५७९०	१-४-१८३५	५ शु	६३१२०
११	३२६-५९७	४१५-१८७	२३५-१६६	०-९८५८०	१४-९८६	१-०५६३३	१-४-१९४३	६ श	६७१२१
१२	३२७-६०३	४२१-१९३	२२३-१६९	०-९९६६१	१४-९८६	१-०५५८५	१-४-२०५७	७ र	७०१६६
१३	३२८-६०७	४२७-१९९	२११-१७३	०-९९८८५	१४-९८६	१-०५४३१	१-६-२१०४	८ चं	७३१२१
१४	३२९-६१३	४३३-२०६	१९९-१७६	०-७३६२४	१५-१९१	१-०५३८१	१-६-२२०८	९ मं	७६१२१
१५	३३०-६१७	४३९-२१२	१८७-१८०	०-७८६६५	१५-३८१	१-०५२३३	१-७-२३१७	१० बु	७९१०
१६	३३१-६२३	४४५-२१८	१७५-१८५	०-८३७००	१५-५७१	१-०५०८१	१-७-२४२६	११ शु	८२१२०
१७	३३२-६२७	४५१-२२४	१६३-१८८	०-९४८३३	१५-७६१	१-०४९२९	१-७-२५३५	१२ शु	८५१२०
१८	३३३-६३३	४५७-२३०	१५१-१९३	०-९९८७०	१५-९५१	१-०४८८०	१-७-२६४३	१३ श	८८१२०
१९	३३४-६३७	४६३-२३६	१३९-१९७	१-०५००३	१५-९४३	१-०४७३०	१-७-२७५०	१४ र	९११२०
२०	३३५-६४३	४६९-२४२	१२७-२००	१-०५१३६	१५-९३३	१-०४६८०	१-७-२८५८	१५ चं	९४१२०
२१	३३६-६४७	४७५-२४८	११५-२०४	१-०५२६९	१५-९२३	१-०४५३०	१-७-२९६६	१६ मं	९७१२०

संवत् १९९५ शके १८६० का

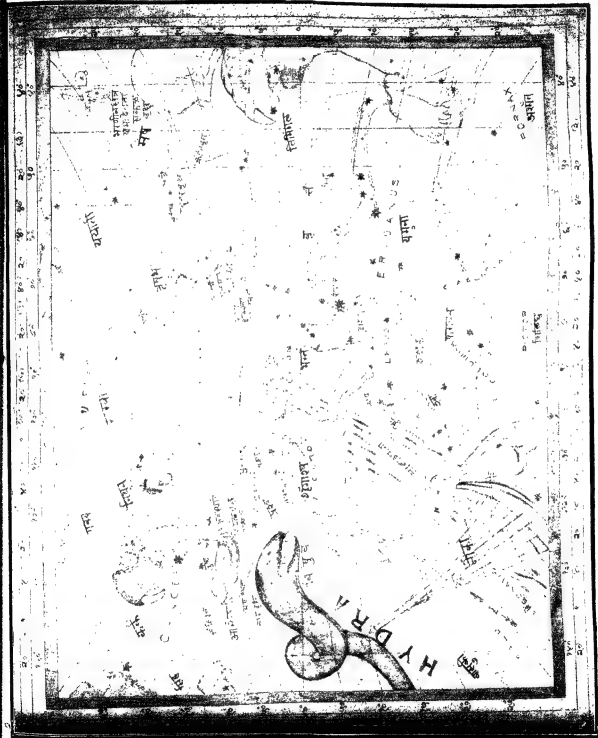
नक्षत्र साधन

अर्थात्

भूमध्य स्पष्ट चन्द्र तथा उसकी गतिद्वारा प्रत्यक्ष
सिद्ध किया हुआ उदाहरण सहित

नक्षत्र समाप्ति काल ।

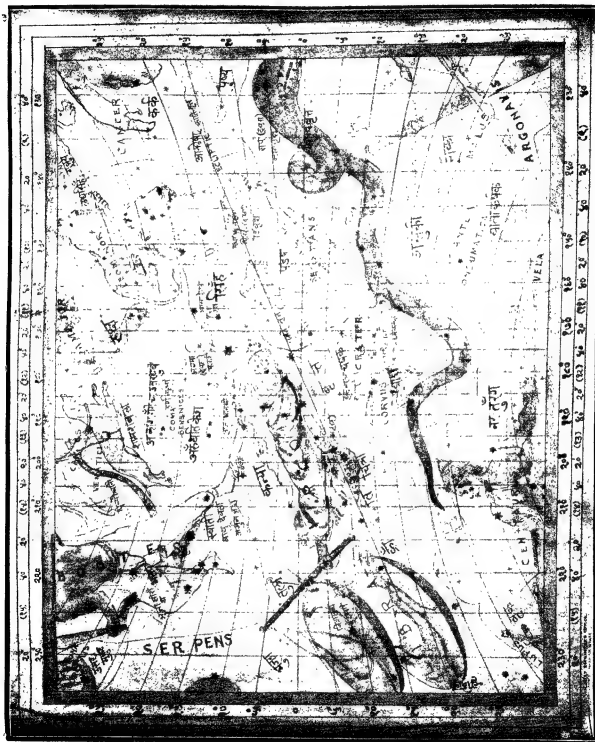
शके १५८० तत्त्वविवेकोक्त) राशिचक्र का नकशा ३ वृषभ मिथुन कर्क (विपुत्रांशकालि के अंश.



अयनांश १९।४

संपादक—बुलेट साहू, वैदिक वेधशाला, इन्दौर.

शके १५८० तत्संवित्कोके) राशिचक्र का नकशा ४ सिंह कन्या तुला (विद्युवांश क्रांति के अंश



अयनांश. १९।४

संपादक चुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशाला, इन्दौर.

सन १९३८ इ.

शुद्ध और कृष्णपथ का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

सारांश	स्वयं चंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३ १२० नक्षत्र नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्त माघ	दिनगति लघुरिक्त भाजक	भागलब्धि लघुरिक्त	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
माघ	व	अ	आ	वा	आ-वा	गु	उ	घटि-पल
३१	३३७-३१३	१३-३६७	९-३५४	०-९७१००	१-१३५६७	९-८३५३३	गु उ आ	घटि-पल ४१४
प्रार्थना								
१	३५०-९८०	१३-८५६	९-२०	०-९६४७३	१-१४१६१	९-८२३१९	शु रे	३९५६
२	४८३६	१४-१०७	८-४९७	०-९२९२७	१-१४९४३	९-७७९८४	श अ	३६१८
३	१८-९४३	१४-१६६	७-७२६	०-८८७९५	१-१५१२५	९-७३३६७	र भ	३२४४
४	३३-१०९	१४-२१६	६-८९१	०-८३८२८	१-१५२७७	९-६८५५०	र च	२९१५
५	४७-३२५	१४-२२७	६-००८	०-७७८७३	१-१५२४२	९-६२३३३	मं रो	२५१२३
६	६१-५५२	१४-२०६	५-११५	०-७०८८५	१-१५२४७	९-५६३८८	बु मृ	२११३६
७	७५-७५८	१४-०९६	४-२४२	०-६२७५७	१-१४८१०	९-४७९४७	गु आ	१८१६
८	८९-८५४	१४-००६	३-४७९	०-५४०४५	१-१४७५५	९-३९२९०	शु पु	१४५०
९	१०३-७७०	१३-९३६	२-७६७	०-४४२०१	१-१४४१४	९-२९७८७	वा पु	११५५
१०	११७-८५६	१३-८८७	२-२६४	०-३३५२६	१-१३९४७	९-१९७७९	र आ	९१२५
११	१३१-६२३	१३-८५६	१-७१०	०-२३३००	१-१३३४१	९-१९५५९	चं ग	९१३०
१२	१४५-४९९	१३-८२८	१-४४८	०-१६०७७	१-१२६६६	९-०९३४९	मं प	६१२९
१३	१५८-६०५	१३-७४७	१-३९५	०-१४४९७	१-११८८३	९-०२६१४	बु उ	६१२३
१४	१७२-७५२	१२-६३६	१-५८१	०-१९८९३	१-११८१०	९-०८७३३	गु ह	७१२०
१५	१८४-८८८	१२-५३६	१-९७९	०-२९६४५	१-१०१६१	९-१९४८४	श चि	९१२४
१६	१९७-३२४	१२-४८७	२-०६६	०-४२७४९	१-१०२२७	९-१३४५२	वा स्वा	१२११८
१७	२०९-९३४	१२-४४६	३-०६२	०-५८९५५	१-१०८४३	९-४४५२२	र वि	१७५४८
१८	२२१-८५७	१२-४०८	४-०१०	०-६८२११	१-१०७८१	९-४०३४५	चं उ	२४५९
१९	२३३-८४४	१२-३८६	५-०५६	०-७८९३०	१-१०७४३	९-३६१००	मं ज्ये	३११८
२०	२४५-७७०	१२-३०७	७-०६२	०-८८२१३	१-१०७२४	९-०९९९९	बु मू	३८४४४
२१	२५७-७५७	१२-२८५	८-११०	०-९६१४२	१-१०७३९	९-०८७७८	गु पु	४६११८
२२	२६९-७३७	१२-२०६	१०-०६७	१-०२६४१	१-१०७२१	९-०४८०१	शु उ	५३११५
२३	२८१-७४९	१२-१५७	११-१९४	१-०७८६०	१-१०८८३	९-०१३७७	वा अ	५९९
२४	२९३-७५०	१२-०६६	१२-०४६	१-०८८६०	१-१०८८३	९-०१३७७	र अ	६०१०
२५	३०५-७७२	१२-०८८	०-६९५	१-०८४१८	१-१०६७३	८-९३५२५	चं ध	३१३६
२६	३१७-८५८	१२-०७७	१-२४२	०-०९४१२	१-१०६८२	८-९७४०८	मं म	५१४०
२७	३२९-९३५	१२-०४६	१-३९८	०-१४५५१	१-१०६८२	८-९०१२७	बु पु	६१११
२८	३४१-९११	१२-००६	१-१५६	०-०६२९६	१-१०६२२	८-९१९७७	गु क	४१५९
२९	३५३-९४७	११-५३७	०-५८३	१-०७५६७	१-१०६४२	८-६१२२५	शु रे	२१२८
३०	३६५-९५४	११-४८८	१-३०३	१-१४३८८	१-१०६०५	८-५१३४३	वा अ	५१५४

सन १९३८ ई.

शुक्र और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारात्रय	स्पष्टचंद्र	दिनगति	वेत्त्यंत १३° १२' ०" तट नक्षत्र षोष	नक्षत्र षोष लघुस्थिति भाज्य	दिनगति लघुस्थिति भाजक	भागलक्षि रश्मिस्थिति	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलक्षि नक्षत्र समाप्ति कालः
घटि-पल	घटि-पल	घटि-पल	घटि-पल	घटि-पल	घटि-पल	घटि-पल	घटि-पल	घटि-पल
पुष्यल	१३.६५४	१४.४८६	१३.०१३	१३.१४२८	१३.१६०९५	१३.१६०९५	श	भ
१	२८.१४०	१४.६१६	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	र	क
२	४२.७७७	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	च	र
३	५७.४१३	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
४	७२.०४९	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
५	८६.६८५	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
६	१०१.३२१	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
७	११५.९५७	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
८	१३०.५९३	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
९	१४५.२२९	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
१०	१६०.८६५	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
११	१७५.५०१	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
१२	१९०.१३७	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
१३	२०५.७७३	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
१४	२२०.४०९	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
१५	२३५.०४५	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
१६	२४९.६८१	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
१७	२६४.३१७	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
१८	२७८.९५३	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
१९	२९३.५८९	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
२०	३०८.२२५	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
२१	३२२.८६१	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
२२	३३७.४९७	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
२३	३५२.१३३	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
२४	३६६.७६९	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
२५	३८१.४०५	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
२६	३९६.०४१	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
२७	४१०.६७७	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
२८	४२५.३१३	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म
२९	४४०.९४९	१४.६३७	१३.८६०	१३.०७४०८	१३.१६५४२	१३.१६५४२	म	म

सन १९३८

शुक्र और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	सप्तमंत्र	दिनगति	रेवत्यंत १३° १२' ०" तट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाज्य	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
मई		ब	अ	आ	वा	आ-वा		घटि-मूल
२९	३६° ५८८	१४° ५८८	३४° १२	०° ५३ ३० १	१° १७ ४५ ३	१° ३५ ८४ ८	र	कृ १३।१२
३०	५१° ५३४	१५° ०४९	१° ७ ९९	०° २५ ५० ३	१° १७ ७५ १	१° ०७ ७५ २	चं	रो ७।११
३१	६६° ५८३	१५° ०३४	०° ५८ ४	१° ७ ६५ १	१° १७ ०७	८° ५९ ०३ ३	जं	मृ २।२०
			१° ३४ ७७	१° १२ ७५ ६	१° १७ ०७	१° ५५ १८ ९		५३।४२
जून								
१	८१° १७	१४° ८१७	१° ५७ ६	१° ०६ ७८	१° १७ ०५ ६	१° ५८ ०८ २	उ	पु ४७।२७
२	९६° ५३४	१५° ५३६	१° ०२ ३३	१° ०१ ००	१° १६ २४ ४	१° ४४ ५५ ६	यु	पु ४२।३४
३	११०° ९७०	१५° १७६	१° ०३ ०	०° ५५ ५६ ९	१° १५ १५ ५	१° ८० ४७ ३	शु	आ ३८।१३
४	१२५° १४६	१६° ८१७	८° १८ ७	०° ५३ ३१ २	१° १४ ०४ १	१° ७७ २७ ३	श	म ३३।३३
५	१३९° १६३	१६° ३६६	७° ७० ४	०° ८६ ७२	१° १३ ०० ०	१° ७६ ०७ २	र	पू ३४।३५
६	१५४° ३२९	१६° ०४६	७° ७७ ७	०° ८८ ४८ ५	१° ११ ५४ ८	१° ७६ १३ ७	चं	उ ३५।१७
७	१६९° ३७५	१६° ७२७	७° ७५ ८	०° ९० ००	१° १० ४७ ३	१° ७५ ०७	मं	ह ३७।३१
८	१८४° १०२	१६° ४६६	८° ४६ ५	०° ९३ ७३ ३	१° १० ५७ ३	१° ८३ ७० ०	उ	चि ४१।१३
९	१९९° ५६८	१६° ३३६	९° ४३ २	०° ९७ ४६ ०	१° १० १७ ७	१° ८८ ४५ ७	यु	स्वा ४६।०
१०	२०५° ००४	१६° ०६७	१° ०४ २९	१° ०८ २४	१° ०८ १६ ०	१° ९३ ६५ ४	शु	वि ५१।५१
११	२१९° १७१	१६° १८६	१° १६ ९६	१° ०६ ८० ४	१° ०४ ८६ ७	०° ९१ ९७	श	उतु ६०।०
१२	२२६° ५५७	१६° १३६	०° २९ ०	१° ४६ २३ ९	१° ०७ ८६	८° ३८ ५५ ३	र	उतु १।१३
१३	२३८° ८९३	१६° ८८७	१° १७	०° ४४ ४२	१° ०७ ०७	८° ५९ ३५	चं	ज्ये ५३६
१४	२५०° ०८०	१६° ८२६	२° ५५ ३	०° ४० ७० ५	१° ०७ २८ १	९° ३३ ५२ १	मं	मृ १२।५९
१५	२६२° २६०	१६° ८५६	४° ०६ १	०° ५० ८६ ३	१° ०७ १४	९° ५३ ३६ ९	उ	पू २०३३
१६	२७४° ४६२	१६° १०७	५° ५८ ८	०° ७४ ३३ ५	१° ०७ ००	९° ६६ ७५ ५	यु	उ २७।५४
१७	२८६° ३६९	१६° १७६	६° १६ ४	०° ४४ ८६	१° ०८ २१ १	९° ५६ ४५ ५	शु	अ ३५।५४
१८	२९८° ३६५	१६° १४६	८° ३२ २	०° १२ ०३ ३	१° ०८ ४३ ३	९° ३५ ८०	श	ध ४१।७
१९	३१०° ४११	१६° ३१८	९° ५० ९	०° ७७ ८३ ३	१° ०९ ५४	१° ८८ ५५ ९	र	श ४६ १९
२०	३२२° ८०९	१६° ४८६	१° ०५ २४	१° ०२ २१ ८	१° १० ३३ २	१° ९८ ४७	चं	पू ४९।७७
२१	३३४° ४५१	१६° ०१६	१° ११ २२	१° ०४ ८३ ३	१° ११ ४४ ८	१° ९३ ३६ ५	मं	उ ५१ ३०
२२	३४८° ५११	१६° ३४७	१° ४८ ९	१° ०६ ०८	१° १२ ७३ ०	१° ९२ २९ ८	उ	उ ५१।२५
२३	१° १९७	१६° ११७	१° ४४ १६	१° ०५ ७५ १	१° १४ ४१	१° १० ३०	यु	अ ४९ ३४
२४	१° ५३४	१६° ३२६	१° ०९ ३३	१° ०३ ७४	१° १५ १२	१° ८८ ३६ २	शु	भ ४५।५४
२५	०° ०००	१६° ६१६	१° १४ ०	०° १९ ७३ ९	१° १६ ७२ ०	१° ७३ ०० ९	श	कृ ४० ३५
२६	४° ७५६	१६° ०६६	८° ५७ ७	०° १३ ३३ ४	१° १७ ००	१° ७५ १३ ४	र	रौ ३४ १०
२७	५° ९८२	१६° १७७	६° ८४ ५	०° ८३ ३७	१° १८ ०९	१° ६५ १८	चं	मृ २७।७

सन १९३८ ई.

शुक्र और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९२५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनमिति	रेवत्यंत १३।२० नक्षत्र नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिषय भाज्य	दिनमिति लघुरिषय भाजक	भागलब्धि लघुरिषय	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
जून २७	५९.०२२	१५.१७७	अ ६.८४६	आ ०.८३५३७	वा १.१८०१९	आ-वा ९.६५५१८	चं सु	षष्टि-पक्ष २७।७
२८	७४.२९९	१५.२०६	५.००१	०.९९०६	१.१८४२९	९.५१४७७	मं आ	१९।३८
२९	९०.२८५	१५.०९७	३.३४८	०.५२४७९	१.१८८८९	९.३३५९०	बु पु	१३।१८
३०	१०५.३८२	१४.८१६	१.२८५	०.८०८९०	१.१७०७३	८.९३८१७	शु पु	५।१३
जुलै १	१२०.१९८	१४.४२७	१.३१३	१.२४४८९	१.१७०७३	९.९४१६६	आ	५९।१२
२	१३४.६२५	१३.९०६	१.२०४२	१.०८०७०	१.१६३८६	९.९३६९६	शु म	५४।५५
३	१४८.५५१	१३.४५६	१.१४४९	१.०५८७७	१.१६८९२	९.९२९४५	श पु	५१।५४
४	१६२.००७	१२.९५७	१.०८२६	१.०५४०८	१.१६३८४	९.९४०२४	र उ	५१।३
५	१७५.००४	१२.८०६	१.०२६३	१.०६६८३	१.१६०२९	९.९६३८३	चं ङ	५५।२६
६	१८८.००४	१२.६३६	१.०२२०	१.०९००६	१.१०९११	९.९९९७४	मं बि	५९।५३
७	२००.००६	१२.५०७					शु स्वा	६०।०
८	२१२.१२३	१२.३९६	१.२१०	०.०८२७१	१.०७७७५	९.००५२०	शु वि	६।५
९	२२३.०७९	१२.२८६	२.५८८	०.५१२९६	१.०७४३०	९.३४८६६	शु उ	१३।२५
१०	२३५.१४५	१२.१८७	४.०५५	०.६०८००	१.०७३३६	९.५३६६१	र उषे	२०।३६
११	२४७.७१२	१२.०८६	५.५४१	०.७४३५९	१.०७३३५	९.६७००२	चं मू	२८।४
१२	२५९.६३८	११.९८७	७.०२९	०.८४६८९	१.०७४६७	९.७७२२२	मं पु	३७।३१
१३	२७१.५१४	११.९४७	८.४८६	०.९२८७०	१.०७७२६	९.८५१५६	बु उ	४२।४६
१४	२८३.४६१	१२.००६	१.०८७२	०.९९४४०	१.०७७७७	९.९१६००	शु अ	४९।२०
१५	२९५.४०७	१२.०१७	१.०२००	१.०४४९२	१.०८०३६	९.९६९८६	शु अ	५५।२८
१६	३०७.५८३	१२.०२७					श सा	६०।०
१७	३१९.६३०	१२.०४६	०.१७०	१.२३०४५	१.०९३९८	८.३६४४७	र सा	०।४९
१८	३३१.६४६	१२.०६५	१.०८७	०.०३६२३	१.०९३३३	८.३३३३३	चं पु	५।९
१९	३४३.६७३	१२.०८६	१.०३६४	०.२४६५०	१.०९३८०	९.३३४००	मं उ	८।११
२०	३५५.७८३	१२.०९६	२.१६१	०.३६४५५	१.०९२७७	९.२९१८८	बु श	९।५६
२१	३६७.८०६	१२.०९६	२.२२७	०.३४७७२	१.०९३६२	९.२९१४४	शु अ	९।४६
२२	३७९.८३७	१४.००९	१.८८७	०.२७३००	१.०९३९०	९.२९२४३	शु म	७।५९
२३	३९१.८८८	१४.०३७	१.११२	०.०४६१०	१.०९४२७	८.८८८८३	शु क	४।३८
२४	४०३.९५६	१४.०६६	०.०४८	१.६८१४२	१.०९४४३	८.५०६७१	र श	१।५६
२५	४१६.०२१	१४.०९६	१.३३२	१.१२६५२	१.०९४४३	९.०५१९९	शु अ	५।३३
२६	४२८.०९३	१४.१२६	१.०७९	१.०७०७४	१.०९४८१	९.०९२५५	चं आ	४६।५९
२७	४४०.१६३	१४.१५७	८.१४४	१.०९१९३	१.०९४८३	९.०९२५५	मं पु	३९।२५
२८	४५२.२३३	१४.१८७	८.१४४	०.०९१२४	१.०९४८३	९.०९२५५	बु पु	३९।८

सन १९२८ ख.

शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९५५ शके १८६०

तारांश	स्वर्गचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३१२० तक्ष नक्षत्र राश	नक्षत्र शेष लघुविषय भाज्य	दिनगति लघुविषय आजक	भागलब्धि लघुविषय	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कलः	
सुकाश	ब	अ	आ	वा	आ-वा			घटि-पल	
२७	९८५५३	१५१४७	८११४	०९०९२४	११८०३३	९०२८९१	बु	पु	३२।८
२८	११३१०००	१४१९६	६३००	०५९९३४	१२०१८३	९५९७५१	गु	आ	२३।४५
२९	१८८६१६	१४५५७	४०१७	०६७३६७	११६३०३	९५९६००	शु	म	१९।२७
३०	१४३१७३	१४०६६	३४९४	०५४३३२	११४८१७	९३९५१५	श	पू	१४।५४
३१	१५७२३९	१३५९८७	२७६१	०४४१०७	११३२१२	९३०८९५	र	उ	१५।१३
अश्विन									
१	१७००८२६	१३१०६	२५०७	०३९९१५	१११७४७	९२८१६८	च	इ	११।२९
२	१८३१३२	१२५७६	२७३५	०४३३९६	११०३०१	९३३३९५	मं	बि	१२।५७
३	१९६१३८	१२३३७	३३६२	०५२६६०	१०९०८६	९४३५८६	बु	स्वा	१६।११
४	२०९१३५	१२००६	४३६८	०६५०२८	१०८१९६	९५६८३२	गु	वि	२२।१२
५	२२१०४१	११८८६	५३२६	०७५०२०	१०७४०३	९६७६१७	शु	उतु	२८।२८
६	२३२९२७	११८१६	७०९७३	०८४९६०	१०७२४७	९७७७२७	श	वा	३५।५६
७	२४४८७४	११८२७	८५९०	०९३२९९	१०७२८७	९८६०१२	र	मू	४३।२९
८	२५६८५७	११८५६	१००९७	१००४१९	१०७३१४	९९३०२५	च	पू	५१।६
९	२६८८२६	११९४७	११५७४	१०६३४८	१०७३२६	९९८६२२	मं	उ	५८।८
१०	२८०९७३	१२०५६					बु	अ	६०।०
११	२९२८२९	१२०७६	११०४	१०५६१७	१०८५५०	८०८७०७	गु	अ	४३।०
१२	३०४६०५	१२३३७	२०६२	०३१४२९	१०९०२१	९२२४४८	शु	घ	१०।३
१३	३१६१४४	१२४८६	३०५८	०४८५४४	१०९६४२	९३८९०२	श	वा	१४।४२
१४	३२९१४२	१२६२६	३९०५	०५९११२	११०१२७	९४९०६५	र	पू	१८।३४
१५	३४२०५४	१२८०७	४६१३	०६६९८८	१११७४४	९५६५५४	च	उ	२१।३७
१६	३५४८६१	१२९३९	५३३९	०७१०८८	१११३५८	९५९५०७	गु	रे	२३।३७
१७	७९१७३	१३२५६	५५१६	०७३३७०	११२२४१	९६११२९	बु	अ	२४।३१
१८	२११७३	१३५७७	५४९४	०७३९८९	११३२७७	९६०७२२	गु	अ	२४।१७
१९	३६५७४९	१३९०७	५२५१	०७३१८९	११४३२३	९५६७६६	शु	कु	२९।१०
२०	४८६५६	१४२८६	४६७७	०६६९९७	११५४९१	९५१५०६	श	रा	१९।३९
२१	६२९४२	१४५१६	३७२५	०५७११३	११६१८५	९४०९२८	र	मू	१५।२४
२२	७७४८८	१४९०७	२५४२	०४०५१८	११७०४४	९३९३६१	च	आ	१०।१८
२३	९२२६५	१४९०६	१०६८	००२८५७	११७३३६	८८५५२१	मं	पु	४।१८
२४	१०७१७१	१४९१६	१४४०२	११५८४२	११७३३६	९९८५०६	गु	पु	५७।५८
२५	१२२०८७	१४७९६	११८२९	११०८१९	११७३६५	९९३४४६	बु	आ	५१।३६
			११२४६	१०५१००	११७०१४	९८८०८८	गु	म	४५।३६

सन १९३८ ई

शुद्ध और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

ता.दि.	स्पष्टचंद्र	दिनगति	वर्त्यत १३ १२ ०० नक्षत्र चोष	नक्षत्र चोष लघुरिक्थ भा.उय	दिनगति लघुरिक्थ भा.उय	भा.गलविधि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भा.गलविधि नक्षत्र समाप्ति काळः	
आगस्त		ब	अ	आ	बा	भा-बा	गु	म	घटि-पल
२५	१२२००८७	१४०९६	११२४६	१०५१००	१०१७०१४	१०८८०८६	गु	म	४५।३६
२६	१३६०८८३	१४००७	१०३८४	०९९०५२	१०१५८३७	१०७३२१५	शु	पू	३२।२३
२७	१५१०२९०	१४००४	८०११०	०९४००२	१०१४७५५	१०७१२४७	शु	उ	३७।५२
२८	१६५०३३६	१३९२७	७०९७७	०९०२९३	१०१३४४०	१०७६५५३	र	ह	३५।१३
२९	१७८०९६३	१३८१७	७०७०४	०८८६७२	१०११९७८	१०७६९९४	च	चि	३५।५
३०	१८२०१३९	१२०७५	७०५५४	०८९५४८	१०१०५७५	१०७८५०३	मं	स्वा	३६।५८
३१	१८५०८९६	१२०३८	८०४३७	०९२६१९	१००९२९३	१०७३३२६	शु	बि	४०।५२
सितम्बर									
१	२०३२८२	१२०१३	१०३८५	०९७२४३	१००८४११	१०८८३२२	गु	सु	४६।२३
२	२०४११९	११९९६	१००५१	१०२४५३	१००७६१३	१०९४८४०	शु	उये	५३।१०
३	२०१३३६	११९३६					श	पू	६०।०
४	२०१७११	११८१७	०९६२	१०२०५२	१००७२५१	८०३७७०१	र	मू	०।४९
५	२०४०८८	११९०६	१०६७९	०९२५०५	१००७७७६	१०१४२९९	च	पू	८।२८
६	२०६०९४	१२०१६	१०४०६	०९४२२०	१००७७७६	१०१४२९५	मं	उ	१५।३१
७	२०८११०	१२०१७	१०४२३	०९४५७२	१००८५५०	१०१६०२२	बु	अ	२१।४८
८	२०१०८६	१२०३७	१०५८१	०९७६७३	१००८६२६	१०१४४०९	शु	घ	२८।५९
९	२०३०४६३	१२०५८	१०६३७	०९९५३८	१००९८८९	१०१५५५९	शु	श	३१।१०
१०	२०६०४९	१२०७६	७०२८४	०९८६२३७	१०१०६०५	१०१५६३२	श	पू	३४।१४
११	२०८०८५	१२०७७	७०८५२	०९८४९८	१०११३१७	१०१८१८१	र	उ	३६।१८
१२	२०१०९२	१२०१६	८०२०८	०९९४२४	१०११७८०	१०१९६४४	च	रे	३७।३३
१३	२०१०८	१२०२९	८०४२५	०९९५५७	१०१२३७५	१००१८८०	मं	अ	३८।१
१४	२०२०५	१२००६	८०४६२	०९९७७४	१०१३०५३	१००९६९५	बु	अ	३७।३६
१५	२०३११	१२०६८	८०२८९	०९९८५०	१०१३६२८	१००८२२२	गु	कृ	३६।२०
१६	२०४१९७	१२०९३	७०६६६	०९९९६०	१०१४३५५	१००५६०५	शु	शे	३४।१४
१७	२०५३१३	१२०८६	७०३८३	०९९६४६	१०१४८७९	१००७७७६	श	मृ	३१।१९
१८	२०६००	१२०३७	६०६००	०९९९५४	१०१५५५५	१००६३९९	र	आ	२७।४१
१९	२०७०७	१२०४६	५०६२६	०९९०२०	१०१५९१५	१००५९०५	च	उ	२३।२४
२०	२०८१३३	१२०३४	४०५३४	०९९५४८	१०१६१२८	१००५९०५	मं	पु	१९।४६
२१	२०९२९	१२०८७	३०३७१	०९९७७७	१०१६०९८	१००६६७८	बु	आ	१३।५८
२२	२०१०१६	१२०३७	२०२१७	०९९५७७	१०१५७३३	१००८८७३	गु	म	१।१६
२३	२०२०७७	१२०२६	१०१९५	०९९७३७	१०१५००२	१००७३३५	शु	पु	७।१०

आश्विन

२३

सन १९३८ इ.

शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३ १२० नष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलक्षि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलक्षि नक्षत्र समाप्ति कारः
सितम्बर	व	अ	आ	वा	आ-वा	शु	र	घटि-पल
२३	१४५.४७२	१४.१२६	१.१९५	०.०७७३७	१.१५००२	१.०७७३५	शु	७।१०
२४	१५१.५१८	१३.८१६	०.४०२	१.५०४२३	१.१६०३८	८.४६८५५	श	१।४०
२५	१७३.४१४	१३.४७७	१.३०३६५	१.१३७८३	१.१४०३८	१.११७४५	र	५.१३९
२६	१८६.१०१	१३.११६	१.३०३९९	१.१२२३१	१.१२९९२	१.११२३९	र	५.८१५
२७	२००.०१७	१२.७१७	१.३०३९९	१.११७२४	१.११७८०	१.११२३९	चं	५.११५
२८	२१२.७३४	१२.४५६	०.५९९	१.७७७४३	१.०९५३८	८.६८०५५	मं	६.०१०
२९	२२५.१९०	१२.१३७	१.४७७	०.१६१३८	१.०८३११	०.०८६२७	उ	२।५४
३०	२३७.३२७	११.९७६	२.५७३	०.४२७००	१.०७८३९	१.३४८६९	शु	७।१९
अक्टूबर								
१	२४९.०३३	११.८७७	४.०३०	०.६०५३१	१.०७४७१	१.५३०६०	श	२.०२२
२	२६१.१८०	११.८६६	५.४८७	०.७३९३४	१.०७४३०	१.६६५०४	र	२.७४५
३	२७३.०४६	११.९१६	६.९५४	०.८४२२३	१.०७३६३	१.७७६१०	चं	३.५११
४	२८४.९६२	१२.०७६	८.३७१	०.९२२७८	१.०८१९२	१.८८०८६	मं	४.१३६
५	२९७.०३८	१२.२५१	१.६२९	०.९८३५८	१.०८८३८	१.९९५२०	उ	४.७८८
६	३०९.२९५	१२.४०६	१.०७५	१.०२९५९	१.०९७१२	१.९३३४७	श	५.१२२
७	३२१.८०१	१२.५८३	१.१५३	१.०६११०	१.१०७७५	१.९९४१५	शु	५.३६९
८	३३४.६१७	१३.०१७	१.२०५	१.०८०९९	१.११७७७	१.९९६३२	र	५.६१२
९	३४७.६२४	१३.३१६	१.२३७	१.०९२५८	१.१२४३७	१.९९८२१	र	५.८६६
१०	०.१४०	१३.६०६	१.२३९	१.०९३१८	१.१३३७३	१.९९९४५	चं	५.९३९
११	१.५४४	१३.९८७	१.२४२	१.०८३५४	१.१३९४७	१.९९४०७	मं	५.९४५
१२	२.८३३	१३.९२६	१.२६७	१.०७६९६	१.१४३८३	१.९९२३३	उ	५.०१६
१३	४.२५५	१४.०१७	१.२७७	१.०७४३०	१.१४६६६	१.९८९७४	श	४.७१४
१४	५.६२७	१४.०९९	१.०३९	१.०६६६६	१.१४८८८	१.९८६८८	शु	४.४१४
१५	७.०५२	१४.१७७	१.०६८	१.०६४४४	१.१४९७४	१.९८३७७	श	४.११०
१६	८.४४५	१४.२५६	१.०६४	१.०६३७३	१.१५०९४	१.९८०६९	र	३.७१३
१७	९.८६२	१४.३०६	१.०६४	१.०६३३६	१.१५२२५	१.९७७४१	उ	३.४१४
१८	११.२९९	१४.३५७	१.०६४	१.०६३०८	१.१५३५७	१.९७४११	मं	३.०३३
१९	१२.६९४	१४.४०६	१.०६४	१.०६२७५	१.१५४८५	१.९७०८५	शु	२.७१२
२०	१४.०९९	१४.४५६	१.०६४	१.०६२४२	१.१५६१५	१.९६७५५	र	२.४१३
२१	१५.४८७	१४.५०६	१.०६४	१.०६२०९	१.१५७४२	१.९६४२२	शु	२.११३
२२	१६.८८०	१४.५५६	१.०६४	१.०६१७६	१.१५८६९	१.९६०९०	श	१.८१२
२३	१८.२७३	१४.६०६	१.०६४	१.०६१४३	१.१६०००	१.९५७५५	र	१.५१४

सन १९३८ ई.

शुक्र और कृष्णपथ का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	राष्ट्रचंद्र	दिनगति	रेवलेत १३ १२ ० तछ नक्षत्र राश	नक्षत्र राश लघुनिकथ भाउय	दिनगति लघुनिकथ भाउयक	भागलब्धि लघुनिकथ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः	
अक्षय्य									
		ब	अ	आ	वा	आ-वा		घट्ट-पल	
२३	१८-१-९५	१३-१-९५	४-३१४	०-६७३३९	१-१२०४४	९-५५२९५	र	वि	२११२४
२४	१९-१-९५	१२-१-९५	४-८५१	०-६८५८३	१-११०३९	९-५७०४४	च	स्वा	२२१३३
२५	२०-१-९५	१२-१-९५	५-२७८	०-७२२४३	१-१००२७	९-६२२२०	मं	वि	२५१८
२६	२१-१-९५	१२-१-९५	६-०१५	०-७७९२४	१-०९२५८	९-६८६६६	बु	उतु	२९११०
२७	२२-१-९५	१२-१-९५	६-०७२	०-८४३३६	१-०८४११	९-७५९२५	गु	उष	३४२२८
२८	२३-१-९५	११-१-९५	८-१६८	०-९१२१२	१-०७६६७	९-८३३५५	शु	मृ	४०१५३
२९	२४-१-९५	११-१-९५	९-५१६	०-९७८४५	१-०७४७१	९-९०३७४	श	पू	४८१५
३०	२५-१-९५	११-१-९५	१०-१७२	१-०४०२९	१-०७३९४	९-९६६५३	र	क	५५१३२
३१	२६-१-९५	११-१-९५	१२-४४९	१-०९४१३	१-०७७२२	०-०१२६९	च	अ	६००
नक्षत्र									
१	२७-१-९५	१२-१-९५	१३-०४७	०-७०१५७	१-०८०८७	८-६२०६९	मं	अ	२१३०
२	२८-१-९५	१२-१-९५	१३-७१०	०-७५२८५	१-०८१४१	९-६३४४१	बु	अ	८४५
३	२९-१-९५	१२-१-९५	२८-३३७	०-८४५२८	१-०९४७५	९-७५८११	गु	श	१३१४१
४	३०-१-९५	१२-१-९५	३०-६५४	०-९६०३८	१-१०११५	९-८४०२३	शु	पू	१६१५५
५	३१-१-९५	१३-१-९५	४०-०८१	०-९७१०७	१-१०१४३	९-८८९३४	श	क	१८१२८
६	३२-१-९५	१३-१-९५	४०-१८८	०-९८२०१	१-१०३०९	९-९०८९२	र	रे	१८१३०
७	३३-१-९५	१३-१-९५	४०-२३५	०-९९४९४	१-१०४२६	९-९२२३३	च	अ	१७१०
८	३४-१-९५	१४-१-९५	४०-३८२	०-९९९१७	१-१०५५५	९-९३७६२	मं	अ	१४११९
९	३५-१-९५	१४-१-९५	४०-५३९	०-९९९६६	१-१०६८४	९-९४७००	बु	कृ	१०१३६
१०	३६-१-९५	१४-१-९५	४०-६९६	०-९९९९३	१-१०८१८	९-९५८२५	गु	श	६११२
११	३७-१-९५	१४-१-९५	४०-८५३	०-९९९९७	१-१०९५३	९-९६९५३	शु	मृ	१२१७
१२	३८-१-९५	१४-१-९५	४०-९९९	०-९९९९९	१-११०८८	९-९८०८८	श	आ	५११४६
१३	३९-१-९५	१४-१-९५	४०-११५	०-९९९९९	१-११२२३	९-९९२२३	र	पू	४७१३६
१४	४०-१-९५	१४-१-९५	४०-१३१	०-९९९९९	१-११३५८	९-९९९९९	च	अ	४४११७
१५	४१-१-९५	१४-१-९५	४०-१४७	०-९९९९९	१-११४९३	९-९९९९९	मं	म	४१११०
१६	४२-१-९५	१४-१-९५	४०-१६३	०-९९९९९	१-११६२८	९-९९९९९	बु	पू	३९११४
१७	४३-१-९५	१४-१-९५	४०-१७९	०-९९९९९	१-११७६३	९-९९९९९	गु	उ	३८१२२
१८	४४-१-९५	१४-१-९५	४०-१९५	०-९९९९९	१-११८९८	९-९९९९९	शु	ह	३८१२८
१९	४५-१-९५	१४-१-९५	४०-२११	०-९९९९९	१-१२०३३	९-९९९९९	श	चि	३९१३२
२०	४६-१-९५	१४-१-९५	४०-२२७	०-९९९९९	१-१२१६८	९-९९९९९	र	स्वा	४११३९
२१	४७-१-९५	१४-१-९५	४०-२४३	०-९९९९९	१-१२३०३	९-९९९९९	च	वि	४४१४५

मार्गशीर्ष

२५

सन १९३८ द.

शुक्र और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३०'तट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिषय भाज्य	दिनगति लघुरिषय भाज्यक	भागलब्धि लघुरिषय	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाधि कालः
नवम्बर	व	अ	आ	आ-वा	वा	वा	चं	घटि-पल
२१	२०-३-१७	१-२-२७	९-४१६	०-९७३८७	१-१०१३०	९-८७२५७	चं	घटि-पल ४४१४५
२२	२१-३-५४	१-२-२६	१०-१२३	१-००५३१	१-०९३२८	९-९१२०३	मं	४९१०
२३	२२-३-९४०	१-२-२६	११-०६०	१-०४३७५	१-०८७२८	९-९५६४७	उ	५४११७
२४	२४-१-१६६	१-२-०६७					शु	६०१०
२५	२५-३-२३३	१-१-२२३	०-१००	१-०००००	१-०७६४९	७-९२३५१	शु	०१३१
२६	२६-५-१५९	१-१-८८७	१-५०८	०-१७८४०	१-०७५०७	९-१०३३३	श	७३३७
२७	२७७-०४६	१-१-८६६	२-१५४	०-४७०४१	१-०७४३०	९-१०३३३	र	१४५६
२८	२८८-१-१२	१-१-०६६	४-४२१	०-६४५५२	१-०७५७७	९-१५६९७५	चं	२२११७
२९	३०-०-८१८	१-२-००७	५-८४९	०-७६७०८	१-०७९४३	९-६८७६३	मं	२९११४
३०	३१-२-८२५	१-२-२१६	७-१७५	०-८५५८२	१-०८६९३	९-७६८८९	उ	३३११४
दिसम्बर								
१	३२-५-०४१	१-२-५१६	८-२९२	०-९१८६६	१-०९७४६	९-८२१२०	शु	३९१४५
२	३३७-५५७	१-२-५५७	९-११०	०-९५९५२	१-१०११४	९-८५०३८	शु	४२१३१
३	३५०-०४४	१-३-२३६	९-५८६	०-९८१६०	१-१२१७६	९-८५०८८	श	४३१२७
४	३६५-०	१-३-६५६	९-६८३	०-९९६०१	१-१३३५२	९-८५०६९	र	४२१३३
५	१७३-०	१-४-०९७	९-३६१	०-९७१३२	१-१४९१३	९-८२२१९	चं	३९१५१
६	३१-४-०३	१-४-५५६	८-५९७	०-९३४३५	१-१६००५	९-७७४३०	मं	३५१४१
७	४५-८५९	१-४-७४७	७-४७४	०-८७३५५	१-१६८७९	९-७०४८५	उ	३०१२५
८	६०-६०६	१-४-९४६	६-०६१	०-८८२५४	१-१७४५३	९-६०८०१	शु	२४१२०
९	७५-५५५	१-४-९३६	४-४४८	०-६४८१६	१-१७४५३	९-४७३९३	शु	१७५५२
१०	९०-४८८	१-४-८५७	२-८४५	०-४४४०८	१-१७१९३	९-२८२१५	श	११३०
११	१०५-३५५	१-४-८६६	१-३२२	०-१२१२३	१-१६३९४	८-९५७२९	र	५१२७
१२	११९-९३३	१-४-८६६	०-०६९	०-८८८८५	१-१५६१५	८-६८२७०	चं	२५४
१३	१३३-२५८	१-४-९५६	१-३-४०२	१-१२११७	१-१५६१५	९-९७१०२	मं	५६१८
१४	१३८-२१४	१-४-९५६	१-२-४०९	१-०९३७४	१-१४४७६	९-९४९८८	मं	५३१२१
१५	१४६-८००	१-४-९५६	१-१-७८६	१-०७१३७	१-१३३०९	९-९३८२८	उ	५२१३
१६	१५५-०१७	१-४-९५६	१-१-७८६	१-०६१८३	१-१२२४७	९-९४०७०	शु	५२१२१
१७	१८७-१७३	१-४-९५६	१-१-६५०	१-०६६३३	१-११२४७	९-९५८८८	शु	५३१५७
१८	२००-६३९	१-४-९५६	१-१-०२७	१-०७११६	१-१०२६४	९-९७६५२	श	५६१५९
१९	२१३-१५५	१-४-९५६	०-०१७	१-२४७९७	१-०८९७६	८-१५८२१	चं	५३१८
२०	२२५-४५२	१-४-९५६	१-२१५	०-०८४५८	१-०८५१५	८-९९९४३	मं	५१५९
२१	२३७-६१८	१-४-९५६	२-३८२	०-३७६९४	१-०८२३२	९-२९४५२	उ	१५०

सन १९३८-३९ इ. शुक्र और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचक्र	दिनगति	रेवर्लंत १३.१२.०४ नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिषय भाज्य	दिनगति लघुरिषय भाजक	भागलघ्वि लघुरिषय	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलघ्वि नक्षत्र समाधि कालः
दिसम्बर	व	अ	आ	वा	आ-वा	वृ	शु	घटि-पल
२१	२३७-६१८	१२-०८७	२-३८२	०-३७६९४	१-०८२३२	१-२९४६२	वृ षडे	११५०
२२	२४९-७०५	११-९७६	३-६२८	०-५५९६७	१-०७८३१	१-४८१३६	शु मू	१८११
२३	२६१-९६८	११-९०६	४-९८६	०-६९७७५	१-०७५७७	१-६२१९८	शु पू	२५१८
२४	२७३-५८७	११-८६७	६-४१३	०-८०७०६	१-०७४३४	१-७३३७२	श ङ	३२१२६
२५	२८५-४५४	११-८५६	७-८७७	०-८९६४७	१-०७३९४	१-८२२५३	र अ	३९१५२
२६	२९७-३११	११-८९७	९-३६७	०-९७११४	१-०७५४४	१-८९५७०	र अ	४७१२२
२७	३०९-२०७	११-९६६	१०-७९३	१-०७१६२	१-०७७९५	१-९९३६७	मं श	५९१८
२८	३२१-१७३	१२-१५६	१२-१५६	०-७७२६०	१-०७७९५	१-९९३६७	वृ पू	६०१०
२९	३३३-३२९	१२-२४७	०-००४	१-६०२०६	१-०७४३७	१-८५०६९	शु पु	११५६
३०	३४५-७७६	१२-३५६	०-९११	१-९५९५२	१-०७५७७	१-८६३८१	शु ङ	४११८७
३१	३५७-८४२	१२-४६६	१-४८८	०-९७२६०	१-०७७९५	१-९९३६७	श ङ	६१७७
जनवरी								
१	३६९-६५८	१३-५७६	१-६७५	०-२२४०१	१-०७७९५	१-९९३६७	र अ	७२२४
२	३८१-५२४	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	र अ	८३३४
३	३९३-३९०	१३-५२७	०-६९०	१-०८३८५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	९४४१
४	४०५-२५७	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	१०५५५
५	४१७-१२३	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	११६६६
६	४२९-०९०	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	१२७७७
७	४४१-१५७	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	१३८८८
८	४५३-२२४	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	१४९९९
९	४६५-२९१	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	१६११०
१०	४७७-३५८	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	१७२२१
११	४८९-४२५	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	१८३३२
१२	५०१-४९२	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	१९४४३
१३	५१३-५५९	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	२०५५४
१४	५२५-६२६	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	२१६६५
१५	५३७-६९३	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	२२७७६
१६	५४९-७६०	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	२३८८७
१७	५६१-८२७	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	२४९९८
१८	५७३-८९४	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	२६१०९
१९	५८५-९६१	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	२७२२०
२०	५९७-१०२८	१३-०७६	१-४३३	०-१५६२५	१-०७७९५	१-९९३६७	मं कृ	२८३३१

भाष

२७

सन १९३९ ई.

शुक्र और कृष्णपथ का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३' १२०" तट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिषध भाज्य	दिनगति लघुरिषध भाजक	भागलक्षि लघुरिषध	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलक्षि नक्षत्र समाप्ति कालः
जनवरी		ब	अ	आ	वा	आ-वा		घटि-लप
२०	२७०४०९	११८८६	९५९१	०९८१८६	१०७७५०४	९०९६८८२	शु	उ ४८।२५
२१	२८२-२९५	११८८६	११०३८	१०४२४९	१०७७०४	९०९६७४५	श	अ ५५।४०
२२	२९४-१८१	११८८६	११०८९	१०४२४९	१०७७०४	९०९६७४५	र	अ ६०।०
२३	३०६-०७७	११८८६	१०५९०	१०७७०४	१०७७०४	९०९६७४५	च	अ २५।९
२४	३१८-०३४	११८८६	१०५९०	१०७७०४	१०७७०४	९०९६७४५	म	अ १५।९
२५	३३०-००६	११८८६	३-२७३	०५१४९५	१०८८५५४	९०९६७४५	उ	अ १६।८
२६	३४२-२३७	११८८६	४-३३०	०६४६४०	१०९९३३२	९०९६७४५	शु	अ २१।२७
२७	३५४-६३३	११८८६	५-३३७	०७७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	शु	अ २५।२४
२८	३६६-०९९	११८८६	६-०२४	०८७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	श	अ २७।४५
२९	३७८-३३६	११८८६	६-३३३	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	र	अ २८।१९
३०	३९०-७५२	११८८६	६-६४८	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	च	अ २९।५८
३१	४०२-६५९	११८८६	६-६७४	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	म	अ ३३।४१
फरवरी								
१	४१४-०३५	११८८६	४-६३२	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	उ	अ ४८।४६
२	४२६-८५१	११८८६	३-४५९	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	शु	अ १२।३०
३	४३८-९६८	११८८६	३-३३५	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	शु	अ ५।२३
४	४५०-२९५	११८८६	३-२७३	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	श	अ १५।५६
५	४६२-५६५	११८८६	३-२०७	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	र	अ ४२।५१
६	४७४-८७७	११८८६	३-१४१	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	च	अ ३६।३७
७	४८६-१८९	११८८६	३-७०३	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	म	अ ३१।४७
८	४९८-५०३	११८८६	३-६३३	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	उ	अ २८।४३
९	५१०-०१५	११८८६	३-५६३	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	शु	अ २७।३९
१०	५२२-८५२	११८८६	३-४९८	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	शु	अ २८।३६
११	५३४-१८५	११८८६	३-४३३	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	श	अ ३१।३३
१२	५४६-५१८	११८८६	३-३६८	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	र	अ ३६।३२
१३	५५८-२५१	११८८६	३-३०३	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	च	अ ४२।३४
१४	५७०-५८६	११८८६	३-२३८	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	म	अ ४९।१५
१५	५८२-९१९	११८८६	३-१७३	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	उ	अ ५६।३३
१६	५९४-२५२	११८८६	३-१०८	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	शु	अ ६०।०
१७	६०६-५८५	११८८६	३-४३	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	शु	अ ४४
१८	६१८-९१८	११८८६	३-३६	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	श	अ १२।२२
१९	६३०-२५१	११८८६	३-३०	०९७७७७	१०९९३३२	९०९६७४५	र	अ १८।१७

सन १९२९ ई.

शुक्र और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३ १२०' तट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाज्यक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति काकः	
फरवरी									
१९	३०३-००९	१२००७	३-६५८	०५६३२४	१०७९४३	९४८३८१	र	घ	घटि-पल १८११७
२०	३१५-०१६	१२००८	४-९८४	०६९७५८	१०८२२८	९६१५३०	चं	श	२४४४५
२१	३२७-१०२	१२००६	६-२३५	०७९४८४	१०८६५७	९७०८२७	मं	पू	३०३१९
२२	३३९-३०८	१२०२६	७-३५९	०८६६८२	१०८८७४	९७७८०८	बु	उ	३६१०
२३	३५१-५७५	१२०५७	८-४२५	०९२५५७	१०९९५४	९८२६०३	गु	क	४०११२
२४	४-१५१	१२०७२	९-१८२	०९६२९४	१०१०४३	९८५८२१	लु	अ	४३११७
२५	१६-८७८	१२०९९	९-७८९	०९९०७४	१०१३८१	९८७६९३	श	अ	४५११२
२६	२९-८७४	१२०१६	१०-०५४	१००५४४	१०२६६५	९८७८७९	र	कृ	४५१२३
२७	४३-२४०	१२०५७	१०-०९३	१००४०२	१०३८८५	९८६५५०	चं	रो	४४११
२८	५६-९९७	१२०४९	९-६७०	०९८५३३	१०१५०२	९८६४७३	मं	शु	४१११
मार्च									
१	७१-१४३	१२०५६	८-८५७	०९४७२९	१०१६३०४	९७८४२५	बु	आ	३६३११
२	८५-६९९	१२०८३	७-६३४	०८८२७५	१०१७३३५	९७११४०	गु	पू	३०५२२
३	१००-५३६	१२०९६	६-०३१	०७८७५९	१०१७५१०	९६२२४३	लु	पू	२४३१५
४	११५-५०२	१२०२३	४-४९८	०६५३०२	१०१८२९०	९४७०१२	श	आ	१७४३३
५	१३०-७३९	१२०९५	२-५९३	०४१३९७	१०१७४८१	९०२३९६	र	म	१०१२५
६	१४५-६९५	१२०७७	०-९७२	०९८७६७	१०१६९००	८८२०६७	चं	पू	३५७
७	१६०-४५८	१२०३५	१-४३५	१०१५५४९	१०१६९०३	९०८६४९	उ	उ	५८११०
८	१७४-८०८	१२०८६	१-२८४	१०१०९९५	१०१५७०३	९०९९०५	मं	हि	५३१५०
९	१८८-६८४	१२०५७	१०१८५	१०५३६९	१०१२८९५	९०९२४७४	बु	बि	५११७
१०	२०२-१४९	१२०९९	१०१३६	१०५३६९	१०१३८८१	९०९३५१०	गु	स्वा	५०१२७
११	२१५-१३७	१२०१६	१०१८३	१००८९३	१०१००९२	९०९०९११	श	उतु	५४५०
१२	२२७-७३३	१२०१७	१०१८३	१००८९३	१००७८८०	९०९९८२३	र	ज्य	५९१४५
१३	२४०-०५०	१२००६	१००८३	१००८९३	१००७८८०	९०९९८२३	चं	शु	६०१०
१४	२५२-११६	१२०१६	१०२१७	०००८५२९	१००७६१३	९०००९१६	मं	पू	६१८
१५	२६४-०३२	१२०८७	२-६३५	०४२०७८	१००७३२३	९०३६१११	बु	पू	१३११९
१६	२७५-१०८	१२०८३	४-०९२	०६१९९४	१००७३२४	९०७३८७०	गु	अ	२०४५९
१७	२८७-७४५	१२०९६	५-५८८	०७४७२६	१००७६१३	९०६५७३१	शु	अ	२८८
१८	२९९-६६१	१२०१६	७-००६	०८४५४७	१००७९७६	९०६५७३१	श	घ	३४५५९
१९	३११-१६७	१२०३७	८-३२३	०९२०२८	१००८४११	९०८३६१७	र	श	४११९
२०	३२२-२६४	१२०१६	९-५१९	०९८८५९	१००८८७०	९०८९८९	चं	पू	४६३३४
२१	३३३-००९	१२००७	१०-५८७	१०२४७७	१००९५०३	९०९२५७४	मं	उ	५११२

संवत् १९९५ शके १८६० का

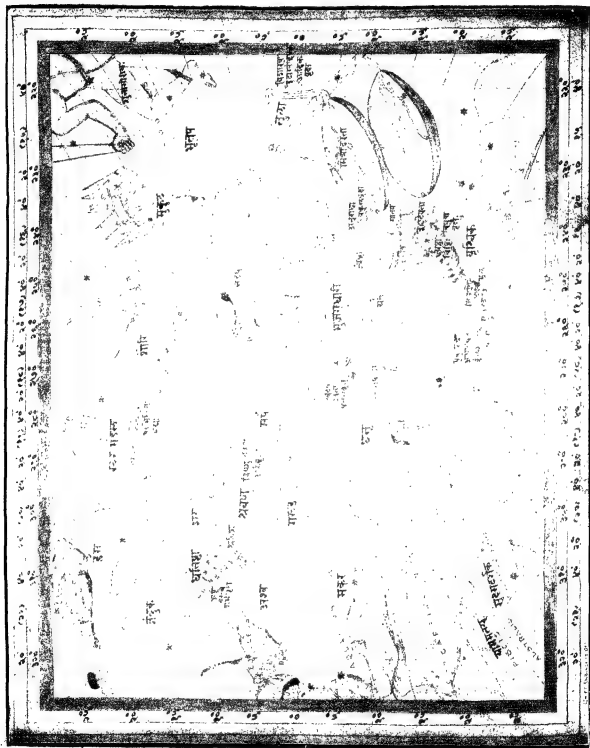
योग साधन

अर्थात्

भूमध्य स्पष्ट सूर्य और स्पष्ट चन्द्र के प्रत्यक्षांतर से
सिद्ध किया हुआ उदाहरण सहित

योग समाप्ति काल।

शके १५८० (तरीखविरोक्त) राशिचक्र का नकशा ५ वृश्चिक, धन, मकर (विपुर्वांश क्रान्ति के अंश)



अयनाश. १९१४

संपादन.—चुलुक शास्त्री, वैदिक देवशाळा, इन्डोर.

शके १५८० तत्त्वविशेषको (राशिचक्र का नक्शा ६ कुंभ, मीन, मेष (विपुलांश क्रान्ति के अंश



अयनांश. १९४

संपादक—बुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशास्त्रा, इन्दौर

सन १९३८ ई. शुक्र और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड़	उभयगति जोड़	वैभूत्यंत १३" १२०" तक्ष	योग शेष लघुरिषय	गति योग लघुरिषय	भागलंकिष लघुरिषय	योग भाग वार योग	भागलंकिष योग समस्तिकाः	
मार्च ३१	३२३-९९८	१४-६५४	९-३३५	०-९७०१४	१-१६५९६	९-८०४१८	शु	प्र	घटि-पल ३८११३
१	३३८-६६२	१४-८४२	८-०१५	०-९०३९०	१-१७१४९	९-७३२४१	शु	पुं	३२२४
२	३५३-४९४	१५-०९६	६-५०६	०-८१३३१	१-१७८७८	९-६३४५३	शु	रा	२५५२
३	८-५८७	१५-१५१	४-७५६	०-७७७२४	१-१८०४४	९-५७८०८	र	वि	१८५०
४	२३-७३८	१५-२०१	२-९२९	०-७४६७२	१-१८१८७	९-५२८५५	र	प्रो	११३३४
५	३८-९३९	१५-२४१	१-०६१	०-०२५७२	१-१८२८६	८-४३५३५	मं	आ	४१११
६	५४-११०	१५-२९०	१४-३९४	१-१५८१८	१-१८३८६	९-३८६०२	शु	सी	५६१४७
७	६९-३४०	१५-०७९	१०-६०६	१-०७९८०	१-१८५१६	९-३९८४२	शु	शो	४७१२८
८	८४-४१९	१५-०२९	८-९१४	०-९५००७	१-१८६९३	९-३७००२	शु	सु	३५३५५
९	९९-४४८	१५-०१८	७-२१९	०-८८५७९	१-१८७७९	९-३४८५३	शु	ध	२९११४
१०	११४-३४६	१५-७३८	५-६३६	०-७५०८५	१-१८९३२	९-३१८१५	र	शु	२२५५४
११	१२९-१३४	१५-५७७	४-१९९	०-६२३१५	१-१९०९७	९-२८९४८	र	मं	१७१७७
१२	१४३-७११	१५-३६६	२-९५६	०-४७७७८	१-१९२६३	९-२६१३६	मं	शु	१२२११
१३	१५८-०७७	१५-१२७	१-९२३	०-३८४९८	१-१९४०५	९-२३९९३	उ	शु	८१३६
१४	१०२-२०४	१५-९१५	१-१२९	०-०५२६९	१-१९५४८	८-१०२२१	शु	मं	४५५२
१५	१८६-११९	१३-६१४	०-५४८	९-७३८७८	१-१९७३८	८-६०४८०	शु	ह	२१२५
१६	१९९-७३३	१३-३६५	०-२६७	९-४२६५१	१-१९९५७	८-३००५४	शु	व	१११२
१७	२१३-०९८	१३-१२४	०-२३५	९-३३१०७	१-१९१०७	८-२१३००	र	सि	१५५
१८	२२६-२२२	१२-९६४	०-४४५	९-२४८३६	१-१९२७४	८-१३६६२	मं	मं	२१४
१९	२३९-१८६	१२-८४२	०-९१४	९-१६०९५	१-१९०८६	८-०५२३२	मं	व	४१३६
२०	२५२-०२८	१२-७०३	१-३०५	०-११५६१	१-१९०६६	७-००८९८	उ	प	६५८
२१	२६५-८११	१२-५३१	१-८५६	०-०६८५८	१-१९०८२	७-१००३२	शु	सि	८७११
२२	२७७-६४२	१२-३९१	२-३५८	०-०३७२५	१-१९१२३	७-२३०२४	शु	सि	१०१५६
२३	२९०-५१३	१३-१३१	२-७४७	०-०४३७७	१-१९१८०	७-३११४५	शु	सा	१२१३१
२४	३०३-७२४	१३-४४४	२-९४३	०-०४६८९	१-१९२४०	७-३४३३९	र	शु	१३१८
२५	३१६-१३४	१३-३५९	२-८३६	०-०४५२७	१-१९३९९	७-३१४१२	र	मं	१२१२२
२६	३३०-९२३	१३-१५०	२-४१४	०-३८२०९	१-१९५७६	७-२३१२६	मं	शु	१०१३३
२७	३४५-०७३	१३-४५८	१-५१४	०-२०२४९	१-१९६२८	७-१०३९६	उ	व	६१३४
२८	३५९-६२१	१३-८७८	०-३७९	९-५७८४४	१-१९७५४	८-००६१०	शु	वै	१३३२
२९	१४-४९९	१५-००९	१२-७१२	१-०८५२२	१-१९८५४	९-९०३९२	शु	प्रो	४८११
३०	२९-७०८	१५-४५७	१०-२९२	१-०२२५०	१-१९९९२	९-८२३३८	शु	आ	३९१५७

सन १९२८ ई.

शुद्ध और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड़	उभयगति जोड़	वैशुलेत १३१२० तछ	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार योग	भागलब्धि योग समष्टि कालः	
		ब	अ	आ	वा	भा-बा		घटि-पल्ल	
पुष्यलि ३० मई	२९.७०८	१५.४५७	१०.२९२	१०.१२५०	१०.१८९१२	९.८२३३८	श	आ	३९।५७
१	४५.१६५	१५.६०६	८.१६८	०.९१२१२	१०.१९३२९	९.७१८८३	र	सौ	३१।२४
२	६०.७७१	१५.६०७	५.८९६	०.७५५५७	१०.१९३३२	९.५६२२५	चं	अ	२१।५४
३	७६.३७८	१५.६०५	३.६२२	०.५५८९५	१०.१९३२६	९.३६५६९	मं	अ	१३।५१
४	९१.९८३	१५.६३५	१.३५०	०.३३०३३	१०.१९४१०	८.९३६२३	कु	सु	५।११
			१४.६८४	१.१६६८४	१०.१९४१०	९.९०३७४		श	५६।२१
५	१०७.६१८	१५.०१५	१२.२८२	१.०१२८२	१०.१९७५२	९.९१६२७	गु	शु	४९।१९
६	१२२.२६३	१४.९९४	१०.७००	१.०२९३८	१०.१७५९२	९.८५३४६	श	शु	४३।१२
७	१३७.६२७	१४.९७३	९.०४०	०.९५६१७	१०.१६७७०	९.७८८४७	र	शु	३६।५२
८	१५२.३४०	१४.९४४	७.६६०	०.८८४२३	१०.१५९६९	९.७२२४५	चं	शु	३१।१९
९	१६६.७७४	१४.९१३	६.५४९	०.८१६१८	१०.१५२६८	९.६६३५०	व	व्या	२७।१९
१०	१८०.९९७	१४.८७५	५.६७०	०.७५३५५	१०.१४४६४	९.६०८९४	मं	ह	२४।२३
११	१९४.९४९	१४.८४३	५.०५१	०.७०३३८	१०.१३८०८	९.५६५३०	कु	व	२२।३
१२	२०८.६९२	१४.८११	४.६४१	०.६६६६१	१०.१३४३३	९.५३२०८	गु	सि	२०।२६
१३	२२२.२२२	१४.७७२	४.४४४	०.६४७७४	१०.१२४५७	९.५०३२०	शु	व्य	२०।१
१४	२३५.५४५	१४.७३०	४.४५५	०.६४८८५	१०.११९५८	९.५२२२७	श	व	२०।१८
१५	२४८.७१५	१२.९८०	४.६१८	०.६६४४७	१०.११३२७	९.५५११८	र	प	२१।२१
१६	२६१.१६५	१२.९२०	४.०७२	०.६९६५३	१०.१११२६	९.५८५२७	चं	शि	२३।५
१७	२७४.४६५	१२.८००	५.३८५	०.७३३११	१०.१०७२१	९.६२३९७	मं	सि	२५।४
१८	२८७.७१५	१२.७७९	५.०१८	०.७७२१८	१०.१०६५०	९.६६६६८	कु	सा	२७।५५
१९	३००.९९५	१२.८१९	६.४७३	०.८१११०	१०.१०७५१	९.७०३५९	गु	शु	३०।१९
२०	३१३.००३	१२.९३८	६.९९७	०.८४४६६	१०.१११८७	९.७३३२९	शु	शु	३२।१६
२१	३२५.१४१	१३.०१८	७.३९२	०.८८७७६	१०.११७५४	९.७६१२२	श	अ	३३।५०
२२	३३७.२४९	१३.०१८	७.६१८	०.९१८४४	१०.१२४४४	९.७८५७०	र	पु	३४।१९
२३	३४९.२६७	१३.०७७	७.६३३	०.९८२६९	१०.१३६९४	९.७७४५५	चं	वै	३३।२५
२४	६.०७४	१४.१०७	७.२५९	०.९६०८८	१०.१४१४३	९.७९१४६	मं	वि	३०।२५
२५	२०.०१८	१४.१४४	६.४८६	०.९११९८	१०.१४१२८	९.८०६०७	कु	श्री	२६।५१
२६	३४.६७८	१४.१२६	५.३२२	०.८७०७७	१०.१३३९४	९.८५२१३	गु	आ	२१।२४
२७	४९.६०४	१५.३५५	३.७२९	०.८७१६९	१०.१३६२५	९.३८५५४	शु	सौ	१४।३२
२८	६४.९५९	१५.६५६	१.७०८	०.८३२५०	१०.१३७८२	९.३७८२२	श	अ	५७।३९
			१५.०४४	१.०४४२२	१०.१०१५३	९.९०२८९		श	
२९	८०.६१५	१५.९०५	१२.७१८	१.०४४२२	१०.२०१५३	९.९०२८९	र	सु	४७।५९

सन १९३८ ई.

शुक्र और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

ताराङ्क	रवि चंद्र का जोड़	मयगति जोड़	वैधृत्यंत १३०१२० तष्ट नक्षत्र शेष	योग शेष लघुरिक्षथ	गतियोग लघुरिवथ	भागलक्षिध लघुरिवथ	योग भाग धार योग	भागलक्षिध योग समाप्ति कालः
जुल २९	८०.६१५	१५.९०५	अ १२.५३१८	आ १.१०४४२	बा १.२०१५३	आ-बा ९.९०२८९	र सु	घटि-पल ४७।५९
३०	१६.५२०	१६.००८	१०.१४७	१.००६३४	१.२०४३४	९.८०२००	चं	३८।२
३१	११.२५२८	१५.९९२	७.४७२	०.८७३४	१.२०३९०	९.६६९५४	मं	२८।२
जुलाई १	१२८.५२०	१५.७७५	४.८१३	०.६८२४२	१.१९७९७	९.४८४४५	उ	१८।२८
२	१४४.२९५	१५.४९४	२.३७२	०.३७५११	१.१९०१६	९.१८४९५	गु	९।११
३	१५९.५८९	१५.१३४	०.२११	०.३२४२८	१.१७९९५	९.१४४३३	शु	८।२२
४	१७४.९२३	१४.७७४	१.३५४	१.०३१७५	१.१७९९५	९.९५१८०	व्या	५३।४२
५	१८९.६९७	१४.३२३	१.००३	१.०१२९६	१.१६०३३	९.८५६९३	श	४६।५३
६	२०५.५०२	१४.००३	१.३१३	०.९६९०९	१.१४६५२	९.८२२८६	र	४३।५४
७	२२१.८०३	१३.६८४	८.६४४	०.९३६७१	१.१३६२१	९.७९९५०	चं	३९।५४
८	२३८.१०७	१३.४२२	८.२९३	०.९१८७१	१.१२७८२	९.७७०८९	मं	३६।५७
९	२५५.१२९	१३.२९२	८.००४	०.९१४०२	१.१२३६९	९.७४९५३	उ	३७।२
१०	२७१.४२१	१३.०२३	८.२४६	०.९१६२४	१.११४७१	९.७०१५३	गु	३७।५९
११	२७१.४४४	१२.९४२	८.५५६	०.९३२२७	१.११२००	९.६८२०७	श	३९।४०
१२	२८४.३८६	१२.८९१	८.९४७	०.९५१६८	१.११०२९	९.६४३१९	र	४१।३९
१३	२९७.२७७	१२.८४२	९.३१०	०.९७२२६	१.१०८६३	९.६०४३३	चं	४३।५२
१४	३१०.११९	१२.७८१	९.८८१	०.९९४८०	१.१०६५६	९.५८८४४	मं	४६।२३
१५	३२२.९००	१२.८११	१०.४६३	१.०१८४१	१.१०७५८	९.५१०८३	उ	४८।५२
१६	३३५.७३१	१२.८६२	१०.९५६	१.०३९९५	१.१०९३१	९.४३०६४	गु	५१।९
१७	३४८.५७३	१२.९११	११.४२७	१.०६७९३	१.१११६३	९.४४६००	शु	५३।२
१८	३६१.४०४	१३.०१०	११.८२९	१.०९७९५	१.११७२७	९.४५६५६	श	५४।११
१९	३७४.२०४	१३.०६३	१२.०६३	१.१०८१४	१.१२२९४	९.४६८५१	र	५४।३२
२०	३८७.७७	१३.१५०	१२.१२४	१.१०८३९५	१.१२४८१	९.४७९७३	चं	५३।२२
२१	४०१.१६	१३.२४७	१२.१७७	१.१०८६५	१.१२६५२	९.४९०९३	मं	५०।४५
२२	४१४.५८६	१३.३३६	१२.२८१	१.१०८९४	१.१२८२१	९.५०२१३	उ	४६।४३
२३	४२७.९४६	१३.४३५	१२.३५४	१.१०९२३	१.१२९९४	९.५१३०२	गु	४८।१९
२४	४४१.३४७	१३.५२०	८.७७३	०.९४०३२	१.१३११२	९.५२४१२	शु	४८।४५
२५	४५४.७४७	१३.६५०	६.७७०	०.८३०५९	१.१३४५१	९.५३६०८	श	४८।५८
२६	४६८.१४७	१३.७४१	४.४५३	०.६४८६५	१.१३०४३	९.४४४२२	र	४६।४५
२७	४८१.५४६	१३.८३०	१.७६७	०.४७२२४	१.१२०७६	९.४०३९६	चं	४३।२५
			१५.०११	१.१७९०१	१.१२०७६	८.९७३३८	गु	५६।१०

सन १९३८ ई

शुक्र और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड़	वभयगति जोड़	वधूलंत १३ १२० तछ नक्षत्र शेष	योग शेष लघुरिपथ	गतियोग लघुरिपथ	भागलविध लघुरिपथ	योग भाग वार प्राग	भागलविध योग समाप्ति कालः
मई		ब	अ	आ	वा	अ-वा	चं	घटि-पल
२७	१३१५६६	१६०१३०	१५०७७	१०७९०१	१०२७६३	१०७९३८	चं	६११५
			१५०१०१				गं	५६१०
२८	१४७०६९६	१६०२४०	१२०२०४	१०९००५	१०२०५९	१०८७९८६	मं	४५१२८
२९	१६३०९३६	१६०५०	१०३९७	००७७२९९	१०२०५४७	१०७६७५२	मं	३५१८
३०	१७९०९८६	१५०७६९	६५८१	००८२४४	१०१७७८०	१०६२००४	गु	२५१२५
जून १	१९५०७५५	१५०३८१	४०४५	००२७८८	१०१८६९८	१०४००९०	शु	१६१३४
२	२११०३३६	१५०७७९	२०१७७	००३४१८३	१०१७२५७	१०१६९२६	श	८१५२
			००५५२					
३	२२६००१५	१४०४०९	१३०९८५	१०८१४२५	१०१५८६३	८६५५६२	र	२४३३
			१३०९०९	१०४५६६	१०१५८६३	१०१८७३०	व	५८१४४
४	२४००४२४	१३०९५१	१२०९०९	१०१०८९	१०१४४५७	१०१६५३२	चं	५५१७
५	२५४०३७५	१३०६२९	१२०९२२	१००८९६२	१०१३४४६	१०१५५१६	मं	५४१७
६	२६८०००४	१३०२८९	११०९९६	१०७९०४	१०१३३४६	१०१५५५५	गु	५४१०
७	२८१०२९३	१३००६१	१२००४०	१००८०६३	१०११५९८	१०१६६५५	गु	५५१९
८	२९५०३५४	१२०९०९	१२०३१३	१००९०३३	१०११०८९	१०१७४४७	शु	५७१४
९	३०७०२६३	१२०८१९	१२०७३७	१०१०५०७	१०१०७८५	१०१९८२२	वा	५९१४५
१०	३२०००८२	१२०८०१					चं	६०१०
११	३३२०८८३	१२०७९९	००४५०	१०६५३२१	१०१०७२४	८५४५९७	व	४३१७
१२	३४५०६८२	१२०८३०	००९८५	१०९९३४४	१०१०८३३	८८८५१९	मं	४३३७
१३	३५८०१२२	१२०९००	१०४८८	००१६०७७	१०११०५९	१००५०१८	गु	६१४४
१४	३७१०१२२	१२०९६०	१०५२१	००२८३५१	१०११२६०	१०१०७९३	गु	८५४८
१५	३८४०३७५	१२०७४०	१०५९५	००३६००८	१०११६२७	१०२४३१७	शु	१०३२२
१६	३९७०४४२	१२०२०१	१०५५८	००४७०७९	१०१२०६१	१०२८७६८	वा	११३८
१७	४१००६४३	१२०३७०	१०६९०	००५२९७५	१०१२६३१	१०३०३६२	चं	१२४५
१८	४२४०१३३	१२०६१३	१०७५४	००५२३९०	१०१३३८९	१०२९००१	गं	१०४२
१९	४३७०२४४	१२०८९०	१०८७६	००६७८५५	१०१४२७०	१०२३३१५	मं	१०१६
२०	४५००१५५	१२०२२१	१०८१९	००७९९३३	१०१५२९३	१०१०६९०	गु	७४०
२१	४६४०३४१	१२०३४१	००९३२	१०९६९४२	१०१६५५७	१०८०८५५	शु	३६१९
२२	४७७०३७६	१२००५१	१०९५७	१०१५४२७	१०१६५५७	१०९८७००	वा	५८१७
२३	४९००४२७	१२०३५२	१०९५७	१०१२५५०	१०१७७५६	१०९३४९४	गु	५९३९
२४	५०५०७७९	१२०९०१	१०९५७	१०१८६१६	१०१८६१६	१०८६४६१	श	४३५६
२५	५२००७७९	१२०९०१	१०९५७	१०१८६१६	१०२०१४२	१०७६३३६	अ	३४४८
२६	५३५०७७९	१२०९०१	१०९५७	१०२०३०२	१०२०५७७	१०६१७७७	व	२४१९
२७	५५००७७९	१२०९०१	१०९५७	१०२०५७७	१०२०८७४	१०३८५२१	मं	१४३४
२८	५६५०७७९	१२०९०१	१०९५७	१०२०८७४	१०२०८७४	१०३८५२१	व	४१०
२९	५८००७७९	१२०९०१	१०९५७	१०२०८७४	१०२०८७४	१०३८५२१	सि	५३४०

श्रावण

३५

सन १९३८ ई. शुक्र और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९६ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड़	उभयगति जोड़	वैभ्रत्यंत १३°१२०' त.ष्ट	योग दोष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार योग	भागलब्धि योग समाप्ति कालः
सुलई २७	१९८०९२	१६-१०३	१-०८८ १४४२२	०-०३६६३ १-१५८४२	१-२०६९१ १-२०६९१	८८३६७२ ९-९५१५१	सु व सि	घटित-पल ४११ ५३१४०
२८	२१५०१५	१५-०७२	१-१६५२	१-०६६४०	१-२००६३	९८६५७७	सु व	४४३
२९	२३०८८७	१५-५१३	१-११३	०-९५९६६	१-१९०६९	९७६८९७	सु व	३५१५
३०	२४६४००	१५-०२२	६-९३३	०-८४०९२	१-१७६७३	९-६६४१९	सु व	२७४१
३१	२६१४२२	१४-५४४	५-२४५	०-७१९७५	१-१६२६८	९-५५७०७	र सि	२१३९
अगस्त १	२७५०९६	१४-०६३	४-०३४	०-६०५७३	१-१४८०८	९-४५७५५	चं सि	१७१४
२	२९००२९	१३-६६३	३-३०४	०-७१९१७	१-१३५४५	९-३८३६२	मं सा	१४३१
३	३०३६९२	१३-२८४	२-७७५	०-४६३४९	१-१२३३३	९-३५०१६	सु सु	१३१२
४	३१६०९७	१३-०३४	३-०२४	०-४८०५८	१-११५०८	९-३६५५०	सु सु	११५५
५	३३००१०	१२-८४४	३-३२३	०-५२१५३	१-१०८७०	९-४१२८३	सु मं	१५३२
६	३४२८०४	१२-७७४	३-८१३	०-५८१३०	१-१०६३३	९-४७५०३	सु मं	१७५५
७	३५५६१८	१२-७८५	४-३७२	०-६४०६८	१-१०५७०	९-५३३९८	र वं	२०३१
८	३७०१३	१२-०१४	४-९२०	०-६९१९७	१-१०७६४	९-५८३३३	चं वि	२३३३
९	३८५२७	१२-१०६	५-४४०	०-७३५६०	१-१०७०९	९-६३४८३	मं प्री	२५१७
१०	३९९३३	१२-००५	५-८६७	०-७६८४७	१-११४४४	९-६५३९८	सु आ	२७३३
११	४१३४८	१२-०३६	६-१८५	०-७९१३४	१-११८४६	९-६७२८८	सु सी	२८१५
१२	४०२८४	१२-२९७	६-३८३	०-८०५०२	१-१२३७५	९-६८१२७	सु शो	२८४९
१३	४३०५८१	१२-५४६	६-४१९	०-८०७४४	१-१२८५९	९-६९७८८	श अ	२८३९
१४	४७०२७	१३-५८७	६-३०६	०-७९९७५	१-१३३१२	९-६६६६३	र सु	२७५१
१५	५००६१८	१३-०६८	६-०५३	०-७७९९७	१-१३८८७	९-६४३१०	चं छ	२६१३
१६	५१४३३२	१३-१७७	५-६१८	०-७६२६६	१-१४६६५	९-६०६०१	मं श	२४१३
१७	५२८३९९	१३-२२८	५-०३४	०-७०१९१	१-१५२८४	९-५४९०७	सु मं	२३१५
१८	५४२६१७	१३-५३८	४-५५०	०-७०७७४	१-१६२५०	९-४४४९६	सु सु	२३१३
१९	५५७१५५	१३-६९९	४-८४५	०-७५५०८	१-१७२२८	९-४८१८०	सु सु	२१२९
२०	५७२०२४	१५-२४९	१-३०९	०-१६९४४	१-१८३२४	९-९३३७०	श क्वा	५१९
२१	५८७०७२	१५-४७९	१४-६४३	१-१६५६३	१-१८३२४	८-९८२३९	ह	५७३७
२२	५९२७५३	१५-७७१	१०-५८१	१-०२४५३	१-१८९७४	१-९९४९९	र वं	४९१०
२३	६०८५२३	१५-८७०	८-१४४	१-९२०८४	१-१९७८६	१-८२६९७	चं सि	४०१६
२४	६२३४३९	१५-८८०	५-६०७	१-७४८७३	१-२००८५	१-७९०२६	मं क	३०४८
२५	६५०२७३	१५-०६१	३-०६०	१-५८५७२	१-१९७५८	१-८८८१४	सु प	२१३९

सन १९३८ इ.

शुक्र और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८९०

तारासू	रवि चंद्र का जोड़	उभयगति जोड़	वैधुर्लत १३°१२०'तुल्य	योग शेष लघुविक्षय	गतियोग लघुविक्षय	जागलब्धि लघुविक्षय	योग भाग वार	भागलब्धि योग समाप्ति काळः
अगस्त		ब	अ	आ	वा	आ-वा		घटि-पल
२५	२५.००२३	१५.०६१	३०.०६०	०.४८५७२	१.१९७५८	१.२८८१४	गु	प ११३९
२६	२६.००३४	१५.३७२	०.०६३३	१.८०१४०	१.१८६७३	८.६१४६७	शु	शि २१२८
			१.३१९६६	१.१४५०७	१.१८६७३	१.१५८३४	सि	५४३१
२७	२८.१४०६	१५.००१२	१.११९२३	१.०७७६३	१.१८६४४	१.१०००९	वा	शु ४७४०
२८	२९.६४१८	१४.५९३३	१.००२४९	१.०००६८	१.१८६४४	१.०८४६५	र	सा ४३१८
२९	३१.१००११	१४.१४३३	८.९८९	०.९५३७३	१.१८५५४	१.०८०३१७	र	चं शु ३८८८
३०	३२.५०१५४	१३.५०२४८	८.१९७	०.९१२७०	१.१८३७२	१.०७८५३२	मं	अ ३६१३६
३१	३३.८८७८	१३.३६५३	७.७८९	०.८९१४८	१.१८२५५८	१.०७६५९०	बु	अ ३५१०
सितम्बर								
१	३५.२०२११	१३.१०५	७.७७९	०.८९०३७	१.१८१७४७	१.०७७२९३	गु	बं ३५३५
२	५.३३६	१२.०८४	७.९९७	०.९०२५३	०.९१००५	१.०७९२८८	शु	वि ३७१२५
३	१८.०२०	१२.००५	८.४४४	०.९२६७०	१.१०७३८८	१.०८१३३२	वा	श्री ३९१३५
४	३१.०२५	१२.०७८७	८.९७५	०.९५३३०	१.१०६७७	१.०८४८२६	र	आ ४२१७
५	४३.०८१२	१२.०८७६	९.५२१	०.९७८८८	१.१०९७८	१.०८६८५४	बं	मौ ४४१२२
६	५६.०८८	१२.०९८६	९.९७९	०.९९९०९	१.११३३७	१.०८८५६२	मं	श्री ४६१७
७	६९.०७७४	१३.१४७	१०.३२६	१.०१३९३	१.११८८३	१.०८९५४	बु	अ ४७१७
८	८२.०२१	१३.२३८	१०.५१२	१.०२१६८	१.१२५४२	१.०९१६२६	गु	सु ४७१५
९	९६.०१९	१३.५५८	१०.४९८	१.०२११०	१.१३२२०	१.०८८८९०	शु	४६१२७
१०	१०९.७२७	१३.७३८	१०.२७३	१.०११७०	१.१३७९२	१.०८७३७८	वा	शु ४४५२
११	१२३.४६५	१३.९५०	९.८६८	०.९९४२३	१.१४४५७	१.०८४९६६	ग	बं ४२१२४
१२	१३७.४१५	१४.०८९	९.२५२	०.९६६२३	१.१४८८८	१.०८१७३५	र	चं शु ३९१३६
१३	१५१.४०४	१४.२७१	८.४९६	०.९२९२१	१.१५४४५	१.०७७४७६	मं	शु ३९१३६
१४	१६५.०७७	१४.४८०	७.५५८	०.८८८४१	१.१६०७७	१.०७१७६४	बु	व्या ३९११९
१५	१८०.०५५	१४.६६१	६.४१२	०.८०६९९	१.१६६६६	१.०६४८८३	वा	ह २६११५
१६	१९४.९९६	१४.८९२	५.०८४	०.७०६०७	१.१७२९५	१.०५३३२५	शु	बं २०१२९
१७	२०९.०८०	१५.०६२	३.५२५	०.५४७६६	१.१७७८८	१.०३६१२८	सि	११२९
१८	२२४.०८८	१५.२८३	१.७९७	०.२५४५५	१.१८४२१	१.०२७२३४	र	अ ७३३
१९	२४०.१५३	१५.४०३	१.५१३	१.०७९८४	१.१८४२१	१.०१८६३३	बं	प ५८१३
२०	२५५.५५५	१५.५७४	१.१११	१.११९९९	१.१८७६१	१.०१३३३०	मं	शु ५११२१
२१	२७१.१३०	१५.७३५	०.६७०	१.१९२४०	१.१९४७५	१.०१०३३५	वा	शि ३९१४२
२२	२८६.४४९	१५.९३५	०.२३८	१.२६५३२	१.१८६५३	१.००७७७९	बु	सि ३८१३६
२३	३०१.०८०	१५.१०५	०.०८३	१.३४५८८	१.१८५६८	१.००५९२५	शु	सा २७१५५
			४८३७७	०.६८४५८	१.१७९१२	१.००५५४६	वा	शु १९१३३

आश्विन

३७

सन १९३८ ई.

शुद्ध और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चन्द्र का जोड़	उभयगति जोड़	वैधृत्यंत १३/१२० तछ नक्षत्र रोष	योग रोष लघुरिषय	गति योग लघुरिषय	भागलक्षि लघुरिषय	योग भाग वार योग	भागलक्षि योग समाप्ति काकलः	
सितम्बर	ब	अ	आ	बा	आ-बा			घटि-वल	
२३	३०-१८३०	१५-१०५	४८३७	०६८४५८	१-१७९१२	९५०५४६	शु	शु	१९।१३
२४	३१६-९३५	१४-७९६	३-०६५	०४८६४३	१-१७०१४	९-३१६२९	श	शु	१२।९
२५	३३१-१७३१	१४-४६७	१-६०२	०-२०४६६	१-१६०३८	९-०४४२८	र	म	६।३९
२६	३४६-१९९८	१४-०९७	०-४६९	९-७७११७	१-१४९१३	८-५२२०४	व	कै	२०
			१३-८०२	१-३३९९४	१-१४९१३	९-९९०८१			५८४५
२७	०-२९५	१३-६९८	१३-०३८	१-११५२१	१-१३६६६	९-९७८५५	मं	वि	५७६
२८	१३-९९३	१३-४३८	१२-४७४	१-१०२९१	१-१२८३३	९-९७४५८	शु	मी	५६।३५
२९	१७-४३१	१२-५६९	१०-९९३	१-११७९०	१-११७९०	९-९८९४०	शु	आ	५७।२९
३०	४-०५५	१२-२५९	१२-१७३	१-१०६८३	१-११२५७	९-९९४२६	शु	सी	५९।२३
अक्टूबर									
१	५-३५०	१२-८६१					*श	शो	६०।०
२	३६-३७०	१२-८५०	०-२९७	९-४७२७६	१-१०८९०	८-३६३८६	र	शो	१।२४
६	७९-२२०	१२-९०१	०-७८०	९-८९२०९	१-११०६५	८-७८१४४	चं	अ	३।३८
४	९२-१११	१३-०६१	१-२१२	०-०८३५०	१-११५९८	८-९७७५२	मं	सि	५।३४
५	१०५-१८२	१३-२४३	१-४८५	०-१७१७३	१-१२१९९	९-०४९७४	शु	घ	६।४४
६	११८-४२५	१३-४९१	१-५७५	०-१९७२८	१-१३००४	९-०६७२४	शु	श	७।१
७	१३१-९१७	१३-८३०	१-४१६	०-१५१०६	१-१३९९७	९-०११०९	शु	गं	६।५०
८	१४५-७२०	१३-९९५	०-९४४	९-९७६३५	१-१४५९७	८-८३०३८	श	ह	४।४
९	१५९-७१५	१४-३०४	०-२८५	९-४५४८८	१-१५५४६	८-२९९३८	र	धु	१।१२
			१३-६१८	१-१३३१४	१-१८८६५	८-१८८६५		व्या	५।७
१०	१७४-०१९	१४-५९५	१-२६४	१-१०२०२	१-१६४२०	९-९३८८२	चं	ह	५२।०
११	१८८-६१४	१४-७७६	१-१३८	१-०५६३७	१-१६९५६	९-८८६८१	मं	व	४६।१४
१२	२०३-३००	१४-९१६	०-९४३	०-९९७५१	१-१७३६५	९-८२८८७	शु	सि	४००
१३	२१८-३०६	१५-००८	८-३६१	०-९२२२६	१-१७६३२	९-७४५९२	शु	व्य	३३२५
१४	२३३-३१४	१५-०६७	६-६८६	०-८२५१७	१-१८०३३	९-६४७१४	शु	व	२६।३८
१५	२४८-३८८	१५-१०९	४-९५२	०-६९४८८	१-१७९२४	९-५१५५४	श	प	१९।४०
१६	२६३-४४०	१५-१७७	३-१७७	०-५०२०२	१-१८०३३	९-३२१६६	श	वि	१२।३५
१७	२७८-६३८	१५-१५९	१-३६२	०-१३४१८	१-१८०६७	८-९५३५१	चं	सि	५।४४
			१४-६९५	१-१६७१७	१-१८०६७	९-९८६५०		सा	५८।०
१८	२९३-१७९७	१५-१६०	१-२८७	१-१०९५८	१-१८०४१	९-९२९१७	मं	सा	५०।५८
१९	३०८-९४७	१५-०३९	१-१०५	१-०४३४८	१-१७७२२	९-८६६२६	शु	शु	४४।६
२०	३२३-९८६	१४-८७०	९-३४७	०-९७०६७	१-१७२२१	९-७९८३६	शु	म	३७।२३
२१	३३८-८५६	१४-६३२	७-८११	०-८९२७१	१-१६५३०	९-७२७११	शु	कै	२२।२
२२	३५३-४८८	१४-४४१	६-५१२	०-८१३७१	१-१५९६३	९-६५४०८	श	कै	२७।३०
२३	३६८-३००	१४-१९२	५-४०३	०-७३२६३	१-१५२०४	९-५८०५९	र	वि	२२।५०

सन १९३८ ई.

शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड़	उभयगति जोड़	वैशुखन १३ १२० तिष्ठ नक्षत्र साय	योग शेष लघुरिषय	गति योग लघुरिषय	भागलब्धि लघुरिषय	योग भग वार योग	भागलब्धि योग समाप्ति काळः	
अक्टूबर		ब	अ	आ	बा	आ-बा	र	वि	श्रुति-फल
२३	७-९-३०	१४-१९-२	५-४०-३	०-७-३२-३	१-१५-२०-४	९-५८-०५-९	र	वि	२२१५०
२४	२२-१२-२	१३-१०-२	४-५४-५	०-६५-७-३	१-१४-३०-८	९-५१-४४-५	बं	मी	१९१३७
२५	३६-०-२४	१३-५-१४	३-९-७-६	०-५९-९-४५	१-१३-३३-५	९-४६-६१-०	मं	मी	१७१३३
२६	४९-५-१८	१३-३-७-४	३-०-३-५	०-५६-९-९-६	१-१२-६-२-६	९-४४-३७-०	शु	मी	१६१४०
२७	६२-९-९-२	१३-१-३-७	३-६-७-५	०-५३-२-५-६	१-११-८-४-६	९-४४-८८-०	शु	मी	१६१४७
२८	७६-५-२-८	१२-९-८-५	३-८-७-२	०-५८-७-७-४	१-११-३३-४-४	९-४७-४५-०	शु	मी	१७१५४
२९	८९-१-१-३	१२-८-८-६	४-२-२-०	०-६२-५-३-१	१-१०-९-७-८	९-५१-५५-३	श	मी	१९१४०
३०	१०१-९-८-९	१२-८-८-६	४-५-७-८	०-६७-०-०-६	१-१०-९-१-१	९-५६-०-९-५	र	मी	२११५०
३१	११४-४-४-५	१२-९-९-६	५-१-४-५	०-७१-२-२-३	१-११-११-१-१	९-६०-१०-९	बं	मी	२३१५७
नवम्बर									
१	१२७-७-७-९	१३-०-४-८	५-५-४-२	०-७४-३-६-७	१-११-५-५-४	९-६२-८-१-३	मं	मी	२५१२९
२	१४०-८-३-९	१३-१-१-८-७	५-८-२-८	०-७६-५-५-२	१-१२-३-४-३	९-६४-२-२-९	बं	मी	२६११९
३	१५४-१-२-६	१३-५-५-३-८	५-८-७-४	०-७८-८-९-३	१-१३-१-५-५	९-६३-३-३-८	शु	मी	२७१२९
४	१६७-७-६-४	१३-०-८-९	५-६-६-९	०-७९-३-६-१	१-१४-२-६-७	९-६०-१-०-४	शु	मी	२४१२९
५	१८१-०-५-३	१३-२-२-९	५-१-१-४	०-७०-८-७-७	१-१५-३-१-७	९-५५-५-५-९	श	मी	२११३४
६	१९५-७-८-२	१३-५-८-९	४-२-१-८	०-६२-५-१-१	१-१६-४-०-३	९-४६-१-०-८	र	मी	१७१२१
७	२१०-३-७-१	१३-८-९-१	२-९-६-२	०-४७-१-६-९	१-१७-२-९-२	९-२९-८-७-७	बं	मी	१९१५६
८	२२५-२-२-६	१५-०-१-८०	१-४-०-५	०-१४-७-६-८	१-१८-१-२-७	८-९६-६-४-१	मं	मी	५१३३
९	२४०-४-४-२	१५-३-८-१	१-२-८-१	०-१६-८-२-६	१-१८-१-२-७	९-९८-६-९-९	बं	मी	५८११४
१०	२५५-८-२-३	१५-४-८-३	१-०-८-४	०-१८-९-१-९	१-१८-१-९-८	९-९२-३-३-१	शु	मी	५०११७
११	२७०-३-०-६	१५-५-३-२	८-६-५-५	०-२३-९-२-२	१-१९-१-२-६	९-८४-७-९-९	शु	मी	४९१११
१२	२८५-८-३-८	१५-४-८-३	६-४-९-५	०-८-१-२-५-१	१-१८-१-९-८	९-८२-२-७-२	श	मी	२५११०
१३	३००-२-३-२	१५-३-३-३	४-३-४-६	०-६३-८-०-९	१-१८-७-३-२	९-७५-०-७-७	र	मी	१६१५७
१४	३१५-७-६-४	१५-१-३-३	२-३-६-६	०-३७-४-०-१	१-१७-९-०-६	९-७४-४-५-५	बं	मी	१९१२४
१५	३३०-२-७-७	१४-९-७-५	०-५-६-६	९-७५-२-८-२	१-१७-५-३-७	८-५७-७-५-५	मं	मी	२११२६
१६	३४५-७-४-२	१४-६-९-४	१२-२-५-८	१-०८-८-४-१	१-१६-७-१-४	९-२२-१-८-८	शु	मी	५५१२४
१७	३६०-३-३-६	१४-४-५-४	१०-८-९-७	१-०३-७-३-१	१-१५-९-९-९	९-८७-७-३-२	शु	मी	५५१२४
१८	३७५-८-१-०	१४-३-४-४	९-७-७-७	०-९९-०-२-१	१-१५-३-६-९	९-८३-६-५-२	शु	मी	४९१११
१९	३९०-१-३-३	१४-०-३-५	८-८-६-६	०-९४-७-६-६	१-१४-७-३-२	९-८०-०-४-२	श	मी	३७१५७
२०	४०५-१-७-१	१३-९-१-६	८-१-६-२	०-९१-१-८-०	१-१४-०-३-८	९-७७-१-६-२	र	मी	३५१२७
२१	४२०-९-७-८	१३-६-३-७	७-६-८-०	०-८८-५-३-६	१-१३-४-७-२	९-७५-०-६-४	बं	मी	३३१४८

मार्गशीर्ष

३९

सन १९३८ इ.

शुक्र और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड़	अथयगति जोड़	वैधृत्यत नक्षत्र राश	योग राश लघुरिचय	गतियोग लघुरिचय	भागलक्षि लघुरिचय	योग भाग वार योग	भागलक्षि योग समाप्ति कालः
नक्षत्र		ब	अ	आ	भा	भा-वा		घटि-फल
२१	५८.९८७	१३.६३७	७.६८०	०.८८५.३६	१.१३४७२	९.७५०.६४	चं शो	३३/४८
२२	७२.६२४	१३.४०७	७.३७६	०.८६७८२	१.१२७३३	९.७४०.४९	मं अ	३३/१
२३	८६.०३१	१३.२३७	७.०६२	०.८६३४४	१.१२१७९	९.७३१.६५	सु सु	३३/६
२४	९९.२६८	१३.०७८	७.३९९	०.८६९१०	१.११६५४	९.७२२.३३	सु सु	३३/५७
२५	११२.४४६	१२.९३८	७.६५४	०.८६८०९	१.१११८७	९.७१७.०२	सु सु	३५/३०
२६	१२५.२८४	१२.८९९	८.०४९	०.९०५७४	१.१०५६६	९.७१५.१८	श गं	३७/२७
२७	१३८.१८३	१२.८७९	८.४८४	०.९२८६०	१.१०९८८	९.८१८७२	र शु	३९/३२
२८	१५१.०६२	१२.९१९	८.९३८	०.९५१२४	१.१११२३	९.८४०.०१	चं भू	४१/३१
२९	१६३.९८१	१२.९००	९.३६२	०.९७०९०	१.११४६१	९.८५६.२९	मं व्हा	४२/६
३०	१७७.००१	१३.०२९	९.६६६	०.९८५२५	१.१२१५३	९.८६३.३२	शु ह	४३/५१
विशेष								
१	१९०.२२०	१३.५३०	९.७७०	०.९८९८९	१.१३१३०	९.८७८.५९	शु व	४३/२०
२	२०३.६६०	१३.८७१	९.५७३	०.९८१०५	१.१४२११	९.८३८.९४	शु सि	४१/२५
३	२१७.०३१	१४.०५१	९.०३६	०.९५५८८	१.१५३८५	९.८०२.१४	श व्हा	३८/३
४	२३०.४८२	१४.६७१	८.११८	०.९०९४५	१.१६६४६	९.७७२.९९	र व	३३/१२
५	२४३.५५३	१५.११२	६.७८०	०.८३१२३	१.१७९३२	९.६५१.९१	ध प	२६/५५
६	२५६.५६५	१५.४७१	५.००२	०.६९९१४	१.१४९५२	९.४४९.६२	मं सि	१६/५४
७	२७०.०३६	१५.७६३	२.८६४	०.४५००३	१.११७६४	९.२५९.९९	शु सि	१०/५५
८	२९२.८९९	१५.९६२	०.४३४	०.६३७४९	१.२०३०९	८.४३४.४०	शु सा	१३/८
९	३०८.८६१	१५.९५२	१.१३९	१.०१३८७	१.२०३०९	९.१४५.८८	शु शु	५१/४५
१०	३२४.८८३	१५.८७३	१.५२०	१.०४६८५	१.२०२८१	९.०४४.०४	शु शु	४१/५४
११	३४०.८८६	१५.७०३	१.८८१	१.०७७७७	१.२००६६	९.०७७.७७	श शु	३५/५९
१२	३५६.८८९	१५.३४४	३.७११	१.०५६९४	१.१९६२१	८.५८३.५५	र पं	२३/०
१३	३७३.८९३	१४.९७३	१.७००	१.०२३०४	१.१९७५३	९.०५५.१६	चं व्हा	१४/३१
१४	३९०.८०६	१४.६०३	०.००६	१.०७८५२	१.१९४४४	९.०५५.४४	मं वि	६४९
१५	४०७.८०९	१४.२३४	१.१२४	१.०८३६४	१.१९५३३	९.०५३.३३	शु श्री	५५/२
१६	४२५.४४३	१३.९७४	१.०२४	१.०५५१५	१.१९५३३	९.०५३.३३	शु श्री	५५/२
१७	४४३.४०७	१३.६०४	१.०५८	१.०२४३३	१.१९३३३	९.०८८.००	श अ	४६/२४
१८	४६१.१०१	१३.२३२	१.००९	१.००९९६	१.१९३३३	९.०८८.००	श अ	४६/२४
१९	४७९.६३६	१३.०२१	१.००३	१.००३३३	१.१९३३३	९.०८८.००	र शु	४५/२१
२०	४९७.९५०	१३.०१५	१.००५	१.००५१८	१.१९३३३	९.०८८.००	चं शु	४५/११
२१	५१६.३६५	१३.०१६	१.००९	१.००९१८	१.१९३३३	९.०८८.००	मं शु	४५/४४

सन १९३८-३९ ई. शुक्र और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड़	उभयगति जोड़	वैश्वलत १३१२० तट नक्षत्र शेष	योग शेष लघुरिचय	गति योग लघुरिचय	भागलक्षि लघुरिचय	योग भाग वार योग	भागलक्षि योग समाप्ति कालः
विसं.	व	अ	आ	वा	आ-वा	वु	मं	घटि-पल
२१	१२३-१३५	१३-१०६	१०-१९८	१-००८५२	१-११७७७	९-८९१०५	वु	४६१४१
२२	१३६-२४१	१२-९९४	१०-४२६	१-०१८१२	१-११३७४	९-९०४३८	वु	४८१९
२३	१४९-२३५	१२-९२५	१०-७६५	१-०३२०१	१-१११४३	९-९२०५८	वु	४९१०८
२४	१६२-१६०	१२-८८५	११-१७३	१-०४८१७	१-१०००८	९-९३८०९	वा	५२१२
२५	१७५-००४	१२-८७५	११-६२२	१-०६५२८	१-१०९७५	९-९५५५३	वा	५४१०
२६	१८७-९२०	१२-८०८	१२-०९६	१-०८२०७	१-१०११३	९-९७०५४	र	५६१७
२७	२००-०३६	१२-९८५	१२-४७७	१-०९६८०	१-११३४४	९-९८३३६	र	५७७४५
२८	२१३-८२७	१३-१७६	१२-८४६	१-०८७७७	१-११९७७	९-९८८९९	व	५८३३०
२९	२२६-९९७	१३-४४६	१३-७०३	१-११४०४	१-१२८५९	९-९९५४५	व	५९११
३०	२४०-४४३	१३-७७५	१२-८९३	१-११०३५	१-१३९०९	९-९९१२६	शु	५९१९
३१	२५४-२१८	१४-१६५	१५-४४९	१-०९४१३	१-१५१२२	९-९९२९१	श	५२३७
अ.१.								
१	२६८-३८३	१४-५९५	११-६१७	१-०६५०९	१-१६४२०	९-९००८९	र	४७४६
२	२८२-९७८	१५-०९६	१०-३५५	१-०१५१५	१-१७८८८	९-९३६२९	चं	४९१०
३	२९८-०७४	१५-५४६	८-५९३	०-९३४१४	१-१९१६२	९-०७२५२	म	३३१०
४	३१३-१२०	१५-९१७	६-३८०	०-८०४८२	१-२०१८६	९-०२२६५	अ	२४१३
५	३२९-५३७	१६-१७५	३-७९६	०-५७९३३	१-२०८८४	९-०३०४९	ग	१४१५
६	३४५-७१२	१६-३२६	०-९५५	९-९८०००	१-२०८८४	८-७७११६	शु	३१३३
७	३६०-३८८	१६-५९७	११-१४७	१-१४४७७	१-२०८८४	८-७७११६	शु	५२१३१
८	३७६-२२३	१६-९३५	११-२९५	१-०५२८९	१-२०९११	९-०४३७८	वा	४१५२
९	३९२-१५६	१६-१२६	८-४४४	०-९२६५५	१-२०२३५	९-०७४२०	र	३१४८
१०	४०८-७५४	१६-१२५	५-०४२	०-७६६५६	१-१९३०१	९-०८०५५	चं	२२१९९
११	४२४-८७९	१६-१२५	३-५७९	०-५३३७६	१-१७९७०	९-१३७०६	मं	१४१२२
१२	४४०-५४५	१६-१२५	१-७८८	०-२५२३७	१-१६६३१	९-०८०६६	अ	७११९
१३	४५६-१५५	१६-१२५	०-४५५	९-६५८०१	१-१५२७५	८-४९१७३	वु	४१५२
१४	४७२-७५५	१६-१२५	१३-७८८	१-१३९५०	१-१५२७५	९-०८६५४	वु	५८१२२
१५	४८८-३५५	१६-१२५	१२-०७७	१-११०८३	१-१४१६१	९-०६९२२	श	५५१५४
१६	५०४-१८०	१६-१२५	१०-९२९	१-०९२९०	१-१३२४२	९-०६०५०	र	५४१४७
१७	५२०-५४४	१६-१२५	८-२५३	१-०८४४८	१-१२३९८	९-०५०३०	चं	५४१४९
१८	५३६-४४४	१६-१२५	६-३८३	१-०८५७५	१-११८४३	९-०४७३२	मं	५५१३९
१९	५५२-३४९	१६-१२५	४-३८३	१-०९२७५	१-११४४४	९-०४८३१	वु	५७१५
२०	५६८-५४८	१६-१२५	२-६९९	१-०९३७७	१-११२४०	९-०९१३७	वा	५८१४९
२१	५८४-५४८	१६-१२५	०-१७४	१-०९४५५	१-१२०७२	८-१२९८३	श	६०१०
२२	६००-५४८	१६-१२५	०-१७४	१-०९४५५	१-१२०७२	८-१२९८३	श	०१४८

सन १९३९ ई. शुक्र और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड़	उभयगति जोड़	वैधुन्यता १३°१२०' तट योग क्षेप	योग क्षेप लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलजिह्व लघुरिक्थ	योग भाग वार योग	भागलजिह्व योग समाप्ति कालः
जनवरी								
२०	१८६४९३	१२९०४	०१७४	९२४०५५	१२१०७२	८२२९८३	शु	घाट-पल ०१४८
२१	१९९३९७	१२९०३	०००३	९०८०३२	१२१०६९	८६६९६३	श	व २४४८
२२	२१२३००	१२९१४	१०३३	०००१४१०	१२११०६	८०९३०४	र	मि ४४४८
२३	२२५२१४	१२९७४	१०४५	०१६२२६	१२१३०७	९०४९१९	च	व ६४३३
२४	२३८१८८	१३०४३	१०१२	०२५८१६	१२१५३८	९२४२७८	मं	व ८१२०
२५	२५११२३	१३०९४	२१०२	०३२२६३	१२१०३८	९२०२२५	शु	प ९१३४
२६	२६४०४५	१३०९२	२२४२	०३५०६३	१२१८७७	९२२२८४	शु	मि १००
२७	२७७०३७	१३०९२	२१६३	०३३५०६	१२१३८५	९१९८५९	शु	मि ९१२९
२८	२९००२९	१३०४३	१०८४	०२५६२४	१२०४७४	९२०८७८	र	सा ७४४२
२९	३०५५७२	१३०३२	००९५	००३९४१	१२१९३३	८८०००८	र	शु ४३३६
३०	३२०००४	१३०९३	१३३२९	१२४४२८	१२१९३३	९१९९८८	र	शु ५९५९
३१	३३४५९७	१३०९१	१३७४७	१२६९६७	१२१७२७	९८८४४०	मं	शु ८४३३
फरवरी								
१	३५००३८	१३०८३	९०६८२	००९८५९	१२१९५१	९७८६४५	शु	व ३६४२
२	३६००३९	१३०८३	७१८४	००५५३७	१२०७६६	९६४८७१	शु	मि २६४३
३	३७००८०	१३०८३	४३८७	००४४२९	१२०३३८	९४२८८९	शु	मि १६४३
४	३८००२१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	८९२६२८	श	मि ५४१४
५	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
६	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
७	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
८	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
९	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
१०	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
११	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
१२	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
१३	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
१४	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
१५	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
१६	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
१७	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
१८	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
१९	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
२०	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
२१	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
२२	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
२३	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
२४	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
२५	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
२६	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
२७	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
२८	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
२९	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
३०	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४
३१	५४००१	१३०८०	१३७९	००३९५६	१२०१६५	९०९५०२	मं	सा ५४१४

सन १९३९ ई.

शुक्र और कृष्णपक्ष योग का साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	वि चंद्र का जोड़	उभयगति जोड़	वैभ्रलंत १३' १२" तछ योग शेष	योग शेष लघुरिषय	गतियोग लघुरिषय	भागलब्धि लघुरिषय	योग भाग वार	भागलब्धि योग समाप्ति कालः
करवरी		ब	अ	आ	वा	आ-वा		घटि-पल
१९	२४९.५०६	१३०.१५	३०८.२७	०५८.२८६	१.११४४४	९.४६८४२	र प	१७३९
२०	२६२.५२१	१३०.९४	४.१४६	०६१.७६३	१.११७०७	९.५००५६	चं शि	१९१०
२१	२७५.६१५	१३०.२३३	४.३८५	०६४.१९७	१.१२१००	९.५२०९७	मं सि	१९५५
२२	२८८.८२८	१३०.२७४	४.५०५	०६५.३६९	१.१२३००	९.५३०६९	तु सा	२०१२
२३	३०२.१०२	१३०.५८२	४.५६५	०६५.९४४	१.१३२९६	९.५४२४८	शु शु	२०१०
२४	३१५.६८४	१३०.७३३	४.३१६	०६३.५०८	१.१३७७७	९.५९७३१	शु शु	१८५२
२५	३२९.४१७	१४०.००२	३.९१६	०५९.२८४	१.१४६१९	९.६४६६५	श ऋ	१६५७
२६	३४३.४१९	१४०.३७१	३.२४८	०५१.१६२	१.१५७४९	९.६९४३३	र पु	१३३४
२७	३५७.७७९	१४०.७६१	२.२१०	०३४४३९	१.१६९१२	९.७४२७७	चं वै	८५९९
माघ	१२.५५१	१५.१५०	०७८२	९.८९३३१	१.१८०४१	८.७११८०	मं वि	३६
१	२७.७७०	१५.५६०	१२.२९९	१०.८९८७	१.१९२०१	९.८९७८६	तु आ	४७१९
२	४३.२६१	१६.८४०	१०.०७२	१०.०३१२	१.१९९७६	९.८१३३६	शु सा	३९१३
३	५९.१०१	१५.९६६	७.५६६	०८७८६	१.२०३२५	९.८७५६२	शु शो	२८१६
४	७५.०६९	१६.२३९	४.९३१	०६९२९४	१.२१०५६	९.८८२३८	श अ	१८१४
५	९१.३०८	१५.९५८	२.०२५	०३०६४२	१.२०२९८	९.१०३४४	र शु	७३३७
			१५.३५९	१.१८६९२	१.२०२९८	९.१८३९४	र धृ	५७३४
६	१०७.२६६	१५.७५८	१२.७३४	१.१०४९६	१.१९७५०	९.९०७४६	चं शु	४८१२
७	१२३.०२४	१५.३५७	१०.३०९	१.०९३२१	१.१८८३३	९.८२६९०	मं गो	४०१७
८	१३८.३८१	१४.८७४	८.२८६	०९१८३४	१.१७२४३	९.७४५११	तु वृ	३३१२
९	१५४.२५७	१४.४४६	६.७४३	०८२८३	१.१६००६	९.६६८८३	शु शु	२७५९
१०	१६७.७३३	१३.९९५	५.६२०	०७४९७४	१.१४५९७	९.६०३७७	शु क्य	२४४६
११	१८१.७०८	१३.६१४	४.८५९	०६८६५५	१.१३३३९९	९.५५२१६	श ह	२१२५
१२	१९५.२९२	१३.२९५	४.६७८	०६७००६	१.१२३६९९	९.५४६३८	र ङ	२१७७
१३	२०८.६१७	१३.०६३	४.७१८	०६७३५७	१.१११०४	९.५५७५३	चं सि	२१४०
१४	२२१.९८०	१२.९१३	४.९८७	०६९७८४	१.१११०३	९.५८६८१	मं क्य	२३११
१५	२३५.५९३	१३.०१३	५.४०७	०७३२९६	१.१०९६५	९.६१७६९	तु व	२५११
१६	२४७.४६५	१२.८३२	५.८६८	०७६८४९	१.१०८२९	९.६६०२०	शु ण	२७२७
१७	२६०.२९७	१२.९११	६.३७०	०८०४१४	१.११०९६	९.६९३१८	शु शि	२९१६
१८	२७३.२०८	१३.०११	६.७७२	०८३२००	१.१११३१	९.७१७६९	तु सि	३११९
१९	२८६.२१९	१३.०३१	७.३४४	०८५२१९	१.१११३०	९.७३३८१	र सा	३२३०
२०	२९९.३५०	१३.२५९	७.३६६	०८६४२७	१.१२२५१	९.७४१७६	चं शु	३३३७
२१	३१२.६०९	१३.३३९	७.३९१	०८६८७०	१.१२२३७	९.७४०३३	मं शु	३३१०

INDIAN—ALMANAC

यंत्रादिसे नापने और छाया आदिसे जाँचने योग्य उपपत्ति
सहित सिद्ध किये ग्रहोंके अनेकों परिमाण
दर्शक वेधगणित ।

अर्थात्—

संवत् १९९५ शके १८६० का

इण्डियन—अल्मनाक

एप्रिल सन १९३८ ई. चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता. ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद कैत्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि भिंब	मंद कर्ण	अपनांश र२अंश	रवि का सा मा मिबु	उदय तर
३१ ३० पु.	५१०८	३४४ ४६ ७	८५०८८८	१ ५४ ५९	३४६६८५	०.९८७	३२.१	०.९९९१	५९ ०० १ १८	१८	+१०
१ १ शु.	५१०९	३४४ ४५ १५	८६०७४	+१ ५५ ४	३४७६७२	०.९८६	३२.१	०.९९९४	५९ ०० २ २७	२७	९
२ २ रा.	५११०	३४६ ४४ २३	८७०६०	१ ५५ ७	३४९६५८	०.९८६	३२.१	०.९९९७	५९ ०० ३ ३७	३७	८
३ ३ र.	५१११	३४७ ४३ ३२	८८०४५	१ ५५ ८	३४९६४४	०.९८५	३२.१	१.००००	५९ ०० ४ ४७	४७	७
४ ४ मं.	५११२	३४८ ४२ ४०	८९०३१	१ ५५ ७	३५०६२९	०.९८५	३२.१	१.०००३	५९ ०० ५ ५७	५७	६
५ ५ मं.	५११३	३४९ ४१ ४८	९००१६	१ ५५ ४	३५१६१४	०.९८४	३२.०	१.०००६	५९ ०० ७ ७	७	५
६ ६ बु.	५११४	३५० ४० ५६	९१००२	१ ५४ ५८	३५२५९८	०.९८४	३२.०	१.०००९	५९ ०० ८ १७	१७	४
७ ७ पु.	५११५	३५१ ४० ४	९२००८	१ ५४ ५१	३५३५८२	०.९८३	३२.०	१.००१२	५९ ०० ९ २६	२६	४
८ ८ मं.	५११६	३५२ ३९ १३	९३०१३	+१ ५४ ४२	३५४५६५	०.९८३	३२.०	१.००१४	५९ ०० १० ३६	३६	३
९ ९ रा.	५११७	३५३ ३८ २१	९४०१९	१ ५४ ३१	३५५५४८	०.९८२	३२.०	१.००१७	५९ ०० ११ ४६	४६	३
१० १० र.	५११८	३५३ ३७ २९	९५०२५	१ ५४ १८	३५६५३०	०.९८२	३२.०	१.००१९	५९ ०० १२ ५६	५६	२
११ ११ मं.	५११९	३५३ ३६ ३६	९६०३०	१ ५४ २	३५७५१३	०.९८१	३२.०	१.००२२	५९ ०० १४ ६	६	२
१२ १२ मं.	५१२०	३५३ ३६ ४५	९७०३६	१ ५४ ४५	३५८५०२	०.९८०	३२.०	१.००२५	५९ ०० १६ १६	१६	१
१३ १३ पु.	५१२१	३५३ ३६ ५४	९८००१	१ ५३ २५	३५९४७२	०.९८०	३२.०	१.००२८	५९ ०० १७ २६	२६	१
१४ १४ पु.	५१२२	३५४ ३६ ४	९९००७	१ ५३ ०४	३६०४५२	०.९७९	३१.९	१.००३१	५९ ०० १८ ३५	३५	+०
१५ १५ शु.	५१२३	३५५ ३६ १०	१०००७	+१ ५२ ४१	३६१४३	०.९७८	३१.९	१.००३४	५९ ०० २० ४५	४५	-०
१६ १६ रा.	५१२४	३५६ ३६ १८	१०००८	१ ५२ १६	३६२४१	०.९७८	३१.९	१.००३७	५९ ०० २१ ५५	५५	१
१७ १७ र.	५१२५	३५६ ३६ २६	१०००९	१ ५२ ४८	३६३४०	०.९७८	३१.९	१.००४०	५९ ०० २३ ५	५	१
१८ १८ मं.	५१२६	३५७ ३६ ३९	१००१०	१ ५२ १९	३६४३९	०.९७८	३१.९	१.००४२	५९ ०० २४ १५	१५	०
१९ १९ मं.	५१२७	३५७ ३६ ४५	१००११	१ ५० ४८	३६५३८	०.९७७	३१.९	१.००४५	५९ ०० २६ २५	२५	०
२० २० पु.	५१२८	३५८ ३६ ५०	१००१२	१ ५० १५	३६६३८	०.९७७	३१.९	१.००४८	५९ ०० २८ ३५	३५	०
२१ २१ शु.	५१२९	३५८ ३६ ५८	१००१३	१ ४९ ४१	३६७३९	०.९७७	३१.९	१.००५१	५९ ०० २८ ४४	४४	४
२२ २२ पु.	५१३०	३५८ ३६ ७	१००१३	१ ४८ ५५	३६८३९	०.९७६	३१.९	१.००५३	५९ ०० २९ ५४	५४	४
२३ २३ रा.	५१३१	३५९ ३६ १५	१००१४	+१ ४८ २४	३६९४०	०.९७६	३१.८	१.००५६	५९ ०० ३० ४	४	५
२४ २४ र.	५१३२	३५९ ३६ २३	१००१५	१ ४७ ४३	३७०४०	०.९७६	३१.८	१.००५९	५९ ०० ३१ १४	१४	५
२५ २५ मं.	५१३३	३५९ ३६ ३०	१००१६	१ ४७ ०१	३७१४०	०.९७५	३१.८	१.००६२	५९ ०० ३२ २४	२४	५
२६ २६ मं.	५१३४	३५९ ३६ ४०	१००१७	१ ४६ १६	३७२४०	०.९७५	३१.८	१.००६४	५९ ०० ३३ ३४	३४	६
२७ २७ पु.	५१३५	३५९ ३६ ४८	१००१८	१ ४६ ३०	३७३४०	०.९७५	३१.८	१.००६७	५९ ०० ३४ ४४	४४	७
२८ २८ शु.	५१३६	३५९ ३६ ५६	१००१९	१ ४५ ४२	३७४४०	०.९७४	३१.८	१.००७०	५९ ०० ३५ ५३	५३	७
२९ २९ रा.	५१३७	३५९ ३६ ५९	१००२०	१ ४५ ५३	३७५४०	०.९७४	३१.८	१.००७२	५९ ०० ३६ ३	३	७
३० ३० रा.	५१३८	३५९ ३६ ५७	१००२०	१ ४५ १	३७६४०	०.९७३	३१.८	१.००७४	५९ ०० ३७ १३	१३	-८

सूर्य

४५

एप्रिल सन १९३८ इ. चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	सायन	सा.स्पर्.र.	दिन गति	विषुव	स. रवि	दिन गति	इन्दौर शहर का स्थानिक									
							सा.स्पर्.र.	दिन गति	याम्योत्तर	लघन	काल.	चर	नताश	दशगुल	छाया	
अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
११०	३९	९	४७	५६	३८	९	४	१३०	२३	१५	९	१२	३१	०	१८	३१
२११	३९	१०	४३	५५	४७	९	४	३६०	२३	१५	८	१२	३०	०	२०	१८
३१२	३८	११	३८	५४	५६	९	४	५९०	२३	१५	७	१२	३०	०	२१	१७
४१३	३७	१२	३२	५३	५९	९	५	२२०	२३	१५	६	१२	२९	०	२२	१७
५१४	३६	१३	२६	५२	६४	१०	५	५५०	२३	१५	६	१२	२९	०	२३	१६
६१५	३५	१४	२१	५१	६९	९	६	८०	२३	१५	५	१२	२८	०	२४	१६
७१६	३४	१५	१६	५०	७३	९	६	३१०	२२	१५	४	१२	२८	०	२५	१६
८१७	३३	१६	११	४९	७८	९	६	५३०	२३	१५	३	१२	२८	०	२६	१५
९१८	३२	१७	६	४८	८३	९	७	१६०	२२	१५	३	१२	२८	०	२७	१५
१०१९	३१	१८	१	४७	८८	९	७	३८०	२२	१५	२	१२	२८	०	२८	१५
११२०	३०	१८	५	४६	९३	९	८	०	२२	१५	२	१२	२८	०	२९	१४
१२२१	२९	१९	०	४५	९८	९	८	२२०	२२	१५	१	१२	२८	०	३०	१४
१३२२	२८	२०	४	४४	१०३	९	८	४४०	२२	१५	१	१२	२८	०	३१	१४
१४२३	२६	२१	४	४३	१०८	९	९	६०	२२	१५	०	१२	२८	०	३२	१४
१५२४	२५	२२	३	४२	११३	९	९	८०	२२	१५	०	१२	२८	०	३३	१३
१६२५	२४	२३	३	४१	११८	९	९	५०	२१	१४	५	१२	२८	०	३४	१३
१७२६	२२	२४	२	४०	१२३	९	१०	११०	२१	१४	५	१२	२८	०	३५	१३
१८२७	२१	२५	२	३९	१२८	९	१०	३२०	२१	१४	५	१२	२८	०	३६	१२
१९२८	२०	२६	१	३८	१३३	९	१०	५३०	२१	१४	५	१२	२८	०	३७	१२
२०२९	१८	२७	१	३७	१३८	९	११	१४०	२०	१४	५	१२	२८	०	३८	११
२१३०	१७	२८	१	३६	१४३	९	११	३५०	२१	१४	५	१२	२८	०	३९	११
२२३१	१५	२९	०	३५	१४८	९	११	५६०	२०	१४	५	१२	२८	०	४०	११
२३३२	१४	३०	०	३४	१५३	९	११	१२०	२०	१४	५	१२	२८	०	४१	१०
२४३३	१३	३१	५	३३	१५८	९	१२	१५०	२०	१४	५	१२	२८	०	४२	१०
२५३४	११	३१	५	३२	१६३	९	१२	१५०	२०	१४	५	१२	२८	०	४३	९
२६३५	९	३२	५	३१	१६८	९	१३	१५०	१९	१४	५	१२	२८	०	४४	९
२७३६	७	३२	५	३०	१७३	९	१३	३६०	१९	१४	५	१२	२८	०	४५	९
२८३७	६	३४	५	२९	१७८	९	१३	५७०	१९	१४	५	१२	२८	०	४६	९
२९३८	४	३५	५	२८	१८३	९	१४	१२०	१९	१४	५	१२	२८	०	४७	८
३०३९	२	३६	५	२७	१८८	९	१४	३३०	१९	१४	५	१२	२८	०	४८	८

मे सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि विंब	मंद कर्ण	अयनांश २२ अंश	वि. म. सा. वि. क. क.	उदयां तर
३०	३०	५१३८	अ. क. वि. १४ २० १३	११५-४५७	अ. क. वि. १ ४३ १	अ १६-०५४	०-९७१	क. ३१-८	१-००७४	क. वि. ५९ ३-१	घ. प. ६।१३	पल -८
१	१	५१३९	१५ १९ २१	११६-४४२	+ १ ४२ ६	१७-०२५	०-९७०	३१-८	१-००७७	५९ ४-१	६।२३	८
२	२	५१४०	१६ १८ २९	११७-४२८	१ ४१ १२	१७-०९५	०-९७०	३१-८	१-००७९	५९ ४-२	६।३३	८
३	३	५१४१	१७ १७ ३७	११८-४१४	१ ४० १५	१८-१६५	०-९६९	३१-८	१-००८२	५९ ४-३	६।४३	९
४	४	५१४२	१८ १६ ४६	११९-४०९	१ ३९ १६	१९-०३४	०-९६९	३१-८	१-००८५	५९ ४-५	६।५३	९
५	५	५१४३	१९ १५ ५४	१२०-४०५	१ ३८ १५	२०-१०३	०-९६८	३१-८	१-००८७	५९ ४-६	७।२	९
६	७	५१४४	२० १५ २	१२१-४००	१ ३७ १२	२१-१७१	०-९६८	३१-८	१-००९०	५९ ४-७	७।२२	९
७	८	५१४५	२१ १४ १०	१२२-३९६	+ १ ३६ १०	२२-०३९	०-९६७	३१-८	१-००९२	५९ ४-८	७।२२	९
८	९	५१४६	२२ १३ १८	१२३-३९२	१ ३५ ५	२३-१०६	०-९६७	३१-८	१-००९४	५९ ५-०	७।३२	९
९	१०	५१४७	२३ १२ २७	१२४-३८७	१ ३४ ५७	२४-१७३	०-९६६	३१-८	१-००९७	५९ ५-२	७।४२	१०
१०	११	५१४८	२४ ११ ३६	१२५-३८३	१ ३३ ५८	२५-२४०	०-९६६	३१-८	१-००९९	५९ ५-३	७।५२	१०
११	१२	५१४९	२५ १० ४३	१२६-३८०	१ ३२ ५८	२६-३०६	०-९६६	३१-८	१-०१०१	५९ ५-५	८।२	१०
१२	१३	५१५०	२६ ९ ५१	१२७-३७८	१ ३० २७	२७-३७२	०-९६५	३१-८	१-०१०३	५९ ५-६	८।११	१०
१३	१४	५१५१	२७ ८ ५९	१२८-३७०	१ २९ १४	२८-४३७	०-९६५	३१-८	१-०१०५	५९ ५-७	८।२१	१०
१४	१५	५१५२	२८ ८ ८	१२९-३६५	१ २७ ५८	२९-५०२	०-९६४	३१-८	१-०१०७	५९ ५-९	८।३१	१०
१५	१६	५१५३	२९ ७ १६	१३०-३६१	+ १ २६ ४३	३०-५६६	०-९६४	३१-७	१-०१०९	५९ ६-०	८।४१	१०
१६	१७	५१५४	३० ६ २४	१३१-३५६	१ २५ २५	३१-५३०	०-९६४	३१-७	१-०१११	५९ ६-१	८।५१	१०
१७	१८	५१५५	३१ ५ ३२	१३२-३५२	१ २४ ४	३२-५९४	०-९६३	३१-७	१-०११३	५९ ६-२	९।१	१०
१८	१९	५१५६	३२ ४ ४०	१३३-३४९	१ २३ ४४	३३-६५७	०-९६३	३१-७	१-०११५	५९ ६-४	९।११	१०
१९	२०	५१५७	३३ ३ ४९	१३४-३४६	१ २२ २२	३४-७२०	०-९६३	३१-७	१-०११७	५९ ६-५	९।२०	१०
२०	२१	५१५८	३४ २ ५७	१३५-३४५	१ १९ ५९	३५-७८२	०-९६२	३१-७	१-०११९	५९ ६-६	९।३०	९
२१	२२	५१५९	३५ २ ५	१३६-३४५	१ १८ ३३	३६-८४४	०-९६२	३१-७	१-०१२०	५९ ६-७	९।४०	९
२२	२३	५१६०	३६ १ १३	१३७-३४०	+ १ १७ ७	३७-९०६	०-९६१	३१-७	१-०१२२	५९ ६-९	९।५०	९
२३	२४	५१६१	३७ ० २१	१३८-३३६	१ १५ ४१	३८-९६७	०-९६१	३१-७	१-०१२५	५९ ७-०	९।०	९
२४	२५	५१६२	३७ ५९ २९	१३९-३३१	१ १४ ११	३९-०२८	०-९६१	३१-६	१-०१२७	५९ ७-१	९।१०	९
२५	२६	५१६३	३८ ५८ ३८	१४०-३२७	१ १२ ४१	४०-०८९	०-९६०	३१-६	१-०१२९	५९ ७-३	९।२०	९
२६	२७	५१६४	३९ ५७ ४६	१४१-३२२	१ ११ ९	४१-१४९	०-९६०	३१-६	१-०१३१	५९ ७-४	९।२९	८
२७	२८	५१६५	४० ५६ ५४	१४२-३१८	१ ९ ३८	४२-२०९	०-९६०	३१-६	१-०१३३	५९ ७-५	९।३९	८
२८	२९	५१६६	४१ ५६ २	१४३-३१४	१ ८ ४	४३-०६८	०-९६०	३१-६	१-०१३५	५९ ७-६	९।४९	८
२९	३०	५१६७	४२ ५५ १०	१४४-३१९	१ ६ २९	४४-०२७	०-९६०	३१-६	१-०१३७	५९ ७-८	९।५९	-८

सूर्य

४७

मई सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	सायन		सा.स्प.	विषुवांश	दिन गति	स्प. रवि		पल	सा.स्प.र.	दिन गति	इन्दौर शहर का स्थानिक											
	स्यष्टसूर्य	विषुवांश				विषुव काल	क्रांति				याम्योत्तर	लंघन काल	चर	नतांश	दशगुल छाया							
अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	घ.	प.	अं.	क.	अं.	क.	घ.	प.	हट.	घं.	घटि	पल	अं.	क.	उ०		
३०	३९	२	३६	३९	०	५७	६	७	१	१४	३१	०	१९	१४	५२	१२	२४	८	१३	१२४४		
१	४०	१	३७	३६	०	५७	६	१०	१४	५०	०	१८	१४	५२	१२	२४	१	४	७	५४	१२३९	
२	४०	५९	३८	३३	०	५८	६	२६	१५	८	०	१८	१४	५२	१२	२४	१	५	७	३६	१२३३	
३	४१	५७	३९	३१	०	५७	६	३५	१५	२६	०	१८	१४	५१	१२	२४	१	६	७	१८	१२२८	
४	४२	५५	४०	२८	०	५७	६	४५	१५	४६	०	१७	१४	५१	१२	२४	१	८	७	००	१२२३	
५	४३	५३	४१	२५	०	५८	६	५४	१६	१	०	१७	१४	५१	१२	२४	१	९	६	४३	१२१८	
६	४४	५१	४२	२३	०	५८	७	४	१६	१८	०	१७	१४	५१	१२	२४	१	१०	६	२६	१२१३	
७	४५	४९	४३	२१	०	५८	७	१४	१६	३५	०	१७	१४	५१	१२	२४	+	१	११	६	९	१२०८
८	४६	४७	४४	१९	०	५८	७	२३	१६	५२	०	१६	१४	५१	१२	२४	१	१३	५	५२	१२०३	
९	४७	४५	४५	१७	०	५९	७	३३	१७	८	०	१६	१४	५०	१२	२३	१	१४	५	३६	०९९८	
१०	४८	४३	४६	१६	०	५८	७	४३	१७	२५	०	१६	१४	५०	१२	२३	१	१५	५	२०	०९९३	
११	४९	४१	४७	१४	०	५९	७	५२	१७	४०	०	१५	१४	५०	१२	२३	१	१६	५	४	०८९४	
१२	५०	३९	४८	१३	०	५८	८	२	१७	५५	०	१५	१४	५०	१२	२३	१	१७	४	४९	०८८९	
१३	५१	३७	४९	११	१	०	८	१२	१८	१०	०	१५	१४	५०	१२	२३	१	१९	४	३४	०८८०	
१४	५२	३५	५०	११	०	५०	८	२२	१८	२५	०	१५	१४	५०	१२	२३	१	२०	४	१९	०८७५	
१५	५३	३३	५१	१०	०	५९	८	३२	१८	४०	०	१४	१४	५०	१२	२३	+	१	२१	४	४	०८७१
१६	५४	३१	५२	९	१	०	८	४२	१८	५४	०	१४	१४	५०	१२	२३	१	२२	३	५०	०८६७	
१७	५५	२९	५३	९	०	५९	८	५१	१९	८	०	१३	१४	५०	१२	२३	१	२३	३	३६	०८६३	
१८	५६	२७	५४	८	०	५९	९	१	१९	२२	०	१३	१४	५०	१२	२३	१	२५	३	२२	०८५९	
१९	५७	२४	५५	७	१	०	९	११	१९	३६	०	१३	१४	५०	१२	२३	१	२६	३	९	०८५५	
२०	५८	२२	५६	७	१	०	९	२१	१९	४७	०	१३	१४	५१	१२	२३	१	२७	२	५६	०८५१	
२१	५९	२०	५७	७	१	०	९	३१	२०	१	०	१२	१४	५१	१२	२३	१	२८	२	४३	०८४७	
२२	६०	१७	५८	७	१	१	९	४१	२०	१३	०	१२	१४	५१	१२	२४	+	१	२९	२	३१	०८४४
२३	६१	१५	५९	८	१	०	९	५१	२०	२५	०	१२	१४	५१	१२	२४	१	३०	२	१९	०८४१	
२४	६२	१३	६०	८	१	०	१०	१	२०	३७	०	११	१४	५१	१२	२५	१	३१	२	७	०८३७	
२५	६३	१०	६१	८	१	१०	११	११	२०	४८	०	११	१४	५१	१२	२४	१	३२	१	५६	०८३४	
२६	६४	८	६२	९	१	१०	१२	११	२०	५९	०	१०	१४	५२	१२	२४	१	३३	१	४५	०८३१	
२७	६५	६	६३	१०	१	१०	१३	१०	२१	९	०	१०	१४	५२	१२	२४	१	३४	१	३५	०८२८	
२८	६६	३	६४	१०	१	१०	१४	१०	२१	१९	०	१०	१४	५२	१२	२४	१	३५	१	२५	०८२५	
२९	६७	१	६५	११	१	१०	१५	१०	२१	२९	०	९	१४	५२	१२	२४	१	३५	६	१५	०८२२	

मई-जून सन १९३८ ई. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	ति.वा. प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि विंब	मंद कर्ण	अयनांश २२ अंश	मा. म. रवि विषुव काल	उदयांतर
		अं. क. वि.		अं. क. वि.	अं.	क.		क. वि. घ. प.			पत
२९	३०	४२ ५५ १०	४२ ५५ १०	४४४-०३९	४४४-०३९	००५५९	३१-६	१-०१३७	५९	७-८१०	५९-८
३०	१	४३ ५४ १९	४३ ५४ १९	४४५-०२५	४४५-०२५	००५५९	३१-६	१-०१३९	५९	७-८११	९ ७
३१	२	४४ ५३ २७	४४ ५३ २७	४४६-०१०	४४६-०१०	००५५९	३१-६	१-०१४१	५९	८-८११	१९ ७
१	३	४५ ५२ ३५	४५ ५२ ३५	४४७-९४६	४४७-९४६	००५५९	३१-६	१-०१४२	५९	८-८११	२९ ७
२	४	४६ ५१ ४३	४६ ५१ ४३	४४७-९८२	४४७-९८२	००५५९	३१-६	१-०१४४	५९	८-८११	३८ ७
३	५	४७ ५० ५१	४७ ५० ५१	४४८-९६७	४४८-९६७	००५५९	३१-६	१-०१४५	५९	८-८११	४८ ६
४	७	४८ ५० ००	४८ ५० ००	४४९-९५३	४४९-९५३	००५५९	३१-६	१-०१४६	५९	८-८११	५८ ५
५	८	४९ ४९ ८	४९ ४९ ८	४५०-९३८	४५०-९३८	००५५९	३१-६	१-०१४८	५९	८-८१२	८ ५
६	९	५० ४८ १६	५० ४८ १६	४५१-९२४	४५१-९२४	००५५९	३१-६	१-०१४९	५९	८-८१२	१८ ४
७	१०	५१ ४७ २४	५१ ४७ २४	४५२-९१०	४५२-९१०	००५५९	३१-६	१-०१५०	५९	८-८१२	२८ ४
८	११	५२ ४६ ३२	५२ ४६ ३२	४५३-८९५	४५३-८९५	००५५९	३१-६	१-०१५१	५९	८-८१२	३८ ३
९	१२	५३ ४५ ४१	५३ ४५ ४१	४५४-८८१	४५४-८८१	००५५९	३१-६	१-०१५३	५९	९-८१२	४७ ३
१०	१३	५४ ४४ ४९	५४ ४४ ४९	४५५-८६६	४५५-८६६	००५५९	३१-६	१-०१५४	५९	९-८१२	५७ २
११	१४	५५ ४३ ५५	५५ ४३ ५५	४५६-८५२	४५६-८५२	००५५९	३१-६	१-०१५५	५९	९-८१३	६७ २
१२	१५	५६ ४३ ५	५६ ४३ ५	४५७-८३८	४५७-८३८	००५५९	३१-६	१-०१५६	५९	९-८१३	७७ २
१३	१	५७ ४२ १३	५७ ४२ १३	४५८-८२३	४५८-८२३	००५५९	३१-६	१-०१५७	५९	९-८१३	८७ १
१४	२	५८ ४१ २२	५८ ४१ २२	४५९-८०९	४५९-८०९	००५५९	३१-६	१-०१५८	५९	९-८१३	९७ १
१५	३	५९ ४० ३०	५९ ४० ३०	४६०-७९४	४६०-७९४	००५५९	३१-६	१-०१५९	५९	९-८१०	१०७ १
१६	४	६० ३९ ३८	६० ३९ ३८	४६१-७८०	४६१-७८०	००५५९	३१-६	१-०१६०	५९	९-८१०	११७ ०
१७	५	६१ ३८ ४६	६१ ३८ ४६	४६२-७६६	४६२-७६६	००५५९	३१-६	१-०१६१	५९	९-८१०	१२७-०
१८	६	६२ ३७ ५४	६२ ३७ ५४	४६३-७५१	४६३-७५१	००५५९	३१-६	१-०१६२	५९	९-८०४	१३६ +१
१९	७	६३ ३६ ६३	६३ ३६ ६३	४६४-७३७	४६४-७३७	००५५९	३१-६	१-०१६३	५९	९-८०४	१४६
२०	८	६४ ३६ ११	६४ ३६ ११	४६५-७२२	४६५-७२२	००५५९	३१-६	१-०१६४	५९	९-८०४	१५६
२१	९	६५ ३५ १९	६५ ३५ १९	४६६-७०८	४६६-७०८	००५५९	३१-६	१-०१६५	५९	९-८०४	१६६
२२	१०	६६ ३५ २७	६६ ३५ २७	४६७-६९४	४६७-६९४	००५५९	३१-६	१-०१६६	५९	९-८०४	१७६
२३	११	६७ ३४ ३५	६७ ३४ ३५	४६८-६७९	४६८-६७९	००५५९	३१-६	१-०१६७	५९	९-८०४	१८६
२४	१२	६८ ३३ ४३	६८ ३३ ४३	४६९-६६५	४६९-६६५	००५५९	३१-६	१-०१६८	५९	९-८०४	१९६
२५	१३	६९ ३३ ५२	६९ ३३ ५२	४७०-६५०	४७०-६५०	००५५९	३१-६	१-०१६९	५९	९-८०४	२०६
२६	१४	७० ३३ ०	७० ३३ ०	४७१-६३६	४७१-६३६	००५५९	३१-६	१-०१७०	५९	९-८०४	२१६
२७	१५	७१ ३३ ८	७१ ३३ ८	४७२-६२२	४७२-६२२	००५५९	३१-६	१-०१७१	५९	९-८०४	२२६

सूर्य

४०.

मई-जून सन १९२८ ई. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित । •

ता.		सायन	सा.स्य.र.	दिन गति	स्प.रवि	विषुव	दिन	सा.स्य.र.	दिनगति	इन्दौर शहर का स्थानिक										
मघसूर्य		विषुवश	काल	कांति	कांति	कांति	कांति	कांति	कांति	ग्राम्योत्तर लंघन काल	चर	नतांश	दशांश छाया							
अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.	अ.क.							
२९.५७	१	६५	११	१	१	१०	५२	१०	१४	५२	१२	२४	१	६	०	१७				
३०.६७	५८	६६	१२	१	१	११	२	१०	१४	५३	१२	२५	१	३६	१	६	०	१७		
३१.६८	५६	६७	१३	१	१	११	२२	१०	०	९	१४	५३	१२	२५	१	३७	०	५७	०	१७
१.६९	५३	६८	१४	१	१	११	२२	११	०	९	१४	५३	१२	२५	१	३७	०	४८	०	१४
२.७०	५१	६९	१६	१	१	११	३३	१०	०	८	१४	५४	१२	२५	१	३८	०	३९	०	११
३.७१	४८	७०	१७	१	१	११	४३	१०	०	७	१४	५४	१२	२५	१	३८	०	३१	०	९
४.७२	४६	७१	१९	१	१	११	५३	१०	०	७	१४	५५	१२	२५	१	३९	०	२४	०	७
५.७३	४३	७२	२०	१	१	१२	३	११	०	७	१४	५५	१२	२५	१	३९	०	१७	०	५
६.७४	४१	७३	२२	१	१	१२	१४	१०	०	६	१४	५६	१२	२६	१	४०	०	१०	०	३
७.७५	३८	७४	२४	१	१	१२	२४	१०	०	६	१४	५६	१२	२६	१	४०	०	४	३०	१
८.७६	३५	७५	२६	१	१	१२	३४	११	०	६	१४	५७	११	२६	१	४१	०	२	२०	१
९.७७	३३	७६	२८	१	१	१२	४५	१०	०	५	१४	५७	१२	२६	१	४१	०	१२	०	३
१०.७८	३०	७७	३०	१	१	१२	५५	११	०	५	१४	५८	१२	२७	१	४२	०	१३	०	४
११.७९	२८	७८	३२	१	१	१३	६	१०	०	४	१४	५८	१२	२७	१	४२	०	१८	०	५
१२.८०	२५	७९	३५	१	१	१३	१६	१०	०	४	१४	५८	१२	२७	१	४३	०	२२	०	३
१३.८१	२२	८०	३७	१	१	१३	२६	११	०	३	१४	५९	१२	२७	१	४३	०	२६	०	८
१४.८२	१९	८१	३९	१	१	१३	३७	१०	०	३	१५	५९	१२	२७	१	४४	०	२९	०	८
१५.८३	१७	८२	४१	१	१	१३	४७	१०	०	३	१५	५९	१२	२७	१	४४	०	३२	०	९
१६.८४	१४	८३	४३	१	१	१३	५७	११	०	३	१५	०	१२	२७	१	४४	०	३५	०	१०
१७.८५	११	८४	४६	१	१	१३	८	११	०	२	१५	०	१२	२७	१	४४	०	३८	०	११
१८.८६	९	८५	४८	१	१	१४	१८	१०	०	१	१५	१	१२	२७	१	४५	०	४०	०	१२
१९.८७	६	८६	५०	१	१	१४	२८	११	०	१	१५	२	१२	२८	१	४५	०	४१	०	१२
२०.८८	३	८७	५२	१	१	१४	३९	१०	०	१	१५	२	१२	२८	१	४५	०	४२	०	१२
२१.८९	०	८८	५५	१	१	१४	४९	११	०	०	१५	३	१२	२८	१	४५	०	४३	०	१३
२२.९०	५	८९	५८	१	१	१५	०	१०	०	०	१५	३	१२	२८	१	४५	०	४३	०	१३
२३.९०	५५	९०	००	१	१	१५	१०	११	०	१	१५	४	१२	२८	१	४५	०	४३	०	१३
२४.९१	५२	९१	२	१	१	१५	२०	११	०	१	१५	४	१२	२८	१	४५	०	४२	०	१२
२५.९२	४९	९२	४	१	१	१५	३१	१०	०	१	१५	५	१२	२९	१	४५	०	४१	०	१२
२६.९३	४७	९४	७	१	१	१५	४१	११	०	२	१५	५	१२	२९	१	४५	०	४०	०	१२
२७.९४	४५	९५	१०	१	१	१५	५२	१०	०	२	१५	६	१२	२९	१	४५	०	३८	०	११

जून-जुलाई सन १९३८ ई. आपाद शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	ति. वा.	प्रभाकर	मध्यम	रवि मंद	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन	रवि	मंदकर्ण	अयनांश	विषुव	उदय
		दिनगण	रवि	केंद्र			गति	विंश		२२ अंश	क वि.	तर
२७	३०	चं	५११६	७१ ३० ८	१७२२६२१	५० १४ ३०	७१-७४४	०.९५३	३१-५	१-०१६७	५९ ११-५	१५ ४५
२८	१	मं	५११७	७२ २९ १६	१७३२६०७	० १२ ३४	७२-६९७	०.९५४	३१-५	१-०१६७	५९ ११-७	१५ ५५
२९	२	सु	५११८	७३ २८ २४	१७४२६०२	० १० ३९	७३-६५१	०.९५५	३१-५	१-०१६७	५९ ११-८	१६ ५
३०	३	र	५११९	७४ २७ ३३	१७५२६०८	० ८ ४१	७४-६०४	०.९५६	३१-५	१-०१६८	५९ १२-०	१६ १४
१	४	शु	५१२०	७५ २६ ४१	१७६२६१४	० ६ ४५	७५-५५७	०.९५७	३१-५	१-०१६८	५९ १२-१	१६ २४
२	५	षा	५१२१	७६ २५ ४९	१७७२६१९	० ४ ४९	७६-५११	०.९५८	३१-५	१-०१६८	५९ १२-२	१६ ३४
३	६	र	५१२२	७७ २४ ५७	१७८२६२५	० २ ५३	७७-४६४	०.९५९	३१-५	१-०१६८	५९ १२-३	१६ ४४
४	७	चं	५१२३	७८ २४ ५	१७९२६२०	० ० ५७	७८-४१७	०.९५४	३१-५	१-०१६८	५९ १२-५	१६ ५४
५	८	मं	५१२४	७९ २३ १४	१८०२६०६	० ० ५९	७९-३७१	०.९५३	३१-५	१-०१६८	५९ १२-६	१७ ४
६	९	सु	५१२५	८० २२ २२	१८१२६१२	० २ ५५	८०-३२४	०.९५३	३१-५	१-०१६८	५९ १२-७	१७ १४
७	१०	शु	५१२६	८१ २१ ३०	१८२२६१७	० ४ ५३	८१-२७७	०.९५३	३१-५	१-०१६८	५९ १२-९	१७ २४
८	११	षा	५१२७	८२ २० ३८	१८३२६१४	० ६ ४९	८२-२३१	०.९५३	३१-५	१-०१६८	५९ १२-१०	१७ ३४
९	१२	र	५१२८	८३ १९ ४६	१८४२६१८	० ८ ४५	८३-१८४	०.९५३	३१-५	१-०१६८	५९ १२-११	१७ ४३
१०	१३	चं	५१२९	८४ १८ ५५	१८५२६१४	० १० ५१	८४-१३७	०.९५३	३१-५	१-०१६८	५९ १२-१२	१७ ५३
११	१४	मं	५१३०	८५ १८ ३	१८६२६१०	० १२ ३६	८५-०९१	०.९५३	३१-५	१-०१६८	५९ १२-१३	१८ ३
१२	१५	सु	५१३१	८६ १७ ११	१८७२६०५	० १४ ३२	८६-०४४	०.९५४	३१-५	१-०१६८	५९ १२-१४	१८ १३
१३	१६	र	५१३२	८७ १६ २०	१८८२६०१	० १६ २६	८७-०१८	०.९५४	३१-५	१-०१६८	५९ १२-१५	१८ २३
१४	१७	शु	५१३३	८८ १५ २९	१८९२६०७	० १८ २३	८८-०१५	०.९५४	३१-५	१-०१६८	५९ १२-१६	१८ ३३
१५	१८	षा	५१३४	८९ १४ ३६	१९०२६०५	० २० १७	८९-०१५	०.९५४	३१-५	१-०१६५	५९ १२-१७	१८ ४३
१६	१९	र	५१३५	९० १३ ४४	१९१२६०३	० २२ १२	९०-०१५	०.९५४	३१-५	१-०१६५	५९ १२-१८	१८ ५२
१७	२०	चं	५१३६	९१ १२ ५२	१९२२६०३	० २४ ६	९०-०१३	०.९५४	३१-५	१-०१६४	५९ १२-१९	१९ ४
१८	२१	मं	५१३७	९२ १२ ०	१९३२६०१	० २५ ५९	९१-०१७	०.९५४	३१-५	१-०१६४	५९ १२-२०	१९ १४
१९	२२	सु	५१३८	९३ ११ ८	१९४२६०४	० २७ ५२	९२-०२१	०.९५४	३१-५	१-०१६३	५९ १२-२१	१९ २४
२०	२३	शु	५१३९	९४ १० १६	१९५२६०१	० २९ ४४	९३-०२५	०.९५४	३१-५	१-०१६२	५९ १२-२२	१९ ३४
२१	२४	षा	५१४०	९५ ९ २५	१९६२६०७	० ३१ ३७	९४-०२९	०.९५४	३१-५	१-०१६२	५९ १२-२३	१९ ४९
२२	२५	र	५१४१	९६ ८ ३३	१९७२६०५	० ३३ ३०	९५-०३४	०.९५४	३१-५	१-०१६१	५९ १२-२४	१९ ५९
२३	२६	चं	५१४२	९७ ७ ४१	१९८२६०३	० ३५ २३	९६-०३९	०.९५४	३१-५	१-०१६०	५९ १२-२५	१९ ६९
२४	२७	मं	५१४३	९८ ६ ४९	१९९२६०१	० ३७ १२	९७-०४४	०.९५४	३१-५	१-०१५९	५९ १२-२६	१९ ७९
२५	२८	सु	५१४४	९९ ५ ५७	२००२६००	० ३९ १	९८-०४९	०.९५४	३१-५	१-०१५८	५९ १२-२७	२० १९
२६	२९	शु	५१४५	१०० ५ ६	२०१२६००	० ४० ५०	९९-०४४	०.९५४	३१-५	१-०१५७	५९ १२-२८	२० २९
२७	३०	षा	५१४६	१०१ ४ ४	२०२२६००	० ४२ ३८	१००-०४५	०.९५४	३१-५	१-०१५६	५९ १२-२९	२० ४९

जून-जुलाई सन १९३८ ई. आपाठ शुक्र और कृष्णपक्ष का सूर्य का वेध गणित ।

I.	साधन		सा.स्व.र.		दिन गति		स्व.रवि		॥ ॥	सा.स्व.र.		दिन गति		इन्दौर शहर का स्थानिक									
	स्पष्टसूर्य		विषुवांश		विषुव काल		विषुव काल			क्रांति		क्रांति		याम्योत्तर		लम्बन काल		चर		नतांश		दशमि	
	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.		अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	
७	१५ ४४	१५ १०	१	२ १५	५२	१०	२ ३३	२२	०	२	१५	६	१२	२९	+१	४४	३	० ३८	४	० ११	४	० ११	
८	१५ ४४	१५ १२	१	२ १६	५२	१०	२ ३३	२०	०	३	१५	६	१२	२९	१	४४	०	३६	४	० १०	४	० १०	
९	१५ ४८	१५ १४	१	२ १६	५२	११	२ ३३	१७	०	३	१५	७	१२	३०	१	४३	०	३३	४	० १०	४	० १०	
१०	१५ ४८	१५ १६	१	२ १६	५३	१०	२ ३३	१४	०	४	१५	७	१२	३०	१	४३	०	३०	४	० १०	४	० १०	
११	१५ ४८	१५ १८	१	२ १६	५३	१०	२ ३३	१०	०	४	१५	८	१२	३०	१	४२	०	२६	४	० १०	४	० १०	
१२	१५ ४८	१५ २०	१	२ १६	५३	११	२ ३३	६	०	४	१५	८	१२	३०	१	४२	०	२२	४	० १०	४	० १०	
१३	१५ ५०	१५ २२	१	२ १६	५४	१०	२ ३३	२	०	५	१५	९	१२	३१	१	४१	०	१८	४	० १०	४	० १०	
१४	१५ ५०	१५ २४	१	२ १७	५४	१०	२ ३३	५७	०	५	१५	९	१२	३१	१	४१	०	१३	४	० १०	४	० १०	
५	१५ ५२	१५ २६	१	२ १७	५४	११	२ ३३	५२	०	५	१५	१०	१२	३१	१	४०	०	८	४	० १०	४	० १०	
६	१५ ५२	१५ २८	१	२ १७	५५	१०	२ ३३	४७	०	६	१५	१०	१२	३१	१	३९	३	३	४	० १०	४	० १०	
७	१५ ५४	१५ ३०	१	२ १७	५५	१०	२ ३३	४१	०	६	१५	१०	१२	३१	१	३९	३	३	४	० १०	४	० १०	
८	१५ ५४	१५ ३२	१	२ १७	५५	१०	२ ३३	३५	०	७	१५	११	१२	३१	१	३८	०	९	४	० १०	४	० १०	
९	१५ ५६	१५ ३४	१	२ १७	५५	११	२ ३३	२८	०	७	१५	११	१२	३१	१	३८	०	१६	४	० १०	४	० १०	
१०	१५ ५७	१५ ३६	१	२ १७	५६	१०	२ ३३	२१	०	७	१५	१२	१२	३१	१	३७	०	२३	४	० १०	४	० १०	
११	१५ ५८	१५ ३८	१	२ १८	५६	१०	२ ३३	१४	०	८	१५	१२	१२	३१	१	३७	०	३०	४	० १०	४	० १०	
१२	१५ ५९	१५ ४०	१	२ १८	५६	१०	२ ३३	६	०	८	१५	१२	१२	३१	१	३६	०	३८	४	० १०	४	० १०	
१३	१५ ५९	१५ ४२	१	२ १८	५६	१०	२ ३३	५८	०	९	१५	१३	१२	३१	१	३६	०	४६	४	० १०	४	० १०	
१४	१५ ५९	१५ ४४	१	२ १८	५६	११	२ ३३	५१	०	९	१५	१३	१२	३१	१	३५	०	५५	४	० १०	४	० १०	
१५	१५ ५९	१५ ४६	१	२ १८	५७	१०	२ ३३	४०	०	९	१५	१३	१२	३१	१	३५	१	४	४	० १०	४	० १०	
१६	१५ ५९	१५ ४८	१	० १९	५७	१०	२ ३३	३१	०	१०	१५	१४	१२	३१	१	३४	१	१३	४	० १०	४	० १०	
१७	१५ ५९	१५ ५०	१	० १९	५७	१०	२ ३३	२१	०	१०	१५	१४	१२	३१	१	३४	१	१३	४	० १०	४	० १०	
१८	१५ ५९	१५ ५२	१	० १९	५७	१०	२ ३३	११	०	१०	१५	१४	१२	३१	१	३४	१	१३	४	० १०	४	० १०	
१९	१५ ५९	१५ ५४	१	० १९	५७	१०	२ ३३	१	०	११	१५	१४	१२	३१	१	३४	१	१३	४	० १०	४	० १०	
२०	१५ ५९	१५ ५६	१	० १९	५७	१०	२ ३३	५०	०	११	१५	१५	१२	३१	१	३३	१	५४	४	० १०	४	० १०	
२१	१५ ५९	१५ ५८	१	० १९	५७	१०	२ ३३	४०	०	११	१५	१५	१२	३१	१	३३	१	५४	४	० १०	४	० १०	
२२	१५ ५९	१५ ५९	१	० २०	५७	१०	२ ३३	३०	०	११	१५	१५	१२	३१	१	३३	१	५४	४	० १०	४	० १०	
२३	१५ ५९	१५ ६०	१	० २०	५७	१०	२ ३३	२०	०	११	१५	१५	१२	३१	१	३३	१	५४	४	० १०	४	० १०	
२४	१५ ५९	१५ ६१	१	० २०	५७	१०	२ ३३	१०	०	११	१५	१५	१२	३१	१	३३	१	५४	४	० १०	४	० १०	
२५	१५ ५९	१५ ६२	१	० २०	५७	१०	२ ३३	०	०	११	१५	१५	१२	३१	१	३३	१	५४	४	० १०	४	० १०	
२६	१५ ५९	१५ ६३	१	० २०	५७	१०	२ ३३	५०	०	११	१५	१५	१२	३१	१	३३	१	५४	४	० १०	४	० १०	
२७	१५ ५९	१५ ६४	१	० २०	५७	१०	२ ३३	४०	०	११	१५	१५	१२	३१	१	३३	१	५४	४	० १०	४	० १०	

जुलाई-आगष्ट सन १९३८ ह.

श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	पमाक दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केन्द्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि विध	मंद कर्ण	अयनांश २२ अंश	वि सा म. गति विषुव काल	उदयान्तर	
			अ. क. वि		अ. क. वि	अं.	क.			क. वि.	घ प	पल	
२७	३०	बु	५२२६	१०१ ४ १४	२०२.१८९	० ४२ ३८	१००.३१९	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १५.५	२० ४१	+ १५
२८	२	बु	५२२७	१०२ ३ २२	२०३.१७५	० ४४ २८	१०१.३१५	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १५.६	२० ५०	१५
२९	३	बु	५२२८	१०३ २ ३०	२०४.१६०	० ४६ १५	१०२.३११	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १५.७	२१ ०	१५
३०	४	श	५२२९	१०४ १ ३८	२०५.१४६	० ४८ १	१०३.३०७	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १५.८	२१ १०	१५
३१	५	श	५२३०	१०५ ० ४७	२०६.१३२	० ४९ ४६	१०४.३०३	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १५.९	२१ २०	१५
१	६	च	५२३१	१०५ ५९ ५५	२०७.११७	० ५१ ३१	१०५.३००	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १६.०	२१ ३०	१५
२	७	मं	५२३२	१०६ ५९ ३	२०८.१०३	० ५३ १४	१०६.२९७	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १६.१	२१ ४०	१५
३	८	बु	५२३३	१०७ ५८ ११	२०९.०८८	० ५४ ५५	१०७.२९४	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १६.२	२१ ५०	१५
४	९	बु	५२३४	१०८ ५७ १९	२१०.०७४	० ५६ ३२	१०८.२९१	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १६.३	२१ ५९	१५
५	१०	बु	५२३५	१०९ ५६ २८	२११.०६०	० ५८ २२	१०९.२८७	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १६.४	२२ ०९	१४
६	११	श	५२३६	११० ५५ ३६	२१२.०४७	१ ० २२	११०.२८३	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १६.५	२२ १९	१४
७	१२	श	५२३७	१११ ५४ ४४	२१३.०३३	१ १ ४०	१११.२८०	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १६.६	२२ २९	१४
८	१३	च	५२३८	११२ ५३ ५२	२१४.०२०	१ ३ ३१	११२.२७६	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १६.७	२२ ३९	१४
९	१४	मं	५२३९	११३ ५३ ०	२१५.००७	१ ४ ५५	११३.२७३	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १६.८	२२ ४९	१३
१०	१५	बु	५२४०	११४ ५२ ९	२१६.००८	१ ६ ३१	११४.२७०	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १६.९	२२ ५९	१३
११	१६	बु	५२४१	११५ ५१ १७	२१७.००३	१ ८ ५	११५.२६९	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १७.०	२३ ८	१३
१२	१७	श	५२४२	११६ ५० २५	२१७.९९९	१ ९ ४०	११६.२६७	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १७.१	२३ १८	१२
१३	१८	श	५२४३	११७ ४९ ३३	२१८.९९४	१ ११ २२	११७.२६६	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १७.२	२३ २८	१२
१४	१९	च	५२४४	११८ ४८ ४१	२१९.९८९	१ १३ ४४	११८.२६५	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १७.३	२३ ३८	१२
१५	२०	च	५२४५	११९ ४७ ५०	२२०.९८०	१ १४ ३३	११९.२६४	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १७.४	२३ ४८	१२
१६	२१	मं	५२४६	१२० ४६ ५९	२२१.९७०	१ १५ ४२	१२०.२६३	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १७.५	२३ ५८	११
१७	२२	बु	५२४७	१२१ ४६ ६	२२२.९६०	१ १७ ८	१२१.२६२	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १७.६	२४ ८	११
१८	२३	बु	५२४८	१२२ ४५ १४	२२३.९५२	१ १८ ३५	१२२.२६१	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १७.७	२४ १७	१०
१९	२४	श	५२४९	१२३ ४४ २२	२२४.९४८	१ २० ०	१२३.२६०	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १७.८	२४ २७	१०
२०	२५	श	५२५०	१२४ ४३ ३०	२२५.९४४	१ २१ २५	१२४.२६०	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १७.९	२४ ३७	९
२१	२६	च	५२५१	१२५ ४२ ३९	२२६.९४१	१ २२ ४७	१२५.२६०	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १८.०	२४ ४७	८
२२	२७	च	५२५२	१२६ ४१ ४७	२२७.९३९	१ २४ ८	१२६.२६०	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १८.१	२४ ५७	८
२३	२८	मं	५२५३	१२७ ४० ५५	२२८.९३८	१ २५ २६	१२७.२६०	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १८.२	२५ ७	७
२४	२९	बु	५२५४	१२८ ४० ३	२२९.९३६	१ २६ ४४	१२८.२६०	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १८.३	२५ १७	७
२५	३०	बु	५२५५	१२९ ३९ ११	२३०.९३४	१ २७ ५९	१२९.२६०	०.९५६	३१.५	१.०१५६	१९ १८.४	२५ २६	+ ६

सूर्य

५३

जुलाई-अगस्ट सन १९३८ ई. भाषण शुद्ध और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	मास		सा.स्व.र.	दिन गति	स्व.रवि विषुव काल	सा.स्व.र.	दिन गति	इन्दौर शहर का स्थानिक													
	स्पष्टसूर्य							याम्योत्तर		लेखन काल		चर		नवांश		दशगुल छाया					
	अ	क	अ	क	अ	क	अ	क	अ	क	अ	क	अ	क	अ	क	अ	क	अ	क	
२७	१२३	२१	१२५	३९	०	५९	२०	५७	१०	११	२५	०	११	१५	१५	१२	३४	१	२५	३ ३३	०.५८
२८	१२४	१८	१२६	३८	०	५९	२१	६	१०	११	२५	१५	१२	३४	१	२५	३ ३३	०.५८			
२९	१२५	१६	१२७	३७	०	५९	२१	१६	१०	१८	५७	०	१४	१५	१५	१२	३४	१	२५	३ ४७	०.५९
३०	२६	१३	१२८	३६	०	५८	२१	२६	१०	१८	४३	०	१४	१५	१५	१२	३४	१	२२	४ १	०.७०
३१	२७	१०	१२९	३५	०	५९	२१	३६	१०	१८	२९	०	१५	१५	१५	१२	३४	१	२१	४ १५	०.७३
१	१२८	८	१३०	३३	०	५८	२१	४६	९	१८	१४	०	१५	१५	१५	१२	३४	१	२०	४ ३०	०.७९
२	१२९	५	१३१	३१	०	५९	२१	५६	१०	१७	५९	०	१५	१५	१५	१२	३४	१	१९	४ ४५	०.८३
३	३०	३	१३२	३०	०	५८	२२	५	१०	१७	४४	०	१५	१५	१५	१२	३४	१	१७	५ ०	०.८७
४	३१	०	१३३	२८	०	५८	२२	१५	९	१७	२९	०	१६	१५	१५	१२	३४	१	१६	५ १५	०.९२
५	३२	५	१३४	२६	०	५७	२२	२४	१०	१७	१३	०	१६	१५	१४	१२	३३	१	१५	५ ३०	०.९७
६	३२	५	१३५	२३	०	५७	२२	३४	९	१६	५७	०	१७	१५	१४	१२	३३	१	१४	५ ४७	१.०१
७	३३	५	१३६	२०	०	५८	२२	४३	१०	१६	४०	०	१७	१५	१४	१२	३३	१	१२	६ ५	१.०६
८	३४	५	१३७	१८	०	५८	२२	५३	१०	१६	२३	०	१७	१५	१४	१२	३३	१	११	६ २१	१.११
९	३५	४	१३८	१५	०	५७	२२	६३	९	१६	६	०	१७	१५	१३	१२	३३	१	१०	६ ३८	१.१६
१०	३६	४	१३९	१२	०	५८	२२	७२	१०	१५	४९	०	१७	१५	१३	१२	३३	१	८	६ ५५	१.२१
११	३७	४	१४०	९	०	५७	२३	८२	९	१५	३२	०	१८	१५	१३	१२	३३	१	७	७ १२	१.२६
१२	३८	४	१४१	६	०	५७	२३	९१	१०	१५	१४	०	१८	१५	१२	१२	३२	१	६	७ ३०	१.३२
१३	३९	३	१४२	३	०	५६	२३	१०१	९	१४	५६	०	१८	१५	१२	१२	३२	१	५	७ ४८	१.३७
१४	४०	३	१४३	०	०	५७	२३	५०	९	१४	४०	०	१८	१५	१२	१२	३२	१	४	८ ०५	१.४२
१५	४१	३	१४४	१०	०	५६	२३	५९	१०	१४	२०	०	१९	१५	११	१२	३२	१	३	८ २५	१.४७
१६	४२	३	१४५	८	०	५६	२४	९	९	१४	१	०	१९	१५	११	१२	३२	१	१	८ ४३	१.५३
१७	४३	२	१४६	५	०	५६	२४	१८	९	१३	४२	०	१९	१५	११	१२	३२	०	५९	९ २	१.५९
१८	४४	२	१४७	४	०	५६	२४	२७	१०	१३	२३	०	१९	१५	१०	१२	३१	०	५८	९ २१	१.६५
१९	४५	२	१४८	४	०	५५	२४	३७	९	१३	४	०	२०	१५	१०	१२	३१	०	५६	९ ४०	१.७०
२०	४६	२	१४९	३	०	५६	२४	४६	९	१२	१५	०	२०	१५	९	१२	३१	०	५५	१० ०	१.७६
२१	४७	१	१५०	३	०	५६	२४	५५	१०	१२	५	०	२०	१५	८	१२	३०	०	५३	१० २०	१.८२
२२	४८	१	१५१	२	०	५५	२५	५	९	१२	५	०	२०	१५	८	१२	३०	०	५२	१० ४०	१.८८
२३	४९	१	१५२	१	०	५५	२५	१४	९	११	४४	०	२०	१५	७	१२	३०	०	५०	११ ०	१.९४
२४	५०	१	१५३	०	०	५५	२५	२३	९	११	२४	०	२०	१५	७	१२	३०	०	४९	११ २०	२.००
२५	५१	१	१५४	०	०	५५	२५	३२	९	११	४	०	२१	१५	६	१२	२९	+	४७	११ ४०	२.०६

अगस्त—सप्टेंबर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	ति.वा. प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि विंब	मंद कर्ण	अयननाश २२ अंश	वि. माम. विषुव कण	उत्पत्ति
२५	३० गु.	५२५५	१२९ ३९ ११	२३००७७१	१ २७ ५९	१२८ १८६	० ९६५	३ २७	१ ० १०८	५९ १९ २९	२५ २६ + ६
२६	१ शु.	५२५६	१३० ३८ २०	२३१०७५७	१ २९ १५	१२९ १८१	० ९६५	३ २७	१ ० १०६	५९ १९ ५४	२५ २६ ६
२७	२ शु.	५२५७	१३१ ३७ २८	२३२०७४३	१ ३० २९	१३० १७६	० ९६५	३ २७	१ ० १०४	५९ १९ ५४	२५ २६ ६
२८	३ शु.	५२५८	१३२ ३६ ३६	२३३०७३८	१ ३१ ५	१३१ ०८२	० ९६५	३ २७	१ ० १०२	५९ १९ ५४	२५ २६ ४
२९	४ शु.	५२५९	१३३ ३५ ४४	२३४०७३४	१ ३२ ५१	१३२ ०८४	० ९६५	३ २७	१ ० १००	५९ १९ ५४	२५ २६ ४
३०	५ शु.	५२६०	१३४ ३४ ५२	२३५०७३०	१ ३३ ५९	१३३ ०८१	० ९६५	३ २७	१ ० ०९८	५९ १९ ५४	२५ २६ ३
३१	६ शु.	५२६१	१३५ ३३ ६	२३६०७२८	१ ३५ ६	१३३ ०८२	० ९६५	३ २७	१ ० ०९५	५९ २० ००	२५ २६ २
१	७ शु.	५२६२	१३६ ३३ ८	२३७०७२९	१ ३६ ११	१३४ ०९४	० ९६५	३ २७	१ ० ०९३	५९ २० २९	२५ २६ १
२	८ शु.	५२६३	१३७ ३२ १७	२३८०७५६	१ ३७ १५	१३५ ०९१	० ९६५	३ २७	१ ० ०९०	५९ २० ३६	२५ २६ ०
३	९ शु.	५२६४	१३८ ३१ २५	२३९०७४२	१ ३८ १८	१३६ ०८८	० ९६५	३ २८	१ ० ०८८	५९ २० ४४	२५ २६ - १
४	१०	५२६५	१३९ ३० ३३	२४००७२८	१ ३९ १८	१३७ ०८५	० ९६५	३ २८	१ ० ०८६	५९ २० ५२	२५ २६ २
५	११	५२६६	१४० २९ ४२	२४१०७३०	१ ४० १८	१३८ ०८२	० ९६५	३ २८	१ ० ०८३	५९ २० ५७	२५ २६ २
६	१२	५२६७	१४१ २८ ५०	२४२०७५९	१ ४१ १३	१३९ ०७९	० ९६५	३ २८	१ ० ०८०	५९ २० ५९	२५ २६ ३
७	१३	५२६८	१४२ २७ ५८	२४३०७८४	१ ४२ ७	१४० ०७६	० ९६५	३ २८	१ ० ०७८	५९ २१ ००	२५ २६ ४
८	१४	५२६९	१४३ २७ ६	२४४०७५०	१ ४३ २१	१४१ ०७३	० ९६५	३ २८	१ ० ०७५	५९ २१ २९	२५ २६ ५
९	१५	५२७०	१४४ २६ १४	२४५०७५५	१ ४३ ५३	१४२ ०७६	० ९६५	३ २८	१ ० ०७३	५९ २१ ३६	२५ २६ ५
१०	१ शु.	५२७१	१४५ २५ २३	२४६०७५१	१ ४४ ४३	१४३ ०७८	० ९६५	३ २८	१ ० ०७०	५९ २१ ४४	२८ ०४ ६
११	२ शु.	५२७२	१४६ २४ ३१	२४७०७५७	१ ४५ ३२	१४४ ०७५	० ९६५	३ २८	१ ० ०६७	५९ २१ ५२	२८ १४ ७
१२	३ शु.	५२७३	१४७ २३ ३९	२४८०७५२	१ ४६ २७	१४५ ०७३	० ९६५	३ २८	१ ० ०६५	५९ २१ ५७	२८ २४ ९
१३	४ शु.	५२७४	१४८ २२ ४७	२४९०७५८	१ ४७ २०	१४६ ०७१	० ९६५	३ २८	१ ० ०६२	५९ २१ ५८	२८ ३४ ८
१४	५ शु.	५२७५	१४९ २१ ५५	२५००७५८	१ ४७ ४३	१४७ ०७०	० ९६५	३ २८	१ ० ०५९	५९ २१ ५९	२८ ४४ १०
१५	६ शु.	५२७६	१५० २१ ४	२५१०७५९	१ ४८ २५	१४८ ०६४	० ९६५	३ २८	१ ० ०५७	५९ २२ ११	२८ ५३ १०
१६	७ शु.	५२७७	१५१ २० १२	२५२०७५५	१ ४९ ४	१४९ ०६१	० ९६५	३ २८	१ ० ०५४	५९ २२ २९	२९ ०३ ११
१७	८ शु.	५२७८	१५२ १९ २०	२५३०७५०	१ ४९ १५	१५० ०५९	० ९६५	३ २८	१ ० ०५१	५९ २२ ३६	२९ १३ १२
१८	९ शु.	५२७९	१५३ १८ २८	२५४०७५६	१ ५० १५	१५१ ०५७	० ९६५	३ २८	१ ० ०४८	५९ २२ ४४	२९ २३ १३
१९	१० शु.	५२८०	१५४ १७ ३६	२५५०७५१	१ ५० ३८	१५२ ०५६	० ९६५	३ २८	१ ० ०४५	५९ २२ ५२	२९ ३३ १३
२०	११ शु.	५२८१	१५५ १६ ४४	२५६०७५७	१ ५१ २०	१५३ ०५३	० ९६५	३ २८	१ ० ०४२	५९ २२ ५७	२९ ४३ १४
२१	१२ शु.	५२८२	१५६ १५ ५२	२५७०७५३	१ ५१ ४९	१५४ ०५०	० ९६५	३ २८	१ ० ०३९	५९ २२ ५९	२९ ५३ १५
२२	१३ शु.	५२८३	१५७ १५ ६	२५८०७५८	१ ५२ १६	१५५ ०४७	० ९६५	३ २८	१ ० ०३७	५९ २३ ००	२९ ६५ २२
२३	१४ शु.	५२८४	१५८ १४ १२	२५९०७५४	१ ५२ ४१	१५६ ०४५	० ९६५	३ २८	१ ० ०३४	५९ २३ ०३	२९ ७५ २३

सूर्य

५५

अगस्त—सप्टेंबर सन १९३८ इ भाद्रपद शुक्र और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य	सा.स्व.र. विषुवांश	दिन गति	स्व.ग.वि विषुव का	सा.स्व.र. क्रांति	दिन गति	इन्दौर शहर का स्थानिक										दशांगुल छाया
							याम्योत्तर	लघ्न काल	चर	नतांश	उ	द	म	स	मि.	स	
अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	क. घ.	प. पल	अं. क.	अं. क.	घ.	प.	सं. घ.	मि.	घ	प	१०	उ	२०६	
२५	१५१	१०	१५३	१२०	५५	२५	१५	६	१२	२९	०	४७	४१	४०	४२	०६	
२६	१५२	८	१५४	७०	५६	२५	१०	४३	०	२२	१५	६	१२	२९	०	४६	
२७	१५३	६	१५५	३०	५४	२५	१०	२२	०	२१	१५	५	१२	२९	०	४४	
२८	१५४	४	१५६	५७०	५५	२६	१०	१	०	२१	१५	४	१२	२८	०	४३	
२९	१५५	२	१५६	५२०	५५	२६	९	४०	०	२१	१५	४	१२	२८	०	४१	
३०	१५६	०	१५७	४७०	५४	२६	९	१९	०	२२	१५	३	१२	२८	०	४०	
३१	१५६	५८	१५८	४१०	५४	२६	९	८७	०	२२	१५	२	१२	२८	०	३८	
१	१५७	५६	१५९	३६०	५५	२६	९	८३	०	२२	१५	१	१२	२७	०	३७	
२	१५८	५४	१६०	३००	५५	२६	९	८१	०	२२	१५	०	१२	२७	०	३५	
३	१५९	५२	१६१	२५०	५४	२६	९	७९	०	२२	१४	५९	१२	२७	०	३४	
४	१६०	५१	१६२	१९०	५४	२७	९	७७	०	२२	१४	५८	१२	२७	०	३२	
५	१६१	४९	१६३	१४०	५४	२७	९	७८	०	२३	१४	५८	१२	२७	०	३१	
६	१६२	४७	१६४	८०	५४	२७	९	६६	०	२३	१४	५७	१२	२७	०	३९	
७	१६३	४५	१६५	२०	५४	२७	९	६४	०	२३	१४	५६	१२	२६	०	३८	
८	१६४	४४	१६६	५६०	५४	२७	९	६१	०	२३	१४	५५	१२	२६	०	३६	
९	१६५	४२	१६६	५००	५४	२७	९	५८	०	२३	१४	५५	१२	२६	०	३४	
१०	१६६	४०	१६७	४४०	५४	२७	९	५६	०	२३	१४	५४	१२	२५	०	३३	
११	१६७	३८	१६८	३८०	५४	२८	९	४५	०	२३	१४	५३	१२	२५	०	३१	
१२	१६८	३७	१६९	३२०	५४	२८	९	४३	०	२३	१४	५३	१२	२४	०	३०	
१३	१६९	३५	१७०	२६०	५४	२८	९	४१	०	२३	१४	५२	१२	२४	०	२८	
१४	१७०	३४	१७१	२००	५३	२८	९	३९	०	२३	१४	५०	१२	२३	०	२६	
१५	१७१	३२	१७२	१४०	५४	२८	९	३७	०	२३	१४	५०	१२	२३	०	२५	
१६	१७२	३०	१७३	७०	५४	२८	९	३५	०	२३	१४	४९	१२	२३	०	२३	
१७	१७३	२९	१७४	१०	५४	२९	९	३३	०	२३	१४	४९	१२	२३	०	२१	
१८	१७४	२८	१७५	५५०	५४	२९	९	३१	०	२३	१४	४८	१२	२२	०	२०	
१९	१७५	२६	१७६	४९०	५४	२९	९	२९	०	२४	१४	४७	१२	२२	०	१८	
२०	१७६	२५	१७७	४३०	५३	२९	९	२७	०	२४	१४	४६	१२	२१	०	१६	
२१	१७७	२३	१७८	३६०	५४	२९	९	२५	०	२४	१४	४५	१२	२०	०	१४	
२२	१७८	२२	१७९	३००	५४	२९	९	२३	०	२४	१४	४५	१२	२०	०	१३	
२३	१७९	२१	१८०	२४०	५४	२९	९	२१	०	२४	१४	४४	१२	२०	०	११	

सप्टेम्बर-अक्टूबर सन १९२८ ई आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	पभाकर दिनगण	सध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि वेध	मंद कर्ण	अयनांश २२ अंश	रवि मा. म. विषुव	काल उदयान्तर	
			अ. क. वि.		अ. क. वि.	अ.		क.		क. वि.	घ. प	पल	
२३	३०	शु	५२८४	१४	९२५९-३५४	१५२४१	१५६-३५८	०-९७९	३१८	१-००३४	५९	२३-१३०	१६
२४	१	श	५२८५	१४	९२६०-३४०	१५३	१५७-३३७	०-९८०	३१९	१-००३१	५९	२३-२३०	१७
२५	२	र	५२८६	१६	९२६१-३२०	१५३	१५८-३१७	०-९८०	३१९	१-००२८	५९	२३-३३०	१८
२६	३	च	५२८७	१६	९२६२-३०६	१५३	१५९-२९७	०-९८०	३१९	१-००२५	५९	२३-४३०	१९
२७	४	म	५२८८	१६	९२६३-२९५	१५४	१६०-२७८	०-९८१	३१९	१-००२२	५९	२३-५३०	२०
२८	५	ष	५२८९	१६	९२६४-२८२	१५४	१६१-२५९	०-९८१	३१९	१-००२०	५९	२४-०३०	२०
२९	६	श	५२९०	१६	९२६५-२६८	१५४	१६२-२४१	०-९८२	३१९	१-००१७	५९	२४-१३०	२१
३०	७	शु	५२९१	१६	९२६६-२५८	१५४	१६३-२२३	०-९८२	३१९	१-००१४	५९	२४-२३०	२२
१	८	श	५२९२	१६	९२६७-२४९	१५४	१६४-२०६	०-९८४	३१९	१-००११	५९	२४-३३०	२३
२	९	र	५२९३	१६	९२६८-२४०	१५४	१६५-१९०	०-९८४	३१९	१-०००८	५९	२४-४३०	२४
३	१०	च	५२९४	१६	९२६९-२२९	१५५	१६६-१७४	०-९८५	३१९	१-०००५	५९	२४-५३०	२५
४	१०	म	५२९५	१६	९२७०-२२०	१५५	१६७-१५९	०-९८५	३१९	१-०००२	५९	२४-६३०	२६
५	११	ष	५२९६	१७	९२७१-२११	१५५	१६८-१४४	०-९८६	३१९	१-००००	५९	२४-७३०	२७
६	१२	श	५२९७	१७	९२७२-२०२	१५५	१६९-१२९	०-९८६	३१९	१-००००	५९	२४-८३०	२८
७	१३	शु	५२९८	१७	९२७३-१९३	१५५	१७०-११६	०-९८७	३१९	१-००००	५९	२४-९३०	२८
८	१४	श	५२९९	१७	९२७४-१८३	१५४	१७१-१०३	०-९८८	३१९	१-००००	५९	२५-०३०	२९
९	१५	र	५३००	१७	९२७५-१७४	१५४	१७२-०९१	०-९८८	३१९	१-००००	५९	२५-१३०	३०
१०	१६	च	५३०१	१७	९२७६-१६०	१५४	१७३-०७९	०-९८९	३१९	१-००००	५९	२५-२३०	३१
११	१७	म	५३०२	१७	९२७७-१४७	१५४	१७४-०६६	०-९८९	३१९	१-००००	५९	२५-३३०	३१
१२	१८	ष	५३०३	१७	९२७८-१३४	१५४	१७५-०५४	०-९९०	३१९	१-००००	५९	२५-४३०	३२
१३	१९	श	५३०४	१७	९२७९-१२२	१५४	१७६-०४२	०-९९०	३१९	१-००००	५९	२५-५३०	३२
१४	२०	शु	५३०५	१७	९२८०-११०	१५४	१७७-०३०	०-९९१	३१९	१-००००	५९	२५-६३०	३३
१५	२१	श	५३०६	१७	९२८१-१००	१५३	१७८-०२९	०-९९१	३१९	१-००००	५९	२५-७३०	३४
१६	२२	र	५३०७	१८	९२८२-०८९	१५३	१७९-०२१	०-९९२	३१९	१-००००	५९	२५-८३०	३४
१७	२३	च	५३०८	१८	९२८३-०८०	१५२	१८०-०१३	०-९९२	३१९	१-००००	५९	२५-९३०	३५
१८	२४	म	५३०९	१८	९२८४-०७२	१५२	१८१-००५	०-९९२	३१९	१-००००	५९	२६-०३०	३५
१९	२५	ष	५३१०	१८	९२८५-०६४	१५२	१८२-०००	०-९९३	३१९	१-००००	५९	२६-१३०	३६
२०	२६	श	५३११	१८	९२८६-०५७	१५२	१८३-०००	०-९९३	३१९	१-००००	५९	२६-२३०	३६
२१	२७	शु	५३१२	१८	९२८७-०५१	१५२	१८४-०००	०-९९४	३१९	१-००००	५९	२६-३३०	३७
२२	२८	श	५३१३	१८	९२८८-०४६	१५०	१८५-०००	०-९९४	३१९	१-००००	५९	२६-४३०	३७
२३	२९	र	५३१४	१८	९२८९-०४२	१४९	१८६-०००	०-९९५	३१९	१-००००	५९	२६-५३०	३८

सूर्य

५७

सप्टेंबर—अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	सायन	सा.स्य.र.	दिन गति	स्प.र.वि	विषुव	काल	दिन	सा.स्य.र.	दिन गति	इन्दौर शहर का स्थानिक										दशांगुल
	स्यष्टसूर्य	विषुवांश						क्रांति		याभ्योत्तर	लघन	काल	चर	नतांश	छाया					
२३	अ क	अ क	अ क	घ प	पल	अं क	अं क	घ प	स्टे घ मि	घ. प.	अं क	उ	४.११							
२३	१७९ २१	१७९ २४	० ५४ २९	५४	१०	० १६	० २४	१४ ४४	१२ २०	+	०	१ २२२ २८								
२४	१८० २०	१८० १८	० ५४ ३०	३	९	० ८	० २३	१४ ४३	१२ २०	०	१	२२ ५२	४.२२							
२५	१८१ १८	१८१ १२	० ५४ ३०	१२	१	० ३१	० २४	१४ ४२	१२ २०	०	३	२३ १५	४.३०							
२६	१८२ १७	१८२ ६	० ५४ ३०	२१	१	० ५५	० २३	१४ ४१	१२ १९	०	४	२३ ३९	४.३८							
२७	१८३ १६	१८३ ०	० ५४ ३०	३०	१	१ १८	० २४	१४ ४०	१२ १९	०	६	२४ २	४.४६							
२८	१८४ १५	१८४ ५४	० ५४ ३०	३९	१	१ ४१	० २४	१४ ४०	१२ १९	०	८	२४ २५	४.५४							
२९	१८५ १४	१८४ ४८	० ५४ ३०	४८	१	२ ५	० २३	१४ ३९	१२ १९	०	१०	२४ ४९	४.६२							
३०	१८६ १३	१८५ ४२	० ५५ ३०	५७	१	२ २८	० २३	१४ ३८	१२ १८	०	११	२५ १२	४.७१							
१	१८७ १२	१८६ ३७	० ५४ ३१	६	१	२ ५१	० २४	१४ ३७	१२ १८	०	१३	२५ ३५	४.७९							
२	१८८ ११	१८७ ३१	० ५४ ३१	१५	१	३ १५	० २३	१४ ३६	११ १७	०	१४	२५ ५९	४.८७							
३	१८९ १०	१८८ २५	० ५४ ३१	२४	१	३ ४८	० २३	१४ ३५	१२ १७	०	१५	२७ २२	४.९६							
४	१९० ९	१८९ २०	० ५४ ३१	३३	१	४ १	० २३	१४ ३४	१२ १७	०	१७	२६ ४५	५.०४							
५	१९१ ८	१९० १४	० ५४ ३१	४२	१	४ २४	० २३	१४ ३३	१२ १६	०	१९	२७ ८	५.१२							
६	१९२ ७	१९१ ८	० ५५ ३१	५१	१	४ ४७	० २३	१४ ३२	१२ १६	०	२०	२७ ११	५.२१							
७	१९३ ६	१९२ ३	० ५५ ३२	१	१	५ १०	० २३	१४ ३२	१२ १६	०	२२	२७ ५४	५.३०							
८	१९४ ६	१९२ ५८	० ५५ ३२	१०	१	५ ३३	० २३	१४ ३१	१२ १५	०	२४	२८ १७	५.३८							
९	१९५ ५	१९३ ५३	० ५५ ३२	१९	१	५ ५६	० २३	१४ ३०	१२ १५	०	२५	२८ ४०	५.४७							
१०	१९६ ४	१९४ ४८	० ५५ ३२	२८	१	६ १९	० २३	१४ २९	१२ १४	०	२७	२९ ३	५.५५							
११	१९७ ३	१९५ ४३	० ५६ ३२	३७	१	६ ४२	० २३	१४ २९	१२ १४	०	२८	२९ २६	५.६४							
१२	१९८ ३	१९६ ३९	० ५६ ३२	४७	१	७ ५	० २२	१४ २८	१२ १४	०	३०	२९ ४९	५.७३							
१३	१९९ २	१९७ ३४	० ५६ ३२	५६	१	७ २७	० २३	१४ २८	१२ १४	०	३२	३० ११	५.८२							
१४	२०० २	१९८ ३०	० ५६ ३३	५	१	७ ५०	० २२	१४ २७	१२ १४	०	३३	३० ३४	५.९१							
१५	२०१ १	१९९ २५	० ५६ ३३	१४	१	८ १२	० २३	१४ २६	१२ १३	०	३५	३० ५६	५.९९							
१६	२०२ १	२०० २१	० ५६ ३३	२४	१	८ ३५	० २२	१४ २६	१२ १३	०	३६	३१ १९	६.०८							
१७	२०३ ०	२०१ १७	० ५६ ३३	३३	१	८ ५७	० २२	१४ २५	१२ १३	०	३८	३१ ४१	६.१७							
१८	२०४ ०	२०२ १३	० ५६ ३३	४२	१	९ १९	० २१	१४ २५	१२ १३	०	४०	३१ ४१	६.२६							
१९	२०४ ५९	२०३ ९	० ५६ ३३	५२	१	९ ४०	० २२	१४ २४	१२ १३	०	४१	३२ २४	६.३५							
२०	२०५ ५९	२०४ ५	० ५७ ३४	१	१	१० २	० २२	१४ २४	१२ १३	०	४३	३२ ४६	६.४४							
२१	२०६ ५९	२०५ २	० ५६ ३४	१०	१	१० २४	० २१	१४ २३	१२ १२	०	४४	३३ ८	६.५३							
२२	२०७ ५८	२०५ ५८	० ५७ ३४	२०	१	१० ४५	० २२	१४ २३	१२ १२	०	४६	३३ २९	६.६१							
२३	२०८ ५८	२०६ ५५	० ५८ ३४	२९	१	११ ७	० २१	१४ २२	१२ १२	-	४७	३३ ५१	६.७१							

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ ई. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता. ति. वा. प्रभाकर	मध्यम	रवि मंद	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन	रवि	मंद कर्ण	अयनांश	वि. रा. विषुव	उदयान्तर
दिनगण	रवि	केंद्र			गति	विं		२२ अंश	सा. म. विषुव	पल
२३ ३० र	५३१४	अं. क. वि.	२८८०९२२	अं. क. वि.	१८५०९७७	००९९६	३२-१	००९९४८	क. वि.	५९ २७० ३५ ८
२४ १ चं	५३१५	१८८४७	२३ २९९०९०८	-१ ४९ १	१८६०९७३	००९९६	३२-२	००९९४५	५९ २७० ३५ १८	-३८
२५ २ मं	५३१६	१८९४६	३७ २९००८९४	१ ४८ २२	१८७०९६९	००९९७	३२-२	००९९४२	५९ २७० ३५ २८	३९
२६ ३ बु	५३१७	१९०४५	३९ २९१०८८९	१ ४७ ४०	१८८०९६६	००९९७	३२-२	००९९३९	५९ २७० ३५ ३८	३९
२७ ४ गु	५३१८	१९१४४	४८ २९२०८६५	१ ४६ ५७	१८९०९६४	००९९९	३२-२	००९९३७	५९ २७० ३५ ४७	३९
२८ ५ शु	५३१९	१९२४३	५६ २९३०८५०	१ ४६ १	१९००९६३	००९९९	३२-२	००९९३४	५९ २७० ३५ ५७	३९
२९ ६ श	५३२०	१९३४३	४ २९४०८३६	१ ४५ २४	१९१०९६२	००९९९	३२-२	००९९३२	५९ २७० ३५ ७	४०
३० ७ र	५३२१	१९४४२	१२ २९५०८२२	१ ४४ ३५	१९२०९६१	००००	३२-२	००९९२९	५९ २७० ३५ १७	४०
३१ ८ चं	५३२२	१९५४१	२० २९६०८०७	-१ ४३ ४३	१९३०९६१	१०००	३२-२	००९९२६	५९ २८० ३५ २७	-४०
१ ९ मं	५३२३	१९६४०	२९ २९७०७९३	१ ४२ ५०	१९४०९६१	१०००	३२-२	००९९२४	५९ २८० ३५ ३७	४०
२ १० बु	५३२४	१९७४०	३७ २९८०७७८	१ ४१ ५५	१९५०९६२	१०००	३२-३	००९९२१	५९ २८० ३५ ४७	४०
३ ११ गु	५३२५	१९८४०	४५ २९९०७६४	१ ४० ५८	१९६०९६३	१०००	३२-३	००९९१९	५९ २८० ३५ ५६	४०
४ १२ शु	५३२६	१९९४०	५३ ३०००७५०	१ ४० ०	१९७०९६५	१०००	३२-३	००९९१७	५९ २८० ३५ ७	४१
५ १३ श	५३२७	२००४०	६३ ३०१०७३५	१ ३८ ५९	१९८०९६७	१०००	३२-३	००९९१४	५९ २८० ३५ १६	४१
६ १४ र	५३२८	२०१४०	७३ ३०२०७११	१ ३७ ४८	१९९०९६७	१०००	३२-३	००९९११	५९ २८० ३५ २६	४१
७ १५ चं	५३२९	२०२४५	८३ ३०३०७०६	१ ३६ ५४	२०००९६३	१०००	३२-३	००९९०९	५९ २९० ३५ ३३	४०
८ १६ मं	५३३०	२०३४४	९३ ३०४०६९२	-१ ३५ ४८	२०१०९६७	१०००	३२-३	००९९०७	५९ २९० ३५ ४६	-४०
९ १७ बु	५३३१	२०४४३	९३ ३०५०६७८	१ ३४ ४०	२०२०९६१	१०००	३२-३	००९९०४	५९ २९० ३५ ५६	४०
१० १८ गु	५३३२	२०५४२	९३ ३०६०६८३	१ ३३ ३१	२०३०९६६	१०००	३२-३	००९९०२	५९ २९० ३६ ५	४०
११ १९ शु	५३३३	२०६४१	९३ ३०७०६४९	१ ३२ २०	२०४०९६९	१०००	३२-३	००९९००	५९ २९० ३६ १५	४०
१२ २० श	५३३४	२०७४०	९३ ३०८०६३४	१ ३१ ८	२०५०९६८	१०००	३२-३	००९८९७	५९ २९० ३६ २५	४०
१३ २१ र	५३३५	२०८४०	९३ ३०९०६२७	१ २९ ५२	२०६०००४	१०००	३२-४	००९८९५	५९ २९० ३६ ३५	४०
१४ २२ चं	५३३६	२०९४०	९३ ३१००६०६	१ २८ ३६	२०७००११	१०००	३२-४	००९८९३	५९ २९० ३६ ४५	३९
१५ २३ मं	५३३७	२१०४०	९३ ३११०५९१	-१ २७ २०	२०८००१८	१०००	३२-४	००९८९०	५९ ३०० ३६ ५५	-३९
१६ २४ बु	५३३८	२११४०	९३ ३१२०५७७	१ २६ ५९	२०९००२६	१०००	३२-४	००९८८८	५९ ३०० ३६ ५	३९
१७ २५ गु	५३३९	२१२४०	९३ ३१३०५६२	१ २४ ३७	२१०००३४	१०००	३२-४	००९८८६	५९ ३०० ३६ १४	३८
१८ २६ शु	५३४०	२१३४५	९३ ३१४०५४८	१ २३ १६	२११००४२	१०००	३२-४	००९८८४	५९ ३०० ३६ २४	३८
१९ २७ श	५३४१	२१४४४	९३ ३१५०५३४	१ २१ ५३	२१२००५१	१०००	३२-४	००९८८२	५९ ३०० ३६ ३४	३७
२० २८ र	५३४२	२१५४४	९३ ३१६०५१९	१ २० २७	२१३००६०	१०००	३२-४	००९८८०	५९ ३०० ३६ ४४	३७
२१ २९ चं	५३४३	२१६४३	९३ ३१७०५०५	१ १९ ०	२१४००७०	१०००	३२-४	००९८७८	५९ ३०० ३६ ५४	३६

सूर्य

५९

अक्टूबर नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	सायन स्यष्टसूर्य	सा.स्य.र. विषुवांश	दिन गति	स्य. रवि विषुव काल	दिन गति	सा.स्य.र. कार्ति	दिन गति	इन्दौर शहर का स्थानिक					
								याम्योत्तर लघन काल.		चर	नतांश	दशांगुल छाया	
अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	प	अं. क.	अं. क.	घटि	पल	स्टैं. मं.	घटि	पल	अं. क.
२३	२०८ ५८	२०६ ५५०	५८ ३४ २९	१०	-११ ७०	२१	१४ २२	१४ २२	१२ १२	० ४७	६३३ ५१		७ ६०३१
२४	२०९ ५८	२०७ ५३०	५७ ३४ ३९	९	११ २८०	२१	१४ २२	१४ २२	१२ १२	० ४९	३४ १४		६०८०
२५	२१० ५८	२०८ ५००	५७ ३४ ४८	१०	११ ४९०	२०	१४ २१	१४ २१	१२ ११	० ५०	३४ ३३		६०८९
२६	२११ ५७	२०९ ४७०	५७ ३४ ५८	९	१२ १०	२१	१४ २१	१४ २१	१२ ११	० ५२	३४ ५३		६०९७
२७	२१२ ५७	२१० ४४०	५८ ३५ ७	१०	१२ ३००	२०	१४ २१	१४ २१	१२ ११	० ५३	३५ १४		७००६
२८	२१३ ५७	२११ ४१०	५८ ३५ १७	१०	१२ ५००	२०	१४ २१	१४ २१	१२ ११	० ५५	३५ ३४		७०१५
२९	२१४ ५७	२१२ ४००	५८ ३५ २७	९	१३ १००	२०	१४ २०	१४ २०	१२ ११	० ५६	३५ ५४		७०२४
३०	२१५ ५७	२१३ ३८०	५९ ३५ ३६	१०	१३ ३००	२०	१४ २०	१४ २०	१२ ११	० ५८	३६ १४		७०३३
३१	२१६ ५७	२१४ ३७०	५८ ३५ ४६	१०	-१३ ५००	२०	१४ २०	१४ २०	१२ ११	० ५९	३६ ३४		७०४२
१	२१७ ५७	२१५ ३५०	५९ ३५ ५६	१०	१४ १००	१९	१४ २०	१४ २०	१२ ११	१ ०	३६ ५४		७०५१
२	२१८ ५७	२१६ ३४०	५८ ३६ ६	९	१४ २९०	१९	१४ २०	१४ २०	१२ ११	१ २	३७ १३		७०५९
३	२१९ ५७	२१७ ३२०	५९ ३६ १५	१०	१४ ४८०	१९	१४ २०	१४ २०	१२ ११	१ ४	३७ ३२		७०६८
४	२२० ५७	२१८ ३१०	० ३६ २५	१०	१५ ७०	१९	१४ १९	१४ १९	१२ ११	१ ५	३७ ५१		७०७७
५	२२१ ५८	२१९ ३००	० ३६ ३५	१०	१५ २६०	१८	१४ १९	१४ १९	१२ ११	१ ७	३८ १०		७०८६
६	२२२ ५८	२२० २९०	५९ ३६ ४५	१०	१५ ४४०	१८	१४ १९	१४ १९	१२ ११	१ ८	३८ २८		७०९४
७	२२३ ५८	२२१ २८०	० ३६ ५५	१०	१६ २०	१८	१४ २०	१४ २०	१२ ११	१ १०	३८ ४६		८००३
८	२२४ ५८	२२२ २७०	० ३७ ५	१०	-१६ २००	१७	१४ २०	१४ २०	१२ ११	१ ११	३९ ४		८०१२
९	२२५ ५८	२२३ २६०	१ ३७ १५	१०	१६ ३७०	१८	१४ २०	१४ २०	१२ ११	१ १२	३९ २१		८०२०
१०	२२६ ५९	२२४ २५०	१ ३७ २५	११	१६ ५५०	१७	१४ २०	१४ २०	१२ ११	१ १३	३९ ३९		८०२९
११	२२७ ५९	२२५ २४०	१ ३७ ३५	१०	१७ १२०	१६	१४ २०	१४ २०	१२ ११	१ १५	३९ ५६		८०३७
१२	२२८ ५९	२२६ २३०	१ ३७ ४५	११	१७ २८०	१६	१४ २०	१४ २०	१२ ११	१ १६	४० १२		८०४५
१३	२२९ ०	२२७ २२०	१ ३७ ५५	११	१७ ४४०	१६	१४ २०	१४ २०	१२ ११	१ १७	४० २८		८०५३
१४	२३० ०	२२८ २१०	२ ३८ ६	१०	१८ ००	१६	१४ २१	१४ २१	१२ ११	१ १८	४० ४४		८०६१
१५	२३१ ०	२२९ २००	२ ३८ १६	१०	-१८ १६०	१६	१४ २१	१४ २१	१२ ११	१ २०	४१ ०		८०६९
१६	२३२ ०	२३० १९०	२ ३८ २६	११	१८ ३२०	१५	१४ २१	१४ २१	१२ ११	१ २१	४१ १६		८०७७
१७	२३३ ०	२३१ १८०	२ ३८ ३७	१०	१८ ४७०	१५	१४ २२	१४ २२	१२ १२	१ २२	४१ ३१		८०८५
१८	२३४ ०	२३२ १७०	३ ३८ ४७	१०	१९ २०	१४	१४ २२	१४ २२	१२ १२	१ २४	४१ ४६		८०९३
१९	२३५ ०	२३३ १६०	३ ३८ ५७	११	१९ १६०	१४	१४ २३	१४ २३	१२ १२	१ २५	४२ ०		९०००
२०	२३६ ०	२३४ १५०	३ ३९ ८	११	१९ ३२०	१४	१४ २३	१४ २३	१२ १२	१ २६	४२ १४		९००८
२१	२३७ ०	२३५ १४०	२ ३९ १८	११	१९ ४४०	१३	१४ २४	१४ २४	१२ १३	-१ २७	४२ २८		९०१५

नवम्बर-डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि विंश	मंद कर्ण	अयनश २२ अंश	रवि म. म. विषुव कोल	उदय तर
२१	३० चं	५३४३	अ. क. बि. २१६ २३ १२	३१७.५०५	१ १९ ०	२१५.०७०	१.०१०	क. ३२.४	०.९८७८	क. बि. ५९ ३०.८	घ. प. ३९ ५४	पल ३६
२२	१ मं	५३४४	२१७ २२ २१	३१८.४९०	१ १७ ३०	२१६.०८०	१.०११	३२.४	०.९८७६	५९ ३०.९४०	४	३५
२३	१ बु	५३४५	२१८ २१ २९	३१९.४७६	१ १६ १	२१७.०९१	१.०११	३२.४	०.९८७४	५९ ३१.०४०	१४	३५
२४	२ शु	५३४६	२१९ २० ३७	३२०.४६१	१ १४ २८	२१८.१०२	१.०११	३२.४	०.९८७२	५९ ३१.१४०	२३	३४
२५	३ श्रु	५३४७	२२० १९ ४५	३२१.४४४	१ १२ ५७	२१९.११३	१.०१२	३२.४	०.९८७०	५९ ३१.२४०	३३	३३
२६	४ श	५३४८	२२१ १८ ५३	३२२.४३२	१ ११ २२	२२०.१२५	१.०१२	३२.४	०.९८६८	५९ ३१.३४०	४३	३३
२७	५ र	५३४९	२२२ १८ १	३२३.४१८	१ ९ ४७	२२१.१३७	१.०१२	३२.४	०.९८६६	५९ ३१.४४०	५३	३२
२८	६ चं	५३५०	२२३ १७ १०	३२४.४०४	१ ८ ९	२२२.१५०	१.०१३	३२.४	०.९८६४	५९ ३१.५४१	६३	३१
२९	७ मं	५३५१	२२४ १६ १८	३२५.३९१	१ ६ ३४	२२३.१६३	१.०१३	३२.४	०.९८६३	५९ ३१.६४१	७३	३०
३०	८ बु	५३५२	२२५ १५ २६	३२६.३७७	१ ४ ५३	२२४.१७६	१.०१३	३२.४	०.९८६१	५९ ३१.७४१	८३	२९
१	९ शु	५३५३	२२६ १४ ३४	३२७.३६०	१ ३ १३	२२५.१८९	१.०१३	३२.४	०.९८६०	५९ ३१.८४१	९३	२९
२	१० श्रु	५३५४	२२७ १३ ४२	३२८.३४६	१ १ ३०	२२६.२०३	१.०१४	३२.४	०.९८५८	५९ ३१.९४१	१०३	२८
३	११ श	५३५५	२२८ १२ ५१	३२९.३३२	० ५९ ४८	२२७.२१७	१.०१४	३२.४	०.९८५६	५९ ३२.०४१	११३	२७
४	१२ र	५३५६	२२९ ११ ५९	३३०.३१७	० ५८ ४	२२८.२३२	१.०१५	३२.४	०.९८५५	५९ ३२.१४२	१२३	२६
५	१३ चं	५३५७	२३० ११ ७	३३१.३०३	० ५६ १६	२२९.२४७	१.०१५	३२.४	०.९८५३	५९ ३२.२४२	१३३	२५
६	१४ मं	५३५८	२३१ १० १५	३३२.२८८	० ५४ ३२	२३०.२६२	१.०१५	३२.४	०.९८५२	५९ ३२.३४२	१४३	२४
७	१५ बु	५३५९	२३२ ९ २३	३३३.२७४	० ५२ ४४	२३१.२७७	१.०१५	३२.४	०.९८५१	५९ ३२.४४२	१५३	२३
८	१६ शु	५३६०	२३३ ८ ३१	३३४.२६०	० ५० ५७	२३२.२९३	१.०१६	३२.४	०.९८४९	५९ ३२.५४२	१६३	२२
९	१७ श्रु	५३६१	२३४ ७ ४०	३३५.२४५	० ४९ ८	२३३.३०९	१.०१६	३२.४	०.९८४८	५९ ३२.६४२	१७३	२१
१०	१८ श	५३६२	२३५ ६ ४८	३३६.२३१	० ४७ १८	२३४.३२५	१.०१६	३२.४	०.९८४७	५९ ३२.७४३	१८३	२०
११	१९ र	५३६३	२३६ ५ ५६	३३७.२१६	० ४५ २८	२३५.३४१	१.०१७	३२.४	०.९८४६	५९ ३२.८४३	१९३	१९
१२	२० चं	५३६४	२३७ ५ ४	३३८.२०२	० ४३ ३६	२३६.३५८	१.०१७	३२.४	०.९८४५	५९ ३२.९४३	२०३	१८
१३	२१ मं	५३६५	२३८ ४ १३	३३९.१८८	० ४१ ४४	२३७.३७५	१.०१७	३२.४	०.९८४४	५९ ३३.०४३	२१३	१६
१४	२२ बु	५३६६	२३९ ३ २१	३४०.१७३	० ३९ ५०	२३८.३८२	१.०१७	३२.४	०.९८४३	५९ ३३.१४३	२२३	१५
१५	२३ शु	५३६७	२४० २ २९	३४१.१५९	० ३७ ५७	२३९.४०९	१.०१८	३२.४	०.९८४२	५९ ३३.२४३	२३३	१४
१६	२४ श्रु	५३६८	२४१ १ ३०	३४२.१४४	० ३६ ०	२४०.४२५	१.०१८	३२.४	०.९८४१	५९ ३३.३४३	२४३	१३
१७	२५ श	५३६९	२४२ ० ४५	३४३.१३०	० ३४ ५	२४१.४४४	१.०१८	३२.४	०.९८४०	५९ ३३.४४३	२५३	१२
१८	२६ र	५३७०	२४३ ५९ ५४	३४४.११६	० ३२ ८	२४२.४६२	१.०१९	३२.४	०.९८३९	५९ ३३.५४३	२६३	१०
१९	२७ चं	५३७१	२४३ ५९ २	३४५.१०१	० ३० १३	२४३.४८०	१.०१९	३२.४	०.९८३८	५९ ३३.६४३	२७३	९
२०	२८ मं	५३७२	२४४ ५८ १०	३४६.०८७	० २८ १६	२४४.४९८	१.०१९	३२.४	०.९८३८	५९ ३३.७४३	२८३	८
२१	२९ बु	५३७३	२४४ ५७ १८	३४७.०७२	० २६ १८	२४५.५१७	१.०१९	३२.४	०.९८३७	५९ ३३.८४३	२९३	६

सूर्य

६१

नवंबर—डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्य का वेध गणित ।

ता.	सायन		सा.स.र.	दिन गति	स्प. रवि विषुव काल	दि. ऋति	सा.स.र.		दिन गति	इन्दौर शहर का स्थानिक						नताश	दशांगुल छाया	
	सूर्य	विषुव					अ.	क.		अ.	क.	याम्योत्तर	लघन काल	चर	घटि पल			अं. क.
२१	२३८	४	२३५ ४९	१	२	३९ १८ ११	—	१९ ४४	० १३	१४	२४	१२	१३	१	२७ ४४२	२८	३९-१५	
२२	२३९	४	२३६ ५६	१	३	३९ २९ १०	१९ ५७	० १३	१४	२५	१२	१३	१	२८	४२	४१	९-२२	
२३	२४०	५	२३७ ५४	१	४	३९ ३९ ११	२० १०	० १३	१४	२५	१२	१३	१	२९	४२	५४	९-२९	
२४	२४१	६	२३८ ५८	१	५	३९ ५० १०	२० २३	० १२	१४	२६	१२	१३	१	३०	४३	७	९-३६	
२५	२४२	६	२४० १	१	६	४० ० ११	२० ३५	० १२	१४	२७	१२	१४	१	३१	४३	१९	९-४३	
२६	२४३	७	२४१ ४	१	७	४० ११ ११	२० ४७	० १२	१४	२७	१२	१४	१	३२	४३	३१	९-५०	
२७	२४४	८	२४२ ९	१	४	४० २२ १०	२० ५९	० ११	१४	२८	१२	१४	१	३३	४३	४३	९-५६	
२८	२४५	९	२४३ १३	१	४	४० ३२ ११	२१ १०	० ११	१४	२९	१२	१४	१	३४	४३	५४	९-६२	
२९	२४६	९	२४४ १७	१	४	४० ४३ ११	२१ २१	० १०	१४	३०	१२	१५	१	३५	४४	५	९-६९	
३०	२४७	१०	२४५ २१	१	५	४० ५४ १०	—	२१ ३१	० १०	१४	३१	१२	१५	१	३६	४४	१५	९-७४
१	२४८	११	२४६ २६	१	४	४१ ४ ११	२१ ४१	० ९	१४	३१	१२	१५	१	३६	४४	२५	९-८०	
२	२४९	१२	२४७ ३०	१	५	४१ १५ ११	२१ ५०	० ९	१४	३२	१२	१६	१	३७	४४	३५	९-८५	
३	२५०	१३	२४८ ३५	१	५	४१ २६ ११	२२ ५९	० ९	१४	३३	१२	१६	१	३७	४४	४५	९-९०	
४	२५१	१३	२४९ ४०	१	५	४१ ३७ ११	२२ ८	० ८	१४	३४	१२	१७	१	३९	४४	५२	९-९५	
५	२५२	१४	२५० ४५	१	५	४१ ४८ १०	२२ १६	० ८	१४	३५	१२	१७	१	३९	४५	०	९-१००	
६	२५३	१५	२५१ ५०	१	६	४१ ५८ ११	२२ २४	० ७	१४	३६	१२	१७	१	४०	४५	८	९-१०५	
७	२५४	१६	२५२ ५६	१	५	४२ ९ ११	२२ ३१	० ७	१४	३७	१२	१८	१	४०	४५	१५	९-१०९	
८	२५५	१७	२५४ १	१	६	४२ २० ११	—	२२ ३८	० ७	१४	३८	१२	१८	१	४१	४५	२२	९-११३
९	२५६	१८	२५५ ७	१	६	४२ ३१ ११	२२ ४५	० ६	१४	३९	१२	१९	१	४१	४५	२९	९-११७	
१०	२५७	१९	२५६ १३	१	६	४२ ४१ ११	२२ ५१	० ५	१४	४०	१२	१९	१	४२	४५	३५	९-१२१	
११	२५८	२०	२५७ १९	१	६	४२ ५३ ११	२२ ५६	० ५	१४	४१	१२	१९	१	४२	४५	४०	९-१२४	
१२	२५९	२१	२५८ २५	१	६	४३ ४ ११	२३ १	० ४	१४	४२	१२	२०	१	४३	४५	४५	९-१२७	
१३	२६०	२२	२५९ ३१	१	६	४३ १५ ११	२३ ६	० ४	१४	४३	१२	२०	१	४३	४५	५०	९-१३०	
१४	२६१	२३	२६० ३७	१	७	४३ २६ ११	—	२३ १०	० ४	१४	४५	१२	२१	१	४३	४५	५४	९-१३२
१५	२६२	२४	२६१ ४४	१	६	४३ ३७ ११	२३ १४	० ३	१४	४६	१२	२१	१	४४	४५	५८	९-१३४	
१६	२६३	२५	२६२ ५०	१	६	४३ ४८ ११	२३ १७	० ३	१४	४७	१२	२२	१	४४	४६	१	९-१३६	
१७	२६४	२६	२६३ ५६	१	७	४३ ५९ १०	२३ २०	० २	१४	४८	१२	२२	१	४४	४६	६	९-१३८	
१८	२६५	२७	२६४ ३	१	६	४४ १० १०	२३ २२	० २	१४	५०	१२	२३	१	४४	४६	११	९-१३९	
१९	२६६	२८	२६६ ९	१	७	४४ २१ ११	२३ २४	० १	१४	५१	१२	२४	१	४५	४६	८	९-१४०	
२०	२६७	२९	२६७ १६	१	७	४४ ३३ ११	२३ २५	० १	१४	५२	१२	२४	१	४५	४६	९	९-१४१	
२१	२६८	३१	२६८ २३	१	७	४४ ४४ ११	२३ २६	० १	१४	५४	१२	२५	१	४५	४६	१०	९-१४२	

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ.

पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध मणित ।

ता.	ति.वा.	प्रमाणकर दिनमण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि चिब	मंद कर्ण	अयनांश २२ अंश	रवि सा. म. विषुव काल	उदयान
२१	३०	बु ५३७३	अं. क. वि			अं. क. वि.	अं.	क.		क. वि.	घ. प.	पल
२१	३०	बु ५३७३	२४५ ५७ १८	३४७ ०७२	० २६ १८	२४५ ५७ १७	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३७	५९ ३४ ७	४४ ५०	६
२२	१	शु ५३७४	२४६ ५६ २६	३४८ ०५८	- ० २४ २०	२४६ ५६ २६	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३६	५९ ३४ ७	४४ ५०	५
२३	२	शु ५३७५	२४७ ५५ ३५	३४९ ०४४	० २२ २२	२४७ ५५ ४४	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३५	५९ ३४ ७	४४ ५०	४
२४	३	शु ५३७६	२४८ ५४ ४३	३५० ०२९	० २० २१	२४८ ५४ ७३	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३५	५९ ३४ ७	४४ ५०	३
२५	४	शु ५३७७	२४९ ५३ ५२	३५१ ०१५	० १८ २१	२४९ ५३ ९१	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३४	५९ ३४ ७	४४ ५०	२
२६	५	शु ५३७८	२५० ५२ ५९	३५२ ०००	० १६ २२	२५० ५२ ५९	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३३	५९ ३४ ७	४४ ५०	१
२७	६	शु ५३७९	२५१ ५२	३५३ ०१६	० १४ २२	२५१ ५२ ५९	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३३	५९ ३४ ७	४४ ५०	२
२८	७	शु ५३८०	२५२ ५१ १६	३५३ ०३७	० १२ २२	२५२ ५१ ४८	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३३	५९ ३४ ७	४४ ५०	३
२९	८	शु ५३८१	२५३ ५० २४	३५४ ०५७	० १० २१	२५३ ५० ५७	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३३	५९ ३४ ७	४४ ५०	४
३०	९	शु ५३८२	२५४ ४९ ३२	३५५ ०७३	- ० ८ १८	२५४ ४९ ८७	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	५
३१	१०	शु ५३८३	२५५ ४८ ४०	३५६ ०९८	० ६ १८	२५५ ४८ ९७	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	६
१	११	शु ५३८४	२५६ ४७ ४७	३५७ १२४	० ४ १७	२५६ ४७ १२५	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	७
२	१२	शु ५३८५	२५७ ४६ ५६	३५८ १५०	० २ १६	२५७ ४६ ५६	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	८
३	१३	शु ५३८६	२५८ ४६	३५९ १८५	- ० ० १४	२५८ ४६ ५६	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	९
४	१४	शु ५३८७	२५९ ४५ १३	३६० ०२१	+ ० १ ४७	२५९ ४५ १३	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	१०
५	१५	शु ५३८८	२६० ४४ २१	३६० ५६	० ३ ४८	२६० ४४ २१	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	११
६	१६	शु ५३८९	२६१ ४३ २९	३६१ ५१	+ ० ५ ५१	२६१ ४३ २९	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	१२
७	१७	शु ५३९०	२६२ ४२ ३७	३६२ ५८	० ७ ५२	२६२ ४२ ३७	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	१३
८	१८	शु ५३९१	२६३ ४१ ४६	३६३ ६३	० ९ ५३	२६३ ४१ ४६	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	१४
९	१९	शु ५३९२	२६४ ४० ५५	३६४ ७१	० ११ ५३	२६४ ४० ५५	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	१५
१०	२०	शु ५३९३	२६५ ४०	३६५ ८४	० १३ ५३	२६५ ४० ५५	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	१६
११	२१	शु ५३९४	२६६ ३९ १०	३६६ ९७	० १५ ५३	२६६ ३९ १०	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	१७
१२	२२	शु ५३९५	२६७ ३८ १८	३६७ १०६	० १७ ५३	२६७ ३८ १८	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	१८
१३	२३	शु ५३९६	२६८ ३७ २७	३६८ ११५	+ ० १९ ५५	२६८ ३७ २७	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	१९
१४	२४	शु ५३९७	२६९ ३६ ३५	३६९ १२४	० २१ ५४	२६९ ३६ ३५	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	२०
१५	२५	शु ५३९८	२७० ३५ ४३	३७० १३२	० २३ ५२	२७० ३५ ४३	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	२१
१६	२६	शु ५३९९	२७१ ३४ ५२	३७१ १४०	० २५ ५०	२७१ ३४ ५२	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	२२
१७	२७	शु ५४००	२७२ ३३ ५९	३७२ १४८	० २७ ४८	२७२ ३३ ५९	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	२३
१८	२८	शु ५४०१	२७३ ३३	३७३ १५६	० २९ ४५	२७३ ३३ ५९	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	२४
१९	२९	शु ५४०२	२७४ ३२ ४६	३७४ १६५	० ३१ ४०	२७४ ३२ ४६	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	२५
२०	३०	शु ५४०३	२७५ ३२ २४	३७५ १७४	० ३३ ३८	२७५ ३२ २४	१ ० १९	३२ ५	० १८ ३२	५९ ३४ ७	४४ ५०	२६

सूर्य

६३

दिसंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पोष शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	सायन		सा.स्व.र.		दिन गति	स्व.रवि		लं.	क्रांति	सा.स्व.र.		दिन गति	इन्दौर शहर का स्थानिक					दशगुल छाया			
	स्यस्यै		विषुवांश			विषुव काल				क्रांति			याम्योत्तर	लघन काल	चर	नताश					
	अं	क	अं	क	अं	क	घ	प	पल	अं	क	अं	क	घ	प	है	म	घ	प	अं	क
२१	२६८	३१	२६८	२३	१	७	४४	४४	११	२३	२६	०	१	१४	५४	१२	२५	१	४५	४५	१०
२२	२६९	३२	२६९	३०	१	७	४४	५५	११	२३	२७	०	०	१४	५५	१२	२५	१	४५	४६	११
२३	२७०	३३	२७०	३७	१	६	४५	६	११	२३	२७	०	१	१४	५६	१२	२६	१	४५	४६	११
२४	२७१	३४	२७१	४३	१	६	४५	१७	११	२३	२६	०	१	१४	५८	१२	२७	१	४५	४६	१०
२५	२७२	३५	२७२	४९	१	६	४५	२८	११	२३	२५	०	२	१४	५९	१२	२७	१	४५	४६	१०
२६	२७३	३६	२७३	५५	१	७	४६	३९	११	२३	२४	०	२	१५	६०	१२	२७	१	४५	४६	१०
२७	२७४	३७	२७४	६२	१	६	४५	५०	११	२३	२२	०	२	१५	६०	१२	२८	१	४५	४६	१०
२८	२७५	३८	२७५	६८	१	७	४६	६१	११	२३	२०	०	३	१५	६१	१२	२८	१	४५	४६	१०
२९	२७६	४०	२७६	७५	१	७	४६	७२	११	२३	१७	०	४	१५	६१	१२	२९	१	४५	४६	१०
३०	२७७	४१	२७७	८२	१	६	४६	८४	११	२३	१३	०	४	१५	६१	१२	२९	१	४४	४५	१०
३१	२७८	४२	२७८	८८	१	६	४६	९५	११	२३	९	०	४	१५	६१	१२	३०	१	४४	४५	१०
१	२७९	४३	२८०	९५	१	६	४६	१०६	११	२३	५	०	४	१५	६१	१२	३१	१	४४	४५	१०
२	२८०	४४	२८१	१००	१	६	४६	११७	११	२३	१	०	५	१५	६१	१२	३१	१	४३	४५	१०
३	२८१	४५	२८२	१०६	१	६	४७	८	११	२२	५६	०	६	१५	६०	१२	३१	१	४३	४५	१०
४	२८२	४७	२८३	११५	१	५	४७	१९	११	२२	५०	०	६	१५	६१	१२	३२	१	४२	४५	१०
५	२८३	४८	२८४	१२५	१	६	४७	३०	११	२२	४४	०	७	१५	६२	१२	३२	१	४२	४५	१०
६	२८४	४९	२८६	१३५	१	६	४७	४१	११	२२	३७	०	७	१५	६३	१२	३३	१	४१	४५	१०
७	२८५	५०	२८७	१४५	१	५	४७	५२	११	२२	३०	०	७	१५	६५	१२	३४	१	४०	४५	१०
८	२८६	५१	२८८	१५५	१	६	४८	६३	११	२२	२३	०	८	१५	६६	१२	३४	१	४०	४५	१०
९	२८७	५२	२८९	१६५	१	६	४८	७४	११	२२	१५	०	८	१५	६७	१२	३५	१	३९	४५	१०
१०	२८८	५३	२९०	१७५	१	५	४८	८५	११	२२	७	०	९	१५	६८	१२	३५	१	३८	४५	१०
११	२८९	५५	२९१	१८५	१	५	४८	९६	१०	२१	५८	०	९	१५	६९	१२	३५	१	३७	४५	१०
१२	२९०	५६	२९२	१९५	१	५	४८	१०६	११	२१	५१	०	९	१५	७०	१२	३५	१	३७	४५	१०
१३	२९१	५७	२९३	२०५	१	५	४८	११७	११	२१	४०	०	१०	१५	७१	१२	३५	१	३६	४५	१०
१४	२९२	५८	२९४	२१५	१	४	४८	१२८	११	२१	३०	०	११	१५	७२	१२	३६	१	३५	४५	१०
१५	२९३	५९	२९५	२२५	१	५	४९	१३९	११	२१	१९	०	११	१५	७३	१२	३६	१	३४	४५	१०
१६	२९४	०	२९६	२३५	१	४	४९	१५०	१०	२१	८	०	११	१५	७४	१२	३७	१	३३	४५	१०
१७	२९५	१	२९७	२४५	१	४	४९	१६०	११	२०	५७	०	१२	१५	७५	१२	३७	१	३२	४५	१०
१८	२९६	२	२९९	२५५	१	५	४९	१७१	११	२०	४५	०	१२	१५	७६	१२	३७	१	३१	४५	१०
१९	२९८	४	३००	२६५	१	४	५०	१८२	१०	२०	३३	०	१२	१५	७७	१२	३७	१	३०	४५	१०
२०	२९९	५	३०१	२७५	१	३	५०	१९३	११	२०	२१	०	१३	१५	७८	१२	३८	१	२९	४५	१०

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुद्ध और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि विंब	मंद कर्ण	अयनांश २२ अंश	वि. मं. सो.	ल. क. प.	उदय, तर
२०	शु	५४०३	अ. क. वि २७५ ३१ २४	अ १६०४०	अ. क. वि ० ३३ ३८	अ २७६०८४	अ १.० १८	क ३२.६	०.९८४०	क. वि ५९ ३८.७	घ. प. ४९ ४५	पल २८	
२१	र	५४०४	२७६ ३० ३२	१७०४६	+० ३५ ३५	२७७१.१०	१.० १७	३२.६	०.९८४१	५९ ३८.८	४९ ४५	२९	
२२	र	५४०५	२७७ २९ ४०	१८०४१	० ३७ ३०	२७८.११९	१.० १८	३२.६	०.९८४२	५९ ३८.९	५० ५	३०	
२३	र	५४०६	२७८ २८ ४९	१९०५९	० ३९ २४	२७९.१३७	१.० १७	३२.६	०.९८४३	५९ ३९.०	५० १५	३१	
२४	म	५४०७	२८९ २७ ५७	२००५८	० ४१ १८	२८०.१५४	१.० १७	३२.५	०.९८४४	५९ ३९.२	५० २५	३२	
२५	प	५४०८	२८० २७ ५	२००५८	० ४३ १०	२८१.१७१	१.० १७	३२.५	०.९८४५	५९ ३९.३	५० ३४	३२	
२६	शु	५४०९	२८१ २६ १३	२०५५४	० ४५ १	२८२.१८८	१.० १६	३२.५	०.९८४६	५९ ३९.५	५० ४४	३३	
२७	शु	५४१०	२८२ २५ २१	२३५४०	० ४६ ५२	२८३.२०४	१.० १६	३२.५	०.९८४७	५९ ३९.६	५० ५४	३३	
२८	शु	५४११	२८३ २४ २४	२४५२५	० ४८ ४४	२८४.२२०	१.० १६	३२.५	०.९८४८	५९ ३९.७	५१ ४	३३	
२९	र	५४१२	२८४ २३ ३८	२५५११	+० ५० ३३	२८५.२३६	१.० १६	३२.५	०.९८४९	५९ ३९.८	५१ १४	३४	
३०	र	५४१३	२८५ २२ ४६	२६५९६	० ५२ २१	२८६.२५२	१.० १६	३२.५	०.९८५०	५९ ४०.०	५१ २४	३४	
३१	र	५४१४	२८६ २१ ५४	२७५८२	० ५४ ७	२८७.२६८	१.० १५	३२.५	०.९८५१	५९ ४०.१	५१ २४	३४	
१	र	५४१५	२८७ २१ २	२८५६८	० ५५ ५२	२८८.२८३	१.० १५	३२.५	०.९८५२	५९ ४०.२	५१ ४३	३५	
२	र	५४१६	२८८ २० १०	२९५५३	० ५४ ३९	२८९.२९८	१.० १४	३२.५	०.९८५३	५९ ४०.३	५१ ५३	३५	
३	र	५४१७	२८९ १९ १९	३०५४९	० ५९ २४	२९०.३१२	१.० १४	३२.५	०.९८५४	५९ ४०.५	५२ ३	३५	
४	र	५४१८	२९० १८ २७	३१५२४	१ १ ७	२९१.३२६	१.० १४	३२.५	०.९८५५	५९ ४०.६	५२ १३	३६	
५	र	५४१९	२९१ १७ ३५	३२५१०	+१ २ ४९	२९२.३४०	१.० १४	३२.५	०.९८५६	५९ ४०.७	५२ २३	३६	
६	र	५४२०	२९२ १६ ४३	३३५०६	१ ४ ३९	२९३.३५४	१.० १३	३२.५	०.९८५७	५९ ४०.९	५२ ३३	३६	
७	र	५४२१	२९३ १५ ५१	३४५०१	१ ६ ८	२९४.३६७	१.० १३	३२.५	०.९८५८	५९ ४१.०	५२ ४३	३६	
८	र	५४२२	२९४ १५ ०	३५५०७	१ ७ ४७	२९५.३८०	१.० १२	३२.५	०.९८५९	५९ ४१.२	५२ ५२	३६	
९	र	५४२३	२९५ १४ ८	३६५१२	१ ९ २५	२९६.३९२	१.० १२	३२.५	०.९८६०	५९ ४१.३	५२ ५३	३६	
१०	र	५४२४	२९६ १३ १६	३७५१८	१ ११ ०	२९७.४०४	१.० १२	३२.५	०.९८६१	५९ ४१.४	५३ १२	३७	
११	र	५४२५	२९७ १२ २४	३८५२४	+१ १२ ३४	२९८.४१६	१.० ११	३२.५	०.९८६२	५९ ४१.५	५३ २२	३७	
१२	र	५४२६	२९८ ११ ३२	३९५३०	१ १४ ०८	२९९.४२८	१.० ११	३२.५	०.९८६३	५९ ४१.७	५३ ३२	३७	
१३	र	५४२७	२९९ १० ४१	४०५३५	१ १५ ४१	३००.४३९	१.० ११	३२.४	०.९८६४	५९ ४१.८	५३ ४३	३७	
१४	र	५४२८	३०० १० ४९	४१५४०	१ १७ ११	३०१.४५०	१.० १०	३२.४	०.९८६५	५९ ४१.९	५३ ५२	३७	
१५	र	५४२९	३०१ १० ५७	४२५४६	१ १८ ३९	३०२.४६०	१.० १०	३२.४	०.९८६६	५९ ४२.०	५४ १	३७	
१६	र	५४३०	३०२ १० ५	४३५४१	१ २० ०४	३०३.४७०	१.००९	३२.४	०.९८६७	५९ ४२.२	५४ ११	३७	
१७	र	५४३१	३०३ १० ७	४४५४७	१ २१ ३२	३०४.४७९	१.००९	३२.४	०.९८६८	५९ ४२.२	५४ ११	३७	
१८	र	५४३२	३०४ १० २२	४५५५३	१ २२ ५६	३०५.४८८	१.००९	३२.४	०.९८६९	५९ ४२.३	५४ २१	३७	
१९	र	५४३३	३०५ १० ३०	४६५५८	१ २४ २०	३०६.४९७	३२.४	३२.४	०.९८७०	५९ ४२.६	५४ ४१	३८	

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य	मा स्प.र. विषुवांश	दिन गति	स्व.रवि विषुव काल	मा दिन	सा.स्व.र. क्रांति	दिनगति	इन्दौर शहर का स्थानिक									
								याम्योत्तर लघन काल					चर	ननीश	दशगुल छाया		
२०	अ क	अ क	अ क	घ प	पल	अं क	अ क	घ प	रू घ म	घ प	रू घ म	घ प	३९.३५				
२१	३००	६३०२१७	१३	५०	२३१०	२० ८	० १३	१५	२९ १२	३९	१	२८	४२ ५२	९.०८			
२२	३०१	७३०३२०	१४	५०	२३११	१९ ५५	० १४	१५	३० १२	३९	१	२७	४२ ३९	९.०१			
२३	३०२	८३०४२४	१५	५०	४४११	१९ ४१	० १४	१५	३१ १२	३९	१	२६	४२ २५	९.०१४			
२४	३०३	९३०५२७	१६	५०	५५१०	१९ २७	० १४	१५	३२ १२	४०	१	२५	४२ ११	९.०६			
२५	३०४	१०३०६३०	१७	५१	५१०	१९ १३	० १४	१५	३३ १२	४०	१	२४	४१ ५७	८.९९			
२६	३०५	११३०७३२	१८	५१	१५११	१८ ५९	० १५	१५	३४ १२	४१	१	२३	४१ ४३	८.९१			
२७	३०६	१२३०८३५	१९	५१	२६१०	१८ ४४	० १५	१५	३५ १२	४१	१	२२	४१ २८	८.८४			
२८	३०७	१३३०९३७	२०	५१	३६११	१८ २९	० १६	१५	३६ १२	४१	१	२१	४१ १३	८.७६			
२९	३०८	१४३१०३९	२१	५१	४७१०	१८ १३	० १६	१५	३७ १२	४१	१	२०	४० ५७	८.६८			
३०	३०९	१५३११४१	२२	५१	५७१०	१७ ५७	० १६	१५	३८ १२	४१	१	१९	४० ४१	८.६०			
३१	३१०	१६३१२४३	२३	५२	७१०	१७ ४१	० १७	१५	३९ १२	४१	१	१८	४० २५	८.५२			
३२	३११	१७३१३४५	२४	५२	८११	१७ २४	० १७	१५	४० १२	४१	१	१७	४० ८	८.४४			
३३	३१२	१८३१४४५	२५	५२	९८१०	१७ ७	० १७	१५	४१ १२	४१	१	१६	३९ ५१	८.३६			
३४	३१३	१९३१५४६	२६	५२	१०८१०	१६ ५०	० १८	१५	४२ १२	४१	१	१५	३९ ३४	८.२६			
३५	३१४	२०३१६४७	२७	५२	११८१०	१६ ३२	० १८	१५	४३ १२	४१	१	१४	३९ १६	८.१८			
३६	३१५	२१३१७४८	२८	५२	१२८१०	१६ १४	० १८	१५	४४ १२	४१	१	१३	३८ ५८	८.०९			
३७	३१६	२२३१८४८	२९	५३	८१०	१५ ५६	० १८	१५	४५ १२	४१	१	१२	३८ ४०	८.००			
३८	३१७	२३३१९४७	३०	५३	९८१०	१५ ४०	० १८	१५	४६ १२	४१	१	११	३८ २२	७.९२			
३९	३१८	२४३२०४७	३१	५३	१०८१०	१५ २०	० १९	१५	४७ १२	४१	१	१०	३८ ४	७.८३			
४०	३१९	२५३२१४८	३२	५३	११८१०	१५ १	० १९	१५	४८ १२	४१	१	९	३७ ४५	७.७४			
४१	३२०	२६३२२४८	३३	५३	१२८१०	१४ ४२	० १९	१५	४९ १२	४२	१	८	३७ २६	७.६५			
४२	३२१	२७३२३४८	३४	५३	१३८१०	१४ २३	० २०	१५	५० १२	४२	१	७	३७ ७	७.५७			
४३	३२२	२८३२४४७	३५	५४	१४८१०	१४ ७	० २०	१५	५१ १२	४२	१	६	३६ ४७	७.४८			
४४	३२३	२९३२५४७	३६	५४	१५८१०	१३ ४३	० २०	१५	५२ १२	४२	१	५	३६ २७	७.३९			
४५	३२४	३०३२६४७	३७	५४	१६८१०	१३ २३	० २१	१५	५३ १२	४१	१	४	३६ ७	७.३०			
४६	३२५	३१३२७४७	३८	५४	१७८१०	१३ ७	० २१	१५	५४ १२	४१	१	३	३५ ४७	७.२१			
४७	३२६	३२३२८४७	३९	५४	१८८१०	१२ ४७	० २१	१५	५५ १२	४१	१	२	३५ २७	७.१२			
४८	३२७	३३३२९४०	४०	५८	१९७१०	१२ २९	० २१	१५	५६ १२	४१	१	१	३५ ७	७.०२			
४९	३२८	३४३३०४०	४१	५८	१९१०	१२ ०	० २१	१५	५७ १२	४१	१	०	३४ ४४	६.९३			
५०	३२९	३५३३१४०	४२	५८	१९१०	११ ३९	० २१	१५	५८ १२	४१	१	०	३४ २३	६.८४			

फरवरी-मार्च सन १९३१ इ.

फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	यमाकर दिनगण	मध्यम रवि	गवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	गवि बिंब	मंद कर्ण	अपनांश २२ अंश	रवि मा. म. विषुव काल	उदय काल
१९	३० र	५४३३	३०५ ५ ३०	४६-२०८	+१ २४ २०	३०६-४९७	१-००८ ३२-४	०-९८८५	५९ ४२-६	५४ ४१	+३५	
२०	१ चं	५४३४	३०६ ४ ३८	४७-१९४	१ २५ ४२	३०७-५०५	१-००८ ३२-४	०-९८८७	५९ ४२-७	५४ ५१		२५
२१	२ मं	५४३५	३०७ ३ ४६	४८-१८०	१ २७ १	३०८-५१३	१-००८ ३२-४	०-९८८९	५९ ४२-८	५४ १		२५
२२	३ बु	५४३६	३०८ २ ५४	४९-१६६	१ २८ १९	३०९-५२०	१-००८ ३२-४	०-९८९१	५९ ४२-९	५४ १०		२५
२३	४ शु	५४३७	३०९ १ ६०	५०-१५१	१ २९ ३४	३१०-५२७	१-००८ ३२-४	०-९८९३	५९ ४३-०	५४ २०		२५
२४	५ ऋ	५४३८	३१० १ ११	५१-१३७	१ ३० ४९	३११-५३३	१-००८ ३२-४	०-९८९५	५९ ४३-१	५४ ३०		२५
२५	६ श	५४३९	३११ ० १९	५२-१२२	१ ३२ २	३१२-५३९	१-००८ ३२-४	०-९८९८	५९ ४३-२	५४ ४०		२५
२६	७ र	५४४०	३११ ५ २७	५३-१०८	१ ३३ १५	३१३-५४५	१-००८ ३२-४	०-९९००	५९ ४३-३	५४ ५०		२५
२७	८ चं	५४४१	३१२ ५ ३६	५४-०९४	+१ ३४ २४	३१४-५५०	१-००८ ३२-४	०-९९०३	५९ ४३-४	५४ ०	+३५	
२८	९ मं	५४४२	३१३ ५ ४३	५५-०७९	१ ३५ २२	३१५-५५५	१-००८ ३२-४	०-९९०६	५९ ४३-५	५४ १०		२५
२९	१० बु	५४४३	३१३ ५ ५२	५६-०६५	१ ३६ ४०	३१६-५६०	१-००८ ३२-४	०-९९०८	५९ ४३-६	५४ २०		२५
३०	११ शु	५४४४	३१४ ५ ०	५७-०५०	१ ३७ ४३	३१७-५६५	१-००८ ३२-४	०-९९११	५९ ४३-७	५४ ३०		२५
३१	१२ ऋ	५४४५	३१६ ५ ८	५८-०३६	१ ३८ ४५	३१८-५६९	१-००८ ३२-४	०-९९१३	५९ ४३-८	५४ ४०		२५
३२	१३ श	५४४६	३१७ ५ १६	५९-०२२	१ ३९ ४६	३१९-५७३	१-००८ ३२-४	०-९९१६	५९ ४३-९	५४ ५०		२५
३३	१४ र	५४४७	३१८ ५ २४	६०-००७	१ ४० ४५	३२०-५७९	१-००८ ३२-४	०-९९१८	५९ ४३-१०	५४ ०		२५
३४	१५ चं	५४४८	३१९ ५ ३३	६०-९९३	+१ ४१ ४३	३२१-५८३	१-००८ ३२-४	०-९९२१	५९ ४३-११	५४ १०	+३५	
३५	१६ मं	५४४९	३२० ५ ४१	६१-९७८	१ ४२ ३८	३२२-५८७	१-००८ ३२-४	०-९९२३	५९ ४३-१२	५४ २०		२५
३६	१७ बु	५४५०	३२१ ५ ५०	६२-९६४	१ ४३ ३२	३२३-५९१	१-००८ ३२-४	०-९९२६	५९ ४३-१३	५४ ३०		२५
३७	१८ शु	५४५१	३२२ ५ ५७	६३-९५०	१ ४४ २६	३२४-५९५	१-००८ ३२-४	०-९९२८	५९ ४३-१४	५४ ४०		२५
३८	१९ ऋ	५४५२	३२३ ५ ५	६४-९३६	१ ४५ १३	३२५-५९९	१-००८ ३२-४	०-९९३१	५९ ४३-१५	५४ ५०		२५
३९	२० श	५४५३	३२४ ५ ८	६५-९२१	१ ४६ ०	३२६-६०३	१-००८ ३२-४	०-९९३३	५९ ४३-१६	५४ ०		२५
४०	२१ र	५४५४	३२५ ५ २२	६६-९०६	१ ४६ ५५	३२७-६०७	१-००८ ३२-४	०-९९३६	५९ ४३-१७	५४ १०		२५
४१	२२ चं	५४५५	३२६ ५ ३०	६७-८९२	+१ ४७ ३०	३२८-६११	१-००८ ३२-४	०-९९३८	५९ ४३-१८	५४ २०	+३५	
४२	२३ मं	५४५६	३२७ ५ ३८	६८-८७८	१ ४८ १२	३२९-६१५	१-००८ ३२-४	०-९९४१	५९ ४३-१९	५४ ३०		२५
४३	२४ बु	५४५७	३२८ ५ ४६	६९-८६४	१ ४८ ५२	३३०-६१९	१-००८ ३२-४	०-९९४३	५९ ४३-२०	५४ ४०		२५
४४	२५ शु	५४५८	३२९ ५ ५३	७०-८५०	१ ४९ ३०	३३१-६२३	१-००८ ३२-४	०-९९४६	५९ ४३-२१	५४ ५०		२५
४५	२६ ऋ	५४५९	३३० ५ ६३	७१-८३६	१ ५० ६	३३२-६२७	१-००८ ३२-४	०-९९४८	५९ ४३-२२	५४ ०		२५
४६	२७ श	५४६०	३३१ ५ ११	७२-८२२	१ ५० ३९	३३३-६३१	१-००८ ३२-४	०-९९५१	५९ ४३-२३	५४ १०		२५
४७	२८ र	५४६१	३३२ ५ २१	७३-८०६	१ ५१ १	३३४-६३५	१-००८ ३२-४	०-९९५३	५९ ४३-२४	५४ २०		२५
४८	२९ चं	५४६२	३३३ ५ ३०	७४-७९१	१ ५१ ४२	३३५-६३९	१-००८ ३२-४	०-९९५६	५९ ४३-२५	५४ ३०		२५
४९	३० मं	५४६३	३३४ ५ ३६	७५-७७७	१ ५२ १०	३३६-६४३	१-००८ ३२-४	०-९९५८	५९ ४३-२६	५४ ४०	+३५	

६७

फरवरी- मार्च सन १९३९ ई फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्य का वेध गणित ।

I. मायन स्पष्ट	सा.स्प.र. दिन गति		सा.स्प.र. दिन गति		इन्दौर शहर का स्थानिक									
	विषुवांश	विषुव काल	सा.स्प.र. काति	दिन गति	याम्योत्तर	लेखन काल	चर	नतांश	दशगुल छाया					
अ क	अ क	अ क	घ प	तल	अ क	अ क	घ प	स्टैंड मि	घ प	३४	२३	२	६०४	
१ २२ २	३ ३२ २	० ५८ ५	१ २	१०	१ २ ३९	० २२	१ ५ ३५	१ २ ४२	० ५०	३ ३४	२ ३	२	६०४	
० ३३ ०	३ ३२ ३	० ५८ ५	२ ६	१०	१ २ ४०	० २२	१ ५ ३५	१ २ ४२	० ४८	३ ३४	२	२	६०५	
१ ३३ १	३ ३३ ३	० ५८ ५	३ ५	१०	१ ० ३५	० २२	१ ५ ३५	१ २ ४२	० ४७	३ ३४	२	२	६०६	
२ ३३ २	३ ३३ ६	० ५८ ५	४ ५	१०	१ ० ३५	० २२	१ ५ ३४	१ २ ४२	० ४५	३ ३३	१	१	६०७	
३ ३३ ३	३ ३३ ९	० ५८ ५	५ ४	१०	१ ० ३५	० २२	१ ५ ३३	१ २ ४२	० ४३	३ ३२	१	१	६०८	
४ ३३ ४	३ ३३ १२	० ५८ ५	६ ४	१०	१ ० ३५	० २२	१ ५ ३३	१ २ ४०	० ४१	३ ३२	१	१	६०९	
५ ३३ ५	३ ३३ १५	० ५८ ५	७ ४	१०	१ ० २९	० २२	१ ५ ३३	१ २ ४०	० ४०	३ ३२	१	१	६१०	
६ ३३ ६	३ ३३ १७	० ५८ ५	८ ३	१०	१ ० २३	० २२	१ ५ ३२	१ २ ४०	० ३८	३ ३१	१	१	६११	
७ ३३ ७	३ ३३ १९	० ५८ ५	९ २	१०	१ ० १४	० २२	१ ५ ३२	१ २ ४०	० ३७	३ ३१	१	१	६१२	
८ ३३ ८	३ ३३ २०	० ५८ ५	१० १	१०	१ ० ०५	० २२	१ ५ ३१	१ २ ३९	० ३५	३ ३१	१	१	६१३	
९ ३३ ९	३ ३३ २१	० ५८ ५	११ ०	१०	१ ० ०५	० २३	१ ५ ३०	१ २ ३९	० ३२	३ ३०	१	१	६१४	
१० ३३ १०	३ ३३ २२	० ५८ ५	१२ ०	१०	१ ० ०५	० २३	१ ५ ३०	१ २ ३९	० ३१	३ २९	१	१	६१५	
११ ३३ ११	३ ३३ २३	० ५८ ५	१३ ०	१०	१ ० ०५	० २३	१ ५ २९	१ २ ३९	० २९	३ २९	१	१	६१६	
१२ ३३ १२	३ ३३ २४	० ५८ ५	१४ ०	१०	१ ० ०५	० २३	१ ५ २९	१ २ ३९	० २७	३ २९	१	१	६१७	
१३ ३३ १३	३ ३३ २५	० ५८ ५	१५ ०	१०	१ ० ०५	० २३	१ ५ २९	१ २ ३९	० २७	३ २९	१	१	६१८	
१४ ३३ १४	३ ३३ २६	० ५८ ५	१६ ०	१०	१ ० ०५	० २३	१ ५ २९	१ २ ३९	० २७	३ २९	१	१	६१९	
१५ ३३ १५	३ ३३ २७	० ५८ ५	१७ ०	१०	१ ० ०५	० २३	१ ५ २९	१ २ ३९	० २७	३ २९	१	१	६२०	
१६ ३३ १६	३ ३३ २८	० ५८ ५	१८ ०	१०	१ ० ०५	० २३	१ ५ २९	१ २ ३९	० २७	३ २९	१	१	६२१	
१७ ३३ १७	३ ३३ २९	० ५८ ५	१९ ०	१०	१ ० ०५	० २३	१ ५ २९	१ २ ३९	० २७	३ २९	१	१	६२२	
१८ ३३ १८	३ ३३ ३०	० ५८												

एमिल सन १९३८ ई

चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित ।

ता	राहु (पात)	पातोन चन्द्र	कक्षा प. पञ्चम	स्पष्टचन्द्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	विष	विषुवांश	इन्दौर शहर का स्थानिक
अ	अ	अ	अ	अ	अ क	अ क	अ क	अ क	अ क	अ क	या. ल. का.
३१ १४३३४९८	१२०५६१	२५०	३३७३३३	१३०६६७	४ २५५७	० १८	४ ११	३१८	३५८ ३०	१३ २८ ११ ५०	घ प स्तधामि
१ १४३३५५१	१२४३२७१	२५०	३५००९८०	१३०८५६	+३ ४१०	१२ ५८	+ ८ ४९	३२०	११ २५	१५ २७ १२ ३८	
२ १४३३६४४	१२८१९००	२५०	४०८३६	१३०९०७	२ ४२६	२७ ४९	१३ ८	३२१	२४ ५१	१७ ३० १३ २८	
३ १४३३७५७	१३२०२८०	२५०	१८०९३३	१३०९५६	१ ३२९	४१ ५६	१६ ५५	३२२	३८ ५९	१९ ४३ १४ २०	
४ १४३३८७०	१३५८६३९	१६०	३३३१०९	१३१००७	+० १७९	५६ ४	१९ ३४	३२३	५३ ४०	२२ ० १३ १५	
५ १४३३९८३	१३९७०८१	११०	४७३२५५	१३१०५६	० ५८८	७० १९	२१ २	३२४	६८ ५१	२४ २२ १६ १२	
६ १४३४०९६	१४३५५२८	०७०	६१५५५२	१३११०७	२ ११६	८४ ३३	२१ ५	३२५	८४ ८	२६ ४४ १७ ८	
७ १४३४२०९	१४७३९८०	०४०	७५७७८०	१३११५६	३ १६७	९८ ४४	१९ ७	३२६	९९ ९	२९ ७ १८ ६	
८ १४३४३२२	१५१२४३६	०४०	८९८८५४	१३१२०७	४ ८९	११२ ५०	१७ २५	३२७	११३ ५५	३१ २३ १९ ०	
९ १४३४४३५	१५५०८९०	०००	१०३९०००	१३१२५६	४ ४५	१२६ ५३	१७ ५६	३२८	१२८ २	३३ ३७ १९ ५२	
१० १४३४५४८	१५८९३४४	११०	११९०३६	१३१३०७	५ ५६	१४० ४९	९ ४३	३२९	१४१ ३३	३५ ४० २० ४३	
११ १४३४६६१	१६२७७९८	१७०	१३४१७३	१३१३५६	५ ७३	१५४ ३६	५ ४	३३०	१५४ ३५	३७ ४० २१ ३१	
१२ १४३४७७४	१६६६२५२	२२०	१४९३१९	१३१४०७	४ ५१	१६८ १२	+ ० ११	३३१	१६७ १५	३९ ३७ २२ ४४	
१३ १४३४८८७	१७०४७०६	२५०	१६४४०५	१३१४५६	४ ४०	१८१ ३५	- ४ ३६	३३२	१७९ ४३	४१ ३१ २३ ३	
१४ १४३४९९९	१७४३१६०	२६०	१७९४९७	१३१५०७	३ ३५	१९५ ४३	९ ७	३३३	१९२ १०	४३ २७ २३ ५०	
१५ १४३५११२	१७८१६१४	२५०	१९४५८८	१३१५५६	२ ३५	२०७ ४०	१३ ५	३३०	२०४ ४४	४५ २२ ० ३६	
१६ १४३५२२५	१८२००६८	२२०	२०९६७९	१३१६०७	१ ३८	२२० १८	१६ २८	३३०	२१७ २१	४७ १९ १ २३	
१७ १४३५३३८	१८५८५२२	१७०	२२४७७१	१३१६५६	- ० ३६	२३२ ४२	१८ ५९	३३०	२३० ९	४९ १८ १ १०	
१८ १४३५४५१	१८९६९७६	१३०	२३९८६२	१३१७०७	+ ० ३२	२४४ ५०	२० ३८	२९९	२४२ ५९	५१ १५ २ ५७	
१९ १४३५५६४	१९३५४३०	०८०	२५४९५४	१३१७५६	१ ३६	२५६ ५५	१३ ३६	२९९	२५५ ५२	५३ १४ ३ ४३	
२० १४३५६७७	१९७३८८४	०००	२७००४७	१३१८०७	२ ३५	२६८ ४२	२० ५२	२९९	२६८ ३७	५५ १४ ४ ३१	
२१ १४३५७९०	१९९३३३८	०४०	२८५१४०	१३१८५६	३ ३६	२८० ३०	२१ २५	२९९	२८१ ८	५७ ७ ५ १८	
२२ १४३५९०३	१९३१७९२	०४०	२९९२३३	१३१९०७	४ ३७	२९२ ३१	१७ २१	२९९	२९३ २५	५९ ० ६ ३	
२३ १४३६०१६	१९७०२४६	०७०	३१४३२४	१३१९५६	४ ४२	३०४ २०	१४ ३७	३००	३०५ ३०	० ५१ ६ ४७	
२४ १४३६१२९	१९९९७००	११०	३२९४१६	१३२००७	५ २०	३१६ २९	११ ६	३०४	३१७ २४	२ ४० ७ ३१	
२५ १४३६२४२	१९३९१३४	१५०	३४४५०७	१३२०५६	५ ८८	३२८ ३७	७ १	३०८	३२९ १६	४ २९ ८ १५	
२६ १४३६३५५	१९७८५६८	१९०	३५९५९८	१३२१०७	५ ०३	३४१ ४५	- ७ २२	३०३	३४१ १५	६ १९ ८ ५९	
२७ १४३६४६८	१९९८००२	२४०	३७४६९०	१३२१५६	४ ३६	३५४ ५५	+ ७ २२	३०३	३५३ ३०	८ १९ ९ ३३	
२८ १४३६५८१	१९३७४३६	२८०	३८९७८१	१३२२०७	३ ५५	३६८ ३०	६ ५८	३०३	३६१	१० १० १० ३१	
२९ १४३६६९४	१९७६८७०	२८०	४०४८७२	१३२२५६	३ ०६	३८१ ४१	११ ३१	३०४	३९४	१२ १३ ११ २०	
३० १४३६८०७	१९९६३०४	२३०	४२०००३	१३२३०७	+ १ ५३	३९३ ३८	१५ ३१	३०४	३९६	१४ २२ १२ २२	

मई- सन १९३८ ई.

वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का चंद्रका वेध गणित ।

ता	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम स्थिरांक	चन्द्र मंद	तिथि वेध	च्युति केंद्र	संस्कार तिथि	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
३०	३०	घा	५११८	८०७७३	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ
१	१	५११९	८१०५०	००९	१५०६१	१०१०	७१०२५	२०४७	३१७०६१	३२१०२७	२०३५
२	२	५१२०	८११०६	००९	१७०८०	१०२८	८२०५७	२०५३	३२३४५७	३०६३	४२५१६
३	३	५१२१	४८०३०३	००९	४००००	१०३६	९३०८८	२०५३	३४३०७४	३४८०७४	५००६
४	४	५१२२	६१०४७	००९	५२०१९	१०५५	१०५०२०	२०४९	३५६०८०	००३७	६०५९
५	५	५१२३	७४०६५५	००९	६४०३८	१०६४	११०५११	२०४०	३६९०८७	१००६	८०५७५
६	६	५१२४	८७०८३२	००९	७६०५७	१०७३	१२०५८३	२०२८	३८२०९३	२०३३	९०५६
७	७	५१२५	१०१०००८	००९	८८०७६	००७९	१३०६१४	२०११	३९०००	३९८०९९	१०६८
८	८	५१२६	१११०१८४	१००	१०००५५	००५५	१५००४६	१००५	४०००६	५०६११	११०६४
९	९	५१२७	१२००३६१	१००	११०१०४	००३५	१६०१०८	१००६	४००१३	६०२४३	१२०६८
१०	१०	५१२८	१३००५३७	१००	१२०१३३	००१२	१७०१०९	१००४	४००१९	७००१७	१३०७०
११	११	५१२९	१४००७१३	१००	१३०१५२	००१९	१८०१४१	१००१	४००२६	८००१७	१४०७३
१२	१२	५१३०	१५००८९०	१०१	१४०१७३	००२७	१९०१७३	००१७	४००३३	९००२६	१५०७७
१३	१३	५१३१	१६०००६६	१०१	१५०१९०	००४४	२००१७०	००३४	४००३९	१००३९	१६०७९
१४	१४	५१३२	१७००२४२	१०१	१७०२१०	००६७	२१०१७३	००५५	४००४५	१००४७	१७०७३
१५	१५	५१३३	१८००४१९	१०१	१८०२२९	००९३	२२०१६८	००७७	४००५२	१००५२	१८००९
१६	१६	५१३४	१९००५९५	१०१	१९०२४८	१०१०	२३०१००	००९२	४००५८	१००५८	१९००७
१७	१७	५१३५	२०००७७१	१०१	२००२६७	१०३४	२४००३२	००९३	४००६५	१००६५	२०००६
१८	१८	५१३६	२१००९४८	१०२	२१०२८६	१०५९	२५००३३	००७७	४००७१	१००७१	२१००६
१९	१९	५१३७	२२०११२४	१०२	२२०३०५	१०८४	२६०००६	००७७	४००७७	१००७७	२२००६
२०	२०	५१३८	२३०१३००	१०२	२३०३२४	१०२५	२६००२७	००७०	४००८४	१००८४	२३००६
२१	२१	५१३९	२४०१४७६	१०२	२४०३४३	१०५५	२७००५८	००७०	४००९१	१००९१	२४००६
२२	२२	५१४०	२५०१६५४	१०३	२५०३६२	००८२	२८००९०	००७३	४००९७	१००९७	२५००६
२३	२३	५१४१	२६०१८३०	१०३	२६०३८१	००५५	२९००२२	००७१	४००९४	१००९४	२६००६
२४	२४	५१४२	२७०२००६	१०३	२७०४००	००३०	३०००५३	००५०	४००९९	१००९९	२७००६
२५	२५	५१४३	२८०२१८३	१०४	२८०४१९	०००७	३१०००३	००३९	४०१०४	१०१०४	२८००६
२६	२६	५१४४	२९०२३५९	१०४	२९०४३८	००३३	३२००४७	००३७	४०१०९	१०१०९	२९००६
२७	२७	५१४५	३००२५३५	१०४	३००४५७	००५९	३३००९०	००३७	४०११५	१०११५	३०००६
२८	२८	५१४६	३१०२७११	१०४	३१०४७६	००८४	३४००३०	००६७	४०१२०	१०१२०	३१००६
२९	२९	५१४७	३२०२८८८	१०४	३२०४९५	००९८	३५००७१	००६७	४०१२६	१०१२६	३२००६

चन्द्र

७१

मई सन १९३८ ई.

वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित ।

ता.	राहु (पात)	पातोन चन्द्र	पक्ष पक्ष	स्पष्ट चन्द्र	दिनगति	शर	सायर भोग	क्रांति	विव	विषुवाश	हन्दौर सहर का स्थानक
	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	या. लं. का.
३०	१४५.०८८	१५८.५१२	२३०	१२.५५४	१४.४८६	+१ ५३.१	३६ ३८	+१५ ३१	३२.८	३३ ३६	१४ ३३ १२ ३२
१	१४५.१४१	१७३.१०१	१८०	२८.१४०	१४.६३६	+० ३७.१	५१ ७	१८ ३३ ३३.०	४८ ३१	१४ ५२ ३३ ८	
२	१४५.१९४	१८७.८५०	१२०	४२.७७६	१४.६३६	-० ४१.५	६२ ४६	२० २५ ३३.०	६४ ०	१९ ७ १४ ६	
३	१४५.२४७	२०२.५०९	०७०	५७.४१३	१४.६३६	१ ५८.६	८० २४	२१ ७ ३३.०	७९ ४३	२१ ३४ १५ ५	
४	१४५.३००	२१७.२०९	०५०	७२.०४९	१४.६३६	३ ५.०	९५ २	२० १४ ३३.०	९५ २१	२४ १ १६ ६	
५	१४५.३५३	२३१.९०८	०४०	८६.७१५	१४.६३६	५ ३.३	१०९ ४५	१८ ० ३२.२	११० ४२	२६ २५ १७ १	
६	१४५.४०६	२४६.०९८	०३०	१००.७६२	१४.६३६	७ ४२.३	१२३ ४५	१४ ५५ ३२.२	१२४ ५५	२८ ३७ १७ ५३	
७	१४५.४५९	२६०.१३७	१२०	११४.०८८	१४.७७६	५ ४२.३	१३७ ४६	१० २७ ३१.९	१३८ ३८	३० ४४ १८ ४४	
८	१४५.५१२	२७४.१८६	१६०	१२८.५३४	१४.७७६	५ ८.०	१५१ ३२	६ ८ ३१.६	१५१ ४३	३२ ५५ १९ ३७	
९	१४५.५६५	२८७.२३६	११०	१४३.०२४	१४.७७६	७ ५५.४	१६५ ०	१ २३ ३१.३	१६४ १८	३४ ४१ २० १९	
१०	१४५.६१८	३००.२८५	०६०	१५७.५१५	१४.७७६	९ ५५.४	१८० १५	० २२ ३१.०	१७७ ८८	३६ ३४ २१ ९	
११	१४५.६७१	३१३.३३४	०२०	१७२.०२४	१४.७७६	११ ४३.३	१९१ १४	८ ३०.७	१८८ ८८	३८ २६ २२ ३९	
१२	१४५.७२४	३२६.४९४	०१०	१८६.०२०	१४.७७६	१३ ५०.३	२०४ ०	११ ५५ ३०.५	२०१ ३६	४० १५ २२ ३७	
१३	१४५.७७७	३३९.५३३	०३०	१९९.५८६	१४.७७६	१४ ९०.८	२१६ ३३	११ २७ ३०.२	२१३ ३६	४२ १५ २३ २१	
१४	१४५.८३०	३५२.५७३	१८०	२०५.५३३	१४.७७६	-० ४५.०	२२८ ५६	१८ १२ ३०.०	२२६ ४४	४४ ३२ ० ८	
१५	१४५.८८३	३६५.६१२	१४०	२१९.१४९	१४.८१६	+० २१.०	२४१ ८	२० २२ २९.८	२३९ ५४	४६ ० ० ५५	
१६	१४५.९३६	३७८.६५१	०९०	२३३.१६५	१४.९५६	१ २५.०	२५३ ९	२० ५९ २९.७	२५१ ५५	४८ ८ १ ४२	
१७	१४५.९८९	३९१.६९०	०६०	२४७.१८१	१४.९५६	२ २५.०	२६५ ६	२० ५६ २९.६	२६४ ४५	५० ७ १ ३०	
१८	१४५.०४२	४०५.७२९	०४०	२६१.१९८	१४.९५६	३ १८.६	२७६ ५७	२० ५३ २९.६	२७७ ७७	५२ ४ १ ३७	
१९	१४५.०९५	४१९.७६९	०४०	२७५.२१५	१४.९५६	४ २.७	२८८ ४६	१८ ७ २९.६	२८९ ४४	५३ ५१ ४ २	
२०	१४५.१४८	४३३.८०९	०६०	२८९.२३१	१४.९५६	५ ३६.९	३०० ३६	१५ ३१ २९.८	३०१ ४६	५५ ४८ ४ ४६	
२१	१४५.२०१	४४७.८४८	१००	३०३.२४७	१४.९५६	७ ५९.२	३१२ ३६	१२ १५ ३०.०	३१३ ३७	५७ ३६ ५ २९	
२२	१४५.२५४	४६१.८८७	१४०	३१७.२६३	१५.०९६	+५ ८.६	३२४ ४४	८ २६ ३०.२	३२५ ४५	५९ २३ ६ १२	
२३	१४५.३०७	४७५.९२६	१९०	३३१.२८०	१५.२३६	५ ३९.७	३३७ ५४	११ २७ ३०.७	३३६ ५६	१ ९ ६ ५५	
२४	१४५.३६०	४८९.९६५	२३०	३४५.२९६	१५.३७६	७ ४४.२	३४९ ५०	० २० ३१.२	३४८ ४८	२ ८ ७ ३८	
२५	१४५.४१३	५०३.९८५	२६०	३५९.३१२	१५.५१६	९ ९.२	३६१ ५९	४ ५९ ३१.७	३६० ४८	४ ५९ ८ ३३	
२६	१४५.४६६	५१७.९८५	२६०	३७३.३२९	१५.६५६	११ ९.३	३७३ ६९	९ ३३ ३२.२	३७२ ५५	६ ५० ९ ११	
२७	१४५.५१९	५३१.९८५	२४०	३८७.३४५	१५.७९६	१३ ९.३	३८५ ७९	११ ३३ ३२.७	३८४ ६३	८ ५१ १० २	
२८	१४५.५७२	५४५.९८५	२००	४०१.३६१	१५.९३६	+१ २.८	४०० ८९	१३ ३३ ३३.०	४०६ ६९	१० ११ १० ५६	
२९	१४५.६२५	५६०.००३	१४०	४१५.३८८	१६.०७६	० १६.५	४१३ ९९	+११ ४७ ३३.३	४१८ ७७	१२ ३३ ११ ५२	

मई-जून सन १९३८ इ.

ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित ।

ता	वि.वा	प्रमाणक दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	मासि रह	विधि केंद्र	विधि प्रमाण	व्युति केंद्र	व्युति प्रमाण	मध्यम मंद केंद्र	पृष्ठ मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द रप चन्द्र
			अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ
२९	३०	५१६७	३००८८८	०१४	३५६०१५	००९८	२८०१११	१८१९	३२३६४३	३२३६२०	२०७९	३६५४४८
३०	१	५१६८	४४००६४	०१५	१०१४	१०१८	३९०४३	२००९	३३६०४९	३३९०७९	४०७७	५१५०४४
३१	२	५१६९	५७०२४१	०१६	२१०३३	१०३४	५००७४	२०२७	३३५०३५	३३५०३५	५०६९	६६५०३९
३२	३	५१७०	७००४१७	०१७	३३०५२	१०३७	६०००४	२०४०	३३४०३५	३३४०३५	७०७७	८१५०७७
३३	४	५१७१	८३०५९४	०१८	४४०७३	१०३०	७००३७	२०४९	३३३०३५	३३३०३५	८०८७	९६५०८७
३४	५	५१७२	९६०७७०	०१९	५७०९०	१०३४	८००६९	२०५४	३३२०३५	३३२०३५	१०००	११६००८०
३५	६	५१७३	१०९०९४६	०२०	७००१०	०९३६	९०००९	२०५८	३३१०३५	३३१०३५	१०००	१२७०९६६
३६	७	५१७४	१२३०१२३	०२१	८२०२९	००६७	१००३३	२०४८	३३००३५	३३००३५	१२००५	१३८०७५३
३७	८	५१७५	१३६०२९९	०२२	९४०४८	००४५	१००६४	२०३८	३२९०३५	३२९०३५	१२००५	१४९०७७९
३८	९	५१७६	१४९०४७५	०२३	१००६५	००२७	१००९९	२०२७	३२८०३५	३२८०३५	१२००५	१६००८७९
३९	१०	५१७७	१६२०६५२	०२४	११०८६	०००९	१०१२८	२०१७	३२७०३५	३२७०३५	१२००५	१७१०९४९
४०	११	५१७८	१७५०८२८	०२५	१२०१०	००२१	१०१६०	२००८	३२६०३५	३२६०३५	१२००५	१८२०३६६
४१	१२	५१७९	१८८०९००४	०२६	१३०३३	००३४	१०१९३	२०००	३२५०३५	३२५०३५	१२००५	१९३०३६६
४२	१३	५१८०	२०१०९८१	०२७	१४०५६	००५६	१०२२६	१९९३	३२४०३५	३२४०३५	१२००५	२०४०३६६
४३	१४	५१८१	२१४०३५५	०२८	१५०७९	००८०	१०२६९	१९८४	३२३०३५	३२३०३५	१२००५	२१५०३६६
४४	१५	५१८२	२२७०६३३	०२९	१६०९२	००९८	१०३०२	१९७४	३२२०३५	३२२०३५	१२००५	२२६०३६६
४५	१६	५१८३	२४००९१०	०३०	१७११५	००१०	१०३३५	१९६४	३२१०३५	३२१०३५	१२००५	२३७०३६६
४६	१७	५१८४	२५३०१८७	०३१	१८१३८	००२२	१०३६८	१९५४	३२००३५	३२००३५	१२००५	२४८०३६६
४७	१८	५१८५	२६६०४६४	०३२	१९१६१	००३४	१०४०१	१९४४	३१९०३५	३१९०३५	१२००५	२५९०३६६
४८	१९	५१८६	२७९०७५१	०३३	२०१८४	००४६	१०४३४	१९३४	३१८०३५	३१८०३५	१२००५	२७००३६६
४९	२०	५१८७	२९२०९९९	०३४								

जून-जुलाई सन १९३८ इ.

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित ।

ता.	ति. वा. प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	अ अ	अ अ	अ अ	अ अ	अ अ	अ अ	अ अ	अ अ	अ अ	अ अ
			अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ
२७	३०	५११६	५३००२	२३	३५०४९	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
२८	१	५११७	६६१७७	२३	३५८७	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
२९	२	५११८	७९२३५	२३	३६७०	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
३०	३	५११९	९२२९३	२३	३७५३	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
३१	४	५१२०	१०५३०८	२३	३८३६	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
१	५	५१२१	११८८६५	२३	३९१९	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
२	६	५१२२	१३२४२२	२३	४००२	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
३	७	५१२३	१४५९७९	२३	४०८५	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
४	८	५१२४	१५९५३६	२३	४१६८	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
५	९	५१२५	१७३०९३	२३	४२५१	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
६	१०	५१२६	१८६६५०	२३	४३३४	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
७	११	५१२७	१९९२०७	२३	४४१७	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
८	१२	५१२८	२११७६४	२३	४५००	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
९	१३	५१२९	२२४३२१	२३	४५८३	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
१०	१४	५१३०	२३६८७८	२३	४६६६	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
११	१५	५१३१	२४९४३५	२३	४७४९	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
१२	१६	५१३२	२६१९९२	२३	४८३२	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
१३	१७	५१३३	२७४५४९	२३	४९१५	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
१४	१८	५१३४	२८७१०६	२३	४९९८	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
१५	१९	५१३५	२९९६६३	२३	५०८१	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
१६	२०	५१३६	३१२२२०	२३	५१६४	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
१७	२१	५१३७	३२४७७७	२३	५२४७	००८५	३५६२९	१२३३	३४२३१	३५४३८	४६९	५९७६२
१८	२२	५१३८	३३७३३४	२३	५३३०	००८५	३५६२९					

जून-जुलाई सन १९३८ ई. आपाठ शुद्ध और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित ।

राहु (पात)	पातोत्त चन्द्र	अ. क. घ. प.	स्पष्टचन्द्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	विष	विपुवांश	इन्दोर शहर का स्थानिक या. ल. का.
अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	क.	अ. क. घ. प.	इ. घ. मि.
१४८.१६२	२०७.९२४	०६०	५९८.२२२	१५.१७७	२२४.४	८२ ४९	२० ५२	३३.६	८२ १९.१२५	११ ३८
१४८.२१५	२२३.१७४	०५०	७४.९९९	१५.२८६	३३१.१	९७ ५९	११९ ४२	३३.७	९८ २८.१५ ३०	१२ ३९
१४८.२६८	२३८.५०३	०५०	९०.२८५	१५.०९७	४२३.२	११३ १६	१७ ७	३३.५	११४ २१.१७ ५९	१३ ३९
१४८.३२१	२५३.८३३	०९०	१०५.३८२	१४.८१६	४५६.२	१२८ २२	१३ २५	३३.२	१२९ २९.२० २३	१४ ३५
१४८.३७४	२६८.०३२	१४०	१२०.१९८	१४.५३७	५ ८.७	१४३ ११	८ ५५	३२.८	१४३ ४८.२२ ३४	१५ २८
१४८.४२७	२८२.२८२	२००	१३४.६२५	१४.२६७	५ ११.१	१५७ ३७	४ ४	३२.१	१५७ २६.४४ ४०	१६ १९
१४८.४८०	२९७.५९१	२४०	१४८.५५१	१३.९९६	४ ३५.६	१७१ ३२	१० ५२	३१.६	१७० २४.१६ ४०	१७ ७
१४८.५३३	३१२.९८०	२६०	१६२.००७	१३.७२७	३ ५५.४	१८६ ०	५ ४३	३१.०	१८३ २८.३६	१७ ५३
१४८.५८६	३२८.३३०	२६०	१७५.००४	१२.४७७	३ ४३.३	१९७ ५९	९ ५४	३०.५	१९५ २३.३० ३०	१८ ३९
१४८.६३९	३४३.६८०	२३०	१८७.६८०	१२.२३३	२ ५१.०	२१० ४०	१३ ४०	३०.२	२०७ ४८.३२ २५	१९ २९
१४८.६९२	३५८.९८८	१९०	२००.०१६	१२.०१७	१ १४.२	२२३ ०	१६ ४३	२९.९	२२० १३.३४ १९	२० ११
१४८.७४५	३७४.२८८	१५०	२१२.१२१	११.७७७	० ३१.३	२३५ ७	१८ ५९	२९.७	२३२ ४८.३६ १५	२० ५७
१४८.७९८	३८९.७७७	१००	२२४.०७९	११.५५६	१ ७.७	२४७ ४	२० २५	२९.५	२४६ २६.४८ ११	२१ ३३
१४८.८५१	४०५.२६६	०७०	२३५.९४५	११.३६६	२ ९.१	२५८ ५६	२० ५१	२९.६	२५८ ९.१० ९	२२ ३१
१४८.९०४	४२०.६५५	०४०	२४७.७९२	११.१७७	३ ४.४	२७० ४७	२० २३	२९.६	२७० ५.०४ ५	२३ १७
१४८.९५७	४३६.५५५	०४०	२५९.६३८	११.०७७	३ ५१.४	२८२ ८	१९ १	२९.७	२८३ २.०४ ०	० ३
१४९.०१०	४५२.४४४	०५०	२७१.५१४	१०.९४७	४ २५.०	२९४ ३०	१६ ५२	२९.०	२९५ ३६.४५ ५३	० ४८
१४९.०६३	४६८.४४४	०८०	२८३.४६१	१०.८०६	४ ५४.४	३०६ २७	१३ ५५	२९.८	३०७ २५.४७ ४४	१ ३३
१४९.११६	४८४.५३३	१३०	२९५.४६७	१०.६७७	५ ७.३	३१८ २७	० ४१	२९.९	३१९ १७.४९ ३१	२ १५
१४९.१६९	४९९.६२२	१८०	३०७.५५३	१०.५५३	५ ३८.८	३३० ३४	६ २९	२९.०	३३० ४९.५१ ११	२ ५७
१४९.२२२	५१५.८३३	२२०	३१९.८३०	१०.४२७	४ ५२.२	३४२ ४९	१२ १५	३०.३	३४२ १८.५३ १	३ ३९
१४९.२७५	५३१.२७०	२५०	३३१.२४६	१०.३०६	४ २३.७	३५५ १४	१२ ८	३०.६	३५४ ५.५४ ४८	४ २२
१४९.३२७	५४६.९७०	२६०	३४४.९०३	१०.१८६	३ ४१.६	३६७ ५६	६ ३१	३०.९	३६६ ५.६६ ३१	५ ५
१४९.३८०	५६२.९६९	२५०	३५७.८३९	१०.०७७	२ ४७.६	३८० ५०	१० ४४	३०.३	३८१ १.८८ ३०	५ ५१
१४९.४३३	५७८.९०८	२१०	३६९.१०६	९.९७७	१ ४४.०	३९३ ६	१४ ३१	३०.३	३९३ ०.३३ ३०	६ ३९
१४९.४८६	५९४.९०८	१७०	३८०.७९२	९.८७७	० ३१.७	४०७ ४७	१७ ३९	३०.३	४०५ १.०२ ४१	७ ३१
१४९.५३९	६१०.९०८	१२०	३९२.८८८	९.७७७	० ४४.५	४२१ ५३	१९ ४९	३०.६	४१७ ५.५८ ४८	८ २६
१४९.५९२	६२७.९०८	०७०	४०५.९९७	९.६९५	१ ५९.५	४३६ १६	२१ १५	३०.३	४३० ७.७३ ७२	९ २४
१४९.६४५	६४४.९०८	०४०	४१८.९९१	९.६०६	१ ९.६	४४९ १३	२० १७	३०.५	४४१ १.५५ १०	१० २४
१४९.६९८	६६१.९०८	०४०	४३१.९९७	९.५१७	४ ६.५	४६० १९	१८ २२	३०.७	४५३ ०.७१ २१	११ २३
१४९.७५१	६७८.९०८	०७०	४४५.९९३	९.४२७	४ ४६.८	४७२ ३२	११९ १०	३०.६	४७२ ४.१५ ४६	१२ २१

जुलाई-आगष्ट सन १९३८ इ. श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का चंद्रका वेध गणित ।

ता.	राहु (पात)	पातोन चंद्र	स पंचम	स्पष्ट चंद्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	बिंब	विपुलांश	इंदोर शहर का स्थानिक
	अ	अ.	अ	अ.	अ	अ क.	अ क.	अ क.	क. बि.	अ क.	ग. ल. का.
२७	१४९.७५१	२४८.२३४	०७०	९८.५५३	१५.१४७	-४ ४६.८	१२१ ३२	१५ १०	३३.६	१२२ ४१	१४ ४६ १२ २१
२८	१४९.८०४	२४८.३८४	१२०	११३.७००	१४.५१६	५ ६.८	१३६ ४१+१०	५८ ३३.३	१३७ ३५	१३ ६ ३१ १७	
२९	१४९.८५७	२४८.५३९	१८०	१२८.६१६	१४.५१६	५ ५.६	१५१ ३६	६ ३०	३२.८	१५१ ५१	१९ १९ १४ ११
३०	१४९.९१०	२४९.८५३	२३०	१४३.१७३	१४.०६६	४ ४४.४	१६६ १०+	१ ६	३२.३	१६५ २६	२१ २४ १५ १
३१	१४९.९६३	२५०.१४२	२६०	१५७.३३९	१३.५८७	४ ६.३	१८० १४-	३ ५१	३१.७	१८८ ३५	२३ २६ १५ ४९
१	१५०.०१६	२५०.५८२	२६०	१७०.८६	१३.१०६	३ १५.८	१९३ ४९	८ २८	३१.१	१९९ २५	२५ २४ १६ ३६
२	१५०.०६९	२५१.७६१	२४०	१८३.९३२	१२.३२७	२ १६.१	२०६ ५५	१२ २९	३०.६	२०४ ८	२७ २१ १७ २३
३	१५०.१२२	२५२.५६०	२००	१९६.६३८	१२.०७६	१ ११.६	२१९ ३८	१५ ५१	३०.२	२१६ ५०	२९ १८ १८ १०
४	१५०.१७५	२५३.१८०	१६०	२०८.९६५	११.९१०	० ४.९	२३१ ५७	१८ २०	२९.९	२२९ ३०	३१ १६ १८ ५७
५	१५०.२२८	२५३.१८९	११०	२२१.०४४	११.८८६	+० ५९.४	२४४ २	१८ ५९	२९.४	२४२ १४	३३ १३ १९ ४४
६	१५०.२८१	२५३.१३८	०७०	२३३.९२७	११.८१६	२ ०.७	२५५ ५५	२० ४२	२९.६	२५४ ५३	३५ १० २० ३१
७	१५०.३३४	२५३.०३७	०४०	२४४.७४३	११.८२७	२ ५७.१	२६७ ४४	२० २९	२९.६	२६७ ३५	३७ ७ २१ १८
८	१५०.३८७	२५३.११७	०४०	२५६.५७०	११.९४७	३ ४.४	२७९ ३३	१९ २१	२९.७	२८० ७	३९ २२ ४
९	१५०.४४०	२५८.११६	०५०	२६८.४२६	११.९४७	४ २४.०	२९१ २५	१७ २३	२९.८	२९२ २६	४० ५५ २२ ४९
१०	१५०.४९३	२५०.०८६	०८०	२८०.८७३	१२.०५६	४ ५१.०	३०३ २०	१४ ४१	२९.८	३०४ ३१	४२ ४७ २३ ३४
११	१५०.५४६	२५८.५५५	१२०	२९२.४२९	१२.१७६	५ ६.५	३१५ २५	११ २०	२९.०	३१६ २०	४४ ३५ ० १७
१२	१५०.५९९	२५९.०३४	१७०	३०४.६०५	१२.३३७	५ ९.६	३२७ ३६	७ २७	३०.२	३२८ ०	४६ २२ १ ०
१३	१५०.६५२	२५९.३८८	२१०	३१६.९४२	१२.४८६	४ ५७.६	३३९ ५६	३ १८	३०.४	३३९ ११	४८ ४ १४ ११
१४	१५०.७०५	२५९.८८३	२४०	३२९.२८८	१२.६२६	४ २७.५	३५२ २५-	१ ६	३०.६	३५१ ३५	५० ५५ २८ ५
१५	१५०.७५८	२६०.५५२	२६०	३४१.०५४	१२.८०५	३ ४७.२	५ ३+	५ २८	३०.८	३ ८	५१ ४३ ३ ५३
१६	१५०.८११	२६५.४५२	२५०	३५३.८६१	१२.८०५	२ ५४.२	१७ ५१	९ ४४	३०	२८ ५३	५३ ३६ ३ ५३
१७	१५०.८६४	२६८.५५१	२३०	३६६.११८	१३.०५६	१ ५२.३	३० ५४	१३ १५	३०.३	२९ ५५	५५ ३३ ४ ५०
१८	१५०.९१७	२७१.९१०	१८०	३७९.१७३	१३.५७६	+० ४३.४	४४ १०	१६ ४७	३१.७	४१ २९	५७ ८ ५ ३०
१९	१५०.९७०	२८५.५८९	१३८	३९४.७४९	१३.९०७	-० ३०.१	५७ ४४	१९ १०	३२.१	५५ ३५	५९ ४९ ६ २३
२०	१५१.०२३	२९९.५९९	०८०	४०६.६५६	१४.१८८	१ ४३.५	७१ ४१	२० २८	३२.५	७० ३०	६ ८ ७ १८
२१	१५१.०७६	२९४.०६८	०५०	४१९.९४	१४.५१६	२ ३०.०	८५ ५६	२० ३१	३२.८	८५ ३९	८ ४० ८ १४
२२	१५१.१२९	२९८.५४७	०४०	४३४.४८८	१४.८०७	३ ५१.३	१०० २७	१९ १५	३३.२	१०१ ३	१० १३ १३ १३
२३	१५१.१८२	३०३.३८८	०४०	४४७.२६५	१४.९०६	४ ३६.१	११५ १५	१६ ३३	३३.४	११६ २०	११ १६ १० १३
२४	१५१.२३५	३०८.३०६	१००	४६०.७३१	१५.१०६	५ २.४	१३० १०	१२ ५१	३३.३	१३१ १४	१३ ३५ ११ ५
२५	१५१.२८८	३०७.२२५	१६०	४७२.०८७	१५.१०६	-५ ८.३	१४५ ५	८ १९	३३.२	१४५ ३७	१५ ५० ११ ५९

अगस्त-सप्टेंबर सन १९३८ ई.

भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेष गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	मं नति	तिथि केंद्र	चरुति केंद्र	च्युति केंद्र	मध्यम मंद केंद्र	स्थल मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ स	मन्द स्पष्ट चंद्र	
			अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	
२५	३० शु	५२५५	११०.४०७	४०	३४९.७४	००६०	३०३.९७	०.२६	३३.१५	३४.४१	१०.२६	१२१.०९२७
२६	१ शु	५२५६	१२३.५८३	४०	१.९३	००८४	३१५.२८	०.४२	४६.२१	४७.८७	११.३८	१३६.६२३३
२७	२ श	५२५७	१३६.७६०	४०	१.४०	१२.०७	३२६.६०	०.६१	५९.२८	६१.३६	१२.२०	१५१.००४०
२८	३ र	५२५८	१४९.९३६	४०	२.६०	११.२५	३३७.९२	०.८३	७२.३४	७४.८२	१२.६६	१६५.००७६
२९	४ च	५२५९	१६३.११३	४०	३.८५	१०.३६	३४९.२३	१.०६	८५.४१	८८.२३	१२.७८	१७८.७१३६
३०	५ मं	५२६०	१७६.२८९	४१	०.५०	१०.२३	०.५५	१८.४७	१०.१५	१२.५६	१२.९६	१९१.१२९९
३१	६ जु	५२६१	१८९.४६६	४१	६.२८	९.२५	१.५७	१९.५४	११.४७	१२.०४	२०.४७	२०४.७२६२
१	७ शु	५२६२	२०२.६४२	४१	७.५०	८.१०	२.३८	१०.७९	१२.४६	१२.७८	२१.१७	२१७.७६२२
२	८ शु	५२६३	२१५.८१९	४१	८.७२	७.०८	३.४५	२०.११	१३.६७	१४.०९	२२.२७	२२९.८३९९
३	९ श	५२६४	२२८.९९५	४१	९.९४	६.०५	४.५२	२०.२०	१५.०७	१५.३९	२३.४७	२४२.९२८९
४	१० र	५२६५	२४२.१७१	४१	११.१६	५.०३	५.७०	२०.३५	१६.३८	१७.७४	२४.५७	२५६.०२३१
५	११ च	५२६६	२५५.३४८	४२	१२.३८	४.०२	६.८४	२०.४५	१७.६८	१७.९५	२५.६७	२६९.१२८३
६	१२ मं	५२६७	२६८.५२४	४२	१३.६०	३.०१	७.९७	२०.५६	१८.९९	१९.३०	२६.७७	२८२.२३३६
७	१३ जु	५२६८	२८१.७००	४२	१४.८२	२.०५	९.१०	२०.५४	२०.२९	२०.६९	२७.८८	२९५.३४००
८	१४ शु	५२६९	२९४.८७६	४२	१६.०४	१.०४	१०.२४	२०.५१	२१.६०	२१.९४	२८.९९	३०८.४४६४
९	१५ शु	५२७०	३०८.०५३	४२	१७.२६	०.०३	११.३६	२०.५१	२२.९९	२३.२६	२९.७१	३२१.५५३६
१०	१६ श	५२७१	३२१.२२९	४२	१८.४८	०.११	१२.५०	२०.५२	२४.२९	२४.५८	३०.९९	३३४.६६०९
११	१७ र	५२७२	३३४.४०५	४३	१८.६९	१.१५	१३.६५	२०.५५	२५.५९	२५.८८	३१.६५	३४७.७६५५
१२	१८ च	५२७३	३४७.५८२	४३	२०.९८	१.३३	१४.७७	२०.६६	२६.८३	२६.०७	३२.५५	३५९.८७२२
१३	१९ मं	५२७४	३६०.७५८	४३	२२.२७	१.४४	१५.८९	२०.७४	२८.३८	२८.४९	३३.४८	३७२.९७७८
१४	२० जु	५२७५	३७३.९३५	४३	२३.५६	१.३९	१७.०३	२०.८५	२९.४५	२९.७७	३४.४०	३८६.०८५५
१५	२१ शु	५२७६	३८७.१११	४३	२४.८५	१.२७	१८.१६	२०.९७	३०.५५	३०.०४	३५.५१	३९९.१८९१
१६	२२ शु	५२७७	४००.२८७	४३	२५.१४	१.०७	१९.२९	२१.०२	३१.००	३१.११	३६.६२	४१२.२९३७
१७	२३ श	५२७८	४१३.४६३	४३	२७.०१	०.८३	२०.४५	२१.०८	३३.३६	३३.५७	३७.७४	४२५.४००४
१८	२४ र	५२७९	४२६.६४०	४३	२८.२२	०.५८	२१.५५	२१.१७	३४.७१	३४.८३	३८.८६	४३८.५०७०
१९	२५ च	५२८०	४३९.८१७	४३	२९.४५	०.३८	२२.६८	२१.४१	३६.०७	३६.०९	४०.००	४५१.६१३७
२०	२६ मं	५२८१	४५३.९९३	४३	३०.६७	०.२६	२३.८०	२१.५५	३७.२८	३७.३८	४१.००	४६४.७२०३
२१	२७ जु	५२८२	४६७.१६९	४३	३१.८९	०.२४	२४.९०	२१.५९	३८.५९	३८.५९	४१.९९	४७७.८२६९
२२	२८ शु	५२८३	४८०.३४६	४३	३३.१०	०.३१	२६.०८	२१.०८	३९.८७	३९.७७	४३.००	४९०.९३३६
२३	२९ शु	५२८४	४९३.५२२	४३	३४.३२	०.४८	२७.२१	२१.१५	४१.०६	४१.०३	४३.००	५०४.०४०३

अगस्त-सप्टेम्बर सन १९३८ ई.

माद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित ।

ता.	राहु (पात)	पातोन चन्द्र	पक्ष पक्ष	सप्त चन्द्र	दिनगति	शुभ	सायन भोग	कालि	विष	विशुद्धांश	इन्द्रोः शहर का स्थानिक
अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	या. लं. का.
२५	१५.१.२६८	२७३.२१५	१६०	१२२.०८७	१४.७९६	५	८३.१४५	५	८९.३३२	१४५.३७	१३.५०
२६	१५.१.३४१	२८०.९६४	२२०	१३६.८८३	१४.५७७	४	५३.४१५	५२	३२.३	१५९.३४१	०.१२.५९
२७	१५.१.४१४	२८७.७३४	२५०	१५१.२९०	१४.५०४	४	२०.७१७	१७	१४.३	१७३.२८८	४.१३.४१
२८	१५.१.४४७	२९४.५०४	२६०	१६५.३३६	१४.५०४	३	३२.५१८	२०	६.३	१८६.१५०	७.१४.३०
२९	१५.१.५००	३०१.२७३	२५०	१७८.९६३	१४.५०४	२	३३.२०२	५७	१०.५५	१९९.१९२	७.१५.१८
३०	१५.१.५५३	३०८.०४२	२५०	१९२.१३९	१४.५०४	१	३४.०८१	८	१४.३	२१२.१९२	८.१६.५३
३१	१५.१.६०६	३१४.८११	२७०	२०४.८९६	१४.५०४	०	१९.८२३	५३	१७.३	२२५.१९२	७.१६.५३
१	१५.१.६५९	३२१.५८०	२७०	२१७.६६३	१४.५०४	१०	५२.४१८	१६	१९.२	२३८.१९२	८.१७.४२
२	१५.१.७१२	३२८.३४९	०८०	२२९.४१९	१४.५०४	१५०.७२५	२५	२०.८	२९.७	२५१.२९३	७.१८.३०
३	१५.१.७६५	३३५.११८	०५०	२४२.१७६	१४.५०४	२४८.२२६	२०	२०.३	२९.६	२६४.२९३	५.१९.१७
४	१५.१.८१८	३४१.८८७	०२०	२५५.९३३	१४.५०४	३३८.०२७	१०	१९.४	२९.६	२७७.२९३	०.२०.३३
५	१५.१.८७१	३४८.६५६	०५०	२६८.६९०	१४.५०४	४३६.८२८	५९	१७.५	२९.७	२८८.२९३	५.२०.४९
६	१५.१.९२४	३५५.४२५	०८०	२८१.४४७	१४.५०४	४३५.७२९	५३	१५.३	२९.८	३०१.२९३	२१.३३
७	१५.१.९७७	३६२.१९४	११०	२९४.२०४	१४.५०४	५३४.६३०	५४	१२.०	३०.०	३१२.२९३	२२.४७
८	१५.२.०३०	३६९.९६३	१६०	३०६.९६३	१४.५०४	५३३.५३१	५	८.५	३०.२	३२५.२९३	२३.०
९	१५.२.०८३	३७६.७३२	२१०	३१९.७२०	१४.५०४	४३२.४३२	२७	४.३	३०.५	३३८.२९३	२३.४३
१०	१५.२.१३६	३८३.५०१	२४०	३३२.४७७	१४.५०४	४३१.३३३	२९	०.९	३०.७	३४९.२९३	०.२६
११	१५.२.१८९	३९०.२७०	२६०	३४५.२३४	१४.५०४	३५३.२३४	१४	१४.७	३०.९	०.३५३.२९३	१.३०
१२	१५.२.२४२	३९७.०३९	२८०	३५७.९९१	१४.५०४	३५२.१३५	१४	८.४	३०.९	१२.२९३	१.५५
१३	१५.२.२९५	४०३.८०८	३००	३७०.७४८	१४.५०४	३५१.०३६	१४	१२.३	३०.९	२३.२९३	२.०८
१४	१५.२.३४८	४१०.५७७	३२०	३८३.५०५	१४.५०४	३५०.०३७	१४	१६.३	३०.९	३४.२९३	२.३३
१५	१५.२.४०१	४१७.३४६	३४०	३९६.२६२	१४.५०४	३४९.०३८	१४	२०.३	३०.९	४५.२९३	२.४३
१६	१५.२.४५४	४२४.११५	३६०	४०९.०१९	१४.५०४	३४८.०३९	१४	२४.३	३०.९	५६.२९३	२.५३
१७	१५.२.५०७	४३०.८८४	३८०	४२१.७७६	१४.५०४	३४७.०४०	१४	२८.३	३०.९	६७.२९३	२.६३
१८	१५.२.५६०	४३७.६५३	४००	४३४.५३३	१४.५०४	३४६.०४१	१४	३२.३	३०.९	७८.२९३	२.७३
१९	१५.२.६१३	४४४.४२२	४२०	४४७.२९०	१४.५०४	३४५.०४२	१४	३६.३	३०.९	८९.२९३	२.८३
२०	१५.२.६६६	४५१.१९१	४४०	४६०.०४७	१४.५०४	३४४.०४३	१४	४०.३	३०.९	९०.२९३	२.९३
२१	१५.२.७१९	४५७.९६०	४६०	४७२.८०४	१४.५०४	३४३.०४४	१४	४४.३	३०.९	१०१.२९३	३.०३
२२	१५.२.७७२	४६४.७२९	४८०	४८५.५६१	१४.५०४	३४२.०४५	१४	४८.३	३०.९	११२.२९३	३.१३
२३	१५.२.८२५	४७१.४९८	५००	४९८.३१८	१४.५०४	३४१.०४६	१४	५२.३	३०.९	१२३.२९३	३.२३

सप्टेंबर-अक्टूबर सन १९३८ ई.

आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित ।

वा.	ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	चन्द्र स्थिरांक	तिथि कैद	व्यति कैद	मध्यम मंद कैद	स्पष्ट मंद कैद	मंद फल चतुर्थ स.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ
२३	३० शु	५२८४	१३२५२२	५३	१४३.२८	०.४८	२७२.१९	०००६	५२.००	५३.००
२४	१ रा	५२८५	१४५.६९८	५३	३५५.४७	०.७३	२८३.५६	०००९	६५.१०	६६.३३
२५	२ र	५२८६	१५८.०८४	५३	४७६.६६	०.९५	२९४.७८	००१७	७८.१६	७९.७३
२६	३ मो	५२८७	१७०.००१	५३	५९०.८५	१.१७	३०६.०९	००२९	९१.२३	९३.१२
२७	४ मं	५२८८	१८१.२२७	५३	७२०.०४	१.३७	३१७.४०	००४५	१०४.२९	१०६.४९
२८	५ बु	५२८९	१९३.४४४	५३	८४४.४३	१.५७	३२८.७२	००६५	११७.३६	११९.७५
२९	६ शु	५२९०	२०५.५८०	५४	९६५.४२	१.७२	३४०.०३	००८७	१३०.४२	१३३.०५
३०	७ शु	५२९१	२१७.७५७	५४	१०८६.११	१.९६	३५१.३५	०१०९	१४३.४९	१४६.२१
१	८ रा	५२९२	२३०.०३३	५४	१२०८.०	०.९५	३६२.६५	०१३६	१५६.५५	१५९.३०
२	९ र	५२९३	२४२.११०	५४	१३२९.९	०.७०	३७३.९६	०१६२	१७०.२६	१७३.०२
३	१ सो	५२९४	२५४.२८६	५४	१४५१.९४	०.५७	३८५.२६	०१८७	१८३.४३	१८६.१७
४	२ मं	५२९५	२६७.४६२	५४	१५७३.७७	०.२९	३९६.६३	०२०५	१९६.७३	१९९.५३
५	३ बु	५२९६	२८०.६३८	५४	१६९५.६६	०.०९	४०७.९४	०२२३	२०८.९४	२११.६७
६	४ शु	५२९७	२९३.८०८	५४	१८१७.७५	०.२०	४१९.२६	०२३७	२२१.८८	२२४.७९
७	५ शु	५२९८	३०७.९९९	५४	१९३९.९४	०.३१	४३०.५८	०२५७	२३४.९४	२३७.९६
८	६ रा	५२९९	३२१.०९७	५४	२०६२.३३	०.५१	४४१.९०	०२७३	२४८.०१	२५१.७९
९	७ र	५३००	३३४.३३४	५४	२१८४.३२	०.७५	४५३.२२	०२९३	२६१.०७	२६४.७९
१०	१ सो	५३०१	३४७.५२०	५४	२३०६.५१	१.०२	४६४.५६	०३१३	२७४.१४	२७७.८८
११	२ मं	५३०२	३५९.९६	५४	२४२८.७०	१.२४	४७५.८५	०३३३	२८७.२०	२९०.९८
१२	३ बु	५३०३	३७२.४३७	५४	२५५१.०९	१.४६	४८७.१३	०३५३	३००.२७	३०३.३७
१३	४ शु	५३०४	३८५.०५९	५४	२६७३.४८	१.६८	४९८.४३	०३७३	३१३.३३	३१६.७३
१४	५ शु	५३०५	३९७.२२६	५४	२७९५.८८	१.९१	५१०.७३	०३९३	३२६.४०	३२९.७९
१५	६ रा	५३०६	४०९.४४२	५४	२९१८.२७	१.९९	५२२.९९	०४१३	३३९.४६	३४२.७८
१६	७ र	५३०७	४२१.७८८	५४	३०४०.६६	०.९६	५३५.२६	०४३३	३५२.५३	३५५.७८
१७	१ सो	५३०८	४३४.१३४	५४	३१६३.०५	०.७३	५४७.५३	०४५३	३६५.६०	३६८.७५
१८	२ मं	५३०९	४४६.४८०	५४	३२८५.४४	०.५९	५५९.८०	०४७३	३७८.६६	३८१.७५
१९	३ बु	५३१०	४५८.७२६	५४	३४०७.८३	०.३२	५७२.०७	०४९३	३९१.७३	३९४.७५
२०	४ शु	५३११	४७१.०७२	५४	३५३०.२२	०.०७	५८४.३४	०५१३	४०४.७९	४०७.७५
२१	५ शु	५३१२	४८३.४१८	५४	३६५२.६१	०.२६	५९६.६१	०५३३	४१७.८६	४२०.८०
२२	६ रा	५३१३	४९५.७६४	५४	३७७५.००	०.३६	६०८.८८	०५५३	४३०.९२	४३३.८७
२३	७ र	५३१४	५०८.११०	५४	३८९७.३९	०.५८	६२१.१६	०५७३	४४३.९८	४४६.९३

सितंबर-अक्टूबर सन १९३८ ई आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित ।

त.	राहु (पात)	पातोन चंद्र	अं. पू. मं.	स्पष्ट चंद्र	दिनगति	घर	गयन भोग	क्रांति	विष	विशुवाश	इंद्रांग शहर का स्थानिक
अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	क.	अ. क.	घ. प. एं. घ. मि.	या. लं. का.
२३	१५२८२५	२९८०५७	२४०	१४५७७२	१४०१२६	-४ ३२०	१६८ २८	० २३	३२२	१६७ ३७	१२४४ ११ ३३
२४	१५२८८७	३१२०२६	२६०	१५१५५८	१३८६६	-३ ४८५	१८२ ३५	-४ ३०	३२०	१८० ५१	१४४७ १२ २९
२५	१५२९३१	३२६००९	२५०	१५३१४१	१३७४८	२ ५१९	१९६ २४	९ ५३	३१६	१९६ ५९	१६४८ १३ १०
२६	१५२९८४	३३९९६५	२२०	१८६०१३	१३५८३	१ ४७२	२०९ ५३	१३ ७३	३१२	२०७ १८	१८५० १३ ५९
२७	१५३०३७	३५३९३७	१८०	२०००१७	१३४१६	-० ३०३	२२३ ०	१६ २३	३०७	२२० १२	१९५० ५० १४
२८	१५३०९०	३६७९०९	१६०	२१२७३३	१३२७१	+० ३००	२३५ ४३	१८ ४३	३०३	२३३ ३१	२०५० ५० १४
२९	१५३१४३	३८१८७६	१०८	२२४८१९	१३१२५	१ ३६०	२४८ ११	२० ४३	३०९	२४६ ४१	२१५० ५० १४
३०	१५३१९६	३९५८४३	०५०	२३६९२७	१२९७९	२ ३५५	२६० १९	२० ३२	३०८	२५९ ४०	२२५० ५० १४
१	१५३२५०	४०९८१०	०४०	२४९०३३	१२८३३	+३ २८५	२७२ १८	-१९ ५७	२९७	२७२ ३४	२३५० ५० १४
२	१५३३०३	४२३७७७	०४०	२६११४०	१२६८७	४ १११	२८४ १०	१८ ३२	२९६	२८५ ५५	२४५० ५० १४
३	१५३३५६	४३७७४४	०३०	२७३२४७	१२५४१	५ ४२८	२९६ १०	१८ ३९	२९५	२९८ ७६	२५५० ५० १४
४	१५३४०९	४५१७११	०२०	२८५३५४	१२३९५	५ २३३	३०७ ५७	१३ २५	२९५	३०९ ९७	२६५० ५० १४
५	१५३४६२	४६५६७८	०१०	२९७४६१	१२२५०	५ ८४३	३२० २९	९ ५७	३००	३२३ १८	२७५० ५० १४
६	१५३५१५	४७९६४५	०००	३०९५६८	१२१०५	५ ००३	३३२ ४७	६ ०३	३०३	३३६ ३९	२८५० ५० १४
७	१५३५६८	४९३६१२	०२४०	३२१६७५	१२०००	४ ३९५	३४४ ४७	-१ ४२	३००	३४९ ४१	२९५० ५० १४
८	१५३६२१	५०७५७९	०२६०	३३३७८२	११८५५	४ ३३३	३५६ ४७	+३ ४२	३००	३६३ ४३	३०५० ५० १४
९	१५३६७४	५२१५४६	०२६०	३४५८८९	११७१०	३ ३१८	३६८ ४७	७ १०	३०३	३८८ ४३	३१५० ५० १४
१०	१५३७२७	५३५५१३	०२४०	३५७९९६	११५६५	२ ३३१	३८० ४७	+१११	२९९	३९९ ४३	३२५० ५० १४
११	१५३७८०	५४९४८०	०२००	३७०१०३	११४२०	+१११	३९२ ४७	२९५	३००	४१२ ४३	३३५० ५० १४
१२	१५३८३३	५६३४४७	०१४०	३८२२१०	११२७५	-० १०१	४०४ ४७	१७ ५७	३०३	४२५ ४३	३४५० ५० १४
१३	१५३८८६	५७७४१४	००९०	३९४३१७	१११३०	१ १५४	४१६ ४७	१९ ५७	३०३	४३८ ४३	३५५० ५० १४
१४	१५३९३९	५९१३८१	००५०	४०६४२४	११०००	२ ३५३	४२८ ४७	२० ५७	३०३	४५१ ४३	३६५० ५० १४
१५	१५३९९२	६०५३४८	००४०	४१८५३१	१०८५५	३ ३५१	४४० ४७	१९ ५७	३०३	४६४ ४३	३७५० ५० १४
१६	१५४०४५	६१९३१५	००५०	४३०६३८	१०७१०	-४ २२९	४५२ ४७	+१११	४५८	४७७ ४३	३८५० ५० १४
१७	१५४०९८	६३३२८२	००९०	४४२७४५	१०५६५	५ ५४५	४६४ ४७	१५ ५७	४६४	४९० ४३	३९५० ५० १४
१८	१५४१५१	६४७२४९	०१४०	४५४८५२	१०४२०	५ ८४३	४७६ ४७	११ ५७	४६४	५०३ ४३	४०५० ५० १४
१९	१५४२०४	६६१२१६	०१९०	४६६९५९	१०२७५	५ ३११	४८८ ४७	६ ५७	४६४	५१६ ४३	४१५० ५० १४
२०	१५४२५७	६७५१८३	०२४०	४७९०६६	१०१३०	४ ११५	४९९ ४७	+१११	४७७	५२९ ४३	४२५० ५० १४
२१	१५४३१०	६८९१५०	०२६०	४९११७३	१००००	४ ०२३	५११ ४७	२ ५०	४७७	५४२ ४३	४३५० ५० १४
२२	१५४३६३	७०३११७	०२५०	५०३२८०	९९८५५	३ ७४३	५२३ ४७	७ ५०	४७७	५५५ ४३	४४५० ५० १४
२३	१५४४१६	७१७०८४	०२६०	५१५३८७	९९७१०	-२ ५००	५३५ ४७	११ ५७	४७७	५६८ ४३	४५५० ५० १४

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ ई. कार्तिक शुद्ध और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेष गणिते ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	मध्यम राशि	तिथि केंद्र	च्युति केंद्र	सकृद्व्युति केंद्र	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र	
			अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	
२३	३०	५३१४	१६७८१३	४२	३४९.००	०.५८	२५१.६३	०.१३	८३.९८	८५.११	१२.७८	१८१.७२३
२४	१	५३१५	१८०.९८९	४२	१.१९	०.८२	२६२.९५	०.८	९७.०५	९८.३७	१२.६५	१९५.९५९
२५	२	५३१६	१९४.१६५	४२	१३.३८	१.०६	२७४.२७	०.६	११०.१९	१११.६५	१२.२०	२०७.९०५
२६	३	५३१७	२०७.३४२	४२	२५.५७	१.२५	२८५.५९	०.१९	१२३.४८	१२४.९५	११.४५	२२०.५६२
२७	४	५३१८	२२०.५१८	४२	३७.७६	१.४६	२९६.९०	०.१९	१३६.२४	१३८.२१	१०.४८	२३३.२९८
२८	५	५३१९	२३३.६९५	४२	४९.९५	१.६६	३०८.२२	०.३२	१४९.३१	१५१.१४	९.३३	२४६.०३८
२९	६	५३२०	२४६.८७१	४१	६२.१४	१.२६	३१९.५३	०.४९	१६२.३७	१६४.५५	८.००	२५७.९११
३०	७	५३२१	२६०.०४८	४१	७४.३३	१.०७	३३०.८५	०.६९	१७५.५४	१७७.७३	६.७५	२६८.९६८
३१	८	५३२२	२७३.२२४	४१	८६.५२	०.८४	३४२.१७	०.९१	१८८.५०	१९०.६६	५.४०	२८०.८८४
१	९	५३२३	२८६.४००	४१	९८.७१	०.५९	३५३.४८	१.१६	२०१.७७	२०३.७३	४.१३	२९२.६९०
२	१०	५३२४	२९९.५७७	४१	११०.९०	०.३७	३६४.७९	१.४०	२१४.६३	२१६.८८	२.९३	३०४.८७७
३	११	५३२५	३१२.७५३	४०	१२३.०९	०.२३	३७६.१२	१.६५	२२७.७०	२२९.९९	१.८९	३१६.९३३
४	१२	५३२६	३२५.९२९	४०	१३५.२८	०.१८	३८७.४४	१.८८	२४०.७६	२४३.२२	१.०६	३२९.४४९
५	१३	५३२७	३३९.१०६	४०	१४७.४८	०.२४	३९८.७५	२.०९	२५३.८३	२५६.५६	०.४९	३४१.९२६
६	१४	५३२८	३५२.२८२	४०	१५९.६७	०.४०	४००.०७	२.२९	२६६.८९	२६९.९५	०.२३	३५५.५७२
७	१५	५३२९	३६५.४५८	४०	१७१.८६	०.६३	४११.३८	२.४९	२७९.९६	२८३.३८	०.३१	३६८.८८८
८	१६	५३३०	३७८.६३५	४०	१८४.०५	०.८९	४२२.७०	२.७३	२९३.०२	२९६.८०	०.७१	३८१.२५५
९	१७	५३३१	३९१.८११	४०	१९६.२४	१.१३	४३४.०२	२.९४	३०६.०९	३०९.१६	१.४८	३९३.६११
१०	१८	५३३२	४०५.९८७	४०	२०८.४३	१.३२	४४५.३३	३.१९	३१९.१५	३२३.४०	२.५४	४०६.७७७
११	१९	५३३३	४२०.१६४	३९	२२०.६२	१.४९	४५६.६५	३.४३	३३२.२२	३३६.५०	३.८३	४१९.९३३
१२	२०	५३३४	४३४.३४०	३९	२३२.८१	१.४०	४६७.९७	३.६७	३४५.२८	३४९.४६	५.२७	४३३.९००
१३	२१	५३३५	४४८.५१७	३९	२४५.००	१.२८	४७९.२८	३.८७	३५८.३५	३६३.५३	६.७८	४४८.९६७
१४	२२	५३३६	४६२.६९३	३९	२५७.१९	१.०९	४९०.६०	२.८८	३७१.४१	३७६.९७	८.२४	४६४.९३३
१५	२३	५३३७	४७६.८६९	३९	२६९.३८	०.८४	५०१.९२	१.८७	३८४.४४	३८९.५८	९.६०	४८१.९६९
१६	२४	५३३८	४९१.०४६	३९	२८१.५८	०.६०	५१३.२३	१.६६	३९७.५४	४०२.६९	१०.१९	४९७.५७७
१७	२५	५३३९	५०५.२२२	३९	२९३.७७	०.३९	५२४.५५	१.४२	४१०.६१	४१६.८०	११.७३	५१३.९४२
१८	२६	५३४०	५१९.३९८	३८	३०५.९६	०.२६	५३५.८७	१.१७	४२३.६७	४२९.४८	१२.३८	५३०.८८८
१९	२७	५३४१	५३३.५७५	३८	३१८.१५	०.२३	५४७.१८	०.९४	४३६.७४	४४२.९९	१२.७२	५४७.८४५
२०	२८	५३४२	५४७.७५१	३८	३३०.३४	०.३०	५५८.५०	०.७२	४४९.८०	४५६.२०	१२.७७	५६०.९११
२१	२९	५३४३	५६१.९२७	३८	३४२.५३	०.४७	५६९.८२	०.५१	४६३.८८	४६९.२३	१२.४८	५७३.९७७

अक्टूबर-नवंबर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेष गणित।

ता.	राहु (पात)	पातोन चन्द्र	पु. कक्षा	पु. वर्त	स्पष्टचंद्र	दिनराति	शर	सायन भोग	क्रांति	विष	विषुवांश	इन्दौर नहर का स्थानिक या. ले. का.
अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	क.	अ.	क.	प. व. एंटी.प.मि
२३	१५.४.४१५	३३.३५.१३८	२३०	१८१.९५३	१३०.१९३	२	५०	२०४.५६	११	३६	३१.२	२०२ १३ ३५ ११ ५२
२४	१५.४.४६६	३३.३५.४२७	१९०	१९५.१४९	१२०.९०६	०	५६.८	२१८	८	१५	८३०.९	२१५ २७ १५ ३७ १२ ४२
२५	१५.४.५२१	२५.४२६	१५०	२०८.०५५	१२०.५९७	०	१३.०	२३१	३	१७	४९३०.७	२२८ ४१ १७ ३९ ३१ ३१
२६	१५.४.५७४	१५.१३६	०९०	२२०.६५२	१२०.३३७	१	२०.५	२४३	३९	१९	३५३०.२	२४१ ५४ १९ ४१ १४ १९
२७	१५.४.६२७	२७.५९५	०६०	२३३.०२८	१२०.१३७	२	२७.९	२५६	९	२०	२२९.९	२५५ ५२ ४४ १५ ९
२८	१५.४.६८०	३९.८०५	०३०	२४५.१६५	१२०.९८७	३	३७.५	२६८	९	२०	१९२.८	२६८ २२ ३३ १५ ५६
२९	१५.४.७३३	५१.८४४	०४०	२५७.१९१	१२०.८७७	४	४८.०	२८०	३	१९	०२९.७	२८० ३६ २५ ३९ १६ ४२
३०	१५.४.७८६	६३.७५४	०६०	२६९.०२८	१२०.८५६	४	५७.०	२९२	१	१७	६२९.६	२९३ ०२ ३३ १७ २८
३१	१५.४.८३९	७५.६२३	१००	२८०.८८४	११०.९४६	४	५९.१	३०३	५२	१४	२७२.९	३०४ ५८ २९ २३ १८ १२
१	१५.४.८९२	८७.५८२	१४०	२९२.८३०	१२०.०५७	५	८५.३	३१५	४९	१०	५९२.९	३१६ ४३ ३१ १० १८ ५५
२	१५.४.९४५	९९.६३२	१९०	३०४.८७७	१२०.०३७	५	९४.३	३२७	५२	७	३०३.०	३२८ १७ ३३ १९ १८ १९
३	१५.४.९९८	१११.९३१	२३०	३१७.१६३	१२०.२८६	४	९६.५	३३९	९	३	२०३.०४	३३९ ५१ ३४ ४३ २० २०
४	१५.५.०५१	१२४.५००	२७०	३२९.६९९	१२०.८८७	४	९४.४	३५२	४१	१	३०३.९	३५१ ३६ ३६ २३ २१ ३
५	१५.५.१०४	१३७.७३०	२६०	३४१.५८६	१२०.२८६	३	२८.८	५	३५	५	२६३१.२	३ ४५ १८ २२ २१ ३४
६	१५.५.१५७	१५०.७३२	२५०	३५५.१२२	१२०.२८६	२	३०.८	१८	४८	९	४२३१.७	१६ २६ ४० १८ २२ ३४
७	१५.५.२१०	१६३.३९८	२१०	३६९.९८	१२०.८८७	१	२७.९	३२	२३	१३	३७३१.२	२९ ४३ ४२ २१ २३ २३
८	१५.५.२६३	१७८.०८८	१६०	३८३.८५	१४०.१७६	०	८८	४६	१७	१६	५१३२.४	४३ ४७ ४४ ३२ ० १६
९	१५.५.३१६	१९२.७७७	१००	३९७.६१	१४०.१७६	१	७५.५	६०	२७	१९	९३२.६	५८ ३२ ४६ ४९ ११ ११
१०	१५.५.३६९	२०७.१४६	०६०	४११.३८७	१४०.४७७	२	००.७	७४	५०	२०	१६३२.८	७३ ५० ४९ १३ २८
११	१५.५.४२२	२२२.१६६	०४०	४२५.१४४	१४०.४७७	३	२५.३	८९	१८	२०	२२३९.९	८९ १६ १६ १३ ३६
१२	१५.५.४७५	२३६.२६५	०५०	८०.८४०	१४०.५२६	४	६.७	१०३	५०	१८	२८३२.८	१०४ ३३ ५४ १५ ३
१३	१५.५.५२८	२५०.७७५	०८०	९५.११९	१४०.५७७	४	५१.३	११८	१९	१५	४३२.६	१२५ ४५ ५८
१४	१५.५.५८१	२६५.०७४	१००	१०९.२३३	१४०.६०६	५	७०.६	१३२	३७	१२	४३२.२	१३३ ३६ ५८ ३१ ५ ५१
१५	१५.५.६३४	२७९.२०३	११०	१२३.७४९	१३०.९७७	५	४९.१	१४६	४३	७	५०३२.२	१४७ १२ १३ ३७ ६ ४२
१६	१५.५.६८७	२९३.१६३	१२०	१३७.७१६	१३०.९७७	४	४७.९	१६०	४२	३	११३२.८	१६० २४ २३ ७ ३१
१७	१५.५.७४०	३०७.८८२	१३०	१५१.०२२	१३०.५४६	४	६०.८	१७४	२४	०	१३१.५	१७३ ४३ ८८ १८
१८	१५.५.७९३	३२०.०३८	१४०	१६४.८४८	१२०.२३७	३	६६.८	१८७	५०	३	७३१.९	१८५ ५४ ६३ ९ ५
१९	१५.५.८४६	३३३.३६९	१५०	१७८.०८५	१२०.२३७	२	६७.७	२०१	१	१०	२१३०.१	१९८ ३६ ८३२ ९ ५२
२०	१५.५.८९९	३४६.६९०	१६०	१९१.१११	१२०.२६६	१	१०.५	२१४	६	१४	१३०.८	२११ २६ १० ३० १० ३९
२१	१५.५.९५२	३६०.७९१	१७०	२०३.९९७	१२०.८०६	०	१६	२२६	५५	१६	५३०.०	२२४ २६ १२ ३० ११ २७

नवंबर-डिसेंबर सन १९३८ इ.

मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित।

ता.	वि.वा.	प्रभाकर दिनांक	मध्यम बन्धन स्थिरांक	अ प्रति दिन	तिथि केंद्र	प्रति दिन	व्युति केंद्र	अ प्रति दिन	मध्यम मंद केंद्र	स्थष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं	मन्द स्थष्ट चंद्र
			अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ
२१	३	५	१८९.९२७	३८	३४२.५२	०.५७	२२९.८२	०.५९	१०२.८७	१०४.२३	१२.४८	२०.३७७७
२२	४	५	२०३.१०४	३८	३५४.७२	०.७०	२३१.१३	०.३५	११५.९३	११७.३६	१२.९१	२१.५५५५
२३	५	५	२१६.२८०	३७	३६५.७२	०.०४	२४४.१४	०.२१	१२९.००	१३०.५२	१२.१०७	२२.८८७०
२४	६	५	२२९.४६०	३७	३७९.१०	१.१६	२४६.७७	०.१२	१४२.०६	१४३.२१	१०.०२	२३.७७७७
२५	७	५	२४२.६३३	३७	३९२.९१	१.३१	२५१.०८	०.०७	१५५.१३	१५६.३८	८.८१	२४.६६६६
२६	८	५	२५५.८०९	३६	४०५.४८	१.३७	२५३.५७	०.०६	१६८.१९	१६९.४४	७.५५	२५.५५५५
२७	९	५	२६९.९८६	३६	४१८.७७	१.३९	२५८.७२	०.१२	१८१.३५	१८२.५९	५.८८	२६.४४४४
२८	१०	५	२८२.१६२	३६	४३२.८६	१.३९	२६९.०३	०.२१	१९४.३२	१९५.५६	४.८८	२८.०७८८
२९	११	५	२९५.३३८	३६	४४६.०५	०.९७	२७०.३५	०.३५	२०७.३९	२०९.०७	३.६६	२९.०७८८
३०	१२	५	३०८.५१५	३५	४६०.२४	०.७२	२७२.६७	०.५२	२२०.५५	२२२.०४	२.५०	३०.१६६६
३१	१३	५	३२१.६९२	३५	४७४.४३	०.४६	२७४.९८	०.७३	२३३.५२	२३५.०१	१.००	३१.२५७७
३२	१४	५	३३४.८६७	३५	४८८.६२	०.२९	२७६.३०	०.९६	२४६.६०	२४८.०९	०.८८	३२.३४७७
३३	१५	५	३४८.०४४	३५	५०२.८१	०.१९	२७७.६२	१.१९	२५९.६५	२६१.१०	०.३६	३३.०६६६
३४	१६	५	३६१.२२०	३५	५१६.००	०.००	२७९.९४	१.४५	२७२.७१	२८४.१०	०.२२	३४.१६६६
३५	१७	५	३७४.३९७	३५	५२९.१९	०.३०	२८१.२५	१.६९	२८५.७३	२८६.७३	०.४४	३५.२६६६
३६	१८	५	३८७.५७३	३५	५४२.३९	०.५०	२८२.७७	१.९०	२९८.८४	३००.६०	०.९५	३६.२८८८
३७	१९	५	४००.७४९	३५	५५५.५८	०.७४	४०८.८८	२.१२	३०१.९९	३०३.११	१.८४	४७.३८८८
३८	२०	५	४१३.९२६	३४	५६९.७७	१.००	४२०.२०	२.२९	३१५.९७	३१८.०९	३.०२	४८.४८८८
३९	२१	५	४२७.१०२	३४	५८३.९६	१.२३	४३०.५२	२.४२	३२९.०४	३३२.०२	४.४८	४९.५८८८
४०	२२	५	४४०.२७८	३४	५९८.१५	१.३७	४४५.८३	२.५०	३४१.१०	३४५.३०	५.९५	५०.६८८८
४१	२३	५	४५३.४५५	३४	६१२.३४	१.४२	४६०.१४	२.५४	३५३.१७	३५७.४७	७.९५	५१.७८८८
४२	२४	५	४६६.६३२	३४	६२६.५३	१.४५	४७५.४४	२.५२	३६५.२२	३६९.	८.९५	५२.८८८८
४३	२५	५	४७९.८०८	३४	६४०.७२	१.५०	४८०.७३	२.५६	३७७.२७	३८१.०२	१०.००	५३.९८८८
४४	२६	५	४९३.००८	३४	६५४.९१	१.५५	४८६.०२	२.५९	३८९.३२	३८६.०७	११.००	५४.९८८८
४५	२७	५	५०६.२१०	३४	६६९.१०	०.७३	४९१.३१	२.६२	४०१.३७	४०३.१२	१२.००	५५.९८८८
४६	२८	५	५१९.४१२	३४	६८३.२९	०.८०	४९६.५०	२.६५	४१३.४२	४१५.३७	१३.००	५६.९८८८
४७	२९	५	५३२.६१४	३४	६९७.४८	०.८६	५०१.६९	२.६८	४२५.५३	४२७.४२	१४.००	५७.९८८८
४८	३०	५	५४५.८१६	३४	७११.६७	०.९१	५०६.८८	२.७१	४३७.६४	४३९.५१	१५.००	५८.९८८८
४९	३१	५	५५९.०१८	३४	७२५.८६	०.९६	५१२.०७	२.७४	४४९.७५	४५१.६०	१६.००	५९.९८८८
५०	३२	५	५७२.२२०	३४	७४०.०५	०.९९	५१७.२६	२.७७	४६१.८६	४६३.६९	१७.००	६०.९८८८
५१	३३	५	५८५.४२२	३४	७५४.२४	१.०४	५२२.४५	२.८०	४७३.९७	४७५.८८	१८.००	६१.९८८८
५२	३४	५	५९८.६२४	३४	७६८.४३	१.०९	५२७.६४	२.८३	४८६.०८	४८७.९९	१९.००	६२.९८८८
५३	३५	५	६११.८२६	३४	७८२.६२	१.१४	५३२.८३	२.८६	४९८.१९	४९९.९०	२०.००	६३.९८८८
५४	३६	५	६२५.०२८	३४	७९६.८१	१.१९	५३८.०२	२.८९	५१०.३०	५१२.०१	२१.००	६४.९८८८
५५	३७	५	६३८.२३०	३४	८११.००	१.२४	५४३.२१	२.९२	५२२.४१	५२४.१२	२२.००	६५.९८८८
५६	३८	५	६५१.४३२	३४	८२५.१९	१.२९	५४८.४०	२.९५	५३४.५२	५३६.२३	२३.००	६६.९८८८
५७	३९	५	६६४.६३४	३४	८३९.३८	१.३४	५५३.५९	२.९८	५४६.६३	५४८.३४	२४.००	६७.९८८८
५८	४०	५	६७७.८३६	३४	८५३.५७	१.३९	५५८.७८	३.०१	५५८.७४	५६०.४५	२५.००	६८.९८८८
५९	४१	५	६९१.०३८	३४	८६७.७६	१.४४	५६३.९७	३.०४	५७०.८५	५६२.५६	२६.००	६९.९८८८
६०	४२	५	७०४.२४०	३४	८८१.९५	१.४९	५६९.१६	३.०७	५८२.९६	५८४.६७	२७.००	७०.९८८८
६१	४३	५	७१७.४४२	३४	८९६.१४	१.५४	५७४.३५	३.१०	५९५.०७	५९६.७८	२८.००	७१.९८८८
६२	४४	५	७३०.६४४	३४	९१०.३३	१.५९	५७९.५४	३.१३	६०७.१८	६०८.८९	२९.००	७२.९८८८
६३	४५	५	७४३.८४६	३४	९२४.५२	१.६४	५८४.७३	३.१६	६१९.२९	६२०.९०	३०.००	७३.९८८८
६४	४६	५	७५७.०४८	३४	९३८.७१	१.६९	५९०.०२	३.१९	६३१.४०	६३२.९१	३१.००	७४.९८८८
६५	४७	५	७७०.२५०	३४	९५२.९०	१.७४	५९५.२१	३.२२	६४३.५१	६४४.९२	३२.००	७५.९८८८
६६	४८	५	७८३.४५२	३४	९६७.०९	१.७९	६००.४०	३.२५	६५५.६२	६५६.९३	३३.००	७६.९८८८
६७	४९	५	७९६.६५४	३४	९८१.२८	१.८४	६०५.५९	३.२८	६६७.७३	६६८.९४	३४.००	७७.९८८८
६८	५०	५	८०९.८५६	३४	९९५.४७	१.८९	६१०.७८	३.३१	६७९.८४	६८०.९५	३५.००	७८.९८८८
६९	५१	५	८२३.०५८	३४	१००९.६६	१.९४	६१६.०७	३.३४	६९१.९५	६९२.९६	३६.००	७९.९८८८
७०	५२	५	८३६.२६०	३४	१०२३.८५	१.९९	६२१.२६	३.३७	७०४.०६	७०५.९७	३७.००	८०.९८८८
७१	५३	५	८४९.४६२	३४	१०३८.०४	२.०४	६२६.४५	३.४०	७१६.१७	७१७.९८	३८.००	८१.९८८८
७२	५४	५	८६२.६६४	३४	१०५२.२३	२.०९	६३१.६४	३.४३	७२८.२८	७२९.९९	३९.००	८२.९८८८
७३	५५	५	८७५.८६६	३४	१०६६.४२	२.१४	६३६.८३	३.४६	७४०.३९	७४१.९०	४०.००	८३.९८८८
७४	५६	५	८८९.०६८	३४	१०८०.६१	२.१९	६४२.०२	३.४९	७५२.५०	७५३.९१	४१.००	८४.९८८८
७५	५७	५	९०२.२७०	३४	१०९४.८०	२.२४	६४७.२१	३.५२	७६४.६१	७६६.०२	४२.००	८५.९८८८
७६	५८	५	९१५.४७२	३४	११०९.००	२.२९	६५२.४०	३.५५	७७६.७२	७७७.९३	४३.००	८६.९८८८
७७	५९	५	९२८.६७४	३४	११२३.१९	२.३४	६५७.५९	३.५८	७८८.८३	७८९.९४	४४.००	८७.९८८८
७८	६०	५	९४१.८७६	३४	११३७.३८	२.३९	६६२.७८	३.६१	८०१.०४	८०२.९५	४५.००	८८.९८८८
७९	६१	५	९५५.०७८	३४	११५१.५७	२.४४	६६७.९७	३.६४	८१३.१५	८१४.९६	४६.००	८९.९८८८
८०	६२	५	९६८.२८०	३४	११६५.७६	२.४९	६७३.१६	३.६७	८२५.२६	८२६.९७	४७.००	९०.९८८८
८१	६३	५	९८१.४८२	३४	११८०.०५	२.५४	६७८.३५	३.७०	८३७.३७	८३८.९८	४८.००	९१.९८८८
८२	६४	५	९९४.६८४	३४	११९४.२४	२.५९	६८३.५४	३.७३	८४९.४८	८५०.९९	४९.००	९२.९८८८
८३	६५	५	१००७.८८६	३४	१२०८.४३	२.६४	६८८.७३	३.७६	८६१.५९	८६२.९०	५०.००	९३.९८८८
८४	६६	५	१०२१.०८८	३४	१२२२.६२	२.६९	६९३.९२	३.७९	८७३.७०	८७४.९१	५१.००	९४.९८८८
८५	६७	५	१०३४.२९०	३४	१२३६.८१	२.७४	६९९.११	३.८२	८८५.८१	८८६.९२	५२.००	९५.९८८८
८६	६८	५	१०४७.४९२	३४	१२५१.००	२.७९	७०४.३०	३.८५	८९७.९२	८९८.९३	५३.००	९६.९८८८
८७	६९	५	१०६०.६९४	३४	१२६५.१९	२.८४	७०९.४९	३.८८	९१०.०३	९११.९४	५४.००	९७.९८८८
८८	७०	५	१०७३.८९६	३४	१२७९.३८	२.८९	७१४.६८	३.९१	९२२.१४	९२३.९५	५५.००	९८.९८८८
८९	७१	५	१०८७.०९८	३४	१२९३.५७	२.९४	७१९.८७	३.९४	९३४.२५	९३५.९६	५६.००	९९.

नवंबर-दिसंबर सन १९३८ ई.

मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का चंद्रका वेध गणित ।

ता.	राहु (पात)	पातोन चंद्र	म प क म प	स्पष्ट चंद्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	विष	विपुवांश	इंदोर शहर का स्थानिक ग. लं. का.
	अ	अ		अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ
२१	१५५-१५२	३५७-७१९	१५०	२०३-११७	१२-६-२७	०	१-६-२२६ ५५	१६ ५६	३०-६	२२४ २६	१२ ३० ११ २०
२२	१५६-००५	१२-४४९	१००	२१६-५४४	१२-३९६	+	६-५-२३९ ३२	-१८ ५८	३०-६	२३७ ३१	१४ ३१ १२ १५
२३	१५६-००५	२५-१२८	०७०	१२८-१४०	१२-२५६	२	९-९-२५१ ५६	२० ५	३०-१	२५० ४४	१६ ३३ १३ ४
२४	१५६-१११	३७-२३७	०४०	२४१-१६६	१२-१२६	३	६-८-२६४ ९	२० १३	२९-९	२६३ ४७	१८ ३५ १३ ५३
२५	१५६-१६६	४९-३५५	०४०	२५३-२३३	१२-९२६	३	५-४-२७६ १४	१९ २५	२९-७	२७६ ३५	२० ३३ १४ ४०
२६	१५६-२२२	६१-३१६	०६०	२६५-१५९	१२-७८६	४	३०-८-२८८ १४	१७ ४५	२९-७	२८९ १	२२ ३७ १५ २६
२७	१५६-२७७	७३-२२६	०९०	२७७-०४६	१२-८८६	४	५-५-३०० २	१५ २०	२९-७	३०१ ३	२४ ३८ १६ १०
२८	१५६-३३३	८५-१०५	१२०	२८८-९११	१२-९०६	५	७-६-३११ ५५	१२ १८	२९-७	३१४ ५४	२६ ४० १६ ५३
२९	१५६-३९७	९७-०१४	१८०	३००-८८८	१२-००७	५	६-५-३२३ ४९	८ ४६	२९-८	३२७ ४१	२८ ५१ १७ ३५
३०	१५६-४२९	१०९-०३४	२२०	३१२-८२५	१२-२१६	४	५-१-३३५ ४९	४ ५१	३०-०	३३९ ४९	२९ ३५ १८ १७
१	१५६-४८८	१२१-०७३	२५०	३२५-०४४	१२-२५६	४	२-३-३४८ २	० ४१	३०-४	३४७ १७	३१ ३१ १८ ५९
२	१५६-५४३	१३३-१३२	२६०	३३७-५५७	१२-८५७	३	४-२-३६० ३३	१३ ३७	३०-८	३५९ २	३३ ८ १९ ४७
३	१५६-५८८	१४५-७५२	२५०	३५०-४१४	१२-२३६	२	३-१-३७२ १४	७ ५३	३०-३	३७१ २	३५ ० २० २७
४	१५६-६४४	१६०-०७३	२२०	३६५-०	१२-३५६	१	४-४-३८४ २६	११ ५५	३०-८	३८४ ५	३६ ५९ २१ १४
५	१५६-६९४	१७३-८३०	१७०	३८०-३३	१२-०९७	+	३-३-४०० १८	१५ २४	३०-३	३९७ २९	३९ ५ २२ ५
६	१५६-७४५	१८८-०३०	१२०	३९५-०३	१२-४५६	-	४-४-४१२ १८	१८ ११	३०-८	४०९ २३	४१ २० २२ ५९
७	१५६-८०५	२०२-५८९	०७०	४०८-५९	१२-७४७	१	५-८-४२४ ५१	१९ ५०	३०-३	४२२ ४८	४३ ४३ २३ ५७
८	१५६-८५३	२१४-४१९	०४०	४२०-०६	१२-९५४	-	७-७-८३६ ३६	२० १०	३०-३	४३४ १२	४६ ११ ० ५५
९	१५६-९०६	२२६-४४८	०४०	४३५-५२	१२-९५६	४	४-५-८४८ ३३	१९ ६	३०-३	४४९ १९	४९ ४८ १९ ४७
१०	१५६-९५९	२४०-३५७	०७०	४५०-४८८	१२-८५७	४	५-५-८६० २९	१६ ४३	३०-२	४६२ २९	५१ ४ २ ५३
११	१५७-०१२	२६२-२३७	१२०	४६५-३४५	१२-५८६	५	५-५-८७२ २०	१३ १६	३०-९	४७९ २३	५३ २३ ३ ४८
१२	१५७-०६५	२७६-८२६	१७०	४८०-९३१	१२-३२७	५	६-६-८८४ २५	९ ९	३०-६	४९३ २७	५५ ३४ ४ ४१
१३	१५७-११८	२९१-११६	२२०	४९५-२५८	१२-९५६	४	४-७-८९७ १५	१५	३०-३	५०६ १०	५७ ४१ ५ ३१
१४	१५७-१७१	३०५-१३२	२५०	५१०-१८०	१२-६८६	४	१-२-९०७ १२	- ० २३	३०-३	५१९ १६	५९ ३८ ६ १८
१५	१५७-२२३	३१८-०६६	२६०	५२५-८००	१२-२५६	३	३-३-९१९ ४८	५ १	३०-३	५३३ १८	६१ ३१ ७ ७
१६	१५७-२७६	३३२-०५३	२४०	५३९-०१७	१२-१५६	२	२-४-९३० १	९ १८	३०-९	५४५ ४१	६३ ७ ७ ५४
१७	१५७-३२९	३४५-०९१	२१०	५५०-९७३	१२-६५६	१	१-९-९४१ ५८	१३ २	३०-८	५६० २२	६५ ४७ ८ ४१
१८	१५७-३८२	३५७-८६१	१६०	५६०-६३९	१२-५५६	-	१-१-९५२ ३८	१६ ९	३०-४	५७३ १८	६७ ४३ ९ २७
१९	१५७-४३५	३७०-४८१	११०	५७५-१५६	१२-२५६	+	५-६-९६३ ९	१८ २४	३०-२	५८६ ४	६९ ३१ १० १५
२०	१५७-४८८	३८२-८७०	०७०	५८९-५५२	१२-१५६	१	५-९-९७४ २७	१९ ५५	३०-०	५९९ ३	७१ ३१ ११ ३
२१	१५७-५४१	३९५-११९	०४०	६०३-६१८	१२-१५६	२	५-७-९८६ ३७	२० १०	२९-९	६१२ १	७३ ३० ११ ५१

दिसंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेश गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	म १८८५ १०	तिथि चेंद्र	च १८८५ १०	व्युति केंद्र	म १८८५ १०	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.
२१	३०	५३७३	२३५.२१८	२२९	३४८.२५	०.५६	१९९.३२	०.८९	१३४.४८	१३४.५६	१०.६२	२३७.५७८
२२	१	५३७४	२३८.३९५	२२९	०.४४	०.८१	२१०.६३	०.६८	१४७.८८	१४७.६६	९.४९	२४९.६६५
२३	२	५३७५	२५१.१७१	२२८	१.२६	१.०५	२२१.९५	०.४८	१६०.९५	१६०.७७	८.२५	२६१.३३१
२४	३	५३७६	२६४.७४७	२२८	२.४८	१.२५	२३३.२७	०.३१	१७५.०१	१७५.८४	६.९३	२७३.५०७
२५	४	५३७७	२७७.९२४	२२८	३.७०	१.३६	२४४.५८	०.१८	१८७.०८	१८८.९०	५.५९	२८५.३३४
२६	५	५३७८	२९१.१४०	२२८	४.९२	१.३६	२५५.९०	०.१०	२००.०४	२००.८७	४.३८	२९७.१४०
२७	६	५३७९	३०४.२७७	२२७	६.१३	१.२७	२६७.२२	०.०७	२१२.२१	२१२.८२	३.११	३०८.९५३
२८	७	५३८०	३१७.४५३	२२७	७.३५	१.०८	२७८.५३	०.०७	२२६.२७	२२७.६९	१.८०	३२०.९२३
२९	८	५३८१	३३०.६२९	२२६	८.५७	०.८५	२८९.८५	०.१३	२३९.३४	२४०.०५	०.४९	३३३.०६९
३०	९	५३८२	३४३.८०६	२२६	९.७९	०.६०	३०१.१७	०.२३	२५२.४०	२५३.४९	०.६०	३४५.४९५
३१	१०	५३८३	३५७.९८२	२२६	११.०१	०.३९	३१२.५८	०.३८	२६५.५७	२६६.५०	०.२७	३५८.८८२
१	११	५३८४	३७१.१५८	२२५	१२.२३	०.२४	३२३.८०	०.५६	२७८.५३	२७९.५८	०.२६	३७१.४६४
२	१२	५३८५	३८४.३३४	२२५	१३.४५	०.१८	३३५.०२	०.७७	२९१.६०	२९२.८०	०.५६	३८४.०४४
३	१३	५३८६	३९७.५१०	२२५	१४.६७	०.२४	३४६.२३	१.०१	३०४.६६	३०५.१६	१.२१	३९७.२२०
४	१४	५३८७	४१०.६८७	२२५	१५.८९	०.३९	३५७.४५	१.२६	३१७.७३	३१८.६३	२.२०	४१०.७७७
५	१५	५३८८	४२३.८६४	२२४	१७.११	०.६१	३६८.६७	१.५०	३३०.७९	३३१.१४	३.४८	४२३.६४४
६	१६	५३८९	४३७.०४०	२२४	१८.३३	०.८६	३८०.८८	१.७४	३४३.८३	३४४.७०	४.९५	४३७.८३०
७	१७	५३९०	४५०.२१७	२२४	१९.५५	१.११	३९२.१०	१.९९	३५६.९२	३५७.९२	६.५३	४५०.९७७
८	१८	५३९१	४६३.३९३	२२३	२०.७८	१.३२	४०३.३१	२.१६	३६९.९९	३७३.००	८.१०	४६३.२०३
९	१९	५३९२	४७६.५६९	२२३	२१.९८	१.४०	४१४.५३	२.३२	३८३.०५	३८४.०९	९.५४	४७६.५५९
१०	२०	५३९३	४८९.७४५	२२३	२३.२०	१.४०	४२५.७५	२.४८	३९६.११	३९७.१९	१०.७९	४८९.८०५
११	२१	५३९४	५०३.९२१	२२२	२४.४२	१.३०	४३६.९७	२.५१	४०९.१८	४१०.२१	११.७५	५०३.७०१
१२	२२	५३९५	५१८.०९८	२२२	२५.६४	१.१०	४४८.१९	२.५४	४२२.२५	४२३.११	१२.४०	५१८.०३८
१३	२३	५३९६	५३२.२७४	२२२	२६.८६	०.८६	४५९.४०	२.५१	४३५.३१	४३६.१०	१२.७३	५३२.५५४
१४	२४	५३९७	५४६.४५०	२२१	२८.०८	०.६१	४७०.६१	२.४६	४४८.४८	४४९.६५	१२.७५	५४६.७७०
१५	२५	५३९८	५६०.६२७	२२१	२९.३०	०.४०	४८१.८३	२.३९	४६१.६५	४६२.८०	१२.००	५६०.९७७
१६	२६	५३९९	५७४.८०३	२२१	३०.५२	०.२७	४९३.०५	२.३१	४७४.८१	४७६.०८	११.१२	५७४.३३३
१७	२७	५४००	५८९.०००	२२०	३१.७४	०.२३	५०४.२६	२.०१	४८७.९७	४८९.००	११.११	५८९.५३०
१८	२८	५४०१	६०३.१७६	२२०	३२.९६	०.३०	५१५.४७	१.८०	५००.१४	५०१.२५	१०.०९	६०३.५४६
१९	२९	५४०२	६१७.३५२	२२०	३४.१८	०.४६	५२६.६९	१.५७	५१३.३०	५१५.३३	८.९१	६१७.४४२
२०	३०	५४०३	६३१.५२८	१९९	३५.३९	०.६८	५३७.९१	१.३०	५२६.४७	५२८.५४	७.६४	६३१.७१८

दिसंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित ।

ता.	शुद्ध (पात)	पातोन्न चन्द्र	अ क्रांति	प पुनः	स्पष्ट चन्द्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	चिब	विषुवांश	इन्दौर शहर का स्थानिक या. ल. का.
अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	क	अ	क	अ	क	घ. प. स्त्र. च. मि
२१ १५७.५४१	३५.१११	०.४०	२३७.६१८	१२.०८७	२५७.५	२६०	५७	२०	१०	२९.९१६०	११३	३० ११ ५१
२२ १५७.५४४	४७.२५९	०.४०	२४९.७०५	११.९७६	४३५.६	२७२	४२	१९	३९	२९.९२७२	५२	१५ ३० १२ ३९
२३ १५७.६४७	५९.२८७	०.५०	२६१.६८१	११.९०६	४२५.३	२८४	४०	१८	१५	२९.९३८५	२४	२५ २५ १३ २९
२४ १५७.७००	७१.२०७	०.८०	२७३.५८१	११.८०६	४५२.२	२९६	३५	१६	५	२९.९४९७	३९	१९ १८ १४ १०
२५ १५७.७५३	८३.०८७	१.२०	२८५.४५४	११.६७७	५६५.०	३०८	२७	१३	१४	२९.९६०९	५३	११ १६ ५३ ५३
२६ १५७.८०६	९५.०३६	१.७०	२९७.३०१	११.५८५	५७५.३	३२०	१८	९	१४	२९.९७२१	४२	५२ ५२ ३६ ३६
२७ १५७.८५९	१०६.८५५	२.२०	३०९.२०७	११.४९७	५५५.४	३३२	१२	६	६	२९.९८३२	३५	२४ ३७ १६ १८
२८ १५७.९१२	११८.८३५	२.५०	३२१.१७३	११.४१६	५११.७	३४४	१०	२	३	३०.००४३	४०	२६ १८ १३ ५८
२९ १५७.९६५	१३१.१७३	२.६०	३३३.३२९	११.३४७	४५२.५	३५६	१९	०	५	३०.०१५५	४२	३१ १७ ४०
३० १५८.०१८	१४३.५१४	२.६०	३४५.५५५	११.२७५	३३५.८	३५५	१५	६	७	३०.०२७	४३	२९ ४६ १८ २१
३१ १५८.०७१	१५६.३५३	२.३०	३५८.५१२	११.२१४	२३७.७	३६०	१०	१०	१५	३०.०३८	४३	१९ ४३ १९ ८
१ १५८.१२४	१६९.५५२	१.९०	३७१.६५८	११.१६३	०	५५७	३५	१३	५७	३०.०४९	४३	४३ ४३ ४३ ५६
२ १५८.१७७	१८३.२७३	१.४०	३८५.२३४	११.१०७	०	१७७	४८	१६	५८	३०.०६०	४५	५२ ३५ ५१ २० ४७
३ १५८.२३०	१९७.७५०	०.९०	३९९.३६१	११.०५७	१३२.०	३२२	४८	१९	७	३०.०७१	४३	४३ ४३ ४३ ४२
४ १५८.२८३	२१२.०७७	०.५०	४१३.३७७	१०.९८७	२४४.०	३३४	५०	१०	६	३०.०८३	५९	४३ २२ ४०
५ १५८.३३६	२२७.०३०	०.४०	४२७.३३४	१०.९१७	३४५.७	३४६	५१	९	४	३०.०९४	५९	४३ ३६ ३९
६ १५८.३८९	२४२.२१९	०.६०	४४१.८९०	१०.८७०	४३३.१	३०६	५३	१७	५३	३०.१०७	४२	४५ ३० ३९
७ १५८.४४२	२५७.५३९	१.००	४५६.९७७	१०.८३६	५१४.४	३१८	४८	१९	४८	३०.११९	४३	४३ ४३ ४३ ४३
८ १५८.४९५	२७३.०९८	१.१०	४७२.३६३	१०.८१०	५९५.९	३३०	४३	१०	४५	३०.१३१	४३	४३ ४३ ४३ ४३
९ १५८.५४८	२८८.७०७	१.२०	४८८.२७९	१०.७९१	६७७.९	३४२	३६	६	४३	३०.१४३	४३	४३ ४३ ४३ ४३
१० १५८.६०१	३०४.२०६	१.२५	५०४.८५५	१०.७८०	७५९.२	३५४	३१	१	४३	३०.१५५	४३	४३ ४३ ४३ ४३
११ १५८.६५४	३१९.७५५	१.२५	५२०.५५६	१०.७७०	८४०.०	३६६	२६	१	४३	३०.१६७	४३	४३ ४३ ४३ ४३
१२ १५८.७०७	३३५.०६५	१.२५	५३६.१८८	१०.७६७	९२०.७	३७८	२१	१	४३	३०.१७९	४३	४३ ४३ ४३ ४३
१३ १५८.७६०	३५०.३५४	१.२१	५५२.८०४	१०.७६३	१००१.०	३९०	४८	१२	५	३०.१९१	४३	४३ ४३ ४३ ४३
१४ १५८.८१३	३६५.२८३	१.७०	५६९.४४०	१०.७६७	१०८२.०	४०२	४८	१५	५	३०.२०३	४३	४३ ४३ ४३ ४३
१५ १५८.८६६	३८०.३३३	१.२०	५८६.०८७	१०.७७७	११६३.०	४१४	४३	१७	५	३०.२१५	४३	४३ ४३ ४३ ४३
१६ १५८.९१९	३९५.३८३	०.८०	६०२.७७३	१०.७९०	१२४४.०	४२६	४३	१९	४	३०.२२७	४३	४३ ४३ ४३ ४३
१७ १५८.९७२	४१०.४०२	०.५०	६१९.४५९	१०.८०३	१३२५.०	४३८	४३	२०	३	३०.२३९	४३	४३ ४३ ४३ ४३
१८ १५९.०२५	४२५.४३१	०.४०	६३६.१८८	१०.८१७	१४०६.०	४५०	४३	२१	३	३०.२५१	४३	४३ ४३ ४३ ४३
१९ १५९.०७८	४४०.५५०	०.५०	६५२.८५२	१०.८३२	१४८७.०	४६२	४३	२२	३	३०.२६३	४३	४३ ४३ ४३ ४३
२० १५९.१३१	४५५.६७९	०.८०	६६९.५६९	१०.८४७	१५६८.०	४७४	४३	२३	३	३०.२७५	४३	४३ ४३ ४३ ४३

जनवरी-फरवरी सन १९३९ ई.

माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध मणित

सा.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	स नति ५८	तिथि चन्द्र	संक्रां वृत्तीय	व्युति केंद्र	संक्रां वृत्तीय	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्गुण	मन्द स्पष्ट चन्द्र
२०	३० शु	५४०३	२६०५०८	१९	३५३९७	०६८	१७८८१	१३०	१६६७७	१६८९४	७६४	२७०३१८
२१	१ सा	५४०४	२७३८८५	१९	६१६	०९२	१९०१२	१०९	१७९८३	१८००३	६३०	२८२१८५
२२	२ र	५४०५	२८६८६१	१९	१८०३५	११५	२०१४४	०८५	१९२९०	१९३०९	४९७	२९४०२९
२३	३ वे	५४०६	३०००३७	१८	३०५४	१३९	२१२७६	०६३	२०५९७	२०८०८	३०३	३०५८६७
२४	४ मं	५४०७	३१३२१४	१८	४२७३	१६७	२२४०७	०४५	२१९०३	२२१०३	२५८	३१७७९४
२५	५ शु	५४०८	३२६३९०	१८	५४९२	१९३	२३५३९	०२८	२३२०९	२३३८८	१६२	३२९८००
२६	६ छ	५४०९	३३९५६७	१७	७७११	११९	२४६७०	०१६	२४५१६	२४६९६	७३	३४१९७७
२७	७ श	५४१०	३५२७४३	१७	७९३०	०९८	२५८०२	००९	२५८२२	२५९४६	०४४	३५४३९३
२८	८ अ	५४११	५९११९	१७	९१५०	०७३	२६९३३	००६	२६९२९	२७०२५	०२३	३६१०९
२९	९ वा	५४१२	१९०९६	१७	१०३६९	०५०	२८०५५	००८	२८४३५	२८५१०	००४	२०१८६
३०	१ चं	५४१३	३२२७७२	१६	११५८८	०३०	२९१९७	०१५	२९७३२	२९८०३	००७	३१३५२
३१	२ मं	५४१४	४५५४९	१६	१२९०७	००२	३०३२८	००२	३१००४	३११०९	१५५	३२५९९
१	३ शु	५४१५	५८६२५	१६	१४०२६	०१९	३१४६०	०५१	३२३५१	३२४५१	२५६	३३९९५
२	४ छ	५४१६	७१८०१	१६	१५२४५	०२९	३२५९२	०६०	३३६६५	३३७६६	३९५	३५८०१
३	५ श	५४१७	८४९७८	१५	१६४६४	०५०	३३७२४	०८१	३४९६८	३५१४४	५५३	३७०८८
४	६ अ	५४१८	९८०५५	१५	१७६८३	०७३	३४८५५	१०६	३६०४	४६८	७०६	३८०५५
५	१ र	५४१९	१११३३१	१५	१८९०२	०९९	३५९८७	१३०	३७८१	३८०२५	८५९	३९२३६१
६	२ मं	५४२०	१२४५०७	१५	२०१२१	१२१	३७११८	१५४	३८८७	३९१७७	१००	४०३७०७
७	३ शु	५४२१	१३७६८३	१४	२१३४०	१३७	३८२५०	१७८	४०१४४	४०३२३	११०	४१५९६४
८	४ छ	५४२२	१५०८६०	१४	२२५५९	१४२	३९३८२	२००	४१५००	४१८५६	१२०	४२७८८०
९	५ श	५४२३	१६४०३६	१४	२३७७८	१६६	४०५१३	२१९	४२८७	४३१७७	१३०	४३९८०६
१०	६ अ	५४२४	१७७२१३	१४	२४९९७	१८२	४१६४५	२३४	४४८२	४५१८२	१४०	४५३६८२
११	७ सा	५४२५	१९०३८९	१३	२६२१६	१००	४२७७७	२४५	४६२०	४७३८८	१५०	४६५६१९
१२	८ र	५४२६	२०३५६५	१३	२७४३५	०७४	४३९०८	२५२	४७५६५	४८०६५	१६०	४७९२०५
१३	९ वे	५४२७	२१६७४९	१३	२८६५५	०५१	४५०४०	२५४	४८०३३	४८३५१	१७०	४९१४३१
१४	१० मं	५४२८	२२९९१८	१३	२९८७४	०३३	४६१७२	२५१	४८३३९	४८६६६	१८०	४९३५२८
१५	११ शु	५४२९	२४३०९४	१२	३१०९३	०२४	४७३०३	२४३	४८६४६	४८९७५	१९०	४९५६४५
१६	१२ छ	५४३०	२५६२७१	१२	३२३१२	०२५	४८४३५	२३३	४९१५२	४९२७२	२००	४९७७८८
१७	१३ श	५४३१	२६९४४७	१२	३३५३१	०३६	४९५६७	२३६	४९७५९	४९७५९	२१०	४९९८८७
१८	१४ अ	५४३२	२८२६२३	१२	३४७५०	०५५	५०६९८	२३९	५०४६५	५०८८२	२२०	५०१९८३
१९	१५ र	५४३३	२९५८०९	११	३५९६९	०७९	५१८३०	२४३	५१९८७	५२१३८	२३०	५०३८०९

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्र और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेष गणित।

सा	राहु (पात)	पातोन् चन्द्र	म कथा प. पञ्चम	स्पष्टचंद्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	विष	विषुवांश	इन्दोर शहर का स्थानिक या. लं. का.
अं.	अं.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क. घ. प. इ. घ. मि	
२०	१५९.१३१	६९.४४९	०८०	२७०.४०९	११.८८६	४४.९००	२९३	२४	४१.२९.७	२९४	२४.१९.१२.११
२१	२८४	८१.३६९	११०	२८२.२९५	११.८८६	५३.३०५	१७	१४	२९.१७	३०६	२२.१६.९.१२.५५
२२	२९१	९३.२५८	१६०	२९४.१८४	११.८८६	६८.६३१	११	१०	४७.२९.७	३१८	२१.७.५५.१३.१८
२३	२९०	१०५.१५७	२१०	३०६.०७३	११.८८६	८५.८०३	२९	७	१२.९८	३२९	२७.१९.४०.१९.१९
२४	३३३	११७.०३७	२४०	३१८.०३४	११.९५७	९३.७३३	२१	३	२९.१७	३४०	२२.१६.९.१२.५५
२५	३९६	१२९.१९६	२६०	३३०.०६०	१२.०२६	१०५.३००	३०	०	५४.३०.०	३५२	२१.७.५५.१३.१८
२६	४४९	१४१.४२६	२६०	३४२.२३७	१२.०७७	११८.२५५	५	१४	५३.०३	३६२	२०.१६.५१.१६.२३
२७	५०२	१५३.६५६	२४०	३५४.४३३	१२.०७७	१२८.५३०	१७	९	१३.०६	३७४	२०.१६.५१.१६.२३
२८	५५५	१६५.८८६	०००	३६६.६३९	१२.०७७	१३८.८०५	३०	१२	४२.१०	३८६	२०.१६.५१.१६.२३
२९	६०८	१७७.११६	२५०	३७८.८३९	१२.०७७	१४९.०७९	२०	१५	५३.१५	४००	२०.१६.५१.१६.२३
३०	६६१	१८९.३४६	२६०	३९०.०३९	१२.०७७	१६०.३५३	५५	१८	६४.२०	४१२	२०.१६.५१.१६.२३
३१	७१४	२०१.५७६	०६०	४०२.२३९	१२.०७७	१७१.६२७	३०	१९	७५.२५	४२४	२०.१६.५१.१६.२३
१	७६७	२१३.८०६	०४०	४१४.४३९	१२.०७७	१८२.९०१	८५	२	८६.३०	४३६	२०.१६.५१.१६.२३
२	८२०	२२६.०३६	०५०	४२६.६३९	१२.०७७	१९४.१७५	५१	१८	९७.३५	४४८	२०.१६.५१.१६.२३
३	८७३	२३८.२६६	०८०	४३८.८३९	१२.०७७	२०५.४४९	५८	१६	१०४.४०	४६०	२०.१६.५१.१६.२३
४	९२६	२५०.४९६	१४०	४५१.०३९	१२.०७७	२१६.७२३	१७	१२	११५.४५	४७२	२०.१६.५१.१६.२३
५	९७९	२६२.७२६	२००	४६३.२३९	१२.०७७	२२८.०००	३३	८	१२६.५०	४८४	२०.१६.५१.१६.२३
६	१०३२	२७४.९५६	२४०	४७५.४३९	१२.०७७	२४०.२७५	३८	१३	१३७.५५	४९६	२०.१६.५१.१६.२३
७	१०८५	२८७.१८६	२६०	४८७.६३९	१२.०७७	२५२.५५०	४३	१०	१४८.६०	५०८	२०.१६.५१.१६.२३
८	११३८	२९९.४१६	२५०	४९९.८३९	१२.०७७	२६४.८२५	४३	६	१५९.६५	५२०	२०.१६.५१.१६.२३
९	११९१	३११.६४६	२२०	५१२.०३९	१२.०७७	२७७.१००	४३	१०	१७०.७०	५३२	२०.१६.५१.१६.२३
१०	१२४४	३२३.८७६	१७०	५२४.२३९	१२.०७७	२८९.३७५	५१	१४	१८१.७५	५४४	२०.१६.५१.१६.२३
११	१२९७	३३६.१०६	१३०	५३६.४३९	१२.०७७	३०१.६५०	४५	१७	१९२.८०	५५६	२०.१६.५१.१६.२३
१२	१३५०	३४८.३३६	०८०	५४८.६३९	१२.०७७	३१३.९२५	४७	१८	२०३.८५	५६८	२०.१६.५१.१६.२३
१३	१४०३	३६०.५६६	०५०	५६०.८३९	१२.०७७	३२६.२००	४३	१९	२१४.९०	५८०	२०.१६.५१.१६.२३
१४	१४५६	३७२.७९६	०४०	५७२.०३९	१२.०७७	३३८.४७५	४३	१९	२२६.०५	५९२	२०.१६.५१.१६.२३
१५	१५०९	३८५.०२६	०५०	५८५.२३९	१२.०७७	३५०.७५०	४३	१८	२३७.१०	६०४	२०.१६.५१.१६.२३
१६	१५६२	३९७.२५६	०७०	५९७.४३९	१२.०७७	३६३.०२५	४३	१७	२४८.१५	६१६	२०.१६.५१.१६.२३
१७	१६१५	४०९.४८६	११०	६०९.६३९	१२.०७७	३७५.३००	४३	१४	२५९.२०	६२८	२०.१६.५१.१६.२३
१८	१६६८	४२१.७१६	१६०	६२१.८३९	१२.०७७	३८७.५७५	४३	११	२७०.२५	६४०	२०.१६.५१.१६.२३
१९	१७२१	४३३.९४६	२००	६३३.०३९	१२.०७७	४००.८५०	४३	८	२८१.३०	६५२	२०.१६.५१.१६.२३

फरवरी-मार्च सन १९३९ इ.

फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित ।

ता.	राहु (पात)	पातोन् चन्द्र	म प चन्द्र	स्पष्ट चन्द्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	विष	विशुद्धांश	इन्दौर शहर का स्थानिक या. ल. का.
	अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं क	अं क क वि	अं क	च प हं धं	
१९	१६००३२१	१०३५३०	२००	३०३००९	१२००७१५	०२३२६	०	८ ९२९८	३२६	५३१४	४८१२२२
२०	१६००७७४	११५६५०	२४०	३१५०१६	१२००८	४३८५	३३८१	-४ १५२९९	३३८	२३१६	३३१३४
२१	१६००८२५	१२७६६५	२६०	३२७०१०२	१२००६	४४३३५०	६	+० ११३००	३४९	१८१८	१२१३४४
२२	१६००८८०	१३९९२८	२६०	३३९०३०८	१२००६	३१८७	२१८	३ ५८३०१	०	४७१९	५८१४२६
२३	१६००९३३	१५२२६८	२४०	३५१०५७५	१२००६	२२३३	१४३४	७ ५८३०५	१२	२९२१	४५१५०
२४	१६००९८६	१६४५१७	२२०	३६३०११	१२००६	१००३	२७९	११ ४२३०७	२४	३४२३	३६१५५३
२५	१६०१०३९	१७७७७७	१६०	३७५०७८	१२००६	+० १२००	३९५२	१४ ५८३१०	३७	४२५१	२११६३५
२६	१६०१०९२	१९०८५६	११०	३८७०८४	१२००६	-० ५८२२	५२५२	१७ ५८३१७	५०	४३२७	३७१७३०
२७	१६०११४५	२०४०१५	०७०	४०००२४०	१२००६	-२ ६०९	६६१४	+१९ १६३१९	६४	४५२९	४२१८२०
२८	१६०११९८	२१७१५५	०४०	४१३०९७	१२००६	३१०६	८०	० १९ ५४३२४	७९	२३३२	४११९३७
२९	१६०१२५१	२३०३५५	०४०	४२६१४३	१२००६	४४३	९४	८ १९ ६३२९	९४	२८३४	२५२०१३
३०	१६०१३०४	२४३५९३	०७०	४४०१९९	१२००६	४४४०	१०८४२	१७ २६३३२	१०९	३४३३	४७२१६
३१	१६०१३५७	२५६८३३	१२०	४५५३६	१२००६	५६६	१२३३२	१४ २४३३४	१२४	३७३९	७२२६
३२	१६०१४१०	२७००७३	१७०	४७०५०२	१२००६	५६६	१२३३२	१० २५३३५	१३९	३७३९	२४२५१३
३३	१६०१४६३	२८३३१३	२२०	४८५६४	१२००६	४४५५	१५३४	५ ४३३३४	१५३	५४३३	०२३५५
३४	१६०१५१६	२९६५५३	२६०	५००७८५	१२००६	-४ ६०६	१६८४१	+० ३३३३१	१६७	५९४५	५१४७
३५	१६०१५६९	३०९७९३	२६०	५१५९२६	१२००६	३११४	१८३२७	-४ १८३३२७	१८१	५३४८	०११९
३६	१६०१६२२	३२३०३३	२००	५३१०८०	१२००६	२४०	१९७७	८ ५४३३७	२७५	३७७०	८२३९
३७	१६०१६७५	३३६२७३	१९०	५४६२३४	१२००६	-० ५२००	२११११	१२ ५४३३६	२०९	१३५२	१४३२१
३८	१६०१७२८	३४९५१३	१९०	५६१३८८	१२००६	+० १९०९	२२५८	१६ ४३३१०	२२२	४६१४	०४११
३९	१६०१७८१	३६२७५३	१०९	५७६५४०	१२००६	१८	२१२३८८	८ १९२३३८	२३६	२७३६	२६५१
४०	१६०१८३४	३७५९९३	०५०	५९१७९३	१२००६	२३२५	२५४५	१९ ३४३०२	२४९	३३५८	२८५५०
४१	१६०१८८७	४००२३३	०४०	६०७०५०	१२००६	+३ २६१२	२६३३	-१९ ५०२९९	२६२	३८०	२८३८
४२	१६०१९४०	४१३४७३	०४०	६२२३०७	१२००६	४०७	२७५७	७ १८४२९०	२७५	२४२	२८७७
४३	१६०१९९३	४२६७१३	०७०	६३७५६२	१२००६	४४९	२८१२	१७ ४४२९७७	२८७	५०४	२८१८१
४४	१६०२०४६	४४००५३	१००	६५२८१०	१२००६	५१८	२८८८	५४ ४८२९९७	२९९	६१	२८३८६
४५	१६०२०९९	४५३२९३	१५०	६६८०५५	१२००६	५८८	३०१४	१२ ३६२९०	३११	४९८	१९३९
४६	१६०२१५२	४६६५३३	२००	६८३३०२	१२००६	५२५	३०२२	९ २९२९८	३२३	४८१	१४३१
४७	१६०२२०५	४७९७७३	२५०	६९८५५०	१२००६	४००	३०३४	५ २९३००	३३४	४८१	१४३१
४८	१६०२२५८	४९३०१३	२६०	७१३८००	१२००६	३५६	३०४५	१ २९३०४	३४५	४७१५	१२२७

अप्रैल सन १९३८ ई.

वैद्य शुक्ल और कृष्णपथ का मंगलका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. मह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
३१	३०	५१०८	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ
३१	३०	५१०८	३१-२७	७९-३१	१०-६६	४१-९३	१-५१०३	१५-८७	४१-९२	१३-५४	३०५-७७	२१३
१	१	५१०९	३१-८०	७९-८४	१०-६७	४२-४७	१-५११६	१६-४१	४२-४८	१३-३३	३०५-२१	२१२
२	२	५११०	३२-३२	८०-३६	१०-६७	४२-५९	१-५१२८	१६-५३	४२-५८	१३-३३	३०५-८८	२११
३	३	५१११	३२-८५	८०-८९	१०-६८	४३-५३	१-५१४४	१७-४७	४३-५२	१३-३३	३०६-१२	२१०
४	४	५११२	३३-३७	८१-४१	१०-६८	४४-०५	१-५१५६	१७-५९	४४-०४	१३-३४	३०६-५९	२०५
५	५	५११३	३३-८९	८१-९३	१०-६९	४४-५८	१-५१६८	१८-५२	४४-५२	१३-३४	३०६-७४	२०३
६	६	५११४	३४-४२	८२-४६	१०-६९	४५-१८	१-५१८१	१९-०५	४५-१०	१३-३४	३०७-००	२०२
७	७	५११५	३४-९४	८२-९८	१०-६९	४५-३३	१-५१९५	१९-५७	४५-३२	१३-३४	३०७-१६	२०१
८	८	५११६	३५-४७	८३-५१	१०-६९	४६-१६	१-५२०८	२०-१०	४६-१५	१३-३८	३०८-४२	२००
९	९	५११७	३५-९९	८४-०३	१०-६९	४६-४८	१-५२२१	२०-१२	४६-४७	१३-३८	३०८-८८	१९९
१०	१०	५११८	३६-५१	८४-५५	१०-६९	४७-०२	१-५२३३	२१-११	४७-०१	१३-४०	३०९-३५	१९८
११	११	५११९	३७-०४	८५-०८	१०-६८	४७-७२	१-५२४७	२१-६६	४७-०१	१३-४०	३०९-८०	१९७
१२	१२	५१२०	३७-५६	८५-६०	१०-६८	४८-२४	१-५२५७	२२-०८	४८-२३	१३-४०	३१०-२६	१९६
१३	१३	५१२१	३८-०९	८६-१३	१०-६७	४८-७६	१-५२७३	२२-७०	४८-७५	१३-४८	३१०-७७	१९५
१४	१४	५१२२	३८-६१	८६-६५	१०-६७	४९-२८	१-५२८५	२३-२२	४९-२७	१३-४८	३११-१८	१९४
१५	१५	५१२३	३९-१३	८७-१७	१०-६६	४९-७९	१-५३००	२३-७३	४९-७८	१४-४४	३११-६५	१९३
१६	१६	५१२४	३९-६६	८७-७०	१०-६६	५०-३२	१-५३१२	२४-२४	५०-३१	१४-४६	३१२-१०	१९२
१७	१७	५१२५	४०-१८	८८-२२	१०-६५	५०-८३	१-५३२४	२४-७७	५०-३०	१४-४७	३१२-५७	१९१
१८	१८	५१२६	४०-७१	८८-७५	१०-६४	५१-३५	१-५३३६	२५-२९	५१-३४	१४-४४	३१३-०३	१९०
१९	१९	५१२७	४१-२३	८९-२७	१०-६३	५१-८६	१-५३५१	२५-८०	५१-८५	१४-४८	३१३-४९	१८९
२०	२०	५१२८	४१-७५	८९-७९	१०-६३	५२-३७	१-५३६६	२६-३१	५२-३६	१४-४८	३१३-९६	१८८
२१	२१	५१२९	४२-२८	९०-३२	१०-६१	५२-८९	१-५३७६	२६-८३	५२-८९	१५-०१	३१४-४०	१८७
२२	२२	५१३०	४२-८०	९०-८४	१०-६०	५३-४०	१-५३८९	२७-३४	५३-३९	१५-०१	३१४-८८	१८६
२३	२३	५१३१	४३-३३	९१-३७	१०-५९	५३-९२	१-५४०३	२७-८६	५३-९१	१५-०१	३१५-३३	१८५
२४	२४	५१३२	४३-८५	९१-८९	१०-५७	५४-४२	१-५४१८	२८-३६	५४-४१	१५-०७	३१५-८१	१८४
२५	२५	५१३३	४४-३७	९२-४१	१०-५५	५४-९२	१-५४३८	२८-८८	५४-९१	१५-०६	३१६-२७	१८३
२६	२६	५१३४	४४-९०	९२-९४	१०-५४	५५-४४	१-५४५१	२९-३८	५५-४३	१५-०४	३१६-७४	१८२
२७	२७	५१३५	४५-४२	९३-४६	१०-५३	५६-०५	१-५४६३	२९-८९	५५-४२	१५-०३	३१६-८०	१८१
२८	२८	५१३६	४५-९५	९३-९९	१०-५१	५६-५६	१-५४७६	३०-४०	५६-४१	१५-०३	३१७-२६	१८०
२९	२९	५१३७	४६-४७	९४-५१	१०-५०	५६-९७	१-५४८८	३०-९१	५६-९६	१५-०३	३१८-०२	१७९
३०	३०	५१३८	४६-९९	९५-०३	१०-४८	५७-४७	१-५४९०	३१-४१	५७-४७	१५-०७	३१८-५९	१७८

93

चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट प्रह	गति	भूमध्य दृश्य दर	गति	न वायनमेन	विषुवांश	गति	विषुवकांठ	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का वायुमोचर लघन काल
३१	२० २२	४२	२०	२०	२४	२४	४४	४३	४४	२०	२९ १४
१	२१ ४	४३	२१	२१	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२	२१ ४	४३	२१	२१	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
३	२२ ३०	४३	२२	२२	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
४	२३ १३	४३	२३	२३	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
५	२३ ५६	४३	२४	२४	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
६	२४ ३९	४३	२४	२४	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
७	२५ २१	४३	२५	२५	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
८	२६ ३	४३	२६	२६	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
९	२७ २७	४३	२७	२७	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
१०	२८ ९	४३	२८	२८	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
११	२८ ५१	४३	२८	२८	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
१२	२९ ३३	४३	२९	२९	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
१३	२९ १५	४३	२९	२९	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
१४	३० ५८	४३	३०	३०	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
१५	३१ १९	४३	३१	३१	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
१६	३२ ३१	४३	३२	३२	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
१७	३३ ५५	४३	३३	३३	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
१८	३४ २७	४३	३४	३४	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
१९	३५ ५९	४३	३५	३५	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२०	३६ ३९	४३	३६	३६	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२१	३७ २१	४३	३७	३७	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२२	३८ ५९	४३	३८	३८	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२३	३९ ३३	४३	३९	३९	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२४	४० ५६	४३	४०	४०	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२५	४१ ३९	४३	४१	४१	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२६	४२ २१	४३	४२	४२	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२७	४३ ५९	४३	४३	४३	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२८	४४ ३९	४३	४४	४४	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
२९	४५ २१	४३	४५	४५	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४
३०	४६ ३	४३	४६	४६	२४	२४	४३	४३	४४	२०	२९ १४

मई सम १९३८ इ. वैशाख शुक्र और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीर्षकेंद्र	शीर्षफल
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क.
३० ३० वा	५१३८	४६.९९	९५.०३	१०.४८	५७.४७	१.५४९०	३१.४१	५७.४६	५७.९	३१.८५९	१६. ७
१ १ र	५१३९	४७.५२	९५.५६	१०.४६	५७.९८	१.५५०२	३१.९२	५७.९७	५८.४७	३१.९०६	१५ ५७
२ २ च	५१४०	४८.०४	९६.०८	१०.४४	५८.४८	१.५५१५	३२.४२	५८.४७	५९.५५	३१.९५३	१५ ५५
३ ३ मं	५१४१	४८.५७	९६.६१	१०.४२	५८.९९	१.५५२९	३२.९३	५८.९८	६०.०३	३१.९९९	१५ ३४
४ ४ बु	५१४२	४९.०९	९७.१३	१०.४०	५९.४९	१.५५४१	३३.४३	५९.४८	६०.२२	३२.०४५	१५ २४
५ ५ शु	५१४३	४९.६१	९७.६५	१०.३८	५९.९९	१.५५५३	३३.९३	५९.९७	६०.२०	३२.०९२	१५ १२
६ ६ उ	५१४४	५०.१४	९८.१८	१०.३६	६०.४९	१.५५६६	३४.४३	६०.४८	६०.२८	३२.१३९	१५ २
७ ७ ङ	५१४५	५०.६६	९८.७०	१०.३४	६०.९८	१.५५७८	३४.९२	६०.९७	६०.५५	३२.१८७	१४ ५१
८ ८ र	५१४६	५१.१९	९९.२३	१०.३०	६१.४९	१.५५९०	३५.४३	६१.४८	६१.५३	३२.२३३	१४ ३९
९ ९ मं	५१४७	५१.७१	९९.७५	१०.२७	६१.९८	१.५६०२	३५.९२	६१.९७	६१.५१	३२.२७७	१४ २८
१० १० बु	५१४८	५२.२३	१००.२७	१०.२५	६२.४८	१.५६१६	३६.४२	६२.४७	६२.५९	३२.३२७	१४ १७
११ ११ शु	५१४९	५२.७६	१००.८०	१०.२२	६२.९८	१.५६२६	३६.९२	६२.९७	६२.५७	३२.३७४	१४ ६
१२ १२ उ	५१५०	५३.२८	१०१.३२	१०.१९	६३.४७	१.५६३८	३७.४३	६३.४६	६३.७४	३२.४२१	१३ ५५
१३ १३ ङ	५१५१	५३.८१	१०१.८५	१०.१६	६३.९७	१.५६५१	३७.९३	६३.९६	६४.०२	३२.४६९	१३ ४१
१४ १४ र	५१५२	५४.३३	१०२.३७	१०.१३	६४.४६	१.५६६४	३८.४०	६४.४५	६४.०९	३२.५१६	१३ ३३
१५ १५ च	५१५३	५४.८५	१०२.८९	१०.०९	६४.९४	१.५६७६	३८.८८	६४.९३	६४.१७	३२.५६४	१३ २९
१६ १६ मं	५१५४	५५.३८	१०३.४२	१०.०७	६५.४५	१.५६८८	३९.३९	६५.४४	६५.०४	३२.६०९	१३ १९
१७ १७ बु	५१५५	५५.९०	१०३.९४	१०.०३	६५.९३	१.५६९८	३९.८७	६५.९२	६५.१२	३२.६५७	१३ २
१८ १८ शु	५१५६	५६.४३	१०४.४७	१०.०१	६६.४४	१.५७१०	४०.३८	६६.४३	६५.१९	३२.७००	१२ ४९
१९ १९ उ	५१५७	५६.९५	१०४.९९	९९.९६	६६.९१	१.५७२३	४०.८५	६६.९२	६५.२६	३२.७४५	१२ ४१
२० २० ङ	५१५८	५७.४७	१०५.५१	९९.९३	६७.४०	१.५७३५	४१.३४	६७.३९	६५.३३	३२.७९१	१२ २६
२१ २१ र	५१५९	५८.००	१०६.०४	९९.९०	६७.९०	१.५७४६	४१.८४	६७.८९	६५.४०	३२.८३६	१२ १६
२२ २२ च	५१६०	५८.५२	१०६.५६	९९.८८	६८.३९	१.५७५८	४२.३३	६८.३८	६५.४८	३२.८८३	१२ ४
२३ २३ मं	५१६१	५९.०५	१०७.०९	९९.८३	६८.८८	१.५७७०	४२.८२	६८.८७	६५.५५	३२.९२९	११ ५३
२४ २४ बु	५१६२	५९.५७	१०७.६१	९९.७९	६९.३६	१.५७८०	४३.३०	६९.३५	६५.६१	३२.९८८	११ ४३
२५ २५ शु	५१६३	६०.०९	१०८.१३	९९.७६	६९.८५	१.५७९२	४३.७९	६९.८४	६५.६८	३३.०३५	११ ३१
२६ २६ उ	५१६४	६०.६२	१०८.६६	९९.७२	७०.३४	१.५८०२	४४.२८	७०.३३	७०.७५	३३.०८२	११ १९
२७ २७ ङ	५१६५	६१.१४	१०९.१८	९९.६८	७०.८२	१.५८१६	४४.७६	७०.८१	७०.८२	३३.१३०	१० ९
२८ २८ र	५१६६	६१.६७	१०९.७१	९९.६४	७१.३१	१.५८२६	४५.२५	७१.३०	७०.८८	३३.१७७	१० ५९
२९ २९ च	५१६७	६२.१९	११०.२३	९९.६०	७१.७९	१.५८३८	४५.७३	७१.७८	७१.५५	३३.२२५	१० ४७

मंगल

९५

मई सन १९३८ इ.

वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायन मोक्ष	विषुवांश	गति	विषुवांक	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का वाम्योत्तर लंघन काल
३०	रा. अं. क.	क.	अं. क.	क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.
१	११ २५	४१	० ३८	० ०	६४ २४	६२ १८	० ४४ १०	२३	२१ १९	० ७	१९ १० १४ ७
१	१२ ६	४१	० ३८	० ०	६५ ५	६३ ०२	० ४३ १०	२०	२१ ४६	० ८	१९ ७ १४ ६
२	१२ ४७	४१	० ३९	० ०	६५ ४६	६३ ४५	० ४३ १०	२०	२१ ५४	० ८	१९ ५ १४ ५
३	१३ २८	४१	० ३९	० ०	६६ २७	६४ २८	० ४३ १०	४५	२२ १	० ७	१९ २ १४ ४
४	१४ ९	४१	० ४०	० ०	६७ ८	६५ १२	० ४३ १०	५२	२२ ८	० ७	१९ ५९ १४ २
५	१४ ५०	४१	० ४०	० ०	६७ ४९	६५ ५५	० ४३ १०	५९	२२ ८	० ७	१९ ५७ १४ १
६	१५ ३३	४१	० ४१	० ०	६८ ३०	६६ २९	० ४३ ११	५	२२ २३	० ७	१९ ५३ १४ ०
७	१६ १२	४१	० ४१	० ०	६९ ११	६७ २३	० ४३ ११	१४	२२ ३०	० ८	१९ ५२ १४ ०
८	१६ ५३	४१	० ४२	० ०	६९ ५२	६८ ७	० ४३ ११	२१	२२ ३७	० ८	१९ ४९ १३ ५९
९	१७ ३४	४१	० ४२	० ०	७० ३३	६८ ५१	० ४३ ११	२९	२२ ४५	० ८	१९ ४७ १३ ५८
१०	१८ १५	४१	० ४३	० ०	७१ १४	६९ ३४	० ४३ ११	३६	२२ ५०	० ८	१९ ४४ १३ ५६
११	१८ ५६	४१	० ४३	० ०	७१ ५५	७० १८	० ४३ ११	४३	२२ ५५	० ८	१९ ४१ १३ ५५
१२	१९ ३७	४१	० ४४	० ०	७२ ३६	७१ १	० ४३ ११	५०	२३ ०	० ८	१९ ३९ १३ ५५
१३	२० १८	४१	० ४४	० ०	७३ १७	७१ ४५	० ४३ ११	५७	२३ ५	० ८	१९ ३८ १३ ५४
१४	२० ५९	४१	० ४५	० ०	७३ ५८	७२ २७	० ४३ १२	५	२३ ११	० ८	१९ ३७ १३ ५३
१५	२१ ३०	४१	० ४५	० ०	७४ २९	७३ १०	० ४३ १२	१२	२३ १६	० ८	१९ ३६ १३ ५१
१६	२२ ११	४१	० ४६	० ०	७५ १०	७३ ५३	० ४३ १२	१९	२३ २१	० ८	१९ ३५ १३ ५०
१७	२२ ५२	४१	० ४६	० ०	७५ ५१	७४ ३६	० ४३ १२	२६	२३ २६	० ८	१९ ३४ १३ ४९
१८	२३ ३३	४१	० ४७	० ०	७६ ३२	७५ १९	० ४३ १२	३३	२३ ३१	० ८	१९ ३३ १३ ४८
१९	२४ १४	४१	० ४७	० ०	७६ १३	७६ २	० ४३ १२	४०	२३ ३६	० ८	१९ ३२ १३ ४८
२०	२४ ५५	४१	० ४८	० ०	७७ ५४	७६ ४५	० ४३ १२	४८	२३ ४०	० ८	१९ ३१ १३ ४७
२१	२५ ३६	४१	० ४८	० ०	७८ ३५	७७ २८	० ४३ १२	५५	२३ ४५	० ८	१९ ३० १३ ४५
२२	२६ १७	४१	० ४८	० ०	७९ १६	७८ ११	० ४३ १३	२	२३ ४७	० ८	१९ २९ १३ ४४
२३	२६ ५८	४१	० ४९	० ०	७९ ५७	७८ ५४	० ४३ १३	९	२३ ५१	० ८	१९ २८ १३ ४३
२४	२७ ३९	४१	० ५०	० ०	८० ३८	७९ ३६	० ४३ १३	१६	२३ ५६	० ८	१९ २७ १३ ४१
२५	२८ २०	४१	० ५०	० ०	८० १९	८० १९	० ४३ १३	२३	२३ ५८	० ८	१९ २६ १३ ४०
२६	२९ १	४०	० ५०	० ०	८१ ०	८१ २	० ४३ १३	३०	२४ १	० ८	१९ २५ १३ ३९
२७	२९ ४१	४०	० ५१	० ०	८१ ४०	८१ ४५	० ४३ १३	३८	२४ ५	० ८	१९ २४ १३ ३९
२८	२९ २१	४०	० ५१	० ०	८२ २०	८२ २८	० ४३ १३	४५	२४ ८	० ८	१९ २३ १३ ३८
२९	२९ १	४०	० ५१	० ०	८२ ०	८३ १०	० ४३ १३	५२	२४ १२	० ८	१९ २२ १३ ३६

मई-जून सन १९३८ ई.

ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ क.
२९ ३० र	५१६७	६२-१९	११०-२३	१०-६०	७१-७९	१-५८३८	४५-७३	७१-७८	७१-५	३३२-२५	१० ४३
३० १ अ	५१६८	६२-७१	११०-७५	१०-५६	७२-२७	१-५८५०	४६-२१	७२-२६	८०-१	३३२-७३	१० ३५
३१ २ मं	५१६९	६३-२४	१११-२८	१०-५२	७२-७६	१-५८६२	४६-७०	७२-७५	८०-८	३३३-२०	१० २४
१ ३ बु	५१७०	६३-७६	१११-८०	१०-४७	७३-२३	१-५८७३	४७-१७	७३-२२	८१-४	३३३-७८	१० १३
२ ४ गु	५१७१	६४-२९	११२-३३	१०-४३	७३-७२	१-५८८३	४७-६६	७३-७१	८२-१	३३४-१५	१० २
३ ५ शु	५१७२	६४-८१	११२-८५	१०-३९	७४-२०	१-५८९३	४८-१४	७४-१९	८२-७	३३४-६३	१० ५०
४ ६ श	५१७३	६५-३३	११३-३७	१०-३५	७४-६८	१-५९०५	४८-६२	७४-६७	८३-३	३३५-११	१० ३९
५ ७ र	५१७४	६५-८६	११३-९०	१०-३१	७५-१५	१-५९१७	४९-१०	७५-१५	८३-९	३३५-५९	१० २८
६ ८ अ	५१७५	६६-३८	११४-४२	१०-२६	७५-६३	१-५९२७	४९-५७	७५-६२	८४-५	३३६-०७	१० १७
७ ९ मं	५१७६	६६-९१	११४-९५	१०-२०	७६-११	१-५९३८	५०-०५	७६-१०	८५-१	३३६-१५	१० ०६
८ १० बु	५१७७	६७-४३	११५-४७	१०-१४	७६-५७	१-५९५०	५०-५१	७६-५६	८५-७	३३७-०५	८ ५४
९ ११ शु	५१७८	६७-९५	११५-९९	१०-१०	७७-०५	१-५९६०	५०-९९	७७-०४	८६-०	३३७-५२	८ ४३
१० १२ र	५१७९	६८-४८	११६-५२	१०-५	७७-५३	१-५९७०	५१-४७	७७-५२	८६-८	३३८-००	८ ३१
११ १३ श	५१८०	६९-००	११७-०४	१०-००	७८-००	१-५९८१	५१-९४	७७-९९	८७-४	३३८-४७	८ २०
१२ १४ र	५१८१	६९-५३	११७-५७	८-५५	७८-४८	१-५९९२	५२-४२	७८-४७	८८-०	३३९-०६	८ ७
१३ १५ अ	५१८२	७०-०५	११८-०९	८-५०	७८-९५	१-६००२	५२-८९	७८-९४	८८-५	३३९-५४	७ ५८
१४ १६ मं	५१८३	७०-५७	११८-६१	८-४५	७९-४२	१-६०१२	५३-३६	७९-४१	८९-१	३४०-१३	७ ४६
१५ १७ बु	५१८४	७१-१०	११९-१४	८-४०	७९-९०	१-६०२२	५३-८४	७९-८९	८९-६	३४०-४०	७ ३५
१६ १८ शु	५१८५	७१-६२	११९-६६	८-३५	८०-३७	१-६०३२	५४-३१	८०-३६	९०-१	३४०-८९	७ २३
१७ १९ र	५१८६	७२-१५	१२०-१९	८-३०	८०-८४	१-६०४२	५४-७८	८०-८३	९०-७	३४१-३७	७ १३
१८ २० श	५१८७	७२-६७	१२०-७१	८-२५	८१-३१	१-६०५४	५५-२५	८१-३०	९१-२	३४१-८६	७ १
१९ २१ अ	५१८८	७३-१९	१२१-२३	८-२०	८१-७८	१-६०६१	५५-७२	८१-७७	९१-७	३४२-३४	६ ५०
२० २२ मं	५१८९	७३-७२	१२१-७६	८-१५	८२-२५	१-६०७३	५६-१९	८२-२४	९२-२	३४२-८३	६ ४८
२१ २३ बु	५१९०	७४-२४	१२२-२८	८-१०	८२-७१	१-६०८४	५६-६५	८२-७०	९२-७	३४३-३२	६ ३७
२२ २४ शु	५१९१	७४-७७	१२२-८१	८-०५	८३-१८	१-६०९४	५७-१२	८३-१७	९३-२	३४३-८१	६ २६
२३ २५ र	५१९२	७५-२९	१२३-३३	८-००	८३-६५	१-६१०३	५७-५९	८३-६४	९३-७	३४४-२९	६ १४
२४ २६ श	५१९३	७५-८१	१२३-८५	८-००	८४-११	१-६११३	५८-०५	८४-००	९४-२	३४४-७७	६ ५२
२५ २७ अ	५१९४	७६-३३	१२४-३८	८-०५	८४-५८	१-६१२३	५८-५२	८४-५७	९४-७	३४५-२७	६ ४१
२६ २८ मं	५१९५	७६-८६	१२४-९०	८-१०	८५-०४	१-६१३२	५८-९८	८५-०३	९५-१	३४५-७६	६ ३०
२७ २९ बु	५१९६	७७-३९	१२५-०३	८-१५	८५-५१	१-६१४१	५९-४६	८५-५०	९५-६	३४५-२३	६ १९

मई—जून सन १९३८ इ.

ज्येष्ठ शुद्ध और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्थल ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	मि न	विषुवांश	गति	ल टि	कांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल
२९	रा. अं. क.	४०	अं. क.	४०	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.
२९	२ १ १	४०	+० ५२	+० १८	८४	८३ १०	४३ १३	५२	२४ १२	१ १७	५३ १३ ३६
३०	२ १ ४१	४०	+० ५२	+० ८४	४०	८३ ५३	४३ १३	५२	२४ १३	१ १७	५० १३ ३५
३१	२ २ २१	४०	० ५३	० ८५	२०	८४ ३६	४३ १४	५३	२४ १४	१ १७	४७ १३ ३३
१	२ ३ १	४०	० ५३	० ८६	४०	८५ १८	४३ १४	५३	२४ १५	१ १७	४४ १३ ३३
२	२ ३ ४१	४०	० ५३	० ८६	४०	८६ १	४३ १४	२०	२४ १६	१ १७	४२ १३ ३२
३	२ ४ २१	४०	० ५३	० ८७	२०	८६ ४४	४३ १४	२७	२४ १७	१ १७	३९ १३ ३१
४	२ ५ १	४०	० ५३	० ८८	२०	८७ २६	४३ १४	३४	२४ १८	१ १७	३६ १३ २९
५	२ ५ ४१	४०	+० ५४	+० ८८	४०	८८ ९	४३ १४	४२	२४ १९	१ १७	३४ १३ २९
६	२ ६ २१	४०	० ५४	० ८९	२०	८८ ५१	४३ १४	४९	२४ २०	१ १७	३१ १३ २७
७	२ ७ १	४०	० ५४	० ९०	०	८९ ३४	४३ १४	५६	२४ २१	१ १७	२८ १३ २६
८	२ ७ ४१	४०	० ५५	० ९०	४०	९० १६	४३ १५	३	२४ २२	१ १७	२५ १३ २५
९	२ ८ २१	४०	० ५५	० ९१	२०	९१ १	४३ १५	१०	२४ २३	१ १७	२३ १३ २४
१०	२ ९ १	४०	० ५६	० ९२	०	९२ ४६	४३ १५	१८	२४ २४	१ १७	२१ १३ २३
११	२ ९ ४१	४०	० ५६	० ९२	४०	९२ ३१	४३ १५	२५	२४ २५	१ १७	१८ १३ २२
१२	२ १० २१	४०	० ५७	० ९३	२०	९३ १५	४३ १५	३३	२४ २६	१ १७	१६ १३ २१
१३	२ ११ २	४०	+० ५७	+० ९४	०	९४	४३ १५	४०	२४ २६	१ १७	१३ १३ २०
१४	२ ११ ४२	४०	० ५७	० ९४	४१	९४ ४५	४३ १५	४८	२४ २७	१ १७	११ १३ १९
१५	२ १२ २२	४०	० ५८	० ९५	२१	९५ ३०	४३ १५	५५	२४ २८	१ १७	८ १३ १८
१६	२ १३ २	४०	० ५८	० ९६	१	९६ १५	४३ १६	३	२४ २९	१ १७	७ १३ १८
१७	२ १३ ४१	४०	० ५८	० ९६	४१	९७ १	४३ १६	१०	२४ २९	१ १७	४ १३ १६
१८	२ १४ २१	४०	० ५९	० ९७	२०	९७ ४४	४३ १६	१७	२४ ३०	१ १७	१ १३ १५
१९	२ १५ १	४०	० ५९	० ९८	०	९८ २९	४३ १६	२५	२४ ३१	१ १७	५९ १३ १५
२०	२ १५ ४०	४०	० ५९	० ९८	३९	९९ १३	४३ १६	३२	२४ ३१	१ १७	५६ १३ १३
२१	२ १६ १९	४०	+१ ०	+१ ०	९९ १८	९९ ५८	४३ १६	४०	२४ ३२	१ १६	५४ १३ १३
२२	२ १६ ५८	४०	१ ०	१ ०	९९ ५७	१०० ४४	४३ १६	४७	२४ ३३	१ १६	५२ १३ १२
२३	२ १७ ३७	४०	१ १	१ १	१०० ४६	१०१ २७	४३ १६	५५	२४ ३४	१ १६	५० १३ १०
२४	२ १८ १६	४०	१ १	१ १	१०१ १५	१०२ ११	४३ १६	६२	२४ ३५	१ १६	४७ १३ १०
२५	२ १८ ५५	४०	१ १	१ १	१०१ ५४	१०२ ५६	४३ १६	७०	२४ ३६	१ १६	४४ १३ ८
२६	२ १९ ३४	४०	१ १	१ १	१०२ ३३	१०३ ४०	४३ १६	७७	२४ ३६	१ १६	४१ १३ ८
२७	२ १९ १३	४०	१ १	१ १	१०३ १२	१०४ २५	४३ १६	८४	२४ ३७	१ १६	३९ १३ ७

जून-जुलाई सन १९३८ ई.

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
२७ ३० वं	५११६	अ. ७७.३९	अ. १२५.५३	अ. ८.१३	अ. ८५.५२	अ. १.६१४१	अ. ५९.४६	अ. ८५.५१	अ. १३६	अ. ३४६.२३	अं क ५ १९
२८ १ मं	५११७	७७.४१	१२५.५५	+८०.७	८५.९८	१.६१५१	५९.९२	८५.९७	१३६	३४६.७३	-५ ०७
२९ २ बु	५११८	७८.४३	१२६.५७	८०.२	८६.४५	१.६१६१	६०.३९	८६.४४	१३७	३४७.२१	४ ५६
३० ३ शु	५११९	७८.५६	१२७.००	७९.५	८६.९१	१.६१७०	६०.८५	८६.९०	१३७	३४७.७०	४ ४४
१ ४ घ	५१२०	७९.५८	१२७.५२	७९.०	८७.३७	१.६१७८	६१.३१	८७.३६	१३७	३४८.२०	४ ३३
२ ५ श	५१२१	८०.०१	१२८.०५	७८.३	८७.८४	१.६१८७	६१.७८	८७.८३	१३८	३४८.७०	४ २१
३ ६ र	५१२२	८०.५३	१२८.५७	७७.७	८८.३०	१.६१९५	६२.२४	८८.२९	१३८	३४९.१७	४ १०
४ ७ वं	५१२३	८१.०५	१२९.०९	७७.०	८८.७५	१.६२०५	६२.६९	८८.७४	१३९	३४९.६२	४ ०८
५ ८ मं	५१२४	८१.५८	१२९.६२	७६.४	८९.२२	१.६२१४	६३.१६	८९.२१	१३९	३५०.०६	-३ ४८
६ ९ बु	५१२५	८२.०१	१३०.१४	७५.७	८९.६८	१.६२२३	६३.६२	८९.६७	१३९	३५०.५५	३ ३६
७ १० शु	५१२६	८२.६३	१३०.६७	७५.२	९०.१५	१.६२३२	६४.०९	९०.१४	१४०	३५१.०४	३ २५
८ ११ घ	५१२७	८३.१५	१३१.१९	७४.४	९०.५९	१.६२४१	६४.५३	९०.५८	१४०	३५१.५३	३ १३
९ १२ श	५१२८	८३.७७	१३१.७१	७३.७	९१.०४	१.६२४९	६४.९८	९१.०३	१४०	३५२.०२	३ ०२
१० १३ र	५१२९	८४.२०	१३२.२४	७३.२	९१.५२	१.६२५९	६५.४६	९१.५१	१४०	३५२.५१	२ ९०
११ १४ वं	५१३०	८४.७२	१३२.७६	७२.४	९१.९६	१.६२६८	६५.९०	९१.९५	१४१	३५३.००	२ ७८
१२ १५ मं	५१३१	८५.२५	१३३.२९	७१.८	९२.४२	१.६२७७	६६.३७	९२.४२	१४१	३५३.४९	२ ६७
१३ १६ बु	५१३२	८५.७७	१३३.८१	७१.१	९२.८९	१.६२८६	६६.८३	९२.८८	१४२	३५४.०२	-२ ५५
१४ १७ शु	५१३३	८६.२९	१३४.३३	७०.५	९३.३४	१.६२९५	६७.२८	९३.३३	१४२	३५४.५१	२ ४४
१५ १८ घ	५१३४	८६.८२	१३४.८६	७०.०	९३.७९	१.६३०५	६७.७३	९३.७८	१४२	३५५.००	२ ३३
१६ १९ श	५१३५	८७.३४	१३५.३८	६९.५	९४.२५	१.६३१५	६८.१९	९४.२४	१४३	३५५.४९	२ २१
१७ २० र	५१३६	८७.८७	१३५.९१	६९.०	९४.७१	१.६३२५	६८.६५	९४.७०	१४३	३५६.००	२ १०
१८ २१ वं	५१३७	८८.३९	१३६.४३	६८.४	९५.१७	१.६३३५	६९.११	९५.१६	१४३	३५६.४९	२ ०८
१९ २२ मं	५१३८	८८.९१	१३६.९५	६७.७	९५.६१	१.६३४५	६९.५५	९५.६०	१४४	३५७.००	२ ०६
२० २३ बु	५१३९	८९.४४	१३७.४८	६७.३	९६.०७	१.६३५५	७०.०१	९६.०६	१४४	३५७.४९	-० ५४
२१ २४ शु	५१४०	८९.९६	१३८.००	६६.६	९६.५२	१.६३६५	७०.४६	९६.५१	१४४	३५८.००	० ४३
२२ २५ घ	५१४१	९०.४९	१३८.५३	६६.१	९६.९८	१.६३७५	७०.९२	९६.९७	१४५	३५८.४९	० ३१
२३ २६ श	५१४२	९१.०१	१३९.०५	६५.४	९७.४३	१.६३८५	७१.३७	९७.४२	१४५	३५९.००	० २०
२४ २७ र	५१४३	९१.५३	१३९.५७	६५.३	९७.८७	१.६३९५	७१.८१	९७.८६	१४५	३५९.४९	० ०८
२५ २८ वं	५१४४	९२.०६	१४०.१०	६४.८	९८.३४	१.६४०५	७२.२८	९८.३३	१४५	३५९.९९	+० ०४
२६ २९ मं	५१४५	९२.५८	१४०.६२	६४.२	९८.७८	१.६४१५	७२.७३	९८.७७	१४६	३६०.००	० १५
२७ ३० बु	५१४६	९३.११	१४१.१५	+६३.९	९९.२३	१.६४२५	७३.१७	९९.२२	१४६	३६०.५०	+० २५

99

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित ।

[illegible]

जुलाई-अगस्त सन १९३८ ई. श्रावण शुद्ध और कृष्णपक्ष का मंगल का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत्त	रवि म. प्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
२७ ३०	अ	५२२६	९३.११	१४१.१५	+६.१२	९९.२३	१.६३९०	७३.१७	९९.२२	१.४६	१.१४ +० २५
२८ १	अ	५२२७	९३.१६	१४१.६७	६.०५	९९.६८	१.६३९६	७३.६२	९९.६७	१.४६	१.६५ ० ३८
२९ ३	अ	५२२८	९४.१५	१४२.१९	५.९८	१००.१३	१.६४०३	७४.०७	१००.१२	१.४६	२.१५ ० ५०
३० ४	अ	५२२९	९४.६८	१४२.७२	५.९१	१००.५९	१.६४१०	७४.५३	१००.५८	१.४७	२.६५ १ ०१
३१ ५	अ	५२३०	९५.००	१४३.२४	५.८४	१०१.०४	१.६४१६	७४.९८	१०१.०३	१.४७	३.१५ १ ३३
१ ६	अ	५२३१	९५.७३	१४३.७७	५.७७	१०१.४८	१.६४२३	७५.४३	१०१.४७	१.४७	३.६७ १ २४
२ ७	अ	५२३२	९६.२५	१४४.२९	५.६९	१०१.९४	१.६४३१	७५.८८	१०१.९३	१.४७	४.१७ २ ३६
३ ८	अ	५२३३	९६.७७	१४४.८१	+५.६१	१०२.३८	१.६४३७	७६.३२	१०२.३७	१.४८	४.६८ +१ ४७
४ ९	अ	५२३४	९७.३०	१४५.३४	५.५४	१०२.८४	१.६४४४	७६.७८	१०२.८३	१.४८	५.१८ १ ५८
५ १०	अ	५२३५	९७.८२	१४५.८६	५.४५	१०३.२७	१.६४४९	७७.२१	१०३.२६	१.४८	५.७१ २ १०
६ ११	अ	५२३६	९८.३५	१४६.३८	५.३८	१०३.७३	१.६४५७	७७.६६	१०३.७२	१.४८	६.२२ २ २२
७ १२	अ	५२३७	९८.८७	१४६.९१	५.३०	१०४.१७	१.६४६२	७८.११	१०४.१६	१.४८	६.७३ २ ३४
८ १३	अ	५२३८	९९.३९	१४७.४३	५.२३	१०४.६२	१.६४६८	७८.५६	१०४.६१	१.४८	७.२३ २ ४४
९ १४	अ	५२३९	९९.९२	१४७.९६	५.१४	१०५.०६	१.६४७४	७९.००	१०५.०५	१.४९	७.७५ २ ५६
१० १५	अ	५२४०	१००.४४	१४८.४८	५.०७	१०५.५१	१.६४८०	७९.४५	१०५.५०	१.४९	८.२६ ३ ०९
११ १६	अ	५२४१	१००.९७	१४९.०१	४.९९	१०५.९६	१.६४८६	७९.९०	१०५.९५	१.४९	८.७७ ३ ११
१२ १७	अ	५२४२	१०१.५०	१४९.५४	+४.९२	१०६.४१	१.६४९१	८०.३५	१०६.४०	१.४९	९.२८ +३ ३१
१३ १८	अ	५२४३	१०२.०१	१५०.०५	४.८३	१०६.८४	१.६४९७	८०.७८	१०६.८३	१.४९	९.८१ ३ ४३
१४ १९	अ	५२४४	१०२.५४	१५०.५८	४.७५	१०७.२९	१.६५०३	८१.२३	१०७.२८	१.५०	१०.३२ ३ ५६
१५ २०	अ	५२४५	१०३.०६	१५१.१०	४.६८	१०७.७४	१.६५०८	८१.६८	१०७.७३	१.५०	१०.८३ ४ ०३
१६ २१	अ	५२४६	१०३.५९	१५१.६३	४.६०	१०८.१९	१.६५१३	८२.१३	१०८.१८	१.५०	११.३४ ४ १९
१७ २२	अ	५२४७	१०४.११	१५२.१५	४.५१	१०८.६२	१.६५१८	८२.५६	१०८.६१	१.५०	११.८७ ४ ३०
१८ २३	अ	५२४८	१०४.६३	१५२.६७	४.४३	१०९.०६	१.६५२४	८३.००	१०९.०५	१.५०	१२.३९ ४ ४२
१९ २४	अ	५२४९	१०५.१६	१५३.२०	+४.३६	१०९.५२	१.६५२९	८३.४६	१०९.५१	१.५०	१२.९० +४ ५३
२० २५	अ	५२५०	१०५.६८	१५३.७२	४.२९	१०९.९७	१.६५३६	८३.९१	१०९.९७	१.५०	१३.४० ५ ०५
२१ २६	अ	५२५१	१०६.२१	१५४.२४	४.२०	११०.४१	१.६५४८	८४.३५	११०.४१	१.५०	१३.९२ ५ १७
२२ २७	अ	५२५२	१०६.७३	१५४.७७	४.१०	११०.८५	१.६५५३	८४.७९	११०.८५	१.५०	१४.४४ ५ २९
२३ २८	अ	५२५३	१०७.२६	१५५.२९	४.०३	१११.२८	१.६५५८	८५.२२	१११.२८	१.५०	१४.९८ ५ ४०
२४ २९	अ	५२५४	१०७.७८	१५५.८२	३.९६	१११.७४	१.६५६२	८५.६८	१११.७४	१.५१	१५.५८ ५ ५१
२५ ३०	अ	५२५५	१०८.३०	१५६.३४	३.८७	११२.१७	१.६५६७	८६.०१	११२.१७	१.५१	१६.०२ ६ ३

मंगल

१०१

जुलाई-अगस्ट सन १९३८ इ.

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायन मार्ग	विषुवांश	गति	ह विषुवकां	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का यात्रोत्तर लेघन काल				
	रा अं. क.	क.	अं. क.	क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ	प	अं. क.	अं. क.	घ.	प.	स्टै.	घं. मि.
२७	२९ ४३	३९	+१ ९	+०	१२२ ४२	१२५ १६	४१ २०	५३ २०	४० ०	१२ १२	१२	३२	३२		
२८	२९ २२	३९	+१ ९	०	१२३ २१	१२५ ५७	४१ २१	०० +२०	३२ ०	१० १५	१०	१२	३१		
२९	२९ १	३९	१ ९	०	१२४ ०	१२६ ३७	४१ २१	६ २०	२२ ०	९ १५	६	१२	२९		
३०	२९ ४०	३९	१ १०	०	१२४ ३९	१२७ १७	४१ २१	१३ २०	१३ ०	१० १५	३	१२	२८		
३१	२९ १९	३९	१ १०	०	१२५ १८	१२७ ५७	४१ २१	२० २०	३० ०	१० १५	०	१२	२७		
१	२९ ५८	३९	१ १०	०	१२५ ५७	१२८ ३७	४१ २१	२६ १९	५३ ०	१० १५	५६	१२	२६		
२	२९ ३७	३९	१ १०	०	१२६ ३६	१२९ १७	४१ २१	३५ १९	४३ ०	९ १५	५५	१२	२५		
३	२९ १६	३९	+१ १०	+०	१२७ १५	१२९ ५७	४१ २१	४० १९	३४ ०	१० १५	५०	१२	२३		
४	२९ ५५	३९	१ ११	०	१२७ ५४	१३० ३७	४१ २१	४६ १९	२४ ०	१० १५	४७	१२	२२		
५	२९ ३४	३९	१ ११	०	१२८ ३३	१३१ १७	४१ २१	५३ १९	१३ ०	९ १५	४४	१२	२०		
६	२९ १३	३९	१ ११	०	१२९ १२	१३१ ५७	४१ २१	०० २२	१९ ०	९ १५	४१	१२	१९		
७	२९ ५२	३९	१ ११	०	१२९ ५१	१३२ ३७	४१ २१	६ २८	५५ ०	११ १५	३७	१२	१८		
८	२९ ३१	३९	१ ११	०	१३० ३०	१३३ १७	४१ २१	१३ २८	४४ ०	१० १५	३४	१२	१७		
९	२९ १०	३९	१ ११	०	१३१ ९	१३३ ५७	४१ २१	१९ २८	३३ ०	११ १५	३०	१२	१५		
१०	२९ ४७	३९	१ १२	०	१३१ ४६	१३४ ३७	४१ २१	२६ १८	२३ ०	१० १५	२८	१२	१४		
११	२९ २५	३९	१ १२	०	१३२ २४	१३५ १७	४१ २१	३२ १८	१३ ०	११ १५	२४	१२	१३		
१२	२९ ०४	३९	+१ १२	+०	१३३ २	१३५ ५७	४१ २१	३८ १८	२ ०	११ १५	२०	१२	११		
१३	२९ ४३	३९	१ १२	०	१३३ ४०	१३६ ३७	४१ २१	४५ १७	५१ ०	११ १५	१७	१२	१०		
१४	२९ २२	३९	१ १२	०	१३४ १८	१३७ १७	४१ २१	५१ १७	४० ०	१० १५	१३	१२	१८		
१५	२९ ०१	३९	१ १२	०	१३४ ५६	१३७ ५७	४१ २१	५७ १७	३० ०	११ १५	९	१२	१७		
१६	२८ ४०	३९	१ १२	०	१३५ ३४	१३८ ३७	४१ २१	६३ १७	२० ०	११ १५	६	१२	१५		
१७	२८ १९	३९	१ १२	०	१३५ १२	१३९ १७	४१ २१	६९ १७	१० ०	११ १५	२	१२	१४		
१८	२८ ५८	३९	१ १३	०	१३६ ५०	१३९ ५७	४१ २१	७५ १६	०	१२ १५	०	१२	१३		
१९	२८ ३७	३९	+१ १३	+०	१३७ २८	१४० ३७	४१ २१	८१ १६	५५ ०	१२ १५	५६	१२	१२		
२०	२८ १६	३९	१ १३	०	१३७ ६	१४० ५७	४१ २१	८७ १६	४५ ०	११ १५	५२	१२	१०		
२१	२८ ५५	३९	१ १३	०	१३८ ४४	१४१ ३७	४१ २१	९३ १६	३५ ०	११ १५	४८	१२	१८		
२२	२८ ३४	३९	१ १३	०	१३९ २२	१४२ १७	४१ २१	९९ १६	२५ ०	११ १५	४५	१२	१५		
२३	२८ १३	३९	१ १३	०	१४० ०	१४२ ५७	४१ २१	१०५ १६	१५ ०	११ १५	४१	१२	१४		
२४	२८ ५२	३९	१ १३	०	१४० ३८	१४३ ३७	४१ २१	१११ १६	५ ०	११ १५	३७	१२	१३		
२५	२८ ३१	३९	+१ १३	+०	१४१ १६	१४४ १७	४१ २१	११७ १६	५५ ०	१२ १५	३५	१२	१२		

अगस्ट-सप्टेंबर सन १९३८ ई

भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिवसगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्थल	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीमकेंद्र	शीमफल
२५ रे० शु	५२५५	१०८३०	१५६३४	३८७	११२१७	१५५५७	८६११	११२१७	१५१	१६०२	६०३
२६ र शु	५२५६	१०८३३	१५६८७	३७८	११२१६	१५५६१	८६५५	११२१६	१५१	१६५४	६१६
२७ र सा	५२५७	१०९३५	१५७३९	३७१	११२०६	१५५६६	८७००	११२०६	१५१	१७०६	६२७
२८ र र	५२५८	१०९८७	१५७९१	३६३	११२०५	१५५६९	८७४४	११२०५	१५१	१७५८	६३८
२९ र च	५२५९	११०४०	१५८४४	३५५	११२०५	१५५७३	८७८९	११२०५	१५१	१८१०	६५०
३० र मं	५२६०	११०९२	१५८९६	३४७	११२०५	१५५७७	८८३३	११२०५	१५१	१८६३	७०२
३१ र शु	५२६१	१११४५	१५९४९	३३९	११२०८	१५५८१	८८७७	११२०८	१५१	१९१६	७१४
१ उ शु	५२६२	१११९७	१६००१	३३१	११२०८	१५५८५	८९२०	११२०८	१५१	१९६९	७२६
२ उ शु	५२६३	११२५०	१६०५३	३२२	११२०८	१५५८८	८९६५	११२०८	१५१	२०२१	७३७
३ र सा	५२६४	११३०२	१६१०६	३१४	११२०८	१५५९२	९००८	११२०८	१५१	२०७५	७४९
४ र र	५२६५	११३५४	१६१५८	३०५	११२०८	१५५९५	९०५२	११२०८	१५१	२१२७	८००
५ र च	५२६६	११४०७	१६२११	२९५	११२०८	१५५९९	९०९६	११२०८	१५१	२१८०	८१२
६ र मं	५२६७	११४५९	१६२६३	२८८	११२०८	१५६०३	९१४१	११२०८	१५१	२२३३	८२३
७ र शु	५२६८	११५११	१६३१५	२७९	११२०८	१५६०६	९१८५	११२०८	१५१	२२८६	८३६
८ र शु	५२६९	११५६३	१६३६८	२७०	११२०८	१५६०९	९२२८	११२०८	१५१	२३४०	८४६
९ र शु	५२७०	११६१५	१६४२०	२६१	११२०८	१५६१२	९२७१	११२०८	१५१	२३९४	९००
१० र सा	५२७१	११६६७	१६४७३	२५३	११२०८	१५६१४	९३१६	११२०८	१५१	२४४६	९११
११ र र	५२७२	११७२०	१६५२५	२४५	११२०८	१५६१८	९३६०	११२०८	१५१	२४९९	९२३
१२ र च	५२७३	११७७३	१६५७७	२३६	११२०८	१५६२०	९४०४	११२०८	१५१	२५५२	९३५
१३ र मं	५२७४	११८२६	१६६३०	२२७	११२०८	१५६२३	९४४७	११२०८	१५१	२६०५	९४६
१४ र शु	५२७५	११८७८	१६६८२	२२०	११२०८	१५६२६	९४९२	११२०८	१५१	२६५९	९५९
१५ र शु	५२७६	११९३१	१६७३५	२११	११२०८	१५६२९	९५३६	११२०८	१५१	२७१२	९७१
१६ र शु	५२७७	११९८४	१६७८७	२०२	११२०८	१५६३३	९५८०	११२०८	१५१	२७६६	९८३
१७ उ सा	५२७८	१२०३६	१६८३९	१९३	१२०२९	१५६३६	९६२३	१२०२९	१५०	२८२०	९९५
१८ उ र	५२७९	१२०८९	१६८९२	१८५	१२०३४	१५६३९	९६६८	१२०३४	१५०	२८७३	१००७
१९ उ च	५२८०	१२१४१	१६९४४	१७६	१२०३८	१५६३३	९७१३	१२०३८	१५०	२९२८	१०१९
२० उ मं	५२८१	१२१९४	१६९९७	१६६	१२०३८	१५६३७	९७५७	१२०३८	१५०	२९८३	१०३१
२१ उ शु	५२८२	१२२४६	१७०५०	१५८	१२०४०	१५६४०	९८०१	१२०४०	१५०	३०३६	१०४३
२२ उ र	५२८३	१२२९८	१७१०३	१५०	१२०४८	१५६४३	९८४५	१२०४८	१५०	३०९०	१०५५
२३ उ च	५२८४	१२३५१	१७१५६	१४१	१२०५३	१५६४६	९८८९	१२०५३	१५०	३१४३	१०६७

मंगल

१०३

अगस्ट-सप्टेंबर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुद्ध और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्थल ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सामान्य मिति	विषुवांश	गति	ल विषुवांश	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल		
२५	३ २८ १७	३८	१३	१०	१ ४१	१६ १४४	२०	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	५२
२६	३ २८ ५४	३८	१३	१०	१ ४१	१६ १४४	४०	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	५१
२७	३ २९ ३२	३८	१३	१०	१ ४२	१६ १४५	१७	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	४९
२८	४ ० १०	३८	१३	१०	१ ४३	१६ १४५	५४	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	४८
२९	४ ० ४८	३८	१३	१०	१ ४३	१६ १४६	३१	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	४७
३०	४ १ २६	३८	१३	१०	१ ४४	१६ १४७	८	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	४५
३१	४ २ ४	३८	१३	१०	१ ४५	१६ १४७	४५	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	४४
१	४ २ ४२	३८	१३	१०	१ ४५	१६ १४८	२२	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	४३
२	४ ३ २०	३८	१३	१०	१ ४६	१६ १४८	५९	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	४१
३	४ ३ ५८	३८	१३	१०	१ ४६	१६ १४९	३६	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	४०
४	४ ४ ३६	३८	१३	१०	१ ४७	१६ १५०	१३	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	३८
५	४ ५ १४	३८	१३	१०	१ ४८	१६ १५०	५०	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	३६
६	४ ५ ५२	३८	१३	१०	१ ४८	१६ १५१	२६	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	३५
७	४ ६ ३०	३८	१३	१०	१ ४९	१६ १५२	३	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	३३
८	४ ७ ८	३८	१३	१०	१ ५०	१६ १५२	३८	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	३२
९	४ ७ ४६	३८	१३	१०	१ ५०	१६ १५३	१५	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	३१
१०	४ ८ २४	३८	१३	१०	१ ५१	१६ १५३	५१	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	२९
११	४ ९ २	३८	१३	१०	१ ५२	१६ १५४	२७	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	२८
१२	४ ९ ४०	३८	१३	१०	१ ५२	१६ १५५	३	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	२६
१३	४ ९ १८	३८	१३	१०	१ ५३	१६ १५५	४९	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	२४
१४	४ १० ५६	३८	१३	१०	१ ५३	१६ १५६	२८	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	२३
१५	४ ११ ३४	३८	१३	१०	१ ५४	१६ १५६	५३	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	२१
१६	४ १२ १२	३८	१३	१०	१ ५५	१६ १५७	२९	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	२०
१७	४ १२ ५०	३८	१३	१०	१ ५५	१६ १५८	५	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	१८
१८	४ १३ २८	३८	१३	१०	१ ५६	१६ १५८	४१	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	१६
१९	४ १४ ६	३८	१३	१०	१ ५७	१६ १५९	१७	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	१५
२०	४ १४ ४४	३८	१३	१०	१ ५७	१६ १५९	५३	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	१४
२१	४ १५ २२	३८	१३	१०	१ ५८	१६ १६०	२९	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	१२
२२	४ १६ ०	३८	१३	१०	१ ५८	१६ १६१	५	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	११
२३	४ १६ ३८	३८	१३	१०	१ ५९	१६ १६१	४१	३८ २४	१ १५	३५	१२	३५ ११	९

सप्टेंबर-अक्टूबर सन १९३८ ई आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद कैद्र	मंद फल	मंद स्पष्ट	मंद कर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकैद्र	शीघ्रफल
२३ ३० शु	५२८४	१२३.५३	१७१.५४	+१.४२	१२४.९३	१.६६४४	९८.८७	१२४.९३	१ ५०	३१.४३	+११ ४३
२४ १ श	५२८५	१२४.०३	१७२.०६	१.३३	१२५.३६	१.६६४६	९९.३०	१२४.३६	१ ५०	३१.९८	११ ५५
२५ २ र	५२८६	१२४.५६	१७२.५९	१.२३	१२५.७९	१.६६४८	९९.७३	१२५.७९	१ ४९	३२.५३	१२ ०७
२६ ३ च	५२८७	१२५.०८	१७३.११	१.१४	१२६.२२	१.६६४९	१००.१६	१२६.२२	१ ४९	३३.०८	१२ १९
२७ ४ म	५२८८	१२५.६०	१७३.६३	१.०७	१२६.६७	१.६६५०	१००.६१	१२६.६७	१ ४९	३३.६१	१२ ३०
२८ ५ बु	५२८९	१२६.१३	१७४.१६	०.९८	१२७.११	१.६६५१	१०१.०५	१२७.११	१ ४९	३४.१५	१२ ४३
२९ ६ शु	५२९०	१२६.६५	१७४.६८	०.८९	१२७.५४	१.६६५२	१०१.४८	१२७.५४	१ ४९	३४.६९	१२ ५४
३० ७ छ	५२९१	१२७.१७	१७५.२१	०.७९	१२७.९७	१.६६५३	१०१.९१	१२७.९८	१ ४९	३५.२४	१३ १३
१ ८ श	५२९२	१२७.७०	१७५.७३	+०.७१	१२८.४१	१.६६५५	१०२.३५	१२८.४२	१ ४८	३५.७९	+१३ १७
२ ९ र	५२९३	१२८.२२	१७६.२५	०.६१	१२८.८३	१.६६५५	१०२.७७	१२८.८४	१ ४८	३६.३५	१३ ३०
३ १० च	५२९४	१२८.७५	१७६.७८	०.५४	१२९.२९	१.६६५६	१०३.२३	१२९.३०	१ ४८	३६.८७	१३ ४१
४ ११ म	५२९५	१२९.२७	१७७.३०	०.४५	१२९.७२	१.६६५६	१०३.६६	१२९.७३	१ ४८	३७.४३	१३ ५४
५ १२ बु	५२९६	१२९.८०	१७७.८३	०.३६	१३०.१६	१.६६५६	१०४.१०	१३०.१७	१ ४८	३७.९७	१४ ००
६ १३ शु	५२९७	१३०.३२	१७८.३५	०.२९	१३०.६१	१.६६५७	१०४.५५	१३०.६२	१ ४७	३८.५१	१४ २२
७ १४ छ	५२९८	१३०.८४	१७८.८७	०.१९	१३१.०३	१.६६५७	१०४.९७	१३१.०४	१ ४७	३९.०८	१४ २८
८ १५ श	५२९९	१३१.३७	१७९.४०	०.१०	१३१.४७	१.६६५७	१०५.४१	१३१.४८	१ ४७	३९.६२	१४ ३९
९ १६ र	५३००	१३१.८९	१७९.९२	+०.०२	१३१.९१	१.६६५७	१०५.८५	१३१.९२	१ ४७	४०.१७	१४ ५१
१० १७ च	५३०१	१३२.४२	१८०.४५	-०.०७	१३२.३५	१.६६५७	१०६.२९	१३२.३६	१ ४७	४०.७२	+१५ ०३
११ १८ म	५३०२	१३२.९४	१८०.९७	०.१५	१३२.७९	१.६६५७	१०६.७३	१३२.८०	१ ४६	४१.२७	१५ १५
१२ १९ बु	५३०३	१३३.४६	१८१.४९	०.२६	१३३.२०	१.६६५७	१०७.१४	१३३.२१	१ ४६	४१.८५	१५ २७
१३ २० शु	५३०४	१३३.९९	१८२.०२	०.३३	१३३.६६	१.६६५७	१०७.६०	१३३.६७	१ ४६	४२.३८	१५ ३८
१४ २१ छ	५३०५	१३४.५१	१८२.५४	०.४२	१३४.०९	१.६६५७	१०८.०३	१३४.१०	१ ४६	४२.९४	१५ ५०
१५ २२ श	५३०६	१३५.०४	१८३.०७	०.५२	१३४.५२	१.६६५६	१०८.४६	१३४.५३	१ ४५	४३.५०	१६ ०२
१६ २३ र	५३०७	१३५.५६	१८३.५९	-०.६०	१३४.९६	१.६६५५	१०८.९०	१३४.९७	१ ४५	४४.०५	+१६ १४
१७ २४ च	५३०८	१३६.०८	१८४.११	०.६८	१३५.४०	१.६६५५	१०९.३४	१३५.४१	१ ४५	४४.६०	१६ २५
१८ २५ म	५३०९	१३६.६१	१८४.६४	०.७६	१३५.८५	१.६६५४	१०९.७९	१३५.८६	१ ४४	४५.१५	१६ ३७
१९ २६ बु	५३१०	१३७.१३	१८५.१६	०.८७	१३६.२९	१.६६५३	११०.२०	१३६.२७	१ ४४	४५.७१	१६ ४९
२० २७ शु	५३११	१३७.६६	१८५.६९	०.९५	१३६.७१	१.६६५२	११०.६५	१३६.७२	१ ४४	४६.२७	१७ ००
२१ २८ छ	५३१२	१३८.१८	१८६.२१	१.०४	१३७.१४	१.६६५१	१११.०८	१३७.१५	१ ४४	४६.८४	१७ १२
२२ २९ श	५३१३	१३८.७०	१८६.७३	१.११	१३७.५९	१.६६५०	१११.५३	१३७.६०	१ ४३	४७.३८	१७ २३
२३ ३० र	५३१४	१३९.२३	१८७.२६	१.२०	१३८.०३	१.६६४८	१११.९७	१३८.०४	१ ४३	४७.९४	१७ ३५

मंगल

१०५

सितंबर-अक्टूबर सन १९१८ ई. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह रा अं क	गति क अं क	भूमध्य दृश्य शर क अं क	गति क अं क	विषुवांश अं क	गति अं क	विषुवांश अं क	क्रांति अं क	गति अं क	हस्तौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल घ प स्टें मं मि
२३४	१६ ३८	३८	१ १५०	० १५९ ३७	१६१ ४१	० ३६ २६	५७ ९ ६	० १४ ११	५८ ११ ९	
२५४	१७ ५४	३८	१ १५०	० १६० ५३	१६२ १७	० ३६ २७	१८ ५२ ०	१४ ११ ४१	११ ७	
२६४	१८ ३२	३८	१ १५०	० १६१ ३१	१६३ २९	० ३६ २७	१५ ८ २४	१५ ११ ३३	११ ४	
२७४	१९ १०	३८	१ १५०	० १६२ ९	१६४ ४	० ३६ २७	२१ ८ ९	१५ ११ २९	११ १	
२८४	१९ ५८	३८	१ १५०	० १६२ ४७	१६५ ३९	० ३६ २७	२७ ५४ १५	१५ ११ २५	११ १	
२९४	२० २६	३८	१ १५०	० १६३ २५	१६५ १४	० ३६ २७	३२ ७ ४०	१५ ११ २१	१० ५९	
३०४	२१ ४	३८	१ १५०	० १६४ ३	१६५ ४९	० ३६ २७	३८ ७ २५	१५ ११ १७	१० ५८	
३१४	२१ ४२	३८	१ १५०	० १६४ ४१	१६६ २४	० ३६ २७	४४ १० ११	१५ ११ १३	१० ५६	
३२४	२२ २०	३८	१ १५०	० १६५ १९	१६६ ५९	० ३६ २७	५० ६ ५६	१५ ११ ९	१० ५४	
३३४	२२ ५८	३८	१ १५०	० १६५ ५७	१६७ ३४	० ३६ २७	५६ ६ ४१	१५ ११ ५	१० ५३	
३४४	२३ ३६	३८	१ १५०	० १६६ ३५	१६८ ९	० ३६ २८	१२ ६ २७	१५ ११ १	१० ५१	
३५४	२४ १४	३८	१ १५०	० १६७ १३	१६८ ४४	० ३६ २८	१७ ६ १३	१५ १० ५६	१० ४९	
३६४	२४ ५२	३८	१ १५०	० १६७ ५१	१६९ १९	० ३६ २८	२३ ५ ५८	१५ १० ५३	१० ४८	
३७४	२५ ३०	३८	१ १५०	० १६८ २९	१६९ ५४	० ३६ २८	२९ ५ ४२	१५ १० ४९	१० ४७	
३८४	२६ ८	३८	१ १५०	० १६९ ७	१७० २९	० ३६ २८	२५ ५ २६	१५ १० ४५	१० ४६	
३९४	२६ ४६	३८	१ १५०	० १६९ ४५	१७१ ४	० ३६ २८	३१ ५ ११	१५ १० ४१	१० ४४	
४०४	२७ २४	३८	१ १५०	० १७० २३	१७१ ३९	० ३६ २८	३७ ४ ५५	१५ १० ३७	१० ४२	
४१४	२८ २	३८	१ १५०	० १७१ १	१७२ १३	० ३६ २८	४२ ४ ४०	१५ १० ३२	१० ४०	
४२४	२८ ४०	३८	१ १५०	० १७१ ३९	१७२ ४८	० ३६ २८	४८ ४ २४	१५ १० २८	१० ३८	
४३४	२९ १८	३८	१ १५०	० १७२ १७	१७३ २३	० ३६ २८	५४ ४ ९	१५ १० २५	१० ३७	
४४४	२९ ५६	३८	१ १५०	० १७२ ५५	१७३ ५८	० ३६ २९	० ३ ५३	१५ १० २१	१० ३५	
४५४	३० ३४	३८	१ १५०	० १७३ ३३	१७४ ३३	० ३६ २९	६ ३ ३८	१५ १० १७	१० ३४	
४६४	३१ १२	३८	१ १५०	० १७४ ११	१७५ ७	० ३६ २९	११ ३ २७	१५ १० १२	१० ३२	
४७४	३१ ५०	३८	१ १५०	० १७४ ४९	१७५ ४२	० ३६ २९	१७ ३ १८	१५ १० ८	१० ३०	
४८४	३२ २८	३८	१ १५०	० १७५ २७	१७६ १७	० ३६ २९	२३ ३ ५२	१५ १० ४	१० २८	
४९४	३३ ६	३८	१ १५०	० १७६ ५	१७६ ५२	० ३६ २९	२९ २ ३८	१५ १० ०	१० २७	
५०४	३३ ४४	३८	१ १५०	० १७६ ४३	१७७ २७	० ३६ २९	३५ २ २३	१५ १० ५५	१० २६	
५१४	३४ २२	३८	१ १५०	० १७७ २१	१७८ २	० ३६ २९	४० २ ९	१५ १० ५२	१० २४	
५२४	३५ ०	३८	१ १५०	० १७७ ५९	१७८ ३७	० ३६ २९	४६ १ ५४	१५ १० ४८	१० २२	
५३४	३५ ४८	३८	१ १५०	० १७८ ३७	१७९ २२	० ३६ २९	५२ १ ४०	१५ १० ४४	१० २१	

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ ई

कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेष भणित ।

ता. ति. या.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम अं	मंद चंद्र अं	मंदफल अं	मंदस्वष्ट अं	मंदकर्ण अं	पातोन अं	रवि म. ग्रह अं	रवि म. शार अं क	शीर्षकेंद्र अं	शीर्षफल अं क
२३ ३० र	५३१४	१३९.२३	१८७.२६	-१.२०	१३८.०३	१.६६४८	१११.९७	१३८.०४	१ ४३	४७.९४	+१७ ३१
२४ १ चं	५३१५	१३९.७५	१८७.७८	१.२०	१३८.५५	१.६६४७	११२.३९	१३८.५६	१ ४३	४८.५१	१७ ४६
२५ २ मं	५३१६	१४०.२८	१८८.३१	१.३८	१३८.९०	१.६६४५	११२.८४	१३९.०१	१ ४२	४९.०६	१७ ५८
२६ ३ शु	५३१७	१४०.८०	१८८.८३	१.४७	१३९.३३	१.६६४४	११३.२७	१३९.३४	१ ४२	४९.६३	१८ १०
२७ ४ पु	५३१८	१४१.३२	१८९.३८	१.५५	१३९.७७	१.६६४२	११३.७१	१३९.७८	१ ४२	५०.१५	१८ २२
२८ ५ श्रु	५३१९	१४१.८५	१८९.८८	१.६५	१४०.२०	१.६६४१	११४.१४	१४०.२१	१ ४१	५०.७५	१८ ३३
२९ ६ वा	५३२०	१४२.३७	१९०.४०	१.७३	१४०.६४	१.६६३९	११४.५८	१४०.६५	१ ४१	५१.३३	१८ ४५
३० ७ र	५३२१	१४२.९०	१९०.९३	१.८१	१४१.०९	१.६६३६	११५.०३	१४१.१०	१ ४१	५१.८६	१८ ५६
३१ ८ चं	५३२२	१४३.४२	१९१.४५	-१.९०	१४१.५२	१.६६३४	११५.४६	१४१.५३	१ ४०	५२.४३	+१९ ०८
१ ९ मं	५३२३	१४३.९४	१९१.९७	१.९८	१४१.९६	१.६६३२	११५.९०	१४१.९७	१ ४०	५२.९९	१९ १९
२ १० शु	५३२४	१४४.४७	१९२.५०	२.०७	१४२.४०	१.६६३०	११६.३४	१४२.४१	१ ४०	५३.५५	१९ ३१
३ ११ पु	५३२५	१४४.९९	१९३.०२	२.१६	१४२.८३	१.६६२८	११६.७७	१४२.८४	१ ३९	५४.१२	१९ ४३
४ १२ श्रु	५३२६	१४५.५२	१९३.५५	२.२४	१४३.२८	१.६६२५	११७.२२	१४३.२९	१ ३९	५४.६८	१९ ५५
५ १३ वा	५३२७	१४६.०४	१९४.०७	२.३५	१४३.७०	१.६६२३	११७.६७	१४३.७१	१ ३८	५५.२६	२० ०६
६ १४ र	५३२८	१४६.५६	१९४.५९	२.४२	१४४.१४	१.६६२१	११८.१०	१४४.१५	१ ३८	५५.८२	२० १७
७ १५ चं	५३२९	१४७.०९	१९५.१२	२.५०	१४४.५९	१.६६१७	११८.५३	१४४.६०	१ ३८	५६.३७	२० २९
८ १६ मं	५३३०	१४७.६१	१९५.६४	-२.५९	१४५.०२	१.६६१४	११८.९६	१४५.०३	१ ३७	५६.९५	+२० ४०
९ १७ पु	५३३१	१४८.१३	१९६.१७	२.६८	१४५.४६	१.६६११	११९.४०	१४५.४७	१ ३७	५७.५१	२० ५१
१० १८ श्रु	५३३२	१४८.६६	१९६.६९	२.७६	१४५.९०	१.६६०८	११९.८४	१४५.९१	१ ३६	५८.०८	२१ ०३
११ १९ वा	५३३३	१४९.१८	१९७.२१	२.८५	१४६.३३	१.६६०५	१२०.२७	१४६.३४	१ ३६	५८.६५	२१ १५
१२ २० र	५३३४	१४९.७१	१९७.७३	२.९२	१४६.७७	१.६६०२	१२०.७३	१४६.८०	१ ३५	५९.२०	२१ २६
१३ २१ चं	५३३५	१५०.२३	१९८.२६	३.०१	१४७.२२	१.६५९९	१२१.१६	१४७.२३	१ ३५	५९.७७	२१ ३६
१४ २२ मं	५३३६	१५०.७६	१९८.७९	३.१०	१४७.६६	१.६५९६	१२१.६०	१४७.६७	१ ३५	६०.३४	२१ ४८
१५ २३ पु	५३३७	१५१.२८	१९९.३१	३.१९	१४८.०९	१.६५९३	१२२.०३	१४८.१०	१ ३४	६०.९२	+२२ ००
१६ २४ श्रु	५३३८	१५१.८०	१९९.८३	३.२६	१४८.५५	१.६५९०	१२२.४८	१४८.५५	१ ३४	६१.४९	२२ ११
१७ २५ वा	५३३९	१५२.३३	२००.३६	३.३५	१४८.९९	१.६५८७	१२२.९३	१४९.००	१ ३३	६२.०३	२२ २३
१८ २६ र	५३४०	१५२.८५	२००.८८	३.४२	१४९.४३	१.६५८०	१२३.३७	१४९.४३	१ ३३	६२.६०	२२ ३४
१९ २७ चं	५३४१	१५३.३८	२०१.४१	३.५१	१४९.८६	१.६५७७	१२३.८०	१४९.८७	१ ३२	६३.१८	२२ ४६
२० २८ मं	५३४२	१५३.९०	२०१.९३	३.६०	१५०.३०	१.६५७४	१२४.२४	१५०.३१	१ ३२	६३.७५	२२ ५६
२१ २९ पु	५३४३	१५४.४२	२०२.४५	-३.६८	१५०.७४	१.६५७१	१२४.६८	१५०.७५	१ ३१	६४.३२	२३ ०६

मंगल

१०७

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ ई. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेष गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट महरा अं. क.	गति क.	भूमध्य दृश्य शर अं. क.	गति क.	विषुवांश अं. क.	गति अं. क.	काति अं. क.	गति अं. क.	इन्दौर शहर का वाम्योत्तर लंघन काल
२३/५ ५ ३८	३८	११ १४	०	१७८ ३७ १७९ १२	३५	२९ ५२ ११ ४०	० १५ ९ ४४	१० २१	
२४/५ ६ १६	३८	११ १४	०	१७९ १५ १७९ ४७	३५	२९ ५८ १ २५	० १४ ९ ४०	१० १९	
२५/५ ६ ५४	३८	१ १४	०	१७९ ५३ १८० २२	३५	३० ५ ११ ११	० १५ ९ ३७	१० १८	
२६/५ ७ ३२	३८	१ १४	०	१८० ३१ १८० ५८	३५	३० ० ५६ ० १३	० १५ ९ ३२	१० १६	
२७/५ ८ १०	३८	१ १४	०	१८१ ०९ १८२ ३३	३५	३० ० ५३ ० १३	० १५ ९ २९	१० १५	
२८/५ ८ ४०	३८	१ १४	०	१८१ ४७ १८२ ०८	३५	३० ० २१ ० १३	० १५ ९ २४	१० १३	
२९/५ ९ २६	३८	१ १३	०	१८२ २५ १८२ ४३	३५	३० ० २७ ० १७	० १५ ९ २०	१० ११	
३०/५ १० ४	३८	१ १३	०	१८३ ३ १८३ १७	३५	३० ० ३३ ० २	० १६ ९ १६	१० १२	
३१/५ १० ४२	३८	१ १३	०	१८३ ४१ १८३ ५२	३५	३० ० ३९ ० १८	० १६ ९ १२	१० ७	
१/५ ११ २०	३८	१ १३	०	१८४ १९ १८४ २७	३५	३० ० ४५ ० ३४	० १६ ९ ८	१० ६	
२/५ ११ ५८	३८	१ १३	०	१८४ ५७ १८५ ०२	३५	३० ० ५० ० ५०	० १६ ९ ३	१० ४	
३/५ १२ ३६	३८	१ १३	०	१८५ ३५ १८५ ३७	३५	३० ० ५६ १ ६	० १६ ९ ०	१० ३	
४/५ १३ १४	३८	१ १३	०	१८६ १३ १८६ १२	३५	३१ ० १ २२	० १६ ८ ५६	१० २	
५/५ १३ ५२	३८	१ १३	०	१८६ ५१ १८६ ४६	३५	३१ ० १ ३८	० १६ ८ ५२	१० ०	
६/५ १४ ३०	३८	१ १३	०	१८७ २९ १८७ १९	३५	३१ ० १३ १ ५३	० १६ ८ ४७	९ ५८	
७/५ १५ ८	३८	१ १२	०	१८८ ०७ १८८ ५३	३५	३१ ० १९ २ ८	० १६ ८ ४३	९ ५६	
८/५ १५ ४६	३८	११ १२	०	१८८ ४५ १८८ २६	३५	३१ ० २५ २ २३	० १६ ८ ३८	९ ५४	
९/५ १६ २४	३८	१ १२	०	१८९ २३ १८९ ५९	३५	३१ ० ३० २ २८	० १६ ८ ३४	९ ५३	
१०/५ १७ २	३८	१ १२	०	१९० ०१ १९० ३३	३५	३१ ० ३६ २ ५३	० १६ ८ ३०	९ ५१	
११/५ १७ ४०	३८	१ १२	०	१९० ३९ १९० ०६	३५	३१ ० ४१ ३ ८	० १६ ८ २६	९ ४९	
१२/५ १८ १८	३८	१ १२	०	१९१ १७ १९१ ३९	३५	३१ ० ४७ ३ २३	० १६ ८ २२	९ ४८	
१३/५ १८ ५६	३८	१ १२	०	१९१ ५५ १९१ ११	३५	३१ ० ५२ ३ ८८	० १६ ८ १७	९ ४६	
१४/५ १९ ३४	३८	१ ११	०	१९२ ३३ १९१ ४६	३५	३१ ० ५८ ३ ५३	० १६ ८ १३	९ ४४	
१५/५ २० १२	३८	११ ११	०	१९३ ११ १९२ २०	३५	३२ ० ४ ७ ० १५	८ ८	९ ४२	
१६/५ २० ५०	३८	१ ११	०	१९३ ५० १९२ ५६	३५	३२ ० १० ७ २२	० १६ ८ ८	९ ४०	
१७/५ २१ २८	३८	१ ११	०	१९४ २८ १९३ ३३	३५	३२ ० १६ ४ ३७	० १६ ८ ४	९ ४०	
१८/५ २२ ६	३८	१ ११	०	१९५ ०६ १९४ ०	३५	३२ ० २२ ४ ५३	० १६ ८ ५८	९ ३८	
१९/५ २२ ४४	३८	१ ११	०	१९५ ४४ १९४ ४६	३५	३२ ० २८ ५ ६	० १६ ८ ५४	९ ३६	
२०/५ २३ २२	३८	१ १०	०	१९६ २१ १९५ २२	३५	३२ ० ३४ ५ १२	० १६ ८ ५०	९ ३५	
२१/५ २४ ०	३८	११ १०	०	१९७ ० १९५ ५९	३५	३२ ० ४० ५ ३६	० १६ ८ ४६	९ ३३	

नवंबर-डिसेंबर सन १९१८ ई. मार्गशीर्ष शुद्ध और कृष्णपक्ष का मंगल का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम अं	मंदकेंद्र अं	मंदफल अं	मंदस्पष्ट अं	मंदकर्ण अं	पातोन अं	रवि म. ग्रह अं	रवि म. शार अं क	शीघ्रकेंद्र अं	शीघ्रफल अं क
२१ ३० अं	५३३३	१५४.४२	३०२.४५	-३.६८	१५०.७४	१.५५६६	१२४.६८	१५०.७५	१ ३१	६४.६२	२३ ७
२२ १ मं	५३४४	१५४.९५	२०२.९८	३.७६	१५१.१९	१.६५६२	१२५.१३	१५१.२०	१ ३१	६४.८८	२३ १८
२३ १ शु	५३५५	१५५.४७	२०३.५०	३.८४	१५१.६३	१.६५५८	१२५.५७	१५१.६४	१ ३०	६५.१४	२३ ३०
२४ २ अ	५३६६	१५६.००	२०४.०३	३.९२	१५२.०८	१.६५५४	१२६.०२	१५२.०९	१ ३०	६५.४०	२३ ४०
२५ ३ शु	५३७७	१५६.५२	२०४.५५	४.०१	१५२.५१	१.६५५०	१२६.४५	१५२.५२	१ २९	६६.०६	२३ ५२
२६ ४ अ	५३८८	१५७.०४	२०५.०७	४.०९	१५२.९५	१.६५४५	१२६.८९	१५२.९६	१ २९	६६.३२	२४ १
२७ ५ अ	५३९९	१५७.५७	२०५.५०	४.१८	१५३.३९	१.६५४१	१२७.३३	१५३.४०	१ २८	६६.५८	२४ १०
२८ ६ अ	५४१०	१५८.०९	२०६.०२	४.२६	१५३.८३	१.६५३६	१२७.७७	१५३.८४	१ २८	६६.८४	२४ २५
२९ ७ मं	५४२१	१५८.६२	२०६.५५	४.३४	१५४.२८	१.६५३२	१२८.२२	१५४.२९	१ २७	६७.१०	२४ ३६
३० ८ अ	५४३२	१५९.१४	२०७.०७	-४.४१	१५४.७३	१.६५२६	१२८.६७	१५४.७४	१ २७	६७.३६	२४ ४८
१ ९ शु	५४४३	१५९.६६	२०७.६०	४.४९	१५५.१७	१.६५२०	१२९.११	१५५.१८	१ २६	७०.०१	२४ ५८
२ १० अ	५४५४	१६०.१९	२०८.१२	४.५७	१५५.६२	१.६५१५	१२९.५५	१५५.६३	१ २६	७०.२७	२५ १
३ ११ अ	५४६५	१६०.७१	२०८.६४	४.६५	१५६.०६	१.६५१०	१३०.००	१५६.०७	१ २५	७०.५३	२५ २०
४ १२ अ	५४७६	१६१.२४	२०९.१७	४.७३	१५६.५१	१.६५०४	१३०.४५	१५६.५२	१ २४	७०.७९	२५ ३१
५ १३ अ	५४८७	१६१.७६	२०९.७०	४.८१	१५६.९५	१.६५००	१३०.८९	१५६.९६	१ २४	७१.०५	२५ ४१
६ १४ अ	५४९८	१६२.२८	२१०.२१	४.८९	१५७.३९	१.६४९४	१३१.३३	१५७.४०	१ २३	७१.३१	२५ ५३
७ १५ अ	५५०९	१६२.८१	२१०.७४	४.९७	१५७.८४	१.६४८८	१३१.७८	१५७.८५	१ २३	७१.५७	२६ ०४
८ १६ अ	५५२०	१६३.३३	२११.२६	-५.०४	१५८.२९	१.६४८२	१३२.२३	१५८.३०	१ २२	७३.१९	२६ १४
९ १७ अ	५५३१	१६३.८६	२११.७९	५.१३	१५८.७३	१.६४७७	१३२.६७	१५८.७४	१ २२	७३.४५	२६ २६
१० १८ अ	५५४२	१६४.३८	२१२.३१	५.२०	१५९.१८	१.६४७१	१३३.११	१५९.१९	१ २१	७३.७१	२६ ३७
११ १९ अ	५५५३	१६४.९०	२१२.८३	५.२८	१५९.६२	१.६४६५	१३३.५६	१५९.६६	१ २०	७३.९७	२६ ४७
१२ २० अ	५५६४	१६५.४३	२१३.३६	५.३५	१६०.०८	१.६४५८	१३४.००	१६०.०९	१ २०	७४.२३	२६ ५८
१३ २१ अ	५५७५	१६५.९५	२१३.८८	५.४४	१६०.५१	१.६४५३	१३४.४५	१६०.५२	१ १९	७४.४९	२७ १
१४ २२ अ	५५८६	१६६.४८	२१४.४१	-५.५१	१६०.९७	१.६४४७	१३४.८९	१६०.९८	१ १९	७४.७५	२७ ११
१५ २३ अ	५५९७	१६७.००	२१५.०३	५.५९	१६१.४१	१.६४४०	१३५.३५	१६१.४२	१ १८	७५.०१	२७ २१
१६ २४ अ	५६०८	१६७.५२	२१५.५५	५.६६	१६१.८६	१.६४३३	१३५.७९	१६१.८७	१ १७	७५.२७	२७ ३१
१७ २५ अ	५६१९	१६८.०५	२१६.०८	५.७४	१६२.३०	१.६४२७	१३६.२३	१६२.३०	१ १७	७५.५३	२७ ४१
१८ २६ अ	५६३०	१६८.५७	२१६.६०	५.८१	१६२.७५	१.६४२०	१३६.६७	१६२.७७	१ १६	७५.७९	२८ १
१९ २७ अ	५६४१	१६९.०९	२१७.१३	५.८८	१६३.१९	१.६४१३	१३७.११	१६३.१३	१ १५	७६.०५	२८ १२
२० २८ अ	५६५२	१६९.६२	२१७.६५	५.९६	१६३.६३	१.६४०७	१३७.५५	१६३.६४	१ १५	७६.३१	२८ २३
२१ २९ अ	५६६३	१७०.१४	२१८.१७	६.०२	१६४.०७	१.६४०१	१३८.००	१६४.०१	१ १४	७६.५७	२८ ३३

दिसंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेष गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम अं	मंदकेंद्र अं	मंदफल अं	मंदस्पष्ट अं	मंदकर्ण अं	पातोन्न अं	रवि म. मू. अं	रवि म. शर. अं	शीघ्रकेंद्र अं	शीघ्रफल अं
२१	३० बु	५३७३	१७०-१४	२१८-१७	६-०२	१६४-१२	१-६३९९	१३८-०६	१६४-१३	११४	८१-३९	२८ ३३
२२	१ शु	५३७४	१७०-६७	२१८-७०	-६-११	१६४-५६	१-६३९३	१३८-५०	१६४-५७	११४	८१-९७	+२८ ४३
२३	२ ऋ	५३७५	१७१-१९	२१९-२२	६-१७	१६५-०२	१-६३८५	१३८-९६	१६५-०३	११३	८२-५२	२८ ५४
२४	३ श	५३७६	१७१-७२	२१९-७५	६-२५	१६५-४७	१-६३७८	१३९-४१	१६५-४८	११२	८३-०९	२९ ४
२५	४ च	५३७७	१७२-२४	२२०-२७	६-३३	१६५-९१	१-६३७१	१३९-८५	१६५-९२	११२	८३-६७	२९ १४
२६	५ म	५३७८	१७२-७६	२२०-७९	६-४०	१६६-३६	१-६३६५	१४०-३०	१६६-३७	१११	८४-२४	२९ २५
२७	६ मं	५३७९	१७३-२९	२२१-३२	६-४७	१६६-८२	१-६३५६	१४०-७६	१६६-८३	११०	८४-८०	२९ ३५
२८	७ पु	५३८०	१७३-८१	२२१-८४	६-५३	१६७-२८	१-६३४८	१४१-२२	१६७-२९	११०	८५-३६	२९ ४५
२९	८ शु	५३८१	१७४-३४	२२२-३७	६-६०	१६७-७४	१-६३४१	१४१-६८	१६७-७५	१०९	८५-९२	२९ ५५
३०	९ ऋ	५३८२	१७४-८६	२२२-८९	-६-६९	१६८-१७	१-६३३३	१४२-११	१६८-१८	१०८	८६-५१	+३० ५
३१	१० श	५३८३	१७५-३८	२२३-४१	६-७५	१६८-६३	१-६३२५	१४२-५५	१६८-६४	१०७	८७-०७	३० १५
१	२ मं	५३८४	१७५-९१	२२३-९४	६-८२	१६९-०९	१-६३१८	१४३-०३	१६९-१०	१०७	८७-६३	३० २५
२	३ मं	५३८५	१७६-४३	२२४-४६	६-८८	१६९-५५	१-६३१०	१४३-४९	१६९-५६	१०६	८८-१८	३० ३५
३	४ मं	५३८६	१७६-९६	२२४-९९	६-९६	१७०-००	१-६३०१	१४३-९४	१७०-०१	१०५	८८-७५	३० ४५
४	५ ऋ	५३८७	१७७-४८	२२५-५१	७-०२	१७०-४६	१-६२९३	१४४-४४	१७०-४७	१०५	८९-३१	३० ५५
५	६ शु	५३८८	१७८-००	२२६-०३	७-०९	१७०-९१	१-६२८६	१४४-८५	१७०-९२	१०४	८९-८८	३१ ५
६	७ श	५३८९	१७८-५३	२२६-५६	-७-१६	१७१-३७	१-६२७८	१४५-३१	१७१-३८	१०३	९०-४४	+३१ ५५
७	८ ऋ	५३९०	१७९-०५	२२७-०८	७-२३	१७१-८२	१-६२७०	१४५-७६	१७१-८३	१०२	९०-९९	३१ २४
८	९ मं	५३९१	१७९-५८	२२७-५१	७-२९	१७२-२९	१-६२६३	१४६-२३	१७२-३०	१०२	९१-५६	३१ ३४
९	१० मं	५३९२	१८०-१०	२२८-१३	७-३५	१७२-७५	१-६२५५	१४६-६९	१७२-७६	१०१	९२-१२	३१ ४४
१०	११ ऋ	५३९३	१८०-६२	२२८-६५	७-४२	१७३-२३	१-६२४७	१४७-१३	१७३-२४	१००	९२-६९	३१ ५३
११	१२ श	५३९४	१८१-१५	२२९-१८	७-४८	१७३-६७	१-६२३९	१४७-५८	१७३-६८	९९	९३-२४	३२ ३
१२	१३ बु	५३९५	१८१-६७	२२९-७०	७-५५	१७४-१२	१-६२३२	१४८-०६	१७४-१३	९९	९३-८१	३२ १२
१३	१४ ऋ	५३९६	१८२-२०	२३०-२३	-७-६१	१७४-५९	१-६२२४	१४८-५३	१७४-६०	९८	९४-३६	+३२ २२
१४	१५ श	५३९७	१८२-७२	२३०-७५	७-६७	१७५-०४	१-६२१६	१४८-९८	१७५-०५	९७	९४-९३	३२ ३१
१५	१६ मं	५३९८	१८३-२४	२३१-२७	७-७४	१७५-५०	१-६२०९	१४९-४४	१७५-५१	९६	९५-०८	३२ ४०
१६	१७ ऋ	५३९९	१८३-७७	२३१-८०	७-८१	१७५-९६	१-६२०१	१४९-९०	१७५-९७	९५	९५-६४	३२ ५०
१७	१८ मं	५४००	१८४-२९	२३२-३२	७-८६	१७६-४३	१-६१९२	१५०-३७	१७६-४४	९५	९६-१९	३२ ५९
१८	१९ शु	५४०१	१८४-८२	२३२-८५	७-९३	१७६-८९	१-६१८५	१५०-८३	१७६-९०	९४	९६-७५	३३ ८
१९	२० ऋ	५४०२	१८५-३४	२३३-३७	७-९९	१७७-३५	१-६१७७	१५१-२९	१७७-३६	९३	९७-३१	३३ १७
२०	२१ शु	५४०३	१८५-८६	२३३-८९	-८-०५	१७७-८१	१-६१६९	१५१-७५	१७७-८२	९३	९८-०६	+३३ २७

मंगल

१११

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह रा. अं. क.	गति क.	भूमध्य हृदय शर अं. क.	गति क.	विषुव सायनमो अं. क.	विषुव अं. क.	गति क.	विषुव अं. क.	गति क.	कांति अं. क.	गति क.	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल घ प म
२१	६ १२ ४५	३७	११	२	०	१२५ ४५	२१३ ३८	०	३७	३५	३६	१२ २८ ० १४ ५ ४६ ८ ४६
२२	६ १३ २२	३७	११	१	०	१२६ २२	२१४ १५	०	३७	३५	३६	१२ ४२ ० १३ ५ ४४ ८ ४५
२३	६ १३ ५९	३७	११	०	०	१२६ ५९	२१४ ५२	०	३७	३५	३६	१२ ५५ ८ १३ ५ ४० ८ ४३
२४	६ १४ ३६	३७	११	०	०	१२७ ३६	२१५ ३०	०	३७	३५	३६	१३ ०८ ८ १३ ५ ४१ ८ ४१
२५	६ १५ १३	३७	११	०	०	१२८ १३	२१६ ०८	०	३७	३५	३६	१३ २१ ८ १३ ५ ३९ ८ ४०
२६	६ १५ ५०	३७	११	०	०	१२८ ५०	२१६ ४४	०	३७	३५	३६	१३ ३४ ८ १३ ५ ३८ ८ ३९
२७	६ १६ २७	३७	११	०	०	१२९ २७	२१७ २०	०	३७	३५	३६	१३ ४७ ८ १३ ५ ३७ ८ ३८
२८	६ १७ ४	३७	११	०	०	१२९ ४	२१७ ५७	०	३७	३५	३६	१३ ५९ ८ १३ ५ ३६ ८ ३७
२९	६ १७ ४१	३७	११	०	०	१२९ ४१	२१८ ३३	०	३७	३५	३६	१४ १२ ८ १३ ५ ३५ ८ ३६
३०	६ १८ १८	३७	११	०	०	१२९ १८	२१९ ९	०	३७	३५	३६	१४ २५ ८ १३ ५ ३४ ८ ३५
३१	६ १८ ५५	३७	११	०	०	१२९ ५५	२१९ ४६	०	३७	३५	३६	१४ ३८ ८ १३ ५ ३३ ८ ३४
१	६ १९ ३२	३७	११	०	०	१२९ ३२	२२० २२	०	३७	३५	३६	१४ ५१ ८ १३ ५ ३२ ८ ३३
२	६ २० ९	३७	११	०	०	१२९ ९	२२० ५८	०	३७	३५	३६	१५ ०४ ८ १३ ५ ३१ ८ ३२
३	६ २० ४६	३७	११	०	०	१२९ ४६	२२१ ३४	०	३७	३५	३६	१५ १७ ८ १३ ५ ३० ८ ३१
४	६ २१ २३	३७	११	०	०	१२९ २३	२२१ १०	०	३७	३५	३६	१५ ३० ८ १३ ५ २९ ८ ३०
५	६ २२ ०	३७	११	०	०	१२९ ०	२२१ ४६	०	३७	३५	३६	१५ ४३ ८ १३ ५ २८ ८ २९
६	६ २२ ३७	३७	११	०	०	१२९ ३७	२२२ २२	०	३७	३५	३६	१५ ५६ ८ १३ ५ २७ ८ २८
७	६ २३ १४	३७	११	०	०	१२९ १४	२२२ ५८	०	३७	३५	३६	१६ ०९ ८ १३ ५ २६ ८ २७
८	६ २३ ५१	३७	११	०	०	१२९ ५१	२२३ ३४	०	३७	३५	३६	१६ २२ ८ १३ ५ २५ ८ २६
९	६ २४ २८	३७	११	०	०	१२९ २८	२२३ १०	०	३७	३५	३६	१६ ३५ ८ १३ ५ २४ ८ २५
१०	६ २५ ५	३७	११	०	०	१२९ ५	२२३ ४६	०	३७	३५	३६	१६ ४८ ८ १३ ५ २३ ८ २४
११	६ २५ ४२	३७	११	०	०	१२९ ४२	२२४ २२	०	३७	३५	३६	१६ ६१ ८ १३ ५ २२ ८ २३
१२	६ २६ १९	३७	११	०	०	१२९ १९	२२४ ५८	०	३७	३५	३६	१६ ७४ ८ १३ ५ २१ ८ २२
१३	६ २६ ५६	३७	११	०	०	१२९ ५६	२२५ ३४	०	३७	३५	३६	१६ ८७ ८ १३ ५ २० ८ २१
१४	६ २७ ३३	३७	११	०	०	१२९ ३३	२२५ १०	०	३७	३५	३६	१६ १० ८ १३ ५ १९ ८ २०
१५	६ २७ १०	३७	११	०	०	१२९ १०	२२५ ४६	०	३७	३५	३६	१६ २३ ८ १३ ५ १८ ८ १९
१६	६ २७ ४७	३७	११	०	०	१२९ ४७	२२६ २२	०	३७	३५	३६	१६ ३६ ८ १३ ५ १७ ८ १८
१७	६ २८ २४	३७	११	०	०	१२९ २४	२२६ ५८	०	३७	३५	३६	१६ ४९ ८ १३ ५ १६ ८ १७
१८	६ २९ १	३७	११	०	०	१२९ १	२२७ ३४	०	३७	३५	३६	१६ ६२ ८ १३ ५ १५ ८ १६
१९	६ २९ ३८	३७	११	०	०	१२९ ३८	२२७ १०	०	३७	३५	३६	१६ ७५ ८ १३ ५ १४ ८ १५
२०	६ ३० १५	३७	११	०	०	१२९ १५	२२७ ४६	०	३७	३५	३६	१६ ८८ ८ १३ ५ १३ ८ १४

११२

मंगल

जनवरी-फरवरी सन १९३९ ई.

माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध शणित ।

सा. ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम अं.	मंदकेंद्र अं.	मंदफल अं.	मंदरपक्ष अं.	मंदकर्ण अं.	पातोम अं.	रवि म. ब्रह्म अं.	रवि म.शर अं. क.	शीघ्रकेंद्र अं.	शीघ्रफल अं. क.
२० ३० शु	५४०३	१८५८६	२३३८९	८००५	१७७८१	१६१५५	१५१०७५	१७७८२	० ५३	९८.२६	३३ २७
२१ १ श	५४०४	१८६०३९	२३४०४२	८०११	१७८०२८	१६१४५	१५२०२२	१७८०२९	० ५२	९८.८१	३३ ३५
२२ २ च	५४०५	१८६०९१	२३४०९४	८०१६	१७८०७५	१६१३५	१५२०६९	१७८०७६	० ५१	९९.२६	३३ ४४
२३ ३ व	५४०६	१८७०४४	२३५०४७	८०२२	१७९०२२	१६१३०	१५३०१६	१७९०२३	० ५०	९९.९१	३३ ५३
२४ ४ म	५४०७	१८७०९६	२३५०९९	८०२८	१७९०७८	१६१२०	१५३०६२	१७९०७९	० ४९	१००.४६	३४ ०२
२५ ५ बु	५४०८	१८८०४८	२३६०५१	८०३४	१८००१४	१६११०	१५४००८	१८००१५	० ४८	१०१.०२	३४ ११
२६ ६ शु	५४०९	१८९००१	२३६००४	८०४०	१८००६६	१६१००	१५४०५५	१८००६७	० ४८	१०१.५७	३४ २०
२७ ७ ष	५४१०	१८९०५३	२३७०५६	८०४५	१८१००८	१६१००	१५५००२	१८१००९	० ४७	१०२.११	३४ २८
२८ ८ अ	५४११	१९०००६	२३८००९	८०५१	१८१०५५	१६०९७	१५५०५९	१८१०५६	० ४६	१०२.६६	३४ ३६
२९ ८ च	५४१२	१९००५८	२३८०६१	८०५७	१८२००१	१६०९६	१५५०९५	१८२००२	० ४५	१०३.२२	३४ ४५
३० ९ म	५४१३	१९१०१०	२३९०१३	८०६२	१८२०४८	१६०९५	१५६०४२	१८२०४९	० ४४	१०३.७६	३४ ५३
३१ १ श	५४१४	१९१०६३	२३९०६६	८०६७	१८२०९६	१६०९४	१५६०९०	१८२०९७	० ४४	१०४.३१	३५ ०२
१ २ बु	५४१५	१९२०१५	२४००१८	८०७३	१८३०४२	१६०९३	१५७०३६	१८३०४३	० ४३	१०४.८५	३५ १०
२ ३ शु	५४१६	१९२०६८	२४००७१	८०७८	१८३०९०	१६०९२	१५७०८४	१८३०९१	० ४२	१०५.३९	३५ १८
३ ४ ष	५४१७	१९३०२०	२४१०२३	८०८३	१८३०३७	१६०९१	१५८०३१	१८३०३८	० ४१	१०५.९३	३५ २७
४ ५ अ	५४१८	१९३०७२	२४१०७५	८०८८	१८४०८४	१६०९०	१५८०७८	१८४०८५	० ४०	१०६.४८	३५ ३५
५ ६ श	५४१९	१९४०२५	२४२०२८	८०९४	१८५०३१	१६०९९	१५९०२५	१८५०३२	० ३९	१०७.०२	३५ ४३
६ ७ च	५४२०	१९४०७७	२४२०८०	८०९९	१८५०७८	१६०९८	१५९०७२	१८५०७९	० ३८	१०७.५६	३५ ५१
७ ८ व	५४२१	१९५०३०	२४३०३३	९००३	१८६०२५	१६०९७	१६००१९	१८६०२६	० ३८	१०८.०९	३५ ५९
८ ९ म	५४२२	१९५०८२	२४३०८५	९००८	१८६०७४	१६०९६	१६००६६	१८६०७५	० ३७	१०८.६३	३६ ०७
९ १० बु	५४२३	१९६०३४	२४४०३७	९०१२	१८७०२२	१६०९५	१६१०१२	१८७०२३	० ३६	१०९.१६	३६ १५
१० ११ शु	५४२४	१९६०८७	२४४०९०	९०१८	१८७०७५	१६०९४	१६१०६५	१८७०७६	० ३५	१०९.७०	३६ २२
११ १२ अ	५४२५	१९७०३९	२४५०४२	९०२३	१८८०२१	१६०९३	१६२०१०	१८८०२२	० ३४	११०.२५	३६ ३०
१२ १३ श	५४२६	१९७०९२	२४५०९५	९०२८	१८८०७४	१६०९२	१६२०६८	१८८०७५	० ३३	११०.७८	३६ ३७
१३ १४ च	५४२७	१९८०४४	२४६०४७	९०३२	१८९०२२	१६०९१	१६३०१६	१८९०२३	० ३२	१११.३१	३६ ४४
१४ १५ व	५४२८	१९८०९६	२४६०९९	९०३७	१८९०७५	१६०९०	१६३०६९	१८९०७६	० ३१	१११.८५	३६ ५२
१५ १६ म	५४२९	१९९०४९	२४७०५१	९०४३	१९००२५	१६०८९	१६४०२२	१९००२६	० ३०	११२.३७	३६ ५९
१६ १७ बु	५४३०	२००००१	२४८००४	९०४८	१९००७८	१६०८८	१६४०७५	१९००७९	० २९	११२.९०	३७ ०७
१७ १८ शु	५४३१	२०००५४	२४८०५७	९०५४	१९१०३१	१६०८७	१६५०२९	१९१०३२	० २८	११३.४२	३७ १३
१८ १९ अ	५४३२	२०१००६	२४८००९	९०५९	१९१०८४	१६०८६	१६५०८२	१९१०८५	० २८	११३.९६	३७ २०
१९ २० श	५४३३	२०१०५८	२४८०६१	९०६५	१९२०३७	१६०८५	१६५०३५	१९२०३८	० २७	११४.५०	३७ २६

मंगल

११३

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ.

माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेष गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनमेष	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का वाम्योत्तर लंघन काल
	रा. अं. क.	क.	अं. क.	क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अं. क.	अ.क.	घ. प. स्टैं. व. मि.
२०	१ १५	० ३७	० ३९	० ३	२३४ १५	२३२ ४	२८	३८ ४१	१८ १२	० १०	३ ५६ ८ १
२१	१ ५२	० ३७	० ३८	० ३	२३४ ५२	२३२ ४२	२८	४७	१८ २२	० १०	३ ५२ ८ ०
२२	२ २९	० ३७	० ३७	० ३	२३५ २९	२३२ ४९	२८	५३	१८ ३२	० १०	३ ४८ ७ ५८
२३	३ ६	० ३७	० ३७	० ३	२३६ ६	२३३ ५७	२८	५३	१८ ४२	० १०	३ ४५ ७ ५७
२४	३ ४३	० ३७	० ३६	० ३	२३६ ४३	२३३ ६४	२८	५९	१८ ५१	० १०	३ ४१ ७ ५५
२५	४ २०	० ३७	० ३५	० ३	२३७ २०	२३३ ७२	२८	६९	१९ ०	० १०	३ ३७ ७ ५४
२६	४ ५७	० ३७	० ३५	० ३	२३७ ५७	२३३ ८०	२८	७९	१९ ७	० १०	३ ३३ ७ ५२
२७	५ ३४	० ३७	० ३४	० ३	२३८ ३४	२३३ ८७	२८	८५	१९ १६	० १०	३ ३० ७ ५१
२८	६ ११	० ३६	० ३३	० ३	२३९ ११	२३३ ९५	२८	९५	१९ २६	० १०	३ २७ ७ ५०
२९	६ ४७	० ३६	० ३३	० ३	२३९ ४७	२३३ १०३	२८	१०५	१९ ३६	० १०	३ २३ ७ ४८
३०	७ २३	० ३६	० ३३	० ३	२४० २३	२३३ ११०	२८	११५	१९ ४६	० १०	३ १९ ७ ४७
३१	७ ५९	० ३६	० ३३	० ३	२४० ५९	२३३ ११८	२८	१२५	१९ ५६	० १०	३ १६ ७ ४५
३२	८ ३५	० ३६	० ३३	० ३	२४१ ३५	२३३ १२६	२८	१३५	२० ०६	० १०	३ १३ ७ ४४
३३	९ ११	० ३६	० ३३	० ३	२४१ ११	२३३ १३३	२८	१४५	२० १६	० १०	३ १० ७ ४३
३४	९ ४७	० ३६	० ३३	० ३	२४२ ४७	२३३ १४०	२८	१५५	२० २६	० १०	३ ०७ ७ ४१
३५	१० २३	० ३६	० ३३	० ३	२४२ २३	२३३ १४८	२८	१६५	२० ३६	० १०	३ ०४ ७ ४०
३६	१० ५९	० ३६	० ३३	० ३	२४३ ५९	२३३ १५६	२८	१७५	२० ४६	० १०	३ ०१ ७ ३८
३७	११ ३५	० ३६	० ३३	० ३	२४४ ३५	२३३ १६४	२८	१८५	२० ५६	० १०	३ ०० ७ ३६
३८	१२ ११	० ३६	० ३३	० ३	२४४ ११	२३३ १७२	२८	१९५	२१ ०६	० १०	३ ०० ७ ३५
३९	१२ ४७	० ३६	० ३३	० ३	२४५ ४७	२३३ १८०	२८	२०५	२१ १६	० १०	३ ०० ७ ३४
४०	१३ २३	० ३६	० ३३	० ३	२४५ २३	२३३ १८८	२८	२१५	२१ २६	० १०	३ ०० ७ ३३
४१	१३ ५९	० ३६	० ३३	० ३	२४६ ५९	२३३ १९६	२८	२२५	२१ ३६	० १०	३ ०० ७ ३२
४२	१४ ३५	० ३६	० ३३	० ३	२४६ ३५	२३३ २०४	२८	२३५	२१ ४६	० १०	३ ०० ७ ३१
४३	१५ ११	० ३६	० ३३	० ३	२४७ ११	२३३ २१२	२८	२४५	२१ ५६	० १०	३ ०० ७ ३०
४४	१५ ४७	० ३६	० ३३	० ३	२४७ ४७	२३३ २२०	२८	२५५	२२ ०६	० १०	३ ०० ७ २९
४५	१६ २३	० ३६	० ३३	० ३	२४८ २३	२३३ २२८	२८	२६५	२२ १६	० १०	३ ०० ७ २८
४६	१६ ५९	० ३६	० ३३	० ३	२४८ ५९	२३३ २३६	२८	२७५	२२ २६	० १०	३ ०० ७ २७
४७	१७ ३५	० ३६	० ३३	० ३	२४९ ३५	२३३ २४४	२८	२८५	२२ ३६	० १०	३ ०० ७ २६
४८	१८ ११	० ३६	० ३३	० ३	२४९ ११	२३३ २५२	२८	२९५	२२ ४६	० १०	३ ०० ७ २५
४९	१८ ४७	० ३६	० ३३	० ३	२५० ४७	२३३ २६०	२८	३०५	२२ ५६	० १०	३ ०० ७ २४
५०	१९ २३	० ३६	० ३३	० ३	२५० २३	२३३ २६८	२८	३१५	२३ ०६	० १०	३ ०० ७ २३

फरवरी-मार्च सन १९३९ ई.

फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन्न	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	क्षीप्रकेंद्र	क्षीप्रफल	
			अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.	
१९	३०	२	५४३३	२०१८५	२४९०६१	९०५८	१९२०००	१५८४४	१६५०९४	१९२००१	०२७	११४४९	३७२६
२०	१	अं	५४३४	२०२११	२५००१४	९०६२	१९२०४९	१५८३२९	१६६५४३	१९२०५०	०२६	११५०१	३७७३
२१	२	रं	५४३५	२०२३६	२५००६६	९०६६	१९२०९७	१५८२००	१६६०९१	१९२०९८	०२५	११५०६	३७४०
२२	३	मं	५४३६	२०२६१	२५१०१९	९०७१	१९२१४५	१५८०८८	१६७५४६	१९२१४६	०२४	११५०६	३७४९
२३	४	गु	५४३७	२०२८६	२५१०७१	९०७५	१९२१९३	१५७९७८	१६७८८८	१९२१९५	०२३	११६०५	३७५३
२४	५	शु	५४३८	२०३१२	२५२०२३	९०७८	१९२२४१	१५७८६८	१६८३३६	१९२२४२	०२२	११६०५	३७५९
२५	६	क्र	५४३९	२०३३७	२५२०७६	९०८२	१९२२८९	१५७७५७	१६८८८५	१९२२८९	०२१	११७०४	३७८५
२६	७	उ	५४४०	२०३६२	२५३०२८	९०८६	१९२३३७	१५७६४७	१६९३३३	१९२३४०	०२०	११७०४	३७८२
२७	८	चं	५४४१	२०३८७	२५३०८१	९०८९	१९२३८५	१५७५३७	१६९८८३	१९२३४०	०२०	११८०३	३८०२
२८	९	मं	५४४२	२०४१२	२५४०३३	९०९२	१९२४३३	१५७४२८	१७००३२	१९२४३८	०१९	११९०२	३८०६
२९	१०	गु	५४४३	२०४३७	२५४०८६	९०९५	१९२४८१	१५७३१८	१७०५८१	१९२४३८	०१९	११९०२	३८३२
३०	११	शु	५४४४	२०४६२	२५४०९५	९०९९	१९२५२९	१५७२०९	१७१०३०	१९२५३०	०१८	११९०२	३८३६
३१	१२	क्र	५४४५	२०४८७	२५५०३८	९१००	१९२५७७	१५७१०४	१७१५८८	१९२५३०	०१८	१२००१	३८४१
३२	१३	शु	५४४६	२०५१२	२५६०४३	११००३	१९२६२५	१५७००९	१७२०३९	१९२६३०	०१७	१२००१	३८४७
३३	१४	क्र	५४४७	२०५३७	२५६०९५	११००५	१९२६७३	१५६९०९	१७२५८९	१९२६३०	०१७	१२००१	३८५३
३४	१५	मं	५४४८	२०५६२	२५७०४७	११००९	१९२७२१	१५६८०९	१७३०३९	१९२७३०	०१६	१२००१	३८५८
३५	१६	गु	५४४९	२०५८७	२५७०९५	११०११	१९२७६९	१५६७०९	१७३५८९	१९२७३०	०१६	१२००१	३८६३
३६	१७	शु	५४५०	२०६१२	२५८०४७	११०१५	१९२८१७	१५६६०९	१७४०३९	१९२८३०	०१५	१२००१	३८६९
३७	१८	क्र	५४५१	२०६३७	२५८०९५	११०१९	१९२८६५	१५६५०९	१७४५८९	१९२८३०	०१५	१२००१	३८७५
३८	१९	मं	५४५२	२०६६२	२५९०४७	११०२३	१९२९१३	१५६४०९	१७५०३९	१९२९३०	०१४	१२००१	३८८०
३९	२०	गु	५४५३	२०६८७	२५९०९०	११०२७	१९२९६१	१५६३०९	१७५५८९	१९२९३०	०१४	१२००१	३८८६
४०	२१	क्र	५४५४	२०७१२	२६००४३	११०३१	१९३००९	१५६२०९	१७६०३९	१९३०३०	०१३	१२००१	३८९१
४१	२२	शु	५४५५	२०७३७	२६००९५	११०३५	१९३०५७	१५६१०९	१७६५८९	१९३०३०	०१३	१२००१	३८९७
४२	२३	क्र	५४५६	२०७६२	२६१०४७	११०३९	१९३१०५	१५६००९	१७७०३९	१९३१३०	०१२	१२००१	३९०२
४३	२४	मं	५४५७	२०७८७	२६१०९५	११०४३	१९३१५३	१५५९०९	१७७५८९	१९३१३०	०१२	१२००१	३९०८
४४	२५	गु	५४५८	२०८१२	२६२०४७	११०४७	१९३२०१	१५५८०९	१७८०३९	१९३२३०	०११	१२००१	३९१३
४५	२६	शु	५४५९	२०८३७	२६२०९५	११०५१	१९३२४९	१५५७०९	१७८५८९	१९३२३०	०११	१२००१	३९१९
४६	२७	क्र	५४६०	२०८६२	२६३०४७	११०५५	१९३२९७	१५५६०९	१७९०३९	१९३३३०	०१०	१२००१	३९२५
४७	२८	मं	५४६१	२०८८७	२६३०९५	११०५९	१९३३४५	१५५५०९	१७९५८९	१९३३३०	०१०	१२००१	३९३०
४८	२९	गु	५४६२	२०९१२	२६४०४७	११०६३	१९३३९३	१५५४०९	१८००३९	१९३४३०	००९	१२००१	३९३६
४९	३०	क्र	५४६३	२०९३७	२६४०९५	११०६७	१९३४४१	१५५३०९	१८०५८९	१९३४३०	००९	१२००१	३९४१
५०	३१	मं	५४६४	२०९६२	२६५०४७	११०७१	१९३४८९	१५५२०९	१८१०३९	१९३५३०	००८	१२००१	३९४७

मंगल

११५

फरवरी-मार्च सन १९३९ इ. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य हृदय शर	गति	सप्तमोभा	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का यात्रासार लघन कल
रा. अ. क.	क	अ. क.	क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	हृ. घ. म.
१९	७ १९ २३	० ३६	० १८	० ०	२५२ २३	२५० ५२	३८ ४१	४९	२१ ५८	५	२ ८ ७ १८
२०	७ १९ ५९	० ३६	० १८	० ०	२५२ ५९	२५१ ३०	३७ ४१	५५	२२	३	२ ४ ७ १६
२१	७ २० ३५	० ३६	० १७	० ०	२५३ ३५	२५२ ७	३७ ४२	१	२२	९	२ ४ ७ १५
२२	७ २१ ११	० ३६	० १६	० ०	२५३ ११	२५२ ४४	३७ ४२	७	२२	१५	२ ४ ७ १४
२३	७ २१ ४७	० ३६	० १६	० ०	२५४ ४७	२५३ २१	३७ ४२	१४	२२	२१	२ ४ ७ १३
२४	७ २२ २३	० ३६	० १६	० ०	२५५ २३	२५४ ०	३७ ४२	२०	२२	२७	२ ४ ७ १२
२५	७ २२ ५९	० ३६	० १४	० ०	२५५ ५९	२५४ ४०	३७ ४२	२७	२२	३३	२ ४ ७ १०
२६	७ २३ ३५	० ३६	० १४	० ०	२५६ ३५	२५५ १०	३७ ४२	३३	२२	३९	२ ४ ७ ८
२७	७ २४ ११	० ३६	० १३	० ०	२५७ ११	२५५ ५८	३७ ४२	४०	२२	४५	२ ४ ७ ७
२८	७ २४ ४७	० ३६	० १२	० ०	२५८ ४७	२५६ ३८	३७ ४२	४६	२२	५१	२ ४ ७ ५
२९	७ २५ २३	० ३६	० १२	० ०	२५८ २३	२५७ १७	३७ ४२	५३	२२	५७	२ ४ ७ ४
३०	७ २५ ५८	० ३६	० ११	० ०	२५८ ५८	२५७ ५८	३७ ४३	०	२२	६३	२ ४ ७ ३
३१	७ २६ ३४	० ३६	० ११	० ०	२५९ ३४	२५८ ३८	३७ ४३	६	२२	६९	२ ४ ७ २
३२	७ २७ १०	० ३६	० १०	० ०	२६० १०	२५९ १८	३७ ४३	१३	२२	७५	२ ४ ७ १
३३	७ २७ ४६	० ३६	० ९	० ०	२६० ४६	२६० ५८	३७ ४३	१९	२२	८१	२ ४ ७ ०
३४	७ २८ २२	० ३६	० ९	० ०	२६१ २२	२६१ ३८	३७ ४३	२५	२३	८७	२ ४ ७ ५७
३५	७ २८ ५८	० ३६	० ८	० ०	२६१ ५८	२६१ १९	३७ ४३	३१	२३	९३	२ ४ ७ ५६
३६	७ २९ ३४	० ३६	० ८	० ०	२६२ ३४	२६१ ५७	३७ ४३	३८	२३	९९	२ ४ ७ ५५
३७	७ २९ १०	० ३६	० ७	० ०	२६२ १०	२६२ ३८	३७ ४३	४४	२३	१०५	२ ४ ७ ५४
३८	७ २९ ४६	० ३६	० ७	० ०	२६३ ४६	२६२ १९	३७ ४३	५०	२३	१११	२ ४ ७ ५३
३९	७ ३० २२	० ३६	० ६	० ०	२६३ २२	२६३ ५८	३७ ४३	५६	२३	११७	२ ४ ७ ५२
४०	७ ३० ५८	० ३६	० ६	० ०	२६४ ५८	२६४ ३८	३७ ४३	६२	२३	१२३	२ ४ ७ ५१
४१	७ ३१ ३४	० ३६	० ५	० ०	२६४ ३४	२६५ १९	३७ ४३	६८	२३	१२९	२ ४ ७ ५०
४२	७ ३१ १०	० ३६	० ५	० ०	२६५ १०	२६५ ५८	३७ ४३	७४	२३	१३५	२ ४ ७ ४९
४३	७ ३१ ४६	० ३६	० ४	० ०	२६५ ४६	२६६ ३८	३७ ४३	८०	२३	१४१	२ ४ ७ ४८
४४	७ ३२ २२	० ३६	० ४	० ०	२६६ २२	२६६ १९	३७ ४३	८६	२३	१४७	२ ४ ७ ४७
४५	७ ३२ ५८	० ३६	० ३	० ०	२६६ ५८	२६६ ५८	३७ ४३	९२	२३	१५३	२ ४ ७ ४६
४६	७ ३३ ३४	० ३६	० ३	० ०	२६७ ३४	२६७ ३८	३७ ४३	९८	२३	१५९	२ ४ ७ ४५
४७	७ ३३ १०	० ३६	० २	० ०	२६७ १०	२६८ १९	३७ ४३	१०४	२३	१६५	२ ४ ७ ४४
४८	७ ३३ ४६	० ३६	० २	० ०	२६८ ४६	२६८ ५८	३७ ४३	११०	२३	१७१	२ ४ ७ ४३
४९	७ ३४ २२	० ३६	० २	० ०	२६८ २२	२६९ ३८	३७ ४३	११६	२३	१७७	२ ४ ७ ४२
५०	७ ३४ ५८	० ३६	० १	० ०	२६९ ५८	२६९ १९	३७ ४३	१२२	२३	१८३	२ ४ ७ ४१
५१	७ ३५ ३४	० ३६	० १	० ०	२६९ ३४	२७० ५८	३७ ४३	१२८	२३	१८९	२ ४ ७ ४०
५२	७ ३५ १०	० ३६	० ०	० ०	२७० १०	२७० ३८	३७ ४३	१३४	२३	१९५	२ ४ ७ ३९
५३	७ ३५ ४६	० ३६	० ०	० ०	२७० ४६	२७१ १९	३७ ४३	१४०	२३	२०१	२ ४ ७ ३८
५४	७ ३६ २२	० ३६	० ०	० ०	२७१ २२	२७१ ५८	३७ ४३	१४६	२३	२०७	२ ४ ७ ३७
५५	७ ३६ ५८	० ३६	० ०	० ०	२७१ ५८	२७२ ३८	३७ ४३	१५२	२३	२१३	२ ४ ७ ३६

अप्रैल सन १९३८ ई.

क्षेत्र शुक्र और कृष्णपथ का बुध का वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीमकेंद्र	शीमफल
		अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क	अ.	अ. क.
३१ ३० गु.	५१०८	७९.७४	२६.२०	११३.३५	९३.०९	०.३२००	६८.४५	९२.९४	४६ ३०	१०६.२५	४१८ ४०
१ १	५१०९	८३.८४	३०.३०	११५.०५	९८.८९	०.३२२९	७४.२५	९०.७६	४६ ४५	१११.०९	४१८ ५४
२ २	५११०	८७.९३	३४.३९	११६.६०	१०४.५३	०.३२५९	७९.८९	१०४.४३	४६ ५५	११५.७७	१९ १
३ ३	५१११	९२.०२	३८.४८	११७.९९	११०.०१	०.३२८८	८५.३७	१०९.९७	४६ ५९	१२०.३३	१९ ३
४ ४	५११२	९६.११	४२.५७	११९.२४	११५.३५	०.३३१९	९०.७१	११५.३४	७ ०	१२४.७१	१८ ५८
५ ५	५११३	१००.२०	४६.६६	१२०.३३	१२०.५३	०.३३७९	९५.८९	१२०.५६	४६ ५५	१२८.५५	१८ ४७
६ ६	५११४	१०४.२९	५०.७६	१२१.२५	१२५.५४	०.३४३२	१००.९०	१२५.६०	४६ ५९	१३३.००	१८ २९
७ ७	५११५	१०८.३९	५४.८७	१२२.०१	१३०.४०	०.३४८६	१०५.७६	१३०.४९	४६ ४४	१३६.९१	१८ ३
८ ८	५११६	११२.४८	५८.९४	१२२.६४	१३५.१२	०.३५४२	११०.४८	१३५.२४	४६ ३३	१४०.०६	१७ ३१
९ ९	५११७	११६.५७	६३.०३	१२३.१०	१३९.६७	०.३५९९	११५.०३	१३९.८३	४६ २९	१४४.४८	१६ ५१
१० १०	५११८	१२०.६७	६७.१३	१२३.४३	१४४.१०	०.३६५६	११९.५६	१४४.४३	४६ २५	१४८.७७	१६ ४
११ ११	५११९	१२४.७६	७१.२२	१२३.६३	१४८.३९	०.३७१५	१२३.७५	१४८.५६	४६ २१	१५३.०५	१५ २२
१२ १२	५१२०	१२८.८५	७५.३१	१२३.६८	१५२.५३	०.३७७२	१२९.८९	१५२.७३	४६ १६	१५७.४४	१४ १९
१३ १३	५१२१	१३२.९४	७९.४७	१२३.६९	१५६.५६	०.३८३०	१३३.९२	१५६.७७	४६ १२	१६१.७३	१३ ७
१४ १४	५१२२	१३७.०४	८३.८९	१२३.४४	१६०.४८	०.३८८८	१३८.८४	१६०.७०	४६ ०७	१६६.०२	१३ ५५
१५ १५	५१२३	१४१.१३	८७.९९	१२३.१५	१६४.२८	०.३९४३	१४३.६४	१६४.५०	४६ ०३	१७०.३७	१० ३८
१६ १६	५१२४	१४५.२२	९१.६८	१२२.७६	१६७.९८	०.३९९९	१४८.३४	१६८.२०	४६ ००	१७४.७९	९ १४
१७ १७	५१२५	१४९.३१	९५.७७	१२२.२८	१७१.५९	०.४०५२	१५३.०४	१७३.०४	४६ ५६	१७९.४४	७ ४७
१८ १८	५१२६	१५३.४१	९९.८६	१२१.७०	१७५.११	०.४१०३	१५७.५७	१७७.३१	४६ ५३	१८३.९४	६ ३७
१९ १९	५१२७	१५७.५०	१०३.९६	१२१.०५	१७८.५५	०.४१५४	१६२.११	१७८.७२	४६ ४९	१८८.३८	४ ४४
२० २०	५१२८	१६१.५९	१०८.०५	१२०.३९	१८१.९०	०.४२०४	१६६.७६	१८३.०४	४६ ४६	१९३.७४	३ ७
२१ २१	५१२९	१६५.६८	११२.१४	११९.५१	१८५.३९	०.४२५९	१७१.५५	१८७.३४	४६ ४३	१९८.०५	१ २८
२२ २२	५१३०	१६९.७७	११६.२४	११८.६४	१८८.४२	०.४३१५	१७६.३८	१८८.५५	४६ ४०	१९८.२८	० १९
२३ २३	५१३१	१७३.८७	१२०.३३	११७.७२	१९१.५९	०.४३६६	१८१.१५	१९१.९९	४६ ३७	१९८.५५	१ ६३
२४ २४	५१३२	१७७.९६	१२४.४२	११६.७३	१९४.६९	०.४४१४	१८६.०५	१९६.७७	४६ ३५	१९८.८५	३ ३२
२५ २५	५१३३	१८२.०५	१२८.५१	११५.६९	१९७.७४	०.४४६१	१९०.९०	१९७.३१	४६ ३०	१९९.१४	५ ११
२६ २६	५१३४	१८६.१४	१३२.६०	११४.६१	१००.७५	०.४५०९	१९५.८१	१००.८१	४६ २६	१९९.४४	६ ४९
२७ २७	५१३५	१९०.२४	१३६.६०	११३.४७	१०३.७३	०.४५५८	१९७.०७	१०३.७३	४६ २३	१९९.७०	८ ४४
२८ २८	५१३६	१९४.३३	१४०.७०	११२.२८	१०६.६५	०.४६०४	१९८.२०	१०६.६५	४६ २०	१९९.९४	९ ५५
२९ २९	५१३७	१९८.४२	१४४.८८	१११.१२	१०९.५४	०.४६५५	१९८.४५	१०९.५०	४६ १७	१९९.४२	११ २३
३० ३०	५१३८	२०२.५१	१४८.९०	११०.००	११२.४१	०.४७०२	१९८.७७	११२.४१	४६ १४	१९९.३०	१२ ४९

मई सन १९३८ इ.

वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीमकेंद्र	शीमफल	
		अ.	अ.	अ.	अ.		अ.	अ.	अ. क.	अ	अ. क.	
३०	३०	५९३८	२०२५१	१४८९७	+	९९०	२२२४१	०५४९२	१८७७७	२२२३५	-०५७ १९६३०	-१२ ५१
१	२	५९३९	२०२५६	१५३०७	+	८६४	२२२५२	०५४९०	१९०६१	२२५१७	-१ ३७ १९८३४	-१४ ७
२	३	५९४०	२०२०७	१५७१६	७७३	८६०७	०५४९२	१९३४३	२२७७८	१ ३७ १९९९८	१५ ७	
३	४	५९४१	२०२१९	१६१२५	६००	२२०८०	०५४९३	१९६२३	२२००८	१ ५७ १९७९६	१६ ६६	
४	५	५९४२	२०२८८	१६५३४	४७७	२२३६४	०५४९४	१९९००	२२३५२	२ १६ २०२५९	१७ ४१	
५	६	५९४३	२०२९८	१६९४३	३४५	२२६४३	०५४९५	२०१८९	२२६२८	२ ३५ २०५३८	१८ ४५	
६	७	५९४४	२०३०७	१७३५३	२१२	२२९६२	०५४९६	२०४६४	२२९०३	२ ५४ २०७१६	१९ ४७	
७	८	५९४५	२०३१६	१७७६२	+	०७८	२३२९४	०५४९७	२०७३७	२ ७३ २०८९४	२० ६१	
८	९	५९४६	२०३२५	१८१७१	-	०७९	२३६४५	०५४९८	२१०५०	२ ९३ २१०७२	२१ ६३	
९	१०	५९४७	२०३३५	१८५८०	१०९०	२३९७५	०५४९९	२१२८१	२१३२६	३ १४ २१२४९	२२ ८०	
१०	११	५९४८	२०३४४	१८९९०	२०३४	२४३०२	०५४९०	२१५५६	२१६०३	३ ४० २१४२९	२३ ८६	
११	१२	५९४९	२०३५३	१९४००	१५५५	२४६३१	०५४९१	२१८३७	२१८७९	३ ५७ २१६०९	२४ ९१	
१२	१३	५९५०	२०३६२	१९८०८	१०८६	२४९६०	०५४९२	२२११२	२२१५६	४ १६ १७८९९	२५ ९७	
१३	१४	५९५१	२०३७१	२०२१७	७७३	२५२८९	०५४९३	२२३९०	२२४३६	४ ३९ १९०७८	२६ १८	
१४	१५	५९५२	२०३८०	२०६२६	८४४	२५६३७	०५४९४	२२६७३	२२७११	४ ५७ २०२५६	२७ २४	
१५	१६	५९५३	२०३८९	२१०३५	१०९०	२५९७७	०५४९५	२२९५६	२३००७	५ १६ २०४३४	२८ ३०	
१६	१७	५९५४	२०३९८	२१४४४	१५९५	२६३०६	०५४९६	२३२४०	२३२८३	५ ३५ २०६१२	२९ ३६	
१७	१८	५९५५	२०४०७	२१८५३	१०८६	२६६३५	०५४९७	२३५२३	२३५६०	५ ५४ २०७९०	३० ४१	
१८	१९	५९५६	२०४१६	२२२६२	१५९५	२६९६४	०५४९८	२३८०६	२३८३७	६ १३ २०९६८	३१ ४७	
१९	२०	५९५७	२०४२५	२२६७१	१०९०	२७२९३	०५४९९	२४०८९	२४१०३	६ ३२ २११४६	३२ ५३	
२०	२१	५९५८	२०४३४	२३०८०	१५९५	२७६२२	०५४९०	२४३७२	२४३७९	६ ५१ २१३२४	३३ ५९	
२१	२२	५९५९	२०४४३	२३४८९	१०८६	२७९५१	०५४९१	२४६५५	२४६५६	७ १० २१५०२	३४ ६५	
२२	२३	५९६०	२०४५२	२३८								

मई सन १९३८ ई.

वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह		गति	भूमध्य दृश्य राश		गति	सायन भोग		विषुवांश		गति	ह विषुव	क्रांति		गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ	प.	अ. क.	अ. क.	घ.	प.	स्टै. व. मि.	
३०	३१४	०	२२	०	४५	१६	२६	१३	२६	२०	७	४	२३	९	२६	२३	१०	११	४३
१	२०	२१२	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	५९	११	३८
२	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	३८
३	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	३०
४	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
५	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
६	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
७	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
८	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
९	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
१०	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
११	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
१२	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
१३	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
१४	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
१५	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
१६	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
१७	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
१८	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
१९	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
२०	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
२१	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
२२	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
२३	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
२४	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
२५	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
२६	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
२७	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
२८	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
२९	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६
३०	२०	२१४	०	१८	१	१	२५	५१	२६	१३	४	२२	९	२६	२३	१२	४८	११	२६

मई-जून सन १९३८ ई

ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीमकेंद्र	शीमफल
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२९ ३० १	५१६३	३२१.१९	२६७.६५	-२२.७०	२९९.४९	०.४०६०	२७४.८५	२९८.५३	६५९२५४.५०	-२३ २२	
३० १ २	५१६८	३२५.२८	२७१.७४	-२३.१०	३०२.१८	०.४०००	२७७.५४	३०२.२४	-६ ५६	२५७.२५	२२ ५३
३१ २ ३	५१७३	३२९.३८	२७५.८४	-२३.४०	३०५.१८	०.३९५२	२८१.३४	३०६.०६	६५२	२६०.११	२२ २३
१ ३ ४	५१७८	३३३.४७	२७९.९३	-२३.६०	३०९.८७	०.३८९७	२८५.२३	३०९.९९	६४५	२६३.०९	२१ ४८
२ ४ ५	५१८३	३३७.५६	२८४.०२	-२३.८०	३१३.८८	०.३८४०	२८९.२४	३१४.०२	६३८	२६६.१५	२१ १९
३ ५ ६	५१८८	३४१.६५	२८८.११	-२३.९४	३१८.०१	०.३७८३	२९३.३७	३१८.८३	६३१	२६९.३५	२० २७
४ ६ ७	५१९३	३४५.७४	२९२.२०	-२३.९७	३२२.२७	०.३७२४	२९७.६३	३२२.४४	६२२	२७२.६६	१९ ५२
५ ७ ८	५१९४	३४९.८४	२९६.३०	-२३.१६	३२६.६८	०.३६६६	३०२.७४	३२६.८८	-५ ५६	२७६.१४	-१९ ५
६ ८ ९	५१९५	३५३.९३	३००.३९	-२२.७२	३३१.२९	०.३६०८	३०६.५७	३३१.४०	५३७	२७९.७१	१८ १८
७ ९ १०	५१९६	३५८.०२	३०४.४८	-२२.१२	३३५.९०	०.३५५१	३११.२९	३३५.१५	५३५	२८३.४५	१७ २८
८ १० ११	५१९७	३६२.१२	३०८.५७	-२१.३८	३४०.३४	०.३४९५	३१६.७०	३४०.९४	४५३	२८७.३३	१६ ३३
९ ११ १२	५१९८	३६६.२२	३१२.६७	-२०.४९	३४५.७२	०.३४४०	३२१.०८	३४५.९२	४१३	२९१.३६	१५ ४१
१० १२ १३	५१९९	३७०.३२	३१६.७६	-१९.४३	३५०.८७	०.३३८४	३२६.२३	३५०.९६	३५३	२९५.५४	१४ ४४
११ १३ १४	५१८०	३७४.४०	३२०.८५	-१८.२०	३५६.२०	०.३३३७	३३१.५६	३५६.३५	३२०	२९९.८८	१३ ४६
१२ १४ १५	५१८१	३७८.४९	३२४.९४	-१६.८४	३६१.५	०.३२९०	३३७.०१	३६१.७८	२४४	३०४.३५	१२ ४४
१३ १५ १६	५१८२	३८२.५८	३२९.०३	-१५.३२	३६६.३२	०.३२४४	३४२.६२	३६६.३२	-२ ५	३०८.९८	-११ ४१
१४ १६ १७	५१८३	३८६.६७	३३३.१३	-१४.६४	३७०.३३	०.३१९७	३४८.३९	३७०.९९	१२४	३१३.७५	१० ३६
१५ १७ १८	५१८४	३९०.७६	३३७.२२	-१३.८३	३७४.९३	०.३१५१	३५४.२९	३७५.९६	-० ४४	३१८.६७	९ २९
१६ १८ १९	५१८५	३९४.८६	३४१.३१	-१३.०९	३७९.३३	०.३१०४	३६०.३९	३८१.०३	० ४४	३२३.६८	८ २१
१७ १९ २०	५१८६	३९८.९५	३४५.४०	-१२.३५	३८३.९०	०.३०५६	३६६.४५	३८६.०५	० ४७	३२८.८५	७ २१
१८ २० २१	५१८७	४०३.०४	३४९.५०	-११.६१	३८८.३३	०.३०१०	३७१.६९	३९१.०३	१३७	३३४.०४	५ ५८
१९ २१ २२	५१८८	४०७.१३	३५३.५९	-१०.८२	३९२.८२	०.३००८	३७६.९८	३९६.१८	२८८	३३९.३४	४ ४६
२० २२ २३	५१८९	४११.२२	३५७.६८	-१०.२८	३९७.९४	०.३००७	३८२.३०	४०१.७४	२५९	३४४.६७	३ ३३
२१ २३ २४	५१९०	४१५.३२	३६१.७८	+ ०.९८	४०२.३०	०.३००७	३८७.६६	४०७.०८	३४०	३५०.०६	२ १८
२२ २४ २५	५१९१	४१९.४१	४०५.८८	+ १.३३	४०६.६४	०.३००८	३९३.००	४१२.३९	४८८	३५५.४१	१ ४४
२३ २५ २६	५१९२	४२३.५०	४१०.९६	+ १.५३	४११.३३	०.३०१४	४०८.२९	४१७.८६	४५३	०.७६	+ ० ११
२४ २६ २७	५१९३	४२७.५९	४१६.०५	+ १.७३	४१६.१६	०.३०१९	४१३.९२	४२३.३९	४२४	५.५	१ २५
२५ २७ २८	५१९४	४३१.६८	४२१.१४	+ १.९३	४२१.३०	०.३०२७	४१९.६६	४२८.९०	४५१	११.२६	२ ३१
२६ २८ २९	५१९५	४३५.७८	४२६.२४	+ २.१३	४२६.४८	०.३०३६	४२५.७२	४३४.४५	४८३	१६.३७	३ ४५
२७ २९ ३०	५१९६	४३९.८७	४३१.३३	+ २.३३	४३१.५७	०.३०४५	४३१.८३	४३९.९६	४९३	२१.३७	+ ४ ४

बुध

१२१

मई-जून सन १९३८ ई.

ज्येष्ठ शुद्ध और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	भूमध्य सायनमान	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इसारे शहर का याम्योत्तर लघनकाल				
	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	इ. घ. मि.			
२९	२० ४१	१२	२६	२	५२	६ ४३	४०	४२ ५१	२५	७	९ १३	३९	३१	१०	५५
३०	२२ ७	२	२८	२	४६	४५	६	४४ ४६	२७	७	२३	१४	१०	३१	५७
३१	२३ ३५	२	२९	२	४०	४४	४५	४३	२८	७	३७	१४	११	३१	५८
१	२५ ६	२	३०	२	३४	४३	४५	४०	२९	७	५२	१५	१२	३१	०
२	२६ ४०	२	३१	२	२८	४२	४५	४०	३०	७	५९	१५	१३	३१	५
३	२७ १७	२	३२	२	२२	४१	४५	४०	३१	८	२२	१६	१४	३१	५
४	२९ ५७	२	३३	२	१६	४०	४५	४२	३२	८	३७	१६	१५	३१	७
५	३१ २३	२	३४	२	१०	३९	४८	४३	३३	८	५३	१७	१६	३१	९
६	३३ २३	२	३५	२	४	३८	४८	४०	३४	९	१०	१७	१७	३१	१२
७	३५ ११	२	३६	२	०	३७	४८	४०	३५	९	२८	१८	१८	३१	१५
८	३७ ०	२	३७	२	०	३६	४८	४२	३६	१०	४७	१८	१९	३१	१९
९	३८ ५२	२	३८	२	०	३५	४८	४३	३७	१०	७	१९	१९	३१	२३
१०	४० ४६	२	३९	२	०	३४	४८	४३	३८	१०	२७	२०	२०	३१	२७
११	४२ ४२	२	४०	२	०	३३	४८	४३	३९	१०	४७	२१	२१	३१	३१
१२	४४ ४१	२	४१	२	०	३२	४८	४३	४०	११	८	२०	२३	३१	३५
१३	४६ ४१	२	४२	२	०	३१	४८	४३	४१	११	२३	२३	२३	३१	४०
१४	४८ ४३	२	४३	२	०	३०	४८	४३	४२	११	५२	२३	२४	३१	४५
१५	५० ४८	२	४४	२	०	२९	४८	४३	४३	११	१४	२३	२५	३१	४९
१६	५२ ५४	२	४५	२	०	२८	४८	४३	४४	१२	३७	२३	२६	३१	५५
१७	५५ २	२	४६	२	०	२७	४८	४३	४५	१२	५७	२३	२७	३१	५९
१८	५७ २५	२	४७	२	०	२६	४८	४३	४६	१२	१७	२३	२८	३१	६
१९	५९ २७	२	४८	२	०	२५	४८	४३	४७	१३	३७	२३	२९	३१	११
२०	६१ २९	२	४९	२	०	२४	४८	४३	४८	१३	५७	२३	३०	३१	१७
२१	६३ ३४	२	५०	२	०	२३	४८	४३	४९	१३	१७	२३	३१	३१	२२
२२	६५ ४५	२	५१	२	०	२२	४८	४३	५०	१४	३७	२३	३२	३१	२६
२३	६७ ५५	२	५२	२	०	२१	४८	४३	५१	१४	५७	२३	३३	३१	३१
२४	६९ ५९	२	५३	२	०	२०	४८	४३	५२	१५	१७	२३	३४	३१	३५
२५	७१ ५९	२	५४	२	०	१९	४८	४३	५३	१५	३७	२३	३५	३१	४०
२६	७३ ५९	२	५५	२	०	१८	४८	४३	५४	१६	५७	२३	३६	३१	४५
२७	७५ ५९	२	५६	२	०	१७	४८	४३	५५	१६	१७	२३	३७	३१	५०
२८	७७ ५९	२	५७	२	०	१६	४८	४३	५६	१६	३७	२३	३८	३१	५५

जून-जुलई सन १९३८ ई.

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन्न	रवि म. ग्रह	रवि म. शर.	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.
२७ ३० अं	५१९६	७९.८७	२६.३३	१२.४०	९३.२७	०.३२०१	६८.६३	९३.११	६३१	२१.३७	५४
२८ १ मं	५११७	८३.९६	३०.४२	११.५.१०	९९.०६	०.३२४०	७४.४२	९८.९४	१६४४	२६.२४	६ १५
२९ २ अ	५१९८	८८.०५	३४.५१	१०.३३४	१०४.६९	०.३२८४	८०.०५	१०४.६०	६५४	३०.९५	७ २५
३० ३ शु	५१९९	९२.१५	३८.६०	१८.०३	११०.१८	०.३३३१	८५.५४	११०.१४	६५९	३५.५४	८ ३३
३१ ४ अ	५२००	९६.२४	४२.७०	१९.२८	११५.५२	०.३३८०	९०.८८	११५.५१	७०	३९.९५	९ ३९
१ ५ श	५२०१	१००.३३	४६.७९	२०.३६	१२०.६९	०.३४३४	९६.०५	१२०.६३	६५८	४४.२२	१० ४४
२ ६ र	५२०२	१०४.४२	५०.८८	२१.२८	१२५.७०	०.३४८८	१०१.०६	१२५.७७	६५२	४८.३१	११ ४०
३ ७ अ	५२०३	१०८.५१	५४.९७	२२.०३	१३०.५४	०.३५४४	१०५.९०	१३०.६५	६४०	५२.२३	१२ ४८
४ ८ मं	५२०४	११२.६१	५९.०७	२२.६६	१३५.२७	०.३६०१	११०.६३	१३५.४०	६३३	५६.०३	१३ ४७
५ ९ शु	५२०५	११६.७०	६३.१६	२३.१२	१३९.८२	०.३६५८	११५.१८	१३९.१८	६२०	५९.६६	१४ ४३
६ १० अ	५२०६	१२०.७९	६७.२५	२३.४४	१४४.२३	०.३७१९	१२०.५९	१४४.२३	६१०	६३.१५	१५ ४३
७ ११ शु	५२०७	१२४.८९	७१.३४	२३.६६	१४८.५३	०.३७७४	१२५.८९	१४८.७९	५९८	६६.४८	१६ ३१
८ १२ अ	५२०८	१२८.९८	७५.४३	२३.६८	१५२.६६	०.३८३२	१२८.०२	१५२.८७	५८३	६९.६९	१७ २९
९ १३ र	५२०९	१३३.०७	७९.५३	२३.६२	१५६.६९	०.३८८९	१३२.०५	१५६.९१	५७२	७२.७७	१८ १२
१० १४ अ	५२१०	१३७.१६	८३.६२	२३.४४	१६०.६०	०.३९४५	१३५.९६	१६०.८३	५६२	७५.७४	१८ ५७
११ १५ मं	५२११	१४१.१५	८७.७१	२३.१५	१६४.४०	०.४०००	१३९.०७	१६४.८३	५५१	७८.५९	१९ ४१
१२ १६ अ	५२१२	१४५.२५	९१.८०	२२.७५	१६८.१०	०.४०५५	१४३.४६	१६८.३२	५४०	८१.३२	२० २४
१३ १७ शु	५२१३	१४९.४४	९५.८९	२२.२७	१७१.७१	०.४१०५	१४७.०७	१७१.९२	५३८	८४.९७	२१ ४
१४ १८ अ	५२१४	१५३.५३	९९.९९	२१.८६	१७५.२१	०.४१५५	१५०.५७	१७५.४२	५३२	८६.५९	२१ ४३
१५ १९ शु	५२१५	१५७.६२	१०४.०८	२१.०३	१७८.६५	०.४२०५	१५४.०८	१७८.८३	५२४	८८.९७	२२ १९
१६ २० अ	५२१६	१६१.७१	१०८.१७	२०.२८	१८२.००	०.४२५१	१५७.३६	१८२.१६	५११	९१.३५	२२ ५४
१७ २१ र	५२१७	१६५.८१	११२.२६	१९.४९	१८५.३०	०.४२९६	१६०.६६	१८५.४३	५०९	९३.६६	२३ २६
१८ २२ अ	५२१८	१६९.९०	११६.३६	१८.६२	१८८.५२	०.४३३६	१६३.८८	१८८.६३	५०६	९५.९१	२३ ५७
१९ २३ शु	५२१९	१७४.००	१२०.४५	१७.६९	१९१.१९	०.४३७७	१६७.०५	१९१.७६	५०३	९७.०८	२४ २५
२० २४ अ	५२२०	१७८.०९	१२४.५४	१६.७०	१९४.७९	०.४४१९	१७०.१५	१९४.८८	५००	९८.००	२४ ५१
२१ २५ शु	५२२१	१८२.१८	१२८.६३	१५.६६	१९७.८४	०.४४५०	१७३.२०	१९७.८८	०५०	१००.२०	२५ १६
२२ २६ अ	५२२२	१८६.२७	१३२.७२	१४.५८	२००.८५	०.४४८२	१७६.२१	२००.८९	०४८	१०४.२६	२५ ३८
२३ २७ र	५२२३	१९०.३६	१३६.८२	१३.४५	२०३.८१	०.४५१३	१७९.१७	२०३.८२	०४०	१०६.३३	२५ ५९
२४ २८ अ	५२२४	१९४.४६	१४०.९१	१२.२९	२०६.७५	०.४५४१	१८२.११	२०६.७३	०३५	१०८.२८	२६ १६
२५ २९ शु	५२२५	१९८.५५	१४५.००	११.०८	२०९.६३	०.४५६६	१८४.९९	२०९.६१	०३६	११०.२१	२६ ३२
२६ ३० अ	५२२६	२०२.६४	१४९.०९	९.८६	२१२.५०	०.४५८७	१८७.७८	२१२.४४	०५७	११२.०८	२६ ५३

बुध

१२३

जून-जुलाई सन १९३८ ई.

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित ।

ता	भूमध्य स्थष्ट ग्रह	गति	भूमध्य द्वय शर	गति	मौना सावन	विषुवांश	गति	विषुवांश	गति	क्रांति	गति	इंदौर शहर का यात्रोत्तर लघनकाल
	रा. अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	स्टे. घ. म.
२७	२१६ ४९	२ ९	१ ३५	० ५	१९ ४८	१०१ ३४	२ २०	१६ ५६	२४ ५९	० १४	१६ ११	१२ ५५
२८	२१८ ५८	+ २ ७	१ ४०	० ०	१०१ ५७	१०३ ५४	२ २०	१७ १९	+ २४ ३५	० १०	१६ ३७	१३ १
२९	२२० ११	२ २	१ ४४	० ०	१०४ ४	१०६ १४	२ १९	१७ ४२	२४ २५	० १०	१६ ३७	१३ ६
३०	२२२ २१	२ ५	१ ४७	० ०	१०६ ८	१०८ ३३	२ १९	१८ ६	२४ १५	० १०	१६ ५२	१३ १२
३१	२२४ ३१	२ ८	१ ५०	० ०	१०८ ११	११० ५१	२ १८	१८ २९	२४ ४	० १५	१७ ५	१३ १७
१	२२६ ४१	२ १०	१ ५२	० ०	११० १४	११२ ६	२ १७	१८ ५१	२४ २७	० १५	१७ १७	१३ २२
२	२२८ ५१	२ १२	१ ५३	० ०	११२ १४	११४ २४	२ १६	१९ १४	२४ २९	० १८	१७ ३०	१३ २५
३	२३० ६१	२ १५	१ ५३	० ०	११४ १२	११६ ३८	२ १५	१९ ३६	२४ १	० २३	१७ ४२	१३ ३२
४	२३२ ७१	२ १८	१ ५३	० ०	११६ ८	११९ ४८	२ १४	१९ ५८	२४ ४६	० २६	१७ ५४	१३ ३७
५	२३४ ८१	२ २०	१ ५२	० ०	११८ ५	१२१ ५३	२ १३	२० १९	२४ २०	० २७	१८ ६	१३ ४१
६	२३६ ९१	२ २२	१ ५०	० ०	११९ ५	१२३ ५२	२ १२	२० ४९	२४ ५३	० २८	१८ १६	१३ ४६
७	२३८ १०१	२ २५	१ ४८	० ०	१२१ ४	१२५ ४३	२ ११	२० ५७	२४ २५	० २९	१८ २४	१३ ४९
८	२४० १११	२ २७	१ ४५	० ०	१२३ ३	१२७ ३३	२ १०	२१ १६	२४ ५६	० २९	१८ ३३	१३ ५२
९	२४२ १२१	२ ३०	१ ४२	० ०	१२५ १९	१२९ २१	२ १०	२१ ३४	२४ २८	० २९	१८ ४१	१३ ५५
१०	२४४ १३१	२ ३२	१ ४०	० ०	१२७ ३	१३१ ०५	२ १४	२१ ५१	२४ ०	० २८	१८ ४८	१३ ५८
११	२४६ १४१	२ ३५	१ ३८	० ०	१२९ ४	१३२ ५५	२ १३	२२ १	२४ ३१	० ३०	१८ ५५	१४ १
१२	२४८ १५१	२ ३७	१ ३५	० ०	१३१ ५	१३४ ५५	२ १३	२२ ८	२४ ३१	० ३०	१८ ५५	१४ १
१३	२५० १६१	२ ४०	१ ३२	० ०	१३३ १०	१३६ ५३	२ १२	२२ २४	२४ १	० ३१	१९ १	१४ ३
१४	२५२ १७१	२ ४२	१ २९	० ०	१३५ १५	१३८ ५७	२ ११	२२ ४०	२४ ३०	० ३१	१९ ८	१४ ६
१५	२५४ १८१	२ ४५	१ २६	० ०	१३७ २०	१४० ५९	२ १०	२२ ५५	२४ ५८	० ३२	१९ १८	१४ ८
१६	२५६ १९१	२ ४७	१ २३	० ०	१३९ २५	१४२ ५९	२ १०	२३ १०	२४ ५१	० ३३	१९ २६	१४ १०
१७	२५८ २०१	२ ५०	१ २०	० ०	१४१ ३०	१४४ ५८	२ १०	२३ २५	२४ ५१	० ३३	१९ २६	१४ १२
१८	२६० २११	२ ५२	१ १७	० ०	१४३ ३५	१४६ ५६	२ १०	२३ ४०	२४ ४६	० ३३	१९ ३७	१४ १४
१९	२६२ २२१	२ ५५	१ १४	० ०	१४५ ४०	१४८ ५२	२ १०	२३ ५४	२४ ४२	० ३३	१९ ३२	१४ १६
२०	२६४ २३१	२ ५७	१ ११	० ०	१४७ ४५	१४९ ५५	२ १०	२४ ८	२४ ३९	० ३३	१९ ३६	१४ १७
२१	२६६ २४१	२ ५९	१ ०८	० ०	१४९ ५०	१५१ ५५	२ १०	२४ २४	२४ ३४	० ३३	१९ ४३	१४ १९
२२	२६८ २५१	२ ६१	१ ०५	० ०	१५१ ५५	१५३ ५५	२ १०	२४ ४६	२४ २८	० ३३	१९ ४६	१४ २१
२३	२७० २६१	२ ६३	१ ०२	० ०	१५३ ६०	१५५ ५५	२ १०	२४ ५७	२४ २२	० ३३	१९ ४९	१४ २३
२४	२७२ २७१	२ ६५	१ ००	० ०	१५५ ६५	१५७ ५५	२ १०	२५ ७	२४ १८	० ३३	१९ ४६	१४ २५
२५	२७४ २८१	२ ६७	१ ००	० ०	१५७ ७०	१५९ ५५	२ १०	२५ १६	२४ १०	० ३३	१९ ४१	१४ २७
२६	२७६ २९१	२ ६९	१ ००	० ०	१५९ ७५	१६१ ५५	२ १०	२५ ३५	+ २४ ००	० ३३	१९ ४४	१४ २९

जुलाई-अगस्त सन १९३८ ई.

धावन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेष गणित ।

वा. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदराष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.
२७ ३० बु	५२२६	२०३.६४	१४९.०९	९.८६	२१२.५०	०.४५८७	१८७.८६	२१२.४४	० ५७	११२.८	२६
२८ २ गु	५२२७	२०६.७३	१५३.१९	८.६०	२१५.३३	०.४६०७	१९०.६९	२१५.२५	१ १८	११३.९२	२६
२९ १ शु	५२२८	२१०.८२	१५७.२८	७.३५	२१८.१६	०.४६२४	१९२.८०	२१८.०५	१ ३६	११५.७८	२७
३० ४ श	५२२९	२१४.९१	१६१.३८	६.०३	२२०.९४	०.४६३८	१९५.५८	२२०.८३	१ ५८	११७.६१	२७
३१ ५ र	५२३०	२१९.००	१६५.४७	४.७२	२२३.७२	०.४६४९	१९८.३६	२२३.५९	२ १७	११९.४१	२७
१ ६ चं	५२३१	२२३.०९	१६९.५६	३.५८	२२६.५०	०.४६५८	२०१.१४	२२६.३६	२ ३६	१२१.२१	२७
२ ७ मं	५२३२	२२७.१८	१७३.६५	२.२६	२२९.२६	०.४६६४	२०३.९०	२२९.१०	२ ५५	१२३. ०	२७
३ ८ श	५२३३	२३१.२८	१७७.७४	०.७५	२३२.७३	०.४६६७	२०६.६७	२३१.८५	३ १३	१२४.८०	२७
४ ९ शु	५२३४	२३५.३७	१८१.८३	०.६१	२३५.७६	०.४६६५	२०९.४०	२३५.५९	३ ३०	१२६.५८	२६
५ १० छ	५२३५	२३९.४६	१८५.९३	१.९४	२३७.५२	०.४६६४	२१२.१२	२३७.३६	३ ४८	१२८.३७	२६
६ ११ श	५२३६	२४३.५५	१९०.०२	३.२७	२४०.२८	०.४६५९	२१४.९२	२४०.०९	४ ७	१२०.१७	२६
७ १२ र	५२३७	२४७.६५	१९४.११	४.५९	२४३.०६	०.४६५१	२१७.७३	२४२.८६	४ २३	१२१.९७	२६
८ १३ चं	५२३८	२५१.७४	१९८.२०	५.९०	२४५.८४	०.४६३९	२२०.५८	२४५.६३	४ ३६	१२३.७९	२५
९ १३ मं	५२३९	२५५.८३	२०२.३०	७.२१	२४८.६२	०.४६२६	२२३.३६	२४८.४३	४ ५१	१२५.६३	२५
१० १४ बु	५२४०	२५९.९२	२०६.३९	८.४८	२५१.४४	०.४६०९	२२६.०८	२५१.२२	५ ६	१२७.४७	२४
११ १५ शु	५२४१	२६४.०१	२१०.४८	९.७४	२५४.२७	०.४५९०	२२८.९१	२५४.०८	५ २०	१२९.३६	२४
१२ १६ श	५२४२	२६८.११	२१४.५७	१०.९५	२५७.१६	०.४५६९	२३१.८०	२५६.९४	५ ३३	१३१.२६	२३
१३ १७ र	५२४३	२७२.२०	२१८.६६	१२.१६	२६०.०४	०.४५५३	२३४.६८	२५९.८४	५ ४५	१३३.२०	२२
१४ १८ चं	५२४४	२७६.२९	२२२.७६	१३.३२	२६२.९७	०.४५१६	२३७.६१	२६२.७८	५ ५७	१३५.१८	२१
१५ १९ मं	५२४५	२८०.३८	२२६.८५	१४.४६	२६५.९२	०.४४८८	२४०.५६	२६५.७५	६ १०	१३७.१९	२०
१६ २० श	५२४६	२८४.४८	२३०.९४	१५.५५	२६८.९३	०.४४५३	२४३.५७	२६८.७७	६ २३	१३९.२५	१९
१७ २१ बु	५२४७	२८८.५७	२३५.०३	१६.५९	२७१.९८	०.४४१९	२४६.६२	२७१.८३	६ ३६	१४१.३५	१८
१८ २२ शु	५२४८	२९२.६६	२३९.१३	१७.५९	२७५.०७	०.४३८१	२४९.७३	२७४.९५	६ ४८	१४३.५१	१७
१९ २३ श	५२४९	२९६.७५	२४३.२२	१८.५२	२७८.२३	०.४३४२	२५२.८१	२७८.०१	६ ४३	१४५.७०	१६
२० २४ र	५२५०	३००.८४	२४७.३१	१९.४०	२८१.४४	०.४३०१	२५६.०८	२८१.३५	६ ४९	१४७.७८	१४
२१ २५ चं	५२५१	३०४.९४	२५१.४०	२०.२१	२८४.७३	०.४२५६	२५९.३७	२८४.६६	६ ५४	१४९.०३	१३
२२ २६ मं	५२५२	३०९.०३	२५५.४२	२०.९६	२८८.०७	०.४२१०	२६२.७१	२८८.०३	६ ५७	१५१.२४	११
२३ २७ श	५२५३	३१३.१२	२५९.५१	२१.६२	२९१.५०	०.४१६१	२६६.१४	२९१.४८	७ ०	१५३.५२	९
२४ २८ बु	५२५४	३१७.२१	२६३.६८	२२.२१	२९५.००	०.४१११	२६९.६४	२९५.०१	७ ०	१५५.७९	८
२५ २९ शु	५२५५	३२१.३०	२६७.७७	२२.७१	२९९.५९	०.४०५९	२७४.२३	२९९.६४	७ ५८	१५८.०५	६

जुलाई-अगस्त सन १९३८ ई.

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य रूपग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायननोन	विषुवांश	गति	ल विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लघनकाल
ग. अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प. स्ट. म मि
२७	४ ७ ७	१८	०	२८	११	१५०	६	१५२	३०	५०	२५
२८	४ ८ १५	१	६	०	३९	११	१५१	२४	२०	४९	२५
२९	४ ९ २१	१	४	०	५०	११	१५२	१८	१५	४८	२५
३०	४ १० २५	१	४	१	६०	११	१५३	१२	१५	४८	२५
३१	४ ११ २५	१	४	१	७०	११	१५४	६	१५	४८	२५
१	४ १२ २३	०	५	१	८०	११	१५५	०	१५	४८	२५
२	४ १३ २८	०	५	१	९०	११	१५६	५	१५	४८	२५
३	४ १४ ३०	०	५	१	१०	११	१५७	१०	१५	४८	२५
४	४ १५ ५५	०	५	१	२०	११	१५८	१५	१५	४८	२५
५	४ १६ २६	०	५	१	३०	११	१५९	२०	१५	४८	२५
६	४ १७ ४	०	५	१	४०	११	१६०	२५	१५	४८	२५
७	४ १७ ४	०	५	१	५०	११	१६०	३०	१५	४८	२५
८	४ १७ ३८	०	५	१	६०	११	१६०	३५	१५	४८	२५
९	४ १८ ९	०	५	१	७०	११	१६०	४०	१५	४८	२५
१०	४ १८ ३४	०	५	१	८०	११	१६०	४५	१५	४८	२५
११	४ १८ ५५	०	५	१	९०	११	१६०	५०	१५	४८	२५
१२	४ १९ १२	०	५	१	१०	११	१६०	५५	१५	४८	२५
१३	४ १९ २४	०	५	१	२०	११	१६०	६०	१५	४८	२५
१४	४ १९ २९	०	५	१	३०	११	१६०	६५	१५	४८	२५
१५	४ १९ २९	०	५	१	४०	११	१६०	७०	१५	४८	२५
१६	४ १९ २९	०	५	१	५०	११	१६०	७५	१५	४८	२५
१७	४ १९ २९	०	५	१	६०	११	१६०	८०	१५	४८	२५
१८	४ १८ ५९	०	५	१	७०	११	१६०	८५	१५	४८	२५
१९	४ १८ ३५	०	५	१	८०	११	१६०	९०	१५	४८	२५
२०	४ १८ ७	०	५	१	९०	११	१६०	९५	१५	४८	२५
२१	४ १८ ३५	०	५	१	१०	११	१६०	१००	१५	४८	२५
२२	४ १८ ५९	०	५	१	२०	११	१६०	१०५	१५	४८	२५
२३	४ १९ ७	०	५	१	३०	११	१६०	११०	१५	४८	२५
२४	४ १९ २०	०	५	१	४०	११	१६०	११५	१५	४८	२५
२५	४ २० २९	०	५	१	५०	११	१६०	१२०	१५	४८	२५

अगस्त-सितंबर सन १९३८ ई. माद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रमांकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. मह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.
२६	३० शु	५२५५	३२१-३०	२६७७७७	२२-७३	२९९-५९	०-४०५९	२७७-२३	२९८-६४	६५८	१७०-४५	६१०
२६	१ शु	५२५६	३२५-४०	२७१-८६	-२३-०२	३०२-३८	०-४००६	२७७-०४	३०२-३३	-६५६	१७३-१८	४२७
२७	२ वा	५२५७	३२९-४९	२७५-९६	२३-४१	३०६-०८	०-३९५०	२८१-४४	३०६-१६	६५२	१७६-४	+ २३२
२८	३ रे	५२५८	३३३-५९	२८०-०५	२३-४०	३०९-९९	१-३८९६	२८५-३५	३१०-१०	६५४	१७९-२	+ ०३६
२९	४ च	५२५९	३३७-६८	२८४-१५	२३-६८	३१४-००	०-३८३८	२८९-३६	३१४-१३	६५६	१८२-८	- ११६
३०	५ मं	५२६०	३४१-७७	२८८-२४	२३-६४	३१८-१३	०-३७८०	२९३-४९	३१८-२३	६५८	१८५-२७	३८
३१	६ शु	५२६१	३४५-८७	२९२-३३	२३-४४	३२२-४१	०-३७३७	२९७-७७	३२२-५५	६११	१८८-५७	४५६
१	७ शु	५२६२	३४९-९६	२९६-४२	२३-१५	३२६-८१	०-३६९४	३०२-१७	३२६-०९	५५५	१९१-४	६४२
२	८ शु	५२६३	३५४-०५	३००-५१	२२-०३	३३१-३४	०-३६०७	३०६-७०	३३१-५३	५५७	१९५-६१	८२०
३	९ वा	५२६४	३५८-१४	३०४-६१	२२-११	३३६-०३	०-३५५०	३११-३९	३३६-२३	५५९	१९९-३४	९५०
४	१० र	५२६५	३६२-२४	३०८-७०	२१-१६	३४१-०८	०-३४९३	३१६-४४	३४१-०७	४४९	२०३-२२	११२
५	११ च	५२६६	३६६-३३	३१२-७९	२०-४६	३४५-८७	०-३४३९	३२१-२३	३४६-०६	४५३	२०७-५४	१२३८
६	१२ मं	५२६७	३७०-४२	३१६-८८	१९-४०	३५०-०२	०-३३८६	३२६-३८	३५१-२२	३५५	२११-४२	१३४८
७	१३ शु	५२६८	३७४-५२	३२०-९७	१८-१७	३५६-३५	०-३३३५	३३१-७१	३५६-५१	३१९	२१५-७५	१४४८
८	१४ शु	५२६९	३७८-६१	३२५-०७	१८-८०	३६१-१	०-३२८८	३३७-१७	३६१-४४	२२९	२२०-२०	१५४०
९	१५ शु	५२७०	३८२-७०	३२९-१६	१७-४६	३६६-४४	०-३२४४	३४२-८०	३६६-२३	२४१	२२४-८२	१६२४
१०	१६ वा	५२७१	३८६-७९	३३३-२५	१७-५८	३७१-२१	०-३१९७	३४७-५७	३७१-२६	२४३	२२९-५८	१७५६
११	१७ र	५२७२	३९०-८८	३३७-३४	१७-७७	३७६-११	०-३१४७	३५२-४७	३७६-१०	२४५	२३४-५०	१८२५
१२	१८ च	५२७३	३९४-९८	३४१-४३	१७-९८	३८१-१५	०-३०९७	३५७-११	३८१-१५	२४७	२३९-५१	१९४३
१३	१९ मं	५२७४	३९८-०७	३४५-५३	१७-९७	३८६-१५	०-३०४७	३६२-११	३८६-१५	२४९	२४४-५२	२०६१
१४	२० शु	५२७५	४०२-१६	३४९-६२	१७-५४	३९१-१५	०-३००५	३६७-१८	३९१-१५	२५१	२४९-५३	२१७९
१५	२१ शु	५२७६	४०६-२५	३५३-७१	१७-४६	३९६-१५	०-३००८	३७२-१५	३९६-१५	२५३	२५४-५३	२२९७
१६	२२ शु	५२७७	४१०-३५	३५७-८०	१७-२९	४०१-१४	०-३००७	३७७-१५	४०१-१४	२५५	२५९-५३	२४१८
१७	२३ वा	५२७८	४१४-४४	३६१-९०	+ १७-०५	४०६-१४	०-३००६	३८२-१५	४०६-१४	२५७	२६४-५३	२५३९
१८	२४ र	५२७९	४१८-५३	३६५-९९	१७-२९	४११-१२	०-३००८	३८७-१८	४११-१२	२५९	२६९-५३	२६५७
१९	२५ च	५२८०	४२२-६३	३७०-०८	१७-५८	४१६-११	०-३००९	४१२-१८	४१६-११	२६१	२७४-५३	२७७९
२०	२६ मं	५२८१	४२६-७३	३७४-१७	१७-४६	४२१-१०	०-३०१०	४१७-२१	४२१-१०	२६३	२७९-५३	२८९७
२१	२७ शु	५२८२	४३०-८२	३७८-२६	१७-३५	४२६-१०	०-३०११	४२२-२४	४२६-१०	२६५	२८४-५३	२९१५
२२	२८ शु	५२८३	४३४-९१	३८२-३५	१७-२४	४३१-१०	०-३०१२	४२७-२७	४३१-१०	२६७	२८९-५३	३०३३
२३	२९ शु	५२८४	४३८-००	३८६-४४	१७-१३	४३६-१०	०-३०१३	४३२-३०	४३६-१०	२६९	२९४-५३	३१५१
२४	३० शु	५२८५	४४२-०९	३९०-५३	+ १६-४५	४४१-१०	०-३०१४	४३७-३३	४४१-१०	२७१	२९९-५३	३२६९

अगस्त-सितंबर सन १९३८ ह. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का बेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य ग्रह	गति	वाम सायन	विषुवांश	गति	उ विषुवांक	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लघनकाज
रा. अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प. र्टि. घ. मि.
२५ १४ २९	० ५४ ४	३७	६ १५७ २८	१५७ १४ ०	४३ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
२६ १३ ३५	० ५६ ४	३९	१ १५६ ३४	१५६ २९	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
२७ १३ २९	० ५६ ४	३९	१ १५५ ४२	१५५ ४८	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
२८ १३ ४३	० ५५ ३	३९	१ १५४ ४७	१५४ ३३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
२९ १४ ४८	० ५४ ३	३९	१ १५३ ५३	१५३ ४३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
३० १५ ५४	० ५३ ३	४८	१ १५२ ५३	१५२ ४३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
३१ १५ ३	० ५३ ३	३९	१ १५१ ५२	१५१ ४३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
१ १५ ८	० ५३ ३	३९	१ १५० ५२	१५० ३९	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
२ १५ ७	० ५३ ३	३९	१ १४९ ५३	१४९ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
३ १५ ७	० ५३ ३	४४	१ १४८ ५३	१४८ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
४ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १४७ ५३	१४७ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
५ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १४६ ५३	१४६ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
६ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १४५ ५३	१४५ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
७ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १४४ ५३	१४४ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
८ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १४३ ५३	१४३ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
९ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १४२ ५३	१४२ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
१० १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १४१ ५३	१४१ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
११ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १४० ५३	१४० ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
१२ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १३९ ५३	१३९ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
१३ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १३८ ५३	१३८ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
१४ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १३७ ५३	१३७ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५	४५ १२	४५		
१५ १५ ८	० ५३ ३	४४	१ १३६ ५३	१३६ ५३	४४ २६	११ + ४ २९	० २७ १५				

सितम्बर-अक्टूबर सन १९३८ ई. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेष गणित ।

ता.	ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदसप्त	मंदकर्ण	पातोने	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शशिकेंद्र	शशिकल
			अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. क अ	अ. क अ	अ. क अ
२३	३० शु	५२८४	७९-९९	२६-४५	+१३-४५	९३-४४	०-३२-०२	६८-८०	९३-३९	+६ ३९	२९६-९५	-१३ ५९
२४	१ रा	५२८५	८४-०९	३०-५४	+१५-१५	९९-२४	०-३२-४१	७४-६०	९९-१२	+६ ४५	३०१-७८	-१३ १३
२५	२ रा	५२८६	८८-१८	३४-६४	+१६-६९	१०४-८७	०-३२-८४	८०-२३	१०४-७९	६ ५४	३०६-४७	१२ २६
२६	३ च	५२८७	९२-२७	३८-७३	+१८-०८	११०-३५	०-३३-३२	८५-७३	११०-३२	६ ५९	३११-०२	११ ३८
२७	४ मं	५२८८	९६-३७	४२-८२	+१९-३९	११५-६८	०-३३-८२	९१-०४	११५-६७	७ ०	३१५-३९	१० ४९
२८	५ बु	५२८९	१००-४४	४६-९२	+२०-३९	१२०-८५	०-३४-३५	९६-२१	१२०-८५	६ ५७	३१९-६३	१० ०
२९	६ बु	५२९०	१०४-५५	५१-०१	+२१-३०	१२५-८५	०-३४-८९	१०१-२२	१२५-९२	६ ५२	३२३-६८	११ १
३०	७ शु	५२९१	१०८-६४	५५-१०	+२२-०६	१३०-७०	०-३५-४५	१०६-०६	१३०-८०	६ ४४	३२७-५८	८ १९
१	८ रा	५२९२	११२-७४	५९-१९	+२२-४७	१३५-४१	०-३६-०३	११०-७७	१३५-५५	+६ ३३	३३१-३४	-७ २९
२	९ रा	५२९३	११६-८३	६३-२८	+२३-१६	१३९-९६	०-३६-६०	११५-३२	१४०-१०	६ २९	३३५-९१	६ ३८
३	१० च	५२९४	१२०-९२	६६-३८	+२३-४५	१४४-३७	०-३७-१८	११९-७३	१४५-४५	६ २३	३३९-३७	५ ४८
४	१० मं	५२९५	१२५-०१	७१-४७	+२३-६३	१४८-६४	०-३७-७६	१२४-००	१४८-८२	५ ४८	३४१-६६	४ ०
५	११ बु	५२९६	१२९-१०	७५-५६	+२३-५८	१५२-७८	०-३८-३४	१२८-१४	१५२-१४	५ ३०	३४५-८४	४ ११
६	१२ शु	५२९७	१३३-२०	७९-६५	+२३-३९	१५६-८१	०-३८-९२	१३२-१७	१५७-०१	५ १९	३४९-८८	३ २३
७	१३ रा	५२९८	१३७-२९	८३-७५	+२३-४३	१६०-७२	०-३९-४७	१३६-०८	१६०-१२	४ ५९	३५०-८०	२ ३८
८	१४ रा	५२९९	१४१-३८	८७-८४	+२३-१४	१६४-५२	०-४०-०२	१३९-०८	१६४-७२	४ ३०	३५५-३२	१ ४९
९	१५ रा	५३००	१४५-४८	९१-९३	+२३-७४	१६८-२२	०-४०-४२	१४३-५८	१६८-२२	४ ९	३५९-३३	१ ३
१०	१६ च	५३०१	१४९-५७	९६-०२	+२२-२५	१७१-८२	०-४१-०७	१४७-१८	१७२-०१	+३ ४७	३६५-१९	-० १९
११	१७ मं	५३०२	१५३-६६	१००-१२	+२१-६७	१७५-३३	०-४१-५७	१५१-०९	१७५-११	३ २५	३७०-१४	+ ० २५
१२	१८ शु	५३०३	१५७-७५	१०४-२१	+२१-०१	१७८-७६	०-४२-०६	१५५-१२	१७८-१२	३ ३	३७५-०८	१ १
१३	१९ बु	५३०४	१६१-८४	१०८-३०	+२०-३६	१८२-०५	०-४२-५४	१५९-४६	१८२-१५	२ ४१	३८०-०३	१ ५१
१४	२० रा	५३०५	१६५-९४	११२-३९	+१९-४६	१८५-४०	०-४३-१७	१६३-७६	१८५-२२	२ १९	३८५-०८	२ ३३
१५	२१ च	५३०६	१७०-०३	११६-४९	+१८-५८	१८८-११	०-४३-३९	१६७-१७	१८८-७२	१ ५६	३९०-१९	३ १४
१६	२२ रा	५३०७	१७४-१२	१२०-५८	+१७-६७	१९१-७८	०-४३-८८	१७१-०४	१९१-०८	+१ ३४	३९५-२८	+ ३ ५५
१७	२३ बु	५३०८	१७८-२१	१२४-६७	+१६-३६	१९४-८७	०-४४-१६	१७५-२३	१९४-१५	१ ११	३९९-४४	४ ३४
१८	२४ मं	५३०९	१८२-३०	१२८-७७	+१५-६३	१९७-९३	०-४४-४१	१७९-२९	१९७-२८	० ४१	४०४-१७	५ ३१
१९	२५ रा	५३१०	१८६-४०	१३२-८६	+१४-५४	१९९-०४	०-४४-८३	१७९-३०	२००-०९	० २७	४०८-२९	५ ५२
२०	२६ शु	५३११	१९०-४९	१३६-९५	+१३-४१	२०३-१०	०-४५-११	१७९-३९	२०३-१९	+० ०	४१३-३९	६ २९
२१	२७ रा	५३१२	१९४-५८	१४०-०४	+१२-५५	२०६-१९	०-४५-४१	१८०-४९	२०६-२९	-० १८	४१७-४८	७ ८
२२	२८ च	५३१३	१९८-६७	१४४-१३	+११-०४	२०९-२९	०-४५-६७	१८०-५७	२०९-३९	० ३७	४२१-५९	७ ४२
२३	२९ मं	५३१४	२०२-७६	१४८-२३	+१०-८२	२१२-५८	०-४५-८७	१८०-६४	२१२-५३	० ५८	४२५-५८	+ ८ १९

सितंबर-अक्टूबर सन १९३८ ई. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध मन्त्रि ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	समय	विपुलाश	गति	विपुलाश	कांति	गति	हन्दौर शहर का ग्राम्योत्तर छंघन काल
रा.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घं. प. स्टै. व. मि.
२३	४ २२ २३	+१ ४४	+१ ४६	०	२ ४५	२२	२६ ७ २३	२८ २७	५२	+ ७ २३	३७ १२ ४० ११ ३१
२४	४ २४ ७	१ ४४	१ ४५	०	२ ४६	६ २६ ८ ५३	२८ २८	९ ६ ४४	५३	१२ ४७	११ ३४
२५	४ २५ ५३	१ ४४	१ ४५	०	२ ४६	५२ २७ ० ३३	२८ २८	६ ७ ४५	५३	१२ ५४	११ ३७
२६	४ २७ ४०	१ ४७	१ ४२	०	२ ४७	१९ २७ २ ९	२८ २८	४३ ५ २५	४३	१३ ४३	११ ३९
२७	४ २९ २८	१ ४८	१ ४२	०	२ ४७	२७ २७ ३	२८ २९	१ ४ ४२	४२	१३ ४४	११ ४१
२८	५ १ १६	१ ४८	१ ४२	०	२ ४७	२५ २७ ४ ४	२८ २९	१७ ४ ४२	४२	१३ ४५	११ ४५
२९	५ ३ ५	१ ४९	१ ४१	०	२ ४७	४ २७ ५ ३	२८ २९	३४ ३ २९	४०	१३ २३	११ ४८
३०	५ ४ ५४	१ ४९	१ ४९	०	२ ४७	५३ २७ ० ०	२८ २९	५० २ ३९	३९	१३ २९	११ ५०
१	६ ६ ४३	+१ ४९	+१ ४७	०	३ ४७	४२ २८ ० ३७	२८ ३०	६ २ ००	३८	१३ ३५	११ ५२
२	८ ३३	१ ४९	१ ४४	०	३ ४७	३१ २८ २ ३	२८ ३०	२२ १ २२	३८	१३ ४३	११ ५५
३	१० २१	१ ४९	१ ४३	०	३ ४७	२० २८ ३ ४८	२८ ३०	३८ ० ४४	३८	१३ ४९	११ ५८
४	१२ ९	१ ४८	१ ३७	०	३ ४७	८ २८ २ १	२८ ३०	५४ + ० ७	३७	१३ ५३	१२ १
५	१४ ५७	१ ४७	१ ३३	०	३ ४७	५६ २८ ५ ३	२८ ३१	- ० ३०	३७	१४ ६	१२ २
६	१५ ४४	१ ४७	१ २८	०	३ ४७	४३ २८ ३ ५	२८ ३१	१ ७ ३७	३७	१४ ३	१२ ५
७	१७ ३०	१ ४६	१ २३	०	३ ४७	२९ २९ ० ६	२८ ३१	४१ १ ४४	३७	१४ ३	१२ ७
८	१९ १६	१ ४५	१ १८	०	३ ४७	१९ २९ ३ ७	२८ ३१	५६ २ २१	३८	१४ ३	१२ ९
९	२१ २	१ ४५	१ १३	०	३ ४७	९ २९ ३ ०	२८ ३१	२ २ ५९	३९	१४ २२	१२ १२
१०	२२ ४६	+१ ४२	+१ ७	०	३ ४७	५५ २९ ४ ३	२८ ३२	३ ३८	४०	१४ २७	१२ १४
११	२४ २९	१ ४३	०	५०	३ ४७	२८ २९ ५ ६	२८ ३२	४ ४८	४१	१४ ३३	१२ १६
१२	२६ २७	१ ४३	०	४८	३ ४७	१९ २९ ४ ९	२८ ३२	५ ५९	४१	१४ ३८	१२ १८
१३	२७ ५४	१ ४१	०	४८	३ ४७	५ २९ २ ३	२८ ३३	६ ४०	४१	१४ ४५	१२ २१
१४	२९ ३५	१ ४१	०	४२	३ ४७	३४ २९ ० ५	२८ ३३	७ २०	४१	१४ ५१	१२ २४
१५	३ १६	१ ४०	३५	०	३ ४७	२५ २९ ३ ३	२८ ३३	७ ४३	४२	१४ ५७	१२ २७
१६	५ २५	१ ४०	३५	०	३ ४७	१५ २९ २ ०	२८ ३३	८ ४२	४२	१५ ३	१२ २८
१७	७ ३५	१ ३८	३०	१०	३ ४७	३४ २९ ४ ४	२८ ३४	९ २६	४३	१५ ८	१२ ३०
१८	९ ४५	१ ३८	३०	१०	३ ४७	२५ २९ ७ ३	२८ ३४	१० ८	४३	१५ १४	१२ ३३
१९	११ ७	१ ३८	३०	१०	३ ४७	१५ २९ ८ ५	२८ ३४	१० ४९	४३	१५ २०	१२ ३५
२०	१३ १८	१ ३७	३०	१०	३ ४७	५ २९ ९ २	२८ ३४	११ २९	४३	१५ २६	१२ ३७
२१	१५ ५	१ ३७	३०	१०	३ ४७	४ २९ १० ५	२८ ३४	१२ ८	४३	१५ ३१	१२ ३९
२२	१७ ४२	१ ३६	३०	१०	३ ४७	४१ २९ ११ ७	२८ ३४	१३ २७	४३	१५ ३७	१२ ४२
२३	१९ ४८	१ ३६	३०	१०	३ ४७	३१ २९ १२ ५	२८ ३४	१४ २७	४३	१५ ४३	१२ ४४

१२८

बुध

सितम्बर-अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित ।

ता.	ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन्	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अ.	अ.	अ.	अ.		अ.	अ.	अ. क	अ	अ. क.
२३	३० शु	५२८४	७९.९९	२६.४५	+१३.४५	९३.४४	०.३२०२	६८.८०	९३.३१	+६.३१	२९६.९५	-१३.५६
२४	१ श	५२८५	८४.०९	३०.५४	+१५.१५	९९.२४	०.३२४१	७४.६०	९९.१२	+६.४५	३०१.७८	-१३.१३
२५	२ र	५२८६	८८.१८	३४.६४	१६.६९	१०४.०७	०.३२८४	८०.२३	१०४.७९	६.५४	३०६.४७	१२.२६
२६	३ म	५२८७	९२.९७	३८.७३	१८.०८	११०.३५	०.३३३२	८५.७१	११०.३२	६.५९	३११.०२	११.३८
२७	४ मं	५२८८	९६.३७	४२.८२	१९.३१	११५.६८	०.३३८२	९१.०४	११५.६७	७.०३	३१५.३९	१०.४९
२८	५ बु	५२८९	१००.४६	४६.९२	२०.३९	१२०.८५	०.३४३५	९६.२१	१२०.८९	६.५७	३१९.६३	१०.००
२९	६ शु	५२९०	१०४.५५	५१.०१	२१.३०	१२५.८५	०.३४८९	१०१.२१	१२५.९२	६.५२	३२३.६८	९.०९
३०	७ छ	५२९१	१०८.६४	५५.१०	२२.०६	१३०.७०	०.३५४५	१०६.०६	१३०.८०	६.४४	३२७.५८	८.१९
१	८ श	५२९२	११२.७४	५९.१९	+२२.६७	१३५.४१	०.३६०३	११०.७७	१३५.५५	+६.३३	३३१.३४	-७.२९
२	९ र	५२९३	११६.८३	६३.२८	२३.१३	१३९.९६	०.३६६०	११५.३२	१४०.१०	६.२१	३३५.९१	६.३९
३	१० म	५२९४	१२०.९२	६६.३८	२३.४५	१४४.३७	०.३७१८	११९.७३	१४४.५४	६.७३	३३९.३७	५.४८
४	११ मं	५२९५	१२५.०१	७०.४७	२३.६३	१४८.६४	०.३७७६	१२४.००	१४८.८२	५.४८	३४३.६६	५.००
५	१२ बु	५२९६	१२९.१०	७४.५६	२३.६८	१५२.७८	०.३८३४	१२८.१४	१५२.९८	५.३०	३४७.८८	४.११
६	१३ शु	५२९७	१३३.२०	७८.६५	२३.६१	१५६.८१	०.३८९२	१३२.२२	१५७.०१	५.११	३५२.८४	३.२३
७	१४ छ	५२९८	१३७.२९	८३.७५	२३.४३	१६०.७२	०.३९४७	१३६.०८	१६०.९२	४.५१	३५७.८०	२.३८
८	१५ श	५२९९	१४१.३८	८७.८४	२३.१४	१६४.५२	०.४००२	१३९.८८	१६४.७२	४.३०	३६२.६२	१.४९
९	१६ र	५३००	१४५.४८	९१.९३	२२.७४	१६८.२२	०.४०५२	१४३.५८	१६८.२२	४.०९	३६६.३३	१.१३
१०	१७ मं	५३०१	१४९.५७	९६.०२	+२२.२५	१७१.८२	०.४१०७	१४७.१८	१७२.०१	+३.४७	३७०.९३	-०.१९
११	१८ मं	५३०२	१५३.६६	१००.१२	२१.६७	१७५.३३	०.४१५७	१५०.६९	१७५.५१	३.२५	३७४.४४	+०.२५
१२	१९ बु	५३०३	१५७.७५	१०४.२१	२१.०१	१७८.०६	०.४२०६	१५४.१२	१७८.९२	३.०३	३७८.०३	१.०९
१३	२० श	५३०४	१६१.८४	१०८.३०	२०.००	१८०.७१	०.४२५२	१५७.७४	१८०.२५	२.४१	३८१.६०	१.५१
१४	२१ शु	५३०५	१६५.९४	११२.३९	१९.४६	१८५.४०	०.४२९७	१६०.७६	१८५.५२	२.१९	३८४.८८	२.३३
१५	२२ छ	५३०६	१७०.०३	११६.४९	१८.५८	१८८.६१	०.४३३९	१६३.७७	१८८.७२	१.५६	३८९.६९	३.१४
१६	२३ श	५३०७	१७४.१२	१२०.५८	+१७.६६	१९१.७८	०.४३७८	१६७.०४	१९१.८८	+१.३४	३९४.८६	+३.५५
१७	२४ मं	५३०८	१७८.२१	१२४.६७	१६.३६	१९४.८७	०.४४१६	१७०.२३	१९४.९५	१.११	३९९.९४	४.३४
१८	२५ बु	५३०९	१८२.३०	१२८.७७	१५.०३	१९७.९३	०.४४५१	१७३.२९	१९७.९९	०.४९	४०५.०३	५.१४
१९	२६ शु	५३१०	१८६.४०	१३२.८६	१४.५४	१००.९४	०.४४८३	१७६.३०	१००.९९	०.२७	४०८.९९	५.५२
२०	२७ छ	५३११	१९०.४९	१३६.९५	१३.४१	२०३.१०	०.४५११	१७९.५६	२०३.११	+०.००	४१०.९२	६.८९
२१	२८ श	५३१२	१९४.५८	१४१.०४	१२.५५	२०७.१३	०.४५४१	१८२.८१	२०६.१२	-०.१८	४१२.९३	७.८९
२२	२९ बु	५३१३	१९८.६७	१४५.१३	११.०४	२०९.७१	०.४५६७	१८५.०७	२०९.६९	०.३७	४१७.७१	७.४९
२३	३० र	५३१४	२०२.७६	१४९.२३	१०.८२	२११.५८	०.४५९७	१८७.७५	२११.५३	०.५८	४२०.५५	+८.१९

बुध

१२९

सितंबर-अक्टूबर सन १९३८ ई. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनमेष	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	स्टैं. घ. मि.
२३	४ २२ २३	+१ ४४	+१ ४६	०	३ १६ ५	२६ ७ १३	३ ३८	५२	+ ७ २३	३७ १२	४०	११ ३१
२४	४ २४ ७	१ ४६	१ ४९	०	३ १६ ७	२६ ८ ५१	३ ४८	५२	६ ४६	३७ १२	४०	११ ३४
२५	४ २५ ५३	१ ४७	१ ५१	०	३ १६ ८	२६ १० ३३	३ ४६	५३	६ ७	३७ १२	४०	११ ३७
२६	४ २७ ४०	१ ४८	१ ५२	०	३ १७ ०	२६ १२ १९	३ ४४	५३	५ २५	३७ १३	४०	११ ३९
२७	४ २९ २८	१ ४८	१ ५२	०	३ १७ २	२६ १४ ३	३ ४४	५३	४ ४२	३७ १३	४०	११ ४३
२८	५ १ १६	१ ४९	१ ५२	०	३ १७ ४	२६ १६ ४४	३ ४३	५३	४	३७ १३	४०	११ ४५
२९	५ ३ ५	१ ४९	१ ५१	०	३ १७ ६	२६ १८ २३	३ ४३	५३	३ १९	३७ १३	४०	११ ४८
३०	५ ५ ५४	१ ४९	१ ४९	०	३ १७ ७	२६ १९ ००	३ ४३	५०	२ ३९	३७ १३	४०	११ ५०
१	५ ६ ३३	+१ ४९	+१ ४७	०	३ १७ ९	२६ २० ३७	३ ४३	३०	२ ००	३७ १३	३५	११ ५२
२	५ ८ ३३	१ ४९	१ ४४	०	३ १८ १	२६ २१ १३	३ ४३	२९	० २२	३७ १३	४१	११ ५५
३	५ १० २१	१ ४९	१ ४१	०	३ १८ ३	२६ २२ ४८	३ ४३	२८	० ४४	३७ १३	४७	११ ५८
४	५ १२ ९	१ ४८	१ ३७	०	३ १८ ५	२६ २४ २१	३ ४३	२७	० ७	३७ १३	५३	१२ १
५	५ १४ ७	१ ४७	१ ३३	०	३ १८ ६	२६ २६ ५३	३ ४३	२६	० ३०	३७ १३	५८	१२ २
६	५ १६ ४	१ ४७	१ २८	०	३ १८ ८	२६ २८ ३५	३ ४३	२५	० ७	३७ १३	६	१२ ५
७	५ १८ ३०	१ ४६	१ २३	०	३ १९ ०	२६ २९ ००	३ ४३	२४	१ ४६	३७ १३	१४	१२ ७
८	५ २० १६	१ ४६	१ १८	०	३ १९ २	२६ ३० ३७	३ ४३	२३	२ २५	३७ १३	१४	१२ ९
९	५ २१ १	१ ४५	१ १३	०	३ १९ ४	२६ ३१ १०	३ ४३	२२	२ ५९	३७ १३	१४	१२ १२
१०	५ २२ ४६	+१ ४३	+१ ७	०	३ १९ ५	२६ ३१ ४३	३ ४३	२१	३ ३८	३७ १३	१४	१२ १४
११	५ २४ २९	१ ४३	१	०	३ १९ ७	२६ ३२ १६	३ ४३	२०	४ १८	३७ १३	१४	१२ १६
१२	५ २६ १५	१ ४३	५ ४	०	३ १९ ९	२६ ३२ ४९	३ ४३	१९	५ ५९	३७ १३	१४	१२ १८
१३	५ २७ ५४	१ ४३	४ ८	०	३ २० ०	२६ ३३ २१	३ ४३	१८	६ ४०	३७ १३	१४	१२ २१
१४	५ २९ ३६	१ ४१	४ २	०	३ २० २	२६ ३४ ००	३ ४३	१७	७ २०	३७ १३	१४	१२ २४
१५	५ ३१ १६	१ ४०	३ ५	०	३ २० ४	२६ ३४ २३	३ ४३	१६	८ ७	३७ १३	१४	१२ २७
१६	५ ३३ ५	+१ ४०	+० २९	०	३ २० ५	२६ ३५ ०	३ ४३	१५	९ ४२	३७ १३	१५	१२ २८
१७	५ ३५ ४५	१ ४०	२९	०	३ २० ७	२६ ३५ ४४	३ ४३	१४	१० २६	३७ १३	१५	१२ ३०
१८	५ ३७ ३१	१ ४०	१५	०	३ २० ९	२६ ३६ २७	३ ४३	१३	११ १०	३७ १३	१५	१२ ३३
१९	५ ३९ १८	१ ४०	८	०	३ २१ ०	२६ ३७ १०	३ ४३	१२	११ ५४	३७ १३	१५	१२ ३५
२०	५ ४१ ५	१ ४०	०	०	३ २१ २	२६ ३७ ५५	३ ४३	११	१२ ३८	३७ १३	१५	१२ ३७
२१	५ ४३ ५१	१ ४०	०	०	३ २१ ४	२६ ३८ ४०	३ ४३	१०	१३ २२	३७ १३	१५	१२ ३९
२२	५ ४५ ३७	१ ४०	०	०	३ २१ ६	२६ ३९ २५	३ ४३	९	१४ ६	३७ १३	१५	१२ ४२
२३	५ ४७ २८	१ ४०	०	०	३ २१ ७	२६ ४० १०	३ ४३	८	१४ ४८	३७ १३	१५	१२ ४४

अक्टूबर-नवम्बर सन १९१८ ई. कार्तिक शुद्ध और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित ।

सा. ति. वा.	प्रभाकर वितरण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदरपथ	मंदकर्ण	पातोन्न	रवि म. ग्रह	रवि म. रात्र	शीमकेंद्र	शीमफल
		अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.
२३. ३० र	५३१४	२०२.७६	१४९.२३	९.८२	२१२.५८	०.४५८७	१८७.५४	२१२.५३	०.५८	२६.५५	८.१९
२४. ३० र	५३१५	२०६.८६	१५३.३२	८.५६	२१५.४२	०.४५८७	१९०.७८	२१५.३५	१.१९	२८.३८	८.५६
२५. ३० र	५३१६	२१०.९५	१५७.४१	७.३०	२१८.२५	०.४५८७	१९३.३६	२१८.१५	१.३९	३०.१८	९.२८
२६. ३० र	५३१७	२१५.०४	१६१.५०	६.०९	२२१.०३	०.४५८७	१९६.३९	२२०.९१	१.५९	३१.९४	१०.०२
२७. ३० र	५३१८	२१९.१३	१६५.५९	४.८८	२२३.८१	०.४५८७	१९९.०३	२२३.६७	२.१७	३३.७३	१०.३५
२८. ३० र	५३१९	२२३.२२	१६९.६९	३.६७	२२६.५९	०.४५८७	२०१.९५	२२६.४६	२.७५	३५.५३	११.०८
२९. ३० र	५३२०	२२७.३२	१७३.७८	२.४६	२२९.३६	०.४५८७	२०४.५८	२२९.१८	२.४५	३७.३२	११.४१
३०. ३० र	५३२१	२३१.४१	१७७.८७	१.२५	२३२.१२	०.४५८७	२०७.४८	२३१.९२	३.०३	३९.११	१२.१३
३१. ३० र	५३२२	२३५.५०	१८१.९६	०.०४	२३४.८५	०.४५८७	२१०.२१	२३४.६६	३.६३	४०.७०	१२.४४
१. ३० र	५३२३	२३९.५९	१८६.०५	१.१८	२३७.६२	०.४५८७	२१२.९७	२३७.४०	४.२३	४२.२९	१३.१५
२. ३० र	५३२४	२४३.६८	१९०.१५	२.३२	२४०.३९	०.४५८७	२१५.७३	२४०.१४	४.८३	४३.८८	१३.४६
३. ३० र	५३२५	२४७.७७	१९४.२४	३.४६	२४३.१५	०.४५८७	२१८.५१	२४२.९३	५.४३	४५.०७	१४.१६
४. ३० र	५३२६	२५१.८७	१९८.३३	४.५९	२४५.९३	०.४५८७	२२१.२९	२४५.७०	६.०३	४६.२६	१४.४५
५. ३० र	५३२७	२५५.९६	२०२.४३	५.७५	२४८.७३	०.४५८७	२२४.०७	२४८.५१	६.६३	४७.४५	१५.१४
६. ३० र	५३२८	२६०.०५	२०६.५२	६.८९	२५१.५४	०.४५८७	२२६.९०	२५१.३२	७.२३	४८.६५	१५.४५
७. ३० र	५३२९	२६४.१५	२१०.६१	८.०३	२५४.३८	०.४५८७	२२९.७४	२५४.१८	७.८३	४९.८४	१६.१६
८. ३० र	५३३०	२६८.२४	२१४.७०	९.१९	२५७.२५	०.४५८७	२३२.६६	२५७.०४	८.४३	५१.०३	१६.४७
९. ३० र	५३३१	२७२.३३	२१८.७९	१०.३०	२६०.१३	०.४५८७	२३५.५१	२५९.९४	९.०३	५२.२२	१७.१८
१०. ३० र	५३३२	२७६.४२	२२२.८८	११.४६	२६३.०६	०.४५८७	२३८.४२	२६२.८८	९.६३	५३.४१	१७.४९
११. ३० र	५३३३	२८०.५२	२२६.९८	१२.६०	२६६.०२	०.४५८७	२४१.३८	२६५.८५	१०.२३	५४.६०	१७.८०
१२. ३० र	५३३४	२८४.६१	२३१.०७	१३.७५	२६९.०२	०.४५८७	२४४.३८	२६८.८७	१०.८३	५५.७९	१८.११
१३. ३० र	५३३५	२८८.७०	२३५.१६	१४.९०	२७२.०८	०.४५८७	२४७.४४	२७१.९६	११.४३	५६.९८	१८.४२
१४. ३० र	५३३६	२९२.७९	२३९.२५	१६.०६	२७५.१७	०.४५८७	२५०.५३	२७५.०५	१२.०३	५८.१७	१९.१०
१५. ३० र	५३३७	२९६.८८	२४३.३५	१७.२१	२७८.२४	०.४५८७	२५३.६०	२७८.१२	१२.६३	५९.३६	१९.४१
१६. ३० र	५३३८	३००.९८	२४७.४४	१८.३६	२८१.३५	०.४५८७	२५६.६९	२८१.२६	१३.२३	६०.५५	१९.७२
१७. ३० र	५३३९	३०५.०७	२५१.५३	१९.५०	२८४.४४	०.४५८७	२५९.७८	२८४.३८	१३.८३	६१.७४	२०.०३
१८. ३० र	५३४०	३०९.१६	२५५.६२	२०.६५	२८७.५३	०.४५८७	२६२.८७	२८७.४७	१४.४३	६२.९३	२०.३४
१९. ३० र	५३४१	३१३.२५	२५९.७१	२१.८०	२९०.६२	०.४५८७	२६५.९६	२९०.५६	१५.०३	६४.१२	२०.६५
२०. ३० र	५३४२	३१७.३५	२६३.८०	२२.९५	२९३.७१	०.४५८७	२६९.०५	२९३.६५	१५.६३	६५.३१	२०.९६
२१. ३० र	५३४३	३२१.४४	२६७.८९	२४.१०	२९६.८०	०.४५८७	२७२.१४	२९६.७४	१६.२३	६६.५०	२१.२७

● ● ●

कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का बेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट मह			गति	भूमध्य दृश्य शर			गति	साफनवीस	विषुवांश			गति	विषुवकाल	क्रांति		गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लघन काल				
	रा.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	
२३	१४	१८	४१	३४	—	१९	०	७	२१७	१७	२१४	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	४२	१२	४४
२४	१४	१९	४२	३५	—	१९	०	७	२१८	१७	२१५	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	४३	१२	४५
२५	१४	१७	४३	३६	—	१९	०	७	२१९	१७	२१६	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	४४	१२	४६
२६	१४	१९	४४	३७	—	१९	०	७	२२०	१७	२१७	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	४५	१२	४७
२७	१४	२०	४५	३८	—	१९	०	७	२२१	१७	२१८	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	४६	१२	४८
२८	१४	२१	४६	३९	—	१९	०	७	२२२	१७	२१९	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	४७	१२	४९
२९	१४	२२	४७	४०	—	१९	०	७	२२३	१७	२२०	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	४८	१२	५०
३०	१४	२५	४०	४२	—	१९	०	७	२२४	१७	२२१	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	४९	१२	५१
३१	१४	२६	४२	४३	—	१९	०	७	२२५	१७	२२२	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	५०	१२	५२
३२	१४	२८	४३	४४	—	१९	०	७	२२६	१७	२२३	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	५१	१२	५३
३३	१४	२९	४४	४५	—	१९	०	७	२२७	१७	२२४	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	५२	१२	५४
३४	१४	३०	४५	४६	—	१९	०	७	२२८	१७	२२५	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	५३	१२	५५
३५	१४	३१	४६	४७	—	१९	०	७	२२९	१७	२२६	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	५४	१२	५६
३६	१४	३२	४७	४८	—	१९	०	७	२३०	१७	२२७	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	५५	१२	५७
३७	१४	३३	४८	४९	—	१९	०	७	२३१	१७	२२८	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	५६	१२	५८
३८	१४	३४	४९	५०	—	१९	०	७	२३२	१७	२२९	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	५७	१२	५९
३९	१४	३५	५०	५१	—	१९	०	७	२३३	१७	२३०	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	५८	१२	६०
४०	१४	३६	५१	५२	—	१९	०	७	२३४	१७	२३१	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	५९	१२	६१
४१	१४	३७	५२	५३	—	१९	०	७	२३५	१७	२३२	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	६०	१२	६२
४२	१४	३८	५३	५४	—	१९	०	७	२३६	१७	२३३	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	६१	१२	६३
४३	१४	३९	५४	५५	—	१९	०	७	२३७	१७	२३४	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	६२	१२	६४
४४	१४	४०	५५	५६	—	१९	०	७	२३८	१७	२३५	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	६३	१२	६५
४५	१४	४१	५६	५७	—	१९	०	७	२३९	१७	२३६	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	६४	१२	६६
४६	१४	४२	५७	५८	—	१९	०	७	२४०	१७	२३७	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	६५	१२	६७
४७	१४	४३	५८	५९	—	१९	०	७	२४१	१७	२३८	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	६६	१२	६८
४८	१४	४४	५९	६०	—	१९	०	७	२४२	१७	२३९	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	६७	१२	६९
४९	१४	४५	६०	६१	—	१९	०	७	२४३	१७	२४०	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	६८	१२	७०
५०	१४	४६	६१	६२	—	१९	०	७	२४४	१७	२४१	५९	१२	२९	५०	१३	२३	३६	१५	६९	१२	७१

● 漢書

मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का विधेय गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनयोग	विषुवांश	गति	विषुवांक	क्रांति	गति	इन्दौर सहर का यागोत्तर लंघन काल
	रा. अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.
२१७	२४ २४ ४१	१ ३	२ ३३	० ०	२५९	२४ २५८	१ ३	२ १	४३	२	२५ ४२०
२२	७ ७ ३७	१ ९	२ ३३	० ०	२६०	२४ २५९	१ ३	१ ७	४३	१६	२५ ४४
२३	७ ७ ४६	१ ८	२ ३२	० ०	२६१	२४ २६०	१ ३	१ ६	४३	२९	२५ ४६
२४	७ ७ ५४	१ ८	२ ३१	० ०	२६२	२४ २६१	१ ३	१ ६	४३	२९	२५ ४८
२५	७ ७ ५९	१ ५	२ ३०	० ०	२६३	२४ २६२	१ ३	१ ७	४३	५३	२५ ४९
२६	७ ७ ५९	१ ५	२ २९	० ०	२६४	२४ २६३	१ ३	१ ७	४३	५३	२५ ५०
२७	७ ७ ५९	१ ५	२ २९	० ०	२६५	२४ २६४	१ ३	१ ७	४३	५३	२५ ५०
२८	७ ७ ५७	१ ५	२ २९	० ०	२६६	२४ २६५	१ ३	१ ७	४३	५३	२५ ५०
२९	७ ७ ५५	१ ५	२ २९	० ०	२६७	२४ २६६	१ ३	१ ७	४३	५३	२५ ५०
३०	५ १६	+	३४	२	२६८	२४ २६७	१ ५	३०	४४	४१	२५ ५३
३१	५ ५	०	३७	१	२६९	२४ २६८	१ ५	३०	४४	४१	२५ ५३
३२	५ १७	१	४०	१	२७०	२४ २६९	१ ५	३०	४४	५२	२५ ५८
३३	५ ३६	१	४३	१	२७१	२४ २७०	१ ५	२९	४४	५६	२४ ५०
३४	५ ५७	+	४६	१	२७२	२४ २७१	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
३५	५ ५८	१	४७	१	२७३	२४ २७२	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
३६	५ ५८	१	४७	१	२७४	२४ २७३	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
३७	५ ५८	१	४७	१	२७५	२४ २७४	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
३८	५ ५८	१	४७	१	२७६	२४ २७५	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
३९	५ ५८	१	४७	१	२७७	२४ २७६	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
४०	५ ५८	१	४७	१	२७८	२४ २७७	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
४१	५ ५८	१	४७	१	२७९	२४ २७८	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
४२	५ ५८	१	४७	१	२८०	२४ २७९	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
४३	५ ५८	१	४७	१	२८१	२४ २८०	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
४४	५ ५८	१	४७	१	२८२	२४ २८१	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
४५	५ ५८	१	४७	१	२८३	२४ २८२	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३
४६	५ ५८	१	४७	१	२८४	२४ २८३	१ ५	२९	४४	५८	२४ ५३

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ ई पाँच शुद्ध और कृष्णपक्ष का बुध का वेष गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रमाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकण	पातोत	राश म. मह	राश म.घर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल	
			अ.	अं.	अ.	अं.	अ.	अं.	अं.क.	अं.	अं.		
२१	३०	शु	५३७३	८४.२१	३०.३७	१५.२०	९९.४१	०.३२४३	७४.७७	९९.२६	६४५	२१३.७४	१४ ९
२२	१	शु	५३७४	८८.३०	३४.७६	१८.१२	१०५.०३	०.३२८६	८०.३९	१०४.९३	६५४	२१८.३९	१५ ४२
२३	२	शु	५३७५	९२.३९	३८.८६	२०.१२	११०.५१	०.३३३३	८५.८७	११०.४७	६५९	२२२.९२	१६ ४
२४	३	शु	५३७६	९६.४८	४२.९५	२१.३६	११५.८४	०.३३८४	९१.२०	११५.८२	७०	२२७.२५	१८ ५४
२५	४	शु	५३७७	१००.५८	४७.०४	२२.४२	१२१.००	०.३४३६	९६.३६	१२१.०४	६५५	२३१.४६	१९ १५
२६	५	शु	५३७८	१०४.६७	५१.१४	२३.३३	१२६.००	०.३४९१	१०१.३६	१२६.०३	६५२	२३५.५४	२० ७
२७	६	शु	५३७९	१०८.७६	५५.२३	२४.०८	१३०.८४	०.३५४७	१०६.२०	१३०.२४	६४३	२३९.३३	२० ४९
२८	७	शु	५३८०	११२.८६	५९.३२	२४.६९	१३५.५५	०.३६०५	११०.९१	१३५.६९	६३९	२४३.०४	२१ १४
२९	८	शु	५३८१	११६.९५	६३.४१	२५.१४	१४०.०९	०.३६६०	११५.२५	१४०.२५	६३९	२४६.५८	२१ ५४
३०	९	शु	५३८२	१२१.०४	६७.५०	२५.४५	१४४.४९	०.३७२०	११९.८५	१४४.६७	६३४	२४९.९८	२२ १३
३१	१०	शु	५३८३	१२५.१३	७१.६०	२६.०६	१४८.७६	०.३७७८	१२४.१२	१४८.९५	५४४	२५३.१५	२२ २९
१	११	शु	५३८४	१२९.२३	७५.६९	२६.६८	१५२.९१	०.३८३६	१२८.२७	१५३.११	५२९	२५६.३८	२२ ३९
२	१२	शु	५३८५	१३३.३२	७९.७६	२७.२१	१५६.९३	०.३८७९	१३२.२९	१५७.१४	५२०	२५९.४०	२२ ४१
३	१३	शु	५३८६	१३७.४१	८३.८७	२७.४२	१६०.८३	०.३९४८	१३६.१०	१६१.१०	५१०	२६२.२७	२२ ४९
४	१४	शु	५३८७	१४१.५०	८७.९६	२७.९२	१६४.६२	०.४००४	१३९.९८	१६४.८३	४३०	२६५.०५	२२ ४९
५	१५	शु	५३८८	१४५.५९	९२.०६	२८.७२	१६८.३३	०.४०५७	१४३.६७	१६८.५५	४२८	२६७.७३	२२ ४४
६	१६	शु	५३८९	१४९.६९	९६.१५	२९.२४	१७२.१३	०.४१०९	१४७.२९	१७२.२९	४२४	२७०.३०	२२ ३४
७	१७	शु	५३९०	१५३.७८	१००.२४	२९.६५	१७५.४३	०.४१६५	१५०.७९	१७५.६६	४२०	२७३.७९	२२ २९
८	१८	शु	५३९१	१५७.८७	१०४.३३	२९.०८	१७८.९५	०.४२०८	१५४.३३	१७९.०४	४१६	२७७.१८	२२ १९
९	१९	शु	५३९२	१६१.९६	१०८.४२	२९.०४	१८२.००	०.४२५४	१५७.७४	१८२.२७	४१२	२८०.४९	२२ ११
१०	२०	शु	५३९३	१६६.०५	११२.५२	२९.४४	१८५.४९	०.४२९९	१६०.८५	१८५.६४	४०८	२८३.७४	२२ ५१
११	२१	शु	५३९४	१७०.१५	११६.६१	२८.५६	१८८.७१	०.४३४०	१६४.०७	१८८.८४	४०५	२८६.९२	२१ ३५
१२	२२	शु	५३९५	१७४.२४	१२०.७०	२८.३३	१९१.८७	०.४३८०	१६७.२३	१९१.९७	४०३	२८९.०३	२१ १८
१३	२३	शु	५३९६	१७८.३३	१२४.७९	२८.६३	१९५.९६	०.४४२६	१७०.३२	१९५.०५	४०१	२९१.०९	२० ५९
१४	२४	शु	५३९७	१८२.४२	१२८.८९	२८.५५	१९८.०१	०.४४५२	१७३.३७	१९८.०६	४०१	२९३.०८	२० ५९
१५	२५	शु	५३९८	१८६.५२	१३२.९८	२८.५१	२०१.०३	०.४४८५	१७६.३९	२०१.०७	४०२	२९५.०८	२० १९
१६	२६	शु	५३९९	१९०.६१	१३७.०७	२८.३७	२०३.९८	०.४५१४	१७९.३४	२०४.००	४०५	२९६.५७	१९ ५७
१७	२७	शु	५४००	१९४.७०	१४१.१६	२८.२१	२०६.९१	०.४५४२	१८२.२७	२०६.१०	४०४	२९८.३७	१९ ३१
१८	२८	शु	५४०१	१९८.७९	१४५.२५	२८.०१	२०९.९०	०.४५६७	१८५.१६	२०९.७९	४०३	२९९.७४	१९ १५
१९	२९	शु	५४०२	२०२.८८	१४९.३४	२७.७९	२१२.७७	०.४५८९	१८८.०३	२१२.६३	४०५	३०१.७५	१८ ४७
२०	३०	शु	५४०३	२०६.९८	१५३.४४	२७.५३	२१५.५१	०.४६०८	१९०.८७	२१५.४४	४०१	३०३.७६	१८ ५५

क्र.	भूमध्य रुद्ध ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनमास	विषुवांश	गति	विषुवकांश	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याग्योत्तर लंबन काल
	रा. अं. क.	क.	अं. क.	क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प. र. प. र. घ. मि.
१७	२१ २२	० २२	२ ५८	३	२५४ २२	२५३ २५	३४ ४२	१४	१९ १७	२ २२	२४ ११ २५
१८	२० ५०	० २१	३ १	०	२५३ ५०	२५२ ५१	२२ ४२	९-१९	१५	१ २२	१० ११ १९
१९	२० २०	० १९	३ १	०	२५३ २०	२५२ २१	१० ४२	५-१९	१५	१ ११	५६ ११ १४
२०	२० २०	० १८	२ ५६	०	२५३ २०	२५२ २१	१० ४२	३-१९	१५	१ ११	४४ ११ ५
२१	२० २०	० १८	२ ५६	०	२५३ २०	२५२ २१	१० ४२	३-१९	१५	१ ११	३४ ११ ५
२२	२० ४८	० १८	२ ४७	०	२५३ ४८	२५२ ४७	१८ ४२	१९ ५०	० ११	१ ११	२६ ११ १५
२३	२१ १५	० २७	२ ४१	०	२५४ १५	२५३ १६	२८ ४२	२० ००	० ११	१ ११	१६ १० ५६
२४	२१ ४९	० ३४	२ ३४	०	२५४ ४९	२५३ ४९	३४ ४२	२८ १७	१५	१ ११	१० १० ५५
२५	२२ २८	० ४५	२ २७	०	२५५ २८	२५४ ३०	४७ ४२	२५ ००	२९	१ ११	७ १० ५४
२६	२२ १३	० ५२	२ १९	०	२५५ १३	२५४ १७	५४ ४२	३३ २०	४४	१ ११	५ १० ५३
२७	२४ ५९	० ५८	२ ५४	०	२५७ ५९	२५७ ८	५७ ४२	५१ २१	० ११	१ ११	३ १० ५२
२८	२५ ५८	१ १	१ ४५	०	२५८ ५७	२५८ ९	५ ४३	२ २१	३२	१ ११	४ १० ५३
२९	२८ २	१ ४	१ ३६	०	२५९ २	२५९ २२	५ ४३	२४ २२	१	१ ११	७ १० ५४
३०	२९ ७	१ १०	१ २८	०	२६० ७	२६० २३	१६ ४३	३६ २२	१५	१ ११	९ १० ५५
३१	३० ३३	१ १५	१ १९	०	२६१ ३३	२६१ ३०	१९ ४३	४८ २२	२९	१ ११	११ १० ५७
३२	३१ ४	१ १६	१ ११	०	२६१ ४	२६१ ३०	२० ४४	१५ २२	४०	१ ११	१८ १० ५८
३३	३२ २१	१ १७	१ ४३	०	२६२ २१	२६२ ४१	२० ४४	२१ २२	४१	१ ११	२२ ११ १
३४	३३ ३९	१ १८	१ ३५	०	२६३ ३९	२६३ ४२	२० ४४	५७ २३	४३	१ ११	३१ ११ ३
३५	३४ ५८	१ २१	१ २६	०	२७० ५८	२७० १०	२९ ४५	२२ २३	२२	१ ११	३६ ११ ५
३६	३५ १०	१ २२	१ १८	०	२७१ ३५	२७१ ३९	३९ ४५	२७ २३	२३	१ ११	४१ ११ ७
३७	३६ ४	१ २३	१ १०	०	२७१ ४	२७१ ४०	३९ ४५	५७ २३	३३	१ ११	५१ ११ १२
३८	३७ २८	१ २४	१ ०	०	२७१ २८	२७१ ४०	३९ ४६	२७ २३	३३	१ ११	५६ ११ १५
३९	३८ १४	१ २५	१ १	०	२७७ ३८	२७७ ४२	३९ ४६	२७ २३	३३	१ ११	६१ ११ १४
४०	३९ १७	१ २६	१ १	०	२७७ ३९	२७७ ४३	३९ ४६	४२ २३	३३	१ ११	७ ११ १८
४१	४० ४३	१ २७	१ १	०	२						

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ.

माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध भवित ।

ता.	ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	अध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोम	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीर्षकेंद्र	शीर्षफल	
			अ.	अ	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ	अ. क	
२०	३०	बु	५४०३	२०६-१८	१५३-४४	८-५३	२१५-५१	०-४६०८	१९०-८७	२१५-४४	-११९	२९९-३६	-१८
२१	१	श	५४०४	२११-०७	१५७-५३	+ ७-२६	२१८-३३	०-४६२५	१९३-६९	२१८-२४	१३९	३०१-१४	१७
२२	२	र	५४०५	२१५-१६	१६१-६२	५-१५	२२१-११	०-४६३९	१९६-४७	२२१-०२	११९	३०३-१०	१७
२३	३	च	५४०६	२१९-२५	१६५-७१	४-६५	२२३-१०	०-४६५०	१९९-२६	२२३-७९	२१९	३०४-६५	१७
२४	४	मं	५४०७	२२३-३५	१६९-८१	३-३४	२२६-६९	०-४६५९	२०२-०५	२२६-५४	२३८	३०६-१९	१६
२५	५	शु	५४०८	२२७-४४	१७३-९०	२-००	२२९-४४	०-४६६८	२०४-८०	२२९-२९	२५६	३०८-२४	१६
२६	६	यु	५४०९	२३१-५४	१७७-९९	+ ०-६६	२३२-२०	०-४६६७	२०७-५६	२३२-०३	३१४	३०९-४४	१५
२७	७	शु	५४१०	२३५-६३	१८१-०८	- ०-७०	२३४-९३	०-४६६७	२१०-२९	२३४-७८	३३१	३११-१८	१५
२८	८	श	५४११	२३९-७२	१८६-१८	२-०३	२३७-६९	०-४६६४	२१३-०५	२३७-५१	३४३	३१३-२९	१४
२९	९	र	५४१२	२४३-८१	१९०-२७	३-३६	२४०-४५	०-४६५९	२१५-८१	२४०-२७	४५३	३१५-०३	१४
३०	१०	च	५४१३	२४७-९०	१९४-३६	४-६७	२४३-२३	०-४६५०	२१८-५९	२४३-०४	४७३	३१६-७९	१३
३१	११	मं	५४१४	२५१-००	१९८-४५	५-१७	२४६-०३	०-४६३९	२२१-३९	२४५-८१	४९७	३१८-५४	१२
३२	१२	शु	५४१५	२५६-०९	२०२-५५	७-२८	२४८-८१	०-४६२५	२२४-१७	२४८-६१	४५२	३२०-३३	१२
३३	१३	यु	५४१६	२६०-१८	२०६-६४	८-५५	२५१-६३	०-४६०८	२२६-१९	२५१-४१	५७३	३२२-११	११
३४	१४	श	५४१७	२६४-२७	२१०-७३	९-८१	२५४-४६	०-४५८८	२२९-८२	२५४-२५	५९२	३२३-१४	११
३५	१५	र	५४१८	२६८-३६	२१४-८३	११-०३	२५७-३३	०-४५६७	२३२-६९	२५७-११	५३४	३२५-०८	११
३६	१६	च	५४१९	२७२-४६	२१८-९२	१२-२३	२६०-२३	०-४५४१	२३५-५९	२६०-०१	५५६	३२७-६७	१०
३७	१७	मं	५४२०	२७६-५५	२२३-०१	१३-३९	२६३-१६	०-४५१४	२३८-५९	२६३-०१	५७६	३२९-११	९
३८	१८	शु	५४२१	२८०-६४	२२७-१०	१४-५३	२६६-११	०-४४८४	२४१-४७	२६६-१३	६०६	३३१-१६	८
३९	१९	यु	५४२२	२८४-७३	२३१-१९	१५-६२	२६९-११	०-४४५९	२४४-४७	२६८-१५	६२२	३३३-५७	८
४०	२०	श	५४२३	२८८-८२	२३५-२९	१६-६६	२७२-१६	०-४४३६	२४७-५७	२७२-०१	६४८	३३५-३२	७
४१	२१	र	५४२४	२९२-९२	२३९-३८	१७-६५	२७५-२७	०-४४१३	२५०-६३	२७५-१४	६६९	३३७-०४	६
४२	२२	च	५४२५	२९७-०१	२४३-४७	१८-५७	२७८-४४	०-४३३९	२५३-८०	२७८-३०	६९३	३३९-०८	६
४३	२३	मं	५४२६	३०१-१०	२४७-५६	१९-४५	२८१-१५	०-४२९८	२५७-०१	२८१-५५	७१९	३४१-१२	५
४४	२४	शु	५४२७	३०५-१९	२५१-६६	२०-२५	२८४-१४	०-४२५३	२६०-३०	२८४-८७	७४४	३४३-४३	४
४५	२५	यु	५४२८	३०९-२९	२५५-७५	२१-००	२८८-२९	०-४२०७	२६३-६५	२८८-१७	७६५	३४५-०९	३
४६	२६	र	५४२९	३१३-३८	२५९-८४	२१-६६	२९१-७२	०-४१५८	२६७-०८	२९१-७०	७८७	३४७-१४	३
४७	२७	च	५४३०	३१७-४७	२६३-९४	२२-२५	२९५-२२	०-४१०८	२७०-५८	२९५-२४	८०९	३४९-१७	२
४८	२८	मं	५४३१	३२१-५६	२६७-०३	२२-७३	२९८-८३	०-४०५६	२७४-७९	२९८-८७	८३१	३५१-२१	१
४९	२९	शु	५४३२	३२५-६६	२७१-१२	२३-१३	३०२-५३	०-४००३	२७७-८९	३०२-५८	८५३	३५३-०५	०
५०	३०	र	५४३३	३२९-७५	२७५-२१	२३-४३	३०६-३२	०-३९४७	२८१-६८	३०६-४२	८७५	३५५-१२	- ०

३३७

माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य रश्मि	गति	भूमध्य दृश्य श.	गति	सायन मार्ग	विषुवांश	गति	विषुवांश	क्रांति	गति	हन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काळ
	॥ अ. क.	अं. क.	अ. क.	अं. क.	अ. क.	अ. क.	अं. क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प. स्ट. घ. म.
२०	८ १७ ४३	+ १ २७	- ० २८	८ २८ १	८ २८ १	८ २८ १	४ ३	५८	- २३ ३२	०	१ २२ १ १ १ २०
२१	८ १९ १०	१ २८	० ३६	८ २८ २	८ २८ २	८ २८ २	४ ३	५८	२३ ३०		१ २२ १ १ २ २२
२२	८ २० २८	१ २८	० ४२	८ २८ ३	८ २८ ३	८ २८ ३	४ ३	५७	२३ २७		१ २२ १ १ २ २५
२३	८ २२ ६	१ २८	० ४९	८ २८ ४	८ २८ ४	८ २८ ४	४ ३	५७	२३ २४		१ २२ १ १ २ २७
२४	८ २३ २५	१ २९	० ५६	८ २८ ५	८ २८ ५	८ २८ ५	४ ३	५८	२३ २१		१ २२ ३६ १ २ २९
२५	८ २५ ५	१ २९	१ ०	८ २८ ६	८ २८ ६	८ २८ ६	४ ३	५८	२३ १७		१ २२ ४३ १ ३ २२
२६	८ २६ ४४	१ ३०	१ १	८ २८ ७	८ २८ ७	८ २८ ७	४ ३	५८	२३ १४		१ २२ ४७ १ ३ २४
२७	८ २८ ५	१ ३०	१ १४	८ २८ ८	८ २८ ८	८ २८ ८	४ ३	५८	२३ ११		१ २२ ५६ १ ३ २७
२८	८ २९ ३७	१ ३१	१ १९	८ २८ ९	८ २८ ९	८ २८ ९	४ ३	५७	२३ ८		१ २२ १ ३ ३०
२९	९ १ १०	+ १ ३१	- १ २५	९ १ १०	९ १ १०	९ १ १०	४ ३	५७	२३ ५		१ २३ १ ३ ३३
३०	९ १ ४७	१ ३१	१ ३०	९ १ ११	९ १ ११	९ १ ११	४ ३	५७	२३ ३		१ २३ १ ३ ३६
३१	९ १ ८४	१ ३१	१ ३७	९ १ १२	९ १ १२	९ १ १२	४ ३	५७	२३ १		१ २३ १ ३ ४०
३२	९ १ ५०	१ ३१	१ ४३	९ १ १३	९ १ १३	९ १ १३	४ ३	५८	२३ ५८		१ २३ १ ३ ४३
३३	९ १ ७ २०	१ ३१	१ ४७	९ १ १४	९ १ १४	९ १ १४	४ ३	५८	२३ ५६		१ २३ १ ३ ४६
३४	९ १ ३०	१ ३१	१ ५३	९ १ १५	९ १ १५	९ १ १५	४ ३	५७	२३ ५३		१ २३ १ ३ ५०
३५	९ १ ५०	१ ३१	१ ५०	९ १ १६	९ १ १६	९ १ १६	४ ३	५७	२३ ५०		१ २३ १ ३ ५३
३६	९ १ ५०	१ ३१	१ ५०	९ १ १७	९ १ १७	९ १ १७	४ ३	५७	२३ ४७		१ २३ १ ३ ५६
३७	९ १ ५०	१ ३१	१ ५०	९ १ १८	९ १ १८	९ १ १८	४ ३	५७	२३ ४५		१ २३ १ ३ ५९
३८	९ १ ५०	१ ३१	१ ५०	९ १ १९	९ १ १९	९ १ १९	४ ३	५७	२३ ४३		१ २३ १ ३ ६२
३९	९ १ ५०	१ ३१	१ ५०	९ १ २०	९ १ २०	९ १ २०	४ ३	५७	२३ ४०		१ २३ १ ३ ६५
४०	९ १ ५०	१ ३१	१ ५०	९ १ २१	९ १ २१	९ १ २१	४ ३	५७	२३ ३७		१ २३ १ ३ ६८
४१	९ १ ५०	१ ३१	१ ५०	९ १ २२	९ १ २२	९ १ २२	४ ३	५७	२३ ३५		१ २

फरवरी-मार्च सन १९३९ ई

फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित ।

ता. ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन्न	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं.	अं क.	अं.	अं क.
१९ ३० र	५४३३	३२९.५५	२७६ २१	२३.४३	३०६.३२	०.३९४७	२८१.६८	३०६.४२	-६ ५१	३५९.९२	- ० १
२० १ अं	५४३४	३३३.६८	२८०.३०	२३.६१	३१०.२३	०.३८९७	२८५.५९	३१०.३५	६ ४४	२८४	+ ० ७
२१ २ अं	५४३५	३३७.९३	२८४.४०	२३.६८	३१४.२५	०.३८३४	२८९.६१	३१४.३८	६ ३६	५८७	१ ३८
२२ ३ बु	५४३६	३४२.०३	२८८.४८	२३.६९	३१८.४०	०.३७७३	२९३.७६	३१८.५५	६ २४	९०३	२ ३०
२३ ४ गु	५४३७	३४६.१२	२९२.५८	२३.४५	३२२.६७	०.३७१९	२९८.०३	३२२.८४	६ १०	१२०१	३ २१
२४ ५ शु	५४३८	३५०.२१	२९६.६७	२३.१३	३२७.०८	०.३६६१	३०२.४४	३२७.११	५ ५५	१५.७५	४ ८
२५ ६ श	५४३९	३५४.३०	३००.७६	२२.६८	३३१.६२	०.३६०५	३०६.९८	३३१.८३	५ ४६	१९.२९	५ ७
२६ ७ र	५४४०	३५८.४०	३०४.८५	२२.०७	३३६.३३	०.३५४६	३११.६९	३३६.५४	५ ३४	२२.९९	६ ०
२७ ८ अं	५४४१	३६२.४९	३०८.९५	२१.३१	३४१.१८	०.३४९०	३१६.५४	३४१.४०	-४ ४९	२६.८५	+ ६ ५४
२८ ९ म	५४४२	३६६.५८	३१३.०४	२०.४०	३४६.१८	०.३४३६	३२१.५४	३४६.४१	४ ४२	३०.८६	७ ५२
२९ १० म	५४४३	३७०.६७	३१७.१३	१९.३३	३५१.२५	०.३३८२	३२६.५३	३५१.८९	४ ३५	३४.८९	८ ४१
३० ११ शु	५४४४	३७४.७७	३२१.२२	१८.१०	३५६.३७	०.३३३३	३३१.२०	३५६.७५	३ २७	३९.१९	९ ३३
३१ १२ गु	५४४५	३७८.८६	३२५.३२	१६.७३	३६१.४९	०.३२८५	३३६.७५	३६१.३१	३ २४	४३.७३	१० २८
३२ १३ श	५४४६	३८२.९५	३२९.४१	१५.१७	३६६.५७	०.३२३९	३४१.३१	३६६.९०	२ २०	४८.३३	११ २१
३३ १४ र	५४४७	३८७.०५	३३३.५०	१३.४८	३७१.५७	०.३१९२	३४६.८९	३७१.६५	१ २१	५३.८८	१२ ०
३४ १५ अं	५४४८	३९१.१४	३३७.६०	११.६६	३७६.५८	०.३१४६	३५१.८४	३७६.५३	-० ३८	५८.९६	+ १३ १
३५ १६ म	५४४९	३९५.२३	३४१.७०	९.७०	३८१.५३	०.३१०३	३५६.८५	३८१.५५	+० ६	६३.९५	१४ ५०
३६ १७ बु	५४५०	३९९.३२	३४५.७८	७.६५	३८६.५३	०.३०६३	३६१.८६	३८६.५६	० ५१	६८.८८	१५ ३६
३७ १८ गु	५४५१	४०३.४२	३४९.८७	५.५१	३९१.५३	०.३०२५	३६६.८७	३९१.५७	१ ३६	७३.८४	१६ १९
३८ १९ शु	५४५२	४०७.५१	३५३.९६	३.३१	३९६.५०	०.३०८२	३७१.५६	३९६.५८	२ २१	७८.४९	१७ १६
३९ २० श	५४५३	४११.६०	३५८.०६	१.०७	४०१.५१	०.३०३७	३७६.५५	४०१.५९	३ १७	८३.७८	१८ ३५
४० २१ र	५४५४	४१५.६९	३६२.१५	- १.१८	४०६.५७	०.३००६	३८१.५३	४०६.६९	३ ४०	८९.१२	१९ ७
४१ २२ अं	५४५५	४१९.७८	३६६.२४	+ ३.४२	४११.६०	०.३०८३	३८६.५६	४११.००	+४ २२	९४.४३	+ १९ ३५
४२ २३ म	५४५६	४२३.८७	३७०.३३	५.०१	४१६.५८	०.३०५५	४११.५८	४१६.५९	४ ५४	९९.७३	१९ ५७
४३ २४ बु	५४५७	४२७.९७	३७४.४३	७.०५	४२१.५७	०.३०१५	४१६.५९	४२१.५९	५ २७	१०४.७३	१८ १३
४४ २५ गु	५४५८	४३२.०६	३७८.५२	९.०१	४२६.५७	०.३०१९	४२१.५९	४२६.५९	५ ५३	१०९.११	१८ २३
४५ २६ शु	५४५९	४३६.१५	३८२.६१	११.०५	४३१.५७	०.३०१०	४२६.५९	४३१.५९	६ २५	११५.१९	१८ २७
४६ २७ श	५४६०	४४०.२५	३८६.७०	१३.०५	४३६.५७	०.३००१	४३१.५९	४३६.५९	६ ५१	१२०.१९	१८ २९
४७ २८ र	५४६१	४४४.३४	३९०.८०	१५.०५	४४१.५९	०.३००४	४३६.५९	४४१.५९	७ २७	१२५.१९	१८ ११
४८ २९ अं	५४६२	४४८.४३	३९४.८९	१६.०५	४४६.५९	०.३००८	४४१.५९	४४६.५९	७ ५४	१२९.५९	१८ २
४९ ३० म	५४६३	४५२.५२	३९८.९८	+ १६.१५	४५१.५९	०.३००३	४४६.५९	४५१.५९	८ २०	१३४.५९	१७ ७

बुध

१३९

फरवरी-मार्च सन १९३९ इ.

फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्थल ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य क्षर	गति	न मि	विषुवांश	गति	ह विषुवांश	गति	काति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल
	रा. अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	स्टैं. घ. मि.
१९	१० १ २९	१ ५०	१ ५७	० २२	२९ २९	३३२ १४	१ ४५	५५ २२	१३ ४५	० ४४	१५ ४१	१२ ४४
२०	१० ८ १९	१ ५०	१ ५४	० २३	२९ २९	३३३ ५९	१ ४५	५५ ४०	१३ ४५	० ४४	१५ ४९	१२ ४७
२१	१० १० ९	१ ५२	१ ५१	० २३	२९ २९	३३५ ४५	१ ४५	५५ ५७	१२ ४३	० ४८	१५ ५६	१२ ४९
२२	१० १२ १	१ ५२	१ ४७	० २४	२९ २९	३३७ ३०	१ ४५	५६ १५	११ २५	० ५०	१६ ५	१२ ५३
२३	१० १३ ५३	१ ५२	१ ४३	० २४	२९ २९	३३९ १६	१ ४५	५६ ३३	१० ३५	० ५०	१६ २०	१२ ५६
२४	१० १५ ४५	१ ५२	१ ३९	० २४	२९ २९	३४१ १	१ ४५	५६ ५०	९ ४७	० ५१	१६ २०	१२ ५९
२५	१० १७ ३८	१ ५४	१ ३०	० २४	२९ २९	३४३ ४५	१ ४४	५७ ८	८ ५८	० ५१	१६ २७	१३ ५
२६	१० १९ ३२	१ ५४	१ २४	० २४	२९ २९	३४५ २८	१ ४२	५७ २५	८ ९	० ५०	१६ ३५	१३ २
२७	१० २१ २६	१ ५४	१ १७	० २४	२९ २९	३४७ १०	१ ४२	५७ ४२	७ १९	० ५१	१६ ४२	१३ ८
२८	१० २३ २०	१ ५४	१ ९	० २४	२९ २९	३४७ ५२	१ ४२	५७ ५९	६ २८	० ५२	१६ ४९	१३ ११
२९	१० २५ १४	१ ५४	१ १	० २४	२९ २९	३४९ ३४	१ ४२	५८ १६	५ ४८	० ५२	१६ ५७	१३ १४
३०	१० २७ ८	१ ५४	० ५२	० २४	२९ २९	३५१ १६	१ ४२	५८ ३३	४ ४३	० ५३	१७ ४	१३ १७
३१	१० २८ १	१ ५२	० ४२	० २४	२९ २९	३५३ ५७	१ ४०	५८ ५०	३ ४९	० ५५	१७ १३	१३ १९
३२	१० ३० ५३	१ ५२	० ३२	० २४	२९ २९	३५५ ३७	१ ४०	५९ १७	२ ५९	० ५५	१७ १७	१३ २२
३३	१० ३२ ४५	१ ५२	० २१	० २४	२९ २९	३५७ १५	१ ४०	५९ ३७	१ ५९	० ५५	१७ २४	१३ २५
३४	१० ३४ ३६	१ ५२	० १०	० २४	२९ २९	३५९ ५२	१ ३९	५९ ५९	१ ५	० ५६	१७ ३०	१३ २७
३५	१० ३६ २४	१ ५४	० ०	० २४	२९ २९	३६१ २७	१ ३९	५९ ५९	० ५	० ५६	१७ ३६	१३ २९
३६	१० ३८ ८	१ ५४	० १४	० २४	२९ २९	३६३ ८	१ ३९	५९ ५९	० १०	० ५७	१७ ४३	१३ ३२
३७	१० ४० ५३	१ ५४	० २७	० २४	२९ २९	३६५ २३	१ ३९	५९ ५९	० २५	० ५७	१७ ५५	१३ ३५
३८	१० ४२ ३३	१ ५४	० ४०	० २४	२९ २९	३६७ ५४	१ ३९	५९ ५९	० ४०	० ५७	१७ ५९	१३ ३८
३९	१० ४४ १३	१ ५४	० ५३	० २४	२९ २९	३६९ १९	१ ३९	५९ ५९	० ५५	० ५९	१८ १	१३ ३९
४०	१० ४६ ५३	१ ५४	१ ६	० २४	२९ २९	३७१ ४९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ ६	१३ ४१
४१	१० ४८ ४३	१ ५४	१ १९	० २४	२९ २९	३७३ १९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ ११	१३ ४३
४२	१० ५० ३३	१ ५४	१ ३३	० २४	२९ २९	३७५ ५९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ १५	१३ ४५
४३	१० ५२ २३	१ ५४	१ ४६	० २४	२९ २९	३७७ ३९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ १९	१३ ४७
४४	१० ५४ १३	१ ५४	१ ५९	० २४	२९ २९	३७९ १९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ २०	१३ ४७
४५	१० ५६ ३	१ ५४	२ ११	० २४	२९ २९	३८१ ५९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ २१	१३ ४८
४६	१० ५८ ५५	१ ५४	२ २२	० २४	२९ २९	३८३ ३९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ २२	१३ ४८
४७	१० ६० ४५	१ ५४	२ ३४	० २४	२९ २९	३८५ १९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ २३	१३ ४८
४८	१० ६२ ३५	१ ५४	२ ४५	० २४	२९ २९	३८७ ५९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ २४	१३ ४८
४९	१० ६४ २५	१ ५४	२ ५५	० २४	२९ २९	३८९ ३९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ २५	१३ ४८
५०	१० ६६ १५	१ ५४	३ ५	० २४	२९ २९	३९१ १९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ २६	१३ ४८
५१	१० ६८ ५	१ ५४	३ १५	० २४	२९ २९	३९३ ५९	१ ३९	५९ ५९	० ५९	० ५९	१८ २७	१३ ४८

अप्रैल सन १९३८ ई. चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित ।

ता.	ति. भा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीप्रकेंद्र
			अ.	अ.	अ.	अ.		अ.	अ.	अ. क.	अ.
३१	३० गु	५१०८	२९६-४२	३०६-०९	४ ६२	२९१-८०	५००६४	२१४-९७	२९१-७९	० ४५	५५-९०
१	१ रा	५१०९	२९६-५१	३०६-१७	४ ६२	२९१-८९	५००६३	२१५-०६	२९१-८८	० ४६	५५-७९
२	२ रा	५११०	२९६-५९	३०६-२५	४ ६२	२९१-९८	५००६३	२१५-१५	२९१-९७	० ४६	५५-६९
३	३ च	५१११	२९६-६७	३०६-३४	४ ६१	२९२-०६	५००६२	२१५-२३	२९२-०५	० ४५	५७-५९
४	४ च	५११२	२९६-७६	३०६-४२	४ ६१	२९२-१५	५००६२	२१५-३२	२९२-१४	० ४६	५८-४९
५	५ मं	५११३	२९६-८४	३०६-५१	४ ६१	२९२-२४	५००६१	२१५-४१	२९२-२३	० ४५	५९-३८
६	६ मं	५११४	२९६-९२	३०६-५९	४ ६०	२९२-३३	५००६१	२१५-४९	२९२-३१	० ४५	६०-२९
७	७ गु	५११५	२९७-००	३०६-६७	४ ६०	२९२-४१	५००६१	२१५-५८	२९२-४०	० ४५	६१-१८
८	८ रा	५११६	२९७-०९	३०६-७६	४ ५९	२९२-५०	५००६१	२१५-६६	२९२-४९	० ४५	६२-०८
९	९ रा	५११७	२९७-१७	३०६-८४	४ ५९	२९२-५८	५००६१	२१५-७५	२९२-५८	० ४६	६२-९८
१०	१० च	५११८	२९७-२५	३०६-९२	४ ५९	२९२-६७	५००६०	२१५-८४	२९२-६७	० ४६	६२-८७
११	११ च	५११९	२९७-३४	३०७-००	४ ५९	२९२-७६	५००६०	२१५-९३	२९२-७६	० ४६	६४-७६
१२	१२ मं	५१२०	२९७-४२	३०७-०८	४ ५८	२९२-८५	५००६०	२१६-०२	२९२-८५	० ४६	६५-६५
१३	१३ मं	५१२१	२९७-५०	३०७-१६	४ ५७	२९२-९३	५००६०	२१६-१०	२९२-९३	० ४६	६६-५५
१४	१४ गु	५१२२	२९७-५९	३०७-२५	४ ५७	२९२-०२	५००६०	२१६-१९	२९२-०२	० ४६	६७-४३
१५	१५ रा	५१२३	२९७-६७	३०७-३३	४ ५६	२९३-११	५००६०	२१६-२८	२९३-१०	० ४६	६८-३३
१६	१६ रा	५१२४	२९७-७६	३०७-४२	४ ५६	२९३-२०	५००६०	२१६-३७	२९३-१९	० ४६	६९-२३
१७	१७ च	५१२५	२९७-८४	३०७-५०	४ ५६	२९३-२८	५००६०	२१६-४५	२९३-२८	० ४६	७०-१२
१८	१८ च	५१२६	२९७-९२	३०७-५९	४ ५५	२९३-३७	५००६०	२१६-५४	२९३-३७	० ४६	७१-०१
१९	१९ मं	५१२७	२९८-००	३०७-६७	४ ५५	२९३-४६	५००६०	२१६-६३	२९३-४६	० ४६	७१-९१
२०	२० मं	५१२८	२९८-०८	३०७-७६	४ ५४	२९३-५५	५००६०	२१६-७२	२९३-५५	० ४७	७२-८१
२१	२१ गु	५१२९	२९८-१७	३०७-८३	४ ५४	२९३-६३	५००६०	२१६-८०	२९३-६३	० ४६	७३-७१
२२	२२ गु	५१३०	२९८-२५	३०७-९२	४ ५४	२९३-७२	५००६०	२१६-८९	२९३-७२	० ४६	७४-६१
२३	२३ रा	५१३१	२९८-३३	३०८-००	४ ५३	२९३-८१	५००६०	२१६-९७	२९३-८०	० ४७	७५-५४
२४	२४ रा	५१३२	२९८-४२	३०८-०८	४ ५२	२९३-९०	५००६०	२१७-०६	२९३-८९	० ४७	७६-४३
२५	२५ च	५१३३	२९८-५०	३०८-१७	४ ५२	२९३-९९	५००६०	२१७-१५	२९३-९८	० ४७	७७-३३
२६	२६ च	५१३४	२९८-५८	३०८-२५	४ ५१	२९४-०७	५००६०	२१७-२४	२९४-०६	० ४७	७८-२३
२७	२७ मं	५१३५	२९८-६६	३०८-३४	४ ५१	२९४-१६	५००६०	२१७-३३	२९४-१५	० ४७	७८-१३
२८	२८ मं	५१३६	२९८-७५	३०८-४२	४ ५०	२९४-२५	५००६०	२१७-४२	२९४-२४	० ४७	७९-०३
२९	२९ गु	५१३७	२९८-८३	३०८-५०	४ ४९	२९४-३३	५००६०	२१७-५१	२९४-३३	० ४७	८०-०३
३०	३० रा	५१३८	२९८-९१	३०८-५८	४ ४८	२९४-४२	५००६०	२१७-६०	२९४-४२	० ४८	८०-१३

चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवांश	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का
	ग. अ. क.	अ. क.	अ. क.	ग. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	च. प.	अ. क. अ. क.	च. प.	याम्योत्तर लंघन काल
	१.	२.	३.	४.	५.	६.	७.	८.	९.	१०.	स्ट. च.मि.
२३	१००	२	०	१२	०	३२०	१	३२५	३४	०	१८
२४	१००	१४	०	१२	०	३२३	३	३२८	३४	०	३१
२५	१००	२६	०	१२	०	३२६	५	३३१	३४	०	४३
२६	१००	३८	०	१२	०	३२९	७	३३४	३४	०	५५
२७	१००	५०	०	१२	०	३३२	९	३३७	३४	०	६७
२८	१००	६२	०	१२	०	३३५	११	३४०	३४	०	७९
२९	१००	७४	०	१२	०	३३८	१३	३४३	३४	०	९१
३०	१००	८६	०	१२	०	३४१	१५	३४६	३४	०	१०३
३१	१००	९८	०	१२	०	३४४	१७	३४९	३४	०	११५
३२	१००	११०	०	१२	०	३४७	१९	३५२	३४	०	१२७
३३	१००	१२२	०	१२	०	३५०	२१	३५५	३४	०	१३९
३४	१००	१३४	०	१२	०	३५३	२३	३५८	३४	०	१५१
३५	१००	१४६	०	१२	०	३५६	२५	३६१	३४	०	१६३
३६	१००	१५८	०	१२	०	३५९	२७	३६४	३४	०	१७५
३७	१००	१७०	०	१२	०	३६२	२९	३६७	३४	०	१८७
३८	१००	१८२	०	१२	०	३६५	३१	३७०	३४	०	१९९
३९	१००	१९४	०	१२	०	३६८	३३	३७३	३४	०	२११
४०	१००	२०६	०	१२	०	३७१	३५	३७६	३४	०	२२३
४१	१००	२१८	०	१२	०	३७४	३७	३७९	३४	०	२३५
४२	१००	२३०	०	१२	०	३७७	३९	३८२	३४	०	२४७
४३	१००	२४२	०	१२	०	३८०	४१	३८५	३४	०	२५९
४४	१००	२५४	०	१२	०	३८३	४३	३८८	३४	०	२७१
४५	१००	२६६	०	१२	०	३८६	४५	३९१	३४	०	२८३
४६	१००	२७८	०	१२	०	३८९	४७	३९४	३४	०	२९५
४७	१००	२९०	०	१२	०	३९२	४९	३९७	३४	०	३०७
४८	१००	३०२	०	१२	०	३९५	५१	४००	३४	०	३१९
४९	१००	३१४	०	१२	०	३९८	५३	४०३	३४	०	३३१
५०	१००	३२६	०	१२	०	४०१	५५	४०६	३४	०	३४३
५१	१००	३३८	०	१२	०	४०४	५७	४०९	३४	०	३५५
५२	१००	३५०	०	१२	०	४०७	५९	४१२	३४	०	३६७
५३	१००	३६२	०	१२	०	४१०	६१	४१५	३४	०	३७९
५४	१००	३७४	०	१२	०	४१३	६३	४१८	३४	०	३९१
५५	१००	३८६	०	१२	०						

मई सन १९३८ ई.

वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदरपष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीमकेंद्र	शीमकल
		अ.	अ.	अ.	अ.		अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.
१० १० श	५१३८	२९८.९१	३०८.५८	४.४८	२९४.४३	५.०५५	२९७.६०	२९४.४२	० ४८	८१.६३	१० ५०
१ १ श	५१३९	२९९.००	३०८.६७	४.४८	२९४.५२	५.०५४	२९७.६९	२९४.५१	० ४८	८२.५२	११ ५४
२ २ श	५१४०	२९९.०८	३०८.७५	४.४८	२९४.६०	५.०५४	२९७.७७	२९४.५९	० ४८	८३.४१	११ ५७
३ ३ श	५१४१	२९९.१६	३०८.८३	४.४८	२९४.६९	५.०५४	२९७.८६	२९४.६८	० ४८	८४.३१	११ ०
४ ४ श	५१४२	२९९.२५	३०८.९२	४.४६	२९४.७९	५.०५४	२९७.९६	२९४.७८	० ४८	८५.२५	११ ३
५ ५ श	५१४३	२९९.३३	३०९.००	४.४६	२९४.८७	५.०५३	२९८.०४	२९४.८६	० ४८	८६.०४	११ ७
६ ६ श	५१४४	२९९.४१	३०९.०८	४.४६	२९४.९५	५.०५३	२९८.१२	२९४.९४	० ४८	८६.९३	११ ९
७ ७ श	५१४५	२९९.४९	३०९.१६	४.४५	२९५.०४	५.०५३	२९८.२१	२९५.०३	० ४८	८७.८१	११ १२
८ ८ श	५१४६	२९९.५८	३०९.२५	४.४५	२९५.१३	५.०५२	२९८.३०	२९५.१२	० ४८	८८.६९	११ १४
९ ९ श	५१४७	२९९.६६	३०९.३३	४.४५	२९५.२१	५.०५२	२९८.३८	२९५.२०	० ४८	८९.५७	११ १७
१० १० श	५१४८	२९९.७४	३०९.४०	४.४४	२९५.३०	५.०५२	२९८.४७	२९५.२९	० ४८	९०.४५	११ १९
११ ११ श	५१४९	२९९.८३	३०९.४८	४.४४	२९५.३९	५.०५१	२९८.५६	२९५.३८	० ४९	९१.३३	११ २१
१२ १२ श	५१५०	२९९.९१	३०९.५६	४.४३	२९५.४८	५.०५१	२९८.६५	२९५.४७	० ४९	९२.२०	११ २३
१३ १३ श	५१५१	२९९.९९	३०९.६५	४.४३	२९५.५६	५.०५१	२९८.७३	२९५.५५	० ४९	९३.०९	११ २५
१४ १४ श	५१५२	३००.०८	३०९.७३	४.४२	२९५.६६	५.०५१	२९८.८३	२९५.६५	० ४९	९३.९५	११ २६
१५ १५ श	५१५३	३००.१६	३०९.८२	४.४२	२९५.७४	५.०५०	२९८.९३	२९५.७३	० ४९	९४.८४	११ २८
१६ १६ श	५१५४	३००.२४	३०९.९०	४.४१	२९५.८३	५.०५०	२९९.००	२९५.८२	० ४९	९५.७१	११ २९
१७ १७ श	५१५५	३००.३२	३०९.९९	४.४१	२९५.९१	५.०४९	२९९.०८	२९५.९०	० ४९	९६.५९	११ ३०
१८ १८ श	५१५६	३००.४१	३०९.०७	४.४०	२९६.००	५.०४९	२९९.१८	२९६.००	० ४९	९७.४६	११ ३०
१९ १९ श	५१५७	३००.४९	३०९.१६	४.३९	२९६.१०	५.०४९	२९९.२६	२९६.०९	० ४९	९८.३३	११ ३२
२० २० श	५१५८	३००.५७	३०९.२४	४.३९	२९६.१८	५.०४९	२९९.३५	२९६.१७	० ४९	९९.२१	११ ३३
२१ २१ श	५१५९	३००.६६	३०९.३३	४.३८	२९६.२८	५.०४९	२९९.४५	२९६.२७	० ४९	१००.०७	११ ३४
२२ २२ श	५१६०	३००.७४	३०९.४१	४.३८	२९६.३६	५.०४९	२९९.५३	२९६.३६	० ५०	१००.९६	११ ३४
२३ २३ श	५१६१	३००.८२	३०९.४९	४.३७	२९६.४५	५.०४९	२९९.६२	२९६.४४	० ५०	१०१.८३	११ ३४
२४ २४ श	५१६२	३००.९१	३०९.५८	४.३६	२९६.५५	५.०४८	२९९.७२	२९६.५४	० ५०	१०२.६९	११ ३४
२५ २५ श	५१६३	३००.९९	३०९.६६	४.३६	२९६.६३	५.०४७	२९९.८२	२९६.६३	० ५०	१०३.५७	११ ३४
२६ २६ श	५१६४	३०१.०७	३०९.७४	४.३६	२९६.७१	५.०४७	२९९.९८	२९६.७०	० ५०	१०४.४५	११ ३४
२७ २७ श	५१६५	३०१.१५	३०९.८२	४.३५	२९६.८०	५.०४७	२९९.९७	२९६.७९	० ५०	१०५.३२	११ ३३
२८ २८ श	५१६६	३०१.२४	३०९.९१	४.३४	२९६.९०	५.०४७	२९९.०७	२९६.८९	० ५०	१०६.१८	११ ३३
२९ २९ श	५१६७	३०१.३२	३०९.९९	४.३४	२९६.९८	५.०४७	२९९.१५	२९६.९७	० ५०	१०७.०६	११ ३२

गुरु

१४३

मई सन १९३८ ई. वैशाख शुद्ध और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	समय संज्ञा	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लघन काल
	रा. अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प. स्ट. घ. मि.
३०	१० ५ १५	०	१	४५	३२८	१४	३३०	४३	९ ५५	७-१२ ५३	३ ३ ५४ ८ ०
१	१० ५ २४	०	१	४५	३२८	२३	३३०	५२	९ ५५	९ १२ ५०	३ ३ ४६ ७ ५८
२	१० ५ ३३	०	१	४५	३२८	२३	३३१	१	९ ५५	९ १२ ४७	३ ३ ४६ ७ ५४
३	१० ५ ४१	०	१	४५	३२८	४०	३३१	१०	९ ५५	९ १२ ४४	३ ३ ४६ ७ ५१
४	१० ५ ४९	०	१	४५	३२८	४८	३३१	१९	९ ५५	९ १२ ४१	३ ३ ४६ ७ ४७
५	१० ५ ५७	०	१	४५	३२८	५६	३३१	२८	९ ५५	९ १२ ३९	३ ३ ४६ ७ ४४
६	१० ५	०	१	४५	३२९	४	३३२	३७	९ ५५	९ १२ ३६	३ ३ ४६ ७ ४०
७	१० ६ १३	०	१	४५	३२९	१२	३३२	४६	९ ५५	९ १२ ३३	३ ३ ४६ ७ ३७
८	१० ६ २१	०	१	४५	३२९	२०	३३२	५५	९ ५५	९ १२ ३०	३ ३ ४६ ७ ३४
९	१० ६ २९	०	१	४५	३२९	२८	३३२	६४	९ ५५	९ १२ २७	३ ३ ४६ ७ ३१
१०	१० ६ ३७	०	१	४५	३२९	३६	३३२	७३	९ ५५	९ १२ २५	३ ३ ४६ ७ २७
११	१० ६ ४५	०	१	४५	३२९	४४	३३२	८२	९ ५५	९ १२ २२	३ ३ ४६ ७ २४
१२	१० ६ ५२	०	१	४५	३२९	५२	३३३	९१	९ ५५	९ १२ २०	३ ३ ४६ ७ २०
१३	१० ६ ५९	०	१	४५	३२९	६०	३३३	१००	९ ५५	९ १२ १७	३ ३ ४६ ७ १६
१४	१० ७	०	१	४८	३३०	६८	३३३	१०९	९ ५५	९ १२ १५	३ ३ ४६ ७ १३
१५	१० ७ १३	०	१	४८	३३०	७६	३३३	११८	९ ५५	९ १२ १२	३ ३ ४६ ७ ९
१६	१० ७ १९	०	१	४८	३३०	८४	३३३	१२७	९ ५५	९ १२ १०	३ ३ ४६ ७ ५
१७	१० ७ २५	०	१	४८	३३०	९२	३३३	१३६	९ ५५	९ १२ ७	३ ३ ४६ ७ २
१८	१० ७ ३१	०	१	४९	३३०	१००	३३३	१४५	९ ५५	९ १२ ५	३ ३ ४६ ७ ५८
१९	१० ७ ३७	०	१	४९	३३०	१०८	३३३	१५४	९ ५५	९ १२ ३	३ ३ ४६ ७ ५५
२०	१० ७ ४३	०	१	४९	३३०	११६	३३३	१६३	९ ५५	९ १२ १	३ ३ ४६ ७ ५३
२१	१० ७ ४९	०	१	४९	३३०	१२४	३३३	१७२	९ ५५	९ १२ ०	३ ३ ४६ ७ ५०
२२	१० ७ ५५	०	१	५०	३३०	१३२	३३३	१८१	९ ५५	९ ११ ५९	३ ३ ४६ ७ ४४
२३	१० ८ ०	०	१	५०	३३०	१४०	३३३	१९०	९ ५५	९ ११ ५७	३ ३ ४६ ७ ४०
२४	१० ८ ५	०	१	५०	३३०	१४८	३३३	१९९	९ ५५	९ ११ ५५	३ ३ ४६ ७ ३६
२५	१० ८ ११	०	१	५१	३३०	१५६	३३३	२०८	९ ५५	९ ११ ५३	३ ३ ४६ ७ ३३
२६	१० ८ १७	०	१	५१	३३०	१६४	३३३	२१७	९ ५५	९ ११ ५१	३ ३ ४६ ७ २९
२७	१० ८ २३	०	१	५१	३३०	१७२	३३३	२२६	९ ५५	९ ११ ४९	३ ३ ४६ ७ २६
२८	१० ८ २९	०	१	५१	३३०	१८०	३३३	२३५	९ ५५	९ ११ ४७	३ ३ ४६ ७ २२
२९	१० ८ ३०	०	१	५१	३३०	१८८	३३३	२४४	९ ५५	९ ११ ४५	३ ३ ४६ ७ १९

मई-जून सन १९१८ ह.

ज्येष्ठ शुक्र और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकैत्र	मंदकल	मंदराष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकैत्र	शीघ्रकल
		अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.
२९ ३० र	५१६७	३०१-३२	३१०-१९	४-३४	२९६-१८	५-०४६	२२०-१५	२९६-१७	० ५०	१०७-०६	११ ३२
३० १ च	५१६८	३०१-४०	३११-०७	४-३३	२९७-०७	५-०४५	२२०-२४	२९७-०६	० ५०	१०७-१३	११ ३१
३१ २ मं	५१६९	३०१-४९	३११-१६	४-३३	२९७-१६	५-०४५	२२०-३३	२९७-१५	० ५०	१०८-००	११ ३०
१ ३ बु	५१७०	३०१-५७	३११-२४	४-३२	२९७-२५	५-०४५	२२०-४२	२९७-२४	० ५१	१०९-०६	११ २९
२ ४ गु	५१७१	३०१-६५	३११-३२	४-३१	२९७-३४	५-०४४	२२०-५१	२९७-३३	० ५१	११०-१३	११ २७
३ ५ शु	५१७२	३०१-७४	३११-४१	४-३०	२९७-४३	५-०४४	२२०-६०	२९७-४२	० ५१	१११-४०	११ २५
४ ६ ष	५१७३	३०१-८२	३११-४९	४-३०	२९७-५२	५-०४४	२२०-६९	२९७-५१	० ५१	११२-२७	११ २३
५ ७ र	५१७४	३०१-९०	३११-५७	४-२९	२९७-६१	५-०४३	२२०-७८	२९७-६०	० ५१	११३-१३	११ २१
६ ८ च	५१७५	३०१-९८	३११-६५	४-२९	२९७-६९	५-०४३	२२०-८६	२९७-६८	० ५१	११४-०१	११ १९
७ ९ मं	५१७६	३०२-०७	३११-७४	४-२९	२९७-७८	५-०४३	२२०-९५	२९७-७७	० ५१	११४-०८	११ १७
८ १० बु	५१७७	३०२-१५	३११-८२	४-२८	२९७-८७	५-०४३	२२१-०४	२९७-८६	० ५१	११५-१५	११ १७
९ ११ शु	५१७८	३०२-२३	३११-९०	४-२७	२९७-९६	५-०४३	२२१-१३	२९७-९५	० ५१	११६-०३	११ १५
१० १२ ष	५१७९	३०२-३१	३११-९९	४-२७	२९८-०५	५-०४२	२२१-२२	२९८-०४	० ५१	११७-१८	११ ०९
११ १३ र	५१८०	३०२-४०	३११-०७	४-२७	२९८-१३	५-०४२	२२१-३०	२९८-१२	० ५१	११८-३५	११ ०५
१२ १४ च	५१८१	३०२-४८	३११-१५	४-२७	२९८-२१	५-०४२	२२१-३८	२९८-२०	० ५१	११९-२३	११ ०२
१३ १५ मं	५१८२	३०२-५७	३११-२४	४-२६	२९८-३०	५-०४१	२२१-४८	२९८-२९	० ५१	१२०-०८	१० ५८
१४ १६ बु	५१८३	३०२-६५	३११-३२	४-२५	२९८-४०	५-०४१	२२१-५७	२९९-३९	० ५१	१२०-१५	१० ५५
१५ १७ शु	५१८४	३०२-७३	३११-४०	४-२५	२९८-४८	५-०४१	२२१-६५	२९९-४७	० ५१	१२१-०२	१० ५१
१६ १८ ष	५१८५	३०२-८१	३११-४८	४-२४	२९८-५७	५-०४१	२२१-७४	२९९-५६	० ५१	१२१-०९	१० ४६
१७ १९ र	५१८६	३०२-९०	३११-५७	४-२४	२९८-६६	५-०४०	२२१-८३	२९९-६५	० ५१	१२१-१५	१० ४२
१८ २० च	५१८७	३०२-९८	३११-६५	४-२३	२९८-७५	५-०४०	२२१-९२	२९९-७४	० ५१	१२१-२२	१० ३७
१९ २१ मं	५१८८	३०३-०६	३११-७३	४-२३	२९८-८३	५-०४०	२२१-९०	२९९-८३	० ५१	१२१-२९	१० ३३
२० २२ बु	५१८९	३०३-१५	३११-८२	४-२२	२९८-९३	५-०३९	२२१-९९	२९९-९२	० ५१	१२१-३६	१० २८
२१ २३ शु	५१९०	३०३-२३	३११-९०	४-२२	२९९-०१	५-०३९	२२१-१०८	२९९-००	० ५१	१२१-४३	१० २३
२२ २४ ष	५१९१	३०३-३१	३११-९८	४-२१	२९९-१०	५-०३९	२२१-११७	२९९-०९	० ५१	१२१-५०	१० १८
२३ २५ र	५१९२	३०३-४०	३११-०७	४-२१	२९९-१९	५-०३८	२२१-१२६	२९९-१८	० ५१	१२१-५७	१० १३
२४ २६ च	५१९३	३०३-४८	३११-१५	४-२१	२९९-२७	५-०३८	२२१-१३५	२९९-२७	० ५१	१२१-६४	१० ०७
२५ २७ मं	५१९४	३०३-५६	३११-२३	४-२०	२९९-३६	५-०३८	२२१-१४४	२९९-३६	० ५१	१२१-७१	१० ०१
२६ २८ बु	५१९५	३०३-६५	३११-३१	४-१९	२९९-४५	५-०३८	२२१-१५३	२९९-४५	० ५१	१२१-७८	९ ५५
२७ २९ शु	५१९६	३०३-७३	३११-४०	४-१९	२९९-५४	५-०३७	२२१-१६२	२९९-५४	० ५१	१२१-८५	+ ९ ४९

गुरु

१७५

मई-जून सन १९३८ ई.

ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनमेष	विषुवांश	गति	विषुवकांश	क्रांति	गति	इन्दौर सहर का याम्योत्तर लघनकाल	स्टे. चं मि	
२९	१० ८ ३०	०	५	५१	० १	३३ १ २९	३३ ३ ४८	० ४	५५ ३८	११ ४५	० २	५९ ३९	६ १९
३०	१० ८ ३५	०	५	५२	० २	३३ ३ ३८	३३ ३ ५८	० ४	५५ ३९	११ ४६	० २	५९ ३०	६ १५
३१	१० ८ ४०	०	५	५३	० ३	३३ ३ २८	३३ ३ ६८	० ४	५५ ४०	११ ४७	० २	५९ २०	६ ११
१	१० ८ ४५	०	५	५४	० ४	३३ ३ १८	३३ ३ ७८	० ४	५५ ४१	११ ४८	० २	५९ ११	६ ०७
२	१० ८ ५०	०	५	५५	० ५	३३ ३ ८	३३ ३ ८८	० ४	५५ ४२	११ ४९	० २	५९ ०१	६ ०३
३	१० ८ ५५	०	५	५६	० ६	३३ ३ ४८	३३ ३ ९८	० ४	५५ ४३	११ ५०	० २	५८ ५४	६ ००
४	१० ८ ५९	०	५	५७	० ७	३३ ३ ३८	३३ ४ ०८	० ४	५५ ४४	११ ५१	० २	५८ ४५	५ ५७
५	१० ८ ५९	०	५	५८	० ८	३३ ३ २८	३३ ४ १८	० ४	५५ ४५	११ ५२	० २	५८ ३६	५ ५३
६	१० ९ ३	०	५	५९	० ९	३३ ३ १८	३३ ४ २८	० ४	५५ ४६	११ ५३	० २	५८ २७	५ ४९
७	१० ९ ७	०	५	६०	० १०	३३ ३ ८	३३ ४ ३८	० ४	५५ ४७	११ ५४	० २	५८ १८	५ ४५
८	१० ९ ११	०	५	६१	० ११	३३ ३ ४८	३३ ४ ४८	० ४	५५ ४८	११ ५५	० २	५८ ९	५ ४१
९	१० ९ १५	०	५	६२	० १२	३३ ३ ३८	३३ ४ ५८	० ४	५५ ४९	११ ५६	० २	५८ ०	५ ३७
१०	१० ९ १९	०	५	६३	० १३	३३ ३ २८	३३ ५ ०८	० ४	५५ ५०	११ ५७	० २	५८ ५१	५ ३३
११	१० ९ २३	०	५	६४	० १४	३३ ३ १८	३३ ५ १८	० ४	५५ ५१	११ ५८	० २	५८ ४२	५ २९
१२	१० ९ २७	०	५	६५	० १५	३३ ३ ८	३३ ५ २८	० ४	५५ ५२	११ ५९	० २	५८ ३३	५ २५
१३	१० ९ ३१	०	५	६६	० १६	३३ ३ ४८	३३ ५ ३८	० ४	५५ ५३	११ ६०	० २	५८ २४	५ २१
१४	१० ९ ३५	०	५	६७	० १७	३३ ३ ३८	३३ ५ ४८	० ४	५५ ५४	११ ६१	० २	५८ १५	५ १७
१५	१० ९ ३९	०	५	६८	० १८	३३ ३ २८	३३ ५ ५८	० ४	५५ ५५	११ ६२	० २	५८ ६	५ १३
१६	१० ९ ४३	०	५	६९	० १९	३३ ३ १८	३३ ५ ६८	० ४	५५ ५६	११ ६३	० २	५८ ५७	५ ०९
१७	१० ९ ४७	०	५	७०	० २०	३३ ३ ८	३३ ५ ७८	० ४	५५ ५७	११ ६४	० २	५८ ४८	५ ०५
१८	१० ९ ५१	०	५	७१	० २१	३३ ३ ४८	३३ ५ ८८	० ४	५५ ५८	११ ६५	० २	५८ ३९	५ ०१
१९	१० ९ ५५	०	५	७२	० २२	३३ ३ ३८	३३ ५ ९८	० ४	५५ ५९	११ ६६	० २	५८ ३०	५ ५७
२०	१० ९ ५९	०	५	७३	० २३	३३ ३ २८	३३ ६ ०८	० ४	५५ ६०	११ ६७	० २	५८ २१	५ ५३
२१	१० ९ ६३	०	५	७४	० २४	३३ ३ १८	३३ ६ १८	० ४	५५ ६१	११ ६८	० २	५८ १२	५ ४९
२२	१० ९ ६७	०	५	७५	० २५	३३ ३ ८	३३ ६ २८	० ४	५५ ६२	११ ६९	० २	५८ ३	५ ४५
२३	१० ९ ७१	०	५	७६	० २६	३३ ३ ४८	३३ ६ ३८	० ४	५५ ६३	११ ७०	० २	५८ ५४	५ ४१
२४	१० ९ ७५	०	५	७७	० २७	३३ ३ ३८	३३ ६ ४८	० ४	५५ ६४	११ ७१	० २	५८ ४५	५ ३७
२५	१० ९ ७९	०	५	७८	० २८	३३ ३ २८	३३ ६ ५८	० ४	५५ ६५	११ ७२	० २	५८ ३६	५ ३३
२६	१० ९ ८३	०	५	७९	० २९	३३ ३ १८	३३ ६ ६८	० ४	५५ ६६	११ ७३	० २	५८ २७	५ २९
२७	१० ९ ८७	०	५	८०	० ३०	३३ ३ ८	३३ ६ ७८	० ४	५५ ६७	११ ७४	० २	५८ १८	५ २५
२८	१० ९ ९१	०	५	८१	० ३१	३३ ३ ४८	३३ ६ ८८	० ४	५५ ६८	११ ७५	० २	५८ ९	५ २१

जून-जुलई सन १९३८ इ.

आषाढ शुद्ध और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध मणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन्न	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीमकेंद्र	शीमफल
		अं. अ.	अं. अ.	अं. अ.	अं. अ.	अं. अ.	अं. अ.	अं. अ.	अं. अ.	अं. अ.	अं. अ.
२७ ३० अं	५१९६	३०३.७३	३१३.४०	४.१९	२९९.५४	५.०३७	२२२.७१	२९९.५३	० ५३	१३२.२१	९ ४९
२८ १ मं	५१९७	३०३.८१	३१३.४८	४.१८	२९९.६३	५.०३७	२२२.८०	२९९.६२	० ५३	१३३.०८	१० ४४
२९ २ सु	५१९८	३०३.८९	३१३.५६	४.१८	२९९.७१	५.०३७	२२२.८८	२९९.७०	० ५३	१३३.९५	९ ३६
३० ३ शु	५१९९	३०३.९८	३१३.६५	४.१७	२९९.८१	५.०३६	२२२.९८	२९९.८०	० ५३	१३४.८०	९ २९
१ ४ कृ	५२००	३०४.०६	३१३.७३	४.१७	२९९.८९	५.०३६	२२३.०६	२९९.८८	० ५३	१३५.६८	९ २१
२ ५ श	५२०१	३०४.१४	३१३.८१	४.१६	२९९.९८	५.०३६	२२३.१५	२९९.९७	० ५३	१३६.५४	९ १४
३ ६ र	५२०२	३०४.२३	३१३.९०	४.१५	३००.०८	५.०३६	२२३.२५	३००.०७	० ५३	१३७.३९	९ ०७
४ ७ मं	५२०३	३०४.३१	३१३.९८	४.१५	३००.१६	५.०३५	२२३.३३	३००.१५	० ५३	१३८.२७	८ ५८
५ ८ मं	५२०४	३०४.३९	३१४.०६	४.१५	३००.२४	५.०३५	२२३.४१	३००.२३	० ५४	१३९.१४	८ ५१
६ ९ कृ	५२०५	३०४.४७	३१४.१४	४.१४	३००.३३	५.०३५	२२३.५०	३००.३२	० ५४	१४०.००	८ ४४
७ १० शु	५२०६	३०४.५६	३१४.२३	४.१३	३००.४२	५.०३५	२२३.५९	३००.४२	० ५४	१४०.८६	८ ३७
८ ११ शु	५२०७	३०४.६४	३१४.३१	४.१२	३००.५२	५.०३५	२२३.६९	३००.५१	० ५४	१४१.७२	८ ३०
९ १२ श	५२०८	३०४.७३	३१४.३९	४.१२	३००.६०	५.०३५	२२३.७७	३००.५९	० ५४	१४२.५९	८ २३
१० १३ र	५२०९	३०४.८१	३१४.४८	४.११	३००.७०	५.०३५	२२३.८७	३००.६९	० ५४	१४३.४६	८ १६
११ १४ मं	५२१०	३०४.८९	३१४.५६	४.१०	३००.७९	५.०३५	२२३.९६	३००.७८	० ५४	१४४.३१	८ ०९
१२ १५ मं	५२११	३०४.९७	३१४.६४	४.१०	३००.८७	५.०३३	२२४.०४	३००.८८	० ५४	१४५.१६	७ ५२
१३ १६ सु	५२१२	३०५.०६	३१४.७३	४.१०	३००.९६	५.०३३	२२४.१३	३००.९५	० ५४	१४६.०५	७ ४५
१४ १७ शु	५२१३	३०५.१४	३१४.८१	४.०९	३०१.०५	५.०३३	२२४.२२	३०१.०४	० ५४	१४६.९३	७ ३८
१५ १८ कृ	५२१४	३०५.२२	३१४.८९	४.०८	३०१.१४	५.०३३	२२४.३१	३०१.१३	० ५४	१४७.८०	७ ३१
१६ १९ श	५२१५	३०५.३०	३१४.९७	४.०८	३०१.२२	५.०३३	२२४.४०	३०१.२१	० ५५	१४८.६५	७ २४
१७ २० र	५२१६	३०५.३९	३१५.०६	४.०८	३०१.३१	५.०३२	२२४.४९	३०१.३०	० ५५	१४९.५१	७ १७
१८ २१ मं	५२१७	३०५.४७	३१५.१४	४.०७	३०१.४०	५.०३२	२२४.५७	३०१.३९	० ५५	१५०.३८	७ १०
१९ २२ मं	५२१८	३०५.५५	३१५.२२	४.०६	३०१.४९	५.०३२	२२४.६६	३०१.४८	० ५५	१५१.२४	७ ०३
२० २३ सु	५२१९	३०५.६४	३१५.३१	४.०५	३०१.५९	५.०३१	२२४.७५	३०१.५८	० ५५	१५२.१०	६ ५६
२१ २४ शु	५२२०	३०५.७२	३१५.३९	४.०५	३०१.६७	५.०३१	२२४.८४	३०१.६७	० ५५	१५२.९७	६ ४९
२२ २५ कृ	५२२१	३०५.८०	३१५.४७	४.०४	३०१.७६	५.०३१	२२४.९३	३०१.७६	० ५५	१५३.८३	६ ४२
२३ २६ श	५२२२	३०५.८९	३१५.५६	४.०३	३०१.८६	५.०३०	२२५.०३	३०१.८५	० ५५	१५४.६९	६ ३५
२४ २७ र	५२२३	३०५.९७	३१५.६४	४.०३	३०१.९४	५.०३०	२२५.११	३०१.९३	० ५५	१५५.५६	६ २८
२५ २८ मं	५२२४	३०६.०५	३१५.७२	४.०३	३०२.०२	५.०३०	२२५.२०	३०२.०२	० ५५	१५६.४३	६ २१
२६ २९ मं	५२२५	३०६.१३	३१५.८०	४.०२	३०२.११	५.०२९	२२५.२८	३०२.१०	० ५५	१५७.३०	६ १४
२७ ३० अं	५२२६	३०६.२२	३१५.८९	४.०१	३०२.२१	५.०२९	२२५.३८	३०२.२०	० ५६	१५८.१६	६ ०७

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सामान्यभोग	विषुवांश	गति	विषुवांक	क्रांति	गति	दन्तौग सहर का याम्योत्तर लंघनकाल						
	रा.अ.क.	अं.क.	अं.क.	अं.क.	अं.क.	अं.क.	अं.क.	घ.प.	अं.क.	अं.क.	घ.प.	स्टै.घ.मि.					
२७	१० १ २१	०	१	०	५९०	३३२	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ३४	०	१ ५५	२	४	२८
२८	१० १ २०				५९०	३३३	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ३५		१ ५४	४	४	२४
२९	१० १ १९				५९०	३३४	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ३६		१ ५३	४	४	१९
३०	१० १ १८				५९०	३३५	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ३७		१ ५२	४	४	१६
३१	१० १ १७				५९०	३३६	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ३८		१ ५१	४	४	१२
३२	१० १ १६				५९०	३३७	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ३९		१ ५०	४	४	७
३३	१० १ १५				५९०	३३८	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ४०		१ ४९	४	४	५९
३४	१० १ १४				५९०	३३९	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ४१		१ ४८	४	४	५५
३५	१० १ १३				५९०	३४०	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ४२		१ ४७	४	४	५१
३६	१० १ १२				५९०	३४१	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ४३		१ ४६	४	४	४७
३७	१० १ ११				५९०	३४२	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ४४		१ ४५	४	४	४३
३८	१० १ १०				५९०	३४३	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ४५		१ ४४	४	४	३९
३९	१० १ ०९				५९०	३४४	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ४६		१ ४३	४	४	३५
४०	१० १ ०८				५९०	३४५	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ४७		१ ४२	४	४	३१
४१	१० १ ०७				५९०	३४६	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ४८		१ ४१	४	४	२७
४२	१० १ ०६				५९०	३४७	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ४९		१ ४०	४	४	२३
४३	१० १ ०५				५९०	३४८	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ५०		१ ३९	४	४	१९
४४	१० १ ०४				५९०	३४९	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ५१		१ ३८	४	४	१५
४५	१० १ ०३				५९०	३५०	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ५२		१ ३७	४	४	११
४६	१० १ ०२				५९०	३५१	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ५३		१ ३६	४	४	७
४७	१० १ ०१				५९०	३५२	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ५४		१ ३५	४	४	५९
४८	१० १ ००				५९०	३५३	२०	२७४	३९०	०.५५	४७	११ ५५		१ ३४	४	४	५५
४९	१० ०९५९				५९०												

जुलाई-अगस्त सन १९३८ ई.

श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित

ता. ति. वा.	प्रमाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन्न	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क	अं	अं. क.
२७ ३० शु	५२२६	३०६.२२	३१५.८९	४.०१	३०२.२१	५.०२९	२२५.३८	३०२.२०	० ५६	१५८.१६	५ १७
२८ २ शु	५२२७	३०६.३१	३१५.९७	४.०१	३०२.३०	५.०२९	२२५.४७	३०२.२९	० ५६	१५९.०३	५ ५
२९ ३ शु	५२२८	३०६.३९	३१६.०५	४.०१	३०२.३८	५.०२८	२२५.५५	३०२.३७	० ५६	१५९.९०	४ ५३
३० ४ श	५२२९	३०६.४८	३१६.१४	४.००	३०२.४८	५.०२८	२२५.६५	३०२.४७	१ ५६	१६०.७६	४ ४२
३१ ५ र	५२३०	३०६.५६	३१६.२२	३.९९	३०२.५७	५.०२७	२२५.७४	३०२.५६	० ५६	१६१.६२	४ ३०
१ ६ च	५२३१	३०६.६४	३१६.३०	३.९८	३०२.६६	५.०२७	२२५.८३	३०२.५५	० ५६	१६२.४९	४ १८
२ ७ म	५२३२	३०६.७३	३१६.३९	३.९८	३०२.७५	५.०२७	२२५.९२	३०२.५४	० ५६	१६३.३६	४ ५
३ ८ बु	५२३३	३०६.८१	३१६.४७	३.९७	३०२.८४	५.०२७	२२६.०१	३०२.५३	० ५६	१६४.२२	३ ५४
४ ९ श	५२३४	३०६.८९	३१६.५५	३.९७	३०२.९३	५.०२७	२२६.१०	३०२.५२	० ५६	१६५.०९	३ ४१
५ १० श	५२३५	३०६.९७	३१६.६३	३.९६	३०३.०१	५.०२७	२२६.१८	३०३.००	० ५६	१६५.९४	३ २८
६ ११ र	५२३६	३०७.०६	३१६.७२	३.९६	३०३.१०	५.०२६	२२६.२७	३०३.०९	० ५६	१६६.७९	३ १६
७ १२ र	५२३७	३०७.१४	३१६.८१	३.९५	३०३.१९	५.०२६	२२६.३६	३०३.१८	० ५७	१६७.७१	३ ३
८ १३ च	५२३८	३०७.२२	३१६.८९	३.९४	३०३.२८	५.०२६	२२६.४५	३०३.२७	० ५७	१६८.५७	२ ५८
९ १४ च	५२३९	३०७.३१	३१६.९८	३.९४	३०३.३७	५.०२६	२२६.५४	३०३.३६	० ५७	१६९.४४	२ ३८
१० १५ म	५२४०	३०७.३९	३१७.०६	३.९४	३०३.४५	५.०२६	२२६.६२	३०३.४४	० ५७	१७०.३०	२ २५
११ १६ म	५२४१	३०७.४७	३१७.१४	३.९३	३०३.५४	५.०२५	२२६.७१	३०३.५३	० ५७	१७१.१६	२ १२
१२ १७ श	५२४२	३०७.५६	३१७.२३	३.९२	३०३.६४	५.०२५	२२६.८१	३०३.६३	० ५७	१७२.०५	२ ००
१३ १८ श	५२४३	३०७.६४	३१७.३१	३.९१	३०३.७३	५.०२५	२२६.९०	३०३.७२	० ५७	१७२.९२	१ ४७
१४ १९ च	५२४४	३०७.७२	३१७.३९	३.९१	३०३.८१	५.०२५	२२६.९८	३०३.८०	० ५७	१७३.८०	१ ३३
१५ २० च	५२४५	३०७.८०	३१७.४७	३.९१	३०३.८९	५.०२४	२२७.०६	३०३.८८	० ५७	१७४.६८	१ २०
१६ २१ म	५२४६	३०७.८९	३१७.५५	३.९०	३०३.९९	५.०२४	२२७.१६	३०३.९७	० ५७	१७५.५४	१ ७
१७ २२ बु	५२४७	३०७.९७	३१७.६४	३.८९	३०४.०८	५.०२४	२२७.२५	३०४.०७	० ५७	१७६.४१	० ५३
१८ २३ शु	५२४८	३०८.०५	३१७.७२	३.८९	३०४.१६	५.०२३	२२७.३३	३०४.१५	० ५७	१७७.२९	० ४३
१९ २४ शु	५२४९	३०८.१४	३१७.८१	३.८८	३०४.२६	५.०२३	२२७.४३	३०४.२५	० ५८	१७८.१६	० २७
२० २५ श	५२५०	३०८.२२	३१७.८९	३.८७	३०४.३५	५.०२३	२२७.५२	३०४.३४	० ५८	१७९.०३	० १४
२१ २६ र	५२५१	३०८.३०	३१७.९७	३.८७	३०४.४३	५.०२३	२२७.६०	३०४.४२	० ५८	१७९.९१	० ०
२२ २७ च	५२५२	३०८.३९	३१८.०६	३.८७	३०४.५२	५.०२२	२२७.६९	३०४.५१	० ५८	१८०.७९	० १२
२३ २८ म	५२५३	३०८.४७	३१८.१४	३.८६	३०४.६१	५.०२२	२२७.७८	३०४.६०	० ५८	१८१.६६	० २६
२४ २९ श	५२५४	३०८.५५	३१८.२२	३.८५	३०४.७०	५.०२२	२२७.८७	३०४.६९	० ५८	१८२.५३	० ३७
२५ ३० शु	५२५५	३०८.६३	३१८.३०	३.८४	३०४.७९	५.०२२	२२७.९६	३०४.७८	० ५८	१८३.४१	० ५२

१४९

श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित ।

[illegible]

अगस्त-सितंबर सन १९३८ ई. भाद्रपद शुद्ध और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत्त	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं.क.	अं.	अं. क
२५	३०	गु	५२५५	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२७०९६	३०४७८	० ५८ १८ ३४ १	० ५२
२६	१	शु	५२५६	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८०५	३०४८७	० ५८ १८ ३४ १	१ ५
२७	२	शु	५२५७	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८१४	३०४९६	० ५८ १८ ३४ १	१ १८
२८	३	शु	५२५८	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८२३	३०५०५	० ५८ १८ ३४ १	१ ३१
२९	४	चं	५२५९	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८३२	३०५१४	० ५८ १८ ३४ १	१ ४४
३०	५	मं	५२६०	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८४१	३०५२३	० ५८ १८ ३४ १	१ ५७
३१	६	बु	५२६१	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८५०	३०५३२	० ५८ १८ ३४ १	२ १०
१	७	शु	५२६२	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८५९	३०५४१	० ५८ १८ ३४ १	२ २३
२	८	शु	५२६३	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८६८	३०५५०	० ५८ १८ ३४ १	२ ३६
३	९	शु	५२६४	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८७७	३०५५९	० ५८ १८ ३४ १	२ ४९
४	१०	र	५२६५	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८८६	३०५६८	० ५८ १८ ३४ १	३ १
५	११	चं	५२६६	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२८९५	३०५७७	० ५८ १८ ३४ १	३ १४
६	१२	मं	५२६७	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९०४	३०५८६	० ५८ १८ ३४ १	३ २७
७	१३	बु	५२६८	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९१३	३०५९५	० ५८ १८ ३४ १	३ ४०
८	१४	शु	५२६९	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९२२	३०६०४	० ५८ १८ ३४ १	३ ५३
९	१५	शु	५२७०	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९३१	३०६१३	० ५८ १८ ३४ १	४ ६
१०	१६	शु	५२७१	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९४०	३०६२२	० ५८ १८ ३४ १	४ १९
११	१७	र	५२७२	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९४९	३०६३१	० ५८ १८ ३४ १	४ ३२
१२	१८	चं	५२७३	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९५८	३०६४०	० ५८ १८ ३४ १	४ ४५
१३	१९	मं	५२७४	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९६७	३०६४९	० ५८ १८ ३४ १	४ ५८
१४	२०	बु	५२७५	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९७६	३०६५८	० ५८ १८ ३४ १	५ ११
१५	२१	शु	५२७६	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९८५	३०६६७	० ५८ १८ ३४ १	५ २४
१६	२२	शु	५२७७	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२२९९४	३०६७६	० ५८ १८ ३४ १	५ ३७
१७	२३	र	५२७८	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२३००३	३०६८५	० ५८ १८ ३४ १	५ ५०
१८	२४	चं	५२७९	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२३०१२	३०६९४	० ५८ १८ ३४ १	५ ६३
१९	२५	मं	५२८०	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२३०२१	३०७०३	० ५८ १८ ३४ १	५ ७६
२०	२६	बु	५२८१	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२३०३०	३०७१२	० ५८ १८ ३४ १	५ ८९
२१	२७	शु	५२८२	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२३०३९	३०७२१	० ५८ १८ ३४ १	५ १०२
२२	२८	शु	५२८३	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२३०४८	३०७३०	० ५८ १८ ३४ १	५ ११५
२३	२९	शु	५२८४	३०८२३	३१८३०	३०८४	३०४७९	५०२२	२३०५७	३०७३९	० ५८ १८ ३४ १	५ १२८

गुरु

१५१

अगस्त-सितम्बर सन १९३८ ई. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह		गति	भूमध्य दृश्य शर		गति	समय	विषुवांश		गति	विषुवकाल	क्रांति		गति	इंदौर शहर का यास्थोत्तर लंघनकाल					
	रा.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ.	प	अ. क.	अ. क.	घ.	प.	इ. घ. मि.				
२५	१०	३	५५	०	८	१	१०	०	३२६	५४	३२९	३२०	८	५४	५५	१३ ३८०	३४४	२९	०	१५
२६	१०	३	५८	०	८	१	१०	०	३२६	५७	३२९	३२४	७	५४	५४	१३ ४१०	३४४	१८	०	१०
२७	१०	३	५०	०	८	१	१०	०	३२६	५९	३२९	३१७	७	५४	५३	१३ ४४०	३४४	७	०	६
२८	१०	३	३२	०	८	१	१०	०	३२६	६१	३२९	३१०	७	५४	५२	१३ ४७०	३४३	५६	०	२
२९	१०	३	२४	०	८	१	१०	०	३२६	६३	३२९	३०२	७	५४	५०	१३ ४९०	३४३	४४	२३	५७
३०	१०	३	१६	०	८	१	१०	०	३२६	६५	३२९	२९५	८	५४	४९	१३ ५२०	३४३	३३	२३	५३
३१	१०	३	८	०	८	१	१०	०	३२६	६७	३२९	२८७	८	५४	४८	१३ ५४०	३४३	२२	२३	४८
१	१०	३	०	०	८	१	१०	०	३२६	६९	३२९	२८०	८	५४	४७	१३ ५७०	३४३	१२	२३	४४
२	१०	२	५२	०	८	१	१०	०	३२६	७१	३२९	२७२	७	५४	४५	१३ ५९०	३४३	०	२३	३९
३	१०	२	४४	०	८	१	१०	०	३२६	७३	३२९	२६५	७	५४	४४	१३ ६२०	३४३	४९	२३	३४
४	१०	२	३६	०	८	१	१०	०	३२६	७५	३२९	२५७	७	५४	४३	१३ ६४०	३४३	३८	२३	३०
५	१०	२	२८	०	७	१	१०	०	३२६	७८	३२९	२५०	८	५४	४२	१३ ६७०	३४३	२७	२३	२६
६	१०	२	२०	०	७	१	१०	०	३२६	८०	३२९	२४२	८	५४	४०	१३ ६९०	३४३	१५	२३	२१
७	१०	२	१२	०	७	१	१०	०	३२६	८३	३२९	२३५	८	५४	३९	१३ ७२०	३४३	४	२३	१७
८	१०	२	४	०	७	१	१०	०	३२६	८५	३२९	२२७	८	५४	३८	१३ ७४०	३४३	५३	२३	१२
९	१०	२	१	०	६	१	१०	०	३२६	८७	३२९	२२०	८	५४	३७	१३ ७६०	३४३	४३	२३	८
१०	१०	१	५५	०	६	१	१०	०	३२६	८९	३२९	२१३	८	५४	३६	१३ ७८०	३४३	३२	२३	४
११	१०	१	४९	०	६	१	१०	०	३२६	९१	३२९	२०६	८	५४	३५	१३ ८००	३४३	२१	२२	५९
१२	१०	१	४३	०	६	१	१०	०	३२६	९३	३२९	२००	८	५४	३४	१३ ८२०	३४३	१०	२२	५५
१३	१०	१	३७	०	६	१	१०	०	३२६	९५	३२९	१९३	८	५४	३३	१३ ८४०	३४३	०	२२	५१
१४	१०	१	३१	०	६	१	१०	०	३२६	९७	३२९	१८६	८	५४	३२	१३ ८७०	३४३	४८	२२	४६
१५	१०	१	२४	०	६	१	१०	०	३२६	९९	३२९	१८०	८	५४	३१	१३ ८९०	३४३	३८	२२	४२
१६	१०	१	१९	०	६	१	१०	०	३२६	१०१	३२९	१७३	८	५४	३०	१३ ९२०	३४३	२७	२२	३८
१७	१०	१	१३	०	६	१	१०	०	३२६	१०३	३२९	१६६	८	५४	२९	१३ ९४०	३४३	१६	२२	३३
१८	१०	१	७	०	६	१	१०	०	३२६	१०५	३२९	१६०	८	५४	२८	१३ ९६०	३४३	५	२२	२९
१९	१०	०	५५	०	६	१	१०	०	३२६	१०७	३२९	१५३	८	५४	२७	१३ ९८०	३४३	५४	२२	२५
२०	१०	०	४९	०	६	१	१०	०	३२६	१०९	३२९	१४६	८	५४	२६	१३ १०००	३४३	४३	२२	२१
२१	१०	०	४३	०	६	१	१०	०	३२६	१११	३२९	१४०	८	५४	२५	१३ १०३०	३४३	३३	२२	१६
२२	१०	०	४३	०	६	१	१०	०	३२६	११३	३२९	१३३	८	५४	२४	१३ १०६०	३४३	२३	२२	१२
२३	१०	०	३९	०	६	१	१०	०	३२६	११५	३२९	१२६	८	५४	२३	१३ १०९०	३४३	१२	२२	८

सितंबर-अक्टूबर १९३८ ई. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम		मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोत	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अं.	अं.	अं.	अं.			अं.	अं.	अं क.	अं	अं. क.
२३ ३० शु	५२८४	३११.०४	३२०.०३	३२.६६	३०७.३८	५.०१४	२३०.५५	३०७.३७	१.०२०८.९९			६४२
२४ १ श	५२८५	३११.१२	३२०.०७	३२.६५	३०७.४७	५.०१४	२३०.६४	३०७.४६	१.०२०९.८८			६५२
२५ २ र	५२८६	३११.२१	३२०.०८	३२.६४	३०७.५७	५.०१४	२३०.७४	३०७.५६	१.०२१०.७६			७२
२६ ३ वे	५२८७	३११.२९	३२०.०९	३२.६४	३०७.६५	५.०१४	२३०.८२	३०७.६४	१.०२११.६६			७२
२७ ४ मं	५२८८	३११.३७	३२१.०४	३२.६४	३०७.७३	५.०१३	२३०.९०	३०७.७२	१.०२१२.५६			७२
२८ ५ बु	५२८९	३११.४६	३२१.१३	३२.६३	३०७.८३	५.०१३	२३१.००	३०७.८२	१.०२१३.४६			७३१
२९ ६ गु	५२९०	३११.५४	३२१.२१	३२.६२	३०७.९२	५.०१३	२३१.०९	३०७.९१	१.०२१४.३६			७४१
३० ७ शु	५२९१	३११.६२	३२१.२९	३२.६१	३०८.०१	५.०१२	२३१.१८	३०८.००	१.०२१५.२२			७५०
१ ८ बा	५२९२	३११.७१	३२१.३८	३२.६१	३०८.१०	५.०१२	२३१.२७	३०८.०९	१.०२१६.१२			७५९
२ ९ र	५२९३	३११.७९	३२१.४६	३२.६०	३०८.१९	५.०१२	२३१.३६	३०८.१८	१.०२१७.०१			८८
३ १० व	५२९४	३११.८७	३२१.५४	३२.६०	३०८.२७	५.०१२	२३१.४५	३०८.२७	१.०२१७.९१			८६
४ ११ मं	५२९५	३११.९५	३२१.६२	३२.६९	३०८.३६	५.०१२	२३१.५३	३०८.३५	१.०२१८.८१			८२४
५ १२ बु	५२९६	३११.९४	३२१.७१	३२.६९	३०८.४५	५.०१२	२३१.६२	३०८.४४	१.०२१९.७०			८३६
६ १३ शु	५२९७	३१२.०२	३२१.७९	३२.६८	३०८.५४	५.०११	२३१.७१	३०८.५३	१.०२२०.६०			८४१
७ १४ कु	५२९८	३१२.१०	३२१.८७	३२.६८	३०८.६२	५.०११	२३१.७९	३०८.६१	१.०२२१.५१			८४९
८ १५ बा	५२९९	३१२.१९	३२१.९६	३२.६७	३०८.७१	५.०११	२३१.८८	३०८.७०	१.०२२२.४१			८५७
९ १६ र	५३००	३१२.२७	३२२.०४	३२.६७	३०८.८०	५.०१०	२३१.९७	३०८.७९	१.०२२३.३०			९५
१० १७ च	५३०१	३१२.३५	३२२.१२	३२.६६	३०८.८९	५.०१०	२३२.०६	३०८.८८	१.०२२४.२०			९६५
११ १८ मं	५३०२	३१२.४४	३२२.२१	३२.६५	३०८.९९	५.०१०	२३२.१६	३०८.९८	१.०२२५.०९			९७९
१२ १९ बु	५३०३	३१२.५२	३२२.२९	३२.६५	३०९.०८	५.०१०	२३२.२५	३०९.०७	१.०२२५.९९			९८६
१३ २० शु	५३०४	३१२.६०	३२२.३७	३२.६३	३०९.१७	५.००९	२३२.३४	३०९.०६	१.०२२६.८९			९९३
१४ २१ कु	५३०५	३१२.६८	३२२.४५	३२.६३	३०९.२५	५.००९	२३२.४२	३०९.१४	१.०२२७.८०			९४०
१५ २२ बा	५३०६	३१२.७७	३२२.५४	३२.६२	३०९.३५	५.००९	२३२.५२	३०९.२४	१.०२२८.६९			९४६
१६ २३ र	५३०७	३१२.८५	३२२.६२	३२.६१	३०९.४४	५.००९	२३२.६१	३०९.३३	१.०२२९.५९			९५२
१७ २४ च	५३०८	३१२.९३	३२२.७०	३२.६१	३०९.५२	५.००९	२३२.६९	३०९.४१	१.०२३०.५०			९५८
१८ २५ मं	५३०९	३१२.९१	३२२.७९	३२.६०	३०९.६२	५.००८	२३२.७९	३०९.५१	१.०२३१.४०			९०३
१९ २६ बु	५३१०	३१३.००	३२२.८७	३२.६०	३०९.७१	५.००८	२३२.८८	३०९.६०	१.०२३२.३०			९०९
२० २७ शु	५३११	३१३.०८	३२२.९५	३२.६९	३०९.७९	५.००८	२३२.९६	३०९.६८	१.०२३३.२१			९०४
२१ २८ कु	५३१२	३१३.१७	३२२.०४	३२.६९	३०९.८८	५.००७	२३३.०५	३०९.७८	१.०२३४.११			९०९
२२ २९ बा	५३१३	३१३.२५	३२२.१२	३२.६८	३०९.९७	५.००७	२३३.१४	३०९.८६	१.०२३५.०२			९०४
२३ ३० र	५३१४	३१३.३३	३२२.२०	३२.६७	३१०.०६	५.००७	२३३.२३	३१०.०५	१.०२३५.९३			९०२

गुरु

१५३

सितम्बर-अक्टूबर सन १९३८ ई. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्थल ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायन मौन	विषुवांश	गति	विषुव का	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लघनकाळ	
अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	व. प.	अ. क.	अ. क.	व. प.	स्ट. घ. मि
२३	१० ० ३९	५	१ १० ० १	३२३ ३८	२२३ २४	० ५	५४ २४	१४ ४५	० २	३९	१२ २२	८
२४	१० ० ३४	५	१ १० ० ०	३२३ ३३	२२३ १९	० ५	५४ २३	१४ ४७	० २	३९	१२ २२	३
२५	१० ० ३०	५	१ १० ० ०	३२३ २९	२२३ १४	० ५	५४ २२	१४ ४९	० २	३८	१२ २१	५९
२६	१० ० २६	५	१ १० ० ०	३२३ २५	२२३ ९	० ५	५४ २२	१४ ५०	० १	३८	१२ २१	५०
२७	१० ० २२	५	१ १० ० ०	३२३ २१	२२३ ५	० ५	५४ २१	१४ ५१	० १	३८	१२ २१	४६
२८	१० ० १८	५	१ १० ० ०	३२३ १७	२२३ १	० ५	५४ २०	१४ ५२	० १	३८	१२ २१	४३
२९	१० ० १४	५	१ १० ० १	३२३ १३	२२३ ५९	० ५	५४ २०	१४ ५३	० १	३८	१२ २१	४३
३०	१० ० १०	५	१ १० ० ०	३२३ ९	२२३ ५५	० ५	५४ १९	१४ ५४	० १	३७	१२ २१	३८
१	१० ० ६	५	१ १० ० ०	३२३ ५	२२३ ५२	० ५	५४ १९	१४ ५५	० १	३७	१२ २१	३४
२	१० ० ३	५	१ १० ० ०	३२३ १	२२३ ४८	० ५	५४ १८	१४ ५६	० १	३७	१२ २१	३०
३	१० ० ३	५	१ १० ० ०	३२३ ५९	२२३ ४५	० ५	५४ १८	१४ ५७	० १	३७	१२ २१	२६
४	१० १ ७	५	१ १० ० ०	३२३ ५५	२२३ ४१	० ५	५४ १७	१४ ५८	० १	३७	१२ २१	२२
५	१० १ १३	५	१ १० ० ०	३२३ ५१	२२३ ३८	० ५	५४ १६	१४ ५९	० १	३७	१२ २१	१७
६	१० १ १९	५	१ १० ० ०	३२३ ४७	२२३ ३४	० ५	५४ १६	१५ ० ०	० १	३७	१२ २१	१३
७	१० १ २५	५	१ १० ० ०	३२३ ४३	२२३ ३०	० ५	५४ १६	१५ ० १	० १	३७	१२ २१	९
८	१० १ ३१	५	१ १० ० ०	३२३ ३९	२२३ २६	० ५	५४ १५	१५ ० २	० १	३७	१२ २१	५
९	१० १ ३७	५	१ १० ० ०	३२३ ३५	२२३ २२	० ५	५४ १५	१५ ० ३	० १	३७	१२ २१	१
१०	१० १ ४३	५	१ १० ० ०	३२३ ३१	२२३ १७	० ५	५४ १५	१५ ० ४	० १	३७	१२ २०	५७
११	१० १ ४९	५	१ १० ० ०	३२३ २७	२२३ १३	० ५	५४ १४	१५ ० ५	० १	३७	१२ २०	५३
१२	१० १ ५५	५	१ १० ० ०	३२३ २३	२२३ ९	० ५	५४ १४	१५ ० ६	० १	३७	१२ २०	४९
१३	१० १ ५१	५	१ १० ० ०	३२३ १९	२२३ ५	० ५	५४ १४	१५ ० ७	० १	३७	१२ २०	४५
१४	१० १ ५७	५	१ १० ० ०	३२३ १५	२२३ १	० ५	५४ १३	१५ ० ८	० १	३७	१२ २०	४१
१५	१० १ ५३	५	१ १० ० ०	३२३ ११	२२३ ५९	० ५	५४ १३	१५ ० ९	० १	३७	१२ २०	३७
१६	१० १ ५९	५	१ १० ० ०	३२३ ७	२२३ ५५	० ५	५४ १३	१५ ० १०	० १	३७	१२ २०	३३
१७	१० १ ५५	५	१ १० ० ०	३२३ ३	२२३ ५१	० ५	५४ १३	१५ ० ११	० १	३७	१२ २०	२९
१८	१० १ ५१	५	१ १० ० ०	३२३ ५९	२२३ ४७	० ५	५४ १३	१५ ० १२	० १	३७	१२ २०	२५
१९	१० १ ५७	५	१ १० ० ०	३२३ ५५	२२३ ४३	० ५	५४ १३	१५ ० १३	० १	३७	१२ २०	२१
२०	१० १ ५३	५	१ १० ० ०	३२३ ५१	२२३ ३९	० ५	५४ १३	१५ ० १४	० १	३७	१२ २०	१७
२१	१० १ ५९	५	१ १० ० ०	३२३ ४७	२२३ ३५	० ५	५४ १३	१५ ० १५	० १	३७	१२ २०	१३
२२	१० १ ५५	५	१ १० ० ०	३२३ ४३	२२३ ३१	० ५	५४ १३	१५ ० १६	० १	३७	१२ २०	९
२३	१० १ ५१	५	१ १० ० ०	३२३ ३९	२२३ २७	० ५	५४ १३	१५ ० १७	० १	३७	१२ २०	५

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. वार	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अ. क.
२३ ३० र	५३१४	३१३-५३	३२३-२०	३-४७	३१०-०६	५-००७	३१०-०५	२३३-२३	१ २	२३५-१३	१० २
२४ १ अं	५३१५	३१३-६३	३२३-२८	३-४६	३१०-१५	५-००७	३१०-१४	२३३-३२	१ ३	२३६-८३	१० ३३
२५ २ मं	५३१६	३१३-७०	३२३-३७	३-४५	३१०-२५	५-००६	३१०-२४	२३३-४२	१ ३	२३७-७३	१० ३८
२६ ३ बु	५३१७	३१३-७८	३२३-४५	३-४४	३१०-३४	५-००६	३१०-३३	२३३-५१	१ ३	२३८-६४	१० ४२
२७ ४ शु	५३१८	३१३-८६	३२३-५३	३-४३	३१०-४२	५-००६	३१०-४२	२३३-५९	१ ३	२३९-५५	१० ४६
२८ ५ अशु	५३१९	३१३-९५	३२३-६२	३-४२	३१०-५१	५-००६	३१०-५१	२३३-६९	१ ३	२४०-४५	१० ५०
२९ ६ श	५३२०	३१४-०३	३२३-७०	३-४१	३१०-६०	५-००६	३१०-६०	२३३-७७	१ ३	२४१-३७	१० ५३
३० ७ व	५३२१	३१४-११	३२३-७८	३-४०	३१०-६९	५-००६	३१०-६८	२३३-८६	१ ३	२४२-२८	१० ५६
३१ ८ अं	५३२२	३१४-२०	३२४-८७	३-४१	३१०-७९	५-००५	३१०-७८	२३४-०६	१ ३	२४३-१८	१० ५९
१ ९ मं	५३२३	३१४-२८	३२४-९५	३-४१	३१०-८७	५-००५	३१०-८६	२३४-०४	१ ३	२४४-१०	११ १
२ १० बु	५३२४	३१४-३६	३२४-०३	३-४०	३१०-९५	५-००५	३१०-९४	२३४-१०	१ ३	२४५-०२	११ ५
३ ११ शु	५३२५	३१४-४४	३२४-११	३-४०	३११-०४	५-००५	३११-०३	२३४-१९	१ ३	२४५-१३	११ ८
४ १२ अशु	५३२६	३१४-५३	३२४-२०	३-३९	३११-१४	५-००४	३११-१३	२३४-२७	१ ३	२४६-०४	११ १०
५ १३ श	५३२७	३१४-६१	३२४-२८	३-३८	३११-२३	५-००४	३११-२२	२३४-३०	१ ३	२४७-७५	११ १२
६ १४ व	५३२८	३१४-६९	३२४-३६	३-३८	३११-३१	५-००४	३११-३०	२३४-४८	१ ४	२४८-६७	११ १४
७ १५ अं	५३२९	३१४-७८	३२४-४५	३-३७	३११-४१	५-००३	३११-४०	२३४-५८	१ ४	२४९-५७	११ १६
८ १६ मं	५३३०	३१४-८६	३२४-५३	३-३६	३११-५२	५-००३	३११-५१	२३४-६९	१ ४	२५०-४७	११ १८
९ १७ बु	५३३१	३१४-९४	३२४-६१	३-३६	३११-५८	५-००३	३११-५७	२३४-७५	१ ४	२५१-४१	११ १९
१० १८ शु	५३३२	३१५-०३	३२४-७०	३-३५	३११-६८	५-००२	३११-६७	२३४-८५	१ ४	२५२-३३	११ २०
११ १९ अशु	५३३३	३१५-११	३२४-७८	३-३५	३११-७७	५-००२	३११-७६	२३४-९५	१ ४	२५३-२३	११ २१
१२ २० श	५३३४	३१५-१९	३२४-८६	३-३४	३११-८५	५-००२	३११-८४	२३४-१०२	१ ४	२५४-१६	११ २२
१३ २१ व	५३३५	३१५-२७	३२५-१४	३-३३	३११-९४	५-००२	३११-९३	२३४-११०	१ ४	२५५-०९	११ २३
१४ २२ अं	५३३६	३१५-३६	३२५-०३	३-३३	३१२-०३	५-००२	३१२-०२	२३५-००	१ ४	२५५-१७	११ २३
१५ २३ मं	५३३७	३१५-४४	३२५-११	३-३२	३१२-१२	५-००२	३१२-११	२३५-१०९	१ ४	२५६-०९	११ २३
१६ २४ बु	५३३८	३१५-५२	३२५-१९	३-३२	३१२-२१	५-००१	३१२-२०	२३५-२८	१ ४	२५७-०३	११ २४
१७ २५ शु	५३३९	३१५-६०	३२५-२८	३-३१	३१२-३१	५-००१	३१२-३०	२३५-३६	१ ४	२५८-७३	११ २४
१८ २६ अशु	५३४०	३१५-६९	३२५-३६	३-२९	३१२-४०	५-००१	३१२-३९	२३५-४७	१ ४	२५९-६५	११ २४
१९ २७ श	५३४१	३१५-७७	३२५-४४	३-२९	३१२-४८	५-००१	३१२-४७	२३५-५६	१ ४	२६०-०५	११ २३
२० २८ व	५३४२	३१५-८६	३२५-५३	३-२८	३१२-५८	५-०००	३१२-५७	२३५-६५	१ ५	२६१-४९	११ २२
२१ २९ अं	५३४३	३१५-९४	३२५-६१	३-२८	३१२-६६	५-०००	३१२-६५	२३६-०८	१ ५	२६२-४२	११ २२

गुरु

१५५

अगस्त-सितम्बर सन १९२८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेष गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह		गति	भूमध्य दृश्य शर		गति	सायनमार्ग		विषुवांश		गति	विषुवकाल		कांति	गति	इंदौर शहर का ग्राम्योत्तर ध्रुवनकाल		
	रा.	अ. क.	अ. क.	अ.	क.	अ. क.	अ.	क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ.	प	अ. क.	अ. क.	घ.	प.	स्टैं. घ. मि.
२३	१ २९ ३४	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७ ०	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	६							
२४	१ २९ ३५	- १ ७	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१								
२५	१ २९ ३६	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
२६	१ २९ ३७	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
२७	१ २९ ३८	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
२८	१ २९ ४०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
२९	१ २९ ४२	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
३०	१ २९ ४४	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
३१	१ २९ ४६	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
१	१ २९ ४९	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
२	१ २९ ५२	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
३	१ २९ ५५	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
४	१ २९ ५८	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
५	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
६	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
७	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
८	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
९	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
१०	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
११	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
१२	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
१३	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
१४	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
१५	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
१६	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
१७	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
१८	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
१९	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
२०	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							
२१	१ ३० ०	० १	१ ७ ०	३२२ ३३	३२५ १७	१ ५४	१३-१५	३ ०	३४	५ २०	१							

नवंबर-दिसंबर १९३८ ई. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेष गणित ।

ता.	ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीर्षकेंद्र	शीर्षफल	
			अ.	अ.	अ.	अ.		अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.	
२१	३०	चं	५३४३	३१५९४	३२५६१	३०२८	३१२६६	५०००	३१२६५	२३५८३	१५	२६२४२	११२२
२२	१	सं	५३४४	३१५०२	३२५६९	—	३०२७	३१२७५	५०००	३१२७४	२३५९२	—	११२१
२३	१	सु	५३४५	३१६०१	३२५७७	३०२७	३१२८३	५०००	३१२८२	२३६००	१५	२६४०३	११२०
२४	२	मृ	५३४६	३१६०१	३२५८६	३०२६	३१२९४	५०००	३१२९२	२३६१०	१५	२६५०८	१११८
२५	३	मि	५३४७	३१६०२	३२५९५	३०२५	३१३०२	४९९९	३१३०१	२३६१९	१५	२६६१०	१११७
२६	४	श	५३४८	३१६०३	३२६०३	३०२५	३१३१०	४९९९	३१३१०	२३६२७	१५	२६७०५	१११५
२७	५	र	५३४९	३१६०४	३२६१२	३०२४	३१३२०	४९९९	३१३१९	२३६३७	१५	२६७९५	१११३
२८	६	व	५३५०	३१६०५	३२६२०	३०२३	३१३२९	४९९९	३१३२८	२३६४६	१५	२६८८७	११११
२९	७	श	५३५१	३१६०६	३२६२८	३०२२	३१३३८	४९९९	३१३३७	२३६५५	१५	२६९७९	११११
३०	८	ब	५३५२	३१६०७	३२६३७	३०२२	३१३४७	४९९८	३१३४६	२३६६४	१५	२७०७२	१११७
१	९	सु	५३५३	३१६०८	३२६४५	३०२१	३१३५६	४९९८	३१३५५	२३६७३	१५	२७१६४	१११५
२	१०	मृ	५३५४	३१६०९	३२६५३	३०२०	३१३६५	४९९८	३१३६४	२३६८२	१५	२७२५६	१११३
३	११	मि	५३५५	३१६१०	३२६६१	३०१९	३१३७४	४९९८	३१३७३	२३६९१	१५	२७३४९	१११०
४	१२	श	५३५६	३१६१०	३२६७०	३०१९	३१३८२	४९९८	३१३८१	२३७०१	१५	२७४४२	११०९
५	१३	र	५३५७	३१६१०	३२६७८	३०१८	३१३९२	४९९९	३१३९१	२३७०९	१५	२७५३४	११०५
६	१४	व	५३५८	३१६१०	३२६८६	३०१७	३१४०१	४९९९	३१४००	२३७१८	१५	२७६२६	११०५
७	१५	श	५३५९	३१६१०	३२६९५	३०१७	३१४१०	४९९९	३१४०९	२३७२७	१५	२७७१९	११०५
८	१६	सु	५३६०	३१६११	३२७०३	३०१७	३१४१८	४९९९	३१४१७	२३७३५	१५	२७८१२	११०५
९	१७	मृ	५३६१	३१६११	३२७०९	३०१६	३१४२७	४९९९	३१४२६	२३७४४	१५	२७९०५	११०५
१०	१८	मि	५३६२	३१६११	३२७१०	३०१६	३१४३७	४९९९	३१४३६	२३७५४	१५	२८००९	११०५
११	१९	श	५३६३	३१६११	३२७१८	३०१६	३१४४६	४९९९	३१४४५	२३७६३	१५	२८०९९	११०५
१२	२०	र	५३६४	३१६११	३२७२६	३०१६	३१४५५	४९९९	३१४५४	२३७७३	१५	२८१९९	११०५
१३	२१	व	५३६५	३१६११	३२७३४	३०१६	३१४६३	४९९९	३१४६३	२३७८०	१५	२८२९९	११०५
१४	२२	श	५३६६	३१६११	३२७४३	३०१६	३१४७३	४९९९	३१४७३	२३७९०	१५	२८३९९	११०५
१५	२३	सु	५३६७	३१६११	३२७५३	३०१६	३१४८३	४९९९	३१४८३	२३८००	१५	२८४९९	११०५
१६	२४	मृ	५३६८	३१६११	३२७६३	३०१६	३१४९३	४९९९	३१४९३	२३८०८	१५	२८५९९	११०५
१७	२५	मि	५३६९	३१६११	३२७७३	३०१६	३१५०३	४९९९	३१५०३	२३८१८	१५	२८६९९	११०५
१८	२६	श	५३७०	३१६११	३२७८३	३०१६	३१५१३	४९९९	३१५१३	२३८२८	१५	२८७९९	११०५
१९	२७	र	५३७१	३१६११	३२७९३	३०१६	३१५२३	४९९९	३१५२३	२३८३८	१५	२८८९९	११०५
२०	२८	व	५३७२	३१६११	३२८०३	३०१६	३१५३३	४९९९	३१५३३	२३८४८	१५	२८९९९	११०५
२१	२९	श	५३७३	३१६११	३२८१३	—	३००८	३१५४३	४९९९	३१५४३	२३८५३	—	११०५

नवंबर-डिसेंबर सन १९३८ ई. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	ल मिथुन	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लेखनकाल							
२१	१० १ १८	+	६-१	३	०	३२४	१७	२२६	५९	६५४	३०	१४	२४	२	२९	३६	१८	१७
२२	१० १ २४		१	३	०	३२४	२३	३२७	५	५४	३१	१४	२२	२	२९	२७	१८	१४
२३	१० १ ३०		१	३	०	३२४	२९	३२७	११	५४	३२	१४	२०	२	२९	१८	१८	१०
२४	१० १ ३६		७	३	०	३२४	३५	३२७	१७	५४	३३	१४	१८	२	२९	१८	१८	७
२५	१० १ ४३		७	३	०	३२४	४२	३२७	२२	५४	३४	१४	१६	२	२९	१८	१८	३
२६	१० १ ५०		७	३	०	३२४	४९	३२७	२९	५४	३५	१४	१४	२	२९	१८	१८	०
२७	१० १ ५८		७	३	०	३२४	५६	३२७	३७	५४	३६	१४	१२	२	२९	१८	१७	५६
२८	१० २ ५		८	३	०	३२५	५३	३२७	४४	५४	३७	१४	१०	२	२९	१८	१७	५२
२९	१० २ ५		८	३	०	३२५	१०	३२७	५२	५४	३८	१४	८	२	२९	१८	१७	४९
३०	१० २ २०		१	३	०	३२५	२०	३२७	५९	५४	३९	१४	२	२	२९	१७	१७	४५
१	१० २ २९		८	३	०	३२५	२८	३२८	७	५४	४०	१४	०	२	२९	१७	१७	४३
२	१० २ ३७		८	३	०	३२५	३६	३२८	१४	५४	४१	१४	५७	२	२९	१७	१७	३९
३	१० २ ४५		८	३	०	३२५	४४	३२८	२२	५४	४२	१४	५५	२	२९	१७	१७	३६
४	१० २ ५३		८	३	०	३२५	५२	३२८	२९	५४	४३	१४	५३	२	२९	१७	१७	३२
५	१० ३ ०		९	३	०	३२६	०	३२८	३७	५४	४४	१४	५१	२	२९	१७	१७	२८
६	१० ३ १०		९	३	०	३२६	८	३२८	४६	५४	४५	१४	४९	२	२९	१७	१७	२५
७	१० ३ २०		९	३	०	३२६	१८	३२८	५५	५४	४६	१४	४७	२	२९	१७	१७	२२
८	१० ३ २८		९	३	०	३२६	२६	३२९	६	५४	४७	१४	४५	२	२९	१७	१७	१९
९	१० ३ ३७		९	३	०	३२६	३४	३२९	१२	५४	४८	१४	४३	२	२९	१७	१७	१५
१०	१० ३ ४६		९	३	०	३२६	४२	३२९	१९	५४	४९	१४	४१	२	२९	१७	१७	१२
११	१० ३ ५४		९	३	०	३२६	५०	३२९	२६	५४	५०	१४	३९	२	२९	१७	१७	८
१२	१० ४ ४		९	३	०	३२६	५९	३२९	३०	५४	५१	१४	३७	२	२९	१७	१७	५
१३	१० ४ १२		९	३	०	३२६	०	३२९	३६	५४	५२	१४	३५	२	२९	१७	१७	२
१४	१० ४ २२		९	३	०	३२७	०	३२९	४३	५४	५३	१४	३३	२	२९	१७	१७	५८
१५	१० ४ ३२		९	३	०	३२७	०	३३०	५०	५४	५४	१४	३१	२	२९	१७	१७	५५
१६	१० ४ ४२		९	३	०	३२७	०	३३०	५७	५४	५५	१४	२९	२	२९	१७	१७	५१
१७	१० ४ ५२		९	३	०	३२७	५	३३०	६४	५४	५६	१४	२७	२	२९	१७	१७	४८
१८	१० ५ २		९	३	०	३२८	१०	३३०	७१	५४	५७	१४	२५	२	२९	१७	१७	४३
१९	१० ५ १२		९	३	०	३२८	१८	३३०	७९	५४	५८	१४	२३	२	२९	१७	१७	४१
२०	१० ५ २२		९	३	०	३२८	२०	३३०	८६	५४	५९	१४	२१	२	२९	१७	१७	३८
२१	१० ५ ३२	+	९	३	०	३२८	३०	३३१	९४	५४	६०	१४	१९	२	२९	१७	१७	३५

दिसंबर-जनवरी सन १९३८-३९ ई.

पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता. ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोत	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क	अं.	अं. क.
२१ ३० बु	५ ३७३	३१८.४४	३२८.११	३००	३१५.३६	४.९९४	३१५.३५	२३८.५३	१ ७ २९०.१७	९	४९
२२ १ सु	५ ३७४	३१८.५२	३२८.१९	३००	३१५.४५	४.९९४	३१५.४४	२३८.६२	१ ७ २९१.१०	९	४४
२३ २ शु	५ ३७५	३१८.६०	३२८.२७	३००	३१५.५४	४.९९४	३१५.५३	२३८.७१	१ ७ २९२.०२	९	३९
२४ ३ श	५ ३७६	३१८.६९	३२८.३६	३०५	३१५.६४	४.९९४	३१५.६३	२३८.८१	१ ७ २९२.९४	९	३४
२५ ४ र	५ ३७७	३१८.७७	३२८.४४	३०५	३१५.७३	४.९९४	३१५.७२	२३८.८९	१ ७ २९३.८८	९	२८
२६ ५ च	५ ३७८	३१८.८५	३२८.५२	३०५	३१५.८१	४.९९४	३१५.८०	२३८.९८	१ ७ २९४.८१	९	२३
२७ ५ मं	५ ३७९	३१८.९४	३२८.६१	३०३	३१५.९१	४.९९३	३१५.९०	२३९.०८	१ ७ २९५.७३	९	१७
२८ ६ मं	५ ३८०	३१९. २	३२८.६९	३००	३१६.००	४.९९३	३१५.९९	२३९.१७	१ ७ २९६.६६	९	११
२९ ७ बु	५ ३८१	३१९.१०	३२८.७७	३००	३१६.०८	४.९९२	३१६.०७	२३९.२५	१ ७ २९७.५९	९	५
३० ८ शु	५ ३८२	३१९.१९	३२८.८६	३०१	३१६.१८	४.९९२	३१६.१७	२३९.३५	१ ७ २९८.५२	८	५९
३१ ९ र	५ ३८३	३१९.२७	३२८.९४	३००	३१६.२७	४.९९२	३१६.२६	२३९.४५	१ ७ २९९.४५	८	५४
१ १० च	५ ३८४	३१९.३५	३२९.०२	३००	३१६.३५	४.९९१	३१६.३४	२३९.५२	१ ७ ३००.३९	८	४७
२ ११ मं	५ ३८५	३१९.४३	३२९.१०	२९९	३१६.४४	४.९९१	३१६.४३	२३९.६१	१ ७ ३०१.३१	८	४१
३ १२ बु	५ ३८६	३१९.५२	३२९.१९	२९९	३१६.५४	४.९९१	३१६.५३	२३९.७१	१ ७ ३०२.२३	८	३५
४ १३ शु	५ ३८७	३१९.६०	३२९.२७	२९९	३१६.६३	४.९९१	३१६.६२	२३९.८०	१ ८ ३०३.१६	८	२८
५ १४ र	५ ३८८	३१९.६८	३२९.३५	२९७	३१६.७१	४.९९१	३१६.७०	२३९.८८	१ ८ ३०४.१०	८	२२
६ १५ श	५ ३८९	३१९.७७	३२९.४४	२९७	३१६.८१	४.९९१	३१६.८०	२३९.९८	१ ८ ३०५.०२	८	१५
७ १६ च	५ ३९०	३१९.८५	३२९.५२	२९६	३१६.९०	४.९९०	३१६.८९	२४०.०७	१ ८ ३०६.९५	८	८
८ १७ मं	५ ३९१	३१९.९४	३२९.६१	२९५	३१६.९९	४.९९०	३१६.९८	२४०.१६	१ ८ ३०७.८८	८	५५
९ १८ बु	५ ३९२	३२०.०२	३२९.७०	२९४	३१७.०९	४.९९०	३१७.०८	२४०.२६	१ ८ ३०८.८०	७	५८
१० १९ र	५ ३९३	३२०.१०	३२९.७८	२९३	३१७.१८	४.९९०	३१७.१७	२४०.३५	१ ८ ३०९.७३	७	५८
११ २० श	५ ३९४	३२०.१८	३२९.८६	२९२	३१७.२६	४.९९०	३१७.२५	२४०.४३	१ ८ ३१०.६७	७	४१
१२ २१ च	५ ३९५	३२०.२६	३२९.९४	२९२	३१७.३५	४.९९०	३१७.३४	२४०.५२	१ ८ ३११.६०	७	३४
१३ २२ मं	५ ३९६	३२०.३४	३२९.०२	२९१	३१७.४४	४.९८९	३१७.४३	२४०.६१	१ ८ ३१२.५३	७	२७
१४ २३ बु	५ ३९७	३२०.४३	३२९.१०	२९१	३१७.५३	४.९८९	३१७.५२	२४०.७०	१ ८ ३१३.४६	७	१९
१५ २४ र	५ ३९८	३२०.५१	३२९.१९	२९०	३१७.६२	४.९८९	३१७.६१	२४०.७९	१ ८ ३१४.३८	७	१२
१६ २५ श	५ ३९९	३२०.६०	३२९.२७	२८९	३१७.७१	४.९८९	३१७.७०	२४०.८९	१ ८ ३१५.३०	७	५
१७ २६ च	५ ४००	३२०.६८	३२९.३५	२८८	३१७.८१	४.९८८	३१७.८०	२४०.९८	१ ८ ३१६.२३	६	५७
१८ २७ मं	५ ४०१	३२०.७७	३२९.४३	२८७	३१७.९०	४.९८८	३१७.८८	२४१.०७	१ ८ ३१७.१६	६	४९
१९ २८ बु	५ ४०२	३२०.८५	३२९.५२	२८७	३१७.९९	४.९८८	३१७.९८	२४१.१६	१ ९ ३१८.०९	६	४२
२० २९ र	५ ४०३	३२०.९३	३२९.६०	२८६	३१८.०७	४.९८७	३१८.०६	२४१.२४	१ ९ ३१८.०२	६	३४

गुरु

१५९

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पोष शुद्ध और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य हृदय शर	गति	नाना सायनमान	विषुवांश	गति	विषुवांश	गति	क्रांति	गति	हंदोर शहर का साम्योत्तर लघनकाल
रा.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.
२१	१०	५३२	०१०	१०	०१	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
२२	१०	५४२	०११	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
२३	१०	५५३	०११	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
२४	१०	५६४	०११	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
२५	१०	५७५	०११	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
२६	१०	५८६	०११	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
२७	१०	५९७	०११	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
२८	१०	६०८	०११	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
२९	१०	६१९	०११	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
३०	१०	६३०	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
३१	१०	६४१	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
३२	१०	६५२	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
३३	१०	६६३	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
३४	१०	६७४	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
३५	१०	६८५	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
३६	१०	६९६	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
३७	१०	७०७	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
३८	१०	७१८	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
३९	१०	७२९	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
४०	१०	७४०	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
४१	१०	७५१	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
४२	१०	७६२	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
४३	१०	७७३	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
४४	१०	७८४	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
४५	१०	७९५	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
४६	१०	८०६	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
४७	१०	८१७	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
४८	१०	८२८	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
४९	१०	८३९	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
५०	१०	८५०	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
५१	१०	८६१	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
५२	१०	८७२	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
५३	१०	८८३	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
५४	१०	८९४	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
५५	१०	९०५	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
५६	१०	९१६	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
५७	१०	९२७	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
५८	१०	९३८	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
५९	१०	९४९	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५
६०	१०	९६०	०१२	०५	००	३२८	३३१	४०	१०	५५	११	१२ ५५

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ.

माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन्	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.क.	अ.	
२०	३०	शु	५४०३	३२००१३	३३००६०	-२८६	३१८००७	४०९८७	३१८००७	२४१२२४	१ ९ ३१८०२२	-६ ३४
२१	१	श	५४०४	३२१००१	३३००६८	२८५	३१८०१६	४०९८७	३१८०१६	२४१२३३	-१ ९ ३१८०१५	६ २६
२२	२	र	५४०५	३२१००९	३३००७६	२८५	३१८०२४	४०९८७	३१८०२३	२४१२४१	१ ९ ३१८०१९	६ १८
२३	३	ब	५४०६	३२१०१८	३३००८५	२८४	३१८०३३	४०९८७	३१८०३३	२४१२५१	१ ९ ३२००८१	६ ११
२४	४	म	५४०७	३२१०२६	३३००९३	२८३	३१८०४३	४०९८७	३१८०४२	२४१२६०	१ ९ ३२१०७३	६ ३
२५	५	सु	५४०८	३२१०३४	३३०१०१	२८३	३१८०५१	४०९८७	३१८०५०	२४१२६८	१ ९ ३२१०७३	५ ५५
२६	६	शु	५४०९	३२१०४३	३३०११०	२८२	३१८०६१	४०९८७	३१८०६०	२४१२७८	१ ९ ३२३०५९	५ ४६
२७	७	श	५४१०	३२१०५१	३३०११८	२८१	३१८०७०	४०९८७	३१८०६९	२४१२८७	१ ९ ३२३०५९	५ ३८
२८	८	श	५४११	३२१०५९	३३०१२६	२८०	३१८०७९	४०९८७	३१८०७८	२४१२९६	१ ९ ३२५०५४	५ ३०
२९	९	र	५४१२	३२१०६८	३३०१३५	२८०	३१८०८८	४०९८५	३१८०८७	२४२००५	१ ९ ३२६०३७	५ २२
३०	१०	ब	५४१३	३२१०७६	३३०१४३	२८०	३१८०९७	४०९८५	३१८०९६	२४२०१५	१ ९ ३२७०३७	५ १३
३१	११	मं	५४१४	३२१०८४	३३०१५१	२७९	३१९००६	४०९८५	३१९००५	२४२०२३	१ १० ३२८०२२	५ ५
१	१२	सु	५४१५	३२१०९२	३३०१५९	२७९	३१९०१५	४०९८५	३१९०१४	२४२०३२	१ १० ३२९०१५	४ ५७
२	१३	शु	५४१६	३२१०९९	३३०१६८	२७९	३१९०२५	४०९८५	३१९०२४	२४२०४२	१ १० ३३०००६	४ ४८
३	१४	श	५४१७	३२१००९	३३०१७६	२७९	३१९०३४	४०९८५	३१९०३३	२४२०५१	१ १० ३३०००६	४ ४०
४	१५	श	५४१८	३२१०१७	३३०१८४	२७९	३१९०४२	४०९८५	३१९०४१	२४२०५९	१ १० ३३१०१२	४ ३२
५	१६	र	५४१९	३२१०२६	३३०१९३	२७४	३१९०५२	४०९८५	३१९०५१	२४२०६९	१ १० ३३२०८३	४ २३
६	१७	ब	५४२०	३२१०३४	३३०२०१	२७४	३१९०६०	४०९८५	३१९०५९	२४२०७७	१ १० ३३३०७६	४ १४
७	१८	मं	५४२१	३२१०४२	३३०२०९	२७३	३१९०६९	४०९८५	३१९०६८	२४२०८६	१ १० ३३३०६९	४ ६
८	१९	सु	५४२२	३२१०५१	३३०२१८	२७२	३१९०७९	४०९८४	३१९०७८	२४२०९६	१ १० ३३५०५०	३ ५७
९	२०	शु	५४२३	३२१०५९	३३०२२६	२७३	३१९०८८	४०९८४	३१९०८७	२४२१०५	१ १० ३३६०५२	३ ४९
१०	२१	श	५४२४	३२१०६७	३३०२३४	२७३	३१९०९६	४०९८४	३१९०९५	२४२११३	१ १० ३३७०५५	३ ४०
११	२२	र	५४२५	३२१०७५	३३०२४२	२७३	३२०००५	४०९८४	३२०००४	२४२१२२	१ १० ३३८०८८	३ ३१
१२	२३	ब	५४२६	३२१०८४	३३०२५१	२७५	३२००१५	४०९८४	३२००१४	२४२१३२	१ १० ३३९०२९	३ २२
१३	२४	मं	५४२७	३२१०९२	३३०२५९	२७६	३२००२४	४०९८३	३२००२३	२४२१४१	१ १० ३४००२१	३ १४
१४	२५	सु	५४२८	३२११००	३३०२६७	२७७	३२००३३	४०९८३	३२००३२	२४२१५०	१ १० ३४१०१३	३ ५
१५	२६	शु	५४२९	३२११०९	३३०२७६	२७७	३२००४२	४०९८३	३२००४१	२४२१५९	१ १० ३४२००५	२ ५८
१६	२७	श	५४३०	३२१११७	३३०२८४	२७६	३२००५१	४०९८३	३२००५०	२४२१६८	१ १० ३४३०१७	२ ४७
१७	२८	र	५४३१	३२११२५	३३०२९२	२७५	३२००६०	४०९८३	३२००५९	२४२१७७	१ ११ ३४३०८९	२ ३८
१८	२९	ब	५४३२	३२११३४	३३०३०१	२७५	३२००६९	४०९८२	३२००६८	२४२१८६	१ ११ ३४४०८१	२ ३०
१९	३०	मं	५४३३	३२११४२	३३०३०९	-२७४	३२००७८	४०९८२	३२००७७	२४२१९५	-१ ११ ३४५०७३	-२ २१

गुरु

१६३

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ.

माघ शुद्ध और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनमोना	विषुवांश	गति	ल विषुवकी	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का
	११. अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	वाय्योत्तर लंघन काल
२०	१० ११ ३०	० १३	५७	०	२३४ ३०	३३६ ४३	१२ ५६	७	१० ४६	५ २१	२२ १५ ०
२१	१० ११ ४३	० १३	५७	०	२३४ ४३	३३६ ५५	१२ ५६	९	१० ४१	५ २१	१४ १४ ५७
२२	१० ११ ५६	० १३	५७	०	२३४ ५६	३३७ ७	१२ ५६	११	१० ३६	५ २१	१४ १४ ५३
२३	१० १२ ९	० १३	५७	०	२३५ ९	३३७ १९	१२ ५६	१३	१० ३१	५ २०	१४ १४ ५०
२४	१० १२ २२	० १३	५७	०	२३५ २२	३३७ ३२	१२ ५६	१५	१० २६	५ २०	१४ १४ ४७
२५	१० १२ ३५	० १३	५७	०	२३५ ३५	३३७ ४५	१२ ५६	१७	१० २१	५ २०	१४ १४ ४५
२६	१० १२ ४८	० १३	५७	०	२३५ ४८	३३७ ५७	१२ ५६	१९	१० १६	५ २०	१४ १४ ४१
२७	१० १३ १	० १३	५७	०	२३५ १	३३८ १०	१२ ५६	२१	१० ११	५ २०	१४ १४ ३८
२८	१० १३ १४	० १३	५७	०	२३५ १४	३३८ २२	१२ ५६	२३	१० ६	५ २०	१४ १४ ३५
२९	१० १३ २७	० १३	५७	०	२३५ २७	३३८ ३५	१२ ५६	२५	१० १	५ २०	१४ १४ ३२
३०	१० १३ ४०	० १३	५७	०	२३५ ४०	३३८ ४७	१२ ५६	२७	१० ५६	५ २०	१४ १४ २९
३१	१० १३ ५३	० १३	५७	०	२३५ ५३	३३९ ०	१२ ५६	२९	१० ५१	५ २०	१४ १४ २६
३२	१० १४ ६	० १३	५७	०	२३६ ६	३३९ १२	१२ ५६	३१	१० ४६	५ १९	१४ १४ २३
३३	१० १४ १९	० १३	५७	०	२३६ १९	३३९ २५	१२ ५६	३३	१० ४१	५ १९	१४ १४ २०
३४	१० १४ ३२	० १३	५७	०	२३६ ३२	३३९ ३७	१२ ५६	३५	१० ३६	५ १९	१४ १४ १७
३५	१० १४ ४५	० १३	५७	०	२३६ ४५	३३९ ५०	१२ ५६	३७	१० ३१	५ १९	१४ १४ १४
३६	१० १४ ५८	० १३	५७	०	२३६ ५८	३४० २	१२ ५६	३९	१० २६	५ १९	१४ १४ ११
३७	१० १५ ११	० १३	५७	०	२३७ ११	३४० १५	१२ ५६	४१	१० २१	५ १९	१४ १४ ८
३८	१० १५ २४	० १३	५७	०	२३७ २४	३४० २७	१२ ५६	४३	१० १६	५ १९	१४ १४ ५
३९	१० १५ ३७	० १३	५७	०	२३७ ३७	३४० ४०	१२ ५६	४५	१० ११	५ १९	१४ १४ २
४०	१० १५ ५०	० १३	५७	०	२३७ ५०	३४० ५२	१२ ५६	४७	१० ६	५ १९	१४ १४ ०
४१	१० १६ ३	० १३	५७	०	२३८ ३	३४१ ५	१२ ५६	४९	१० १	५ १९	१४ १३ ५७
४२	१० १६ १६	० १३	५७	०	२३८ १६	३४१ १७	१२ ५६	५१	१० ५६	५ १९	१४ १३ ५४
४३	१० १६ २९	० १३	५७	०	२३८ २९	३४१ ३०	१२ ५६	५३	१० ५१	५ १९	१४ १३ ५१
४४	१० १६ ४२	० १३	५७	०	२३८ ४२	३४१ ४२	१२ ५६	५५	१० ४६	५ १९	१४ १३ ४८
४५	१० १६ ५५	० १३	५७	०	२३८ ५५	३४१ ५५	१२ ५६	५७	१० ४१	५ १९	१४ १३ ४५
४६	१० १७ ८	० १३	५७	०	२३९ ८	३४१ ६	१२ ५६	५९	१० ३६	५ १९	१४ १३ ४२
४७	१० १७ २१	० १३	५७	०	२३९ २१	३४१ १८	१२ ५६	६१	१० ३१	५ १९	१४ १३ ३९
४८	१० १७ ३४	० १३	५७	०	२३९ ३४	३४१ ३०	१२ ५६	६३	१० २६	५ १९	१४ १३ ३६
४९	१० १७ ४७	० १३	५७	०	२३९ ४७	३४१ ४२	१२ ५६	६५	१० २१	५ १९	१४ १३ ३३
५०	१० १७ ६०	० १३	५७	०	२४० ६०	३४१ ५५	१२ ५६	६७	१० १६	५ १९	१४ १३ ३०
५१	१० १७ ७३	० १३	५७	०	२४० ७३	३४२ ७	१२ ५६	६९	१० ११	५ १९	१४ १३ २७
५२	१० १७ ८६	० १३	५७	०	२४० ८६	३४२ १९	१२ ५६	७१	१० ६	५ १९	१४ १३ २४
५३	१० १७ ९९	० १३	५७	०	२४० ९९	३४२ ३२	१२ ५६	७३	१० १	५ १९	१४ १३ २१
५४	१० १८ १२	० १३	५७	०	२४१ १२	३४२ ४५	१२ ५६	७५	१० ५६	५ १९	१४ १३ १८
५५	१० १८ २५	० १३	५७	०	२४१ २५	३४२ ५७	१२ ५६	७७	१० ५१	५ १९	१४ १३ १५
५६	१० १८ ३८	० १३	५७	०	२४१ ३८	३४२ ७०	१२ ५६	७९	१० ४६	५ १९	१४ १३ १२
५७	१० १८ ५१	० १३	५७	०	२४१ ५१	३४२ ८२	१२ ५६	८१	१० ४१	५ १९	१४ १३ ९
५८	१० १९ ४	० १३	५७	०	२४२ ४	३४२ ९५	१२ ५६	८३	१० ३६	५ १९	१४ १३ ६
५९	१० १९ १७	० १३	५७	०	२४२ १७	३४२ १०७	१२ ५६	८५	१० ३१	५ १९	१४ १३ ३
६०	१० १९ ३०	० १३	५७	०	२४२ ३०	३४२ १२०	१२ ५६	८७	१० २६	५ १९	१४ १३ ०
६१	१० १९ ४३	० १३	५७	०	२४२ ४३	३४२ १३२	१२ ५६	८९	१० २१	५ १९	१४ १३ ५७
६२	१० १९ ५६	० १३	५७	०	२४२ ५६	३४२ १४५	१२ ५६	९१	१० १६	५ १९	१४ १३ ५४
६३	१० २० ९	० १३	५७	०	२४३ ९	३४२ १५७	१२ ५६	९३	१० ११	५ १९	१४ १३ ५१
६४	१० २० २२	० १३	५७	०	२४३ २२	३४२ १७०	१२ ५६	९५	१० ६	५ १९	१४ १३ ४८
६५	१० २० ३५	० १३	५७	०	२४३ ३५	३४२ १८२	१२ ५६	९७	१० १	५ १९	१४ १३ ४५
६६	१० २० ४८	० १३	५७	०	२४३ ४८	३४२ १९५	१२ ५६	९९	१० ५६	५ १९	१४ १३ ४२
६७	१० २० ६१	० १३	५७	०	२४३ ६१	३४२ २०७	१२ ५६	१०१	१० ५१	५ १९	१४ १३ ३९
६८	१० २० ७४	० १३	५७	०	२४३ ७४	३४२ २२०	१२ ५६	१०३	१० ४६	५ १९	१४ १३ ३६
६९	१० २० ८७	० १३	५७	०	२४३ ८७	३४२ २३२	१२ ५६	१०५	१० ४१	५ १९	१४ १३ ३३
७०	१० २० ९९	० १३	५७	०	२४४ ९९	३४२ २४५	१२ ५६	१०७	१० ३६	५ १९	१४ १३ ३०

फरवरी-मार्च सन १९३९ ई.

फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन्न	रवि म. शर	दीपकेंद्र	दीपफल
		अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. व	अ. अ.	अ. क.	
१९ वै. र	५४३३	३२३.४२	३३३.०९	२.६४	३२०.७८	४.९८२	३२०.७७	२४३.९५	१ ११	३४५.७३	२ ११
२० १ वं	५४३४	३२३.५०	३३३.१७	२.६३	३२०.८७	४.९८२	३२०.८६	२४४.०४	१ ११	३४६.६५	२ १२
२१ २ सं	५४३५	३२३.५८	३३३.२५	२.६२	३२०.९६	४.९८२	३२०.९५	२४४.१३	१ ११	३४७.५६	२ १३
२२ ३ सु	५४३६	३२३.६७	३३३.३४	२.६१	३२१.०५	४.९८२	३२१.०४	२४४.२२	१ ११	३४८.४८	२ १४
२३ ४ शु	५४३७	३२३.७५	३३३.४२	२.६०	३२१.१४	४.९८२	३२१.१३	२४४.३१	१ ११	३४९.४०	२ १५
२४ ५ अ	५४३८	३२३.८३	३३३.५०	२.६०	३२१.२३	४.९८२	३२१.२२	२४४.४०	१ ११	३५०.३१	२ १६
२५ ६ श	५४३९	३२३.९२	३३३.५९	२.५९	३२१.३३	४.९८२	३२१.३२	२४४.५०	१ ११	३५१.२२	२ १७
२६ ७ र	५४४०	३२४.००	३३३.६७	२.५८	३२१.४२	४.९८२	३२१.४१	२४४.५९	१ ११	३५२.१४	२ १८
२७ ८ वं	५४४१	३२४.०८	३३३.७५	२.५८	३२१.५०	४.९८२	३२१.४९	२४४.६७	१ ११	३५३.०६	२ १९
२८ ९ सं	५४४२	३२४.१७	३३३.८४	२.५७	३२१.६०	४.९८०	३२१.५९	२४४.७७	१ ११	३५३.९६	२ २०
२९ १० सु	५४४३	३२४.२५	३३३.९२	२.५६	३२१.६९	४.९८०	३२१.६८	२४४.८६	१ ११	३५४.८८	२ २१
३० ११ शु	५४४४	३२४.३३	३३४.००	२.५६	३२१.७७	४.९८०	३२१.७६	२४४.९४	१ ११	३५५.७०	२ २२
३१ १२ अ	५४४५	३२४.४१	३३४.०८	२.५५	३२१.८६	४.९८०	३२१.८५	२४५.०३	१ ११	३५६.७२	२ २३
३२ १३ श	५४४६	३२४.५०	३३४.१७	२.५४	३२१.९६	४.९८०	३२१.९५	२४५.१३	१ ११	३५७.७३	२ २४
३३ १४ र	५४४७	३२४.५८	३३४.२५	२.५३	३२२.०५	४.९८०	३२२.०४	२४५.२२	१ ११	३५८.५३	२ २५
३४ १५ वं	५४४८	३२४.६६	३३४.३३	२.५३	३२२.१३	४.९८०	३२२.१२	२४५.३०	१ ११	३५९.४५	— ५
३५ १६ सं	५४४९	३२४.७५	३३४.४२	२.५२	३२२.२३	४.९८०	३२२.२२	२४५.४०	१ ११	०.६५	+ ०
३६ १७ सु	५४५०	३२४.८३	३३४.५०	२.५१	३२२.३२	४.९७९	३२२.३१	२४५.४९	१ ११	०.६५	० १
३७ १८ शु	५४५१	३२४.९१	३३४.५८	२.५०	३२२.४१	४.९७९	३२२.४०	२४५.५८	१ ११	०.६५	० २
३८ १९ अ	५४५२	३२५.००	३३४.६६	२.५०	३२२.५१	४.९७९	३२२.५०	२४५.६८	१ ११	०.६५	० ३
३९ २० श	५४५३	३२५.०८	३३४.७५	२.४९	३२२.६१	४.९७९	३२२.६०	२४५.७६	१ ११	०.६५	० ४
४० २१ र	५४५४	३२५.१६	३३४.८२	२.४८	३२२.६८	४.९७९	३२२.६७	२४५.८५	१ ११	०.६५	० ५
४१ २२ वं	५४५५	३२५.२४	३३४.९०	२.४७	३२२.७७	४.९७९	३२२.७६	२४५.९४	१ ११	५.८१	० ६
४२ २३ सं	५४५६	३२५.३३	३३४.९९	२.४७	३२२.८६	४.९७९	३२२.८५	२४६.०३	१ ११	६.७१	१ ७
४३ २४ सु	५४५७	३२५.४१	३३५.०८	२.४६	३२२.९५	४.९७८	३२२.९४	२४६.१२	१ ११	७.६२	१ ८
४४ २५ शु	५४५८	३२५.४९	३३५.१६	२.४५	३२३.०४	४.९७८	३२३.०३	२४६.२१	१ ११	८.५२	१ ९
४५ २६ अ	५४५९	३२५.५८	३३५.२५	२.४४	३२३.१४	४.९७८	३२३.१३	२४६.३१	१ ११	९.४३	१ १०
४६ २७ श	५४६०	३२५.६६	३३५.३३	२.४४	३२३.२२	४.९७७	३२३.२२	२४६.३९	१ ११	१०.३३	१ ११
४७ २८ र	५४६१	३२५.७५	३३५.४१	२.४३	३२३.३१	४.९७७	३२३.३१	२४६.४८	१ ११	११.२३	१ १२
४८ २९ वं	५४६२	३२५.८३	३३५.५०	२.४२	३२३.४१	४.९७७	३२३.४१	२४६.५८	१ ११	१२.१३	२ ०
४९ ३० सं	५४६३	३२५.९१	३३५.५८	२.४१	३२३.५०	४.९७७	३२३.५०	२४६.६७	१ ११	१३.०३	+ १

गुरु

१९३

फरवरी-मार्च सन १९३९ ई. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषु का	क्रांति	गति	द्वन्द्वीर सहर का साम्योत्तर लघन काल
	रा. अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प. ई. घ.म.
१९	१० १८ ९	० १४	० ५७		३४१	९ ३४३	११	१४ ५७	१२	१२	१७ ३१ ३३ २७
२०	१० १८ २३	० १४	० ५७		३४१	९ ३४३	१५	१७ १४	८	७	१७ २३ ३३ २४
२१	१० १८ ३७	० १४	० ५७		३४१	९ ३४३	१८	१७ १४	८	१	१७ १५ ३३ २१
२२	१० १८ ५२	० १५	० ५७		३४१	९ ३४३	२२	१७ १५	७	५	१७ ०९ ३३ १९
२३	१० १९ ७	० १५	० ५७		३४२	९ ३४४	२५	१७ २१	७	५	१७ ०१ ३३ १५
२४	१० १९ २२	० १५	० ५७		३४२	९ ३४४	२९	१७ २३	७	४	१६ ५३ ३३ १३
२५	१० १९ ३७	० १५	० ५७		३४२	९ ३४४	३२	१७ २५	७	३	१६ ४५ ३३ ९
२६	१० १९ ५१	० १५	० ५७		३४२	९ ३४४	३६	१७ २८	७	३	१६ ३८ ३३ ६
२७	१० २० ७	० १५	० ५७		३४३	९ ३४४	४०	१७ ३०	७	२	१६ ३० ३३ ३
२८	१० २० २१	० १५	० ५७		३४३	९ ३४५	४३	१७ ३२	७	२	१६ २२ ३३ ०
२९	१० २० ३५	० १५	० ५७		३४३	९ ३४५	४६	१७ ३४	७	१	१६ १८ ३३ ५७
३०	१० २० ५०	० १५	० ५७		३४३	९ ३४५	५०	१७ ३७	७	१	१६ १० ३३ ५४
३१	१० २१ ७	० १५	० ५७		३४४	९ ३४५	५३	१७ ३९	७	०	१६ ०२ ३३ ५१
४	१० २१ २२	० १५	० ५७		३४४	९ ३४६	५७	१७ ४१	६	५	१५ ५४ ३३ ४८
५	१० २१ ३७	० १५	० ५७		३४४	९ ३४६	६०	१७ ४४	६	५	१५ ४६ ३३ ४५
६	१० २१ ५२	० १५	० ५७		३४४	९ ३४६	६४	१७ ४६	६	४	१५ ३८ ३३ ४२
७	१० २२ ७	० १५	० ५७		३४५	९ ३४६	६७	१७ ४८	६	४	१५ ३० ३३ ३९
८	१० २२ २२	० १५	० ५७		३४५	९ ३४७	७१	१७ ५१	६	३	१५ २२ ३३ ३६
९	१० २२ ३७	० १५	० ५७		३४५	९ ३४७	७५	१७ ५३	६	३	१५ १४ ३३ ३३
१०	१० २२ ५२	० १५	० ५७		३४५	९ ३४७	७९	१७ ५५	६	२	१५ ०६ ३३ ३०
११	१० २३ ७	० १५	० ५८		३४६	९ ३४७	८३	१७ ५८	६	२	१५ ०० ३३ २७
१२	१० २३ २२	० १५	० ५८		३४६	९ ३४७	८७	१७ ५९	६	१	१५ ५२ ३३ २४
१३	१० २३ ३७	० १५	० ५८		३४६	९ ३४८	९१	१७ ६१	६	१	१५ ४४ ३३ २०
१४	१० २३ ५२	० १५	० ५८		३४६	९ ३४८	९५	१७ ६३	५	५	१५ ३६ ३३ १८
१५	१० २४ ७	० १५	० ५८		३४७	९ ३४८	९९	१७ ६५	५	५	१५ २८ ३३ १५
१६	१० २४ २२	० १५	० ५८		३४७	९ ३४८	१०३	१७ ६७	५	४	१५ २० ३३ १२
१७	१० २४ ३७	० १५	० ५८		३४७	९ ३४९	१०७	१७ ६९	५	४	१५ १२ ३३ ९
१८	१० २४ ५०	० १५	० ५८		३४७	९ ३४९	१११	१७ ७१	५	३	१५ ०४ ३३ ५
१९	१० २५ ५	० १५	० ५८		३४८	९ ३४९	११५	१७ ७३	५	२	१५ ०० ३३ ०
२०	१० २५ २०	० १५	० ५८		३४८	९ ३४९	११९	१७ ७५	५	२	१५ ५२ ३३ ५
२१	१० २५ ३५	० १५	० ५८		३४८	९ ३४९	१२३	१७ ७७	५	१	१५ ४४ ३३ ५

अमेल सन १९३८ इ.

चैत्र शुद्ध और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेष गणित ।

ता.	ति.वा.	ग्रामाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोत	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल	
३०	३०	शु	अ. १९०७५	अ. २७२०११	अ. ००७९	अं. १८०९६	अं. ०७२३२२	अं. १९००१	अं. ३२५०८४	अं.क. १५४	अं. ३२०३२	अं.क. १२३३१	
१	१	शु	५१०९	२१०३५	२७३०३१	००७९	२००५६	०७२३३१	२००६१	३२५०४४	१५०	३२०९४	१२३४५
२	२	शु	५११०	२३०९६	२७४०३२	००७९	२२०१७	०७२३३०	२२०२१	३२५००५	१४५	३२१५५	१२४००
३	३	शु	५१११	२४०५६	२७५०३२	००७८	२३०७८	०७२३२८	२३०८२	३२४९६६	१४०	३२२१८	१२४१६
४	४	चं	५११२	२६०१६	२७६०५२	००७८	२५०३८	०७२३२६	२५०४२	३२४९२६	१३५	३२२७९	१२४३०
५	५	गो	५११३	२७०७६	२८००१२	००७८	२६०९८	०७२३२५	२७००२	३२४८८६	१३०	३२३४१	१२४४५
६	६	शु	५११४	२९०३६	२८१०३२	००७८	२८०५८	०७२३२४	२८०५८	३२४८४६	१२५	३२४०२	१२४५९
७	७	शु	५११५	३००९७	२८३०३२	००७७	३००२०	०७२३२३	३००२४	३२४८०८	१२९	३२४६६	१२४७३
८	८	शु	५११६	३२०५७	२८४०५३	००७७	३१०८०	०७२३२२	३१०८३	३२४८०८	१२४	३२५२६	१२५३०
९	९	शु	५११७	३४०१७	२८५०५३	००७७	३३०४१	०७२३२१	३३०४४	३२४८०९	१२९	३२५८९	१२५४५
१०	१०	शु	५११८	३६०७८	२८६०१३	००७५	३५००३	०७२३२८	३५००६	३२४७९१	१२४	३२६५३	१२६०१
११	११	चं	५११९	३८०३८	२८७०३३	००७५	३६०५५	०७२३२६	३६०५८	३२४७४३	०१८	३२७०७	१२६१५
१२	१२	मं	५१२०	४००९८	२९१०३४	००७२	३८०२६	०७२३२६	३८०२८	३२४६९४	०१५	३२७७९	१२६३१
१३	१३	शु	५१२१	४००५८	२९२०९४	००७१	३९०८७	०७२३२५	३९०८९	३२४६७५	०१७	३२८४२	१२६४७
१४	१४	शु	५१२२	४२०१८	२९३०५४	००७०	४१०४८	०७२३२३	४१०५०	३२४६३६	०१४	३२९०५	१२७०१
१५	१	शु	५१२३	४३०७९	२९४०१४	००६९	४३०१०	०७२३२२	४३०१३	३२४५९८	०३५	३२९६८	१२७१७
१६	२	शु	५१२४	४५०३९	२९५०७४	००६८	४४०७१	०७२३२०	४४०७३	३२४५५९	०३०	३२९३१	१२७३१
१७	३	शु	५१२५	४६०९९	२९६०३५	००६७	४६०३२	०७२३०९	४६०३६	३२४५२०	०२३	३२९९४	१२७४७
१८	४	शु	५१२६	४८०५९	३०००९५	००६६	४८०९३	०७२३०८	४८०९६	३२४४८१	०२८	३३०५७	१२७६३
१९	५	मं	५१२७	५००१९	३०२०५५	००६५	४९०५४	०७२३०७	४९०५६	३२४४४२	०३४	३३१२०	१२७८०
२०	६	शु	५१२८	५१०७९	३०४०१६	००६४	५१०१५	०७२३०५	५१०१५	३२४८०३	०३७	३३१८३	१२८३२
२१	७	शु	५१२९	५३०३९	३०५०७६	००६३	५२०७७	०७२३०४	५२०७७	३२४७६५	०४०	३३२४६	१२८४८
२२	८	शु	५१३०	५५०००	३०७०३६	००६१	५४०३९	०७२३०३	५४०३९	३२४७२७	०४४	३३३०९	१२९०२
२३	९	शु	५१३१	५६०६०	३०८०९६	००६०	५६०००	०७२३०२	५६०००	३२४८०८	०११	३३३७३	१२९१८
२४	१०	शु	५१३२	५८०२२	३१००५६	००५९	५८०६२	०७२३०१	५८०६३	३२४७७१	०१५	३३४३९	१२९३२
२५	११	चं	५१३३	५९०८२	३१२०१७	००५८	५९०२३	०७२३००	५९०२३	३२४७३२	०२१	३३५०३	१२९४८
२६	१२	मं	५१३४	६१०४२	३१३०७७	००५७	६००८४	०७२२९९	६००८३	३२४७०३	०२७	३३५६६	१२९६३
२७	१३	शु	५१३५	६३००२	३१५०३७	००५६	६२०४६	०७२२९८	६२०४५	३२४६६४	०३४	३३६३०	१२९७९
२८	१४	शु	५१३६	६४०६२	३१६०९७	००५५	६४०११	०७२२९८	६४०११	३२४६२५	०३९	३३६९८	१२९९५
२९	१५	शु	५१३७	६६०२२	३१८०५७	००५४	६६०७३	०७२२९६	६६०७३	३२४५८६	०४४	३३७६६	१३०११
३०	१६	शु	५१३८	६८०८२	३२००१८	००५८	६८०३४	०७२२९६	६८०३४	३२४५४७	०४०	३३८३०	१३०२७

शुक्र

१९५५

अप्रैल सन १९३९ इ.

क्षेत्र शुक्र और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य क्षर	गति	म मि मि मि	विषुवांश	गति	ह विषु का	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का ग्राम्योत्तर लंघन काल	प.	स्ट.	ध. मि
३१	० १२	१ १५	० ५०	२ २३	११ २१	३७	१ ११	३	३६	८ १३०	२८	१७	१८	१३ २२
१	१ १७	१ १५	० ४८	२ ४	२६ २२	४८	१ ११	३	४८	८ ४१	२८	१७	२१	१३ २३
२	२ ४२	१ १५	० ४६	२ ५	४१ २३	५९	१ ११	४	५९	९ १७	२८	१७	२३	१३ २४
३	३ ५७	१ १५	० ४४	३ ६	५६ २५	१०	१ ११	४	१०	९ ३७	२८	१७	२५	१३ २५
४	५ १२	१ १५	० ४२	३ ७	११ २६	२१	१ ११	४	२१	१० ५४	२८	१७	२७	१३ २६
५	६ २६	१ १५	० ४०	३ ८	२५ २७	३२	१ ११	४	३२	१० ५४	२८	१७	२८	१३ २६
६	७ ४०	१ १५	० ३८	३ ९	३९ २८	४३	१ ११	४	४३	११ ३०	२८	१७	३०	१३ २७
७	८ ५४	१ १५	० ३६	३ १०	५४ २९	५४	१ ११	५	५४	११ ५२	२८	१७	३२	१३ २८
८	१० ८	१ १५	० ३४	३ ११	७ ३१	५	१ ११	५	७	१२ १०	२८	१७	३५	१३ २९
९	११ २५	१ १५	० ३२	३ १२	२१ ३२	१६	१ ११	५	१६	१२ ३०	२८	१७	३७	१३ ३०
१०	१२ ५०	१ १५	० ३०	३ १३	३५ ३३	२७	१ ११	५	२७	१२ ५०	२८	१७	३९	१३ ३१
११	१४ ५	१ १५	० २८	३ १४	४९ ३४	३८	१ ११	५	३८	१३ १०	२८	१७	४०	१३ ३२
१२	१५ ४८	१ १५	० २६	३ १५	६३ ३५	४९	१ ११	५	४९	१३ ३०	२८	१७	४२	१३ ३३
१३	१७ २	१ १५	० २४	३ १६	७७ ३६	६०	१ ११	५	६०	१३ ५०	२८	१७	४४	१३ ३४
१४	१८ ५५	१ १५	० २२	३ १७	९१ ३७	७१	१ ११	५	७१	१४ १०	२८	१७	४६	१३ ३५
१५	२० १०	१ १५	० २०	३ १८	१०५ ३८	८२	१ ११	५	८२	१४ ३०	२८	१७	४८	१३ ३६
१६	२१ २५	१ १५	० १८	३ १९	११९ ३९	९३	१ ११	५	९३	१४ ५०	२८	१७	५०	१३ ३७
१७	२२ ४०	१ १५	० १६	३ २०	१३३ ४०	१०४	१ ११	५	१०४	१५ १०	२८	१७	५२	१३ ३८
१८	२३ ५५	१ १५	० १४	३ २१	१४७ ४१	११५	१ ११	५	११५	१५ ३०	२८	१७	५४	१३ ३९
१९	२५ १०	१ १५	० १२	३ २२	१६१ ४२	१२६	१ ११	५	१२६	१५ ५०	२८	१७	५६	१३ ४०
२०	२६ २५	१ १५	० १०	३ २३	१७५ ४३	१३७	१ ११	५	१३७	१६ १०	२८	१७	५८	१३ ४१
२१	२७ ४०	१ १५	० ८	३ २४	१८९ ४४	१४८	१ ११	५	१४८	१६ ३०	२८	१७	६०	१३ ४२
२२	२८ ५५	१ १५	० ६	३ २५	२०३ ४५	१५९	१ ११	५	१५९	१६ ५०	२८	१७	६२	१३ ४३
२३	२९ १०	१ १५	० ४	३ २६	२१७ ४६	१७०	१ ११	५	१७०	१७ १०	२८	१७	६४	१३ ४४
२४	३० २५	१ १५	० २	३ २७	२३१ ४७	१८१	१ ११	५	१८१	१७ ३०	२८	१७	६६	१३ ४५
२५	३१ ४०	१ १५	० ०	३ २८	२४५ ४८	१९२	१ ११	५	१९२	१७ ५०	२८	१७	६८	१३ ४६
२६	३२ ५५	१ १५	० ०	३ २९	२५९ ४९	२०३	१ ११	५	२०३	१८ १०	२८	१७	७०	१३ ४७
२७	३४ १०	१ १५	० ०	३ ३०	२७३ ५०	२१४	१ ११	५	२१४	१८ ३०	२८	१७	७२	१३ ४८
२८	३५ २५	१ १५	० ०	३ ३१	२८७ ५१	२२५	१ ११	५	२२५	१८ ५०	२८	१७	७४	१३ ४९
२९	३६ ४०	१ १५	० ०	३ ३२	३०१ ५२	२३६	१ ११	५	२३६	१९ १०	२८	१७	७६	१३ ५०
३०	३७ ५५	१ १५	० ०	३ ३३	३१५ ५३	२४७	१ ११	५	२४७	१९ ३०	२८	१७	७८	१३ ५१

मई सन १९३८ ई.

वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेष गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रमाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदकल	मंदकपट	मंदकर्ण	रवि म. प्र.	पातेन	रवि म. शर	शीमकेंद्र	शीमकल	
			अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.	
३०	३०	श	५१३८	६७८२	३२०१८	०४८	६७३४	०७१९६	६७३२	१४२२	०५०	५१२७	२०५४
१	१	र	५१३९	६९४३	३२१०७	-०४७	६८१६	०७१९४	६८०६	१५८४	+०५६	५१९०	+२११९
२	२	ब	५१४०	७१०३	३२१९६	०४६	७००५७	०७१९४	७००५४	१७४५	१	५२५४	२१३३
३	३	सं	५१४१	७२०३	३२२८५	०४५	७२०१९	०७१९३	७२०१६	१९०७	१	५३१९	२१५०
४	४	बु	५१४२	७३०३	३२३७५	०४३	७३८०	०७१९३	७३०७७	२०६८	१	५३८४	२२४
५	५	शु	५१४३	७४०३	३२४६५	०४२	७५०४१	०७१९३	७४०३८	२२२९	१	५४४९	२२१९
६	६	क्र	५१४४	७५०३	३२५५५	०४१	७६००२	०७१९३	७५०३८	२२९०	१	५५०१	२२३६
७	७	रा	५१४५	७६०३	३२६४५	०३९	७७०६५	०७१९०	७६०६५	२५५५	१	५५७७	२२४९
८	८	र	५१४६	७७०३	३२७३०	०३७	७८०२७	०७१८९	७८०२७	२७१५	१	५६४२	२३१
९	९	ब	५१४७	७८०३	३२८१०	०३६	७९०८९	०७१८८	७९०८९	२८७७	१	५७०८	२३१९
१०	१०	म	५१४८	७९०३	३२८९०	०३३	८००५३	०७१८७	८००५३	३०३९	१	५७७३	२३३६
११	११	शु	५१४९	८००३	३२९८०	०३२	८१०१६	०७१८६	८१०१६	३२०१	१	५८३८	२३४९
१२	१२	क्र	५१५०	८१०३	३३०७१	०३०	८२०७५	०७१८६	८२०७५	३३६६	१	५९०३	२४४
१३	१३	शु	५१५१	८२०३	३३१६१	०२९	८३०३६	०७१८६	८३०३६	३५३७	१	५९६७	२४१९
१४	१४	रा	५१५२	८३०३	३३२५१	०२६	८४०९९	०७१८६	८४०९९	३६८७	२	६०३३	२४३५
१५	१५	र	५१५३	८४०३	३३३४१	०२४	८५१६१	०७१८६	८५१६१	३८४९	२	६०९९	२४४९
१६	१६	ब	५१५४	८५०३	३३४३१	०२२	८६२२३	०७१८६	८६२२३	४००१	२	६१६५	२५७
१७	१७	सं	५१५५	८६०३	३३५२२	०२१	८७२८७	०७१८६	८७२८७	४१५५	२	६२३३	२५२०
१८	१८	बु	५१५६	८७०३	३३६१०	०२०	८८३५१	०७१८६	८८३५१	४३०७	२	६२९८	२५३३
१९	१९	शु	५१५७	८८०३	३३७०३	०१९	८९४१५	०७१८६	८९४१५	४४०२	२	६३६७	२५४९
२०	२०	क्र	५१५८	८९०३	३३७९२	०१८	९०४७९	०७१८६	९०४७९	४५०४	२	६४३३	२६५
२१	२१	शु	५१५९	९००३	३३८८२	०१७	९१५४३	०७१८६	९१५४३	४६०७	२	६५००	२६२०
२२	२२	रा	५१६०	९१०३	३३९७३	०१४	९२६०७	०७१८६	९२६०७	४७१०	२	६५६६	२६३५
२३	२३	र	५१६१	९२०३	३४०६३	०१२	९३६७५	०७१८६	९३६७५	४८१३	२	६६३३	२६५७
२४	२४	ब	५१६२	९३०३	३४१५३	-००९	९४७३६	०७१८६	९४७३६	४९१६	२	६६९८	२७४
२५	२५	सं	५१६३	९४०३	३४२४३	+०००	९५८००	०७१८६	९५८००	५०१९	२	६७६३	२७१९
२६	२६	बु	५१६४	९५०३	३४३३३	००३	९६८६०	०७१८६	९६८६०	५१२२	२	६८३०	२७३४
२७	२७	शु	५१६५	९६०३	३४४३३	००४	९७९१२	०७१८६	९७९१२	५२२५	२	६८९७	२७४९
२८	२८	क्र	५१६६	९७०३	३४५३३	००७	९८९६५	०७१८६	९८९६५	५३२८	२	६९६५	२८४
२९	२९	शु	५१६७	९८०३	३४६३३	+००८	९९९३६	०७१८६	९९९३६	५४३३	+२५८	७००३	+२८१७

शुक्र

१६७

मई सन १९३८ ई.

वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य श्म	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लघन काल
	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प स्ट. घ. मि
३०	१ ७ ५	१ १३	+०	२२	१ ५०	४ ५७	४ ९ १ १७	९ ३८	+२०	३२	१ ६ २५ १३ ४९
१	१ ८ १८	१ १४	+०	२६	१ ५१	४ ५९	४ ९ १ १७	९ ५१	+२०	४८	१ ६ २८ १३ ५०
२	१ ९ ३१	१ १४	०	२८	१ ५२	४ ६०	४ ९ १ १७	१० ४	२१	४८	१ ६ ३१ १३ ५१
३	१ १० ४५	१ १४	०	३०	१ ५३	४ ६१	४ ९ १ १७	१० १७	२१	२०	१ ६ ३४ १३ ५२
४	१ ११ ५९	१ १४	०	३२	१ ५४	४ ६२	४ ९ १ १७	१० ३०	२१	१६	१ ६ ३७ १३ ५३
५	१ १३ १३	१ १४	०	३४	१ ५५	४ ६३	४ ९ १ १७	१० ४२	२१	५२	१ ६ ४० १३ ५५
६	१ १४ २६	१ १४	०	३६	१ ५६	४ ६४	४ ९ १ १७	१० ५५	२२	८	१ ६ ४३ १३ ५६
७	१ १५ ३९	१ १४	+०	३८	१ ५७	४ ६५	४ ९ १ १७	११ ८	+२२	२३	१ ६ ४६ १३ ५७
८	१ १६ ५२	१ १४	०	४०	१ ५८	४ ६६	४ ९ १ १७	११ २१	२२	३८	१ ६ ४९ १३ ५९
९	१ १८ ५	१ १४	०	४२	१ ५९	४ ६७	४ ९ १ १७	११ ३४	२२	५३	१ ६ ५२ १३ ०
१०	१ १९ १८	१ १४	०	४४	१ ६०	४ ६८	४ ९ १ १७	११ ४७	२३	३०	१ ६ ५५ १३ १
११	१ २० ३१	१ १४	०	४६	१ ६१	४ ६९	४ ९ १ १७	११ ०	२३	१३	१ ६ ५८ १३ २
१२	१ २१ ४४	१ १४	०	४८	१ ६२	४ ७०	४ ९ १ १७	११ १३	२३	२३	१ ६ ६१ १३ ३
१३	१ २२ ५७	१ १४	०	५०	१ ६३	४ ७१	४ ९ १ १७	११ २६	२३	३८	१ ६ ६४ १३ ५
१४	१ २४ १०	१ १४	०	५२	१ ६४	४ ७२	४ ९ १ १७	११ ४०	२३	४२	१ ६ ६७ १३ ७
१५	१ २५ २३	१ १४	+१	५४	१ ६५	४ ७३	४ ९ १ १७	११ ५३	+२३	५१	१ ६ ६९ १३ ८
१६	१ २६ ३६	१ १४	१	५६	१ ६६	४ ७४	४ ९ १ १७	१२ ६	२४	०	१ ६ ७१ १३ ९
१७	१ २७ ४८	१ १४	१	५८	१ ६७	४ ७५	४ ९ १ १७	१२ १९	२४	०	१ ६ ७४ १३ १०
१८	१ २९ १	१ १४	१	६०	१ ६८	४ ७६	४ ९ १ १७	१२ ३२	२४	१८	१ ६ ७६ १३ ११
१९	१ ३० १४	१ १४	१	६२	१ ६९	४ ७७	४ ९ १ १७	१२ ४५	२४	३७	१ ६ ७९ १३ १२
२०	१ ३१ २७	१ १४	१	६४	१ ७०	४ ७८	४ ९ १ १७	१२ ५९	२४	५३	१ ६ ८१ १३ १५
२१	१ ३२ ४०	१ १४	१	६६	१ ७१	४ ७९	४ ९ १ १७	१३ १२	२४	३३	१ ६ ८३ १३ १७
२२	१ ३३ ५३	१ १४	+१	६८	१ ७२	४ ८०	४ ९ १ १७	१३ २५	+२४	३६	१ ६ ८५ १३ १७
२३	१ ३४ ६	१ १४	१	७०	१ ७३	४ ८१	४ ९ १ १७	१३ ३९	२४	३८	१ ६ ८७ १३ १९
२४	१ ३५ १९	१ १४	१	७२	१ ७४	४ ८२	४ ९ १ १७	१३ ५२	२४	५२	१ ६ ८९ १३ २०
२५	१ ३६ ३२	१ १४	१	७४	१ ७५	४ ८३	४ ९ १ १७	१४ ५	२४	४२	१ ६ ९१ १३ २१
२६	१ ३७ ४५	१ १४	१	७६	१ ७६	४ ८४	४ ९ १ १७	१४ १९	२४	४६	१ ६ ९३ १३ २३
२७	१ ३८ ५८	१ १४	१	७८	१ ७७	४ ८५	४ ९ १ १७	१४ ३२	२४	४८	१ ६ ९५ १३ २५
२८	१ ३९ ११	१ १४	१	८०	१ ७८	४ ८६	४ ९ १ १७	१४ ४५	२४	५०	१ ६ ९७ १३ २७
२९	१ ४० २४	१ १४	१	८२	१ ७९	४ ८७	४ ९ १ १७	१४ ५९	२४	५३	१ ६ ९९ १३ २९

मई-जून सन १९३८ ई. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद वेद्र	मंद वल	मंदरपष्ट	मंदकर्ण	गि म. ग्रह	पातोत	गि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ.	क. क.
२९ ३० र	५१६७	११४-२८	६-६४	०-०८	११४-३६	०-७१८४	११४-३२	६१-२४	२५८	७०-२९	२८ १७
३० १ अ	५१६८	११५-०८	८-२४	+०-११	११५-१९	०-७१८४	११५-१५	६२-८७	+३१	७०-१६	+२८ ३३
३१ २ म	५१६९	११७-४९	९-८४	०-१३	११७-६२	०-७१८२	११७-५८	६४-५०	३४	७१-३३	२८ ४८
१ ३ बु	५१७०	११९-०९	११-४४	०-१५	११९-२४	०-७१८५	११९-२०	६६-१२	६४	७२-३०	२९ ३
२ ४ शु	५१७१	१२०-६९	१३-०५	०-१८	१२०-८७	०-७१८५	१२०-८३	६७-७५	३६	७२-१७	२९ १७
३ ५ म	५१७२	१२२-२९	१४-६५	०-२१	१२२-५०	०-७१८६	१२२-४६	६९-३८	३८	७३-३६	२९ २२
४ ६ श	५१७३	१२३-८९	१६-२५	०-२२	१२४-११	०-७१८६	१२४-०८	७०-१९	३९	७४-३०	२९ ४७
५ ७ अ	५१७४	१२५-४९	१७-८५	०-२४	१२५-७३	०-७१८६	१२५-७०	७२-६१	३९	७४-१७	३० १
६ ८ अ	५१७५	१२७-१०	१९-४५	०-२६	१२७-३६	०-७१८७	१२७-३३	७४-२४	३९	७५-६४	३० १६
७ ९ म	५१७६	१२८-००	२१-०६	०-२८	१२८-१८	०-७१८७	१२८-१५	७५-८६	३९	७६-३१	३० ३१
८ १० बु	५१७७	१३०-००	२२-६६	०-३१	१३०-६१	०-७१८८	१३०-५९	७७-४९	३९	७६-१८	३० ४४
९ ११ म	५१७८	१३१-१०	२४-२६	०-३२	१३१-२२	०-७१८८	१३१-२०	७९-१०	३९	७७-०६	३० ५९
१० १२ शु	५१७९	१३३-११	२५-८६	०-३५	१३३-८६	०-७१८९	१३३-८५	८०-७४	३९	७८-३३	३१ १४
११ १३ म	५१८०	१३५-११	२७-४६	०-३६	१३५-४७	०-७१८९	१३५-४६	८२-३५	३९	७८-१९	३१ २८
१२ १४ अ	५१८१	१३६-७१	२९-०७	०-३९	१३७-१०	०-७१९०	१३७-०९	८३-१८	३९	७९-६६	३१ ४३
१३ १५ अ	५१८२	१३८-३१	३०-६७	०-४१	१३८-७२	०-७१९१	१३८-७१	८५-००	३९	८०-३३	३१ ५७
१४ १६ म	५१८३	१३९-१२	३२-२७	०-४२	१४०-३४	०-७१९२	१४०-३३	८७-२२	३९	८०-१९	३२ ११
१५ १७ अ	५१८४	१४१-१२	३३-८७	०-४५	१४१-१७	०-७१९२	१४१-१७	८८-८५	३९	८०-८८	३२ २७
१६ १८ बु	५१८५	१४३-१२	३५-४७	०-४६	१४३-१८	०-७१९३	१४३-१८	९०-४६	३९	८१-३३	३२ ४९
१७ १९ म	५१८६	१४५-७२	३७-०८	०-४८	१४५-७२	०-७१९४	१४५-७२	९२-०८	३९	८३-००	३२ ५४
१८ २० अ	५१८७	१४६-३२	३८-६८	०-५०	१४६-३२	०-७१९५	१४६-३३	९३-७०	३९	८३-५७	३३ १
१९ २१ म	५१८८	१४७-३३	४०-२८	०-५१	१४७-४४	०-७१९६	१४८-४५	९५-३२	३९	८४-३४	३३ २२
२० २२ अ	५१८९	१४९-१३	४१-८८	०-५३	१५०-०६	०-७१९७	१५०-०७	९६-१४	३९	८५-००	३३ ३६
२१ २३ म	५१९०	१५१-१४	४३-४८	०-५५	१५१-१८	०-७१९७	१५१-१६	९८-५६	३९	८५-५७	३३ ५०
२२ २४ अ	५१९१	१५२-७४	४५-०९	०-५६	१५३-३०	०-७१९८	१५३-३२	१००-१८	३९	८६-३४	३४ ५
२३ २५ म	५१९२	१५४-३४	४६-६९	०-५८	१५४-१२	०-७१९९	१५४-१५	१०१-८०	३९	८७-०१	३४ १८
२४ २६ अ	५१९३	१५५-१४	४८-२५	०-५९	१५६-३३	०-७२००	१५६-३४	१०३-४१	३९	८७-५३	३४ ३२
२५ २७ म	५१९४	१५७-५४	४९-८९	०-६१	१५८-१५	०-७२०१	१५८-१७	१०५-०३	३९	८८-३३	३४ ४५
२६ २८ अ	५१९५	१५९-१४	५१-४९	०-६२	१५९-७६	०-७२०२	१५९-७९	१०६-६४	३९	८९-००	३४ ५९
२७ २९ म	५१९६	१६०-७४	५३-१०	+०-६४	१६१-३८	०-७२०३	१६१-४१	१०८-२६	+३९	८९-५७	+३५ १३

शुक्र

१६९

मई-जून सन १९३८ इ.

ज्येष्ठ शुक्र और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्थल ग्रह		गति	भूमध्य दृश्य शर		गति	सायनयोग		विषुवांश		गति	विषुवांश		क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लघन काल		
	ग.	अ. क.	अ. क.	अ.	क	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ.	प.	अ. क.	अ. क.	घ.	प	इ. घ. मि.	
२९	१२	२०	१	१२	११	३००	२	९५	१९	९५	५२	१	१९	१५	५९	१२४	५०	४ २० ० १४ २७
३०	१३	३२	१	१२	११	३२	२	९६	३१	९७	११	१	१९	१६	१२	४६	२०	३ १४ २८
३१	१४	४४	१	१२	११	३४	२	९७	४३	९८	३०	१	१९	१६	२५	४२	४ २० ६ १४ २९	
१	१५	५६	१	१२	११	३५	२	९८	५५	९९	४९	१	१९	१६	३८	३४	४ २० ९ १४ ३१	
२	१६	७	१	१२	११	३७	३	१००	७	१०१	८	१	१९	१६	५१	३४	४ २० १२ १४ ३२	
३	१७	१८	१	१२	११	३९	३	१०१	१९	१०२	२७	१	१९	१७	५	२९	४ २० १७ १४ ३३	
४	१८	२०	१	१२	११	४०	३	१०२	३१	१०३	४६	१	१९	१७	१८	२४	४ २० २० १४ ३५	
५	२०	४४	१	१२	११	४१	३	१०३	४३	१०५	५	१	१९	१७	३१	१४	४ २० २३ १४ ३६	
६	२१	५६	१	१२	११	४२	३	१०४	५५	१०६	१६	१	१९	१७	४४	१४	४ २० २६ १४ ३७	
७	२३	८	१	१२	११	४३	३	१०६	७	१०७	४३	१	१९	१७	५७	१४	४ २० २९ १४ ३९	
८	२४	२०	१	१२	११	४५	३	१०७	१९	१०९	१	१	१८	१८	१०	५	४ २० ३२ १४ ४०	
९	२५	४४	१	१२	११	४७	३	१०८	३१	११०	१९	१	१८	१८	२३	५३	४ २० ३६ १४ ४१	
१०	२६	५६	१	१२	११	४७	३	१०९	४३	१११	३७	१	१८	१८	३६	४८	४ २० ३९ १४ ४३	
११	२७	५६	१	१२	११	४८	३	११०	५५	११२	५५	१	१८	१८	४९	४३	४ २० ४२ १४ ४४	
१२	२९	८	१	१२	११	४९	३	११२	७	११४	२	१	१७	१९	२	२०	४ २० ४५ १४ ४५	
१३	३०	२०	१	१२	११	५०	३	११३	१९	११५	२९	१	१७	१९	१५	२३	४ २० ४८ १४ ४६	
१४	३१	३२	१	१२	११	५१	३	११४	३१	११६	४६	१	१७	१९	२८	२९	४ २० ५१ १४ ४७	
१५	३२	४४	१	१२	११	५२	३	११५	४३	११८	३	१	१७	१९	४१	२५	४ २० ५४ १४ ४८	
१६	३३	५६	१	१२	११	५३	३	११६	५५	११९	२०	१	१७	१९	५४	२२	४ २० ५७ १४ ५०	
१७	३५	७	१	१२	११	५५	३	११८	७	१२०	३७	१	१७	२०	६	२३	४ २० ६० १४ ५१	
१८	३६	२०	१	१२	११	५५	३	११९	१९	१२१	५०	१	१७	२०	१९	२३	४ २० ६३ १४ ५२	
१९	३७	४४	१	१२	११	५६	३	१२०	३०	१२३	०	१	१७	२०	३१	५२	४ २० ६६ १४ ५३	
२०	३८	५६	१	१२	११	५६	३	१२१	४३	१२४	२९	१	१७	२०	४४	२१	४ २० ६९ १४ ५४	
२१	३९	८	१	१२	११	५७	३	१२२	५५	१२५	४६	१	१७	२०	५६	२०	४ २० ७२ १४ ५५	
२२	४०	२०	१	१२	११	५८	३	१२३	७	१२६	१६	१	१७	२०	६९	२१	४ २० ७५ १४ ५६	
२३	४१	३२	१	१२	११	५९	३	१२४	१९	१२७	४३	१	१७	२०	८२	२१	४ २० ७८ १४ ५७	
२४	४२	४४	१	१२	११	५९	३	१२५	३१	१२८	५	१	१७	२०	९५	२१	४ २० ८१ १४ ५९	
२५	४३	५६	१	१२	११	६०	३	१२६	४३	१२९	२०	१	१७	२०	१०८	२१	४ २० ८४ १४ ६०	
२६	४५	७	१	१२	११	६०	३	१२७	५५	१३०	३७	१	१७	२०	१२१	२१	४ २० ८७ १४ ६१	
२७	४६	२०	१	१२	११	६१	३	१२८	७	१३१	५०	१	१७	२०	१३४	२१	४ २० ९० १४ ६२	

जून-जुलाई सन १९२८ इ. आपाद शुक्र और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदरूप	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीमकेंद्र	शीमफल
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क.	अं. क.	अं. क.
२७ ३० वं	५१९६	१६०७४	५३१०	०६४	१६१३८	०७२०३	१६१४१	१०८२६	३३	८९६७	३५१३
२८ १ मं	५१९७	१६२३४	५४७०	+०६५	१६२९९	०७२०५	१६३०२	१०९८७	+३११	९०३२२	+३५२६
२९ २ मं	५१९८	१६३९५	५६३०	०६६	१६४६१	०७२०७	१६४६४	१११४९	३१	९०९९१	३५३८
३० ३ मं	५१९९	१६५५५	५७९१	०६७	१६६२२	०७२०७	१६६२४	११३१०	३७	९१६६४	३५५३
१ ४ मं	५२००	१६७१५	५९५१	०६८	१६७८३	०७२०९	१६७८७	११४७१	३५	९२३३७	३५६६
२ ५ मं	५२०१	१६८७५	६१११	०६९	१६९४४	०७२०९	१६९४८	११६३२	३४	९२९७७	३५८१
३ ६ मं	५२०२	१७०३५	६२७१	०७०	१७१०५	०७२११	१७१०९	११७९३	३०	९३६३६	३५९३
४ ७ मं	५२०३	१७१९६	६४३१	०७१	१७२६७	०७२१२	१७२६९	११९५५	२५	९४२९९	३६०६
५ ८ मं	५२०४	१७३५६	६५९१	०७२	१७४२७	०७२१४	१७४३२	१२११६	२५	९४९५५	३६१८
६ ९ मं	५२०५	१७५१६	६७५२	०७३	१७५८९	०७२१५	१७५९४	१२२७७	२५	९५६११	३६३१
७ १० मं	५२०६	१७६७६	६९१२	०७४	१७७५०	०७२१६	१७७५५	१२४३८	२४	९६२७७	३६४३
८ ११ मं	५२०७	१७८३६	७०७२	०७५	१७९११	०७२१६	१७९१६	१२५९९	२४	९६९३३	३६५६
९ १२ मं	५२०८	१७९९६	७२३२	०७५	१८०७१	०७२१८	१८०७६	१२७५९	२४	९७५८८	३६६९
१० १३ मं	५२०९	१८१५७	७३९३	०७६	१८२३३	०७२२०	१८२३८	१२९२०	२३	९८२४४	३६८२
११ १४ मं	५२१०	१८३१७	७५५३	०७६	१८३९३	०७२२२	१८३९८	१३०८१	२३	९८९००	३६९५
१२ १५ मं	५२११	१८४७७	७७१३	०७७	१८५५४	०७२२३	१८५५९	१३२४२	२३	९९५५५	३७०८
१३ १६ मं	५२१२	१८६३७	७८७३	०७७	१८७१४	०७२२४	१८७१९	१३४०२	२२	१००११	३७२०
१४ १७ मं	५२१३	१८७९८	८०३४	०७७	१८८७५	०७२२५	१८८८०	१३५६३	२२	१००८५	३७३२
१५ १८ मं	५२१४	१८९५८	८१९३	०७८	१९०३६	०७२२७	१९०४१	१३७२४	२१	१०१५९	३७४४
१६ १९ मं	५२१५	१९११८	८३५४	०७८	१९१९६	०७२२९	१९२०१	१३८८४	२१	१०२३३	३७५६
१७ २० मं	५२१६	१९२७९	८५१४	०७९	१९३५८	०७२३०	१९३६३	१४०४६	२०	१०३०७	३७६९
१८ २१ मं	५२१७	१९४३९	८६७५	०७९	१९५१८	०७२३१	१९५१३	१४२०६	२०	१०३८१	३७८१
१९ २२ मं	५२१८	१९५९९	८८३५	०७९	१९६७८	०७२३३	१९६८३	१४३६६	२१	१०४५१	३७९३
२० २३ मं	५२१९	१९७५९	८९९६	०७९	१९८३८	०७२३४	१९८४३	१४५२६	१५	१०५२५	४००३
२१ २४ मं	५२२०	१९९१९	९१५६	०७९	१९९९९	०७२३६	२०००४	१४६८७	१५	१०५९९	४०१५
२२ २५ मं	५२२१	२००८०	९३१६	०७९	२०१५९	०७२३७	२०१६९	१४८४७	१४	१०६७३	४०२६
२३ २६ मं	५२२२	२०२४०	९४७६	०७९	२०३१९	०७२३९	२०३२९	१५००७	१४	१०७४७	४०३८
२४ २७ मं	५२२३	२०४००	९६३६	०७८	२०४७८	०७२३९	२०४८८	१५१६६	१३	१०८२३	४०४९
२५ २८ मं	५२२४	२०५६०	९७९६	०७८	२०६३८	०७२४१	२०६४८	१५३२६	१३	१०८९७	४०६०
२६ २९ मं	५२२५	२०७२०	९९५६	०७८	२०७९८	०७२४३	२०८०८	१५४८६	१२	१०९६२	४०७१
२७ ३० मं	५२२६	२०८८१	१०११७	+०७७	२०९५८	०७२४४	२०९६८	१५६४६	+१२१	१०९३६	+४१२२

शुक्र

१७१

जून-सुलाई सन १९३८ इ.

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेष गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति	भूमध्य दृश्य शर			गति	सायनमौसम			विषुवांश			गति	विषुवकांश			क्रांति	गति	इन्दौर शहर का			
	रा.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	
२७	३	१६	५९	१	११	११	५३	०	११२९	५८	१३२	५७	१	१३	२२	१०	११९	३२	०	१८	२१	२५	१५	१
२८	३	१८	१०	१	१०	१	५२	०	११३१	९	१३३	१०	१	१०	२२	२२	१९	१४	०	२२	११	२७	१५	२
२९	३	१९	२०	१	१०	१	५१	०	११३२	१९	१३४	२०	१	१०	२२	३३	१८	५२	०	२२	११	२८	१५	२
३०	३	२०	३०	१	१०	१	५१	०	११३३	२९	१३५	३०	१	१०	२२	४४	१८	३०	०	२२	११	३१	१५	३
३१	३	२१	४०	१	१०	१	५०	०	११३४	३९	१३७	४०	१	१०	२२	५७	१८	८	०	२२	११	३३	१५	४
३२	३	२२	५०	१	१०	१	५०	०	११३५	४९	१३८	५०	१	१०	२३	८	१७	८	०	२२	११	३४	१५	५
३३	३	२४	०	१	१०	१	४८	०	११३६	५९	१३९	५९	१	१०	२३	२०	१७	२४	०	२२	११	३६	१५	६
३४	३	२५	१०	१	१०	१	४७	०	११३८	९	१४१	०८	१	१०	२३	३१	१७	२	०	२२	११	३७	१५	७
३५	३	२६	२०	१	१०	१	४६	०	११३९	१९	१४२	१७	१	१०	२३	४३	१६	४०	०	२२	११	३९	१५	७
३६	३	२७	३०	१	१०	१	४५	०	११४०	२९	१४३	२६	१	१०	२३	५४	१६	५०	०	२२	११	४१	१५	७
३७	३	२८	४०	१	१०	१	४४	०	११४२	३९	१४४	३५	१	१०	२४	६	१५	५०	०	२२	११	४३	१५	८
३८	३	२९	५०	१	१०	१	४२	०	११४२	४९	१४५	४४	१	१०	२४	१७	१५	३१	०	२२	११	४४	१५	९
३९	३	३१	०	१	१०	१	४१	०	११४३	५९	१४६	५१	१	१०	२४	२९	१५	५	०	२२	११	४६	१५	९
४०	३	३२	१०	१	१०	१	४०	०	११४५	९	१४७	५८	१	१०	२४	४०	१५	३०	०	२२	११	४७	१५	१०
४१	३	३३	२०	१	१०	१	४०	०	११४६	१९	१४९	५	१	१०	२४	५१	१४	२९	०	२२	११	४८	१५	१०
४२	३	३४	३०	१	१०	१	३९	०	११४७	२९	१५०	१२	१	१०	२५	२	१३	४०	०	२२	११	४९	१५	११
४३	३	५	४०	१	१०	१	३८	०	११४८	३९	१५१	१९	१	१०	२५	१३	१३	२९	०	२२	११	५०	१५	११
४४	३	६	५०	१	१०	१	३७	०	११४९	४९	१५२	२६	१	१०	२५	२४	१२	५५	०	२२	११	५२	१५	१२
४५	३	८	०	१	१०	१	३६	०	११५०	५९	१५३	३२	१	१०	२५	३५	१२	३०	०	२२	११	५३	१५	१३
४६	३	९	१०	१	१०	१	३५	०	११५२	९	१५४	३८	१	१०	२५	४६	१२	३०	०	२२	११	५४	१५	१३
४७	३	१०	२०	१	१०	१	३४	०	११५३	१९	१५५	४४	१	१०	२५	५७	११	३७	०	२२	११	५५	१५	१३
४८	३	११	३०	१	१०	१	३३	०	११५४	२७	१५६	५०	१	१०	२६	८	११	३०	०	२२	११	५६	१५	१३
४९	३	१२	४०	१	१०	१	३२	०	११५५	३६	१५७	५५	१	१०	२६	१९	१०	४२	०	२२	११	५७	१५	१४
५०	३	१३	५०	१	१०	१	३१	०	११५६	४५	१५८	५८	१	१०	२६	३७	१०	४४	०	२२	११	५८	१५	१५
५१	३	१४	५५	१	१०	१	३०	०	११५७	५५	१५९	५८	१	१०	२६	४०	९	४६	०	२२	११	५९	१५	१५
५२	३	१६	०	१	१०	१	२९	०	११५९	६	१६०	६	१	१०	२६	५१	९	४७	०	२२	११	०	१५	१५
५३	३	१७	१०	१	१०	१	२८	०	११६०	१६	१६१	१०	१	१०	२७	८	८	०	०	२२	११	१	१५	१५
५४	३	१८	२०	१	१०	१	२७	०	११६१	२६	१६२	१९	१	१०	२७	१९	८	१९	०	२२	११	२	१५	१६
५५	३	१९	३०	१	१०	१	२६	०	११६२	३६	१६३	२८	१	१०	२७	२८	८	५०	०	२२	११	३	१५	१६
५६	३	२०	४०	१	१०	१	२५	०	११६३	४६	१६४	३७	१	१०	२७	३९	७	५१	०	२२	११	४	१५	१६
५७	३	२१	५०	१	१०	१	२४	०	११६४	५८	१६५	४६	१	१०	२७	४४	६	५२	०	२२	११	५	१५	१७

जुलई-अगस्त सन १९१८ ई.

आषाढ शुक्र और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीमकेंद्र	शीमफल
२७ ३० बु	५२२६	२०८८१	१०१.१७	०.७७	२०९.५८	०.७२४४	२०९.६२	१५६.४६	१ २१ १०९.२६	४१ २२	
२८ १ शु	५२२७	२०८४१	१०२.७७	०.७६	२११.१७	०.७२४५	२११.२१	१५८.०५	१ २१ १०९.८९	४१ २२	
२९ १ शु	५२२८	२१२.०१	१०४.३७	०.७६	२१२.७७	०.७२४६	२१२.८०	१५९.६५	१ २१ ११०.५३	४१ ४३	
३० ४ श	५२२९	२१२.६१	१०५.९८	०.७५	२१४.३६	०.७२४८	२१४.३९	१६१.२४	१ २१ १११.१६	४१ ४८	
३१ ५ र	५२३०	२१५.२२	१०७.५८	०.७५	२१५.९७	०.७२४९	२१६.००	१६२.८५	१ ० १११.८२	४१ ५६	
१ ६ च	५२३१	२१६.८२	१०९.१८	०.७४	२१७.५६	०.७२५०	२१७.५९	१६४.४४	० ५५ ११२.४७	४२ १३	
२ ७ मं	५२३२	२१८.४२	११०.७८	०.७३	२१९.१५	०.७२५१	२१९.१९	१६६.०३	० ४९ ११३.०७	४२ २३	
३ ८ बु	५२३३	२२०.०२	११२.३८	०.७३	२२०.७५	०.७२५३	२२०.७७	१६७.६३	० ४४ ११३.७२	४२ ३४	
४ ९ शु	५२३४	२२१.६२	११३.९८	०.७२	२२२.३४	०.७२५४	२२२.३६	१६९.२२	० ३८ ११४.३५	४२ ४३	
५ १० बु	५२३५	२२३.२२	११५.५९	०.७१	२२३.९३	०.७२५६	२२३.९५	१७०.८१	० ३२ ११४.९८	४२ ५३	
६ ११ श	५२३६	२२४.८३	११७.१९	०.७०	२२५.५३	०.७२५६	२२५.५४	१७२.४१	० २७ ११५.६१	४३ २	
७ १२ र	५२३७	२२६.४३	११८.७९	०.६९	२२७.१२	०.७२५८	२२७.१३	१७४.००	० २१ ११६.२४	४३ १२	
८ १३ च	५२३८	२२८.०३	१२०.३९	०.६८	२२८.७१	०.७२५९	२२८.७२	१७५.५९	० १६ ११६.८८	४३ २१	
९ १४ मं	५२३९	२२९.६३	१२१.९९	०.६७	२३०.३०	०.७२६०	२३०.३१	१७७.१८	० १० ११७.५१	४३ २९	
१० १५ र	५२४०	२३१.२४	१२३.६०	०.६५	२३१.८९	०.७२६२	२३१.८९	१७८.७७	० ४ ११८.१३	४३ ३७	
११ १६ बु	५२४१	२३२.८४	१२५.२०	०.६४	२३३.४८	०.७२६२	२३३.४८	१८०.३६	० १ ११८.७६	४३ ४७	
१२ १ शु	५२४२	२३४.४४	१२६.८०	०.६२	२३५.०७	०.७२६४	२३५.०७	१८१.९५	० ७ ११९.३९	४३ ५५	
१३ २ श	५२४३	२३६.०४	१२८.४०	०.६१	२३६.६५	०.७२६४	२३६.६४	१८३.५३	० ३ १२०.००	४४ ४	
१४ ३ र	५२४४	२३७.६४	१३०.००	०.६०	२३८.२४	०.७२६६	२३८.२३	१८५.१२	० १८ १२०.६३	४४ १३	
१५ ४ च	५२४५	२३९.२४	१३१.६१	०.५९	२३९.८३	०.७२६७	२३९.८२	१८६.७१	० २४ १२१.२६	४४ २१	
१६ ५ मं	५२४६	२४०.८५	१३३.२१	०.५८	२४१.४३	०.७२६८	२४१.४२	१८८.३१	० २९ १२१.९०	४४ २८	
१७ ६ बु	५२४७	२४२.४५	१३४.८१	०.५६	२४३.०१	०.७२६९	२४३.०	१८९.९०	० ३५ १२२.५३	४४ ३६	
१८ ७ शु	५२४८	२४४.०५	१३६.४१	०.५४	२४४.५९	०.७२७०	२४४.५७	१९१.४७	० ४० १२३.१३	४४ ४३	
१९ ८ बु	५२४९	२४५.६५	१३८.०१	०.५२	२४६.१७	०.७२७१	२४६.१५	१९३.०५	० ४६ १२३.७४	४४ ५०	
२० ९ श	५२५०	२४७.२६	१३९.६२	०.५०	२४७.७६	०.७२७३	२४७.७४	१९४.६४	० ५२ १२४.३७	४४ ५७	
२१ १० र	५२५१	२४८.८६	१४१.२२	०.४८	२४९.३४	०.७२७३	२४९.३३	१९६.२२	० ५७ १२४.९८	४५ ४	
२२ ११ च	५२५२	२५०.४६	१४२.८२	०.४६	२५०.९२	०.७२७४	२५०.८९	१९७.८०	१ ० १२५.६०	४५ १०	
२३ १२ मं	५२५३	२५२.०६	१४४.४२	०.४४	२५२.५०	०.७२७५	२५२.४७	१९९.३८	१ ८ १२६.२१	४५ १६	
२४ १३ बु	५२५४	२५३.६६	१४६.०२	०.४३	२५४.०९	०.७२७५	२५४.०६	१९९.९८	१ १३ १२६.८४	४५ २२	
२५ १४ शु	५२५५	२५५.२७	१४७.६३	०.४२	२५५.६९	०.७२७५	२५५.६५	२००.५७	१ १८ १२७.४६	४५ २९	

शुक्र

१७३

जुलाई-अगस्त सन १९३८ ई.

श्रावण शुक्र और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट प्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनमो	विषुवांश	गति	ल विषुव	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का ग्राम्योत्तर लंघन काल		
रा	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	प. स्ट्रे. घ. मि.		
२५	२१	४९	१	१०	५८	०	१६४	४८	१६६	२३	१	१७	
२८	२२	५८	०	५४	५७	५७	१६५	५७	१६८	२६	४	१५	१७
२९	२४	५५	०	५१	५७	५७	१६६	५७	१६८	२७	५	१५	१७
३०	२५	५४	०	५०	५७	५७	१६७	५७	१६९	२८	५	१५	१७
३१	२६	५२	०	४८	५७	५७	१६८	५७	१७०	२९	५	१५	१७
१	२७	५०	०	४६	५७	५७	१६९	५७	१७१	३०	५	१५	१७
२	२८	४८	०	४४	५७	५७	१७०	५७	१७२	३१	५	१५	१७
३	२९	४६	०	४२	५७	५७	१७१	५७	१७३	३२	५	१५	१७
४	३०	४४	०	४०	५७	५७	१७२	५७	१७४	३३	५	१५	१७
५	३१	४२	०	३८	५७	५७	१७३	५७	१७५	३४	५	१५	१७
६	३२	४०	०	३६	५७	५७	१७४	५७	१७६	३५	५	१५	१७
७	३३	३८	०	३४	५७	५७	१७५	५७	१७७	३६	५	१५	१७
८	३४	३६	०	३२	५७	५७	१७६	५७	१७८	३७	५	१५	१७
९	३५	३४	०	३०	५७	५७	१७७	५७	१७९	३८	५	१५	१७
१०	३६	३२	०	२८	५७	५७	१७८	५७	१८०	३९	५	१५	१७
११	३७	३०	०	२६	५७	५७	१७९	५७	१८१	४०	५	१५	१७
१२	३८	२८	०	२४	५७	५७	१८०	५७	१८२	४१	५	१५	१७
१३	३९	२६	०	२२	५७	५७	१८१	५७	१८३	४२	५	१५	१७
१४	४०	२४	०	२०	५७	५७	१८२	५७	१८५	४३	५	१५	१७
१५	४१	२२	०	१८	५७	५७	१८३	५७	१८७	४४	५	१५	१७
१६	४२	२०	०	१६	५७	५७	१८४	५७	१८९	४५	५	१५	१७
१७	४३	१८	०	१४	५७	५७	१८५	५७	१९०	४६	५	१५	१७
१८	४४	१६	०	१२	५७	५७	१८६	५७	१९१	४७	५	१५	१७
१९	४५	१४	०	१०	५७	५७	१८७	५७	१९२	४८	५	१५	१७
२०	४६	१२	०	०८	५७	५७	१८८	५७	१९३	४९	५	१५	१७
२१	४७	१०	०	०६	५७	५७	१८९	५७	१९४	५०	५	१५	१७
२२	४८	०८	०	०४	५७	५७	१९०	५७	१९५	५१	५	१५	१७
२३	४९	०६	०	०२	५७	५७	१९१	५७	१९६	५२	५	१५	१७
२४	५०	०४	०	००	५७	५७	१९२	५७	१९७	५३	५	१५	१७
२५	५१	०२	०	००	५७	५७	१९३	५७	१९८	५४	५	१५	१७
२६	५२	००	०	००	५७	५७	१९४	५७	१९९	५५	५	१५	१७
२७	५३	००	०	००	५७	५७	१९५	५७	२००	५६	५	१५	१७
२८	५४	००	०	००	५७	५७	१९६	५७	२०१	५७	५	१५	१७
२९	५५	००	०	००	५७	५७	१९७	५७	२०२	५८	५	१५	१७
३०	५६	००	०	००	५७	५७	१९८	५७	२०३	५९	५	१५	१७
३१	५७	००	०	००	५७	५७	१९९	५७	२०४	६०	५	१५	१७

अगस्त-सितंबर सन १९३८ ई. माद्रपद शुद्ध और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्थ	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातो न	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.
२५ ३० शु	५२५५	२५५-२७	१४७-६३	०-४२	२५५-६९	०-७२७५	२५५-६५	२०२-५५	१ १८	११७-४६	४५ २९
२६ १ शु	५२५६	२५६-८७	१४९-२३	+०-४०	२५७-२७	०-७२७६	२५७-२३	२०४-४५	-१ २३	१२८-०८	+४५ ३३
२७ २ शु	५२५७	२५८-०७	१५०-८३	०-३८	२५८-८५	०-७२७७	२५८-८१	२०५-७३	१ २८	१२८-६९	४५ ३८
२८ ३ शु	५२५८	२६०-०७	१५२-४३	०-३६	२६०-४३	०-७२७७	२६०-३९	२०७-३१	१ ३३	१२९-३१	४५ ४३
२९ ४ शु	५२५९	२६१-६७	१५४-०३	०-३४	२६१-०१	०-७२७८	२६१-९७	२०८-८९	१ ३८	१२९-९२	४५ ४८
३० ५ शु	५२६०	२६३-२७	१५५-६३	०-३२	२६३-५९	०-७२७९	२६३-५५	२१०-४७	१ ४३	१३०-५३	४५ ५२
३१ ६ शु	५२६१	२६४-८८	१५७-२३	०-३०	२६५-१८	०-७२७९	२६५-१४	२१२-०६	१ ४८	१३१-१६	४५ ५६
१ ७ शु	५२६२	२६६-४८	१५८-८४	०-२८	२६६-७६	०-७२८०	२६६-७३	२१३-६४	१ ५३	१३१-७६	४६ ००
२ ८ शु	५२६३	२६८-०८	१६०-४४	०-२६	२६८-३४	०-७२८०	२६८-२९	२१५-२२	१ ५७	१३२-३७	४६ ०२
३ ९ शु	५२६४	२६९-६८	१६२-०४	०-२३	२६९-९१	०-७२८१	२६९-८६	२१६-७९	२ ०२	१३२-९७	४६ ०७
४ १० शु	५२६५	२७१-२९	१६३-६४	०-२१	२७१-५०	०-७२८१	२७१-४५	२१८-३८	२ ०६	१३३-५८	४६ ११
५ ११ शु	५२६६	२७२-८९	१६५-२५	०-१९	२७३-०८	०-७२८२	२७३-०३	२१९-९६	२ ११	१३३-२१	४६ १६
६ १२ शु	५२६७	२७४-४९	१६६-८५	०-१७	२७४-६६	०-७२८२	२७४-६१	२२१-५४	२ १५	१३४-८२	४६ २०
७ १३ शु	५२६८	२७६-०९	१६८-४५	०-१६	२७६-२५	०-७२८२	२७६-२०	२२३-१३	२ २०	१३४-४५	४६ २५
८ १४ शु	५२६९	२७७-६९	१७०-०५	०-१३	२७७-८२	०-७२८२	२७७-७७	२२४-४७	२ २३	१३५-०३	४६ ३०
९ १५ शु	५२७०	२७९-२०	१७१-६६	०-११	२७९-४१	०-७२८३	२७९-३६	२२६-०६	२ २७	१३५-६५	४६ ३५
१० १६ शु	५२७१	२८०-८०	१७३-२६	०-०९	२८०-०१	०-७२८३	२८०-०५	२२७-८७	२ ३१	१३६-२६	४६ ४०
११ १७ शु	५२७२	२८२-४०	१७४-८६	०-०७	२८२-५७	०-७२८३	२८२-५२	२२९-४५	२ ३५	१३७-८७	४६ ४५
१२ १८ शु	५२७३	२८४-००	१७६-४६	०-०५	२८४-१५	०-७२८३	२८४-१०	२३१-०३	२ ३८	१३८-४८	४६ ५०
१३ १९ शु	५२७४	२८५-६०	१७८-०६	०-०३	२८५-७३	०-७२८३	२८५-६८	२३२-२१	२ ४२	१३९-०९	४६ ५५
१४ २० शु	५२७५	२८७-२१	१७९-६७	+०-००	२८७-३१	०-७२८३	२८७-२६	२३३-४९	२ ४५	१३९-६९	४६ ५७
१५ २१ शु	५२७६	२८८-८१	१८१-२७	-०-०१	२८८-९०	०-७२८३	२८८-८५	२३५-७८	२ ४८	१४०-३१	४६ ५९
१६ २२ शु	५२७७	२९०-४१	१८२-८७	०-०४	२९०-४७	०-७२८३	२९०-४२	२३७-३५	२ ५१	१४०-९०	४६ ६३
१७ २३ शु	५२७८	२९२-०१	१८४-४७	०-०६	२९२-०५	०-७२८३	२९२-०१	२३८-९३	२ ५४	१४१-५२	४६ ६६
१८ २४ शु	५२७९	२९३-६१	१८६-०८	०-०८	२९३-६३	०-७२८३	२९३-५९	२४०-५१	२ ५७	१४२-१२	४६ ७०
१९ २५ शु	५२८०	२९५-२१	१८७-६८	०-१०	२९५-२२	०-७२८३	२९५-१८	२४२-१०	३ ०१	१४२-७३	४६ ७४
२० २६ शु	५२८१	२९६-८२	१८९-२८	०-१२	२९६-८०	०-७२८३	२९६-७६	२४३-६८	३ ०५	१४३-३४	४६ ७८
२१ २७ शु	५२८२	२९८-४२	१९०-८८	०-१४	२९८-३८	०-७२८३	२९८-३३	२४५-२६	३ ०९	१४३-९०	४६ ८२
२२ २८ शु	५२८३	३००-०२	१९२-४९	०-१६	२९९-९६	०-७२८३	२९९-९२	२४६-८४	३ १३	१४४-५४	४६ ८६
२३ २९ शु	५२८४	३०१-६३	१९४-०९	-०-१८	३०१-५५	०-७२८३	३०१-५१	२४८-४३	३ १७	१४५-१५	४६ ९०

शुक्र

१७५

अगस्त-सितंबर सन १९३८ इ.

भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायन भोग	विषुवांश	गति	विषुव कोण	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लघन काल	
	रा. अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	स्टे. घ. मि.
२५	२३ ४१	३०	५७	४१ १९६	४१ २९४	५८	५७ २२	३० १७	२२	२९	२२	४ १५ १७
२६	२४ ४३	१	१	१९७	४२ १९५	५५	५८ ३२	३१	७ ५१	२२	३	१५ १६
२७	२५ ४५	२	१	१९८	४४ १९६	५२	५८ ३२	४१	८ २०	२९	३	१५ १६
२८	२६ ४७	३	१	१९९	४६ १९७	५०	५८ ३२	५८	९ ४६	२८	२	१५ १६
२९	२७ ४९	४	१	२००	४८ १९८	४७	५८ ३३	६८	१० १२	२८	२	१५ १६
३०	२८ ५१	५	१	२०१	५० १९९	४४	५८ ३३	७८	११ ४९	२८	१	१५ १६
३१	२९ ५३	६	१	२०२	५२ २००	४१	५८ ३३	८८	१२ ३०	२८	१	१५ १६
१	३० ५५	७	१	२०३	५४ २०१	३८	५८ ३३	९८	१३ ३३	२८	१	१५ १६
२	३१ ५७	८	१	२०४	५६ २०२	३५	५८ ३३	१०८	१४ ३६	२८	१	१५ १६
३	३२ ५९	९	१	२०५	५८ २०३	३२	५८ ३३	११८	१५ ३९	२८	१	१५ १६
४	३३ ६१	१०	१	२०६	६० २०४	२९	५८ ३३	१२८	१६ ४२	२८	१	१५ १६
५	३४ ६३	११	१	२०७	६२ २०५	२६	५८ ३३	१३८	१७ ४५	२८	१	१५ १६
६	३५ ६५	१२	१	२०८	६४ २०६	२३	५८ ३३	१४८	१८ ४८	२८	१	१५ १६
७	३६ ६७	१३	१	२०९	६६ २०७	२०	५८ ३३	१५८	१९ ५१	२८	१	१५ १६
८	३७ ६९	१४	१	२१०	६८ २०८	१७	५८ ३३	१६८	२० ५४	२८	१	१५ १६
९	३८ ७१	१५	१	२११	७० २०९	१४	५८ ३३	१७८	२१ ५७	२८	१	१५ १६
१०	३९ ७३	१६	१	२१२	७२ २१०	११	५८ ३३	१८८	२२ ५९	२८	१	१५ १६
११	४० ७५	१७	१	२१३	७४ २११	८	५८ ३३	१९८	२३ ६२	२८	१	१५ १६
१२	४१ ७७	१८	१	२१४	७६ २१२	५	५८ ३३	२०८	२४ ६५	२८	१	१५ १६
१३	४२ ७९	१९	१	२१५	७८ २१३	२	५८ ३३	२१८	२५ ६८	२८	१	१५ १६
१४	४३ ८१	२०	१	२१६	८० २१४	०	५८ ३३	२२८	२६ ७१	२८	१	१५ १६
१५	४४ ८३	२१	१	२१७	८२ २१५	०	५८ ३३	२३८	२७ ७४	२८	१	१५ १६
१६	४५ ८५	२२	१	२१८	८४ २१६	०	५८ ३३	२४८	२८ ७७	२८	१	१५ १६
१७	४६ ८७	२३	१	२१९	८६ २१७	०	५८ ३३	२५८	२९ ८०	२८	१	१५ १६
१८	४७ ८९	२४	१	२२०	८८ २१८	०	५८ ३३	२६८	३० ८३	२८	१	१५ १६
१९	४८ ९१	२५	१	२२१	९० २१९	०	५८ ३३	२७८	३१ ८६	२८	१	१५ १६
२०	४९ ९३	२६	१	२२२	९२ २२०	०	५८ ३३	२८८	३२ ८९	२८	१	१५ १६
२१	५० ९५	२७	१	२२३	९४ २२१	०	५८ ३३	२९८	३३ ९२	२८	१	१५ १६
२२	५१ ९७	२८	१	२२४	९६ २२२	०	५८ ३३	३०८	३४ ९५	२८	१	१५ १६
२३	५२ ९९	२९	१	२२५	९८ २२३	०	५८ ३३	३१८	३५ ९८	२८	१	१५ १६

सितंबर-अक्टूबर १९३८ ह.

आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदपट्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२३ ३० शु	५२८४	३०१.७३	१९४.०९	०.१८	३०१.५५	०.७२८२	३०१.५१	२४८.४३	३ ९	१४५.१५	४५ ४३
२४ १ श	५२८५	३०३.३३	१९५.६९	-०.२०	३०३.१३	०.७२८१	३०३.१०	२५०.०१	३ ११	१४५.७७	+४५ ६६
२५ २ र	५२८६	३०४.९३	१९७.२९	०.२२	३०४.७१	०.७२८१	३०४.६६	२५१.५९	३ १३	१४६.३६	४५ २८
२६ ३ च	५२८७	३०६.५३	१९८.८९	०.२४	३०६.२९	०.७२८०	३०६.२६	२५३.१७	३ १५	१४६.९६	४५ २२
२७ ४ मं	५२८८	३०८.१३	२००.५०	०.२६	३०७.८७	०.७२८०	३०७.८५	२५४.७५	३ १६	१४७.५५	४५ ११
२८ ५ बु	५२८९	३०९.७३	२०२.१०	०.२८	३०९.४५	०.७२८०	३०९.४३	२५६.३३	३ १८	१४८.१७	४५ २
२९ ६ श्र	५२९०	३११.३३	२०३.७०	०.३०	३११.०४	०.७२७९	३११.०२	२५७.९२	३ १९	१४८.७८	४५ ५१
३० ७ शु	५२९१	३१२.९४	२०५.३०	०.३२	३१२.६२	०.७२७९	३१२.६०	२५९.५०	३ २०	१४९.३८	४४ ४०
१ ८ श	५२९२	३१४.५४	२०६.९१	०.३४	३१४.२०	०.७२७८	३१४.१९	२६१.०८	३ २१	१४९.९८	४४ २८
२ ९ र	५२९३	३१६.१४	२०८.५१	०.३६	३१५.७८	०.७२७८	३१५.७७	२६२.६६	३ २२	१५०.५८	४४ १५
३ १० मं	५२९४	३१७.७५	२१०.११	०.३८	३१७.३७	०.७२७७	३१७.३६	२६४.२५	३ २३	१५१.१९	४४ १
४ ११ बु	५२९५	३१९.३५	२११.७१	०.४०	३१८.९५	०.७२७७	३१८.९४	२६५.८३	३ २४	१५१.७८	४३ ४४
५ १२ श्र	५२९६	३२०.९५	२१३.३१	०.४२	३२०.५३	०.७२७७	३२०.५३	२६७.४१	३ २५	१५२.३९	४३ ३०
६ १३ शु	५२९७	३२२.५५	२१४.९१	०.४४	३२२.११	०.७२७६	३२२.११	२६८.९९	३ २६	१५२.९८	४३ १३
७ १४ श	५२९८	३२४.१५	२१६.५२	०.४६	३२३.६९	०.७२७६	३२३.६९	२७०.५७	३ २७	१५३.५७	४२ ५६
८ १५ श	५२९९	३२५.७६	२१८.१२	०.४७	३२५.२९	०.७२७६	३२५.२९	२७२.१७	३ २८	१५४.१९	४२ ३६
९ १६ र	५३००	३२७.३६	२१९.७२	०.४९	३२६.८७	०.७२७६	३२६.८७	२७३.७५	३ २९	१५४.७८	४२ १६
१० १ च	५३०१	३२८.९६	२२१.३२	०.५०	३२८.४६	०.७२७५	३२८.४५	२७५.३३	३ ३०	१५५.३७	४१ ५५
११ २ मं	५३०२	३३०.५६	२२२.९३	०.५२	३३०.०४	०.७२७५	३३०.०५	२७६.९२	३ ३१	१५५.९८	४१ ३२
१२ ३ बु	५३०३	३३२.१७	२२४.५३	०.५४	३३१.६३	०.७२७५	३३१.६४	२७८.५१	३ ३२	१५६.५८	४१ ८
१३ ४ श्र	५३०४	३३३.७७	२२६.१३	०.५६	३३३.२३	०.७२७४	३३३.२३	२८०.०९	३ ३३	१५७.१८	४० ४५
१४ ५ शु	५३०५	३३५.३७	२२७.७३	०.५७	३३४.८०	०.७२७४	३३४.८०	२८१.६८	३ ३४	१५७.७८	४० १५
१५ ६ श	५३०६	३३६.९७	२२९.३४	०.५९	३३६.३८	०.७२७४	३३६.४०	२८३.२६	३ ३८	१५८.३७	३९ ४७
१६ ७ च	५३०७	३३८.५८	२३०.९४	०.६१	३३७.९७	०.७२७३	३३७.९९	२८४.८५	३ ३९	१५८.९७	३९ १७
१७ ८ र	५३०८	३४०.१८	२३२.५४	०.६२	३३९.५६	०.७२७३	३३९.५९	२८६.४४	३ ४०	१५९.५८	३८ ४४
१८ ९ मं	५३०९	३४१.७८	२३४.१४	०.६३	३४१.१५	०.७२७३	३४१.१८	२८८.०३	३ ४१	१६०.१९	३८ १२
१९ १० बु	५३१०	३४३.३८	२३५.७५	०.६४	३४२.७४	०.७२७३	३४२.७७	२८९.६२	३ ४२	१६०.७७	३७ ३७
२० ११ श्र	५३११	३४४.९८	२३७.३५	०.६५	३४४.३३	०.७२७३	३४४.३६	२९१.२१	३ ४०	१६१.३७	३६ ५९
२१ १२ शु	५३१२	३४६.५९	२३८.९५	०.६७	३४५.९२	०.७२७३	३४५.९६	२९२.८०	३ ८	१६१.९७	३६ १९
२२ १३ श	५३१३	३४८.१९	२४०.५५	०.६८	३४७.५१	०.७२७३	३४७.५५	२९४.३९	३ ९	१६२.५७	३५ ३९
२३ १४ र	५३१४	३४९.७९	२४२.१५	-०.६९	३४९.१०	०.७२७३	३४९.१४	२९५.९८	-३ ६	१६३.१६	+३५ ५९

शुक्र

१७७

सितम्बर-अक्टूबर सन १९२८ ई. आश्विन शुद्ध और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्थष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकां	कांति	गति	इंदौर शहर का साम्योत्तर लघनकाल	
	रा. अं. क.	अ. क.	अं. क.	अ. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	स्टैं. घ. मि
२३	६ २२ ७	० ५२	२ १८	० १	२२५ ६	२२१ ५२	० ५३	३६ ५९	१८ २९	० १८	२१ ४७	१५ १०
२४	६ २२ ५९	० ५२	२ १९	० ०	२२५ ५८	२२२ ४५	० ५३	३७ ८	१८ ४७	० १८	२१ ४६	१५ ९
२५	६ २३ ५१	० ५१	२ २०	० ०	२२६ ५०	२२३ ३८	० ५३	३७ १६	१९ ५	० १७	२१ ४४	१५ ९
२६	६ २४ ४२	० ५१	२ २१	० ०	२२७ ४१	२२४ ३१	० ५३	३७ २५	१९ २२	० १४	२१ ४३	१५ ८
२७	६ २५ ३३	० ५०	२ २२	० ०	२२८ ३२	२२५ २९	० ५३	३७ ३३	१९ ३६	० १४	२१ ४१	१५ ७
२८	६ २६ २३	० ४९	२ २३	० ०	२२९ २३	२२६ २७	० ५३	३७ ४१	१९ ५०	० १४	२१ ३९	१५ ७
२९	६ २७ १२	० ४९	२ २५	० ०	२३० ११	२२६ ५५	० ५३	३७ ४९	२० ४	० १३	२१ ३८	१५ ६
३०	६ २७ ५९	० ४६	२ २६	० ०	२३० ५८	२२७ ४३	० ५३	३७ ५७	२० १७	० १३	२१ ३६	१५ ५
१	६ २८ ४५	० ४५	२ २६	० ०	२३१ ४४	२२८ ३१	० ५३	३८ ५	२० ३०	० १३	२१ ३४	१५ ५
२	६ २९ ३०	० ४४	२ २७	० ०	२३२ २९	२२९ १९	० ५३	३८ १३	२० ४३	० १३	२१ ३२	१५ ४
३	६ ३० १४	० ४३	२ २८	० ०	२३३ १९	२२९ ७	० ५३	३८ २१	२० ५६	० १३	२१ ३०	१५ ३
४	६ ३० ५४	० ४०	२ २८	० ०	२३४ ५	२३० ५५	० ५३	३८ २९	२१ १	० १३	२१ २८	१५ २
५	६ ३१ ३९	० ४०	२ २८	० ०	२३४ ३८	२३१ ४२	० ५३	३८ ३८	२१ १२	० १३	२१ २६	१५ १
६	६ ३२ २९	० ४०	२ २८	० ०	२३५ २०	२३२ २९	० ५३	३८ ४६	२१ २५	० १३	२१ २५	१५ १
७	६ ३३ १९	० ४०	२ २८	० ०	२३६ ६	२३३ १६	० ५३	३८ ५४	२१ ३६	० १३	२१ २३	१४ ५९
८	६ ३४ १०	० ४०	२ २८	० ०	२३६ ४९	२३३ ४३	० ५३	३८ ६	२१ ५०	० १३	२१ २७	१४ ५८
९	६ ३४ ११	० ४०	२ २८	० ०	२३७ २०	२३४ ३०	० ५३	३८ १३	२१ ५७	० १३	२१ २७	१४ ५६
१०	६ ३५ ०	० ४०	२ २७	० ०	२३७ ५९	२३५ १७	० ५३	३८ २०	२२ ४	० १३	२१ २०	१४ ५५
११	६ ३५ ५३	० ४०	२ २७	० ०	२३८ ५५	२३५ ५४	० ५३	३८ २७	२२ १६	० १३	२१ १६	१४ ५३
१२	६ ३६ ४६	० ४०	२ २६	० ०	२३९ १०	२३६ ४०	० ५३	३८ ३५	२२ २९	० १३	२१ १२	१४ ५२
१३	६ ३७ ३९	० ४०	२ २६	० ०	२३९ ४७	२३६ २६	० ५३	३८ ४३	२२ ४१	० १३	२१ १०	१४ ५१
१४	६ ३८ ३२	० ४०	२ २५	० ०	२४० ३४	२३७ १२	० ५३	३८ ५०	२२ ५३	० १३	२१ ०८	१४ ५०
१५	६ ३९ २५	० ४०	२ २४	० ०	२४० ४८	२३८ ०	० ५३	३८ ५७	२२ ६	० १३	२१ ०६	१४ ४९
१६	६ ४० १८	० ४०	२ २३	० ०	२४१ १७	२३८ ३८	० ५३	३९ ५	२२ १६	० १३	२१ ०४	१४ ४८
१७	६ ४१ ११	० ४०	२ २२	० ०	२४१ ४६	२३९ २६	० ५३	३९ १३	२२ २९	० १३	२१ ०२	१४ ४७
१८	६ ४२ ४	० ४०	२ २१	० ०	२४२ १९	२४० १४	० ५३	३९ २१	२२ ४१	० १३	२१ ००	१४ ४६
१९	६ ४३ ५७	० ४०	२ २१	० ०	२४३ ५७	२४० ५४	० ५३	३९ २९	२२ ५३	० १३	२१ ००	१४ ४५
२०	६ ४४ ५०	० ४०	२ २०	० ०	२४४ ५७	२४१ ४	० ५३	३९ ३७	२२ ६	० १३	२१ ००	१४ ४४
२१	६ ४५ ४३	० ४०	२ २०	० ०	२४५ ४०	२४१ ५०	० ५३	३९ ४५	२२ १८	० १३	२१ ००	१४ ४३
२२	६ ४६ ३६	० ४०	२ २०	० ०	२४६ २०	२४२ ४०	० ५३	३९ ५३	२२ ३०	० १३	२१ ००	१४ ४२
२३	६ ४७ २९	० ४०	२ २०	० ०	२४७ ५	२४३ ३०	० ५३	३९ ६	२२ ४२	० १३	२१ ००	१४ ४१
२४	६ ४८ २२	० ४०	२ २०	० ०	२४८ ५०	२४४ २०	० ५३	३९ १४	२२ ५४	० १३	२१ ००	१४ ४०
२५	६ ४९ १५	० ४०	२ २०	० ०	२४९ ४०	२४५ १०	० ५३	३९ २२	२३ ६	० १३	२१ ००	१४ ३९
२६	६ ४९ १० ५९	० ४०	२ २०	० ०	२४९ ४०	२४५ १०	० ५३	३९ २२	२३ ६	० १३	२१ ००	१४ ३९

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ ई. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. सह	पातोत	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	ध
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क.	अं.	
२३ ३० र	५३१४	३४९.७९	२४२.१५	००६९	३४९.१०	००७२५७	३४९.१४	२९५.९८	३	३१६३.९६	
२४ १ च	५३१५	३५१.३९	२४३.७६	००७०	३५०.६९	००७२५६	३५०.७३	२९७.५६	३	०१६३.७६	
२५ २ मं	५३१६	३५२.९९	२४५.३६	००७१	३५२.२८	००७२५५	३५२.३२	२९९.१६	२	५८१६४.३५	
२६ ३ बु	५३१७	३५४.६०	२४६.९६	००७२	३५३.८८	००७२५४	३५३.९२	३००.७६	२	५५१६४.९५	
२७ ४ शु	५३१८	३५६.२०	२४८.५७	००७३	३५५.४७	००७२५३	३५५.५१	३०२.३५	२	५२१६५.५५	
२८ ५ छ	५३१९	३५७.८०	२५०.१७	००७४	३५७.०७	००७२५२	३५७.१२	३०३.९५	२	४९१६६.१५	
२९ ६ श	५३२०	३५९.४०	२५१.७७	००७५	३५८.६६	००७२५१	३५८.७१	३०५.५४	२	४६१६६.७५	
३० ७ र	५३२१	३६१.०१	२५३.३७	००७६	३६०.२६	००७२५०	३६०.३१	३०७.१४	२	४३१६७.३५	
३१ ८ च	५३२२	३६२.६१	२५४.९८	००७७	३६१.८५	००७२४९	३६१.९०	३०८.७३	२	४०१६७.९४	
१ ९ मं	५३२३	३६४.२१	२५६.५८	००७८	३६३.४५	००७२४८	३६३.५०	३०९.३३	२	३७१६८.५४	
२ १० बु	५३२४	३६५.८१	२५८.१८	००७९	३६५.०५	००७२४७	३६५.०९	३१०.९२	२	३४१६९.१३	
३ ११ शु	५३२५	३६७.४१	२५९.७८	००८०	३६६.६५	००७२४६	३६६.६९	३१२.५२	२	३११६९.७३	
४ १२ छ	५३२६	३६९.०२	२६१.३८	००८१	३६८.२५	००७२४५	३६८.२९	३१४.१२	२	२८१७०.३२	
५ १३ श	५३२७	३७०.६२	२६२.९८	००८२	३७०.८५	००७२४४	३७०.८९	३१५.७२	२	२५१७०.९२	
६ १४ र	५३२८	३७२.२२	२६४.५९	००८३	३७२.४५	००७२४३	३७२.४९	३१७.३२	२	२२१७१.५२	
७ १५ च	५३२९	३७३.८२	२६६.१९	००८४	३७४.०५	००७२४२	३७४.०८	३१८.९१	२	१९१७२.११	
८ १६ मं	५३३०	३७५.४३	२६७.७९	००८५	३७५.६५	००७२४१	३७५.६९	३२०.५२	२	१६१७२.७१	
९ १७ बु	५३३१	३७७.०३	२६९.३९	००८६	३७७.२५	००७२४०	३७७.२९	३२२.१२	१	१३१७३.३१	
१० १८ शु	५३३२	३७८.६३	२७०.९९	००८७	३७८.८५	००७२३९	३७८.८९	३२३.७२	१	१०१७३.९०	
११ १९ छ	५३३३	३८०.२३	२७२.५९	००८८	३८०.४५	००७२३८	३८०.४९	३२५.३२	१	०७१७४.५०	
१२ २० श	५३३४	३८१.८३	२७४.१९	००८९	३८२.०५	००७२३७	३८२.०९	३२६.९२	१	०४१७५.०९	
१३ २१ र	५३३५	३८३.४३	२७५.७९	००९०	३८३.६५	००७२३६	३८३.६९	३२८.५२	१	०११७५.६९	
१४ २२ च	५३३६	३८५.०३	२७७.३९	००९१	३८५.२५	००७२३५	३८५.२९	३२९.१२	१	००१७६.२९	
१५ २३ मं	५३३७	३८६.६३	२७९.००	००९२	३८६.८५	००७२३४	३८६.९०	३३०.७२	१	००१७६.८८	
१६ २४ बु	५३३८	३८८.२३	२८०.६०	००९३	३८८.४५	००७२३३	३८८.९९	३३२.३२	१	००१७७.४८	
१७ २५ शु	५३३९	३८९.८३	२८२.२०	००९४	३९०.०५	००७२३२	३९०.०९	३३३.९२	१	००१७८.०९	
१८ २६ छ	५३४०	३९१.४३	२८३.८०	००९५	३९१.६५	००७२३१	३९१.६९	३३५.५२	१	००१७८.६८	
१९ २७ श	५३४१	३९३.०३	२८५.४०	००९६	३९३.२५	००७२३०	३९३.२९	३३७.१२	१	००१७९.२८	
२० २८ र	५३४२	३९४.६३	२८७.००	००९७	३९४.८५	००७२२९	३९४.८९	३३८.७२	१	००१७९.८८	
२१ २९ च	५३४३	३९६.२३	२८८.६०	००९८	३९६.४५	००७२२८	३९६.४९	३४०.३२	१	००१८०.४८	

नवंबर-डिसेंबर १९३८ ई. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेष गणित।

ता. ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन्न	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. क.	अ. अ.	अ. क.
२१ ३० चं	५३४३	३६.२६	२८८.६२	०.७५	३५.५१	००७२१७	३५.५४	३४२.३९	१ २	१८०.४७	१ १६
२२ १ सं	५३४४	३७.८६	२९०.२२	०.७४	३७.१२	०.७२१६	३७.१५	३४४.००	० ५६	१८१.०७	२ ५३
२३ १ शु	५३४५	३९.४६	२९२.८२	०.७३	३८.७३	०.७२१५	३८.७५	३४५.६१	० ५१	१८१.६६	४ ३०
२४ १ अ	५३४६	४१.०६	२९५.४२	०.७३	४०.३३	०.७२१४	४०.३५	३४७.२१	० ४५	१८२.२५	६ १
२५ १ अ	५३४७	४२.६६	२९८.०२	०.७२	४१.९४	०.७२१३	४१.९६	३४८.८२	० ३९	१८२.८५	७ ४९
२६ १ अ	५३४८	४४.२७	२९९.६३	०.७१	४३.५६	०.७२११	४३.५८	३५०.४३	० ३४	१८३.४५	९ १२
२७ ५ र	५३४९	४५.८७	३०१.२३	०.६९	४५.१८	०.७२१०	४५.१९	३५२.०६	० २८	१८४.०५	१० ४४
२८ ६ अ	५३५०	४७.४७	३०१.८३	०.६८	४६.७९	०.७२०९	४६.८०	३५३.६७	० २३	१८४.६५	१२ १६
२९ ७ म	५३५१	४९.०७	३०१.४३	०.६७	४८.४०	०.७२०८	४८.४१	३५५.२८	० १७	१८५.२५	१३ ४६
३० ८ अ	५३५२	५०.६७	३०३.०४	०.६६	५०.०१	०.७२०७	५०.०२	३५६.८९	० ११	१८५.८४	१५ १६
३१ ९ शु	५३५३	५२.२८	३०४.६५	०.६५	५१.६३	०.७२०५	५१.६५	३५८.५१	० ५	१८६.४४	१६ ३४
१ १० अ	५३५४	५३.८८	३०६.२५	०.६३	५३.२५	०.७२०४	५३.२५	३००.१३	० १०	१८७.०५	१८ १८
२ ११ श	५३५५	५५.४८	३०७.८५	०.६२	५४.८६	०.७२०३	५४.८६	१०३.४४	० ६	१८७.६५	१९ २४
३ १२ र	५३५६	५७.०८	३०९.४५	०.६१	५६.४७	०.७२०२	५६.४७	३०३.५५	० २	१८८.२५	२० ४३
४ १३ चं	५३५७	५८.६८	३११.०५	०.६०	५८.०८	०.७२०१	५८.०७	४०९.६६	० ८	१८८.८२	२२ ००
५ १४ मं	५३५८	६०.२८	३१२.६५	०.५९	५९.६९	०.७२००	५९.६८	६०५.७७	० २३	१८९.४२	२३ १४
६ १५ बु	५३५९	६१.८८	३१४.२५	०.५७	६१.३१	०.७१९९	६१.३०	८१.१९	० २९	१९०.०२	२४ २६
७ १६ अ	५३६०	६३.४९	३१५.८५	०.५५	६२.९४	०.७१९८	६२.९२	९०.८२	० ३५	१९०.६३	२५ ३५
८ १७ अ	५३६१	६५.०९	३१७.४५	०.५३	६४.५६	०.७१९७	६४.५४	१००.४५	० ४०	१९१.२३	२६ ४५
९ १८ श	५३६२	६६.६९	३१९.०५	०.५२	६६.१७	०.७१९६	६६.१५	११०.०७	० ४६	१९१.८२	२७ ४५
१० १९ र	५३६३	६८.२९	३२०.६५	०.५०	६७.७९	०.७१९५	६७.७७	१२०.७५	० ५२	१९२.४३	२८ ४३
११ २० अ	५३६४	६९.८९	३२२.२५	०.४८	६९.४१	०.७१९४	६९.३८	१३०.३६	० ५७	१९३.०२	२९ ३९
१२ २१ म	५३६५	७१.४९	३२३.८६	०.४६	७१.०४	०.७१९३	७१.०१	१४०.९२	० ३	१९३.६३	३० ३६
१३ २२ अ	५३६६	७३.१०	३२५.४६	०.४५	७२.६५	०.७१९२	७२.६२	१५०.५३	१ ८	१९४.२३	३१ ३३
१४ २३ शु	५३६७	७४.७१	३२७.०७	०.४३	७४.२८	०.७१९१	७४.२५	१६०.१६	१ ४	१९४.८५	३२ ३०
१५ २४ अ	५३६८	७६.३१	३२८.६७	०.४१	७५.९०	०.७१९१	७५.८६	१७०.७८	१ १९	१९५.४६	३३ १७
१६ २५ श	५३६९	७७.९१	३३०.२७	०.३९	७७.५२	०.७१९१	७७.४८	१८०.४०	१ २९	१९६.०७	३४ ११
१७ २६ अ	५३७०	७९.५२	३३१.८८	०.३७	७९.१४	०.७१९०	७९.१०	१९०.०२	१ २९	१९६.६८	३५ ५१
१८ २७ र	५३७१	८१.११	३३३.४८	०.३५	८०.७६	०.७१८९	८०.७२	२००.६४	१ ३५	१९७.२९	३६ ३८
१९ २८ अ	५३७२	८२.७२	३३५.०८	०.३३	८२.३९	०.७१८८	८२.३५	२१०.२७	१ ४०	१९७.८५	३७ १९
२० २९ म	५३७३	८४.३२	३३६.६८	०.३१	८४.०१	०.७१८८	८३.९७	२२०.८९	१ ४५	१९८.४५	३७ ४०

शुक्र

१८१

नवंबर-डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह		गति	भूमध्य दृश्य शर		गति	मानमान विषुवांश	गति	विषुवांश	क्रांति	गति	इंदौर शहर का याम्योत्तर लेखनकाल				
	रा.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	इं. घ. मि.			
२१	७	३४८	० ३६	० ४४	० २	२३६	४७	२३४	२८	० २८	३९	५	२० १२	० १२	१४ ११	१२ ७
२२	७	३ १२	० ३६	० ४१	० ३	२३६	११	२३४	५८	० २८	३८	५८	२० ०	० १२	१३ ५४	१२ १
२३	७	२ ३६	० ३६	० ३६	० ३	२३६	३६	२३३	३०	० २८	३८	५८	१९ ४८	० १२	१३ ३८	११ ५३
२४	७	२ ११	० ३६	० ३३	० ३	२३६	५०	२३२	५६	० २८	३८	४८	१९ ३५	० १२	१३ २३	११ ४८
२५	७	१ २७	० ३६	० २९	० ३	२३६	२६	२३२	२४	० २८	३८	४०	१९ २२	० १२	१३ ७	११ ४२
२६	७	० ५४	० ३६	० २४	० ३	२३६	५३	२३१	५०	० २८	३८	३०	१९ ११	० १२	१२ ५२	११ ३६
२७	७	० २२	० ३६	० २१	० ३	२३६	३९	२३१	१०	० २८	३८	३३	१९ ०	० १२	१२ ३८	११ ३०
२८	६	२९ ५१	० ३६	० १६	० ३	२३२	५०	२३०	४८	० २८	३८	२७	१८ ४९	० १२	१२ २४	११ २५
२९	६	२९ २५	० ३६	० १२	० ३	२३२	२१	२३०	१९	० २८	३८	२३	१८ ३८	० १२	१२ १०	११ १९
३०	६	२८ ५५	० ३६	० ८	० ३	२३१	५५	२२९	५२	० २८	३८	१९	१८ २७	० १२	११ ५६	११ १४
१	६	२८ ३१	० ३६	० ४	० ३	२३१	३०	२२९	२८	० २८	३८	१५	१८ १६	० १२	११ ४१	११ ८
२	६	२८ ०१	० ३६	० ०	० ३	२३१	८	२२९	४	० २८	३८	११	१८ ५	० १२	११ २९	११ ३
३	६	२७ ४९	० ३६	० ४	० ३	२३०	४८	२२८	४०	० २८	३८	७	१७ ५६	० १२	११ १५	१० ५७
४	६	२७ ३१	० ३६	० ४	० ३	२३०	३०	२२८	१६	० २८	३८	३	१७ ४६	० १२	११ ०	१० ५१
५	६	२७ १५	० ३६	० १३	० ३	२३०	१४	२२७	५२	० २८	३७	५९	१७ ३६	० १२	१० ४७	१० ४६
६	६	२७ ०	० ३६	० १७	० ३	२३०	१	२२७	५०	० २८	३७	५८	१७ २६	० १२	१० ३६	१० ४२
७	६	२६ ५४	० ३६	० २१	० ३	२२९	५३	२२७	४८	० २८	३७	५८	१७ १६	० १२	१० २७	१० ३७
८	६	२६ ४८	० ३६	० २५	० ३	२२९	४७	२२७	४६	० २८	३७	५८	१७ ०६	० १२	१० १७	१० ३४
९	६	२६ ४३	० ३६	० २९	० ३	२२९	४०	२२७	४५	० २८	३७	५८	१७ ०	० १२	१० ७	१० ३०
१०	६	२६ ४१	० ३६	० ३३	० ३	२२९	३४	२२७	४४	० २८	३७	५७	१७ ०	० १२	१० ५६	१० २६
११	६	२६ ४३	० ३६	० ३७	० ३	२२९	५५	२२७	४६	० २८	३७	५८	१७ ०	० १२	१० ४६	१० २२
१२	६	२६ ४६	० ३६	० ४१	० ३	२२९	५०	२२७	४७	० २८	३७	५८	१७ ०	० १२	१० ३६	१० १७
१३	६	२६ ५१	० ३६	० ४५	० ३	२२९	५०	२२७	४७	० २८	३७	५८	१७ ०	० १२	१० २६	१० १३
१४	६	२६ ५८	० ३६	० ४९	० ३	२२९	५१	२२७	४८	० २८	३७	५८	१६ ५६	० १२	१० १६	१० ९
१५	६	२७ ०	० ३६	० ५३	० ३	२३०	५	२२७	५१	० २८	३७	५९	१६ ५२	० १२	१० ७	१० ६
१६	६	२७ १८	० ३६	० ५७	० ३	२३०	१०	२२७	५१	० २८	३७	५९	१६ ४२	० १२	१० ०	१० ३
१७	६	२७ ३१	० ३६	१ ०	० ३	२३०	३०	२२८	१६	० २८	३८	५	१६ ३२	० १२	९ ५४	१० १
१८	६	२७ ४७	० ३६	१ ४	० ३	२३०	४६	२२८	३१	० २८	३८	७	१६ २२	० १२	९ ४८	९ ५८
१९	६	२८ ५	० ३६	१ ८	० ३	२३०	३१	२२९	२	० २८	३८	१०	१६ १०	० १२	९ ४१	९ ५५
२०	६	२८ २५	० ३६	१ १५	० ३	२३०	२५	२२९	२६	० २८	३८	१४	१६ ०	० १२	९ ३५	९ ५१
२१	६	२८ ४७	० ३६	१ १५	० ३	२३०	४६	२२९	५१	० २८	३८	१९	१७ ०	० १२	९ २९	९ ५१

डिसेम्बर-शान्तवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीमकेंद्र	शीमफल
		अ.	अ.	अ.	अ.		अ.	अ.	अ.क.	अ.	अ.क.
२१	३० बु	५३७३	८४.३२	३३६.६८	-०.३१	८४.०१	०.७१८८	८३.९७	३०.८९	+१ ४५.१९८.४५	३७ ४०
२२	१ शु	५३७४	८५.९२	३३६.२९	-०.२९	८५.६३	०.७१८७	८५.५९	३२.५१	+१ ४९.१९९.०५	-३७ ३६
२३	२ शु	५३७५	८७.५२	३३६.९९	०.२७	८७.२५	०.७१८७	८७.२०	३४.१३	१ ५४.१९९.५५	३७ ५८
२४	३ श	५३७६	८९.१३	३३७.४९	०.२५	८८.८८	०.७१८७	८८.८३	३५.७६	१ ५९.२००.२६	३८ ४७
२५	४ श	५३७७	९०.७३	३३८.०९	०.२३	९०.५०	०.७१८६	९०.४५	३७.३८	२ ४२.०००.६६	३९ २५
२६	५ श	५३७८	९२.३३	३३८.६९	०.२१	९२.१२	०.७१८६	९२.०७	३९.००	२ ८२.०१४.६६	३९ ५२
२७	६ म	५३७९	९३.९३	३३९.२०	०.१९	९३.७४	०.७१८६	९३.६९	४०.६२	२ १३.०२०.०६	४० २४
२८	७ बु	५३८०	९५.५४	३४०.९०	०.१७	९५.३७	०.७१८५	९५.३२	४२.२५	२ १७.२०२.६७	४० ५०
२९	८ शु	५३८१	९७.१४	३४१.५०	०.१४	९७.००	०.७१८५	९६.९५	४३.८८	२ २१.२०३.२८	४१ १८
३०	९ बु	५३८२	९८.७४	३४२.१०	०.१२	९८.६२	०.७१८४	९८.५७	४५.५०	२ २३.२०३.८८	४१ ४३
३१	१ श	५३८३	१००.३४	३४२.७०	०.०९	१००.२५	०.७१८४	१००.२०	४७.१४	२ २९.२०४.४९	४२ ७
१	२ श	५३८४	१०१.९४	३४५.३१	०.०७	१०१.८७	०.७१८३	१०१.८२	४८.७५	२ ३३.२०४.५९	४२ ३०
२	३ श	५३८५	१०३.५५	३४५.९१	०.०४	१०३.५१	०.७१८३	१०३.४६	५०.३९	२ ३७.२०५.७२	४२ ५०
३	४ म	५३८६	१०५.१५	३४५.५१	०.०२	१०५.१३	०.७१८३	१०५.०८	५२.०१	२ ४०.२०६.३२	४३ ११
४	५ म	५३८७	१०६.७५	३४५.११	-०.००	१०६.७५	०.७१८३	१०६.७०	५३.६३	२ ४४.२०६.९२	४३ ३०
५	६ बु	५३८८	१०८.३५	०.०१	+०.०१	१०८.३६	०.७१८३	१०८.३१	५५.२४	२ ४७.२०७.५१	४३ ४८
६	१ शु	५३८९	१०९.९५	२.३२	०.०३	१०९.९८	०.७१८३	१०९.९३	५६.८६	२ ५०.२०८.११	४४ ४
७	२ श	५३९०	१११.५६	३.९२	०.०५	१११.५६	०.७१८४	१११.५७	५८.४९	२ ५४.२०८.७३	४४ २१
८	३ श	५३९१	११३.१६	५.५२	०.०७	११३.२३	०.७१८४	११३.१९	६०.११	२ ५७.२०९.३३	४४ ३६
९	४ श	५३९२	११४.७६	७.१२	०.०९	११४.८६	०.७१८४	११४.८२	६१.७४	२ ५९.२०९.९४	४४ ५०
१०	५ म	५३९३	११६.३६	८.७२	०.१२	११६.४८	०.७१८४	११६.४५	६३.३६	३ २१.२१०.५४	४५ २
११	६ म	५३९४	११७.९७	१०.३२	०.१४	११८.११	०.७१८४	११८.०७	६४.९९	३ २४.२११.१५	४५ १५
१२	७ शु	५३९५	११९.५७	११.९३	०.१६	११९.७३	०.७१८५	११९.६९	६६.६१	३ २७.२११.७६	४५ २६
१३	८ बु	५३९६	१२१.१७	१३.५३	०.१९	१२१.३६	०.७१८५	१२१.३२	६८.२४	३ २९.२१२.३६	४५ ३६
१४	१ श	५३९७	१२२.७७	१५.१३	०.२१	१२२.९८	०.७१८६	१२२.९५	६९.८६	३ ३१.२१२.९७	४५ ४६
१५	२ श	५३९८	१२४.३८	१६.७३	०.२३	१२४.५९	०.७१८६	१२४.५८	७१.४९	३ ३३.२१३.५९	४५ ५५
१६	३ श	५३९९	१२५.९८	१८.३३	०.२५	१२६.२३	०.७१८६	१२६.२०	७३.११	३ ३५.२१४.१९	४६ ३
१७	४ म	५४००	१२७.५८	१९.९४	०.२७	१२७.८५	०.७१८७	१२७.८२	७४.७३	३ ३७.२१४.७९	४६ १५
१८	५ म	५४०१	१२९.१८	२१.५४	०.२९	१२९.४७	०.७१८७	१२९.४५	७६.३५	३ ३८.२१५.४०	४६ १७
१९	६ शु	५४०२	१३०.७८	२३.१४	०.३१	१३१.०९	०.७१८८	१३१.०७	७७.९७	३ ३९.२१६.००	४६ २३
२०	७ बु	५४०३	१३२.३९	२४.७४	+०.३३	१३२.७२	०.७१८८	१३२.७०	७९.५६	+३ २०.२१६.६२	४६ २६

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य हरय शर	गति	य मि स न	विषुवांश	गति	विषुवांश	गति	कांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल
रा.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.
२१	६ २८ ४७	० २४	१ १५	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
२२	६ २९ ११	० २५	१ १९	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
२३	६ २९ ३६	० २६	१ २२	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
२४	७ ० २	० २८	१ २५	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
२५	७ ० ३०	० ३०	१ २९	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
२६	७ १ ०	० ३२	१ ३२	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
२७	७ १ ३१	० ३३	१ ३५	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
२८	७ २ ३३	० ३४	१ ३८	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
२९	७ २ ३३	० ३४	१ ३८	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
३०	७ ३ ३०	० ३५	१ ४४	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
३१	७ ३ ५५	० ३६	१ ४७	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
१	७ ४ २२	० ३७	१ ५०	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
२	७ ५ २२	० ३८	१ ५३	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
३	७ ५ ४०	० ४१	१ ५५	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
४	७ ६ २१	० ४२	१ ५८	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
५	७ ७ ३	० ४३	२ ०	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
६	७ ७ ४६	० ४४	२ २	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
७	७ ८ ३०	० ४५	२ ५	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
८	७ ९ १५	० ४६	२ ७	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
९	७ १० १	० ४७	२ ११	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
१०	७ १० ४८	० ४८	२ १३	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
११	७ ११ ३६	० ४९	२ १४	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
१२	७ ११ ३६	० ५०	२ १४	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
१३	७ १२ १७	० ५३	२ १६	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
१४	७ १४ १०	० ५४	२ १७	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
१५	७ १५ ४	० ५४	२ १९	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
१६	७ १५ ५८	० ५५	२ २०	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
१७	७ १६ ५८	० ५५	२ २१	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
१८	७ १७ ५८	० ५५	२ २२	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
१९	७ १८ ४३	० ५५	२ २३	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४
२०	७ १९ ३७	० ५५	२ २४	० ४	२ ३०	४ ६	२ २९	५ १	० २२	३ ८	१ ९	१ ७ ४

जनवरी-फरवरी सन १९३९ ई. माघ शुक्र और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता. ति. वा.	प्रमाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्थ	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन्	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं क.	अं.	अं. क.
२० ३० शु	५४०३	१३२.३९	२४.७२	०.३३	१३२.७२	७१.८८	१३२.७०	७९.६०	३ २०	२१६.६२	४६ २६
२१ १ बा	५४०४	१३३.९९	२६.३४	०.३५	१३४.३४	७१.८९	१३४.३३	८१.२२	३ २१	२१७.२३	४६ ३४
२२ २ र	५४०५	१३५.५९	२७.९४	०.३७	१३५.९६	७१.९०	१३५.९५	८२.८४	३ २२	२१७.८३	४६ ३८
२३ ३ च	५४०६	१३७.१९	२९.५५	०.३९	१३७.५८	७१.९१	१३७.५७	८४.४६	३ २३	२१८.४३	४६ ४२
२४ ४ मं	५४०७	१३८.७९	३१.१५	०.४१	१३९.१०	७१.९२	१३९.११	८६.०८	३ २४	२१९.०४	४६ ४६
२५ ५ व	५४०८	१४०.३९	३२.७५	०.४३	१४०.८२	७१.९२	१४०.८२	८७.७०	३ २५	२१९.६५	४६ ४८
२६ ६ शु	५४०९	१४१.९९	३४.३५	०.४४	१४२.४३	७१.९२	१४२.४३	८९.३१	३ २६	२२०.२४	४६ ५२
२७ ७ ष	५४१०	१४३.५९	३५.९५	०.४६	१४४.०५	७१.९३	१४४.०५	९०.९३	३ २७	२२०.८५	४६ ५२
२८ ८ श	५४११	१४५.२०	३७.५६	०.४७	१४५.६७	७१.९४	१४५.६७	९२.५५	३ २८	२२१.४५	४६ ५४
२९ ८ र	५४१२	१४६.८०	३९.१६	०.४९	१४७.२९	७१.९५	१४७.३०	९४.१७	३ २९	२२२.०६	४६ ५५
३० ९ च	५४१३	१४८.४०	४०.७६	०.५०	१४८.९०	७१.९६	१४८.९०	९५.७९	३ ३०	२२२.६७	४६ ५५
३१ ११ मं	५४१४	१५०.००	४२.३६	०.५२	१५०.५२	७१.९७	१५०.५३	९७.४०	३ ३१	२२३.२६	४६ ५६
१ १२ अ	५४१५	१५१.६१	४३.९६	०.५४	१५२.१५	७१.९८	१५२.१५	९९.०३	३ ३२	२२३.८८	४६ ५५
२ १३ सु	५४१६	१५३.२१	४५.५७	०.५६	१५३.७७	७१.९९	१५३.७९	१००.६५	३ ३३	२२४.४९	४६ ५५
३ १४ शु	५४१७	१५४.८१	४७.१७	०.५८	१५५.३९	७१.९९	१५५.४१	१०२.२७	३ ३४	२२५.१०	४६ ५३
४ १५ श	५४१८	१५६.४१	४८.७७	०.५९	१५७.००	७२.००	१५७.०२	१०३.८८	३ ३८	२२५.६९	४६ ५२
५ १ र	५४१९	१५८.०२	५०.३७	०.६१	१५८.६३	७२.०२	१५८.६६	१०५.५१	३ ३६	२२६.३२	४६ ५०
६ २ च	५४२०	१५९.६२	५१.९७	०.६२	१६०.२४	७२.०३	१६०.२७	१०७.१२	३ ३५	२२६.९२	४६ ४८
७ ३ मं	५४२१	१६१.२२	५३.५७	०.६३	१६१.८५	७२.०४	१६१.८८	१०८.७३	३ ३३	२२७.५१	४६ ४६
८ ४ शु	५४२२	१६२.८२	५५.१८	०.६४	१६३.४६	७२.०५	१६३.४९	११०.३४	३ ३१	२२८.११	४६ ४३
९ ५ श	५४२३	१६४.४२	५६.७८	०.६६	१६५.०८	७२.०६	१६५.११	१११.९५	३ ३०	२२८.७३	४६ ४१
१० ६ अ	५४२४	१६६.०२	५८.३८	०.६७	१६६.६९	७२.०७	१६६.७३	११३.५७	३ ३०	२२९.३३	४६ ३५
११ ८ श	५४२५	१६७.६३	५९.९८	०.६८	१६८.३१	७२.०९	१६८.३५	११५.१९	३ ४	२२९.९३	४६ ३२
१२ ९ र	५४२६	१६९.२३	६१.५९	०.६९	१६९.९२	७२.१०	१६९.९६	११६.८०	३ २	२३०.५३	४६ २८
१३ १० च	५४२७	१७०.८३	६३.१९	०.७०	१७१.५३	७२.११	१७१.५७	११८.४१	३ ५९	२३१.१३	४६ २४
१४ ११ मं	५४२८	१७२.४३	६४.७९	०.७१	१७३.१३	७२.१२	१७३.१७	१२०.०१	२ ५६	२३१.७३	४६ २१
१५ १२ अ	५४२९	१७४.०४	६६.३९	०.७३	१७४.७५	७२.१४	१७४.७९	१२१.६३	२ ५३	२३२.३३	४६ १४
१६ १३ शु	५४३०	१७५.६४	६७.९९	०.७३	१७६.३५	७२.१५	१७६.४०	१२३.२३	२ ५०	२३२.९३	४६ ९
१७ १४ श	५४३१	१७७.२४	६९.६०	०.७२	१७७.९४	७२.१६	१७७.९९	१२४.८४	२ ४८	२३३.५१	४६ ४
१८ १५ अ	५४३२	१७८.८४	७१.२०	०.७३	१७९.५५	७२.१७	१७९.६२	१२६.४५	२ ४४	२३४.१३	४५ ५८
१९ १६ र	५४३३	१८०.४५	७२.८०	०.७३	१८१.१८	७२.१९	१८१.२३	१२८.०६	२ ४०	२३४.७३	४५ ५२

फरवरी-मार्च सन १९३९ ई. फाल्गुन शुद्ध और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.
१९ वै ० र	५४३३	१८०-४५	७२-८०	०-७३	१८१-१८	०-७२१६	१८१-२३	१२८-१६	२४०-२३४-७३	४५ ५२	
२० १ चे	५४३४	१८०-०५	७४-४०	+०-७४	१८१-७९	०-७२२०	१८१-८४	१२९-६७	+२३७-२३५-३३	४५ ४६	
२१ २ मं	५४३५	१८३-६५	७६-०१	०-७५	१८४-४०	०-७२२२	१८४-४५	१३१-२८	२३३-२३५-९४	४५ ४०	
२२ ३ शु	५४३६	१८४-२५	७७-६१	०-७६	१८६-०१	०-७२२४	१८६-०६	१३२-८९	२२९-२३६-५४	४५ ३६	
२३ ४ गु	५४३७	१८६-८६	७९-२२	०-७७	१८७-६३	०-७२२६	१८७-६८	१३३-४५	२२५-२३७-१५	४५ ३०	
२४ ५ सु	५४३८	१८८-४६	८०-८८	०-७८	१८९-२४	०-७२२८	१८९-२९	१३६-०१	२२१-२३८-७६	४५ २०	
२५ ६ वा	५४३९	१९०-०६	८२-४२	०-७८	१९०-८४	०-७२२७	१९०-८९	१३७-७२	२१७-२३८-३५	४५ १५	
२६ ७ र	५४४०	१९१-६७	८४-०३	०-७८	१९२-४५	०-७२२९	१९२-५०	१३९-३३	२१३-२३८-९५	४५ ६	
२७ ८ चं	५४४१	१९३-२७	८५-६६	०-७९	१९४-०६	०-७२३१	१९४-११	१४०-०४	२१८-२३९-५६	४४ ५१	
२८ ९ मं	५४४२	१९४-८७	८७-२३	०-७९	१९५-६६	०-७२३३	१९५-७१	१४२-५४	२१४-२४०-१६	४४ ५१	
२९ १० बु	५४४३	१९६-४८	८८-८३	०-७९	१९७-२७	०-७२३३	१९७-३२	१४४-१५	२१५-२४०-७६	४४ ४१	
३० ११ गु	५४४४	१९८-०८	९०-४४	०-७९	१९८-८७	०-७२३३	१९८-९२	१४५-७५	२१५-२४१-३६	४४ ३६	
३१ १२ सु	५४४५	१९९-६८	९२-०४	०-७९	२००-४७	०-७२३६	२००-५२	१४७-३५	२१०-२४१-९५	४४ २७	
१ १३ वा	५४४६	२०१-२८	९३-६४	०-७९	२०२-०७	०-७२३८	२०२-११	१४८-९५	२१५-२४२-५४	४४ १९	
२ १४ र	५४४७	२०२-८८	९५-२४	०-७९	२०३-६७	०-७२३९	२०३-७१	१५०-५५	२१०-२४३-१४	४४ १०	
३ १ चं	५४४८	२०४-४९	९६-८५	०-७८	२०५-२७	०-७२४०	२०५-३१	१५२-१५	२१३-२४३-७४	४४ १	
४ २ मं	५४४९	२०६-०९	९८-४५	०-७८	२०६-८७	०-७२४१	२०६-९१	१५३-७५	२१३-२४४-३४	४४ ५३	
५ ३ शु	५४५०	२०७-६९	१००-०५	०-७८	२०८-४७	०-७२४३	२०८-५१	१५५-३५	२१५-२४४-९४	४४ ४४	
६ ४ गु	५४५१	२०९-२९	१०१-६५	०-७७	२१०-०६	०-७२४४	२१०-१०	१५६-९४	२१०-२४५-५६	४३ ३५	
७ ५ सु	५४५२	२१०-८९	१०३-२६	०-७७	२११-६६	०-७२४५	२११-७०	१५८-५४	२१५-२४६-१६	४३ २६	
८ ६ वा	५४५३	२१२-५०	१०४-८६	०-७६	२१३-२६	०-७२४७	२१३-२९	१६०-१४	२१९-२४६-७२	४३ १७	
९ ७ र	५४५४	२१४-१०	१०६-४६	०-७६	२१४-८६	०-७२४८	२१४-८९	१६१-७४	२१४-२४७-३२	४३ ७	
१० ८ चं	५४५५	२१५-७०	१०८-०६	०-७५	२१६-४५	०-७२४९	२१६-४८	१६३-३३	०५८-२४७-९१	४२ ५८	
११ ९ मं	५४५६	२१७-३०	१०९-६६	०-७४	२१८-०४	०-७२५२	२१८-०६	१६६-९२	०५३-२४८-५०	४२ ४८	
१२ १० बु	५४५७	२१८-९०	१११-२६	०-७३	२१९-६३	०-७२५२	२१९-६५	१६६-५१	०४७-२४९-०९	४२ ३८	
१३ ११ गु	५४५८	२२०-५०	११२-८६	०-७२	२२१-२२	०-७२५४	२२१-२४	१६८-१०	०४२-२४९-६८	४२ २९	
१४ १२ सु	५४५९	२२२-१०	११४-४६	०-७१	२२२-८१	०-७२५४	२२२-८३	१६९-६९	०३६-२५०-२८	४२ १८	
१५ १३ वा	५४६०	२२३-७१	११६-७७	०-७०	२२४-४१	०-७२५६	२२४-४२	१७१-२९	०३१-२५०-८७	४२ ९	
१६ १४ र	५४६१	२२५-३१	११७-७७	०-६९	२२६-००	०-७२५७	२२६-०१	१७२-८८	०२५-२५१-४७	४१ ५९	
१७ १५ चं	५४६२	२२६-९१	११९-२७	०-६८	२२७-५९	०-७२५८	२२७-५०	१७४-४७	०२०-२५२-०१	४१ ४७	
१८ १६ मं	५४६३	२२७-५१	१२०-८७	+०-६७	२२९-१८	०-७२५९	२२९-१९	१७६-०६	+०१४-२५२-६६	४१ ३८	

अम्रेल सन १९३८ इ.

चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रमाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोत	रवि म. शर	शीमनेत्र	शीमफल
		अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.क.	अ.	अ.क.
३१ ३० गु	५१०८	३५१-३५	२८२-६३	-६४०	३४४-९५	९-४५७	३४४-९४	२५४-७७	२ २४	१-७५	+० १०
१ १ शु	५१०९	३५१-३५	२८२-६७	६-४०	३४४-९९	९-४५७	३४४-९८	२५४-८१	-२ २४	२-६९	० १५
२ २ रा	५११०	३५१-३५	२८२-७०	६-३९	३४४-०३	९-४५६	३४४-०२	२५४-८५	२ २४	३-६४	० २१
३ ३ म	५१११	३५१-३५	२८२-७३	६-३९	३४४-०६	९-४५६	३४४-०५	२५४-८८	२ २४	४-५९	० २६
४ ४ ज	५११२	३५१-३५	२८२-७७	६-३९	३४४-१०	९-४५६	३४४-०९	२५४-९२	२ २४	५-५४	० ३१
५ ५ ग	५११३	३५१-३५	२८२-८०	६-३९	३४४-१३	९-४५५	३४४-१२	२५४-९५	२ २४	६-४९	० ३७
६ ६ ङ	५११४	३५१-३५	२८२-८३	६-३९	३४४-१६	९-४५५	३४४-१५	२५४-९८	२ २४	७-४४	० ४४
७ ७ सु	५११५	३५१-३५	२८२-८७	६-३९	३४४-१९	९-४५५	३४४-१८	२५५-०१	२ २५	८-४०	० ४८
८ ८ श	५११६	३५१-३५	२८२-९०	६-३९	३४४-२२	९-४५४	३४४-२१	२५५-०४	२ २५	९-३६	० ५४
९ ९ रा	५११७	३५१-३५	२८२-९३	६-३९	३४४-२६	९-४५४	३४४-२५	२५५-०८	२ २५	१०-३०	१ ००
१० १० म	५११८	३५१-३५	२८२-९७	६-३९	३४४-२९	९-४५४	३४४-२८	२५५-११	२ २५	११-२५	१ ५
११ ११ ज	५११९	३५१-३५	२८२-१००	६-३९	३४४-३३	९-४५४	३४४-३२	२५५-१५	२ २५	१२-१९	१ १०
१२ १२ ग	५१२०	३५१-३५	२८२-१०३	६-३९	३४४-३६	९-४५३	३४४-३५	२५५-१८	२ २५	१३-१४	१ १५
१३ १३ ङ	५१२१	३५१-३५	२८२-१०७	६-३९	३४४-३९	९-४५३	३४४-३८	२५५-२१	२ २५	१४-०९	१ २०
१४ १४ सु	५१२२	३५१-३५	२८२-१११	६-३९	३४४-४३	९-४५३	३४४-४२	२५५-२५	२ २५	१५-०३	१ २६
१५ १ शु	५१२३	३५१-३५	२८२-११४	६-३९	३४४-४६	९-४५३	३४४-४५	२५५-२८	२ २५	१६-०८	१ ३१
१६ १ रा	५१२४	३५१-३५	२८२-११८	६-३९	३४४-४९	९-४५२	३४४-४८	२५५-३१	२ २५	१७-०३	१ ३६
१७ १ म	५१२५	३५१-३५	२८२-१२१	६-३८	३४४-५३	९-४५२	३४४-५२	२५५-३६	२ २५	१८-०८	१ ४२
१८ १ ज	५१२६	३५१-३५	२८२-१२४	६-३८	३४४-५७	९-४५२	३४४-५६	२५५-३९	२ २५	१९-०३	१ ४६
१९ १ ग	५१२७	३५१-३५	२८२-१२७	६-३८	३४४-६१	९-४५२	३४४-६०	२५५-४५	२ २५	१९-७४	१ ५२
२० १ ङ	५१२८	३५१-३५	२८२-१३१	६-३८	३४४-६५	९-४५१	३४४-६४	२५५-४८	२ २५	२०-०९	१ ५७
२१ १ सु	५१२९	३५१-३५	२८२-१३४	६-३८	३४४-६८	९-४५१	३४४-६७	२५५-५०	२ २५	२१-०३	२ ३
२२ १ श	५१३०	३५१-३५	२८२-१३७	६-३८	३४४-७२	९-४५१	३४४-७१	२५५-५३	२ २५	२२-०७	२ ८
२३ १ रा	५१३१	३५१-३५	२८२-१४१	६-३८	३४४-७६	९-४५०	३४४-७५	२५५-५६	२ २५	२३-०१	२ १३
२४ १ म	५१३२	३५१-३५	२८२-१४५	६-३८	३४४-७९	९-४५०	३४४-७८	२५५-५९	२ २५	२४-०५	२ १८
२५ १ ज	५१३३	३५१-३५	२८२-१४८	६-३८	३४४-८३	९-४५०	३४४-८२	२५५-६३	२ २५	२५-०९	२ २४
२६ १ ग	५१३४	३५१-३५	२८२-१५१	६-३८	३४४-८६	९-४५०	३४४-८५	२५५-६७	२ २५	२६-०३	२ २८
२७ १ ङ	५१३५	३५१-३५	२८२-१५४	६-३८	३४४-९०	९-४५०	३४४-८९	२५५-७०	२ २५	२७-०७	२ ३३
२८ १ सु	५१३६	३५१-३५	२८२-१५७	६-३७	३४४-९३	९-४५०	३४४-९२	२५५-७४	२ २५	२८-०१	२ ३८
२९ १ श	५१३७	३५१-३५	२८२-१६०	६-३७	३४४-९६	९-४५०	३४४-९५	२५५-७७	२ २५	२९-०५	२ ४२
३० १ रा	५१३८	३५१-३५	२८२-१६३	-६-३७	३४४-९९	९-४५०	३४४-९८	२५५-८१	-१ २५	३०-०७	+२ ४८

शानि

१८९

अप्रैल सन १९३८ इ.

चंद्र शुद्ध और कृष्णपक्ष का शानिका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायन भास	विषुवांश	गति	विषुवांक	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याथोत्तर लघन काल	
रा.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	रु. घ. म
३१	११ १५ ६	८	२ १० ०	०	८	५	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
१	११ १५ १४	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२	११ १५ २२	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
३	११ १५ ३०	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
४	११ १५ ३८	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
५	११ १५ ४६	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
६	११ १५ ५४	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
७	११ १६ ०२	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
८	११ १६ १०	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
९	११ १६ १८	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
१०	११ १६ २६	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
११	११ १६ ३४	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
१२	११ १६ ४२	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
१३	११ १६ ५०	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
१४	११ १६ ५८	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
१५	११ १७ ०६	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
१६	११ १७ १४	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
१७	११ १७ २२	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
१८	११ १७ ३०	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
१९	११ १७ ३८	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२०	११ १७ ४६	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२१	११ १७ ५४	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२२	११ १८ ०२	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२३	११ १८ १०	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२४	११ १८ १८	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२५	११ १८ २६	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२६	११ १८ ३४	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२७	११ १८ ४२	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२८	११ १८ ५०	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
२९	११ १८ ५८	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९
३०	११ १९ ०६	०	२ १० ०	०	८	१३	८ १७ ०	१	१ २६ १	१ ४०	३ १५ ५	१२ २९

मई सन १९१८ ई.

वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनरात्रि	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क	अं.	अं. क.
३० ३० वा	५१३८	३५२.३६	२८३.६३	६.३७	३४५.९९	९.४४८	३४५.९८	२५५.८१	२२५	३०.०७	२ ४८
१ १ र	५१३९	३५२.३९	२८३.६६	६.३७	३४६.०२	९.४४८	३४६.०१	२५५.८४	२२५	३०.१०	२ ५३
२ २ चं	५१४०	३५२.४३	२८३.७०	६.३७	३४६.०६	९.४४७	३४६.०५	२५५.८८	२२५	३०.१५	२ ५७
३ ३ म	५१४१	३५२.४६	२८३.७३	६.३७	३४६.०९	९.४४७	३४६.०८	२५५.९१	२२५	३०.२१	३ ४
४ ४ बु	५१४२	३५२.४९	२८३.७६	६.३७	३४६.१२	९.४४७	३४६.११	२५५.९४	२२५	३०.२६	३ ७
५ ५ शु	५१४३	३५२.५३	२८३.८०	६.३७	३४६.१६	९.४४६	३४६.१५	२५५.९८	२२५	३०.३०	३ ११
६ ६ कु	५१४४	३५२.५६	२८३.८३	६.३७	३४६.१९	९.४४६	३४६.१८	२५६.०१	२२५	३०.३५	३ १६
७ ७ रा	५१४५	३५२.५९	२८३.८७	६.३७	३४६.२२	९.४४६	३४६.२१	२५६.०४	२२५	३०.३९	३ २२
८ ८ म	५१४६	३५२.६३	२८३.९१	६.३७	३४६.२६	९.४४५	३४६.२५	२५६.०८	२२५	३०.४३	३ २७
९ ९ मं	५१४७	३५२.६६	२८३.९४	६.३७	३४६.२९	९.४४५	३४६.२८	२५६.११	२२५	३०.४९	३ २९
१० १० सं	५१४८	३५२.६९	२८३.९७	६.३७	३४६.३२	९.४४५	३४६.३१	२५६.१४	२२५	३०.५३	३ ३५
११ ११ अ	५१४९	३५२.७३	२८४.०१	६.३७	३४६.३६	९.४४४	३४६.३५	२५६.१८	२२५	३०.५८	३ ४०
१२ १२ शु	५१५०	३५२.७६	२८४.०५	६.३७	३४६.३९	९.४४४	३४६.३८	२५६.२१	२२५	३०.६२	३ ४४
१३ १३ कु	५१५१	३५२.७९	२८४.०८	६.३७	३४६.४२	९.४४४	३४६.४१	२५६.२४	२२५	३०.६६	३ ४८
१४ १४ रा	५१५२	३५२.८३	२८४.११	६.३७	३४६.४६	९.४४३	३४६.४५	२५६.२८	२२५	३०.७१	३ ५५
१५ १५ म	५१५३	३५२.८६	२८४.१४	६.३७	३४६.४९	९.४४३	३४६.४८	२५६.३१	२२५	३०.७५	४ ०
१६ १६ चं	५१५४	३५२.८९	२८४.१८	६.३७	३४६.५२	९.४४३	३४६.५१	२५६.३४	२२५	३०.७९	४ ३
१७ १७ मं	५१५५	३५२.९३	२८४.२१	६.३७	३४६.५६	९.४४२	३४६.५५	२५६.३७	२२५	३०.८४	४ ७
१८ १८ बु	५१५६	३५२.९६	२८४.२४	६.३७	३४६.५९	९.४४२	३४६.५८	२५६.४१	२२५	३०.८८	४ १०
१९ १९ शु	५१५७	३५२.९९	२८४.२७	६.३७	३४६.६३	९.४४२	३४६.६२	२५६.४५	२२५	३०.९२	४ १५
२० २० कु	५१५८	३५२.१०	२८४.३०	६.३७	३४६.६६	९.४४१	३४६.६५	२५६.४८	२२५	३०.९६	४ १८
२१ २१ रा	५१५९	३५२.१३	२८४.३४	६.३७	३४६.७०	९.४४१	३४६.६९	२५६.५२	२२५	३०.९९	४ २१
२२ २२ म	५१६०	३५२.१६	२८४.३७	६.३७	३४६.७३	९.४४१	३४६.७२	२५६.५५	२२५	३१.०३	४ २६
२३ २३ चं	५१६१	३५२.१९	२८४.४०	६.३७	३४६.७७	९.४४०	३४६.७६	२५६.५९	२२५	३१.०७	४ २८
२४ २४ मं	५१६२	३५२.२३	२८४.४४	६.३७	३४६.८०	९.४४०	३४६.७९	२५६.६२	२२५	३१.११	४ ३३
२५ २५ बु	५१६३	३५२.२६	२८४.४७	६.३७	३४६.८३	९.४४०	३४६.८२	२५६.६५	२२५	३१.१५	४ ३७
२६ २६ शु	५१६४	३५२.२९	२८४.५०	६.३७	३४६.८६	९.४३९	३४६.८५	२५६.६८	२२५	३१.१९	४ ४१
२७ २७ कु	५१६५	३५२.३३	२८४.५४	६.३७	३४६.९०	९.४३९	३४६.८९	२५६.७२	२२५	३१.२३	४ ४५
२८ २८ रा	५१६६	३५२.३६	२८४.५७	६.३७	३४६.९३	९.४३९	३४६.९२	२५६.७५	२२५	३१.२७	४ ४८
२९ २९ म	५१६७	३५२.३९	२८४.६१	६.३७	३४६.९७	९.४३८	३४६.९६	२५६.७९	२२५	३१.३१	४ ५२

ज्ञानि

१६१

मई सन १९३८ इ.

वेशाल शुक्र और कृष्णपथ का ज्ञानिका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्थल ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	नि सापयन	विषुवांश	गति	ल विषुव	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याभ्योत्तर लंघन काल
३०	११ १८ ४८	०	२ ११	०	११ ४७	११ ४१	०	१ ५७	२ ४१	२ १०	४४ १० ४५
१	११ १८ ५५	०	२ ११	०	११ ५४	११ ४७	०	१ ५८	२ ४३	२ १०	३५ १० ४१
२	११ १९ ०	०	२ १२	०	१२ १	११ ५४	०	१ ५९	२ ४५	२ १०	२६ १० ३७
३	११ १९ ९	०	२ १२	०	१२ ८	१२ ०	०	२ ०	२ ४७	२ १०	१७ १० ३४
४	११ १९ १६	०	२ १२	०	१२ १५	१२ ६	०	२ १	२ ४९	२ १०	८ १० ३०
५	११ १९ २२	०	२ १२	०	१२ २१	१२ १२	०	२ २	२ ५१	२ १०	० १० २७
६	११ १९ २८	०	२ १२	०	१२ २७	१२ १८	०	२ ३	२ ५३	२ १०	९ १० २४
७	११ १९ ३४	०	२ १२	०	१२ ३३	१२ २५	०	२ ४	२ ५५	२ १०	१८ १० २०
८	११ १९ ४०	०	२ १२	०	१२ ३९	१२ ३१	०	२ ५	२ ५८	२ १०	२७ १० १६
९	११ १९ ४६	०	२ १३	०	१२ ४५	१२ ३७	०	२ ६	२ ५९	२ १०	३६ १० १३
१०	११ १९ ५२	०	२ १३	०	१२ ५१	१२ ४३	०	२ ७	३ ०	२ १०	४५ १० ९
११	११ १९ ५८	०	२ १३	०	१२ ५७	१२ ४८	०	२ ८	३ १	२ १०	५४ १० ५
१२	११ २० ०	०	२ १३	०	१३ ०	१२ ५३	०	२ ९	३ ३	२ १०	६३ १० २
१३	११ २० ६	०	२ १३	०	१३ ६	१२ ५९	०	२ १०	३ ४	२ १०	७२ १० ५९
१४	११ २० १२	०	२ १३	०	१३ १२	१३ ०	०	२ ११	३ ५	२ १०	८१ १० ५५
१५	११ २० १८	०	२ १४	०	१३ १८	१३ ६	०	२ १२	३ ६	२ १०	९० १० ५२
१६	११ २० २८	०	२ १४	०	१३ २४	१३ १२	०	२ १३	३ ७	२ १०	९९ १० ४७
१७	११ २० ३४	०	२ १४	०	१३ ३०	१३ १८	०	२ १४	३ ८	२ १०	१०८ १० ४४
१८	११ २० ४०	०	२ १४	०	१३ ३६	१३ २४	०	२ १५	३ ९	२ १०	११७ १० ४०
१९	११ २० ४६	०	२ १४	०	१३ ४२	१३ ३०	०	२ १६	३ १०	२ १०	१२६ १० ३७
२०	११ २० ५२	०	२ १४	०	१३ ४८	१३ ३६	०	२ १७	३ ११	२ १०	१३५ १० ३३
२१	११ २० ५८	०	२ १४	०	१३ ५४	१३ ४२	०	२ १८	३ १२	२ १०	१४४ १० ३०
२२	११ २१ ०	०	२ १५	०	१४ ०	१३ ४८	०	२ १९	३ १३	२ १०	१५३ १० २६
२३	११ २१ ६	०	२ १५	०	१४ ६	१३ ५४	०	२ २०	३ १४	२ १०	१६२ १० २३
२४	११ २१ १२	०	२ १५	०	१४ १२	१४ ०	०	२ २१	३ १५	२ १०	१७१ १० १९
२५	११ २१ १८	०	२ १५	०	१४ १८	१४ ६	०	२ २२	३ १६	२ १०	१८० १० १६
२६	११ २१ २४	०	२ १५	०	१४ २४	१४ १२	०	२ २३	३ १७	२ १०	१८९ १० १३
२७	११ २१ ३०	०	२ १५	०	१४ ३०	१४ १८	०	२ २४	३ १८	२ १०	१९८ १० ९
२८	११ २१ ३६	०	२ १५	०	१४ ३६	१४ २४	०	२ २५	३ १९	२ १०	२०७ १० ५
२९	११ २१ ४२	०	२ १५	०	१४ ४२	१४ ३०	०	२ २६	३ २०	२ १०	२१६ १० १

१९३

शानि

मई-जून सन १९३८ ई.

ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन्	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अ.	अ.	अ.	अ.		अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.
२९ ३० र	५१६७	३५२-३६	२८४-६१	६-३६	३४६-९७	९-४२८	३४६-९६	२५६-७९	२ २६	५७-०७	४ ५२
३० १ चं	५१६८	३५३-३६	२८४-६४	६-३६	३४७-००	९-४३८	३४६-९९	२५६-८२	२ २६	५८-००	४ ५५
३१ २ म	५१६९	३५३-३७	२८४-६८	६-३५	३४७-०५	९-४३८	३४७-०४	२५६-८७	२ २६	५८-०९	४ ५८
१ ३ बु	५१७०	३५३-३८	२८४-७१	६-३५	३४७-०८	९-४३७	३४७-०७	२५६-९०	२ २६	५९-०३	५ २
२ ४ शु	५१७१	३५३-३९	२८४-७४	६-३५	३४७-११	९-४३७	३४७-१०	२५६-९३	२ २६	६०-०६	५ ५
३ ५ शु	५१७२	३५३-४०	२८४-७८	६-३५	३४७-१४	९-४३७	३४७-१३	२५६-९६	२ २६	६१-०९	५ ८
४ ६ र	५१७३	३५३-४१	२८४-८१	६-३५	३४७-१८	९-४३६	३४७-१७	२५५-००	२ २६	६२-०६	५ ११
५ ८ र	५१७४	३५३-४५	२८४-८४	६-३५	३४७-२१	९-४३६	३४७-२०	२५५-०३	२ २६	६३-०६	५ १४
६ ९ चं	५१७५	३५३-४५	२८४-८७	६-३५	३४७-२४	९-४३६	३४७-२३	२५५-०६	२ २६	६४-०६	५ १७
७ १० मं	५१७६	३५३-४६	२८४-९०	६-३५	३४७-२७	९-४३६	३४७-२६	२५५-०९	२ २६	६५-०६	५ २०
८ ११ बु	५१७७	३५३-४६	२८४-९४	६-३५	३४७-३१	९-४३६	३४७-३०	२५५-१३	२ २६	६६-०६	५ २४
९ १२ शु	५१७८	३५३-४९	२८४-९७	६-३५	३४७-३४	९-४३६	३४७-३३	२५५-१६	२ २६	६७-०६	५ २६
१० १३ शु	५१७९	३५३-४९	२८५-००	६-३५	३४७-३८	९-४३५	३४७-३७	२५५-२०	२ २६	६८-०५	५ २९
११ १४ श	५१८०	३५३-४७	२८५-०४	६-३५	३४७-४१	९-४३५	३४७-४०	२५५-२३	२ २६	६९-०७	५ ३१
१२ १५ र	५१८१	३५३-४८	२८५-०७	६-३५	३४७-४४	९-४३५	३४७-४३	२५५-२७	२ २६	६९-०९	५ ३४
१३ १६ चं	५१८२	३५३-४८	२८५-१०	६-३५	३४७-४८	९-४३४	३४७-४७	२५५-३०	२ २६	७०-०९	५ ३७
१४ १७ मं	५१८३	३५३-४८	२८५-१४	६-३५	३४७-५१	९-४३४	३४७-५०	२५५-३३	२ २६	७१-०८	५ ४०
१५ १८ बु	५१८४	३५३-४९	२८५-१७	६-३५	३४७-५५	९-४३४	३४७-५४	२५५-३७	२ २६	७२-०७	५ ४३
१६ १९ शु	५१८५	३५३-४९	२८५-२०	६-३५	३४७-५८	९-४३३	३४७-५७	२५५-४०	२ २६	७३-०६	५ ४६
१७ २० श	५१८६	३५३-४९	२८५-२३	६-३५	३४७-६२	९-४३३	३४७-६१	२५५-४४	२ २६	७४-०६	५ ४९
१८ २१ शु	५१८७	३५४-००	२८५-२७	६-३४	३४७-६६	९-४३३	३४७-६५	२५५-४८	२ २६	७५-०५	५ ५३
१९ २२ चं	५१८८	३५४-०३	२८५-३१	६-३४	३४७-६९	९-४३२	३४७-६८	२५५-५१	२ २६	७६-०४	५ ५०
२० २३ र	५१८९	३५४-०७	२८५-३४	६-३४	३४७-७३	९-४३२	३४७-७२	२५५-५५	२ २६	७७-०३	५ ५१
२१ २४ मं	५१९०	३५४-१०	२८५-३८	६-३४	३४७-७७	९-४३१	३४७-७६	२५५-५८	२ २६	७८-०२	५ ५३
२२ २५ बु	५१९१	३५४-१४	२८५-४१	६-३४	३४७-८०	९-४३१	३४७-७९	२५५-६२	२ २६	७९-०१	५ ५६
२३ २६ शु	५१९२	३५४-१७	२८५-४५	६-३४	३४७-८४	९-४३०	३४७-८३	२५५-६६	२ २६	८०-०१	५ ५९
२४ २७ श	५१९३	३५४-२०	२८५-४८	६-३४	३४७-८८	९-४३०	३४७-८७	२५५-६९	२ २६	८१-००	५ ६०
२५ २८ शु	५१९४	३५४-२४	२८५-५१	६-३४	३४७-९०	९-४२९	३४७-८९	२५५-७३	२ २६	८२-००	५ ६३
२६ २९ चं	५१९५	३५४-२७	२८५-५५	६-३४	३४७-९३	९-४२९	३४७-९२	२५५-७७	२ २६	८३-००	५ ६६
२७ ३० र	५१९६	३५४-३०	२८५-५८	६-३४	३४७-९६	९-४२९	३४७-९५	२५५-८०	२ २६	८४-००	५ ६९

शानि

१६३

मई-जून सन १९३८ ई.

ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शानिका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्थल प्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	विषुवमं सायन	विषुवांश	गति	विषुवमं सायन	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याभोत्तर लंघन काल
	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प. स्टै. घं. मि.
२९	११ २१ ४३	०	२ १६	०	१४ ४२	१४ ३०	६ २	२५	२३ ४५	१	६ २६ ९ १
३०	११ २१ ४८	०	२ १६	०	१४ ४७	१४ ३५	५ २	२६	२३ ४६	१	६ २८ ८ ५८
३१	११ २१ ५५	०	२ १६	०	१४ ५२	१४ ४०	५ २	२७	२३ ४७	१	६ २८ ८ ५४
१	११ २१ ५०	०	२ १७	०	१४ ५८	१४ ४५	५ २	२८	२३ ४८	१	६ २९ ८ ५१
२	११ २२ ५	०	२ १७	०	१५ १	१४ ५०	५ २	२८	२३ ५०	१	६ २९ ८ ४७
३	११ २२ १०	०	२ १७	०	१५ १५	१४ ५५	५ २	२९	२३ ५२	१	६ २९ ८ ४३
४	११ २२ १६	०	२ १७	०	१५ १५	१५ ०	५ २	३०	२३ ५४	१	६ ३० ८ ४०
५	११ २२ २२	०	२ १७	०	१५ २१	१५ ५	५ २	३१	२३ ५६	१	६ ३० ८ ३६
६	११ २२ २८	०	२ १७	०	१५ २७	१५ १०	५ २	३२	२३ ५८	१	६ ३१ ८ ३३
७	११ २२ ३४	०	२ १८	०	१५ ३३	१५ १६	५ २	३३	२३ ५९	१	६ ३१ ८ २९
८	११ २२ ४०	०	२ १८	०	१५ ४९	१५ १८	५ २	३४	२३ ५९	१	६ ३१ ८ २५
९	११ २२ ४६	०	२ १८	०	१५ ४५	१५ २३	५ २	३५	२३ ५९	१	६ ३१ ८ २२
१०	११ २२ ५२	०	२ १८	०	१५ ५१	१५ २७	५ २	३६	२३ ५९	१	६ ३१ ८ १८
११	११ २२ ५८	०	२ १९	०	१५ ५७	१५ ३१	५ २	३७	२३ ५९	१	६ ३१ ८ १४
१२	११ २३ ३	०	२ १९	०	१६ २	१५ ३६	५ २	३८	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ११
१३	११ २३ ८	०	२ १९	०	१६ ७	१५ ४०	५ २	३९	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ७
१४	११ २३ १३	०	२ १९	०	१६ १२	१५ ४५	५ २	४०	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ३
१५	११ २३ १८	०	२ १९	०	१६ १७	१५ ४९	५ २	४१	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ५९
१६	११ २३ २३	०	२ २०	०	१६ २१	१५ ५४	५ २	४२	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ५६
१७	११ २३ २८	०	२ २०	०	१६ २५	१५ ५८	५ २	४३	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ५३
१८	११ २३ ३३	०	२ २०	०	१६ २९	१६ २	५ २	४४	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ५०
१९	११ २३ ३८	०	२ २०	०	१६ ३३	१६ ६	५ २	४५	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ४६
२०	११ २३ ४३	०	२ २१	०	१६ ३७	१६ १०	५ २	४६	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ४३
२१	११ २३ ४८	०	२ २१	०	१६ ४१	१६ १४	५ २	४७	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ४०
२२	११ २३ ५३	०	२ २१	०	१६ ४५	१६ १८	५ २	४८	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ३६
२३	११ २३ ५८	०	२ २१	०	१६ ४९	१६ २२	५ २	४९	२३ ५९	१	६ ३१ ८ ३३
२४	११ २३ ५३	०	२ २१	०	१६ ५३	१६ २६	५ २	५०	२३ ५९	१	६ ३१ ८ २९
२५	११ २३ ५८	०	२ २२	०	१६ ५७	१६ ३०	५ २	५१	२३ ५९	१	६ ३१ ८ २६
२६	११ २४ ३	०	२ २२	०	१७ ०	१६ ३४	५ २	५२	२३ ५९	१	६ ३१ ८ २३
२७	११ २४ ८	०	२ २२	०	१७ ४	१६ ३८	५ २	५३	२३ ५९	१	६ ३१ ८ २०

जून-अलई सन १९३८ इ.

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेष गणित ।

सा. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्थल	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन्न	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रक
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं.
२७ ३० चं	५११६	३५४-३०	२८५-५८	—६-३६	३४७-९६	९-४२९	३४७-९५	२५७-७८	२ २६	८३-७९	+६
२८ १ मं	५११७	३५४-३३	२८५-६१	६-३६	३४७-९९	९-४२८	३४७-९८	२५७-८१	—२ २६	८४-७२	६
२९ १ बु	५११८	३५४-३६	२८५-६४	६-३६	३४८-०२	९-४२८	३४८-०१	२५७-८४	२ २६	८५-६४	६
३० १ शु	५११९	३५४-४०	२८५-६७	६-३६	३४८-०५	९-४२८	३४८-०५	२५७-८८	२ २६	८६-५५	६
१ १ अ	५१२०	३५४-४३	२८५-७१	६-३६	३४८-०९	९-४२७	३४८-०९	२५७-९२	२ २६	८७-४७	६
२ ५ रा	५१२१	३५४-४६	२८५-७४	६-३६	३४८-१३	९-४२७	३४८-१२	२५७-९५	२ २६	८८-३९	६
३ ६ र	५१२२	३५४-४९	२८५-७७	६-३६	३४८-१६	९-४२७	३४८-१६	२५७-९९	२ २६	८९-३०	६
४ ७ चं	५१२३	३५४-५३	२८५-८१	६-३६	३४८-२०	९-४२६	३४८-१९	२५८-०२	२ २६	९०-२३	६
५ ८ मं	५१२४	३५४-५६	२८५-८४	६-३६	३४८-२३	९-४२६	३४८-२२	२५८-०५	२ २६	९१-१५	६
६ ९ बु	५१२५	३५४-६०	२८५-८७	६-३६	३४८-२७	९-४२६	३४८-२६	२५८-०९	२ २६	९२-०६	६
७ १० शु	५१२६	३५४-६३	२८५-९०	६-३६	३४८-३०	९-४२६	३४८-२९	२५८-१२	२ २६	९२-९९	६
८ ११ अ	५१२७	३५४-६७	२८५-९४	६-३६	३४८-३४	९-४२६	३४८-३३	२५८-१६	२ २६	९३-९०	६
९ १२ रा	५१२८	३५४-७०	२८५-९७	६-३६	३४८-३७	९-४२६	३४८-३६	२५८-१९	२ २६	९४-८२	६
१० १३ र	५१२९	३५४-७४	२८६-०१	६-३६	३४८-४१	९-४२६	३४८-४०	२५८-२३	२ २६	९५-७४	६
११ १४ चं	५१३०	३५४-७७	२८६-०४	६-३६	३४८-४४	९-४२६	३४८-४४	२५८-२६	२ २६	९६-६६	६
१२ १५ म	५१३१	३५४-८०	२८६-०७	६-३६	३४८-४७	९-४२६	३४८-४६	२५८-२९	२ २७	९७-५८	६
१३ १ बु	५१३२	३५४-८४	२८६-११	६-३६	३४८-५१	९-४२५	३४८-५०	२५८-३३	२ २७	९८-५०	६
१४ २ शु	५१३३	३५४-८७	२८६-१४	६-३६	३४८-५४	९-४२५	३४८-५३	२५८-३६	२ २७	९९-४२	६
१५ ३ अ	५१३४	३५४-९०	२८६-१७	६-३६	३४८-५७	९-४२५	३४८-५६	२५८-३९	२ २७	१००-३५	६
१६ ४ रा	५१३५	३५४-९४	२८६-२१	६-३६	३४८-६१	९-४२४	३४८-६०	२५८-४३	२ २७	१०१-२६	६
१७ ५ र	५१३६	३५४-९७	२८६-२४	६-३६	३४८-६४	९-४२४	३४८-६३	२५८-४६	२ २७	१०२-१८	६
१८ ६ चं	५१३७	३५४-१००	२८६-२८	६-३६	३४८-६७	९-४२४	३४८-६६	२५८-४९	२ २७	१०३-११	६
१९ ७ मं	५१३८	३५४-१०३	२८६-३१	६-३६	३४८-७०	९-४२३	३४८-६९	२५८-५२	२ २७	१०४-०३	६
२० ८ बु	५१३९	३५४-१०६	२८६-३५	६-३६	३४८-७३	९-४२३	३४८-७३	२५८-५५	२ २७	१०४-९६	६
२१ ९ शु	५१४०	३५४-१०९	२८६-३८	६-३६	३४८-७६	९-४२३	३४८-७६	२५८-५०	२ २७	१०५-८६	६
२२ १० अ	५१४१	३५४-११३	२८६-४२	६-३६	३४८-८०	९-४२३	३४८-८०	२५८-५३	२ २७	१०६-७७	६
२३ ११ रा	५१४२	३५४-११६	२८६-४५	६-३६	३४८-८४	९-४२३	३४८-८४	२५८-५६	२ २७	१०७-७१	६
२४ १२ र	५१४३	३५४-१२०	२८६-४९	६-३६	३४८-८८	९-४२२	३४८-८७	२५८-५०	२ २७	१०८-६२	६
२५ १३ चं	५१४४	३५४-१२३	२८६-५२	६-३६	३४८-९१	९-४२२	३४८-९०	२५८-५३	२ २७	१०९-५५	६
२६ १४ म	५१४५	३५४-१२६	२८६-५५	६-३६	३४८-९४	९-४२२	३४८-९३	२५८-५६	२ २७	११०-४७	५
२७ १५ अ	५१४६	३५४-१३०	२८६-५८	—६-३६	३४८-९७	९-४२१	३४८-९७	२५८-६०	—२ २७	१११-३९	+५

शानि

१९५

जून-जुलाई सन १९३८ ई.

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शानिका वेष गणित।

॥	भूमध्य स्पष्ट ग्रह		गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनमोसा		विषुवांश		गति		विषुवांक		क्रांति		गति		इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं. क.	अ. क.	अ.	क.	अ. क.	अ.	क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	
७	११ २४ ४	४	२	२२	०	८	३	१६	२६	०	२	४६	४४	३१	०	१	२	१	७ १५			
८	११ २४ ८		२	२२		१७	७	१६	२९		२	४७	४	३२		१	२	१	७ १२			
९	११ २४ ११		२	२२		१७	१०	१६	३२		२	४७	४	३३		१	२	१	७ ८			
१०	११ २४ १४		२	२२		१७	१३	१६	३५		२	४७	४	३४		१	२	१	७ ४			
११	११ २४ १७		२	२२		१७	१६	१६	३८		२	४७	४	३५		१	२	१	७ १			
१२	११ २४ २०		२	२२		१७	१९	१६	४१		२	४७	४	३६		१	२	१	७ ५७			
१३	११ २४ २२		२	२२		१७	२२	१६	४४		२	४७	४	३७		१	२	१	७ ५३			
१४	११ २४ २४		२	२२		१७	२३	१६	४६		२	४७	४	३८		१	२	१	७ ५१			
१५	११ २४ २६		२	२२		१७	२५	१६	४७		२	४७	४	३९		१	२	१	७ ४८			
१६	११ २४ २८		२	२२		१७	२७	१६	४९		२	४७	४	४०		१	२	१	७ ४२			
१७	११ २४ २९		२	२२		१७	२८	१७	५०		२	४७	४	४१		१	२	१	७ ३८			
१८	११ २४ ३१		२	२२		१७	३०	१७	५३		२	४७	४	४२		१	२	१	७ ३०			
१९	११ २४ ३३		२	२२		१७	३२	१७	५५		२	४७	४	४३		१	२	१	७ २६			
२०	११ २४ ३५		२	२२		१७	३४	१७	५७		२	४७	४	४४		१	२	१	७ २३			
२१	११ २४ ३७		२	२२		१७	३६	१७	५९		२	४७	४	४५		१	२	१	७ २१			
२२	११ २४ ३९		२	२२		१७	३८	१७	६१		२	४७	४	४६		१	२	१	७ १९			
२३	११ २४ ४१		२	२२		१७	४०	१७	६३		२	४७	४	४७		१	२	१	७ १५			
२४	११ २४ ४३		२	२२		१७	४२	१७	६५		२	४७	४	४८		१	२	१	७ ११			
२५	११ २४ ४५		२	२२		१७	४४	१७	६७		२	४७	४	४९		१	२	१	७ ७			
२६	११ २४ ४७		२	२२		१७	४६	१७	६९		२	४७	४	५०		१	२	१	७ ५९			
२७	११ २४ ४९		२	२२		१७	४८	१७	७१		२	४७	४	५१		१	२	१	७ ५६			
२८	११ २४ ५१		२	२२		१७	५०	१७	७३		२	४७	४	५२		१	२	१	७ ५२			
२९	११ २४ ५३		२	२२		१७	५२	१७	७५		२	४७	४	५३		१	२	१	७ ४८			
३०	११ २४ ५५		२	२२		१७	५४	१७	७७		२	४७	४	५४		१	२	१	७ ४०			
३१	११ २४ ५७		२	२२		१७	५६	१७	७९		२	४७	४	५५		१	२	१	७ ३६			
३२	११ २४ ५९		२	२२		१७	५८	१७	८१		२	४७	४	५६		१	२	१	७ ३२			
३३	११ २४ ५९		२	२२		१७	५९	१७	८३		२	४७	४	५७		१	२	१	७ २९			
३४	११ २४ ५९		२	२२		१७	६०	१७	८५		२	४७	४	५८		१	२	१	७ २५			
३५	११ २४ ५९		२	२२		१७	६१	१७	८७		२	४७	४	५९		१	२	१	७ २१			

१९६

शनि

जुलई-अगत सन १९३८ इ. श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोत	रवि म. शर	शीमकेंद्र	शीमफल
		अ.	अ.	अ.	अ.		अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.
२७ ३० बु	५३२६	३५५-३०	२८६-५८	६-३२	३४९-९८	९-४२१	३४८-९७	२५८-८०	२ २७ १११-३९	५ ५७	
२८ २ गु	५२२७	३५५-३३	२८६-६१	६-३२	३४९-०१	९-४२०	३४९-००	२५८-८३	२ २७ ११२-३२	५ ५५	
२९ ३ शु	५२२८	३५५-३६	२८६-६५	६-३२	३४९-०४	९-४२०	३४९-०३	२५८-८६	२ २७ ११३-२४	५ ५४	
३० ४ वा	५२२९	३५५-४०	२८६-६८	६-३१	३४९-०९	९-४२०	३४९-०८	२५८-९१	२ २७ ११४-१५	५ ५२	
३१ ५ र	५२३०	३५५-४४	२८६-७२	६-३१	३४९-१३	९-४२०	३४९-१२	२५८-९५	२ २७ ११५-०६	५ ५०	
१ ६ च	५२३१	३५५-४७	२८६-७५	६-३१	३४९-१६	९-४१९	३४९-१५	२५८-९८	२ २७ ११६-०१	५ ४८	
२ ७ मं	५२३२	३५५-५१	२८६-७८	६-३१	३४९-२०	९-४१९	३४९-१९	२५९-०१	२ २७ ११६-५६	५ ४६	
३ ८ पु	५२३३	३५५-५५	२८६-८२	६-३१	३४९-२३	९-४१९	३४९-२२	२५९-०५	२ २७ ११७-८३	५ ४३	
४ ९ श	५२३४	३५५-५७	२८६-८५	६-३१	३४९-२६	९-४१९	३४९-२५	२५९-०८	२ २७ ११८-७६	५ ४१	
५ १० छ	५२३५	३५५-६०	२८६-८८	६-३१	३४९-२९	९-४१९	३४९-२८	२५९-११	२ २७ ११९-६९	५ ३८	
६ ११ वा	५२३६	३५५-६३	२८६-९१	६-३१	३४९-३२	९-४१९	३४९-३१	२५९-१४	२ २७ १२०-६२	५ ३६	
७ १२ र	५२३७	३५५-६७	२८६-९५	६-३१	३४९-३६	९-४१९	३४९-३५	२५९-१७	२ २७ १२१-५४	५ ३३	
८ १३ च	५२३८	३५५-७०	२८६-९८	६-३१	३४९-३९	९-४१९	३४९-३८	२५९-२१	२ २७ १२२-४६	५ ३०	
९ १४ मं	५२३९	३५५-७४	२८७-०२	६-३१	३४९-४३	९-४१९	३४९-४२	२५९-२५	२ २७ १२३-३८	५ २७	
१० १५ पु	५२४०	३५५-७७	२८७-०५	६-३१	३४९-४६	९-४१९	३४९-४५	२५९-२८	२ २७ १२४-३१	५ २४	
११ १६ श	५२४१	३५५-८१	२८७-०९	६-३१	३४९-५०	९-४१९	३४९-४९	२५९-३२	२ २७ १२५-२३	५ २१	
१२ १७ र	५२४२	३५५-८४	२८७-१२	६-३१	३४९-५३	९-४१९	३४९-५२	२५९-३५	२ २७ १२६-१६	५ १७	
१३ १८ छ	५२४३	३५५-८७	२८७-१६	६-३१	३४९-५६	९-४१९	३४९-५५	२५९-३८	२ २७ १२७-०९	५ १४	
१४ १९ वा	५२४४	३५५-९१	२८७-१९	६-३१	३४९-६०	९-४१९	३४९-५९	२५९-४२	२ २७ १२८-०१	५ ११	
१५ २० र	५२४५	३५५-९४	२८७-२२	६-३१	३४९-६३	९-४१९	३४९-६२	२५९-४५	२ २७ १२९-९४	५ ०८	
१६ २१ छ	५२४६	३५५-९७	२८७-२५	६-३१	३४९-६६	९-४१९	३४९-६५	२५९-४८	२ २७ १३०-८६	५ ०५	
१७ २२ वा	५२४७	३५६-००	२८७-२८	६-३०	३४९-७०	९-४१९	३४९-६९	२५९-५२	२ २७ १३१-७९	५ ०२	
१८ २३ र	५२४८	३५६-०४	२८७-३२	६-३०	३४९-७४	९-४१९	३४९-७३	२५९-५६	२ २७ १३२-७१	४ ५९	
१९ २४ छ	५२४९	३५६-०७	२८७-३५	६-३०	३४९-७७	९-४१९	३४९-७६	२५९-५९	२ २७ १३३-६४	४ ५६	
२० २५ वा	५२५०	३५६-१०	२८७-३८	६-३०	३४९-८०	९-४१९	३४९-७९	२५९-६२	२ २७ १३४-५६	४ ५३	
२१ २६ र	५२५१	३५६-१४	२८७-४२	६-३०	३४९-८४	९-४१९	३४९-८३	२५९-६६	२ २७ १३५-४८	४ ५०	
२२ २७ छ	५२५२	३५६-१७	२८७-४५	६-३०	३४९-८७	९-४१९	३४९-८६	२५९-६९	२ २७ १३६-४१	४ ४७	
२३ २८ वा	५२५३	३५६-२०	२८७-४८	६-२९	३४९-९१	९-४१९	३४९-९०	२५९-७३	२ २७ १३७-३३	४ ४४	
२४ २९ र	५२५४	३५६-२४	२८७-५२	६-२९	३४९-९५	९-४१९	३४९-९४	२५९-७७	२ २७ १३८-२६	४ ४१	
२५ ३० छ	५२५५	३५६-२७	२८७-५५	६-२९	३४९-९८	९-४१९	३४९-९७	२५९-८०	२ २७ १३९-१८	४ ३८	

शनि

१९७

जुलाई-अगस्त सन १९२८ इ.

आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह		गति	भूमध्य दृश्य शर		गति	न वायव्य	विषुवांश		गति	ह विषुवकां	क्रांति		गति	इन्दौर शहर का साम्योत्तर लंघन काल			
	रा	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ	घ	घ.मि.	घ.मि.
२७	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
२८	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
२९	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
३०	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
३१	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
१	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
२	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
३	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
४	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
५	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
६	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
७	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
८	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
९	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
१०	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
११	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
१२	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
१३	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
१४	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
१५	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
१६	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
१७	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
१८	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
१९	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
२०	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
२१	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
२२	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
२३	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
२४	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७
२५	११	२४	५७	०	२	३०	०	१७	५६	१७	३०	०	२	५५	४	४४	०	५७

अगस्त-सितंबर सन १९३८ ई. माद्रपद शुद्ध और कृष्णपक्ष का शनि का वेष गणित ।

ता. वि. ता.	प्रभाकर दिनागण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन्	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. क.	अ. अ. क.	अ. क.
२५ ३० गु	५२५५	३५६-२७	२८७-५५	६-२९	३४९-९८	९-४१२	३४९-९७	२५९-८०	२२७	१३८-२२	४ २६
२६ १ शु	५२५६	३५६-३०	२८७-५८	६-२९	३५०-०१	९-४१२	३५०-००	२५९-८३	२२७	१३९-१५	४ २२
२७ २ श	५२५७	३५६-३३	२८७-६२	६-२९	३५०-०५	९-४११	३५०-०४	२५९-८७	२२७	१४०-०८	४ १७
२८ ३ र	५२५८	३५६-३७	२८७-६५	६-२९	३५०-०८	९-४११	३५०-०७	२५९-९०	२२७	१४१-०१	४ १२
२९ ४ च	५२५९	३५६-४१	२८७-६८	६-२९	३५०-१२	९-४११	३५०-११	२५९-९४	२२७	१४१-१४	४ ७
३० ५ म	५२६०	३५६-४४	२८७-७१	६-२९	३५०-१४	९-४११	३५०-१४	२५९-९७	२२७	१४२-८८	४ ३
३१ ६ ज	५२६१	३५६-४७	२८७-७५	६-२९	३५०-१८	९-४१०	३५०-१७	२६०-००	२२७	१४३-८१	४ ५८
१ ७ अ	५२६२	३५६-५१	२८७-७८	६-२८	३५०-२३	९-४१०	३५०-२२	२६०-०५	२२७	१४४-७३	४ ५३
२ ८ श	५२६३	३५६-५४	२८७-८५	६-२८	३५०-२६	९-४१०	३५०-२५	२६०-०८	२२७	१४५-६७	४ ४८
३ ९ अ	५२६४	३५६-५७	२८७-८५	६-२८	३५०-२९	९-४०९	३५०-२८	२६०-११	२२७	१४६-६१	४ ४२
४ १० च	५२६५	३५६-६०	२८७-८८	६-२८	३५०-३२	९-४०९	३५०-३१	२६०-१४	२२७	१४७-५४	४ ३७
५ ११ म	५२६६	३५६-६३	२८७-९१	६-२८	३५०-३५	९-४०९	३५०-३४	२६०-१८	२२७	१४८-४८	४ ३१
६ १२ ज	५२६७	३५६-६७	२८७-९५	६-२८	३५०-३९	९-४०९	३५०-३८	२६०-२१	२२७	१४९-४१	४ २६
७ १३ अ	५२६८	३५६-७०	२८७-९८	६-२८	३५०-४२	९-४०९	३५०-४१	२६०-२४	२२७	१५०-३५	४ २०
८ १४ श	५२६९	३५६-७४	२८८-०२	६-२८	३५०-४६	९-४०८	३५०-४५	२६०-२८	२२७	१५१-२९	४ १४
९ १५ अ	५२७०	३५६-७७	२८८-०५	६-२८	३५०-४९	९-४०८	३५०-४८	२६०-३१	२२८	१५२-२३	४ ९
१० १ श	५२७१	३५६-८०	२८८-०८	६-२८	३५०-५२	९-४०८	३५०-५१	२६०-३४	२२८	१५३-१७	४ ३
११ २ अ	५२७२	३५६-८४	२८८-१२	६-२८	३५०-५६	९-४०७	३५०-५५	२६०-३८	२२८	१५४-१०	४ ५७
१२ ३ च	५२७३	३५६-८७	२८८-१५	६-२८	३५०-५९	९-४०७	३५०-५८	२६०-४१	२२८	१५५-०४	४ ५२
१३ ४ म	५२७४	३५६-९०	२८८-१८	६-२७	३५०-६३	९-४०७	३५०-६२	२६०-४५	२२८	१५६-०८	४ ४७
१४ ५ ज	५२७५	३५६-९४	२८८-२२	६-२७	३५०-६७	९-४०६	३५०-६६	२६०-४९	२२८	१५७-०२	४ ४०
१५ ६ अ	५२७६	३५७-०७	२८८-२५	६-२७	३५०-७०	९-४०६	३५०-६९	२६०-५२	२२८	१५८-०५	४ ३५
१६ ७ श	५२७७	३५७-०१	२८८-२८	६-२७	३५०-७४	९-४०६	३५०-७३	२६०-५६	२२८	१५९-०१	४ २७
१७ ८ अ	५२७८	३५७-०४	२८८-३२	६-२७	३५०-७७	९-४०५	३५०-७६	२६०-५९	२२८	१६०-०३	४ २१
१८ ९ श	५२७९	३५७-०८	२८८-३५	६-२७	३५०-८१	९-४०५	३५०-८०	२६०-६३	२२८	१६०-०७	४ १५
१९ १० च	५२८०	३५७-११	२८८-३९	६-२७	३५०-८४	९-४०५	३५०-८३	२६०-६६	२२८	१६१-०१	४ ९
२० ११ म	५२८१	३५७-१५	२८८-४२	६-२७	३५०-८७	९-४०४	३५०-८६	२६०-६९	२२८	१६२-०५	४ ३
२१ १२ ज	५२८२	३५७-१८	२८८-४५	६-२७	३५०-९१	९-४०४	३५०-९०	२६०-७३	२२८	१६३-०९	४ ५६
२२ १३ अ	५२८३	३५७-२१	२८८-४९	६-२६	३५०-९५	९-४०४	३५०-९४	२६०-७७	२२८	१६४-०३	४ ४९
२३ १४ श	५२८४	३५७-२४	२८८-५२	६-२६	३५०-९८	९-४०३	३५०-९७	२६०-८०	२२८	१६५-०१	४ ४३

अगस्त-सितंबर सन १९३८ ई. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवांक	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याग्योत्तर लघन काल
रा. अं. क.	अ. क.	अं. क.	अ. क.	अं. क.	अं. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प. स्ट. म. मि.
२५	११ २४ २५	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५१	४ २४	१ ५२	२५
२६	११ २४ २२	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ २३	१ ५२	२४
२७	११ २४ १९	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ २२	१ ५२	२३
२८	११ २४ १६	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ २०	१ ५३	२२
२९	११ २४ १३	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ १९	१ ५३	२१
३०	११ २४ १०	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ १८	१ ५३	२०
३१	११ २४ ७	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ १७	१ ५३	१९
१	११ २४ ४	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ १६	१ ५३	१८
२	११ २४ १	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ १५	१ ५३	१७
३	११ २३ ५८	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ १४	१ ५३	१६
४	११ २३ ५५	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ १३	१ ५३	१५
५	११ २३ ५२	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ १२	१ ५३	१४
६	११ २३ ४९	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ११	१ ५३	१३
७	११ २३ ४६	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ १०	१ ५३	१२
८	११ २३ ४३	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ०९	१ ५३	११
९	११ २३ ४०	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ०८	१ ५३	१०
१०	११ २३ ३७	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ०७	१ ५३	०९
११	११ २३ ३४	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ०६	१ ५३	०८
१२	११ २३ ३१	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ०५	१ ५३	०७
१३	११ २३ २८	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ०४	१ ५३	०६
१४	११ २३ २५	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ०३	१ ५३	०५
१५	११ २३ २२	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ०२	१ ५३	०४
१६	११ २३ १९	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ०१	१ ५३	०३
१७	११ २३ १६	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	४ ००	१ ५३	०२
१८	११ २३ १३	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	३ ५९	१ ५३	०१
१९	११ २३ १०	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	३ ५८	१ ५३	००
२०	११ २३ ०७	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	३ ५७	१ ५३	५९
२१	११ २३ ०४	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	३ ५६	१ ५३	५८
२२	११ २३ ०१	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	३ ५५	१ ५३	५७
२३	११ २३ ५८	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	३ ५४	१ ५३	५६
२४	११ २३ ५५	०	३ १२	३७ ०	०	१७ २४	१७ ३०	२ ५०	३ ५३	१ ५३	५५

सितंबर-अक्टूबर सन १९३८ ई. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम		मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट		मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अ.	अ.			अ.	अ.						
२३ ३० शु	५२८४	३५७-२४	२८८-५२	६-२६	३५०-१८	१-४०३	३५०-१७	२६०-८०	२-२६	३५५-३९	१-४३		
२४ १ रा	५२८५	३५७-२८	२८८-५५	६-२६	३५१-०२	१-४०३	३५१-०१	२६०-८४	-२-२८	३५६-३३	+१-३६		
२५ २ र	५२८६	३५७-३१	२८८-५९	६-२६	३५१-०५	१-४०२	३५१-०४	२६०-८७	२-२८	३५७-२८	१-३०		
२६ ३ च	५२८७	३५७-३४	२८८-६२	६-२६	३५१-०८	१-४०२	३५१-०७	२६०-९०	२-२८	३५८-२३	१-२३		
२७ ४ ग	५२८८	३५७-३६	२८८-६५	६-२६	३५१-१२	१-४०२	३५१-११	२६०-९४	२-२८	३५९-१७	१-१७		
२८ ५ ङ	५२८९	३५७-४१	२८८-६९	६-२६	३५१-१५	१-४०२	३५१-१४	२६०-९७	२-२८	३६०-१२	१-१०		
२९ ६ यु	५२९०	३५७-४४	२८८-७२	६-२६	३५१-१८	१-४०१	३५१-१७	२६०-१००	२-२८	३६१-०७	१-३		
३० ७ शु	५२९१	३५७-४८	२८८-७६	६-२६	३५१-२२	१-४०१	३५१-२१	२६०-१०४	२-२८	३६२-०१	०-५७		
१ ८ रा	५२९२	३५७-५१	२८८-७९	६-२६	३५१-२६	१-४०१	३५१-२५	२६०-१०८	२-२८	३६३-०६	०-५०		
२ ९ र	५२९३	३५७-५४	२८८-८२	६-२६	३५१-२९	१-४००	३५१-२८	२६०-१११	२-२८	३६३-१०	०-४३		
३ १० च	५२९४	३५७-५८	२८८-८६	६-२६	३५१-३३	१-४००	३५१-३२	२६०-११५	२-२८	३६४-०५	०-३६		
४ ११ म	५२९५	३५७-६१	२८८-८९	६-२६	३५१-३६	१-४००	३५१-३५	२६०-११८	२-२८	३६४-१०	०-३०		
५ १२ ङ	५२९६	३५७-६५	२८८-९२	६-२६	३५१-३९	१-३९९	३५१-३८	२६०-१२१	२-२८	३६५-०५	०-२३		
६ १३ यु	५२९७	३५७-६८	२८८-९५	६-२६	३५१-४३	१-३९९	३५१-४२	२६०-१२५	२-२८	३६५-०९	०-१६		
७ १४ शु	५२९८	३५७-७१	२८८-९८	६-२६	३५१-४६	१-३९९	३५१-४५	२६०-१२८	२-२८	३६५-१३	०-९		
८ १५ रा	५२९९	३५७-७४	२८९-०१	६-२६	३५१-४९	१-३९९	३५१-४८	२६०-१३१	२-२८	३६६-०८	+०-३		
९ १६ र	५३००	३५७-७८	२८९-०५	६-२६	३५१-५३	१-३९८	३५१-५२	२६०-१३५	२-२८	३६७-०३	-०-४		
१० १ च	५३०१	३५८-०१	२८९-०८	६-२६	३५१-५६	१-३९८	३५१-५५	२६०-१३८	२-२८	३६८-०१	०-१०		
११ २ म	५३०२	३५८-०४	२८९-१२	६-२६	३५१-५९	१-३९७	३५१-५८	२६०-१४१	२-२८	३६८-०५	०-१८		
१२ ३ ङ	५३०३	३५८-०७	२८९-१५	६-२६	३५१-६२	१-३९७	३५१-६१	२६०-१४४	२-२८	३६८-०९	०-२५		
१३ ४ यु	५३०४	३५८-११	२८९-१८	६-२६	३५१-६६	१-३९७	३५१-६५	२६०-१४८	२-२८	३६८-१३	०-३१		
१४ ५ शु	५३०५	३५८-१४	२८९-२१	६-२६	३५१-६९	१-३९६	३५१-६८	२६०-१५१	२-२८	३६८-१७	०-३८		
१५ ६ रा	५३०६	३५८-१७	२८९-२५	६-२६	३५१-७२	१-३९६	३५१-७१	२६०-१५५	२-२८	३६८-२१	०-४५		
१६ ७ र	५३०७	३५८-०१	२८९-२९	६-२४	३५१-७७	१-३९५	३५१-७६	२६०-१५९	२-२८	३६८-२५	०-५२		
१७ ८ च	५३०८	३५८-०४	२८९-३२	६-२४	३५१-८०	१-३९५	३५१-७९	२६०-१६२	२-२८	३६८-२९	०-५८		
१८ ९ म	५३०९	३५८-०८	२८९-३६	६-२४	३५१-८४	१-३९५	३५१-८३	२६०-१६६	२-२८	३६९-०३	१-५		
१९ १० ङ	५३१०	३५८-११	२८९-३९	६-२४	३५१-८७	१-३९५	३५१-८६	२६०-१६९	२-२८	३६९-०७	१-११		
२० ११ यु	५३११	३५८-१४	२८९-४२	६-२४	३५१-९०	१-३९४	३५१-८९	२६०-१७२	२-२८	३६९-११	१-१८		
२१ १२ शु	५३१२	३५८-१८	२८९-४६	६-२४	३५१-९४	१-३९४	३५१-९३	२६०-१७६	२-२८	३६९-१५	१-२५		
२२ १३ रा	५३१३	३५८-२१	२८९-४९	६-२४	३५१-९७	१-३९४	३५१-९६	२६०-१७९	२-२८	३६९-१९	१-३१		
२३ १४ र	५३१४	३५८-२५	२८९-५२	६-२४	३५१-१००	१-३९३	३५१-९९	२६०-१८२	-२-२८	३६९-२३	१-३८		

शनि

२०१

सितम्बर-अक्टूबर सन १९३८ ई. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्थष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायन भूमि	विषुवांश	गति	विषुवकाल	काति	गति	इंदौर शहर का ग्रहयोत्तर लघनकाल	
	रा. अं. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अं. क.	अं. क.	अ. क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	सं. घ. मि
२३	११ २२ ४०	४	२ ४२	०	१५ ३९	१५ २७	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ १ २४	
२४	११ २२ ३६	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ २३	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ १ २०	
२५	११ २२ ३३	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ १९	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ १ १५	
२६	११ २२ २९	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ १५	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ १ ११	
२७	११ २२ २६	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ११	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ १ ७	
२८	११ २२ २३	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ७	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ १ ३	
२९	११ २२ १९	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ३	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ५९	
३०	११ २२ १६	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ०	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ५५	
१	११ २२ १२	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ५५	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ५०	
२	११ २२ १५	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ५१	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ४६	
३	११ २२ १८	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ४७	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ४२	
४	११ २२ २१	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ४३	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ३८	
५	११ २२ २४	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ३९	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ३४	
६	११ २२ २७	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ३५	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ३०	
७	११ २२ ३०	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ३१	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० २६	
८	११ २२ ३३	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ २७	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० २२	
९	११ २२ ३६	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ २३	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० १८	
१०	११ २२ ३९	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ १९	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० १४	
११	११ २२ ४२	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ १५	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० १०	
१२	११ २२ ४५	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ११	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ०६	
१३	११ २२ ४८	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ७	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ०२	
१४	११ २२ ५१	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ३	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ५८	
१५	११ २२ ५४	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ५९	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ५४	
१६	११ २२ ५७	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ५५	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ५०	
१७	११ २२ ५९	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ५१	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ४६	
१८	११ २३ ०१	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ४७	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ४२	
१९	११ २३ ०३	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ४३	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ३८	
२०	११ २३ ०५	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ३९	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ३४	
२१	११ २३ ०७	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ३५	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० ३०	
२२	११ २३ ०९	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ ३१	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० २६	
२३	११ २३ ११	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ २७	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० २२	
२४	११ २३ १३	०	२ ४२	०	१५ ३९	१५ २३	४	२ ३५	३ ४०	२ ४७	२३ ० १८	

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ ई. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेष गणित ।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन्	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
		अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२३ ३० र	५३१४	३५८२४	२८९५२	६२४	३५२००	९३९३	३५१९९	२६१८२	२ २८	१९३०९९	१ ३८
२४ १ अं	५३१५	३५८२८	२८९५६	६२४	३५२०४	९३९३	३५२०३	२६१८६	२ २८	१९३०९४	१ ४४
२५ २ मं	५३१६	३५८३१	२८९५९	६२४	३५२०८	९३९३	३५२०७	२६१९०	२ २८	१९३०९०	१ ५१
२६ ३ बु	५३१७	३५८३५	२८९६२	६२४	३५२१२	९३९३	३५२११	२६१९४	२ २८	१९३०८६	१ ५७
२७ ४ शु	५३१८	३५८३८	२८९६६	६२४	३५२१६	९३९३	३५२१५	२६१९७	२ २८	१९३०८२	२ ४
२८ ५ षु	५३१९	३५८४२	२८९६९	६२४	३५२१९	९३९३	३५२१८	२६२०१	२ २८	१९३०७८	२ १०
२९ ६ श	५३२०	३५८४५	२८९७२	६२४	३५२२२	९३९३	३५२२२	२६२०४	२ २८	१९३०७५	२ १६
३० ७ र	५३२१	३५८४८	२८९७६	६२४	३५२२५	९३९३	३५२२४	२६२०७	२ २८	२०००७२	२ २३
३१ ८ अं	५३२२	३५८५२	२८९७९	६२४	३५२२९	९३९३	३५२२८	२६२०१	२ २८	२०१०६८	२ २९
१ ९ मं	५३२३	३५८५५	२८९८२	६२४	३५२३२	९३९३	३५२३१	२६२०४	२ २८	२०२०६५	२ ३५
२ १० बु	५३२४	३५८५८	२८९८६	६२४	३५२३५	९३९३	३५२३४	२६२०७	२ २८	२०३०६२	२ ४१
३ ११ शु	५३२५	३५८६२	२८९८९	६२४	३५२३९	९३९३	३५२३९	२६२०२	२ २८	२०४०५७	२ ४६
४ १२ षु	५३२६	३५८६५	२८९९२	६२४	३५२४३	९३९३	३५२४२	२६२०५	२ २८	२०५०५५	२ ५३
५ १३ श	५३२७	३५८६८	२८९९६	६२४	३५२४६	९३९३	३५२४५	२६२०८	२ २८	२०६०५२	२ ५९
६ १४ र	५३२८	३५९०२	२९०००	६२४	३५३५०	९३८९	३५२४९	२६२०३	२ २८	२०७०४८	३ ५
७ १५ अं	५३२९	३५९०५	२९००४	६२४	३५२५३	९३८९	३५२५२	२६२०६	२ २८	२०८०४५	३ १०
८ १६ मं	५३३०	३५९०९	२९००७	६२४	३५२५७	९३८९	३५२५६	२६२०९	२ २८	२०९०४२	३ १६
९ १७ बु	५३३१	३५९१२	२९००१०	६२४	३५२६०	९३८९	३५२५९	२६२०३	२ २८	२१००३९	३ २२
१० १८ शु	५३३२	३५९१५	२९००१४	६२४	३५२६३	९३८९	३५२६३	२६२०६	२ २८	२११०३७	३ २७
११ १९ षु	५३३३	३५९१९	२९००१७	६२४	३५२६७	९३८९	३५२६६	२६२०९	२ २८	२१२०३३	३ ३३
१२ २० श	५३३४	३५९२२	२९००२०	६२४	३५२७०	९३८९	३५२७०	२६२०३	२ २८	२१३०३१	३ ३८
१३ २१ र	५३३५	३५९२५	२९००२३	६२४	३५२७३	९३८९	३५२७३	२६२०६	२ २८	२१४०२८	३ ४३
१४ २२ अं	५३३६	३५९२९	२९००२६	६२४	३५२७८	९३८९	३५२७७	२६२०९	२ २८	२१५०२४	३ ४६
१५ २३ मं	५३३७	३५९०२	२९००२९	६२४	३५२८१	९३८९	३५२८०	२६२०३	२ २८	२१६०२२	३ ५४
१६ २४ बु	५३३८	३५९०५	२९००३३	६२४	३५२८४	९३८९	३५२८४	२६२०६	२ २८	२१७०२०	३ ५९
१७ २५ शु	५३३९	३५९०९	२९००३६	६२४	३५२८८	९३८९	३५२८७	२६२०९	२ २८	२१८०१६	४ ३
१८ २६ षु	५३४०	३५९१२	२९००३९	६२४	३५२९१	९३८९	३५२९०	२६२०३	२ २८	२१९०१४	४ ८
१९ २७ श	५३४१	३५९१५	२९००४३	६२४	३५२९५	९३८९	३५२९३	२६२०६	२ २८	२२००११	४ १३
२० २८ र	५३४२	३५९१९	२९००४६	६२४	३५२९९	९३८९	३५२९७	२६२०९	२ २८	२२१००९	४ १८
२१ २९ अं	५३४३	३५९२२	२९००४९	६२४	३५३०२	९३८९	३५३०१	२६२०३	२ २८	२२२००६	४ २३

शनि

२०३

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ ई. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट मंद्	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	न सायनमं	विषुवांश	गति	विषुवांश	गति	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का ग्राम्योत्तर लम्पनकाल												
रा.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	घ.	प.	अ.	क.	अ.	क.	घ.	प.	दृ.	घं	मि					
२३	११	२०	२१	०	४	२	४२	०	१३	२०	१३	१९	४	२	१३	२	४७	०	१	४२	५	२	३	१७
२४	११	२०	१७		४	२	४२		१३	१६	१३	१९	४	२	१३	२	४७		४	१	५	५	२	१३
२५	११	२०	१३		४	२	४२		१३	१२	१३	१९	४	२	१३	२	४७		४	१	५	५	२	१३
२६	११	२०	९		४	२	४२		१३	८	११	१९	४	२	१३	२	४७		४	१	५	५	२	१३
२७	११	२०	५		४	२	४२		१३	४	१३	१९	४	२	१३	२	४७		४	१	५	५	२	१३
२८	११	२०	१		४	२	४२		१३	०	१२	१९	४	२	१३	२	४७		४	१	५	५	२	१३
२९	११	१९	५७		४	२	४२		१३	५६	१२	५५	४	२	९	२	४७		४	१	५	५	२	१३
३०	११	१९	५३		४	२	४२		१३	५२	१२	५१	४	२	९	२	४७		४	१	५	५	२	१३
३१	११	१९	४९		४	२	४१		१२	४८	१२	४७	४	२	८	२	४७		४	१	५	५	२	१३
१	११	१९	४५		४	२	४१		१२	४४	१२	४३	४	२	८	२	४७		४	१	५	५	२	१३
२	११	१९	४१		४	२	४१		१२	४०	१२	४०	४	२	७	२	४७		४	१	५	५	२	१३
३	११	१९	३७		४	२	४१		१२	३६	१२	३७	४	२	६	२	४७		४	१	५	५	२	१३
४	११	१९	३३		४	२	४१		१२	३२	१२	३३	४	२	६	२	४७		४	१	५	५	२	१३
५	११	१९	२९		४	२	४१		१२	२८	१२	३०	४	२	५	२	४७		४	१	५	५	२	१३
६	११	१९	२५		४	२	४१		१२	२४	१२	२७	४	२	५	२	४७		४	१	५	५	२	१३
७	११	१९	२१		४	२	४०		१२	२०	१२	२३	४	२	४	२	४७		४	१	५	५	२	१३
८	११	१९	१७		४	२	४०		१२	१६	१२	२१	४	२	४	२	४७		४	१	५	५	२	१३
९	११	१९	१३		४	२	४०		१२	१२	१२	१८	४	२	३	२	४७		४	१	५	५	२	१३
१०	११	१९	१०		४	२	४०		१२	९	१२	१५	४	२	३	२	४७		४	१	५	५	२	१३
११	११	१९	७		४	२	४०		१२	६	१२	१२	४	२	२	२	४७		४	१	५	५	२	१३
१२	११	१९	४		४	२	४०		१२	३	१२	९	४	२	२	२	४७		४	१	५	५	२	१३
१३	११	१९	१		४	२	४०		१२	०	१२	६	४	२	२	२	४७		४	१	५	५	२	१३
१४	११	१८	५८		४	२	३९		११	५७	१२	३	४	२	१	२	४७		४	१	५	५	२	१३
१५	११	१८	५५		४	२	३९		११	५४	१२	०	४	२	०	२	४७		४	१	५	५	२	१३
१६	११	१८	५२		४	२	३९		११	५१	११	५७	४	२	०	२	४७		४	१	५	५	२	१३
१७	११	१८	४९		४	२	३९		११	४८	११	५४	४	२	५	२	४७		४	१	५	५	२	१३
१८	११	१८	४६		४	२	३९		११	४४	११	५१	४	२	५	२	४७		४	१	५	५	२	१३
१९	११	१८	४३		४	२	३९		११	४०	११	४८	४	२	५	२	४७		४	१	५	५	२	१३
२०	११	१८	४०		४	२	३९		११	३९	११	४६	४	२	५	२	४७		४	१	५	५	२	१३
२१	११	१८	३७		४	२	३८		११	३६	११	४३	४	२	५	२	४७		४	१	५	५	२	१३

नवंबर-डिसेंबर १९३८ ई. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता. ति. वा.	प्रमाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्यष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोत	रवि म. शर	शीमकेंद्र	धीमफल
		अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क
२१ ३० चं	५३४३	३५९.२२	२९०.४९	—६.२०	३५३.०२	९.३८५	३५३.०१	२६२.८०	२ २८	२२२.०६	—४ २३
२२ १ मं	५३४४	३५९.२५	२९०.५३	६.२०	३५३.०५	९.३८४	३५३.०४	२६२.८४	२ २८	२२३.०४	४ २७
२३ १ बु	५३४५	३५९.२९	२९०.५६	६.२०	३५३.०९	९.३८४	३५३.०८	२६२.८७	२ २८	२२४.०१	४ ३२
२४ २ ग	५३४६	३५९.३२	२९०.५९	६.२०	३५३.१२	९.३८४	३५३.११	२६२.९१	२ २८	२२४.९९	४ ३६
२५ ३ शु	५३४७	३५९.३५	२९०.६३	६.२०	३५३.१५	९.३८३	३५३.१४	२६२.९७	२ २८	२२५.९७	४ ४०
२६ ४ सा	५३४८	३५९.३९	२९०.६६	६.२०	३५३.१९	९.३८३	३५३.१८	२६३.०१	२ २९	२२६.०५	४ ४४
२७ ५ र	५३४९	३५९.४२	२९०.६९	६.२०	३५३.२२	९.३८३	३५३.२१	२६३.०३	२ २९	२२७.०९	४ ४८
२८ ६ क	५३५०	३५९.४५	२९०.७३	६.२०	३५३.२५	९.३८२	३५३.२४	२६३.०७	२ २९	२२८.११	४ ५२
२९ ७ मं	५३५१	३५९.४८	२९०.७६	६.२०	३५३.२८	९.३८२	३५३.२७	२६३.१०	२ २९	२२९.१८	४ ५६
३० ८ पु	५३५२	३५९.५२	२९०.८०	६.१९	३५३.३२	९.३८१	३५३.३१	२६३.१५	२ २९	२३०.०६	४ ५९
१ ९ शु	५३५३	३५९.५५	२९०.८३	६.१९	३५३.३६	९.३८१	३५३.३५	२६३.१८	२ २९	२३१.०४	५ ३
२ १० ग	५३५४	३५९.५८	२९०.८६	६.१९	३५३.३९	९.३८०	३५३.३८	२६३.२१	२ २९	२३१.०८	५ ७
३ ११ सा	५३५५	३५९.६२	२९०.८९	६.१९	३५३.४३	९.३८०	३५३.४२	२६३.२५	२ २९	२३२.००	५ १०
४ १२ र	५३५६	३५९.६५	२९०.९३	६.१९	३५३.४६	९.३८०	३५३.४५	२६३.२८	२ २९	२३३.०८	५ १३
५ १३ चं	५३५७	३५९.६८	२९०.९६	६.१९	३५३.४९	९.३७९	३५३.४८	२६३.३१	२ २९	२३४.०७	५ १६
६ १४ मं	५३५८	३५९.७१	२९०.९९	६.१९	३५३.५२	९.३७९	३५३.५१	२६३.३४	२ २९	२३५.०४	५ २०
७ १५ बु	५३५९	३५९.७५	२९१.०३	६.१९	३५३.५६	९.३७९	३५३.५५	२६३.३८	२ २९	२३६.०२	५ २३
८ १ पु	५३६०	३५९.७८	२९१.०६	६.१९	३५३.५९	९.३८०	३५३.५९	२६३.४१	२ २९	२३६.७०	५ २५
९ २ शु	५३६१	३५९.८२	२९१.०९	६.१९	३५३.६३	९.३८०	३५३.६२	२६३.४५	२ २९	२३७.०८	५ २७
१० ३ सा	५३६२	३५९.८५	२९१.१३	६.१९	३५३.६६	९.३८०	३५३.६६	२६३.४८	२ २९	२३८.०६	५ ३१
११ ४ र	५३६३	३५९.८८	२९१.१६	६.१९	३५३.६९	९.३७९	३५३.६९	२६३.५१	२ २९	२३८.५५	५ ३३
१२ ५ चं	५३६४	३५९.९२	२९१.१९	६.१८	३५३.७३	९.३७९	३५३.७२	२६३.५६	२ २९	२३९.०३	५ ३६
१३ ६ मं	५३६५	३५९.९५	२९१.२३	६.१८	३५३.७७	९.३७९	३५३.७७	२६३.५९	२ २९	२३९.६१	५ ३८
१४ ७ पु	५३६६	३५९.९८	२९१.२६	६.१८	३५३.८०	९.३७८	३५३.८०	२६३.६२	२ २९	२४०.५९	५ ४१
१५ ८ शु	५३६७	००.०२	२९१.२९	६.१८	३५३.८४	९.३७८	३५३.८४	२६३.६६	२ २९	२४१.५७	५ ४२
१६ ९ सा	५३६८	००.०५	२९१.३२	६.१८	३५३.८७	९.३७८	३५३.८७	२६३.६९	२ २९	२४२.५६	५ ४४
१७ १० र	५३६९	००.०९	२९१.३६	६.१८	३५३.९१	९.३७७	३५३.९१	२६३.७३	२ २९	२४३.०५	५ ४६
१८ ११ चं	५३७०	००.१२	२९१.३९	६.१८	३५३.९४	९.३७७	३५३.९४	२६३.७६	२ २९	२४४.५२	५ ४८
१९ १२ मं	५३७१	००.१५	२९१.४२	६.१८	३५३.९७	९.३७७	३५३.९७	२६३.७९	२ २९	२४५.११	५ ४९
२० १३ बु	५३७२	००.१९	२९१.४६	६.१८	३५३.०१	९.३७७	३५३.०१	२६३.८३	२ २९	२४५.०९	५ ५१
२१ १४ शु	५३७३	००.२२	२९१.४९	—६.१७	३५३.०५	९.३७६	३५३.०५	२६३.८७	२ २९	२४६.०४	—५ ५२

शनि

२०५

नवंबर-दिसंबर सन १९३८ ई. मार्गशीर्ष शुद्ध और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	हि. यु. क.	विषुवांश	गति	विषुवांश	क्रांति	गति	इंदौर शहर का याम्योत्तर लघनकाल
रा	अं. क	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	अं. क	अं. क	अं. क	अं. क	घ. प. रट. घ. मि.
२१	११ १८ ३७	०	२	२ ३८	०	१ ११ ३७	११ ४४	२ १ ५७	२ १२०	१ ३७	३२१ १६
२२	११ १८ ३६		-२	३७	०	११ ३५	११ ४२	१ ५७	२ ११	१ ३६	५२१ १२
२३	११ १८ ३५		२	३७	०	११ ३३	११ ४०	१ ५७	२ १०	१ ३६	४२१ ८
२४	११ १८ ३४		२	३७	०	११ ३१	११ ३८	१ ५६	२ १०	१ ३६	३२१ ४
२५	११ १८ २९		२	३७	०	११ २९	११ ३६	१ ५६	२ १०	१ ३६	२२१ ०
२६	११ १८ २९		२	३७	०	११ २७	११ ३४	१ ५६	२ १०	१ ३६	१२१ ५६
२७	११ १८ २५		२	३७	०	११ २५	११ ३२	१ ५५	२ १०	१ ३६	०२१ ५२
२८	११ १८ २३		२	३७	०	११ २३	११ ३०	१ ५५	२ १०	१ ३६	५२१ ४८
२९	११ १८ २१		२	३७	०	११ २१	११ २८	१ ५५	२ १०	१ ३६	४२१ ४४
३०	११ १८ १९		२	३७	०	११ १९	११ २६	१ ५५	२ १०	१ ३६	३२१ ३९
३१	११ १८ १७		२	३७	०	११ १७	११ २४	१ ५५	२ १०	१ ३६	२२१ ३६
३२	११ १८ १६		२	३७	०	११ १६	११ २३	१ ५५	२ १०	१ ३६	१२१ ३२
३३	११ १८ १५		२	३७	०	११ १५	११ २२	१ ५५	२ १०	१ ३६	०२१ २८
३४	११ १८ १४		२	३७	०	११ १४	११ २१	१ ५५	२ १०	१ ३६	५२१ २४
३५	११ १८ १३		२	३७	०	११ १३	११ २०	१ ५५	२ १०	१ ३६	४२१ १९
३६	११ १८ १२		२	३७	०	११ १२	११ १९	१ ५५	२ १०	१ ३६	३२१ १५
३७	११ १८ ११		२	३७	०	११ ११	११ १८	१ ५५	२ १०	१ ३६	२२१ ११
३८	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १७	१ ५५	२ १०	१ ३६	१२१ ०८
३९	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १६	१ ५५	२ १०	१ ३६	०२१ ४
४०	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १५	१ ५५	२ १०	१ ३६	५२१ ०
४१	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १४	१ ५५	२ १०	१ ३६	४२१ ५५
४२	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १३	१ ५५	२ १०	१ ३६	३२१ ५१
४३	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १३	१ ५५	२ १०	१ ३६	२२१ ४७
४४	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १३	१ ५५	२ १०	१ ३६	१२१ ४३
४५	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १३	१ ५५	२ १०	१ ३६	०२१ ४०
४६	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १३	१ ५५	२ १०	१ ३६	५२१ ३६
४७	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १३	१ ५५	२ १०	१ ३६	४२१ ३२
४८	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १३	१ ५५	२ १०	१ ३६	३२१ २७
४९	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १३	१ ५५	२ १०	१ ३६	२२१ २३
५०	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १३	१ ५५	२ १०	१ ३६	१२१ २०
५१	११ १८ १०		२	३७	०	११ १०	११ १३	१ ५५	२ १०	१ ३६	०२१ १६

दिसंबर-जनवरी सन १९३८-३९ ई. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेष गणित।

ता. ति. वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. वार	शीर्षकेंद्र	शीर्षफल
		अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. अ.	अ. क.	अ. क.	अ. क.
२१. ३० बु.	५.३७.३	०.२२ २९१.४९	६.१७ ३५४.०५	९.३७६ ३५४.०५	२६४.०५	२६४.०५	२६४.०५	२२९.२५२.४७	५ ५२		
२२. १ शु.	५.३७.४	०.२५ २९१.५२	६.१७ ३५४.०८	९.३७६ ३५४.०८	२६४.०८	२६४.०८	२२९.२५२.४७	५ ५४			
२३. २ शु.	५.३७.५	०.२९ २९१.५६	६.१७ ३५४.१२	९.३७६ ३५४.१२	२६४.१२	२६४.१२	२२९.२५३.४३	५ ५५			
२४. ३ शु.	५.३७.६	०.३२ २९१.६०	६.१७ ३५४.१५	९.३७६ ३५४.१५	२६४.१५	२६४.१५	२२९.२५४.४९	५ ५६			
२५. ४ शु.	५.३७.७	०.३५ २९१.६३	६.१७ ३५४.१८	९.३७६ ३५४.१८	२६४.१८	२६४.१८	२२९.२५५.५१	५ ५७			
२६. ५ मं.	५.३७.८	०.३८ २९१.६६	६.१७ ३५४.२१	९.३७६ ३५४.२१	२६४.२१	२६४.२१	२२९.२५६.५०	५ ५८			
२७. ६ मं.	५.३७.९	०.४२ २९१.७०	६.१७ ३५४.२५	९.३७६ ३५४.२५	२६४.२५	२६४.२५	२२९.२५७.३८	५ ५९			
२८. ७ मं.	५.३८.०	०.४५ २९१.७३	६.१७ ३५४.२८	९.३७६ ३५४.२८	२६४.२८	२६४.२८	२२९.२५८.३७	५ ५९			
२९. ८ मं.	५.३८.१	०.४८ २९१.७६	६.१७ ३५४.३१	९.३७६ ३५४.३१	२६४.३१	२६४.३१	२२९.२५९.३६	६ ०			
३०. ९ मं.	५.३८.२	०.५२ २९१.८०	६.१७ ३५४.३६	९.३७६ ३५४.३६	२६४.३६	२६४.३६	२२९.२६०.३३	६ ०			
३१. १० मं.	५.३८.३	०.५५ २९१.८३	६.१७ ३५४.३९	९.३७६ ३५४.३९	२६४.३९	२६४.३९	२२९.२६१.३२	६ १			
३२. ११ मं.	५.३८.४	०.५८ २९१.८६	६.१७ ३५४.४२	९.३७६ ३५४.४२	२६४.४२	२६४.४२	२२९.२६२.३१	६ १			
३३. १२ मं.	५.३८.५	०.६२ २९१.९०	६.१७ ३५४.४६	९.३७६ ३५४.४६	२६४.४६	२६४.४६	२२९.२६३.३०	६ १			
३४. १३ मं.	५.३८.६	०.६५ २९१.९३	६.१७ ३५४.४९	९.३७६ ३५४.४९	२६४.४९	२६४.४९	२२९.२६४.२७	६ १			
३५. १४ मं.	५.३८.७	०.६९ २९१.९६	६.१७ ३५४.५३	९.३७६ ३५४.५३	२६४.५३	२६४.५३	२२९.२६५.२५	६ १			
३६. १५ मं.	५.३८.८	०.७२ २९१.९९	६.१७ ३५४.५६	९.३७६ ३५४.५६	२६४.५६	२६४.५६	२२९.२६६.२४	६ १			
३७. १६ मं.	५.३८.९	०.७६ २९२.०३	६.१७ ३५४.६०	९.३७६ ३५४.६०	२६४.६०	२६४.६०	२२९.२६७.२२	६ १			
३८. १७ मं.	५.३९.०	०.७९ २९२.०६	६.१७ ३५४.६३	९.३७६ ३५४.६३	२६४.६३	२६४.६३	२२९.२६८.२१	६ ०			
३९. १८ मं.	५.३९.१	०.८२ २९२.१०	६.१७ ३५४.६६	९.३७६ ३५४.६६	२६४.६६	२६४.६६	२२९.२६९.२०	६ ०			
४०. १९ मं.	५.३९.२	०.८६ २९२.१३	६.१७ ३५४.७०	९.३७६ ३५४.७०	२६४.७०	२६४.७०	२२९.२७०.१८	५ ५९			
४१. २० मं.	५.३९.३	०.८९ २९२.१७	६.१७ ३५४.७३	९.३७६ ३५४.७३	२६४.७३	२६४.७३	२२९.२७१.१७	५ ५९			
४२. २१ मं.	५.३९.४	०.९२ २९२.२०	६.१७ ३५४.७६	९.३७६ ३५४.७६	२६४.७६	२६४.७६	२२९.२७२.१६	५ ५८			
४३. २२ मं.	५.३९.५	०.९६ २९२.२३	६.१७ ३५४.८०	९.३७६ ३५४.८०	२६४.८०	२६४.८०	२२९.२७३.१५	५ ५७			
४४. २३ मं.	५.३९.६	१.०० २९२.२७	६.१७ ३५४.८३	९.३७६ ३५४.८३	२६४.८३	२६४.८३	२२९.२७४.१३	५ ५७			
४५. २४ मं.	५.३९.७	१.०३ २९२.३०	६.१७ ३५४.८६	९.३७६ ३५४.८६	२६४.८६	२६४.८६	२२९.२७५.१२	५ ५६			
४६. २५ मं.	५.३९.८	१.०७ २९२.३४	६.१७ ३५४.९०	९.३७६ ३५४.९०	२६४.९०	२६४.९०	२२९.२७६.१०	५ ५६			
४७. २६ मं.	५.३९.९	१.१० २९२.३७	६.१७ ३५४.९३	९.३७६ ३५४.९३	२६४.९३	२६४.९३	२२९.२७७.०७	५ ५६			
४८. २७ मं.	५.४०.०	१.१३ २९२.४१	६.१७ ३५४.९६	९.३७६ ३५४.९६	२६४.९६	२६४.९६	२२९.२७८.०६	५ ५५			
४९. २८ मं.	५.४०.१	१.१६ २९२.४४	६.१७ ३५४.९९	९.३७६ ३५४.९९	२६४.९९	२६४.९९	२२९.२७९.०५	५ ५०			
५०. २९ मं.	५.४०.२	१.१९ २९२.४७	६.१७ ३५४.०३	९.३७६ ३५४.०३	२६४.०३	२६४.०३	२२९.२८०.०३	५ ५९			
५१. ३० मं.	५.४०.३	१.२३ २९२.५१	६.१७ ३५४.०७	९.३७६ ३५४.०७	२६४.०७	२६४.०७	२२९.२८०.९९	५ ५७			

ज्ञानि

२०७

डिसेंबर-जनवरी सन १९२८-२९ इ. पौष शुद्ध और कृष्णपक्ष का ज्ञानि का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	र. ति	भूमध्य हरय शर	गति	व. मिनि सायन	विषुवांश	गति	विषुवांक	क्रांति	गति	दृश्योत्तर याम्योत्तर	सहर का लेखनकाल
रा.	अं. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प	अं. क.	अ. क.	घ. प	सं. घ. मि.
२१	११ १८ ११	१	२ ३०	०	११ ११	११ १६	१	५३	२ ८	०	३२ ३	१९ १६
२२	११ १८ १२	२	२ ३०	०	११ १२	११ १७	१	५३	२ ८	०	३१ ५४	१९ १८
२३	११ १८ १३	३	२ ३०	०	११ १३	११ १८	१	५३	२ ९	०	३१ ४४	१९ २०
२४	११ १८ १४	४	२ ३०	०	११ १४	११ १९	१	५३	२ ९	०	३१ ३४	१९ २४
२५	११ १८ १५	५	२ ३०	०	११ १५	११ २०	१	५३	२ १०	०	३१ २४	१९ २८
२६	११ १८ १६	६	२ २९	०	११ १६	११ २१	१	५४	२ १०	०	३१ १५	१९ ३२
२७	११ १८ १७	७	२ २९	०	११ १७	११ २२	१	५४	२ १२	०	३१ ६	१९ ३६
२८	११ १८ १८	८	२ २९	०	११ १८	११ २३	१	५४	२ १२	०	३० ५५	१९ ४०
२९	११ १८ १९	९	२ २८	०	११ १९	११ २४	१	५४	२ १३	०	३० ४६	१९ ४५
३०	११ १८ २०	१०	२ २८	०	११ २०	११ २५	१	५४	२ १४	०	३० ३६	१९ ४९
३१	११ १८ २१	११	२ २८	०	११ २१	११ २६	१	५४	२ १४	०	३० २६	१९ ५३
१	११ १८ २२	१२	२ २८	०	११ २२	११ २७	१	५५	२ १५	०	३० १७	१९ ५७
२	११ १८ २३	१३	२ २७	०	११ २३	११ २८	१	५५	२ १७	०	३० ७	१९ ६१
३	११ १८ २४	१४	२ २७	०	११ २४	११ २९	१	५५	२ १८	०	२९ ५७	१९ ६५
४	११ १८ २५	१५	२ २७	०	११ २५	११ ३०	१	५५	२ १८	०	२९ ४८	१९ ६९
५	११ १८ २६	१६	२ २६	०	११ २६	११ ३१	१	५५	२ १९	०	२९ ३९	१९ ७३
६	११ १८ २७	१७	२ २६	०	११ २७	११ ३२	१	५५	२ १९	०	२९ ३०	१९ ७७
७	११ १८ २८	१८	२ २६	०	११ २८	११ ३३	१	५५	२ २०	०	२९ २०	१९ ८१
८	११ १८ २९	१९	२ २६	०	११ २९	११ ३४	१	५५	२ २०	०	२९ १०	१९ ८५
९	११ १८ ३०	२०	२ २६	०	११ ३०	११ ३५	१	५५	२ २१	०	२९ ०	१९ ८९
१०	११ १८ ३१	२१	२ २६	०	११ ३१	११ ३६	१	५५	२ २१	०	२८ ५०	१९ ९३
११	११ १८ ३२	२२	२ २६	०	११ ३२	११ ३७	१	५५	२ २२	०	२८ ४०	१९ ९७
१२	११ १८ ३३	२३	२ २६	०	११ ३३	११ ३८	१	५५	२ २२	०	२८ ३०	१९ १०१
१३	११ १८ ३४	२४	२ २६	०	११ ३४	११ ३९	१	५५	२ २३	०	२८ २०	१९ १०५
१४	११ १८ ३५	२५	२ २६	०	११ ३५	११ ४०	१	५५	२ २३	०	२८ १०	१९ १०९
१५	११ १८ ३६	२६	२ २६	०	११ ३६	११ ४१	१	५५	२ २४	०	२८ ०	१९ ११३
१६	११ १८ ३७	२७	२ २६	०	११ ३७	११ ४२	१	५५	२ २४	०	२८ ५०	१९ ११७
१७	११ १८ ३८	२८	२ २६	०	११ ३८	११ ४३	१	५५	२ २५	०	२८ ४०	१९ १२१
१८	११ १८ ३९	२९	२ २६	०	११ ३९	११ ४४	१	५५	२ २५	०	२८ ३०	१९ १२५
१९	११ १८ ४०	३०	२ २६	०	११ ४०	११ ४५	१	५५	२ २६	०	२८ २०	१९ १२९
२०	११ १८ ४१	३१	२ २६	०	११ ४१	११ ४६	१	५५	२ २६	०	२८ १०	१९ १३३

जनवरी-फरवरी सन १९३९ ई.

माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित ।

ता. ति. वा.	प्रमाणकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोत्त	रवि म. शर	दीर्घकेंद्र	दीर्घफल
		अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२० ३० शु	५४०३	१.२३	२९२.४९	६.१४	३५५.०९	९.३६७	३५५.०९	२६४.९१	२.२९	२८०.९९	५.४७
२१ १ श	५४०४	१.२६	२९२.५३	६.१४	३५५.१२	९.३६६	३५५.१२	२६४.९४	२.२९	२८१.०८	५.४५
२२ २ र	५४०५	१.२९	२९२.५६	६.१४	३५५.१५	९.३६६	३५५.१५	२६४.९७	२.२९	२८१.१७	५.४३
२३ ३ च	५४०६	१.३३	२९२.५९	६.१४	३५५.१९	९.३६६	३५५.१९	२६५.०१	२.२९	२८१.२५	५.४१
२४ ४ म	५४०७	१.३६	२९२.६३	६.१४	३५५.२२	९.३६५	३५५.२२	२६५.०४	२.२९	२८१.३३	५.३९
२५ ५ पु	५४०८	१.३९	२९२.६६	६.१४	३५५.२६	९.३६५	३५५.२५	२६५.०७	२.२९	२८१.४२	५.३७
२६ ६ शु	५४०९	१.४३	२९२.६९	६.१४	३५५.३०	९.३६५	३५५.३०	२६५.१२	२.२९	२८१.५०	५.३५
२७ ७ ष	५४१०	१.४६	२९२.७३	६.१४	३५५.३३	९.३६५	३५५.३३	२६५.१५	२.२९	२८१.५७	५.३३
२८ ८ श	५४११	१.४९	२९२.७६	६.१४	३५५.३६	९.३६५	३५५.३६	२६५.१८	२.२९	२८१.६६	५.३१
२९ ९ र	५४१२	१.५३	२९२.७९	६.१४	३५५.४०	९.३६४	३५५.४०	२६५.२२	२.२९	२८१.७४	५.२९
३० १० च	५४१३	१.५६	२९२.८३	६.१४	३५५.४३	९.३६४	३५५.४३	२६५.२५	२.२९	२८१.८२	५.२७
३१ ११ म	५४१४	१.५९	२९२.८६	६.१४	३५५.४६	९.३६४	३५५.४६	२६५.२८	२.२९	२८१.९०	५.२५
१ १२ पु	५४१५	१.६३	२९२.९०	६.१४	३५५.५१	९.३६४	३५५.५१	२६५.३३	२.२९	२८२.०७	५.२३
२ १३ शु	५४१६	१.६६	२९२.९३	६.१४	३५५.५४	९.३६४	३५५.५४	२६५.३६	२.२९	२८२.१५	५.२१
३ १४ ष	५४१७	१.६९	२९२.९७	६.१४	३५५.५७	९.३६४	३५५.५७	२६५.३९	२.२९	२८२.२३	५.१९
४ १५ श	५४१८	१.७३	२९३.०१	६.१४	३५५.६१	९.३६४	३५५.६१	२६५.४३	२.२९	२८२.३१	५.१७
५ १६ र	५४१९	१.७६	२९३.०७	६.१४	३५५.६४	९.३६४	३५५.६४	२६५.४६	२.२९	२८२.३९	५.१५
६ १७ च	५४२०	१.७९	२९३.०४	६.१४	३५५.६७	९.३६४	३५५.६७	२६५.४९	२.२९	२८२.४७	५.१३
७ १८ म	५४२१	१.८३	२९३.०८	६.१४	३५५.७१	९.३६४	३५५.७१	२६५.५३	२.२९	२८२.५५	५.११
८ १९ पु	५४२२	१.८६	२९३.१४	६.१४	३५५.७४	९.३६४	३५५.७४	२६५.५६	२.२९	२८२.६३	५.०९
९ २० शु	५४२३	१.८९	२९३.१७	६.१४	३५५.७८	९.३६४	३५५.७८	२६५.६०	२.२९	२८२.७१	५.०७
१० २१ ष	५४२४	१.९३	२९३.२०	६.१४	३५५.८२	९.३६४	३५५.८२	२६५.६४	२.२९	२८२.७९	५.०५
११ २२ श	५४२५	१.९६	२९३.२४	६.१४	३५५.८५	९.३६४	३५५.८५	२६५.६७	२.२९	२८२.८७	५.०३
१२ २३ र	५४२६	१.९९	२९३.२७	६.१४	३५५.८८	९.३६४	३५५.८८	२६५.७०	२.२९	२८२.९५	५.०१
१३ २४ च	५४२७	२.०३	२९३.३०	६.१४	३५५.९२	९.३६४	३५५.९२	२६५.७४	२.२९	२८३.०३	५.००
१४ २५ म	५४२८	२.०६	२९३.३३	६.१४	३५५.९५	९.३६४	३५५.९५	२६५.७७	२.२९	२८३.११	५.००
१५ २६ पु	५४२९	२.१०	२९३.३६	६.१४	३५५.९९	९.३६४	३५५.९९	२६५.८१	२.२९	२८३.१९	५.००
१६ २७ शु	५४३०	२.१३	२९३.४०	६.१४	३५६.०३	९.३६४	३५६.०३	२६५.८५	२.२९	२८३.२७	५.००
१७ २८ ष	५४३१	२.१६	२९३.४३	६.१४	३५६.०६	९.३६४	३५६.०६	२६५.८८	२.२९	२८३.३५	५.००
१८ २९ श	५४३२	२.२०	२९३.४७	६.१४	३५६.१०	९.३६४	३५६.१०	२६५.९२	२.२९	२८३.४३	५.००
१९ ३० र	५४३३	२.२३	२९३.५०	६.१४	३५६.१३	९.३६४	३५६.१३	२६५.९५	२.२९	२८३.५१	५.००

शनि

२०९

जनवरी-फरवरी सन १९३९ ई.

माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनमान	विषुवांश	गति	विषुवांश	क्रांति	गति	हरेर शहर का याम्योत्तर लघनकाल
२०	११ १९ १९०	४	२३०	१२२	१९ १२ १९०	३	२ ३ ४१०	२२७	१८ १७	२२	
२१	११ १९ २३	-२	२२०	१२	१९ १२ २२	४	२ ४ ४३	२७	१७	१९	
२२	११ १९ २७	२	२२०	१२	१९ १२ २६	४	२ ४ ४२	२६	१६	१४	
२३	११ १९ ३१	४	२२०	१२	१९ १२ ३०	४	२ ४ ४१	२५	१५	१३	
२४	११ १९ ३५	४	२२०	१२	१९ १२ ३४	४	२ ४ ४०	२४	१४	७	
२५	११ १९ ३९	४	२२०	१२	१९ १२ ३८	४	२ ४ ४०	२४	१४	४	
२६	११ १९ ४४	४	२२०	१२	१९ १२ ४३	४	२ ४ ४०	२४	१४	०	
२७	११ १९ ४९	४	२२०	१२	१९ १२ ४७	४	२ ४ ४०	२४	१४	५७	
२८	११ १९ ५४	४	२२०	१२	१९ १२ ५२	४	२ ४ ४०	२४	१४	५२	
२९	११ १९ ५९	-२	२१	१२	१९ १२ ५५	५	२ ४ ४०	२५	१५	४९	
३०	११ २० ४	२	२०	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	४५	
३१	११ २० ९	४	२०	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	४१	
१	११ २० १४	४	२०	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	३८	
२	११ २० १९	४	२०	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	३५	
३	११ २० २४	४	१९	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	३१	
४	११ २० २९	४	१९	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	२७	
५	११ २० ३४	-२	१९	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	२४	
६	११ २० ३९	२	१९	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	२०	
७	११ २० ४४	४	१९	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	१६	
८	११ २० ४९	४	१९	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	१३	
९	११ २० ५४	४	१८	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	९	
१०	११ २० ५९	४	१८	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	५	
११	११ २१ ४	-२	१८	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	२	
१२	११ २१ ९	२	१८	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	५८	
१३	११ २१ १०	४	१७	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	५४	
१४	११ २१ १५	४	१७	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	५१	
१५	११ २१ २०	४	१७	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	४८	
१६	११ २१ २५	४	१७	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	४४	
१७	११ २१ ३०	४	१७	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	४१	
१८	११ २१ ३५	४	१७	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	३७	
१९	११ २१ ४०	४	१७	१२	१९ १२ ५३	५	२ ४ ४०	२५	१५	३३	

२१०

शनि

फरवरी-मार्च सन १९३९ ई.

फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदरपष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोत	रवि म. शर	शीप्रकेंद्र	शीप्रफल
			अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ.	अ. क.
१९	३० र	५४३३	२०२३	२९३५०	६०१०	३५६०१३	९३५७	३५६०१३	२६५०५	२०९३१०३७	४	१८
२०	१ व	५४३४	२०२६	२९३५३	६०१०	३५६०१६	९३५७	३५६०१६	२६५०९८	२०९३१०३७	४	१३
२१	२ म	५४३५	२०२९	२९३५६	६०१०	३५६०१९	९३५७	३५६०१९	२६५००२	२०९३१०३७	४	७
२२	३ बु	५४३६	२०३२	२९३५९	६०१०	३५६०२२	९३५७	३५६०२२	२६५००५	२०९३१०३७	४	५
२३	४ गु	५४३७	२०३५	२९३६३	६०१०	३५६०२६	९३५७	३५६०२६	२६५००८	२०९३१०३७	४	१
२४	५ शु	५४३८	२०३९	२९३६६	६०१०	३५६०२९	९३५७	३५६०२९	२६५०१२	२०९३१०३७	४	५६
२५	६ म	५४३९	२०४२	२९३६९	६०१०	३५६०३३	९३५७	३५६०३३	२६५०१५	२०९३१०३७	४	५२
२६	७ र	५४४०	२०४६	२९३७३	६०१०	३५६०३७	९३५७	३५६०३७	२६५०२१	२०९३१०३७	४	४८
२७	८ व	५४४१	२०५०	२९३७८	६०१०	३५६०४३	९३५७	३५६०४३	२६५०२५	२०९३१०३७	४	४४
२८	९ म	५४४२	२०५३	२९३८०	६०१०	३५६०४६	९३५७	३५६०४६	२६५०२८	२०९३१०३७	४	४०
२९	१० बु	५४४३	२०५७	२९३८३	६०१०	३५६०५०	९३५७	३५६०५०	२६५०३२	२०९३१०३७	४	३६
३०	११ गु	५४४४	२०६०	२९३८६	६०१०	३५६०५४	९३५७	३५६०५४	२६५०३५	२०९३१०३७	४	३०
३१	१२ शु	५४४५	२०६३	२९३९०	६०१०	३५६०५८	९३५७	३५६०५८	२६५०३९	२०९३१०३७	४	२५
३२	१३ म	५४४६	२०६६	२९३९३	६०१०	३५६०६२	९३५७	३५६०६२	२६५०४०	२०९३१०३७	४	२१
३३	१४ र	५४४७	२०६९	२९३९७	६०१०	३५६०६६	९३५७	३५६०६६	२६५०४३	२०९३१०३७	४	१६
३४	१५ व	५४४८	२०७३	२९४०१	६०१०	३५६०७०	९३५७	३५६०७०	२६५०४७	२०९३१०३७	४	११
३५	१६ म	५४४९	२०७६	२९४०४	६०१०	३५६०७४	९३५७	३५६०७४	२६५०५०	२०९३१०३७	४	७
३६	१७ बु	५४५०	२०७९	२९४०७	६०१०	३५६०७८	९३५७	३५६०७८	२६५०५३	२०९३१०३७	४	२
३७	१८ गु	५४५१	२०८३	२९४११	६०१०	३५६०८२	९३५७	३५६०८२	२६५०५७	२०९३१०३७	४	५७
३८	१९ शु	५४५२	२०८६	२९४१४	६०१०	३५६०८६	९३५७	३५६०८६	२६५०६०	२०९३१०३७	४	५२
३९	२० म	५४५३	२०८९	२९४१७	६०१०	३५६०९०	९३५७	३५६०९०	२६५०६४	२०९३१०३७	४	४८
४०	२१ र	५४५४	२०९३	२९४२१	६०१०	३५६०९४	९३५७	३५६०९४	२६५०६८	२०९३१०३७	४	४३
४१	२२ व	५४५५	२०९६	२९४२४	६०१०	३५६०९८	९३५७	३५६०९८	२६५०७१	२०९३१०३७	४	३९
४२	२३ म	५४५६	२०९९	२९४२७	६०१०	३५६१०२	९३५७	३५६१०२	२६५०७५	२०९३१०३७	४	३५
४३	२४ बु	५४५७	२१०२	२९४३०	६०१०	३५६१०६	९३५७	३५६१०६	२६५०७९	२०९३१०३७	४	३०
४४	२५ गु	५४५८	२१०५	२९४३३	६०१०	३५६११०	९३५७	३५६११०	२६५०८३	२०९३१०३७	४	२६
४५	२६ म	५४५९	२१०९	२९४३६	६०१०	३५६११४	९३५७	३५६११४	२६५०८७	२०९३१०३७	४	२१
४६	२७ र	५४६०	२११२	२९४४०	६०१०	३५६११८	९३५७	३५६११८	२६५०९१	२०९३१०३७	४	१७
४७	२८ व	५४६१	२११६	२९४४३	६०१०	३५६१२२	९३५७	३५६१२२	२६५०९५	२०९३१०३७	४	१३
४८	२९ म	५४६२	२११९	२९४४६	६०१०	३५६१२६	९३५७	३५६१२६	२६५०९९	२०९३१०३७	४	९
४९	३० बु	५४६३	२१२२	२९४५०	६०१०	३५६१३०	९३५७	३५६१३०	२६५१०३	२०९३१०३७	४	५७

फरवरी-मार्च सन १९३८ ई. काल्पुन शुद्ध और कृष्णपक्ष का शानिका वेष गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	भूमध्य सायन	विषुवांश	गति	विषुवांक	कान्ति	गति	इंदौर शहर का वाय्वोत्तर लक्षणकाल
१९	रा. व. क. अ. क.	०	अ. क. अ. क.	०	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.	अ. क. अ. क.
१९	११ २१ ४९	६	२ १७	०	१४ ४९ १४	३७	६ २ २६	३ ४५	०	२२ ४५ १५	३३
२०	११ २१ ५५	५	२ १७	०	१४ ५५ १४	४३	५ २ २७	३ ४७	०	२२ ४६ १५	२९
२१	११ २२ १	४	२ १६	०	१५ १ १४	४८	४ २ २८	३ ४९	०	२२ ४७ १५	२६
२२	११ २२ ७	३	२ १६	०	१५ ७ १४	५४	३ २ २९	३ ५०	०	२२ ४८ १५	२३
२३	११ २२ १३	२	२ १६	०	१५ १३ १५	५९	२ २ ३०	३ ५१	०	२२ ४९ १५	१९
२४	११ २२ १९	१	२ १६	०	१५ १९ १५	६५	१ २ ३१	३ ५२	०	२२ ५० १५	१५
२५	११ २२ २५	०	२ १६	०	१५ २५ १५	७०	० २ ३२	३ ५३	०	२२ ५१ १५	१२
२६	११ २२ ३१	०	२ १६	०	१५ ३१ १५	७६	० २ ३३	३ ५४	०	२२ ५२ १५	८
२७	११ २२ ३८	०	२ १५	०	१५ ३८ १५	८१	० २ ३४	३ ५५	०	२२ ५३ १५	५
२८	११ २२ ४५	०	२ १५	०	१५ ४५ १५	८६	० २ ३५	३ ५६	०	२२ ५४ १५	२
२९	११ २२ ५१	०	२ १५	०	१५ ५१ १५	९१	० २ ३६	३ ५७	०	२२ ५५ १५	०
३०	११ २३ ५	०	२ १५	०	१६ ५ १५	९६	० २ ३७	३ ५८	०	२२ ५६ १५	०
३१	११ २३ ११	०	२ १५	०	१६ ११ १५	१०१	० २ ३८	३ ५९	०	२२ ५७ १५	०
३२	११ २३ १८	०	२ १५	०	१६ १८ १५	१०६	० २ ३९	३ ६०	०	२२ ५८ १५	०
३३	११ २३ २५	०	२ १५	०	१६ २५ १५	१११	० २ ४०	३ ६१	०	२२ ५९ १५	०
३४	११ २३ ३१	०	२ १५	०	१६ ३१ १५	११६	० २ ४१	३ ६२	०	२२ ६० १५	०
३५	११ २३ ३८	०	२ १५	०	१६ ३८ १५	१२१	० २ ४२	३ ६३	०	२२ ६१ १५	०
३६	११ २३ ४५	०	२ १५	०	१६ ४५ १५	१२६	० २ ४३	३ ६४	०	२२ ६२ १५	०
३७	११ २३ ५१	०	२ १५	०	१६ ५१ १५	१३१	० २ ४४	३ ६५	०	२२ ६३ १५	०
३८	११ २३ ५८	०	२ १५	०	१६ ५८ १५	१३६	० २ ४५	३ ६६	०	२२ ६४ १५	०
३९	११ २४ ५	०	२ १५	०	१७ ५ १५	१४१	० २ ४६	३ ६७	०	२२ ६५ १५	०
४०	११ २४ ११	०	२ १५	०	१७ ११ १५	१४६	० २ ४७	३ ६८	०	२२ ६६ १५	०
४१	११ २४ १८	०	२ १५	०	१७ १८ १५	१५१	० २ ४८	३ ६९	०	२२ ६७ १५	०
४२	११ २४ २५	०	२ १५	०	१७ २५ १५	१५६	० २ ४९	३ ७०	०	२२ ६८ १५	०
४३	११ २४ ३१	०	२ १५	०	१७ ३१ १५	१६१	० २ ५०	३ ७१	०	२२ ६९ १५	०
४४	११ २४ ३८	०	२ १५	०	१७ ३८ १५	१६६	० २ ५१	३ ७२	०	२२ ७० १५	०
४५	११ २४ ४५	०	२ १५	०	१७ ४५ १५	१७१	० २ ५२	३ ७३	०	२२ ७१ १५	०
४६	११ २४ ५१	०	२ १५	०	१७ ५१ १५	१७६	० २ ५३	३ ७४	०	२२ ७२ १५	०
४७	११ २४ ५८	०	२ १५	०	१७ ५८ १५	१८१	० २ ५४	३ ७५	०	२२ ७३ १५	०
४८	११ २५ ५	०	२ १५	०	१८ ५ १५	१८६	० २ ५५	३ ७६	०	२२ ७४ १५	०
४९	११ २५ ११	०	२ १५	०	१८ ११ १५	१९१	० २ ५६	३ ७७	०	२२ ७५ १५	०
५०	११ २५ १८	०	२ १५	०	१८ १८ १५	१९६	० २ ५७	३ ७८	०	२२ ७६ १५	०
५१	११ २५ २५	०	२ १५	०	१८ २५ १५	२०१	० २ ५८	३ ७९	०	२२ ७७ १५	०

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंका दिनमान के घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल ।

अप्रैल १९३८

[illegible]

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंका दिनमान के घटि पल,
सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल ।

अप्रैल १९३८

[illegible]

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंका दिनमान के घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल ।

मई १९३८

ता.	महिसुर	म्हासुर	रंगून	हैदराबाद	मुंबई	नागपुर	एलिचपुर	बडोदा	कलकत्ता
दि. उ. अ. च. दि. उ. अ. दि. उ. अ. दि. उ. अ. च. दि. उ. अ. च. दि. उ. अ. च. दि. उ. अ. च. दि. उ. अ. च. दि. उ. अ. च.									
३१	६	५	४	३	२	१	०	९	८
१	७	६	५	४	३	२	१	०	९
२	८	७	६	५	४	३	२	१	०
३	९	८	७	६	५	४	३	२	१
४	१०	९	८	७	६	५	४	३	२
५	११	१०	९	८	७	६	५	४	३
६	१२	११	१०	९	८	७	६	५	४
७	१३	१२	११	१०	९	८	७	६	५
८	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६
९	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७
१०	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८
११	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९
१२	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०
१३	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११
१४	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२
१५	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३
१६	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४
१७	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५
१८	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६
१९	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७
२०	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८
२१	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९
२२	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१	२०
२३	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२	२१
२४	३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३	२२
२५	३१	३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४	२३
२६	३२	३१	३०	२९	२८	२७	२६	२५	२४
२७	३३	३२	३१	३०	२९	२८	२७	२६	२५
२८	३४	३३	३२	३१	३०	२९	२८	२७	२६
२९	३५	३४	३३	३२	३१	३०	२९	२८	२७
३०	३६	३५	३४	३३	३२	३१	३०	२९	२८
३१	३७	३६	३५	३४	३३	३२	३१	३०	२९
३२	३८	३७	३६	३५	३४	३३	३२	३१	३०
३३	३९	३८	३७	३६	३५	३४	३३	३२	३१
३४	४०	३९	३८	३७	३६	३५	३४	३३	३२
३५	४१	४०	३९	३८	३७	३६	३५	३४	३३
३६	४२	४१	४०	३९	३८	३७	३६	३५	३४
३७	४३	४२	४१	४०	३९	३८	३७	३६	३५
३८	४४	४३	४२	४१	४०	३९	३८	३७	३६
३९	४५	४४	४३	४२	४१	४०	३९	३८	३७
४०	४६	४५	४४	४३	४२	४१	४०	३९	३८
४१	४७	४६	४५	४४	४३	४२	४१	४०	३९

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंका दिनमान के घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनट और चर पल।

मई १९३८

ता.	उदयपुर	(काशी) बनारस	(मयाग) अलाहाबाद	गवालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहौर	(काश्मीर) श्रीनगर	
दि. उ. अ. दि. उ. अ. च. दि. उ. अ. दि. उ. अ. दि. उ. अ. दि. उ. अ. च. दि. उ. अ. च. दि. उ. अ. च. दि. उ. अ. च.										
३२	६	७	३२	५	६	३२	५	६	३२	५
३३	०	२	३३	२	३	३३	२	३	३३	२
३४	०	३	३४	०	४	३४	०	४	३४	०
३५	०	४	३५	०	५	३५	०	५	३५	०
३६	०	५	३६	०	६	३६	०	६	३६	०
३७	०	६	३७	०	७	३७	०	७	३७	०
३८	०	७	३८	०	८	३८	०	८	३८	०
३९	०	८	३९	०	९	३९	०	९	३९	०
४०	०	९	४०	०	१०	४०	०	१०	४०	०
४१	०	१०	४१	०	११	४१	०	११	४१	०
४२	०	११	४२	०	१२	४२	०	१२	४२	०
४३	०	१२	४३	०	१३	४३	०	१३	४३	०
४४	०	१३	४४	०	१४	४४	०	१४	४४	०
४५	०	१४	४५	०	१५	४५	०	१५	४५	०
४६	०	१५	४६	०	१६	४६	०	१६	४६	०
४७	०	१६	४७	०	१७	४७	०	१७	४७	०
४८	०	१७	४८	०	१८	४८	०	१८	४८	०
४९	०	१८	४९	०	१९	४९	०	१९	४९	०
५०	०	१९	५०	०	२०	५०	०	२०	५०	०
५१	०	२०	५१	०	२१	५१	०	२१	५१	०
५२	०	२१	५२	०	२२	५२	०	२२	५२	०
५३	०	२२	५३	०	२३	५३	०	२३	५३	०
५४	०	२३	५४	०	२४	५४	०	२४	५४	०
५५	०	२४	५५	०	२५	५५	०	२५	५५	०
५६	०	२५	५६	०	२६	५६	०	२६	५६	०
५७	०	२६	५७	०	२७	५७	०	२७	५७	०
५८	०	२७	५८	०	२८	५८	०	२८	५८	०
५९	०	२८	५९	०	२९	५९	०	२९	५९	०
६०	०	२९	६०	०	३०	६०	०	३०	६०	०
६१	०	३०	६१	०	३१	६१	०	३१	६१	०
६२	०	३१	६२	०	३२	६२	०	३२	६२	०
६३	०	३२	६३	०	३३	६३	०	३३	६३	०
६४	०	३३	६४	०	३४	६४	०	३४	६४	०
६५	०	३४	६५	०	३५	६५	०	३५	६५	०
६६	०	३५	६६	०	३६	६६	०	३६	६६	०
६७	०	३६	६७	०	३७	६७	०	३७	६७	०
६८	०	३७	६८	०	३८	६८	०	३८	६८	०
६९	०	३८	६९	०	३९	६९	०	३९	६९	०
७०	०	३९	७०	०	४०	७०	०	४०	७०	०
७१	०	४०	७१	०	४१	७१	०	४१	७१	०
७२	०	४१	७२	०	४२	७२	०	४२	७२	०
७३	०	४२	७३	०	४३	७३	०	४३	७३	०
७४	०	४३	७४	०	४४	७४	०	४४	७४	०
७५	०	४४	७५	०	४५	७५	०	४५	७५	०
७६	०	४५	७६	०	४६	७६	०	४६	७६	०
७७	०	४६	७७	०	४७	७७	०	४७	७७	०
७८	०	४७	७८	०	४८	७८	०	४८	७८	०
७९	०	४८	७९	०	४९	७९	०	४९	७९	०
८०	०	४९	८०	०	५०	८०	०	५०	८०	०
८१	०	५०	८१	०	५१	८१	०	५१	८१	०
८२	०	५१	८२	०	५२	८२	०	५२	८२	०
८३	०	५२	८३	०	५३	८३	०	५३	८३	०
८४	०	५३	८४	०	५४	८४	०	५४	८४	०
८५	०	५४	८५	०	५५	८५	०	५५	८५	०
८६	०	५५	८६	०	५६	८६	०	५६	८६	०
८७	०	५६	८७	०	५७	८७	०	५७	८७	०
८८	०	५७	८८	०	५८	८८	०	५८	८८	०
८९	०	५८	८९	०	५९	८९	०	५९	८९	०
९०	०	५९	९०	०	६०	९०	०	६०	९०	०
९१	०	६०	९१	०	६१	९१	०	६१	९१	०
९२	०	६१	९२	०	६२	९२	०	६२	९२	०
९३	०	६२	९३	०	६३	९३	०	६३	९३	०
९४	०	६३	९४	०	६४	९४	०	६४	९४	०
९५	०	६४	९५	०	६५	९५	०	६५	९५	०
९६	०	६५	९६	०	६६	९६	०	६६	९६	०
९७	०	६६	९७	०	६७	९७	०	६७	९७	०
९८	०	६७	९८	०	६८	९८	०	६८	९८	०
९९	०	६८	९९	०	६९	९९	०	६९	९९	०
१००	०	६९	१००	०	७०	१००	०	७०	१००	०

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंका दिनमान के घटि पल,
सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल ।

जून १९३८

[illegible]

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,
सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल ।

जुलई १९३८

[illegible]

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,
सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

जुलै १९३८

[illegible]

भारत वर्षके प्रासिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,
सर्वाधिक सर्वास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनट और चर पल।

अगस्त १९३८

ता.	उदयपुर	(काशी) बनारस	(पयाग) अलाहाबाद	गवालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहोर	(काश्मीर) श्रीनगर
	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.
३३	६ ७ ३३	५ ६ ३३	३ ५ ३३	५ ६ ३३	५ ६ ३३	५ ७ ३३	५ ७ ३३	५ ७ ३३	५ ७ ३३
१	२ ५ १८	७ २७ ४२	१० ३० ४७	१८ ४४	२० ३४ ५५	२४ ५२ १४ ३७	४२ ४३ १२ ४६	९ ४६ २४ ५९	२७ ४२ ३० ९
२	० ५ १८	४ २८ ४१	७ ३१ ४७	१६ ४४	१७ ३५ ५४	२१ ५३ १३ ३६	३९ ४४ ११ ४५	६ ४७ २३ ५८	२३ ४४ २९ ७
३	३ ५ १९	२ २८ ४०	५ ३१ ४६	१४ ४५	१५ ३५ ५४	१८ ५३ १३ ३५	३६ ४४ ११ ४३	२ ४८ २३ ५६	२० ४४ २८ ५
४	५ ६ १९	१ २९ ४०	२ ३२ ४५	१० ४६	१२ ३६ ५३	१६ ५४ १२ ३३	३३ ४५ १० ४२	० ४८ २२ ५५	१६ ४५ २८ ३
५	५ ६ २०	१ २९ ४०	२ ३२ ४५	६ ४६	० ९ ३७ ५३	११ ५४ १२ ३३	२९ ४६ ९ ४०	१ ५९ २४ ५२	१२ ४६ २६ १
६	५ ६ २०	७ ३० ४१	२ ३३ ४५	४ ४६	० ६ ३७ ५३	१३ ५५ १३ ३०	२७ ४६ ८ ३९	१२ ४९ २० ५१	८ ४६ २६ १
७	७ ४ २१	५ ३० ४०	५ २३ ४३	० ४ ४६	३ ३७ ५३	७ ५५ १० २९	२३ ४६ ७ ३८	४८ ५० २० ४९	४ ४७ २५ ५७
८	४ ४६	८ २४ ४८	३ ३७ ४९	३ ३७ ४८	० ३८ ५०	४ ५६ ९ २७	१९ ४७ ७ ३६	४३ ५० १९ ४७	० ४८ २४ ५५
९	४ ४८	८ २३ ४५	३ ३७ ४८	७ ४७ ४४	५ ४४ ५८	५ ३७ ४५	९ २६ १७ ४८	७ ३६ ४० १९ १९ ४५	५ ५१ २४ ५३
१०	४ ४८	८ २२ ४२	३ ३६ ४७	८ ४७ ४५	५ ४४ ५९	६ ३७ ४५	८ २६ १७ ४८	५ ३६ ४० १९ १७ ४३	५ ५१ २४ ५१
११	३ ३६	९ १२ ३९	३ ३५ ४५	४ ४७ ४५	५ ४० ४८	५ ४५ ७ ७ २९	९ ४९ ४ २९	३ ५२ १७ ४७	४७ ५० २४ ४९
१२	३ ३६	९ ११ ३६	३ ३४ ४४	३ ३६ ४३	४ ४५ ४९	४८ ४० ४७	५ २५ ७ ७ २९	७ ४९ ४ २८	३ ५२ १६ ४७
१३	३ ३६	९ १० ३३	३ ३३ ४३	३ ३५ ४३	४ ४५ ४०	४५ ४० ४७	४ ५९ ३ ५०	३ ५२ २५ ५३	३ ५३ ७ २८ ४५
१४	२ ३८	९ १० ३०	३ ३३ ४३	३ ३५ ४३	४ ४५ ४०	४५ ४० ४७	४ ५९ ३ ५०	३ ५२ २५ ५३	३ ५३ ७ २८ ४५
१५	२ ४१	८ १० ३३	३ ३३ ४३	३ ३५ ४३	४ ४५ ४०	४५ ४० ४७	४ ५९ ३ ५०	३ ५२ २५ ५३	३ ५३ ७ २८ ४५
१६	२ ४१	८ १० ३३	३ ३३ ४३	३ ३५ ४३	४ ४५ ४०	४५ ४० ४७	४ ५९ ३ ५०	३ ५२ २५ ५३	३ ५३ ७ २८ ४५
१७	२ ४१	८ १० ३३	३ ३३ ४३	३ ३५ ४३	४ ४५ ४०	४५ ४० ४७	४ ५९ ३ ५०	३ ५२ २५ ५३	३ ५३ ७ २८ ४५
१८	२ ४१	८ १० ३३	३ ३३ ४३	३ ३५ ४३	४ ४५ ४०	४५ ४० ४७	४ ५९ ३ ५०	३ ५२ २५ ५३	३ ५३ ७ २८ ४५
१९	२ ४१	८ १० ३३	३ ३३ ४३	३ ३५ ४३	४ ४५ ४०	४५ ४० ४७	४ ५९ ३ ५०	३ ५२ २५ ५३	३ ५३ ७ २८ ४५
२०	१ ४३	८ १० ३३	३ ३३ ४३	३ ३५ ४३	४ ४५ ४०	४५ ४० ४७	४ ५९ ३ ५०	३ ५२ २५ ५३	३ ५३ ७ २८ ४५
२१	१ ४३	८ १० ३३	३ ३३ ४३	३ ३५ ४३	४ ४५ ४०	४५ ४० ४७	४ ५९ ३ ५०	३ ५२ २५ ५३	३ ५३ ७ २८ ४५
२२	१ ४३	८ १० ३३	३ ३३ ४३	३ ३५ ४३	४ ४५ ४०	४५ ४० ४७	४ ५९ ३ ५०	३ ५२ २५ ५३	३ ५३ ७ २८ ४५
२३	० ४५	२ २ ३७ ४५	३ ४३ ४०	८ ५५ ४७	११ ४५ ३७	१४ ३५ ७ २५ ५५ ५६	८ ४३ ५९ ५ ६ ५९	५ ६ ५९ ५ ६ ५९	८ २१
२४	० ४५	२ २ ३७ ४५	३ ४३ ४०	८ ५५ ४७	११ ४५ ३७	१४ ३५ ७ २५ ५५ ५६	८ ४३ ५९ ५ ६ ५९	५ ६ ५९ ५ ६ ५९	८ २१
२५	० ४५	२ २ ३७ ४५	३ ४३ ४०	८ ५५ ४७	११ ४५ ३७	१४ ३५ ७ २५ ५५ ५६	८ ४३ ५९ ५ ६ ५९	५ ६ ५९ ५ ६ ५९	८ २१
२६	० ४५	२ २ ३७ ४५	३ ४३ ४०	८ ५५ ४७	११ ४५ ३७	१४ ३५ ७ २५ ५५ ५६	८ ४३ ५९ ५ ६ ५९	५ ६ ५९ ५ ६ ५९	८ २१
२७	० ४५	२ २ ३७ ४५	३ ४३ ४०	८ ५५ ४७	११ ४५ ३७	१४ ३५ ७ २५ ५५ ५६	८ ४३ ५९ ५ ६ ५९	५ ६ ५९ ५ ६ ५९	८ २१
२८	० ४५	२ २ ३७ ४५	३ ४३ ४०	८ ५५ ४७	११ ४५ ३७	१४ ३५ ७ २५ ५५ ५६	८ ४३ ५९ ५ ६ ५९	५ ६ ५९ ५ ६ ५९	८ २१
२९	० ४५	२ २ ३७ ४५	३ ४३ ४०	८ ५५ ४७	११ ४५ ३७	१४ ३५ ७ २५ ५५ ५६	८ ४३ ५९ ५ ६ ५९	५ ६ ५९ ५ ६ ५९	८ २१
३०	० ४५	२ २ ३७ ४५	३ ४३ ४०	८ ५५ ४७	११ ४५ ३७	१४ ३५ ७ २५ ५५ ५६	८ ४३ ५९ ५ ६ ५९	५ ६ ५९ ५ ६ ५९	८ २१
३१	० ४५	२ २ ३७ ४५	३ ४३ ४०	८ ५५ ४७	११ ४५ ३७	१४ ३५ ७ २५ ५५ ५६	८ ४३ ५९ ५ ६ ५९	५ ६ ५९ ५ ६ ५९	८ २१

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल ।

डिसेंबर १९३८

[illegible]

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल ।

फरवरी १९३९

[illegible]

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

फरवरी १९३९

[illegible]

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल ।

मार्च १९३९

[illegible]

अक्षांश ११ की लमसारणी

२३७

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लक्ष्य सहजता से निकालते आये इस सुभांति के लिये नाँचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लक्ष्य सारणी । इसका उपयोग:—

१ तंजावर, २ विचनापल्ली, ३ कुंभकोण, ४ कुन्नूर, ५ पाँदिचरी, ६ चामराजनगर, ७ सालेम, ८ श्रीरंगमु, ९ मानारगुर्डी, १० पदुकोट, ११ मडुग, १२ वेळुगु, १३ साकेरीदुर्ग, १४ रामकलदुर्ग, १५ कांची, १६ कोडमूर, १७ पालघाट, १८ उटकमंड १९ शिवराई होंगरी, २० नागूर, २१ नागापट्टण, २२ कावेरीपुर, २३ कालिकट, २४ छोटा अंदमान इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लक्ष्य साधन में करें ।

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मघ	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
१ घुषम	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
२ मिथुन	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
३ कर्क	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७
४ सिंह	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२
५ कन्या	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७
६ तुल	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२
७ वृश्चिक	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७
८ धन	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२
९ मकर	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७
१० कुंभ	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२
११ मीन	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७

अक्षांश १५ की लम्बसारणी

۴۴۴

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निजके रहते प्राग का सूक्ष्म लक्षण सहजतासे निकालते आये इस सुभाते के लिये नीचे लिखे प्राग के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लक्षण सारणी । इसका उपयोग—:

१ गोवे, २ मालवण, ३ वेगुलें, ४ पणजी, ५ मुरमुगांव, ६ लोंडा, ७ धारवाड, ८ थेळगांव, ९ विजयानगर,
१० बेल्हारी, ११ सध्वनी, १२ ताडपत्री, १३ कोंडापुर, १४ रायदुर्ग, १५ ओरियापुरम्, १६ कोडनगर,
१७ हरिहर, १८ सामूर, १९ गोकाक, २० वाटछापुर, २१ आचरें, २२ विनागुंटा, २३ हुबळी, २४ रामदुर्ग
२५ कमदम, २६ अनंतपुरम् इत्यादि नगरनिवासी अपने रथानिक लग्न साधन में करें।

[illegible]

अक्षांश १० की लम्बसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लम्ब सहजता से निकालते आये इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लम्ब सारणी । इसका उपयोग: —

१ गालघर, २ जवहार, ३ दमण, ४ धरमपुर, ५ सुरगाम्नी, ६ मालेगांव, (खानदेश) ७ वालीसगांव, ८ मादगांव, ९ पाचोरा, १० मनमाड, ११ नांदीर, १२ ग्वांकेश्वर, १३ देवळाडी, १४ वेल्पुर, १५ वेवले, १६ बीलगावाड, १७ औंधगावाड, १८ वेरुळ, १९ जालना, २० लोणार, २१ वाशिम, २२ मेहकर, २३ बुलढाणा, २४ आकोला, २५ कारंजा, २६ यवतमाळ, २७ पुसद, २८ माहूर, २९ वरंरा, ३० हिंगणघाट, ३१ चांदो, ३२ रायगड, ३३ जगन्नाथपुरी, इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लम्बसाधनमें करें ।

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	०	८	१६	२४	३२	४०	४९	५७	६५	७३	८१	८९	९७	१०५	११३	१२१	१२९	१३७	१४५	१५३	१६१	१६९	१७७	१८५	१९३	२०१	२०९	२१७	२२५	२३३
१ वृषभ	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	६१	६७	७३	७९	८५	९१	९७	१०३	१०९	११५	१२१	१२७	१३३	१३९	१४५	१५१	१५७	१६३	१६९	१७५
२ मिथुन	२	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६०	६६	७२	७८	८४	९०	९६	१०२	१०८	११४	१२०	१२६	१३२	१३८	१४४	१५०	१५६	१६२	१६८	१७४
३ कर्क	३	५	११	१७	२३	२९	३५	४१	४७	५३	५९	६५	७१	७७	८३	८९	९५	१०१	१०७	११३	११९	१२५	१३१	१३७	१४३	१४९	१५५	१६१	१६७	१७३
४ सिंह	४	४	१०	१६	२२	२८	३४	४०	४६	५२	५८	६४	७०	७६	८२	८८	९४	१००	१०६	११२	११८	१२४	१३०	१३६	१४२	१४८	१५४	१६०	१६६	१७२
५ कन्या	५	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	६३	६९	७५	८१	८७	९३	९९	१०५	१११	११७	१२३	१२९	१३५	१४१	१४७	१५३	१५९	१६५	१७१
६ तुल	६	२	८	१४	२०	२६	३२	३८	४४	५०	५६	६२	६८	७४	८०	८६	९२	९८	१०४	११०	११६	१२२	१२८	१३४	१४०	१४६	१५२	१५८	१६४	१७०
७ वृश्चिक	७	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	६१	६७	७३	७९	८५	९१	९७	१०३	१०९	११५	१२१	१२७	१३३	१३९	१४५	१५१	१५७	१६३	१६९
८ धन	८	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६०	६६	७२	७८	८४	९०	९६	१०२	१०८	११४	१२०	१२६	१३२	१३८	१४४	१५०	१५६	१६२	१६८
९ मकर	९	०	५	११	१७	२३	२९	३५	४१	४७	५३	५९	६५	७१	७७	८३	८९	९५	१०१	१०७	११३	११९	१२५	१३१	१३७	१४३	१४९	१५५	१६१	१६७
१० कुंभ	१०	०	४	१०	१६	२२	२८	३४	४०	४६	५२	५८	६४	७०	७६	८२	८८	९४	१००	१०६	११२	११८	१२४	१३०	१३६	१४२	१४८	१५४	१६०	१६६
११ मीन	११	०	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	६३	६९	७५	८१	८७	९३	९९	१०५	१११	११७	१२३	१२९	१३५	१४१	१४७	१५३	१५९	१६५

अक्षांश ११ की लगनसारणी

२४३

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लक्षण सहजता से निकालते आये इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के चपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लगन सारणी । इसका उपयोग:—

१ सूर्य, २ भदोंच, ३ गिरनार, ४ शुक्रतीर्थ, ५ रतनपुर, ६ धुळे, ७ अमळनेर, ८ जळगांव, ९ भुलावळ, १० धिरवा, ११ आशिरगढ, १२ शेगांव, १३ खामगांव, १४ उमरावती, १५ अंजनगांव, १६ एलिचपुर, १७ वर्धा, १८ नागपुर, १९ कामठी, २० छिंदवाडा, २१ मंडारा, २२ नांदगांव, २३ रायपुर, २४ खंबलपुर, २५ ओरिसा, २६ बेतूल, २७ खंडवा, २८ बन्हाणपुर, २९ विखलदरा, ३० मेदुरवार, ३१ बालाघाट, ३२ जुनागढ, ३३ जाफराबाद, ३४ तालुंध ३५ क्यापतुंग (ब्रह्मदेश) इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लगन साधन में करें।

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	५८	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९
१ वृषभ	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९
२ मिथुन	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००	१०१	१०२	१०३	१०४	१०५	१०६	१०७	१०८	१०९	११०	१११	११२	११३	११४	११५	११६	११७	११८	११९	१२०	१२१
३ कर्क	१२३	१२४	१२५	१२६	१२७	१२८	१२९	१३०	१३१	१३२	१३३	१३४	१३५	१३६	१३७	१३८	१३९	१४०	१४१	१४२	१४३	१४४	१४५	१४६	१४७	१४८	१४९	१५०	१५१	१५२
४ सिंह	१५३	१५४	१५५	१५६	१५७	१५८	१५९	१६०	१६१	१६२	१६३	१६४	१६५	१६६	१६७	१६८	१६९	१७०	१७१	१७२	१७३	१७४	१७५	१७६	१७७	१७८	१७९	१८०	१८१	१८२
५ कन्या	१८३	१८४	१८५	१८६	१८७	१८८	१८९	१९०	१९१	१९२	१९३	१९४	१९५	१९६	१९७	१९८	१९९	२००	२०१	२०२	२०३	२०४	२०५	२०६	२०७	२०८	२०९	२१०	२११	२१२
६ तुल	२१३	२१४	२१५	२१६	२१७	२१८	२१९	२२०	२२१	२२२	२२३	२२४	२२५	२२६	२२७	२२८	२२९	२३०	२३१	२३२	२३३	२३४	२३५	२३६	२३७	२३८	२३९	२४०	२४१	२४२
७ वृश्चिक	२४३	२४४	२४५	२४६	२४७	२४८	२४९	२५०	२५१	२५२	२५३	२५४	२५५	२५६	२५७	२५८	२५९	२६०	२६१	२६२	२६३	२६४	२६५	२६६	२६७	२६८	२६९	२७०	२७१	२७२
८ धन	२७३	२७४	२७५	२७६	२७७	२७८	२७९	२८०	२८१	२८२	२८३	२८४	२८५	२८६	२८७	२८८	२८९	२९०	२९१	२९२	२९३	२९४	२९५	२९६	२९७	२९८	२९९	३००	३०१	३०२
९ मकर	३०३	३०४	३०५	३०६	३०७	३०८	३०९	३१०	३११	३१२	३१३	३१४	३१५	३१६	३१७	३१८	३१९	३२०	३२१	३२२	३२३	३२४	३२५	३२६	३२७	३२८	३२९	३३०	३३१	३३२
१० कुंभ	३४३	३४४	३४५	३४६	३४७	३४८	३४९	३५०	३५१	३५२	३५३	३५४	३५५	३५६	३५७	३५८	३५९	३६०	३६१	३६२	३६३	३६४	३६५	३६६	३६७	३६८	३६९	३७०	३७१	३७२
११ मीन	३८३	३८४	३८५	३८६	३८७	३८८	३८९	३९०	३९१	३९२	३९३	३९४	३९५	३९६	३९७	३९८	३९९	४००	४०१	४०२	४०३	४०४	४०५	४०६	४०७	४०८	४०९	४१०	४११	४१२

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मय	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१ ज्येष्ठ	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३
२ मिथुन	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५
३ कर्क	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७
४ सिंह	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९
५ कन्या	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१
६ तुल	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३
७ वृश्चिक	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५
८ धन	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७
९ मकर	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९
१० कुंभ	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१
११ मीन	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३

अक्षांश २६ की लगभगसारी

२४७

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सुख लग्न सहलता से निकालते आवें इस सुभति के लिये नाँचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी । इसका उपयोग:—

१ जयपुर, २ जसलमेर, ३ राणीपुर, ४ नागौर ५ मुंबवा (गारावाड) ६ जोधपुर, ७ सांवर, ८ अजमेर, ९ नथीराबाद, १० किसानगड, ११ बांदकुई, १२ भातपुर, १३ धोलपुर, १४ मयुरा, १५ आगा, १६ महाराजपुर, १७ ग्वालियर, १८ इटावा १९ कनोज, २० फतेहगढ़, २१ हरदोई, २२ लखनौ, २३ उन्नाव, २४ रायबरेली, २५ बागबंकी, २६ फैजाबाद, २७ सुलतानपुर, २८ अयोध्या २९ मोरलपुर, ३० कानपुर, ३१ जनकपुर, ३२ दरभंगा, ३३ दार्जिलिंग, ३४ कुचबिहार, ३५ गोहाटी, ३६ तेजपुर, ३७ डबरगढ़, ३८ मेनपुर, (यु पी.) ३९ नोगांव हत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लग्न साधन में करें !

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेघ	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१
१ वृषभ	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१
२ मिथुन	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००	१०१	१०२	१०३	१०४	१०५	१०६	१०७	१०८	१०९	११०	१११
३ कर्क	१२२	१२३	१२४	१२५	१२६	१२७	१२८	१२९	१३०	१३१	१३२	१३३	१३४	१३५	१३६	१३७	१३८	१३९	१४०	१४१	१४२	१४३	१४४	१४५	१४६	१४७	१४८	१४९	१५०	१५१
४ सिंह	१६२	१६३	१६४	१६५	१६६	१६७	१६८	१६९	१७०	१७१	१७२	१७३	१७४	१७५	१७६	१७७	१७८	१७९	१८०	१८१	१८२	१८३	१८४	१८५	१८६	१८७	१८८	१८९	१९०	१९१
५ कन्या	२०२	२०३	२०४	२०५	२०६	२०७	२०८	२०९	२१०	२११	२१२	२१३	२१४	२१५	२१६	२१७	२१८	२१९	२२०	२२१	२२२	२२३	२२४	२२५	२२६	२२७	२२८	२२९	२३०	२३१
६ तुल	२४२	२४३	२४४	२४५	२४६	२४७	२४८	२४९	२५०	२५१	२५२	२५३	२५४	२५५	२५६	२५७	२५८	२५९	२६०	२६१	२६२	२६३	२६४	२६५	२६६	२६७	२६८	२६९	२७०	२७१
७ वृश्चिक	३०२	३०३	३०४	३०५	३०६	३०७	३०८	३०९	३१०	३११	३१२	३१३	३१४	३१५	३१६	३१७	३१८	३१९	३२०	३२१	३२२	३२३	३२४	३२५	३२६	३२७	३२८	३२९	३३०	३३१
८ धन	३६२	३६३	३६४	३६५	३६६	३६७	३६८	३६९	३७०	३७१	३७२	३७३	३७४	३७५	३७६	३७७	३७८	३७९	३८०	३८१	३८२	३८३	३८४	३८५	३८६	३८७	३८८	३८९	३९०	३९१
९ मकर	४२२	४२३	४२४	४२५	४२६	४२७	४२८	४२९	४३०	४३१	४३२	४३३	४३४	४३५	४३६	४३७	४३८	४३९	४४०	४४१	४४२	४४३	४४४	४४५	४४६	४४७	४४८	४४९	४५०	४५१
१० कुंभ	४८२	४८३	४८४	४८५	४८६	४८७	४८८	४८९	४९०	४९१	४९२	४९३	४९४	४९५	४९६	४९७	४९८	४९९	५००	५०१	५०२	५०३	५०४	५०५	५०६	५०७	५०८	५०९	५१०	५११
११ मीन	५४२	५४३	५४४	५४५	५४६	५४७	५४८	५४९	५५०	५५१	५५२	५५३	५५४	५५५	५५६	५५७	५५८	५५९	५६०	५६१	५६२	५६३	५६४	५६५	५६६	५६७	५६८	५६९	५७०	५७१

अक्षांश ३० की लगभगसारणी

२४९

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलतासे निकालते आवे इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी । इसका उपयोगः—

१ केवटा, २ बोलनघाट, ३ मुलतान, ४ मुजफ्फरगढ़, ५ डेरा गाजीखान, ६ भाबलपुर, ७ रायसिंगपूर, ८ फिरोजपूर, ९ कपूरथला, १० छुधियाना, ११ जालंदर, १२ नामा, १३ पाटियाला, १४ कुश्नख, १५ अंबाला, १६ सिमला, १७ देहरादून, १८ सहारणपूर, १९ हरिद्वार, २० श्रीनगर (यू. पी.), २१ टेहरी, २२ केदारनाथ, २३ बट्टीनाथ, २४ अल्मोडा, २५ जम्मोत्री, २६ काठका, २७ मातिया, २८ कुराली, २९ मसूरी.

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९		
० मेष	२२	२२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३३	
१ वृषभ	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	
२ मिथुन	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	
३ कर्क	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	
४ सिंह	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२
५ कन्या	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२८
६ तुल	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०
८ धन	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१
१० कुंभ	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६
११ मीन	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१

अक्षांश ३२ की लगभग सरणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लक्षण सहजता से निकालते आवें इस सुभीते के लिये नीचे दिये ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी। इसका उपयोगः—

१ कंदाहार, २ चमन, ३ बेरा इस्माईल्लान, ४ शाहपूर, ५ सेलम, ६ रावलपिंडी, ७ तसखिला, ८ गुजरानवाला, ९ सिवालकोट, १० जंमू, ११ गुरुदासपूर, १२ लाहौर, १३ पठाणकोट, १४ गोविंदगढ़, १५ अमृतसर, १६ धारीवाल, १७ होशियारपूर, १८ कांगडा, १९ चांबा, २० घरमशाला, २१ गुजरगढ़, (पंजाब) २२ चिलियानवाला, २३ भेरा, २४ कुलरकोट, २५ कुश्म, २६ चंबलपूर, २७ कोहाट, २८ बसई, २९ जंद, ३० खुशालगढ़, ३१ इस्लामाबाद.

राशियाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
१ वृषभ	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
२ मिथुन	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
३ कर्क	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
४ सिंह	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
५ कन्या	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
६ तुल	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
७ वृश्चिक	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
८ धन	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
९ मकर	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
१० कुम्भ	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५
११ मीन	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५

१ श्रीनगर (काश्मीर), २ नौशेरा, ३ पेशावर, ४ चित्रल, ५ लडाक, ६ आगठाबाद, ७ बारामूल, ८ मार-
इन, ९ वुरगाई, १० काबूल, ११ जलालाबाद, १२ गिजनी, १३ खैरघाट, १४ लांडीकोटल, १५ अटक.

अयन और परम क्रांति की स्थिति आदि परिमाण दर्शक

वेदोक्त ऐतिहासिक कोष्टक.

प्र. सं.	संस्कारभक्त पूर्व वर्ष	अयनांश अंग	एकवर्षकी अयनगति विकला	सांवातिक वर्ष मान ३६५ दिन च.प.वि.	सांवातिक नक्षत्र आरंभ	सांवातिक भाव	रवि परम क्रांति	वेदज्ञानका जिनको स्फुरण हुआ वेदग्रन्थास +	ऐतिहासिक ग्रंथ विमोचन
०	३३४१५४	४६.६	+२५.६१	१५.४८.५६	रेडिगां २	विशाख	६७.८७६	स्वयंभू	प्राचीन सामग्रं
१	३३२१५४	१२७.५	२२.१०	४६.११	मघा ३	भाद्रपद	६६.२८९	प्रजापति	संहिता प्रयोग आरंभ
२	३३०१५४	१९९.३	२०.१०	४३.२	स्वाति ४	आश्विन	६४.७०२	उत्तम	सामवद संहिता
३	३२८१५४	२६२.१	१७.७८	४०.४२	पूर्वाषाढा ३	मार्गशीर्ष	६३.११६	बृहस्पति	यजुर्वेद
४	३२६१५४	३२५.९	१४.७७	३७.५७	श्रावण ३	माघ	६१.५२९	सावता	अथर्ववेद
५	३२४१५४	०.७	१२.७७	३५.१२	अश्विनी १	चित्र शु. १	५९.९४२	भृगु	अथर्ववेद संहिता
६	३२२१५४	१६.४	९.३६	३२.२७	कृत्तिका ३	विशाख	५८.३५६	इन्द्र	रचनाका आरंभ होकर
७	३२०१५४	६३.१	६.६५	२९.४८	मृगशीर्षा ३	उज्ज्वल	५६.७६९	वसिष्ठ	समाप्ति का.
८	३१८१५४	८०.७	३.९४	२६.५७	पुनर्वसु ३	"	५५.१८२	सामस्वत	अत्रि कालरभ
९	३१६१५४	८९.३	+१.२३	२४.४१	" ३	"	५३.५९६	मित्रामा	शुक्रिणावरं समाप्ति
१०	३१४१५४	८८.९	-२.१८	२२.२७	" ३	"	५१.००९	त्रिभुवा	वामावर्त आरंभ
११	३१२१५४	७७.५	४.१९	१८.४१	आर्द्रा ४	"	४९.५२२	अमृतारि	अद्वितीयक समाप्ति
१२	३१०१५४	६१.०	६.१०	१५.५७	मृगशीर्षा ३	"	४८.०३६	अमृतारि	उपलब्ध वेद संहिता
१३	३०८१५४	३३.५	९.६१	१३.१६	कृत्तिका ३	विशाख	४७.२४९	वज्री	प्रयोगा निर्माण
१४	३०६१५४	३५.७	१२.३२	१०.२८	रोहिणी ४	फाल्गुन	४५.६६२	अश्विन	ग्रहण का काल आरंभ
१५	३०४१५४	३३.४	१०.०३	७.४२	श्रावण ३	माघ	४४.०७६	चनजय	ग्र. ग्रंथ २००० करीक
१६	३०२१५४	२५.६	१७.७८	४.१७	पूर्वाषाढा २	मार्गशीर्ष	४२.४८९	कृतजय	दन. उपलब्ध पदविश
१७	३००१५४	१९.२	२०.४५	२.१६	स्वती ३	आश्विन	४०.८०२	मृगशीर्षा	तद्विषय ग्रहण
१८	२९८१५४	१२.०	२२.१०	१५.२८	मघा १	अश्विन	३९.११६	अश्विन	गोपथ
१९	२९६१५४	३८.८	२५.८७	१४.५३	कृत्तिका ४	विशाख	३७.७२९	गौतम	ऐतरेय
२०	२९४१५४	३०.८	२८.५८	१३.५८	श्रावण ३	माघ	३६.१४२	हयारमा	तैत्तिरीय सतपथ ग्रहण
२१	२९२१५४	२०.८	३१.२८	११.१२	विशाख ३	आश्विन	३४.५५६	वेन	ग्रहण प्रयोग का
२२	२९०१५४	१९.५	३३.९९	४८.२८	पुष्य ३	आषाढ	३२.९६२	तृणविन्दु	पूर्णता
२३	२८८१५४	३४.१७	३६.७०	४५.४३	उ. भाद्र ३	फाल्गुन	३१.३८२	कल	आतसून कालरंभ लाक्षा
२४	२८६१५४	२९.५	३९.४१	४२.५८	अश्विनी ४	कालिका	२९.७९६	पराशर	यन, ग्राह्यायन, ऋतुमासि
२५	२८४१५४	७९.०	४२.२२	४०.१२	आर्द्रा ४	उज्ज्वल	२८.२०९	पराशर	साध्य वै. वा. शुद्धकालरंभ
२६	२८२१५४	२९.४	४४.८३	३९.४८	श्रावण १	पाष	२६.६२६	हयारमा	पारस्कर शुद्ध सूत्र
२७	२८०१५४	४०.०	४७.५४	३८.५३	पू. भाद्र ३	आषाढ	२५.०३६	अश्विनी	वेदार्थ ज्यो. आचरामायण
२८	२७८१५४	३३.७	-५.०५	३६.५८	उ. भाद्र ३	फाल्गुन	२३.४४९	०.०००	सिद्धांत ग्रंथ

उपयुक्त अयनांश और रवि परम क्रांति शके १८४६ के समय ३३७.२ अंश में अयन गति ५०.२३५७२ एक वर्ष में अयनगति का कालांतर संस्कार ०००११२८९ वर्ष वर्ग। गत वर्ष १२ हजार युग संख्या में ऊर्ध्व करके तथा परम क्रांति की वर्ष गति ४७६ विकलात्मक का गुणाकार जोड़ कर लिखे गए हैं। यह परिमाण प्रो. हानसेन कोष्टक से मिलते हुए हैं। प्रो. हानसेन कोष्टक परम क्रांति की आंदोलन गति तथा लिबेरियर का कालांतर संस्कार से वेदोक्त क्रांति नहीं मिलने से उपयोग में नहीं ली है।

+ विष्णुपुराण से उद्धृत.

हमारे रचित और प्रकाशित ग्रन्थों का परिचय और उनपर प्राप्त हुए विद्वानों के अभिप्राय

वेदकाल-निर्णय

कोई कहता है वेद अवीर्य्य हैं ईश्वर प्रणीत हैं; यह भगवान की श्वासा से उत्पन्न हुए हैं। तो कोई कहता है; संसार की तमाम वस्तु काल बढ़ हैं। इस उल्लेखन भरी जटिल समस्या पर कई भारतीयों " जैसे सुधाकर द्विवेदी, तिलक, दीक्षित, वैद्य, केतकर, लेले, गोडबोले, दास प्रभृति विद्वानों तथा पाश्चिमात्य, म्याक्स मुल्लर, डॉ० हौ, बेंटली, वायो, बेवर, थोवो, " आदि विद्वानों ने खूब गहरा विचार किया है।

वसन्त संपात यह वाम गति से २६ हजार वर्ष के लगभग पुनः अपनी पाहिली स्थिति पर पूर्ण प्रदक्षिणा करता हुआ आता है। क्योंकि यह गणितागत बात है सो एक एक बात की जांच इसमें कई प्रकारों से करी गई है। और उसी की जांच में भूभाग की बनावट के तथा समुद्र की तली दिखाने वाले न्यारे न्यारे नक्शे दिए हैं। नकशा नं. १ दस लाख से आठ लाख वर्ष की प्राचीन स्थिति समुद्र तथा जमीन की स्थिति बताता है। नकशा नं. २ आठ लाख से २ लाख वर्ष की स्थिति बताता है। नकशा नं. ३ दो लाख से ८० हजार वर्ष की पुरानी स्थिति दिखाता है। उसी प्रकार नकशा नं. ४ अरसी हजार से नव हजार वर्ष तक की स्थिति दिखाने वाला है। इन चारों नक्शोंसे जांच की है। इसी प्रकार जिस सरस्वती नदी का वर्णन आज हम कई ग्रंथों में पढ़ रहे हैं वह आज विनश्वन् हो गई तब यह घटना कितने वर्षों में होना संभव है, पराशर कालीन भूगोल वर्णन, वराह मिहिर का भूगोल वर्णन और आज का भूगोल में कितना और क्या क्या स्थित्यंतर कैसे कैसे हुआ है। आज से तीन लाख वर्ष तक अनुक्रम से अयनांश कैसे और कितने थे। साम्प्रतिक नक्षत्र कौनसा था, सौर मास तथा वसन्तारंभ की तिथियां कैसी थीं। पौलिश सिद्धान्त कितने वर्ष का पुराना है। औत सूर्य के भाष्यकार कर्काचार्य को कितने वर्ष हुए। एका खूब कितने वर्ष के पुरातन हैं। इसी प्रकार वेदांग ज्योतिष एवं आरण्यक तथा ब्राह्मण ग्रंथ और वेद कितने वर्ष के प्राचीन हैं। इन सब बातों का सविस्तर खुलासा इस पुस्तक में स्थल स्थल पर किया है। नव शिक्षित को जटिल वाक्य सुलभतासे समझ में आने के लिए इसमें परिभाषा भी जोड़ दी है। जिसके बल पर सर्व साधारण पुरुषका भी ज्योतिष शास्त्र में प्रवेश मली प्रकार हो सकता है। पुस्तक बहुत ही उच्च कोटिकी और गंभीर विषयों से ओतः प्रोत है। इसके महत्त्व को समझकर ही हृदोर मराराजने आगाध अनुकम्पा करके पुस्तक छपवा दी है, यही इसकी उपादेयता का खासा नमूना है। मूल्य सिर्फ ४ पया रखा है। पुस्तक संग्रह करने योग्य है। शीघ्रता करिये पुस्तक थोड़े ही रह गये हैं।

युग-परिवर्तन अर्थात् कलियुग का अन्त और सतयुग का आरंभ।

भारत वर्ष के कोने कोने से आवाज उठाई जा रही है कि " अब सोने का जमाना गया। नीता !! समाप्त होगया !! अब हमें अमीछ कर्म धुरंधुर बनना चाहिए। केवल तर्क वितर्कों से अब काम नहीं चलेगा। इस समय हमारा उद्धार करने में हम ही बच हैं; क्योंकि बिना कृति के कुछ नहीं होगा। वह हम अच्छी प्रकार समझ चुके हैं। " निःसंकोच हम ऐसा कहते ही नहीं हैं; वरन् कई जगह इसे कृति में ळाने के लिए प्रयत्न प्रयत्न भी लो रहे हैं। इससे प्रत्येक नीतिज्ञ को निःसन्देह कबूल करना माग होता है कि जमाना बदल रहा है। समय ने पलटा खाया है !! काल और युग अपना रंग बदल रहा है !!!

पुस्तक डेमी साइज में सुन्दर एंटीक पेपर पर छपी है। इसकी जिल्द सुन्दर सुनहरी और प्रोटेक्टर कवर मन को फटका देने वाला है। ऐसी सुन्दर और उपयुक्त पुस्तक का मूल्य सर्व साधारण के लाम के लिये केवल रु. २ ही रखा है। बुकसेलरों को योग्य कमीशन दिया जायगा।

खास रियायत

जो असहाय व्यक्ति इस पुस्तक की १०० सजनों से अधिक पुरुषों को सुना देनेका प्रतिशान्य वष हमारे पास भेजेंगे उचे यह पुस्तक डाक व्यय प्राप्त होने पर हम मुफ्तमें देंगे। प्रतिशान्य वष पर १० प्रतिशित पुरुषों के हस्ताक्षर आवश्यकीय हैं।

आदर्श विवाह—केवल बारह घंटों में तमाम वैवाहिक विधियों की परिपूर्णता।

विवाह संस्कार यह एक ऐसा संस्कार है; जिसपर मनुष्य का तमाम संसारिक जीवन निर्भर है। प्रत्येक मनुष्य मात्र को इसी से काम पड़ता है। आज कल लोगों ने इसकी पवित्र और समुच्चल प्रणाली की और अधिक ही उपेक्षा करी है। केवल कृत्रिम गौरव दिखाने के आभिव और बहाने से कई लोग हजारों ही नहीं बल्कि लाखों रुपया न्यूना कर रहे हैं।

हालही में हमारे मण्डलने 'आदर्श विवाह' नामक ग्रंथ निकाला है। इस में केवल बारह घंटों में तमाम वैवाहिक कृत्यों की परिपूर्णता किस प्रकार करते आती है यह गणपती पूजन से आरंभकर कन्या घर के घर आनेतक तमाम कृत्य बारह घंटों में और विवाह के तमाम कृत्य ५ रुपये से ७ रुपयेतक के खर्च में कैसे परिपूर्ण करते आता है; यह उत्तम प्रकार से भिन्न भिन्नता से समझाया है। वर-वधु के और वधु पिता के कर्तव्य तथा उन के स्वतः के मुख से बोलेजाने वाले मंत्रों का न्याया न्याया सिल सिलेवार खुलासा कर दिया है। सर्व साधारण पुरुषभी इस में विवाह पढ़ति जोड़ी हुई होने से आदर्शता युक्त काम करा सकता है। मूल्य सिर्फ ॥०॥ मात्र रखा है।

उपरोक्त पुस्तकें मिलनेका पत्ता:—

तरव संशोधक सोसायटी
यशवंतनिवास रोड
इन्दौर,

तत्त्वज्ञान संचारक मंडल
पल्लवपुर सिटी
बेरा.

अभिप्राय।

परम माननीय श्रीमान रावबहादुर सरदार माधवराव विनायकराव किशे

होम मिनिस्टर इंदोर स्टेट, लिखते हैं—

In his book entitled "Veda Kal Nirnaya", Vol. I, Vidyabhushan Pandit Dinanath Shastri Chulet of Elichpur, (Berar) has attempted to assign dates of four ancient works, viz., (1) Karkacharya's Commentary on Shulba Sutra, (2) Paraskar Grihya Sutra, (3) Paulish Siddhanta, and (4) Vedanga Jyotish. These are far more ancient than modern scholars are inclined to agree. They are all, however, based on astronomical evidence based on references to physical phenomena observed in the sky.

It was Bal Gangadhar Tilak, who first drew attention of scholars to astronomical references in the Rig Veda, from which he inferred the age of these texts. It was he who first found that the references in ancient Sanskrit works to Uttarayana and Dakshinayana, referred to two distinct ways of calculating them viz. from one equinox to another, and; from one solstice to another. He also established that in Vedic literature, down to the Brahmanas and even Sutras, the former sort of period was meant. He has also proved that the year commenced with the equinoxes, which was also the beginning of the annual

sacrifices. This pioneer work has facilitated the research of scholars who have followed in his wake.

The above brief description of the work will show that it merits close, careful and critical attention of scholars. There seems no reason for finding fault with the purely mathematical calculations of the learned author, while his interpretations of the old texts although ingenious, appear to be based on ground which has a solid foundation. After Tilak's Orion, and in respects more learned than it, Pandit Dinanath's essays are the most original, learned and remarkable production. Being in an Indian language it may be long before they will attract the attention of scholars.

The manner and method of presentation is also a handicap to the spread of the book. Thinking that he is writing for laymen the Pandit has a tendency to become verbose, and elementary which hide the real contribution made by him to the knowledge of the world, and which has made the work bulky, tedious and uninteresting as far as the scholars are concerned, and as regards orthodox and unimaginative laymen, and scholars trained in the old fashion, they are simply bewildered and unable to appreciate its merits, nay even to accede to its real value.

Indore,
22-5-1933.

(Sd.) M. V. KIBE.

परम माननीय श्रीमान रावबहादुर सरदार माधवराव विनायकराव किंबे

होम मिनिस्टर इंदोर स्टेट, लिखते हैं—

Yuga Parivartan by Pandit Gopinath Shastri Chulet of Ellichpur (Berar) is an original work of great merit. Its main object is to prove that the dreaded Kali Yuga has expired nine years ago and that Krita Yuga has begun. By a critical and thorough examination of the material available he has shown that the current ideas about the length of Yugas have no basis. He proves how the word Yuga has been defined in no less than seven ways in the literature. The four Yugas extending over millions described by astronomers since about the 7th century of the Christian era are for the purpose of the astronomical calculations only and have no bearing on the Yuga described in the ancient religious and historical books. Terrified by the advent of Mussalmans, modern writers on laws have interpolated passages in earlier works and have framed new works regulating life in Kali Yuga. In my opinion the learned Pandit has fully established his theory and it deserves to be widely known and universally accepted by Indians.

His other original contribution is with regard to the age of Mahabharat war. He has lucidly explained passages regarded as obscure and shown how they unerringly fix the age. His interpretation removes all doubts entertained by Scholars and shows that the passages are natural in their place and afford the only date for fixing the date. This portion too should be brought before scholars of the world.

INDORE,
22nd May 1933.

(Sd.) Sardar M. V. KIBE.

प्रोफेसर पं० मांगीलालजी शास्त्री जैपुर से लिखते हैं—

श्रीयुत प्रिय पंडित साहब ! सप्रणय नमस्कार । आपका प्रेषित युग-परिवर्तन अमूल्य ग्रंथ मिला । मुझे अत्यंत संतोष होता है, आपका यह काम अमानुष और अलौकिक है । इस युग-परिवर्तन की लिखने की पद्धति

बहुत ही हृदयकारक है। इससे वैदिक संस्कार सम्पन्न व्यक्ति को बड़ा लाभ होगा। विषय गंभीर है, पर आपने खूबसी सरल समझाने का तरीका अख्तियार किया है। मुझे तो हृदय धन की तरह प्रिय है। मैं इन दिनों में इसी प्रकारके अध्ययन में प्रवृत्त हूँ। अतः इससे मुझे बहुत ही मदद मिलेगी।

इसमें सुपर्णचिति वैदिक पंचांग को पढ़कर वेदों के घरा मण्डल में एक विद्वान् पं. मधुसूदनजी ओसा बहुत प्रीत हो रहे हैं। आप दोनों पितापुत्रों ने इन ग्रंथों के द्वारा अकथनीय विचारशैली में क्रांति कर डाली है। वस्तुतः आपकी अनन्य सामान्य विद्वत्ता कीशाल देख कर सभी विस्मित हो रहे हैं। मुझे महान् संतोष है कि आप यह काम कर रहे हैं, जिसको इधर कई शताब्दियों से लोग भूल बैठे थे। मैंने आपकी दोनों पुस्तकों को स्वाध्याय में मान लिया है।

जयपूर ६-५-१९३३

मंगीलाल शर्मा

श्रीमान् अमरचन्दजी पुगलिया बी. ए. देहली से लिखते हैं—

आपकी तीनों पुस्तकों का केवल विहंगम दृष्टिसे मैंने अभी अवलोकन किया है। समाज की दूषित वर्तमान विचार प्रणाली जन्म अनेक प्रचलित कुरीति (रुढ़ि) योंका निमेषता पूर्ण विद्वत्ता के साथ ऊहापोह करके नवीन युग-परिवर्तन के सिद्धान्त का अकाट्य युक्तियों से समीपोग विवेचन किया गया है। आपका यह प्रयास वास्तव में सराहनीय है।

देहली ६-६-१९३३

अमरचन्द पुगलिया

I have gone through "VEDKAL NIRNAYA," written by Pandit Dina Nath Shastri. This work has been originated from an ingenious brain, and on its completion very abstruse and unique subjects will be presented to the World. It is possible that some readers might disagree to these novel principles, but this does not mean that they should not be allowed to see the light of the day.

We heartily welcome the propagation of these thoughts, and request our readers to co-operate with us in giving these new ideals a wide publicity.

Palace Library, Jaipur.

Raj Pandit, Vidya Vachaspati

Dated 10th August, 1933.

श्री मधुसूदन शर्मा ओसा.

श्रियुत विद्याभूषण पण्डित दीनानाथ शास्त्री का "वेदकाल निर्णय" नामक ग्रंथ बनने से केवल हिन्दी भाषाकोही लाभ हुआ है ऐसा नहीं। शास्त्रीजीने जगत के सब विद्वानों के सामने एक गहन विचारणीय विषय उपस्थित कर दिया है और उस विचार की दिशा भी अनेक प्रकारों से स्पष्ट कर दी है। संकुचित बुद्धि के पुरुष स्मृति पुराणादि कों से इस ग्रंथ में प्रतिपादित विषयों का विस्मय देखकर कदाचित् इसकी योग्यताका आकलन न कर सकेंगे-पर निरंकुश शुद्ध बुद्धि के विद्वान् इसमें की विचार पद्धतिसे अवश्यही बहुत प्रसन्न होंगे। हिन्दी पाठकों को सुगमता से विषय समझ में आये इस हेतु से शास्त्रीजी ने हिन्दी भाषामें अनुपलब्ध अनेक पाश्चात्य सिद्धान्तोंका इस ग्रंथ में सरलतासे विवेचन किया है। और जगह २ नकश-कोष्ठक और आकृतियाँ लिखकर कठिन विषयभी सुगम करने का यत्न किया है। इस ग्रंथ के निर्माण होने से प्राचीन ग्रंथोंके विषय में जो विचार परम्परा चली आरही है उसमें बड़े महत्व की क्रांति होगी ऐसा मैं समझता हूँ। आशा है कि इसका शिष्य हंजरी इत्यादि पाश्चात्य भाषाओं में अनुवाद होगा और इस ग्रंथ में जो सिद्धान्त शास्त्रीजी ने निश्चित किये हैं उन से पुरातनतत्त्व शोधन के कार्य में बड़ी सहायता मिलेगी विद्वानों ने इस ग्रंथ का आदर से आलोचन करना और राजामहाराजाओं ने तथा धर्मियों ने इसके भाषान्तरादि होने में सहायता करना योग्य होगा। इतिग्रन्थ.

वागर ता. २१-८-१९३३

सदाशिव माधव पराण्डे

श्री.

जीवाजीगंज, ग्वालियर.

ता. १-१०-३४.

पं० दीनानाथ शास्त्रीजी, एलिचपुर, सी पी

प्रिय महोदय,

आपने भेजे हुये दो ग्रंथ (१) श्री. गोपीनाथ शास्त्रीजीका “युग परिवर्तन” व (२) आपका “वेदकाल निर्णय” प्राप्त हुये, जिनके लिये मैं आपका आभारी हूँ.

दोनों ग्रंथ व्योतिर्गणितसे व वेदांतसूत्र और उपनिषद् इत्यादि पुरातन ग्रंथोंके वाक्यों के आधारपर लिखे गये हैं. श्री. तिलक महोदय ने वेदकाल शक पूर्व ४००० वर्ष प्रस्थापित किया था उसको आपने लगभग २००० वर्ष पीछे खींचा है. ऐसेही युग परिवर्त में अपने उद्देश्यको साधार सिद्ध करते हुये प्राचीन आर्य संस्कृतिपर जो प्रकाश डाला गया है वह निःसंशय सराहनीय है. आप दोनों महापुरुषोंने ईश्वर प्रेरणासे इस कार्य को अत्यंत परिश्रम से समाप्त किया है इसलिये मैं आपको अनेक धन्यवाद देता हूँ. हे विनंती

आपका,

ल. भा. मुळे

Times of India dated 20th March 1936 Page 5.

Extract from the conclusions drawn by Fr. Heros Astronomical Data.

By far the most interesting seals are those that supply astronomical data of great importance, practically always in connection with the signs of the Zodiac. The pre-Aryan people of India reckoned the time by the solar months. Hitherto it was always said that the Zodiac was invented by the Chaldaeans. But the so called Dravidian people of India had already recorded their astronomical observations based on the Zodiac on these seals thousands of years before the Chaldaeans had learnt the Zodiac from them.

From

L.D. Mahajan, M. Sc. A. Inst. P. (Lond.) F.R.S.A.

Professor of Physics, Mahindra College,

Physics Laboratory,

Mahindra College, PATIALA

Dear Shastri DINA NATH Chulet,

I am very thankful to you for presenting the following three books to me during my stay at Indore in the days of the last Science Congress session.

1. Ved Nirnay by Shastri Dina Nath Chulet.
2. Report of the Indore Pauchang Sodhan Committee by Shastri Dina Nath Chulet.
3. Yug Parivartan by Shastri Gopinath Chulet.

I have gone through them all and have found that all of them are very interesting, and useful books. I hope they will bring you and your son name and fame.

Dated 25-1-1936,

With best wishes, Yours sincerely,

(Sd.) L. D. MAHAJAN.

ऑल इण्डिया ज्योतिष सम्मेलन इंदौर के सिद्धांत विभाग के प्रेसिडेंट

ज्योतिषाचार्य पं. मुरलीधरजी ठक्कर का अभिप्राय

Yeshwantnivas Road, INDORE,

Dated 25th Jan. 1938.

I have great pleasure in residing with Pandit Dinanath Shastri Chulet for a fortnight and seeing his brilliant work which would, if fulfilled, be an ornament for Indian scholars. The difference of opinions among the Panchangs is the common source of dispute in India and it will be a valuable thing to decide it. P. Dinanath Shastri is a man of unique brain and cultured thought. His endeavour is to establish a path which can meet each and every demand raised in different opinion of Panchangas. The work which Shastriji is doing is not a personal one but it is common to all Indian mathematicians and Astronomers. Shastri's scientific pursuit of knowledge in Vedic literature shows his individuality of mind and genuineness of his intelligence. To help him in this chatitable and worldwide field of work is the duty of all Indian Princes and rich men. Ganesh Daivagna who has compiled Grahlaghava observed some planets and put them down in his said work. After 400 years it is Shastri Chulet who has undertaken this valuable work in his hand and labours hard for fulfilling it. I am extremely glad to find P. Gopinath Shastri Chulet, his eldest son, working honest.

MURLIDHAR THAKUR.

नामदार दादासाहेब खापर्डे इनका अभिप्राय

लोकमान्य के स्वर्गवासी होने के पश्चात् वेदकाल निर्णय के विषयपर अधिक खोज लगानेवाला व्यक्ति मिलेगा या नहीं यह मुझे चिन्ता थी। किन्तु एलिचपुर के प्रसिद्ध विद्वान् दि इण्डियन रॉयल तत्त्वज्ञान संचारक सोसायटी के संचालक विद्याभूषण दीनानाथ शास्त्री लुलैट इन्होंने हालही में जो वेदकाल निर्णय नामक ग्रंथ बनाया है उसकी देखते मेरी सब चिन्तार्थें दूर हो गईं। आपने इस ग्रंथ में अनेकानेक सिद्धांतों से वेदों का काल आज से ३ लक्ष वर्ष का पुराना सिद्ध किया है। इससे निःसन्देह है कि हमारी वैदिक प्राचीन संस्कृतियों पर अधिक प्रकाश पड़े बिना न रहेगा।

उमरावती ता. १९-८-३४

आपका

G. S. Khaparde.

॥ श्री ॥

भारत की दुर्बल भावनाओं और कलियुग के भय को मिटाने के लिये दि इंडियन रॉयल तत्त्वज्ञान संचारक सोसायटी के मंत्री ज्योतिर्भूषण पं गोपीनाथशास्त्री लुलैट इन्होंने हाल ही में युगपरिचर्तन नामक ग्रंथ बनाया है। वह भारत में शनोन्नति चाहने वालों के लिये तो अवश्यमेव संग्रहणीय है। अतः प्रत्येक होनहार मनुष्य को यह पुस्तक अवश्यमेव संग्रह में रखना चाहिये।

उमरावती ता. १९-८-३४

आपका

G. S. Khaparde.



एक सुखी पंचांग को जगत व्यापी करने के लिये प्रकाशित होनेवाले ग्रन्थ

जिस पंचांगको आप देख रहे हैं इसी तरहका सर्व सिद्धांतैष्य सजीव शुद्ध सर्व सिद्धांत एवं ग्रहलापव प्रयोंपरसे पंचांग सरलतापूर्वक बन सके और उसके तत्त्व जगत्मान्य हों इस उद्देश्यसे तीन ग्रंथ तैयार किये गये हैं।

(१) सिद्धांत प्रभाकर—जिसके वर्षमानपर १२ शुभ्य रखनेपर वर्षमान कल्पमान जिसका एकरूप होकर सभी ग्रहोंके मध्यम भोग उच्चपात आदि शुभ्यरूप थे वही कल्पादि कल्पान्त और शुभ्य राशी अंशादिका सूर्य आवे वही रविका चक्रभोग शुद्ध वर्षमान के भगणों युक्त यह सिद्धान्त ग्रन्थ तैयार हुआ है। आधुनिक और पौराण्य पद्धति से इसके हरएक अंग प्रत्यंग तुलना करके वेध सिद्धमान से सभी की एक वाच्यता की गई है शुद्धि केंद्र प्रचाल्ये इस गणेश दैवज्ञ के कथनानुसार ग्रह लापवादि के तुलना रूप कई कोष्टक देकर इतना यह ग्रंथ सरल बना दिया है कि चाहें तो पंचांगकार अपने अपने ग्रन्थों के आधार पर पंचांग बनाने में शीघ्र संस्कृत शुद्धता हासिल करते हुए थोड़े ही परिश्रम में वेध तुल्य महान् कार्य कर सकें ऐसा यह सरल ग्रंथ बनाया है।

(२) चुलेट टेबल—नव शिक्षित हिन्दी ४ कक्षा का विद्यार्थी भी इस पुस्तक में बताए हुए टेबल और अनेकानेक सारणी के जरिये ३-४ मास में ही पंचांग बनाने के योग्य ज्योतिष के ज्ञान को सीखते ही इसके द्वारा शुद्ध सुरुम गणित का चाहे जिस वर्ष का पंचांग बना सकता है। गुणन भजन, वर्ग वर्ग मूल, घन घन मूल आदि कठिन गणित को धारा पद्धति द्वारा सरलता से कर सकें ऐसी वैदिक तरकीबें बताई गई हैं। टेबल तो इतने बना दिये हैं कि केवल जोड़ और बाकी मात्र करने में जटिल से जटिल पंचांग गणित विषयक मामले को इसके द्वारा हल करना विलकुल आसान है। हर वर्ष के बर्यारंभ में एक दिन का गणित मात्र करना पड़ता है बाकी तमाम आगे का गणित के “डाइग्राम सिस्टम” (आलेख्य पद्धति) टेबलों द्वारा सरलता से सालभर का गणित इसके द्वारा बहुत ही स्वल्प समय में कर सकता है।

(३) वैदिक खगोल विज्ञान वैदिक काल से तो आज तक खगोल विज्ञान कैसा और किस रूप में आया है यह (१) वैदिक काल, (२) ब्राह्मण श्रौतकाल, (३) पुराण काल और (४) सांप्रतकाल इनके आकृति आलेख्य आदि देकर संसार के सैंदावेस्ता खासिबयन वेद इष्टकाकृति लेख दंतकथा (मायथालाजी) इन सबकी इसमें एक वाच्यता बतलाते हुए तीन लाख वर्षके काल का अनुक्रम इसके द्वारा निश्चित होता है अर्थात् खगोलिक ऐतिहासिक घटनाओं के अन्यान्य धार्मिक ग्रंथकारों ने कथानकका रूप देकर किस तरह बतलाया है कि जिसके द्वारा संसार के तमाम प्राचीन ग्रंथोंकी खगोल विज्ञान के गणित द्वारा एकवाच्यता हो जाती है। इससे पुराण वस्तु संशोधक मंडल और प्राचीन इतिहास संशोधक मंडलके ध्यान देने लायक यह खगोल विज्ञान अर्थात् आकाशीय संसार नामक नए शोधवाली अद्वितीय पुस्तक है।

निवेदक—गोपीनाथ ब्राह्मी चुलेट.



